35 वीं वार्षिक रिपोर्ट

2020 – 2021

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
निफ्ट अधिनियम 2006 द्वारा शासित एक सांविधिक संस्थान
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
निफ्ट परिसर, हौज खास, गुलमोहर पार्क के पास,
नई दिल्ली –110016

35वीं वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

विषय सूची

2	संगठनात्मक ढांचा
5	परिचय
7	फाउंडेशन कार्यक्रम
9	फैशन डिजाइन
13	लैदर डिजाइन
17	टेक्सटाइल डिजाइन
21	निटवेयर डिजाइन
23	फैशन और जीवनशैली एक्सेसरीज
27	फैशन सम्प्रेषण
31	फैशन प्रबंधन अध्ययन
34	फैशन और प्रौद्योगिकी
41	डिजाइन स्पेस
44	पी एच डी और अनुसंधान
48	सतत शिक्षा कार्यक्रम
49	प्रवेश
50	छात्र विकास गतिविधियाँ
51	अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू संपर्क
54	शिल्प समुदाय विकास
57	राष्ट्रीय संसाधन केंद्र
58	सूचना प्रौद्योगिकी
59	उद्यम संसाधन योजना
60	कैंपस प्लेसमेंट
62	दीक्षांत समारोह
63	संकाय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण एवं विकास
64	निफ्ट में परियोजनाएं
66	कॉरपोरेट कम्युनिकेशन सेल

निफ्ट कैंपस रिपोर्ट	
69	बेंगलुरु
75	भोपाल
81	भुवनेश्वर
91	चेन्नई
99	गांधीनगर
103	हैदराबाद
111	जोधपुर
117	कांगड़ा
122	कन्नूर
128	कोलकाता
136	मुंबई
146	नई दिल्ली
152	पंचकुला
153	पटना
160	रायबरेली
166	शिलांग
169	श्रीनगर
172	लेखा रिपोर्ट
229	निफ्ट परिसरों के पते

संगठनात्मक ढांचा

शासक मण्डल (बोर्ड ऑफ गवरनर्स) मार्च, 2021 के सदस्य

शासक मण्डल सदस्य का नाम, पदनाम और पता

श्री उपेन्द्र प्रसाद सिंह,
सचिव (वस्त्र) वस्त्र मंत्रालय और अध्यक्ष, शासी मण्डल–निफ्ट

सुश्री सरोज पांडे
माननीय संसद सदस्य, राज्यसभा

श्रीमती रक्षा निखिल खडसे
माननीय संसद सदस्य, लोकसभा

डॉ. टी. सुमति (अ) थमिझची थांपांडियन
माननीय संसद सदस्य, लोकसभा

श्री विजोय कुमार सिंह, आईएएस
एएस एंड एफए, वस्त्र मंत्रालय

श्री शशांक प्रिया,
एएस एंड एफए, वस्त्र मंत्रालय
(25 नवंबर, 2020 को आयोजित एफ एंड एसी की 51 वीं बैठक एवं
22.12.2020 को 51 वीं बी.ओ.जी बैठक के लिए)

श्री जोगीरंजन पाणिग्रही, आईआरएस
संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय

श्री मधु रंजन कुमार, आईआरएसएस
संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय

श्री शांतमनु, आईएएस
महानिदेशक, राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान

मार्च 2021 तक निफ्ट मुख्यालय के अधिकारीगण

श्री शांतमनु, आईएएस
महानिदेशक

सैयद अशरफी
रजिस्ट्रार एवं बोर्ड सचिव

प्रो. डॉ. एम. के. गांधी
प्रमुख (ईआरपी)

कर्नल अगेंद्र मुकुल
निदेशक मुख्यालय

प्रो. विजय कुमार दुआ
प्रमुख सीओई

प्रो. डॉ. रघुराम जयरामन
प्रमुख (उद्योग और पूर्व छात्र मामले)

सुश्री ऋचा गहरवार, आईआरएस
मुख्य सतर्कता अधिकारी

सुश्री रजनी शाह
सहायक बोर्ड सचिव एवं विधि अधिकारी

प्रो. डॉ. रूपा अग्रवाल
प्रमुख (क्लस्टर)

श्री बी.के. पांडे
मुख्य लेखा अधिकारी एवं निदेशक (एफएंडए) (प्रभारी)

प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला
प्रमुख (सतत शिक्षा एवं डिप्लोमा कार्यक्रम)

प्रो. डॉ. सिबिचन के.एम.
प्रमुख (अनुसंधान)

प्रो. डॉ. वंदना नारंग
डीन (शैक्षिक)

प्रो. बिनवंत कौरी
प्रमुख (अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू संपर्क)

प्रो. डॉ. सुधा ढींगरा
प्रमुख (एफओटीडी)

प्रो. डॉ. शिंजू महाजन
प्रमुख (शैक्षणिक मामले)

प्रो. डॉ. अनुपम जैन
प्रमुख (परियोजनाएं)

सीनियर प्रो. डॉ. बान्ही झा
प्रमुख (प्रकाशन)

डॉ संजीव कुमार
निदेशक (एनआरसी) एवं सूचना प्रौद्योगिकी

प्रो. डॉ. प्रीता हुसैन
प्रमुख (कॉर्पोरेट संचार प्रकोष्ठ)

मार्च 2021 तक शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष

प्रो. डॉ. शालिनी सूद
डिजाइन विभाग (स्पेस)

प्रो. डॉ. राजीव मलिक
फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग

प्रो. डॉ. उषा नरसिम्हन
लैदर डिजाइन विभाग

प्रो. डॉ. विभावरी कुमार
फैशन संचार विभाग

प्रो. आर. रसेल टिमोथी
फैशन प्रौद्योगिकी विभाग

प्रो. डॉ. वसंता
टेक्सटाइल डिजाइन विभाग

प्रो. डॉ. पूर्वा खुराना
फैशन डिजाइन विभाग

प्रो. डॉ वर्षा गुप्ता
फाउंडेशन कार्यक्रम

प्रो. डॉ. जी. चिरंगी रेड्डी
फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग

प्रो. डॉ. वी. यशोदा कुमारी
निटवेअर डिजाइन विभाग

मार्च 2021 तक निफ्ट परिसरों के अधिकारी

बेंगलुरू

सुश्री सुसन थॉमस, आईआरएस
परिसर निदेशक

प्रो. डॉ. यर्तीद्र
संयुक्त निदेशक (स्वतंत्र प्रभार)

जोधपुर

डॉ विजया देशमुख
परिसर निदेशक

श्री अनिल कुमार
संयुक्त निदेशक

पंचकुला

डॉ पुनीत सूद
परिसर निदेशक (स्वतंत्र प्रभार)

श्री डी.के. रंगरा
संयुक्त निदेशक

भोपाल

कर्नल सुब्रतो विश्वास (सेवानिवृत्त)
परिसर निदेशक

श्री अखिल सहाय
संयुक्त निदेशक

कांगड़ा

श्री. आकाश देवांगन, आईआरएस
परिसर निदेशक

पटना

प्रो. संजय श्रीवास्तव
परिसर निदेशक
श्री एस.के.झा
संयुक्त निदेशक

भुवनेश्वर

श्री शोवन कृष्ण साहू, आईआरएस
परिसर निदेशक

श्री अजीत कुमार साहू
संयुक्त निदेशक

कन्नूर

डॉ. पुनीत सूद
परिसर निदेशक

डॉ. भास्करनकम
संयुक्त निदेशक

रायबरेली

डॉ. भरत साह
परिसर निदेशक

श्री एन.एस. बोरा
संयुक्त निदेशक

चेन्नई

प्रो. डॉ. अनीता मनोहर
परिसर निदेशक

श्री बी नरसिम्हन
संयुक्त निदेशक

कोलकाता

सुश्री मोनिका अग्रवाल
परिसर निदेशक

श्री बृजेश देवरे
संयुक्त निदेशक

शिलांग

श्री अरिंदम दास
परिसर निदेशक

श्री मृणाल सजवान
संयुक्त निदेशक (स्वतंत्र प्राभर)

गांधीनगर

प्रो. डॉ. ए के खरे
परिसर निदेशक

श्री पी. के. झा
संयुक्त निदेशक

मुंबई

प्रो. डॉ. पवन गोडियावाला
परिसर निदेशक

श्री खुशाल जांगिड़
संयुक्त निदेशक

श्रीनगर (जम्मू–कश्मीर)

श्री जाविद अहमद वानी
परिसर निदेशक

हैदराबाद

श्री विजय कुमार मंत्री, आईएएस
परिसर निदेशक

श्री एल मदन कुमार रेड्डी
संयुक्त निदेशक

नई दिल्ली

प्रो. डॉ. वंदना नारंग
परिसर निदेशक (प्रभार)

श्री अमित कुमार सिंह
संयुक्त निदेशक

परिचय

संक्षिप्त इतिहास

वर्ष 1986 में स्थापित, राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) हमारे देश में फैशन शिक्षा का अग्रणी संस्थान है और वस्त्र एवं परिधान उद्योग को पेशेवर मानव संस्थान प्रदान करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान ज्ञान, शैक्षणिक स्वतंत्रता, महत्वपूर्ण आजादी और रचनात्मक सोच को एकीकृत करते हुए फैशन शिक्षा में अग्रणी है। संस्थान, तीन दशकों से, अकादमिक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में और सक्षम पेशेवरों को विकसित करने के एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहा है। भारत के राष्ट्रपति की उपस्थिती में इसे भारतीय संसद के अधिनियम द्वारा वर्ष 2006 में वैधानिक संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया और पूरे देश में इसके 17 पूर्ण विकसित पेशेवर रूप से प्रबंधित परिसर स्थापित हैं।

शैक्षणिक समावेशन राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की पहचान रहा है और इसके विस्तार में उत्प्रेरक है। संस्थान सौन्दर्य और बौद्धिक उन्मुखताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को एक साथ लाता है। जहाँ शुरुआती प्रशिक्षकों में फैशन इंस्ट्रीटयूट ऑफ टेक्नॉलजी, न्यू यॉर्क, यूएसए, के प्रमुख प्रगतिशील विद्वान शामिल थे, वहीं स्वयं के संकाय को बुद्धिजीवियों के एक प्रतिष्ठित समूह से तैयार किया गया था, जिन्होंने प्रभावी शिक्षण हेतु गतिशीलता मार्ग का सृजन किया। अब संस्थान प्रमुख फैशन व्यवसायियों, शिक्षा उत्साही, उद्यमियों, रचनात्मक विचारकों, शोधकर्ताओं और विश्लेषकों के एक मजबूत समुदाय का नेतृत्व करता है।

अपनी यात्रा के माध्यम से, राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), ने अपनी शैक्षणिक रणनीति को मजबूत किया है। उत्साहजनक वैचारिक नेतृत्व, अनुसंधान प्रोत्साहन, उद्योग पर ध्यान केंद्रित करने, रचनात्मक उद्यम, और सहकर्मी शिक्षण ने संस्थान के अकादमिक आधार को सुदृढ़ किया है।

रचनात्मक विचारकों की एक नई पीढ़ी को पोषित करते हुए संस्थान को स्नातक, स्नातकोतर, डॉक्टरेट अध्ययन में डिग्री देने का अधिकार है। विश्वस्तरीय शिक्षण प्रथाओं की विचारधारा को व्यक्त करते हुए, संस्थान ने अग्रणी अंतराष्ट्रीय संस्थानों के साथ रणनीतिक गठबंधन किया है। इस प्रकार संस्थान ने डिजाइन, प्रबंधन और प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में फैशन शिक्षा के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया है।

कई वर्षों से निफ्ट, हथकरघा और हस्तशिल्प के डिजाइन विकास और स्थिति निर्धारण के क्षेत्र में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के लिए एक ज्ञान सेवा प्रदाता के रूप में भी काम कर रहा है।

संस्थान का विजन चुनौतियों को स्वीकार करता है और उच्चतम शैक्षिक मानकों को स्थापित करने हेतु प्रेरित करता है। निफ्ट सदैव उत्कृष्ट बने रहने के लिए प्रयासरत रहता है।

हमारा विजन

हम निफ्ट के अपने सभी परिसरों में डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन से संबंधित फैशन में उच्चतम मानकों को सीखने का अनुभव प्रदान करते हैं और उल्लेखनीय रूप से अपने रचनात्मक छात्रों को भारत की टेक्सटाइल और शिल्प से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं तथा उन उद्योगों के संदर्भ में हम उभरते वैश्विक रुझानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन उद्योगों की हम सेवा करते हैं।

हमारा मिशन (लक्ष्य)

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में हमः

- प्रतिभाशाली युवा पुरुषों और महिलाएं को अपनी आविष्कारशील क्षमता को पोषित करने और स्वयं, उद्योग और समाज के लिए मूल्यवान विशिष्ट कौशल हासिल करने के लिए एक परिवर्तनकारी शैक्षिक वातावरण प्रदान करेंगे
- भारत की विस्तारित कलात्मक विरासत के विशाल वर्णक्रम जो अभी भी दृढ़ता से समकालीन बना हुआ है, और जिसमें विघटनकारी प्रौद्योगिकियां शामिल है, उसके लिए एक प्रेरणादायक, आधुनिक और विकसित पाठ्यक्रम प्रदान करना।
- हमेशा सहचर्य कि शक्ति पर बल देते हुए अपने छात्रों, संकाय सदस्यों और भूतपूर्व छात्रों में सांस्कृतिक और व्यक्तिगत विविधता का महत्व बताना तथा उसे उत्सव के रूप में मनाना
- कठोर और अत्याधुनिक अनुसंधान के प्रचार के माध्यम से कपड़ा, परिधान, खुदरा और सहायक उद्योग के सभी पहलुओं के लिए डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में अभिनव और परियोजना आधारित शिक्षाविदों के प्रचार में एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनना
- अपने संकाय सदस्यों तथा छात्रों को शैक्षणिक संस्थानों, फैशन हाउस, स्टार्ट–अप हब और अपने कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक नियमों के साथ गहन बातचीत करने में सक्षम बनाना
- पेशेवर उत्कृष्टता और व्यक्तिगत निष्ठा के मानकों, को सटीक करने के लिए प्रतिबद्ध रहने वाले स्नातकों को आगे लाना।

फाउंडेशन कार्यक्रम

फाउंडेशन कार्यक्रम का लक्ष्य उन्नत संवाद और अनुभव के माध्यम से प्रवेशकों को अंतर – अनुशासनात्मक प्रदान करना है। पारगमन पाठ्यक्रम निफ्ट छात्रों के बीच एक संस्कृति विकसित करता है. जो उन्हें कुशल और सामाजिक रूप से जागरूक डिजाइनरों और फैशन तकनीशियन के रूप में जीवन के लिए तैयार करेगा। फाउंडेशन अध्ययन के दौरान छात्रों को विभिन्न वातावरण का अनुभव होता है और उनकी आकांक्षा का पता लगाता है और प्रयोग के साथ कल्पना को जोड़ता है। फाउंडेशन कार्यक्रम के दौरान पढ़ाए गए विषय डिजिटल डिजाइन प्रौद्योगिकियों और संचार के अग्रणी उपयोग के साथ प्रतिनिधित्व तकनीकों, कला,शिल्प और डिजाइन संवेदनशीलताओं, डिजाइन अवधारणाओं विधियों, प्रक्रियाओं और अभिविन्यास पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

कार्यक्रम डिजिटल डिजाइन प्रौद्योगिकियों और संचार माध्यमों के अग्रणी उपयोग पर केंद्रित है अनुभव कौशल, सहयोगात्मक मूल्य सृजन और वैचारिक स्पष्टता और संबंधित संवेदनशीलता के लिए विकासशील दृष्टिकोण के माध्यम से उनके जुनून को बढ़ाने के लिए आवश्यक स्थान प्रदान करेगा। प्रथम वर्ष के दौरान प्राप्त अनुमत छात्र समुदाय के सम्पूर्ण विकास को बढ़ावा देगा।

कार्यक्रम में ऐसे पाठ्यक्रम भी शामिल हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों के व्यक्तित्व विकास का समर्थन करते हैं। मेजर विषयों के साथ, छात्रों को उनकी सह–पाठ्यक्रम क्षमताओं को मजबूत करने के लिए फाउंडेशन स्तर से सामान्य ऐच्छिक विषय पेश किए जाते है। सामान्य ऐच्छिक विषय व्यक्ति के संपूर्ण वा समाज के और दृष्टिकोण के आधर पर छात्र के मौलिक संज्ञानात्मक अभिविन्यास को बढ़ाएगा। इसमें प्राकृतिक दर्शन, मौलिक अस्तित्वगत और आदर्शवादी पद, विषय, मूल्य, भावनाएं और नैतिकता शामिल है।

उद्योग संबंध एवं परियोजनाएं

अध्ययन के प्रथम वर्ष के दौरान छात्रों को प्रेरकों, उद्योग विशेषज्ञों, पेशेवरों, ट्रॅंडसेटर, प्रदर्शन करने वाले कलाकारों और डिजाइनरों सहित कई प्रकार की सुविधा प्रदान की जाती है। यह कार्यक्रम छात्रों को स्वतंत्र व्यक्तित्व विकसित करने में मदद करता है और उन्हें तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में खुद के लिए अनुकूल बनाने और सीखने की अनुमति देता है।

फाउंडेशन प्रोग्राम पाठ्यक्रम इस तरह से डिजाइन किया गया है कि छात्रों को नियमित रूप से उद्योग का प्रदर्शन प्रदान किया जाता है। सभी परिसरों ने उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ सत्रों की व्यवस्था की और कई परिसर लाइव उद्योग परियोजनाओं में भाग लेने में भी सफल रहे।

छात्रों को उन पाठ्यक्रमों पर दिलचस्प परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ सत्रों की व्यवस्था की गई, जिनमें वे कार्यान्वित थे। विशेष रूप से सपट्टीयल मैपिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन पूर्वानुमान, स्ट्रीट आर्ट और बॉडी पेंटिंग डिजाइन प्रोसेस, ज्वेलरी तथा फैशन, होम फैशन, यार्न, पुनरूपयोगी सामग्री जैसे क्षेत्रों पर फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्रों के लिए कई कार्यशालाओं की व्यवस्था की गई थी। पेंटिंग, डिजाइन प्रक्रिया आभूषण और फैशन, फैशन और मेकअप, भूतल तकनीक और फैशन, घरेलू फैशन, यार्न, रीसायकल सामग्री, ट्रेंड स्पॉटिंग और कूल हंटिंग, कैपेसिटर और ट्रांसफार्मर, डेटा प्रबंधन तकनीक, सतहों का विकास और ठोस का अंतर, विकास और महत्व गारमेंट उद्योग में पैटर्न बनाना और परिधान निर्माण, उद्योग में सामग्री और निर्माण प्रक्रियाएं, कला की मूल

बातें और कला में संस्कृति की भूमिका का अवलोकन, ईओडी और टीओडी के संबंध में रंग की समझ, एकीकृत डिजाइन परियोजना में विचार प्रक्रिया, कहानी सुनाना और रचनात्मक विचारधारा के लिए संश्लेषण आदि शामिल है।

छात्रों को वेबिनार में भाग लेने और कार्यशालाओं और ऑनलाइन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया जो महामारी के दौरान अन्य संगठनों द्वारा आयोजित किए गए थे।

पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, छात्रों के लिए समग्र प्रदर्शन प्रदान करने के लिए उद्योग के दौरे और बाहरी शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। हालाँकि, अधिकांश गतिविधियों को वर्चुअल मोड में बदलने के कारण, विभाग में महामारी के कारण संकाय सदस्यों ने अथक परिश्रम किया और अवसरों का पता लगाने और छात्रों को समान लाभ प्राप्त करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।
अधिकांश परिसरों में उद्योग के साथ कई विशेष बातचीत और आभासी यात्राओं की व्यवस्था की गई।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएं

यह सुनिश्चित करने के लिए कि फाउंडेशन कार्यक्रम के सभी संकाय संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षित हैं, विभाग द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षक कार्यशालाओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

• रचनात्मक सोच कौशल (सीटीएस) – प्रशिक्षण 15 जुलाई से 17 जुलाई, 2020 के बीच दिया गया था और डॉ कौस्तव सेनगुप्ता और डॉ उषा नरसिम्हन द्वारा संचालित किया गया था। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सीटीएस के पाठ्यक्रम के अवलोकन को समझना, सामग्री बैंक में जोड़ने के लिए सीटीएस के मुख्य क्षेत्रों पर फिर से विचार करना और शिक्षण को समझना था।

• स्वयं और समाज – प्रशिक्षण 13 जुलाई से 14 जुलाई 2020 के बीच दिया गया था और डॉ. कौस्तव सेनगुप्ता और डॉ. उषा नरसिम्हन द्वारा संचालितकी गई थी। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वयं और समाज के पाठ्यक्रम और डिलिवरेबल्स के अवलोकन से परिचित होना, प्रतिभागियों को समाज, सामाजिक मुद्दों और शोध उपकरणों के प्रति संवेदनशील बनाना, सामूहिक चेतना और सामुदायिक निर्माण का माहौल बनाने और पिछले सेमेस्टर में निष्पादित सर्वोत्तम अभ्यास और परियोजनाएं साझा करने पर चर्चा करना था।

• डिजिटल डिजाइन और संचार – 1 – प्रशिक्षण 17 अक्टूबर, 2020 को आयोजित किया गया था और श्री के के बाबू द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य फोटोग्राफी की मूल बातें, रॉ थैरेपी में इमेज पोस्ट प्रोसेसिंग, फोटोपी, फोटोग्राफी और इमेज एडिटिंग के लिए फ्री मोबाइल ऐप के बारे में चर्चा और प्रदर्शन और फ्री कैनवास फैकल्टी लाइसेंस आवेदन प्रक्रिया को समझना था।

• ज्यामिति – इस विषय को पढ़ाने वाले और सर्वोत्तम अभ्यास साझा करने वाले अन्य शिक्षकों के लिए वरिष्ठ संकाय द्वारा विशेषज्ञ सत्र ऑनलाइन आयोजित किए गए थे।

पुरस्कार और छात्र उपलब्धियां

• निफ्ट भुवनेश्वर की छात्रा जयता पोद्दार को दिसंबर 2020 में आयोजित मेराकी – क्रिएटिविटी का प्रतीक, 'फेस मेकअप प्रतियोगिता' में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

• निम्नलिखित दिल्ली परिसर के छात्रों ने डिजाइन इनोवेशन सेंटर के तहत उत्पाद विकास के लिए, एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त किया।

1. अनन्या वैश्य
2. सत्यम चंद्र डे
3. नेहल विजय
4. अनुष्का गंगवार

• सुश्री आरुशी गुगलिया, निफ्ट जोधपुर ने 20–28 सितंबर, 2020, चित्रन, द्वितीय पुरस्कार, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राप्त किया।

• श्री आकर्षण अग्रवाल, निफ्ट जोधपुर को टॉयकैथॉन 2021 मे शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल, महिला और बाल विकास मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, आईबी मंत्रालय, सी एंड आई मंत्रालय, एआईसीटीई, द्वारा 30 जनवरी – 26 जून 2021 तक ग्रैंड फिनाले के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

• निफ्ट जोधपुर से सुश्री सलोनी सिंघल को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–माई ड्रीम इंडिया इन 2021 चित्रकला प्रतियोगिता, आयुष मंत्रालय, दैनिक भास्कर के शुभंकर के रूप में चुना गया था।

• कांगड़ा के छात्रों ने हिमाचल प्रदेश के 50वें राज्य के रूप में मनाने के लिए पूरे कांगड़ा जिले में दीवार पेंटिंग के डिजाइन तैयार किए।

• श्रीनगर के एक छात्र श्री मनन अग्रवाल ने फैशन आधारित कार्यक्रम मे प्रयागराज में आयोजित मिस्टर प्रयागराज प्रतियोगिता जीती।

• रिइमेजिन वर्ल्ड पोस्ट कोविड 19, – इंकलिंक ट्रस्ट के सहयोग से यूनिसेफ इंडिया द्वारा एक रचनात्मक चित्रण पहल में चेन्नई के नब्बे छात्रों ने 'युवाओं की आवाज' में सक्रिय रूप से भाग लिया। एफपी छात्रों सिमरन समित सावंत और बरशिता पांडा के कार्यों को कॉफी टेबल बुक में प्रदर्शित करने के लिए चुना गया था। एन हेनिन डीके की कलाकृति विश्व कला दिवस के हिस्से के रूप में द हिंदू अखबार में प्रकाशित हुई।

फैशन डिजाइन

अपनी स्थापना के बाद से निफ्ट के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में, फैशन डिजाइन विभाग ने सफल डिजाइनरों और उद्यमियों की पीढ़ियों के माध्यम से भारतीय फैशन को आकार देने में एक प्रभावशाली भूमिका निभाई है जो अपने रचनात्मक और व्यावसायिक कौशल के साथ उद्योग का नेतृत्व कर रहे हैं। पिछले 35 वर्षों में, कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य भविष्य के पेशेवरों के एकीकृत विकास को सक्षम करना रहा है जो वैश्विक दृष्टिकोण में भारतीयता के माध्यम से परिधान उद्योग के विकास में योगदान देंगे। खुदरा और निर्यात उद्योग के साथ साझेदारी, हस्तशिल्प क्षेत्रों के साथ जुड़कर, और डिजिटल और तकनीकी डिजाइन के विशिष्ट और उभरते क्षेत्रों में, कई स्नातक उद्यमिता में कदम करते हैं। निफ्ट में फैशन डिजाइन विभाग ने डिजाइन शिक्षा और भारतीय फैशन उद्योग के साथ सहयोग के अपने प्रगतिशील दृष्टिकोण के माध्यम से खुद को प्रतिष्ठित किया है। विभाग के 16 परिसरों में 72 संकाय सदस्य हैं, अर्थात् बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कोलकाता, कन्नूर, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, रायबरेली, शिलांग, श्रीनगर और पंचकुला।

पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम में प्रमुख विषय शामिल हैं जो वर्तमान उद्योग की वास्तविकताओं के साथ–साथ उभरते क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ अनुक्रमिक और निर्बाध सीखने के मार्ग का अनुसरण करते हैं। रचनात्मक विचार मूल विषयों के माध्यम से व्यावहारिक अभिव्यक्ति पाता है जिसमें डिजाइन और चित्रण, पैटर्न बनाने के साथ परिधान विकास, ड्रेपिंग और परिधान निर्माण मुख्य घटकों के रूप में और विभिन्न उद्योग क्षेत्रों के लिए मूल्यवर्धन शामिल हैं। मैनुअल, तकनीकी और डिजिटल इनपुट का संयोजन विशिष्ट बाजार क्षेत्रों के लिए विभिन्न श्रेणियों में डिजाइन को साकार हेतु कौशल दक्षता विकसित करता है। दो गहन विशेषज्ञता मार्ग हैं लक्जरी और कोटियोर, और छवि निर्माण और वर्धित रोजगार अवसरों के लिए, हाई–एंड लिमिटेड एडिशन श्रेणी को लक्षित करते हुए स्टाइलिंग करना और सेलिब्रिटी संस्कृति और सोशल मीडिया पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्रमशः छवि निर्माण और स्टाइलिंग करना।

विभाग तीन माइनर अंतःविषय जिनके नाम हैं फैशन अन्वेषण, स्नातक छात्रों के लिए फैशन प्रतिनिधित्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए फैशन प्रक्रिया भी प्रदान करता है।

कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

• प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला ने माइकल कम्पे, क्रिएटिव डायरेक्टर ली जीन्स, एंटवर्प द्वारा 'कोविड काल के बाद फैशन का भविष्य' पर दो ऑनलाइन सेमिनार और नेहा सेली, संस्थापक नी सी जीन द्वारा 'लक्जरी फैशन के लिए एक प्रवृत्ति के रूप में स्थिरता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

• अरविंद लिमिटेड, एडिडास और मिराकेम इंडस्ट्रीज के उद्योग विशेषज्ञों के साथ–साथ आईआईटी, दिल्ली के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और आंतरिक विशेषज्ञ प्रोफेसर मोनिका गुप्ता द्वारा 'परफॉर्मेंस क्लोदिंगः 'स्मार्ट परिधान नवाचार में ऊंची मांग वाले परफॉर्मेंस कपड़ों की भूमिका' पर एक अनुकूलित पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला को 13 परिसर के 25 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

• प्रशिक्षकों के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गएः फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण 'वरिष्ठ प्रो. डॉ. बान्ही झा द्वारा डिजाइन, चित्रण और छवि निर्माण के क्षेत्रों में पाठ्यक्रम वितरण के नवीन तरीकों परय ''प्रो. डॉ. वंदना नारंग द्वारा परिधान विकास और प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला द्वारा 'फैशन के लिए वस्त्रों पर मूल्यवर्धन'।

• इसके अलावा, कई वेबिनार आयोजित किए गए और फैशन शिक्षा और उद्योग पर विभाग के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

प्रकाशित/प्रस्तुत पत्र

• डॉ. अदिति मेरटिया, सहायक प्रोफेसर ने टेक्सटाइल फैशन और शिल्प (एटीएफसी–2021) में प्रगति पर निफ्ट जोधपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिजिटल परिवर्तनः गतिशील फैशन उद्योग के लिए प्रतिक्रिया' नामक एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. अदिति मेरटिया और डॉ. मदन लाल रेगर, सहायक प्रोफेसर ने टेक्सटाइल फैशन और शिल्प (एटीएफसी–2021) में प्रगति पर निफ्ट जोधपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एफडी 6 सेमेस्टर के छात्रों के साथ 'सिंधी कढ़ाई– पैतृक कला को स्वीकार करना' पर एक पोस्टर प्रस्तुति दी।

• वरिष्ठ प्रो. डॉ. बान्ही झा निफ्ट दिल्ली ने कोंडे नास्ट द्वारा सेंटर फॉर सस्टेनेबल फैशन, लंदन कॉलेज ऑफ फैशन, यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स लंदन के साथ साझेदारी में सस्टेनेबल फैशन शब्दावली 2020 के लिए योगदान दिया है।

• वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. बनही झा का 'कला कॉटन' शीर्षक से लेखः कॉटन ऑफ रेजिलिएंस'' फाइबर2फैशन (प्रिंट और ऑनलाइन)में प्रकाशित हुआ था।

• वर्ल्ड टेक्सटाइल्स के ब्लूम्सबरी विश्वकोश के लिए 'खादी डेनिम की पारिस्थितिकी' पर वरिष्ठ प्रो. डॉ. बान्ही झा का सार स्वीकार कर लिया गया है।

• सुश्री श्रेषा, सहायक प्रोफेसर निफ्ट दिल्ली, सुभ–गृह, ट्रेंडबाइट इनसाइट यंग 20X21बुक की फैकल्टी फैसिलिटेटर हैं।

• डॉ. जपजी कौर कोहली, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर ने स्टाफ एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट इंटरनेशनल जर्नल, 2021, 24(1) में 'स्टेकहोल्डर्स' परसेप्शन ऑफ स्किल गैप्स इन द अपैरल इंडस्ट्री ऑफ इंडियाः एक केस स्टडी ऑफ फैशन डिजाइन प्रोग्राम' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. जपजी कौर कोहली, सुश्री आरती सोलंकी, सहायक प्रोफेसर और श्री भास्कर बनर्जी, सहायक प्रोफेसर ने कारोबारी चलन में सतत्ता पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में 'स्टडी ऑफ ग्लोबल डेनिम अपैरल ब्रांड्स ग्रीन मार्केटिंग इनिशिएटिव्स प्रमोशन सस्टेनेबिलिटी' पर एक पेपर को सह–प्रस्तुत किया (2020)।

• डॉ. मदन लाल रेगर ने टेक्सटाइलेक में 'इफेक्ट ऑफ सॉल्वेंट ट्रीटमेंट ऑन सिरो एंड रिंग स्पून टीएफओ पॉलिएस्टर यार्न 2021' पर एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. मदन लाल रेगर ने 'एली–ट्विस्ट यार्न की प्रवासन विशेषताएं और इसकी सिरो यार्न के साथ तुलना' पर इंडियन जर्नल ऑफ फाइबर एंड टेक्सटाइल रिसर्च में एक पेपर प्रकाशित किया। उन्होंने टेक्सटाइल एंड लेदर रिव्यू में 'छलावरण फैब्रिकः आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय के लिए फैब्रिक' पर एक पेपर भी प्रकाशित किया।

• डॉ. मदन लाल रेगर ने निफ्ट जोधपुर द्वारा आयोजित मे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सतत टेक्सटाइल और फैशन के लिए दृष्टिकोण' और वैष्विक टेक्सटाइल आपूर्ति चेन पर कोरोना संकट का प्रभाव' शीर्षक से दो पत्र एडवांस टेक्सटाइल फैशन एंड क्राफ्ट्स (एटीएफसी) में 2021 प्रकाशित किए।

• एफ डी 6 सेमेस्टर के छात्रों के साथ डॉ मदन लाल रेगर और डॉ अदिति मेर्तिया ने (एटीएफसी–2021) में 'भू धारणाएंः स्टडी ऑन मड रेसिस्टेंट प्रिंटिंग पर एक अध्ययन और वैश्विक महामारी 2020 का मड रेसिस्टेंट प्रिंट पर प्रभाव' पर एक पोस्टर प्रस्तुति दी।

• सुश्री नयनतारा सिंह, सहायक प्रोफेसर ने अंतर्राष्ट्रीय जर्नल टेक्सटाइल वैल्यू चेन में 'ऑर्गेनिक कॉटनः वर्तमान समय की जरूरत' पर एक लेख प्रस्तुत किया। उन्होंने वैली ऑब्जर्वर' अखबार के लिए 'कश्मीर शिल्प की बिगड़ती हालत' और 'नमदाः कश्मीर की दम तोड़ता शिल्प' पर 2 लेख भी लिखे।

• डॉ. परमिता सरकार निफ्ट कांगड़ा ने अमेजन प्रकाशन के लिए 'कौए की यात्रा' शीर्षक से एक ई–बुक लिखी है

• डॉ. राजर्षि सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर निफ्ट कांगड़ा ने डॉ. रूथ बार्ने के साथ एक पेपर का सह–लेखन किया और 'भारतीय चिंता की ललित कला' पर डॉ. सारा शुल्कः टेक्सटाइल म्यूजियम द्वारा आयोजित तब और अब' रॉयल ओंटारिप के साथ साझेदारी में कनाडा के संग्रहालय, कनाडा।

• श्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर निफ्ट पटना ने कोविड़–19 और आपातकालीन ई–लर्निंगः परिणाम और अनुभव, स्टार प्रकाशन,आगरा, यू.पी में 'कोविड –19 के फैशन डिजाइन शिक्षा पर प्रभाव' में एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया।

• सुश्री प्रथीपा राज, सहायक प्रोफेसर निफ्ट चेन्नई ने 'स्टडी के लिए फैशन डिजाइनिंग' पर एक पाठ्यपुस्तक लिखी है। ग्यारहवीं, एससीईआरटी समग्र शिक्षा स्कूली शिक्षा के व्यावसायीकरण की योजना के तहत प्रकाशन की प्रतीक्षा है।

• शांगरेला राजेश, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कन्नूर ने 'इंफ्लुएंस ऑफ सोशल मीडिया मार्केटिंग स्ट्रैटेजीज इन आला स्टार्ट अप मॉडल्सः ए कंज्यूमर स्टडी ऑन फैशन ब्रांड्स इन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एंड फैशन टेक्नोलॉजी (आईजेटीएफटी)' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• शांगरेला राजेश ने इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑन एडवांस्ड साइंस हब, वॉल्यूम में 'रिडिस्कवरी ऑफ हैंडलूम क्लस्टर विद रेफरेंस टु सस्टेनेबिलिटी एंड एम्पावरमेंट' प्रकाशित किया। खंड 2, विशेष अंक आईसीइसटीएम 12एस।

• शांगरेला राजेश ने 'फैशन बिजनेस' मॉडल – अपरंपरागत कृतियों से परिवर्तन प्रति टिकाऊ रुझानः आने वाले डिजाइनर परिप्रेक्ष्य' अंतर्राष्ट्रीय फैशन बोलचाल में 2020, जयपुर मे प्रस्तुत किया।

• शांगरेला राजेश ने फैशन नकली उत्पादों के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करने वाले कारक 'आईसीएसएससी 2020, अलगप्पा विश्वविद्यालय, रुसा चरण 2.0 योजना 22 जनवरी 2020 के तहत पेपर प्रायोजित किया।

• ओम सूर्य, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कन्नूर ने केरल के केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में 'स्वदेशी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का विनियोगः आधुनिक और समकालीन भारतीय कला का एक महत्वपूर्ण अध्ययन' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया। आईएसएसएन 2321–8010 खंड 6 अंक 02.

• ओम सूर्य ने मलयालम रिसर्च जर्नल में 'नव उदारवादी दुनिया में फैशन की स्वदेशी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति' प्रकाशित की। आईएसएसएन–0974 1984.खंड. 13 अंक 3 सितंबर–दिसंबर, 2020, पी. 5045–5056.

• डॉ. विद्या राकेश, सहायक प्रो. निफ्ट रायबरेली ने ग्रेडिवा रिव्यू जर्नल, यूजीसी केयर लिस्ट ग्रुप II आईएसएसएन नंबरः 0363 8057 वॉल्यूम में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः न्यू फेस ऑफ लग्जरी प्रमोशन' खंड 7, अंक 3, पीपी 49–70) मार्च 2021 में एक पेपर प्रकाशित किया।

• श्री विवेक जांगड़ा, सहायक प्रोफेसर निफ्ट रायबरेली ने 12–14 अगस्त, 2002 को टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, कानपुर में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल ग्रोथ इन टेक्सटाइल्स (इन सी सी जी टी–2020) में 'थर्माइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टिंगः ए सस्टेनेबल अप्रोच' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

संकाय उपलब्धियां

• प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला, को तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'तेलंगाना के हथकरघा के सतत डिजाइन और विकास' पर चर्चा के लिए एक पैनल सदस्य के रूप में 7 अगस्त, 2020 को आमंत्रित किया गया था।

• सीनियर प्रोफेसर बान्ही झा को लंदन कॉलेज ऑफ फैशन और इसके सहयोगी केरिंग, आईबीएम और वोग बिजनेस में सेंटर फॉर सस्टेनेबल फैशन (सीआरबी) द्वारा विकसित एक सस्टेनेबिलिटी शिक्षण कार्यक्रम – 'फैशन वैल्यूज़' राउंड टेबल प्रोग्राम पर पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था । परिणाम लंदन फैशन वीक में एक कार्यक्रम में लॉन्च किए गए थे।

• सीनियर प्रो. बान्ही झा को जी टीवी ने अपने एपिक चौनल के लिए 'सलवार कमीज' पर बात करने के लिए 'वेशभूषा' कार्यक्रम में भारतीय वेशभूषा के विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया था।

• डॉ. परमिता सरकार को मुख्य वक्ता आईटीआई, जोगिंदर नगर द्वारा आयोजित 'ट्रेनर कैपेसिटी डेवलपमेंट' विषय पर एक वेबिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

• डॉ. मुरुगाजोथी निफ्ट चेन्नई इंस्टाग्राम पेज पर दा पावर ऑफ नेगेटिव स्पेसः आप कौन हैं और आप क्या हैं' पर आत्म और व्यक्तित्व विकास पर एक वक्ता थे।

• सुश्री प्रतीपा राज ने पर मास्टर क्लास श्रृंखला के लिए निफ्ट चेन्नई इंस्टाग्राम पेज पैटर्न बनाने की तकनीक के माध्यम से डिजाइन पर एक भाषण दिया।

• सुश्री प्रतीपा राज ने यूट्यूब लव पर फैशन डिजाइन पाठ्यक्रमों के लिए ''उयरवुक्कु उयर कल्वी'' कैरियर मार्गदर्शन विषय पर 'दा हिंदू तमिल' समाचार पर एक व्याख्यान दिया।

• श्री रवि जोशी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर ने अनूपा मेहता कला सलाहकार, मुंबई के सहयोग से द इंडिया आर्ट प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शनी डिकोलाज' में अपनी हालिया पेंटिंग प्रस्तुत की।

• डॉ. जपजी कौर कोहली को एफडीडीआई द्वारा सहायक प्रोफेसर, फैशन डिजाइन के चयन के लिए साक्षात्कार पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था

• 23 संकाय के पीएचडी धारक हैं। 21 डॉक्टरेट की पढ़ाई कर रहे हैं।

• प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला और सुश्री रूही दास ने ऑनलाइन आपूर्ति के लिए घर पर उपलब्ध सामग्री के साथ एक स्वदेशी अर्ध–स्केल पोशाक रूप विकसित किया।

उद्योग कनेक्ट

पाठ्यक्रम उद्योग संक्षिप्त के साथ कक्षा परियोजनाओं को एकीकृत करने की गुंजाइश प्रदान करता है। 2020 – 21 में विभाग ने ऐसे कई लाइव परियोजनाओं की सुविधा दी है। एप्लिकेशन के माध्यम से उद्देश्यपूर्ण डिजाइन सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए, 11 परिसरों में 7 वें सेमेस्टर के 64 छात्रों ने आध्यात्मिक वस्त्र, योगवियर और अपसाइकल कपड़ों जैसे उत्पाद लाइनों को डिजाइन करने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के तहत एक कपड़ों के ब्रांड, बायोगी के साथ एक कक्षा आधारित परियोजना में भाग लिया।

टीसीएनएस के साथ दो सप्ताह की उद्योग प्रशिक्षण परियोजना भी शुरू की गई जिसमें 14 परिसरों के 365 छात्रों ने इस कक्षा परियोजना में भाग लिया। 3 सर्वश्रेष्ठ संग्रह प्रोटोटाइप किए गए थे। टीसीएनएस के साथ जुड़ाव जारी रहा जिसमें अप्रैल–मई 2021 में, 5 परिसरों में छठे सेमेस्टर के 147 छात्रों ने एक रेंज बनाने के लिए पूर्वानुमानित रुझानों का अध्ययन करने के लिए 'सस्टेनेबिलिटी' या शील के विकल्पों के साथ फैशन डिजाइन और चित्रण विषय में एक लाइव असाइनमेंट किया।

7वें सेमेस्टर के 573 विद्यार्थियों ने उद्योग प्रशिक्षण लिया। 307 छात्रों ने निर्यात इकाइयों, रिलायंस रिटेल, बेनेटन, लुइस फिलिप, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, अरविंद लिमिटेड, डब्ल्यू–टीसीएनएस, जॉय मित्र डिजाइन, पास्च डिजाइन, रेमनिका अपेरल्स प्राइवेट लिमिटेड, मोह स्टूडियो नायका, ऋचा एंड कंपनी, पंकज एंड निधि, अर्चना कोचर, का–शा इंडिया, मेध्या, मैट्रिक्स क्लोदिंग आदि जैसे खुदरा ब्रांडों के साथ अपनी स्नातक परियोजनाएं पूरी कीं।

परियोजनाएं/कार्यशालाएं

• सीनियर प्रो. डॉ. बान्ही झा और सुश्री अनुत्तमा चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर निफ्ट दिल्ली ने एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, जनजातीय मामलों के मंत्रालय के आदिवासी छात्रों के लिए स्कूल यूनिफॉर्म के लिए प्रोटोटाइप और डिजाइन विकसित किया।

• सीनियर प्रो. डॉ. बान्ही झा और सुश्री अनुत्तमा चक्रवर्ती ने भारतीय सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ एस एस ए आई) के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के लिए एक प्रौद्योगिकी–एम्बेडेड 'स्मार्ट' जैकेट डिजाइन किया।

• सुश्री शोभरानी लाकड़ा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट भुवनेश्वर ने विश्व कौशल केंद्र, भुवनेश्वर के प्रशिक्षुओं, संकाय और कर्मचारियों के लिए वर्दी डिजाइन की।

• सुश्री शोभरानी लाकड़ा, ने शिल्प के अध्ययन और समर्थन के लिए व्यावसायिक स्तर पर गुणवत्ता वाले जूट विविध उत्पादों के लिए उत्पादक समूहों के डिजाइन के विकास पर काम किया।

• सुश्री शोभरानी लाकड़ा, ने सीएसबी, बैंगलोर और हथकरघा, कपड़ा और हस्तशिल्प विभाग, ओडिशा सरकार के सहयोग से निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा विकसित अभिनव हथकरघा उत्पादों के व्यावसायीकरण के लिए परियोजना पर काम किया।

• श्री प्राथथीपा राज, सहायक प्रोफेसर ने आईआईएसईआर तिरुपति की अकादमिक पोशाक डिजाइन की।

• प्रो. डॉ. मालिनी डी., सुश्री फातिमा बिलग्रामी, श्री जी. एम. रेड्डी और सुश्री शोबा उप्पे, निफ्ट हैदराबाद ने 'सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पॉवर्टी' (एसईआरपी) के लिए एक परियोजना शुरू की है।

• डॉ. जपजी कौर कोहली, सहायक प्रोफेसर और श्री अमित फोगट, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी ने जनवरी–फरवरी 2020 में कौशल विकास और सशक्तिकरण के लिए महिला कारीगरों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से सिलाई पर 21 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• डॉ. जपजी कौर कोहली और सुश्री जालपा वाणीकर, सहायक प्रोफेसर निफ्ट गांधीनगर ने कौशल विकास और सशक्तिकरण के लिए महिला कारीगरों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से पैचवर्क पर 15 दिवसीय कार्यशाला का , फरवरी–मार्च 2020 में आयोजन किया।

• डॉ. कृति ढोलकिया, सहायक प्रोफेसर निफ्ट गांधीनगर ने 25 महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए हाथ की कढ़ाई पर 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• डॉ. अदिति मेरटिया जोधपुर में एक गैर सरकारी संगठन, यूनिवर्सल जस्ट एक्शन सोसाइटी (यूजेएएस) की 150 पाकिस्तानी प्रवासी महिला कारीगरों के कौशल सुधार प्रशिक्षण पर परियोजना की समन्वयक हैं।

• डॉ. मदन लाल रेगर ने निफ्ट जोधपुर में वस्त्र फैशन में प्रगति (एटीएफसी–2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की सह–अध्यक्षता की।

• सीनियर प्रो. डॉ. बान्ही झा ने निफ्ट जोधपुर द्वारा आयोजित 'टेक्सटाइल, फैशन और क्राफ्ट्स एटीएफसी–2021' में ई–सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

• निफ्ट कांगड़ा द्वारा आयोजित 'खादीः द न्यू विजन ऑफ इंडिया' पर वेबिनार के लिए डॉ. परमिता सरकार मध्यस्थ थीं।

• सुश्री शांगरेला राजेश, सहायक प्रोफेसर, बेंगलुरू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से 6 दिवसीय ऑनलाइन वर्चुअल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए 'एडवांस्ड पैटर्न मेकिंग एंड इट्स इम्पोर्टेंस इन ए डिजाइनर लाइफ' पर रिसोर्स पर्सन रही हैं।

लैदर डिजाइन

निफ्ट चेन्नई, कोलकाता, नई दिल्ली और रायबरेली में लैदर डिजाइन विभाग, परिधान, जूते, लैदर के सामान, लक्जरी उत्पादों, जीवन शैली उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लेदर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के लिए फैशन उद्योग क्षेत्रों की पेशेवर मानव संसाधन और हस्तशिल्प आवश्यकताओं को पूरा करता है।

यह निफ्ट के लैदर डिजाइन विभाग द्वारा पेश किया जाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य डिजाइनरों, उत्पाद डेवलपर्स, उत्पाद स्टाइलिस्ट, सीएडी विशेषज्ञों, डिजाइन व्यापारियों और फैशन लैदर के उत्पादों, विलासिता के सामान और संबद्ध उत्पाद के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में डिजाइन उद्यमियों के रूप में और अच्छी तरह से तैयार पेशेवर बनाना है।

विभाग उद्योगों की अनुकूलित जरूरतों को भी पूरा करता है, जैसे कि, बाजार और फैशन प्रवृत्ति अनुसंधान और विश्लेषण, नए डिजाइन और उत्पाद विकास गतिविधियाँ और मानव संसाधन विकास गतिविधियों जैसी विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन करके कौशल विकास, इन–हाउस और आउटरीच मोड दोनों में लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसडीपी), प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी), परियोजना परामर्श, आदि का आयोजन किया जाता है।

पेशेवरों की बढ़ती मांगों और मानव संसाधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए, विभाग 3 महीने, 6 महीने और 1 साल की अवधि और 2 साल की अवधि के लिए स्नातक स्तर पर डिप्लोमा कार्यक्रम और 1 साल की अवधि के लिए पूर्णकालिक मोड में स्नातकोत्तर स्तर पर डिप्लोमा कार्यक्रम में पार्ट टाइम मोड में सतत शिक्षा कार्यक्रम भी प्रदान करता है ।

पाठ्यक्रम और उद्धार

लेदर डिजाइन विभाग द्वारा पेश किया गया 4 साल का पेशेवर डिजाइन डिग्री प्रोग्राम विशिष्ट लक्षित बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भौतिक ज्ञान के साथ वस्त्र, जूते और लैदर के उत्पादों में डिजाइन अवधारणाओं के एकीकरण पर जोर देता है। फील्ड ट्रिप, टेनरी प्रशिक्षण और उद्योग इंटर्नशिप के माध्यम से उद्योग के लिए एक्सपोजर पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पाठ्यक्रम का बहु–विषयक दृष्टिकोण छात्रों में विभिन्न प्रकार के लैदर और संयोजन सामग्री के लिए विभिन्न बाजार क्षेत्रों की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार विभिन्न सामग्रियों को संभालने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में ग्राहकों को लक्षित करने की क्षमता विकसित करता है। व्यावसायिक विशेषज्ञता चार विषय अर्थात मेजर, डीपनिंग मेजर, इंटरडिसिप्लिनरी माइनर्स और जनरल स्टडीज, श्रेणियों के माध्यम से पाठ्यक्रम के भीतर आवश्यक ज्ञान, कौशल, रचनात्मक अन्वेषण और अभ्यास प्रदान करके विकसित की जाती है।

मेजर, डीपनिंग स्पेशलाइजेशन और फ्लोटिंग मेजर विषय यह सुनिश्चित करते हैं कि फैशन उत्पाद क्षेत्रों के लिए आवश्यक तैयार डिजाइन पेशेवरों और उद्यमियों को तैयार करने और तैयार करने के लिए प्रत्येक स्नातक

निफ्ट चेन्नई, कोलकाता, नई दिल्ली और रायबरेली में लैदर डिजाइन विभाग, परिधान, जूते, लैदर के सामान, लक्जरी उत्पादों, जीवन शैली उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लेदर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के लिए फैशन उद्योग क्षेत्रों की पेशेवर मानव संसाधन और हस्तशिल्प आवश्यकताओं को पूरा करता है।

यह निफ्ट के लैदर डिजाइन विभाग द्वारा पेश किया जाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य डिजाइनरों, उत्पाद डेवलपर्स, उत्पाद स्टाइलिस्ट, सीएडी विशेषज्ञों, डिजाइन व्यापारियों और फैशन लैदर के उत्पादों, विलासिता के सामान और संबद्ध उत्पाद के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में डिजाइन उद्यमियों के रूप में और अच्छी तरह से तैयार पेशेवर बनाना है।

विभाग उद्योगों की अनुकूलित जरूरतों को भी पूरा करता है, जैसे कि, बाजार और फैशन प्रवृत्ति अनुसंधान और विश्लेषण, नए डिजाइन और उत्पाद विकास गतिविधियाँ और मानव संसाधन विकास गतिविधियों जैसी विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन करके कौशल विकास, इन–हाउस और आउटरीच मोड दोनों में लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसडीपी), प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी), परियोजना परामर्श, आदि का आयोजन किया जाता है।

पेशेवरों की बढ़ती मांगों और मानव संसाधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए, विभाग 3 महीने, 6 महीने और 1 साल की अवधि और 2 साल की अवधि के लिए स्नातक स्तर पर डिप्लोमा कार्यक्रम और 1 साल की अवधि के लिए पूर्णकालिक मोड में स्नातकोत्तर स्तर पर डिप्लोमा कार्यक्रम में पार्ट टाइम मोड में सतत शिक्षा कार्यक्रम भी प्रदान करता है ।

उद्योग संबंध और परियोजनाएं

• लैदर डिजाइन विभाग ने 12 जनवरी 2021 को विशेषज्ञता के तालमेल के लिए सीएलआरआई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह प्रो. डॉ. एम. अरवंदन, पूर्व सीपी और संकाय लैदर डिजाइन विभाग, चेन्नई द्वारा सुगम बनाया गया था।
• दिल्ली परिसर के संकाय, श्री ई. शिवशक्ति, और सुश्री डॉली कुमार ने 'पंजाबी देसी जूती' शिल्प पर परियोजनाओं का समन्वय किया है, जो 'विकास के लिए पारंपरिक कला / शिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन (उस्ताद)' परियोजना और भारतीय खाद्य निगम के लिए क्रमशः 50 किलो जूट बैग की डिजाइनिंग परियोजना के तहत है। सुश्री तूलिका महंती भी दिल्ली की फैकल्टी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डी एफ सी सी आई अल) के कर्मचारियों के लिए वर्दी की डिजाइनिंग के लिए पी आई टी थीं।
• श्री डी. राजशेखर, फैकल्टी लैदर डिजाइन विभाग, कोलकाता, फैशन लैदर एक्सेसरीज डिजाइन पर समन्वित परियोजना, एक 1 वर्षीय पाठ्यक्रम जो पश्चिम बंगाल अल्पसंख्यक विकास निगम, अल्पसंख्यक विकास मंत्रालय निगम, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित है।

कार्यशालाएं/प्रशिक्षण आयोजित

• प्रो उषा नरसिम्हन पीएचडीः क्रिएटिव थिंकिंग स्किल्स (सीटीएस) टीओटी संयुक्त रूप से जुलाई 2020 में ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया।

कार्यशालाओं और प्रशिक्षणों में भाग लिया –

• सुश्री विजयलक्ष्मी आर. सहायक प्रोफेसर ने 15 मई से 21 मई 2020 तक ''सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की गतिशीलता'' पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया, जिसका आयोजन मानवता के समग्र विकास (एसएचओडीएच), हिमाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर छात्रों द्वारा किया गया।

• डॉ. एम. अरवेंदन, प्रोफेसर और सीपी–एलडी, ने डॉ. आर. रावणन, कॉलेजिएट शिक्षा के संयुक्त निदेशक, चेन्नई क्षेत्र, भारत द्वारा ''एसपीएसएस का उपयोग करके सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण और व्याख्या'' पर 27 (शनिवार) और 28 (रविवार) जून 2020 (दोनों दिन) को 18.00 से 21.00 बजे आई एस टी के बीच दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में सफल भागीदारी के लिए प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जारी किया गया।
• सुश्री विजयलक्ष्मी आर, सहायक प्रोफेसर ने शोध अकादमी में 30 जून 2020 को ''अपनी पांडुलिपि कैसे तैयार करें'' पर मॉड्यूल पूरा किया।

• डॉ. एम. अरवेंदन, प्रोफेसर और सीपी–एलडी, डॉ. आर. रावणन, कॉलेजिएट शिक्षा के संयुक्त निदेशक, चेन्नई क्षेत्र, भारत द्वारा ''एएमओएस का उपयोग करते हुए संरचनात्मक समीकरण मॉडल और पुष्टिकारक विश्लेषण'' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला में भाग लिया जो 3 जुलाई से 5 जुलाई 2020 तक 18.00 से 21.00 बजे आई एस टी (दोनों दिन) के बीच निर्धारित थी। कार्यशाला में सफल भागीदारी के लिए प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जारी किया गया।

• डॉ. एम. अरवेंदन, प्रोफेसर और सीपी–एलडी, डॉ. दिलीप कुमार एम., प्रोफेसर – रिसर्च, अफ्रीका बिजनेस स्कूल, मोहम्मद VI पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, मोरक्को द्व ारा ''होनिनग स्किल्स एंड स्ट्रेंथनिंग रिसर्च पब्लिकेशन एप्टीट्यूड'' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। जूम के माध्यम से 8 जुलाई 2020 को 17.30 से 19.00 बजे आई एस टी के बीच आयोजित किया गया।

• डॉ. एम. अरवेंदन, प्रोफेसर और सीपी–एलडी, ने 9 जुलाई से 11 जुलाई 2020, सुबह 10.0 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक, ''संकट और आपदा प्रबंधन'' पर सामाजिक कार्य विभाग (सहायता प्राप्त), मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज के सहयोग से, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यशाला में सफल भागीदारी के लिए प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जारी किया गया।

• सुश्री विजयलक्ष्मी आर., सहायक प्रोफेसर ने 6 जुलाई

से 11 जुलाई 2020 तक फैशन डिजाइन एन एस एफ टी आई डी विभाग द्वारा आयोजित फैशन इलस्ट्रेशन में एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

• डॉ. एम. अरवंदन, प्रोफेसर और सीपी–एलडी, ने 20 और 21 जुलाई 2020 ने डॉ. आर. रावणन, कॉलेजिएट शिक्षा के संयुक्त निदेशक, चेन्नई क्षेत्र और मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, चेन्नई द्वारा आयोजित ''एसपीएसएस का उपयोग कर अनुसंधान में सांख्यिकीय उपकरण'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में सफल भागीदारी के लिए 5 अगस्त 2020 को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जारी किया गया।

• सुश्री विजयलक्ष्मी आर, सहायक प्रोफेसर ने वीआईटी फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, (वीएफआईटी) वीआईटी, चेन्नई द्वारा आयोजित 25 जुलाई 2020 को ''गो बैक टू द रूट्स – स्टोरी टेलिंग थ्रू टेक्सटाइल डिजाइन'' में भाग लिया।

• सुश्री विजयलक्ष्मी, सहायक प्रोफेसर – एलडी ने 4 जनवरी, 2021 से 12 जनवरी, 2021 तक भारथियार विश्वविद्यालय में कपड़ा उद्योग और परिधान डिजाइन विभाग द्वारा आयोजित कपड़ा उद्योग और कोविड – 19 पर 8 दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी में भाग लिया।

• श्री टी. आर. शंकर नारायणन, सहायक प्रोफेसर एवं सीसी–एलडी, डॉ. एम. अरवंदन, प्रोफेसर –एलडी और सुश्री विजयलक्ष्मी आर., सहायक प्रोफेसर – एलडी ने 19 जनवरी, 2021 और 27 जनवरी, 2021 को ब्लैकस्ट्रॉ द्वारा ''इंट्रोडक्शन टू मशीन लर्निंग एंड एआई'' एक कार्यशाला में भाग लिया, जिसका आयोजन निफ्ट, चेन्नई द्वारा किया गया था।

• सुश्री विजयलक्ष्मी आर, सहायक प्रोफेसर – एलडी ने यूजीसी सिराइड द्वारा प्रायोजित 7 दिनों के पर्यावरण स्थिरता और अनुसंधान नैतिकता पर 03/02/2021 से 11/02/2021 तक कपड़ा और वस्त्र विभाग, स्कूल ऑफ होम विज्ञान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

• डॉ. एम. अरविंदन, प्रोफेसर–एलडी, श्री टी.आर. शंकर नारायणन, सहायक प्रोफेसर – एंड सीसी – एलडी और सुश्री विजयलक्ष्मी आर ने 9 फरवरी, 2021 को निफ्ट चेन्नई द्वारा आयोजित ब्लैकस्ट्रॉ द्वारा मशीन लर्निंग और एआई के परिचय पर कार्यशाला के अंतिम दिन में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक भाग लिया।

• सुश्री तुलिका महंती ने 13 से 19 जुलाई 2020 तक लाटेक्स पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन जमशेदपुर महिला कॉलेज द्वारा आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से मौखिक ट्यूटोरियल्स द्वारा किया गया।

• इसके अलावा चेन्नई के शिक्षकों ने अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में कई वेबिनार में भाग लिया जिसने उनके पाठ्यक्रम उद्धार में वृद्धि की।

संकाय द्वारा प्रकाशित पत्र

विभाग के संकाय ने पेपर प्रकाशित और प्रस्तुत किए। 3 संकाय ने अपनी पीएच.डी पूरी कर ली है और शेष संकाय अपने पीएच.डी कर रहे हैं, जो पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं। सुश्री तूलिका महंती ने अपनी प्री–थीसिस भी पूरी कर ली है। संकाय द्वारा प्रकाशित पत्रों की सूची इस प्रकार है –

• श्री शंकर नारायणन. टी.आर., सीसी एलडी ने 18 जून, 2020 को आईजेआरएआर (ई–आईएसएसएन 2348–1269, खंडः 07, अंक 2) में कोविड–19: डिजाइन शिक्षा पर प्रभाव पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

• सुश्री विजयलक्ष्मी आर. सहायक प्रोफेसर ने इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल में ''एडवांस्ड साइंस हब (ई–आईएसएसएन 2582– 4376) पांडुलिपि पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था'' कुरुम्बा ट्राइबल पेंटिंग के साथ जेकक्वार्ड बुना साड़ी ''वॉल्यूम –02 विशेष अंक 125 दिसंबर 2020 के महीने के लिए।

• भरत सिंह, एलडी रायबरेली में सहायक प्रोफेसर द्वारा ''इनक्लूसिवनेस ऑफ द डिफरेंटली एबल्डः चैलेंजस एंड अपॉर्चुनिटीज इन इंडिया'' शीर्षक पर 2020 में राष्ट्रीय संगोष्ठी पत्रिका में पेपर प्रकाशित किया गया था।

• प्रोफेसर उषा नरसिम्हन पीएचडीः पेपर – 'फैशनिंग आइडेंटिटी – ए स्टडी फ्रॉम अर्बन इंडिया', ब्रिल पब्लिकेशन द्वारा 2020 में संपादित पुस्तक में अध्याय के रूप में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया, प्रकाशन तिथि के रूप में – 17 जुलाई 2021 को सूचित किया गया है। ई–बुक आईएसबीएन – 978–90–04–44659–5/ पेपरबैक आईएसबीएन – 978–90–04–44658–8।

• श्री ई. शिवशक्तिः द्वारा सितंबर 2020 के महीने में आईएसबीएन नंबर 978 98115 9995 8 के साथ स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'रिसेंट ट्रेंड्स इन ट्रेडिशनल एंड टेक्निकल टेक्सटाइल्स (कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स)' नामक पुस्तक में 'भारतीय पुरुषों के वर्क प्लेस कैजुअल फुटवियर के डिजाइन और विकास के लिए एक उपन्यास दृष्टिकोण' शीर्षक से एक अध्याय लिखा है।

• सुश्री तुलिका महंतीः तुलिका महंती द्वारा लिखित 'स्टडी ऑन प्रेफरेंसेज फॉर टाइप ऑफ एम्ब्रायडरी एंड इंपैक्ट्स ऑन इट्स परचेज डिसीजन अमंग कॉलेज गोइंग गर्ल्स' शीर्षक वाला पेपर 13/02/2021 को यूजीसी केयर जर्नल एन्सेम्बल में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया। द्विभाषिक पीयर ने अकादमिक जर्नल, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2582–0427 की समीक्षा की।

• सुश्री तुलिका महंतीः राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में 'आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरणः उद्यमिता और कौशल विकास, आत्मानिर्भर भारत की दिशा में एक रास्ता' विषय पर 5 दिसंबर, 2020 को शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। यह पेपर यूजीसी केयर जर्नल (स्कोपस इंडेक्सेड) – वुतान हुआटन जीसुआन जिशु, आईएसएसएनः 1001–1749 में प्रकाशित हुआ है ।

संकाय द्वारा प्रस्तुत पत्र

• सुश्री विजयलक्ष्मी आर. सहायक प्रोफेसर ने 5 दिसंबर, 2020 और 6 दिसंबर, 2020 को ''विज्ञान प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई सी एस टी एम – ऑनलाइन)'' में ''कुरुम्बा ट्राइबल पेंटिंग के साथ जैक्वार्ड बुना साड़ी का विकास'' नामक पेपर के लिए एक प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया।

• प्रोफेसर शिंजू महाजन, पीएचडी ने 16 अप्रैल 2021 को आयोजित टेक्सटाइल एंड फैशन इनोवेशन कांग्रेस में सुश्री तनुश्री चटर्जी के साथ 'पीवीसी फ्लेक्स बैनर्स एंड मैपिंग इट्स आफ्टरलाइफ रीयूज एंड रिसाइक्लिंग इन दिल्ली एनसीआर' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

पाठ्यक्रम उद्धार से संबंधित विशिष्ट

• चार परिसरों में विभाग के सभी संकायों ने जनवरी–जून 2021 सत्र के दौरान इनपुट के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से एक साथ उद्धार की दोहरी प्रणाली को अपनाया, और डेमो वीडियो भी तैयार किए और महामारी के कारण जुलाई–दिसंबर, 2020 और जनवरी–जून 2021 सत्र दोनों में एलडी छात्रों तक पहुंच के लिए इसे अपलोड किया।

• सीएलओ3डी–वर्चुअल डिजाइन स्टूडियो छात्रों के लिए परिधान डिजाइनों का अनुकरण करने के लिए पेश किया गया था।

संकाय उपलब्धियां

• सुश्री तूलिका महंती को जमशेदपुर महिला कॉलेज, जमशेदपुर, कोल्हान विश्वविद्यालय, झारखंड में 3 साल (2020–2023) की अवधि के लिए फैशन और सहायक उपकरण डिजाइन विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

• सुश्री तूलिका महंती को 2 वर्ष (2020–2022) के लिए जमशेदपुर महिला कॉलेज, जमशेदपुर, झारखंड में गृह विज्ञान विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया ।

• सुश्री तूलिका महंती को संसाधन व्यक्ति के रूप में, महिला कॉलेज, कोल्हान विश्वविद्यालय, झारखंड में आमंत्रित किया गया था और 9 और 10 जून 2020 को गृह विज्ञान विभाग में ''लघु व्यवसाय उद्यम महिला सशक्तिकरण'' पर एक राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला में नए व्यावसायिक विचारों एवं उत्पादों पर लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

• सभी चार परिसरों ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से कारीगर जागरूकता कार्यशाला और शिल्प प्रदर्शन कार्यशालाओं का आयोजन किया और मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन भी ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन कार्यक्रम छात्रों को ज्ञान से लैस करता है और परिधान और घरेलू फैशन उद्योगों के लिए डिजाइन अनुप्रयोगों की उनकी रचनात्मकता और समझ को बढ़ाता है। कार्यक्रम कपड़ा प्रौद्योगिकी के साथ डिजाइन की रचनात्मक ताकतों के एकीकरण पर आधारित है, और ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी ध्यान में रखता है जिसमें डिजाइनर आज काम करते हैं। निफ्ट में टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने शिक्षा डिजाइन करने के लिए अपने अद्वितीय और अभिनव दृष्टिकोण के माध्यम से और भारतीय फैशन और वस्त्र उद्योग से इसकी निकटता के माध्यम से खुद को प्रतिष्ठित किया है। विभाग के 13 परिसरों में 76 संकाय सदस्य हैं। वर्तमान में, लगभग 1300 छात्र 13 परिसरों अर्थात बेंगलुरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई और पटना में वस्त्र डिजाइन का अध्ययन कर रहे हैं।

पाठ्यक्रम और उद्धार

टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम मुख्य रूप से टेक्सटाइल पर वेव्स, प्रिंट्स और सरफेस एम्बेलिशमेंट पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें एप्लिकेशन–ओरिएंटेड दृष्टिकोण के माध्यम से हस्त और डिजिटल दोनों कौशल का उपयोग किया जाता है। पाठ्यक्रम संरचना को उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा विजिट, उद्योग से जुड़ी परियोजनाओं और व्याख्यान के माध्यम से एक बढ़े हुए उद्योग इंटरफेस के साथ एक मजबूत टेक्स्टिल नींव स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। उभरते उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम नए उभरते क्षेत्रों जैसे तकनीकी वस्त्र, स्मार्ट वस्त्र प्रौद्योगिकी और फ्यूचरिस्टिक वस्त्रों के विषयों को संबोधित करता है। छात्रों को शिल्प क्लस्टर पहल के माध्यम से एक शिल्प वातावरण का भी अनुभव मिलता है, जो उन्हें पारंपरिक प्रथाओं के प्रति संवेदनशील बनाता है।

छात्रों को एक विशिष्ट उत्पाद श्रेणी के लिए वस्त्र डिजाइन करने के लिए तैयार करने के प्रयास में, परिधान और फैशन सहायक उपकरण और टेक्सटाइल घर और अन्य स्थानों के लिए टेक्सटाइल सेमेस्टर– IV के छात्रों के लिए गहन विशेषज्ञता विकल्प के रूप में पेश किए जाते हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में, तीन प्रमुख क्षेत्रों, अर्थात, बुनाई, प्रिंट और सतह अलंकरण में मजबूत उद्योग अभिविन्यास के साथ ज्ञान आधार को मजबूत करने के लिए प्रमुख और गहन विशेषज्ञता को एकीकृत किया जाता है जो स्नातकों को संबंधित उद्योग में प्रभावी ढंग से योगदान करने के लिए तैयार करेगा।

टेक्सटाइल डिजाइन विभाग अन्य विभागों के लिए तीन माइनर अंतःविषय प्रदान करता है, जैसे, कपड़ा संरचना और सतह, और स्नातक छात्रों के लिए वस्त्र प्रशंसा, और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए वस्त्र निर्माण और सोर्सिंग वस्त्र और विभिन्न क्षेत्रों में उनके आवेदन की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए।

उद्योग संबंध और परियोजनाएं

सत्र 2020–21 में विदेशों में घरेलू और उद्योग के लगभग 200 विशेषज्ञों को छात्रों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के उद्देश्य से परिसरों में व्याख्यान के लिए वस्तुतः आमंत्रित किया गया है। प्रस्तुति के कुछ क्षेत्र, मुद्रित वस्त्र और खुदरा, यूएसए बिस्तर के लिए प्रिंट डिजाइन, डिजाइन और सीएडी, रंगाई प्रक्रिया और ईटीपी प्रक्रिया में नवीनतम विकास, कढ़ाई में इलेक्ट्रॉनिक्स, सस्टैनबल टेक्सटाइल , परिपत्र अर्थव्यवस्था, स्मार्ट टेक्सटाइल और पहनने योग्य प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी संवर्धित

वास्तविकता और आभासी वास्तविकता, वस्त्रों पर प्राकृतिक रंगों का अनुप्रयोग, भारत की हथकरघा साड़ियाँ, पारंपरिक दरियाँ और कालीन, बिक्री में सुधार के लिए कारीगर की सोशल मीडिया उपस्थिति बढ़ाने के लिए स्टोरीटेलिंग, भारतीय पारंपरिक वस्त्रों की समृद्ध विरासत और उनका विकास, भूटानी टेक्सटाइल, टेक्सटाइल संरक्षण महत्व, घरेलू वस्त्रों में वर्तमान रुझान, परिधान और फैशन सहायक उपकरण के लिए बाजार की आवश्यकताओं और रुझानों को समझना, टिकाऊ फैशन ब्रांडों के लिए नैतिक सोर्सिंग, यूआई / यूएक्स डिजाइन, बुनाई में डिजाइन के अवसर 4 शाफ्ट वाले करघे के साथ परिधान में डिजाइन विकास, टेक्सटाइल उद्योग में शून्य अपशिष्ट की अवधारणा, वस्त्रों में नवाचार, टेक्सटाइल हेरफेर और पहनने योग्य कला में इसका अभिनव उपयोग, पारंपरिक और अपरंपरागत सामग्री पर स्मोकिंग और इसकी विविधताएं, असम और पूर्वोत्तर के टेक्सटाइल, नवीनतम टेक्सटाइल रुझान, उद्योग की बारीकियों, भारतीय जैक्वार्ड उद्योग की संभावनाएँ, द इंटेलेक्चुअल टेक्नोलॉजी फॉर टेक्सटाइल डिजाइन, एआई एंड इट्स एप्लीकेशन इन टेक्सटाइल्स, टेक्सटाइल कंजर्वेशन एंड रिस्टोरेशन, लक्जरी फैशनः एन इनसाइट टू द लक्जरी फैशन बिजनेस एंड मर्चेंडाइजिंग, आईपीआर और टेक्सटाइल्स में इसका महत्व, आदि थे।

महामारी सभी को घर के अंदर रहने को मजबूर कर रही थी। हालांकि, परिसरों में टेक्सटाइल डिजाइन विभागों में इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। अजरख ब्लॉक प्रिंटिंग, बाग की हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, राजकोट की पटोला बुनाई, जोधपुर की धातु कढ़ाई और गोटापट्टी कढ़ाई, दरी बुनाई, कलाक्षेत्र साड़ी बुनाई आदि में दूर–दराज के शिल्पकारों द्वारा शिल्प प्रदर्शनों का आयोजन किया गया, ताकि छात्रों को भारत की विरासत शिल्प से परिचित करवाया जा सके। क्षेत्र–आधारित शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सभी परिसरों में सभी सेमेस्टर – IV के छात्रों के लिए ''प्रिंट डिजाइनः हैंड एंड डिजिटल'' पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में रोटरी प्रिंटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए ट्राइडेंट इंडिया के लिए एक सामान्य आभासी उद्योग यात्रा / यात्रा आयोजित की गई थी। कुल 500 प्रतिभागियों को एक अनूठा अनुभव प्रदान किया, जो उद्योग के विशेषज्ञों के साथ अपने प्रश्नों का उत्तर प्राप्त कर सकते थे।

परिसरों में टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने छात्रों को वास्तविक समय में सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए कक्षा परियोजनाओं सहित उद्योग से जुड़ने के लिए कई अन्य गतिविधियाँ आयोजित कीं। नए पाठ्यक्रम में, फैशन एक्सेसरीज / होम एंड स्पेस के गहन विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में प्रिंट डिजाइन, सर्फेस डिजाइन और वीव डिजाइन में डिजाइन परियोजनाओं को उद्योग से जुड़े कक्षा परियोजनाओं के रूप में परिकल्पित किया गया है। इसका उद्देश्य एक यथार्थवादी डिजाइन को संक्षेप में समझना और उद्योग के लिए तैयार डिजाइन संग्रह विकसित करने के लिए डिजाइन सोच, रचनात्मक और तकनीकी क्षमताओं को लागू करना है। डिजाइन ब्रीफ प्राप्त करने के लिए कक्षा परियोजनाओं के लिए सभी परिसरों को प्रीमियम उद्योगों के साथ जोड़ा गया।

कंपनी और परिसर ने डिजाइन विकास के लिए साथ मिलकर काम किया, जिससे उद्योग के विशेषज्ञों ने समय–समय पर छात्रों के काम की ऑनलाइन समीक्षा की और सर्वश्रेष्ठ डिजाइनों का चयन किया। कक्षा परियोजनाओं से जुड़ी कुछ कंपनियाँ हैंः अर्नवी, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, एक्वारेल इंडिया, मेसर्स अरविंद, एटलस एक्सपोर्ट्स, अंबाडी एंटरप्राइजेज, अमिया, बड़ागांव वीव्स, बटन मसाला, ब्योगी प्रोजेक्ट –आर्ट ऑफ लिविंग, कैसिला लिविंग, क्रिएटिव डिग्निटी, अर्थवाइल, ईस्ट एंड ग्रेस, इको टसर, फोर्टुना कलर्स एंड प्रिंट्स, गजेबो, गीशा डिजाइन्स, हिमाद्री हंस हैंडलूम, जयपोर, जोगीरा फाउंडेशन, कृतिकला, लिसास, मीका फर्निशिंग प्रा. लिमिटेड, नेचुरल फाइबर्स एक्सपोर्ट, नाहर इंडस्ट्रीज, नखराली, पिंक पीकॉक कॉउचर, प्रकाश आर्ट क्रिएशन, रासलीला टेक्सटाइल्स, रागा डिजाइन्स, मेसर्स राज ओवरसीज, रिवाइंड रूट्स, रूका श्रीजीत द्वारा जीवन, रोहिन डिजाइन स्टूडियो, टेक्सवेयर टेक्नोलॉजी, 23 डिजाइन्स और सोर्सिंग प्राइवेट लिमिटेड, आदि। अधिकांश कंपनियों ने सभी अव्वल रहने वाले छात्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र अथवा सभी छात्रों को भागीदारी प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, देश भर के विभिन्न परिसरों में वस्त्र डिजाइन विभाग विभिन्न कपड़ा परामर्श परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) के लिए ''बुनकर सेवा केंद्र में डिजाइन संसाधन केंद्र की स्थापना'' की परियोजना में विभिन्न परिसरों के कई कपड़ा डिजाइन संकाय सदस्य शामिल हैं और परियोजना का पहला चरण फरवरी 2021 में पूरा हुआ। कई संकाय सदस्य 'अपग्रेडिंग द स्किल्स एंड ट्रेनिंग इन ट्रेडिशनल आर्ट्सक्राफ्ट्स फॉर डेवलपमेंट' (उस्ताद) परियोजना, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के लिए परिसर समन्वयक भी हैं। टेक्सटाइल डिजाइन फैकल्टी सदस्य जिन अन्य परियोजनाओं से जुड़े हैं, उनमें नेशनल टेक्सटाइल म्यूजियम प्रोजेक्ट, विजन नेक्स्ट प्रोजेक्ट और एम ओ टी, वस्त्र मंत्रालय, उद्योग भवन, बाग प्रिंट प्रोजेक्ट ''वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट'' और एम पी एच एस वी एन प्रोजेक्ट में काम का फेस लिफ्टिंग निष्पादन शामिल है। इसके अलावा एमपी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन की परियोजना, आदि भी है। कई संकाय सदस्यों ने हथकरघा / हस्तशिल्प कारीगरों को ऑनलाइन डिजाइन विकास प्रशिक्षण प्रदान करने में योगदान दिया है, जबकि उनमें से कुछ ने विश्वविद्यालय कॉलेज के शिक्षकों को ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में योगदान दिया है।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएं

प्रारंभिक महामारी के बाद से, संकाय सदस्यों को दूरस्थ शिक्षा के तौर–तरीकों में शिक्षण को लागू करने और छात्रों की दूरस्थ भागीदारी और सीखने को सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया था। प्रशिक्षकों के दो इन–हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीओटी) जून और जुलाई 2020 के महीने में क्रमशः ''डिजिटल प्रिंट एडिटिंग टेक्निक्स एंड विजुअल रिसर्च'' और ''पैराडाइम शिफ्टः इनोवेटिव मेथड्स एंड टूल्स टू टीच टेक्सटाइल डिजाइन ऑनलाइन'' विषयों पर 14 परिसरों में टेक्सटाइल डिजाइन संकाय सदस्यों

के लिए दूरस्थ रूप से इन–हाउस फैकल्टी सदस्य और आमंत्रित विशेषज्ञ आयोजित किए गए। विभिन्न परिसरों में पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले सभी संकाय सदस्यों को संकाय विषय एंकर द्वारा विशेष सीएडी प्रशिक्षण सत्र की पेशकश की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र सीखने के हाइब्रिड मोड का अनुसरण कर सकें। प्रशिक्षण सत्रों ने शिक्षण प्रथाओं को बदलने की प्रक्रिया में तेजी लाई और छात्रों के लिए सीखने के अनुभवों के संगठन और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के तौर–तरीकों में विभिन्न टेक्सटाइल डिजाइन पाठ्यक्रमों को संचालित करने में मदद की।

प्रौद्योगिकी और ई–लर्निंग प्रारूपों को अपनाते हुए, कई टेक्सटाइल डिजाइन संकाय सदस्यों ने न केवल विभिन्न भौगोलिक स्थानों में पेश किए गए प्रासंगिक वेबिनार सत्रों में भाग लिया है, बल्कि संसाधन व्यक्तियों के रूप में भी काम किया है और विभिन्न दर्शकों के लिए कई वेबिनार भी आयोजित किए हैं। इसके अलावा, कई संकाय सदस्यों ने अधिकांश देशों में महामारी और अलगाव के उपायों के जवाब में विभिन्न प्रतिष्ठित वैश्विक प्रदाताओं द्वारा पेश किए गए नए कौशल सीखने के लिए प्रासंगिक व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) का आयोजन किया। कुछ संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा प्रस्तावित वर्चुअल शॉर्ट टर्म ई–प्रशिक्षण कार्यक्रम और ई–संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

संकाय उपलब्धियां

प्रो. डॉ. सुधा ढींगरा – टीडी दिल्ली को – ''खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र'' के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। केवीआईसी का समर्थन करने के लिए एमएसएमई मंत्रालय द्वारा स्वीकृत 5 निफ्ट परिसरों में एक हब और स्पोक मॉडल खादी पुनरोद्धार कार्यक्रम रखा जाएगा। प्रो. डॉ. रूबी कश्यप सूद–टीडी दिल्ली को एसोसिएशन ऑफ ड्रेस हिस्टोरियंस, यूके द्वारा प्रकाशित एक शोध पत्रिका, द जर्नल ऑफ ड्रेस हिस्ट्री के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि डॉ. चेत राम मीणा, सहायक प्रोफेसर–टीडी जोधपुर को जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एसोसिएशन (जेटीए) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया। डॉ. कुणाल सिंघा, सहायक प्रो. –टीडी पटना को मई 2020 में इन एस सी, भारत द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता और युवा उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रो. –टीडी पटना को वर्ष 2020 के लिए यंग इंजीनियर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें मई 2020 में यूपीटीटीआई में कानपुर, भारत में ''कोविड – 19 के खिलाफ लड़ाई के लिए हर्बल संसाधनों का उपयोग करके जैविक संरक्षण के लिए टेक्सटाइल'' विषय पर व्यावसायिक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, सहायक प्रो. – टीडी जोधपुर ने एक पेटेंट प्रस्तुत किया है जिसका शीर्षक है ''एसटीएफ के साथ अनुक्रमिक पैडिंग द्वारा बेहतर प्रभाव प्रतिरोध के लिए टेक्सटाइल संरचनाएं'' और प्रो. किसलय चौधरी–टीडी मुंबई ने एक पेटेंट विचार प्रस्तुत किया है जो वर्तमान में पेटेंट / डिजाइन पंजीकरण के लिए प्रक्रिया में है।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

परिसरों में संकाय ने अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 23 शोध पत्र और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 12 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। अंतर्राष्ट्रीय ई सम्मेलनों में कुल 18 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और राष्ट्रीय ई सम्मेलनों में 6 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सभी परिसरों में टेक्सटाइल डिजाइन संकाय सदस्यों द्वारा मुख्य क्षेत्रों में कुल मिलाकर तीस पुस्तक अध्यायों का योगदान दिया गया।

निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने पीएचडी पूरी की है:

• सुश्री अनन्या मित्र प्रमाणिक, सहायक प्रो. – टीडी दिल्ली ने नवंबर 2020 में जीडी गोयनका विश्वविद्यालय से सस्टेनेबल टेक्सटाइल में पीएचडी पूरी की।
• डॉ. जन्ममय सिंह हाडा, सहायक प्रो.– टीडी जोधपुर को सितंबर 2020 में ''डिजाइन इंटरवेंशन के माध्यम से कोटा डोरिया हैंडलूम की क्षमता निर्माण'' विषय पर पीएचडी से सम्मानित किया गया था।
• श्री रविकुमार आर, सहायक प्रो.– टीडी बेंगलुरु ने गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान विश्वविद्यालय से अपना डॉक्टरेट शोध पूरा किया और मार्च 2021 में पीएचडी से सम्मानित किया गया
• सुश्री ऋचा शर्मा, सहायक प्रो. – टीडी बेंगलुरु ने ''स्टडी ऑन द इफेक्ट ऑफ ल्यूमिनेंस ऑफ फोटो– ल्यूमिनसेंट स्पेशियलिटी पिगमेंट ऑन टेक्सटाइल्स फॉर होम फैशन'' विषय पर अपना डॉक्टरेट शोध पूरा किया और 2020 में निफ्ट से पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया।
• श्री श्रीकांत गेला, सहायक प्रो – टीडी हैदराबाद ने इग्नू, नई दिल्ली में ''वस्त्र और सांस्कृतिक पहचानः कसावु साड़ी की भूमिका का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण'' शीर्षक से अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की है।
• सुश्री विजयलक्ष्मी टी, सहायक प्रो. – टीडी कन्नूर ने कॉस्टयूम डिजाइन और फैशन के क्षेत्र में भारथियार विश्वविद्यालय से पीएचडी पूरी की।

छात्रों की उपलब्धियांः

• भुवनेश्वर परिसर के सेमेस्टर VII के श्री देबजीत बिस्वास ने टीआईटी, भिवानी द्वारा सितंबर 2020 में आयोजित ई–सम्मेलन में ''भीगे हुए फेजोलस वल्गारिस (रेड किडनी बीन) के अर्क के साथ रेशम के कपड़े की डाइंग'' शीर्षक से शोध लेख प्रस्तुत किया।
• भुवनेश्वर कैंपस के सेमेस्टर VII के श्री देबजीत विश्वास और सुश्री श्रुतिरूपा पति ने ''टेक्सटाइल एंड लेदर रिव्यू'', 2020 वॉल्यूम 3 अंक 4 में ''टेक्सटाइल पर एंटीवायरल फिनिशिंग'' शीर्षक से समीक्षा लेख लिखा।
• नई दिल्ली परिसर की सुश्री मानवी तेजपाल सेम–VIII ने ''एन्हांसिंग फैशन रिटेल के माध्यम से ग्राहक संतुष्टि'' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और 2020 में सर्वश्रेष्ठ निबंध पेपर का पुरस्कार जीता।
• भारती वशिष्ठ और इशिता सिंह, भोपाल परिसर के सेम–IV ने फैबइंडिया द्वारा आयोजित एफएबी डिजाइन 2020 जीता।
• पटना परिसर की सुश्री दीक्षा, सुश्री कृति वर्मा और सुश्री अंकिता दासगुप्ता, सेम–VII ने इंस्टीट्यूशन ऑफ

इंजीनियर्स (भारत) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वीवर के परिदृश्य को उजागर करनाः भगइया, झारखंड पर एक केस स्टडी'' विषय पर प्रस्तुत किया और पोस्टर प्रस्तुति फरवरी 2020 में प्रथम पुरस्कार जीता।

• सुश्री अंकिता दासगुप्ता और सुश्री दीक्षा, सेम–VII, पटना परिसर ने यूपीटीटीआई कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''प्राकृतिक डाई, प्रिंटिंग और पारंपरिक वस्त्र कला का उपयोग करके अतिरिक्त डिजाइन मूल्यों के साथ अपशिष्ट वस्त्र सामग्री का पुनर्चक्रण'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया और अगस्त 2020 में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

• पटना परिसर की सेम–VII सुश्री वेदिका त्रिदेवी ने जून 2020 में एआईसीटीई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोलकाता में 'फैशन और वस्त्रों में कंप्यूटर आविष्कार' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने डोमोटेक्स 2020, दिसंबर, 2020, जर्मनी में एक गलीचा डिजाइन प्रस्तुत किया। उन्हें क्रिएटिव डिग्निटी, दिल्ली, अगस्त–सितंबर, 2020 में ''शिल्प शोध कर्ता'' के रूप में चुना गया था।

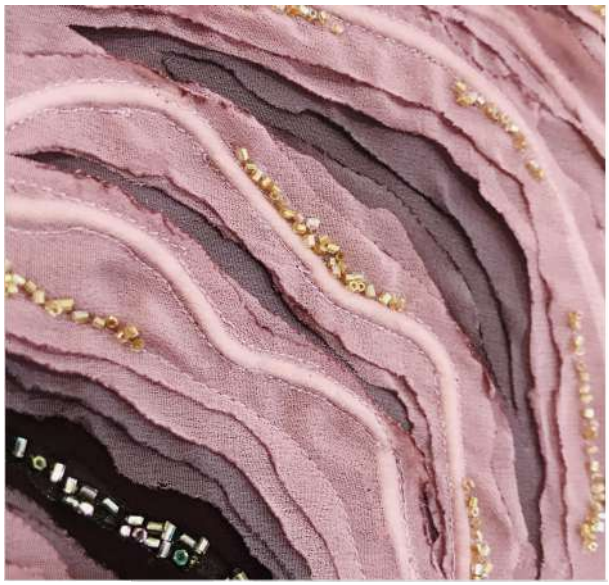

निटवेयर डिजाइन

निटवेयर डिजाइन विभाग परिधान और सहायक उपकरण उद्योग के बुनाई (निटवेयर) डोमेन के लिए विशेष डिजाइन पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा करता है। विभाग छात्रों को बुनाई फैशन वस्त्रों और उत्पादों के डिजाइन और निष्पादन की दिशा में एक व्यापक सभी दृष्टिकोण प्रदान करता है। पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण दायरे में आधारभूत वस्त्रों से लेकर बाहरी वस्त्रों तक कई खंड शामिल हैं। छात्रों को नवीनतम तकनीकों और विस्तृत डिजाइन पद्धतियों पर जानकारी दी जाती है ताकि नवीनतम रुझानों और फैशन में पूर्वानुमान के साथ संतुलन बनाया जा सके। विभाग छात्रों को पेशेवरों के रूप में विकसित करने में सक्षम बनाता परिधान है जो कपड़े के डिजाइन से लेकर उत्पाद प्राप्ति तक बुनाई फैशन के सभी पहलुओं को संभाल सकते हैं। छात्रों को बुनाई परिधानों की सभी श्रेणियों को समझने के लिए काम करने की क्षमताएं प्राप्त होती हैं जैसे पुरुषों के प्रवृत्तियों, परिधान, महिलाओं के परिधान, बच्चों के परिधान, सक्रिय या खेल प्रेरणा के परिधान, अवकाश परिधान (लेजरवेयर), शीतकालीन परिधान के अघोवस्त्र और अंतरंग परिधान आदि।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

निटवेयर डिजाइन विभाग का नया पेश और पुनर्गठित पाठ्यक्रम वैश्विक शैक्षिक संरचना के बराबर है। उद्योग के माध्यम से वास्तविक क्षेत्र दृष्टिकोण पर जोर संबद्ध उद्योग यात्रा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और मेलों, विशेषज्ञ व्याख्यान, कक्षा परियोजनाओं आदि को वैश्विक चुनातियों का सामना करने और फैशन की दुनिया में अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में खुद को साबित करने के लिए उन्हें सेमेस्टरों में निटवेयर डिजाइन कार्यक्रम द्वारा पेश किए गए प्रमुख विषयों में बुनाई, फ्लैट पैटर्न और निर्माण, फैब्रिक तकनीक, चित्रण और प्रस्तुति तकनीकों के व्यापक क्षेत्रों को शामिल किया गया है। सेमेस्टरों में शिल्प के अध्ययन और अभ्यास को भी उचित महत्व दिया जाता है। विभाग अंतरंग परिधान और खेल परिधानों मे से चुनने के लिए दो प्रगाढ़ विशेषज्ञता क्षेत्र प्रदान करता है।

अंतरंग परिधान विशेषज्ञता का उद्देश्य छात्रों को बुनाई के अंतरंग खंड में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है। यह छात्रों को विषयगत दृष्टिकोण के माध्यम से डिजाइन प्रक्रिया को और अभ्यास करने में सक्षम बनाएगा। छात्रों को नवीनतम पूर्वानुमान, डिजाइन सौंदर्य और प्रसिद्ध सहकर्मी कार्यों से लेकर अंतरंग परिधान संग्रह की अवधारणाओं को डिजाइन करने लिए सीखना होगा। छात्रों को ब्रांड सौंदर्यशास्त्र के अनुसार संग्रह की योजना बनाने का अवसर मिलता है और अंत में अंतरंग परिधान संग्रह के लिए अद्वितीय, रचनात्मक डिजाइन के साथ बनाने में सक्षम होते हैं।

खेल परिचान विशेषज्ञता बुनाई परिधान उद्योग के सबसे होनहार और चुनौतीपूर्ण विभाग में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए एक बुनाई परिधान डिजाइन छात्र के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। छात्र खेलों की विभिन्न श्रेणियों की विविध कार्यात्मक और सौंदर्य संबंधी जरूरतों के लिए डिजाइन सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा करना सीखेंगे।

इंटरडिसिप्लिनरी माइनर विषय क्षेत्र जो अन्य विभाग के स्नातक छात्रों के लिए पेश किए जाते हैं, वे वर्ल्ड ऑफ निट एंड फैशन फॉर स्पोर्ट्स हैं। ''बुनाई की दुनिया'' का उद्देश्य छात्रों को निट्वेर की मनोरम दुनिया से परिचित कराना है । यह एक शून्य अपशिष्ट, टिकाऊ उत्पाद के रूप में निट की समझ प्रस्तुत करता है। जबकि पाठ्यक्रम उद्योग में उपलब्ध मौजूदा बुनाई तकनीकों के लिए शिक्षार्थियों को पेश करता है, यह उन्हें निट्वेर के साथ काम करने में भी

मदद करता है जैसे कि वे वस्त्र, सहायक उपकरण और घरेलू उत्पादों को विकसित करने में सक्षम होते हैं – निट्वेर के सौंदर्य और स्पर्श दोनों तत्वों का उपयोग करते हुए।

''खेल के लिए फैशन" का उद्देश्य फैशन व्यवसाय में सबसे बहुमुखी और सबसे तेजी से बढ़ती श्रेणी – खेल परिधान की ओर एक उन्मुखीकरण देना है। यह एक श्रेणी के रूप में खेल परिधान के विभिन्न घटकों के लिए शिक्षार्थी को परिचित करवाता है, और आकस्मिक, सक्रिय, प्रदर्शन खेल और ऐथिलैजर के बीच अंतर निर्धारित करता है।

स्नातकोत्तर छात्रों को दिए जाने वाला अंतः लघु विषय क्षेत्र बुनाई परिधान बिक्री है। जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों को बुनाई परिधान व्यवसाय की बारीकियों के प्रबंधन की समग्र समझ देना है। विभाग उद्योग में व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने के लिए किसी भी बुनाई परिधान उद्योग में 8 सप्ताह की उद्योग इंटर्नशिप प्रदान करता है। कार्यक्रम के अंत में, छात्र के पास बुनाई परिधान उद्योग में स्नातक परियोजना के 16 सप्ताह के दौर से गुजरने या रचनात्मक डिजाइन संग्रह को डिजाइन और निष्पादित करने का विकल्प है.

उद्योग संबंध और परियोजनाएं

उद्योग कनेक्ट विभाग निटवेअर उद्योग की आवश्यकता को पूरा करता है, इसलिए प्रोग्राम मैट्रिक्स के लिए चुने गए सभी विषयों में उद्योग को निट्वेर उद्योग के दौरे, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और मेलों के दौरे और प्रदर्शन, उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, एलुमनी, क्लासरूम प्रोजेक्ट्स आदि के माध्यम से जोड़ा जाता है, जो छात्रों को पूरी तरह से प्रशिक्षित करते हैं और उन्हें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और फैशन की दुनिया में अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में साबित करने के लिए मजबूत करते हैं। सभी परिसरों के सभी सेमेस्टर के छात्रों के पास उद्योग के साथ एक या दो परियोजनाएं हैं।

आयोजित टीओटी

विभाग के प्राध्यापकों ने आई एफ एफ टी आई ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। सस्टैनबल क्राफ्टस इन इंडिया ने 16 मार्च 2021 ने सब्यसाची मुखर्जी (डिजाइनर) और प्रियातन्ना (संपादक वोगइंडिया) के साथ 2 जुलाई 2020 ''भारतीय फैशन का भविष्य'' पर वेबिनार का आयोजन किया।

20–22 जुलाई को आयोजित एनामोर, बेंगलुरु में अधोवस्त्र विकास के अवलोकन पर विभाग के संकायों ने टीओटी में भाग लिया। 27 जुलाई से निर्धारित सारव इंटरनेशनल द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रमः 12 से 18 मार्च, 2021 तक ए आई सी टी ई–आई एस टी ई द्वारा प्रायोजित सतत विकास के लिए कपड़ा रासायनिक प्रसंस्करण में उन्नत पारिस्थितिक तकनीकः मशीन लर्निंग और ए आई से परिचय जनवरी और फरवरी 2021 में 6 दिनों की अवधि के लिए ब्लैकस्ट्रॉ द्वारा आयोजितः सेंटगिट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में 11.01.2021 से 15.01. 2021 तक पहनने योग्य उपकरणों पर ऑनलाइन एफडीपीः डिजिटल डिजाइन और संचार क्रमशः 10.10.2020 और 17.10.2020 कोः 19.9.2020 को अरविंद इंडिगो कला संग्रहालय, अहमदाबाद में इंडिगो डाइंग की कार्यशालाओं में भाग लिया।

संकाय उपलब्धियां

4 संकायों को पीएचडी डिग्री से सम्मानित किया गया और 9 संकाय निफ्ट और अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पीएचडी कर रहे हैं।

शोध पत्र प्रकाशन और प्रस्तुतियाँ

परिसरों में फैकल्टी ने वस्त्र और शिल्प से संबंधित विषयों पर 23 पत्र और लेख डिजाइन आधारित हस्तक्षेपः विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्ता से संबंधित विषयों पर प्रकाशित किए हैं ।

फैशन और जीवनशैली एक्सेसरीज

बी. डेस (एक्सेसरीज डिजाइन) कार्यक्रम आकांक्षाओं को मूर्त और अमूर्त डिजाइन समाधानों में बदलने के लिए तैयार है। कार्यक्रम का पाठ्यक्रम फैशन और सौंदर्य स्पेस में विधिपूर्वक रखा गया है। पाठ्यक्रम मजबूत सैद्धांतिक और वैचारिक डिजाइन दर्शन के साथ समृद्ध है। कार्यक्रम भविष्य फैशन और जीवन शैली एक्सेसरीज और गतिशील प्रौद्योगिकी का एक मिश्रण है। छात्रों को आभूषण, सजावट डिजाइन समाधान, शिल्प, व्यक्तिगत एक्सेसरीज, कोमल वस्तुए और वर्क गियर असंख्य प्लेटफार्मों में फैले नवाचारों की पेशकश करने के लिए मिलता है। एक्सेसरी डिजाइन कार्यक्रम एक कैरियर आधारित शिक्षा है जो आज प्रासंगिक हैं और भविष्य के बदलते परिदृश्य को संबोधित करने की क्षमता रखता है।

पाठ्यक्रम और उद्धार

एक्सेसरीज डिजाइन मेजर, एक सामाजिक रूप से प्रासंगिक फैशन परिदृश्य में व्यापक डिजाइन ज्ञान प्रदान करता है। ज्ञान को एक प्रक्रिया के रूप में डिजाइन की वैचारिक समझ के साथ बढ़ाया जाता है, एक माध्यम के रूप में सामग्री और परिणामों को संश्लेषित करने की क्षमता के रूप में उन्हें समकालीन जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाता है।

कार्यक्रम सहस्त्राब्दी के छात्रों को नवीनतम कौशल प्रवृत्तियों और हाथ से तैयार किये गए कारीगर उत्पादों और प्रक्रिया के लिए जुनून के संतुलन के माध्यम से डिजाइन प्रक्रिया को सही करने के लिए प्रदान करता है। छात्र रचनात्मक रूप से डिजिटल प्रवाह को अधिक डिग्री के साथ दृश्य कौशल विकसित करने में लगे हुए हैं। वे पारंपरिक तकनीकों की एक स्वदेशी बढ़त के साथ सामग्री जोड़–तोड़ के कौशल के कारण छात्र स्वयं को सशक्त महसूस करते हैं। छात्रों को अपने हस्ताक्षर शैली एक्सेसरीज डिजाइन संग्रह के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को मुखर करने में सक्षम हैं, यह बाजार और उद्योग की चुनौतियों क्षेत्र के लिए प्रासंगिक रखते हुए उदार फैशन जीवन शैली एक्सेसरीज का यह डिजाइन संग्रह रूपों, रंगों और सामग्रियों के तालमेल से उपजे पैटर्न पर आधारित है।

कौशल में गहराई के माध्यम से शिक्षार्थियों को सक्षम करना, सहायक डिजाइन छात्रों को आभूषण डिजाइन, फैशन उत्पादों और वर्क गियर के गठन को मजबूत करने वाली विशेषज्ञता के रूप में विशिष्ट कौशल के साथ गहरी सीखने के विकल्प के साथ सशक्त किया जाता है। छात्र किसी भी एक विशेषज्ञता को मजबूत बनाने के सचेत विकल्प का चुनाव कर सकते हैं। इस प्रक्रिया आईडी विभाग संकाय परिसर में अपने सीखने के पूरे समय के दौरान संरक्षक द्वारा अच्छी तरह से समर्थित है।

उद्योग संबंध और परियोजनाएं

1. सुश्री शिप्रा रॉय, बैंगलोर परिसर से सहायक प्रोफेसर ने 2 महीने (25 जनवरी से 8 मार्च 2021 तक) की अवधि के लिए मैसर्स मेलोरा, बैंगलोर से ''डिजाइन स्टूडियो 3 (लाइफस्टाइल एक्सेसरीज रेंज)'' एडी सेम VI–विषय पर एक उद्योग कनेक्ट का आयोजन किया है। ।
2. बैंगलोर परिसर के सहायक प्रोफेसर डॉ. आर रेशमी मुंशी ने 4 महीने (22 फरवरी से 27 मई 2021 तक) की अवधि के लिए मेसर्स हनुमान वुड इंडस्ट्रीज, बेंगलुरु से ''लिविंग स्पेस डिजाइन डेकोर'' ए डी सेम IV विषय पर एक उद्योग कनेक्ट का आयोजन किया है।
3. हैदराबाद परिसर ने जुलाई – दिसंबर 2020 सेमेस्टर में सफलतापूर्वक ''हैदराबाद इंडस्ट्री कनेक्ट 2020'' आयोजित किया है–

इसमें III, V और VII सेमेस्टर के छात्रों को व्याख्यान देने के लिए 10 पूर्व छात्रों / उद्योग विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। अन्य विभाग के शिक्षकों और छात्रों को भी आमंत्रित किया गया था।

4. सुश्री तुलिका सैकिया, कोलकाता परिसर, सहायक प्रोफेसर ने यूएमओ डिजाइन फाउंडेशन के सहयोग से महामारी के दौरान प्रयोगशाला सीखने के अनुभव के लिए मंच बनाने पर एक शोध परियोजना पूरी की।

5. श्री कुमार सुदीप्ता, मुंबई परिसर के सहायक प्रोफेसर ने 17 जून 2020 को पैनलिस्ट श्री गणेश बाबू, राष्ट्रीय तकनीकी प्रबंधक, डिजाइनटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ ''कोविड –19 महामारी के दौरान 3 डी प्रिंटिंग के अनुप्रयोग'' पर श्री श्रीकांत तेली, क्षेत्रीय प्रमुख, पश्चिम भारत – स्ट्रैटासिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ वेबिनार का आयोजन किया।

6. पटना परिसर ने दिसंबर 2020 के पहले सप्ताह में शिरीन के क्रीजियोन, जयपुर से ज्वैलरी डिजाइनर सुश्री सोनी अमीन द्वारा ''पहनने योग्य सहायक उपकरण में नवीनतम रुझान और प्रौद्योगिकी – 3 डी प्रिंटिंग, लेजर कटिंग और इलेक्ट्रोफॉर्मिंग'' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया।

7. रायबरेली परिसर – तीसरे, 5वें और 7वें सेमेस्टर के छात्रों ने 18 सितंबर 2020 से 23 सितंबर 2020 तक ''इंडिया कोटयोर वीक 2020 के प्रथम डिजिटल संस्करण'' में भाग लिया।

8. शिलांग परिसर के सहायक प्रोफेसर श्री संदीप सचान ने 25 अगस्त, 2020 को सीडब्ल्यूईआई, नई दिल्ली के सहयोग से ''उद्यमी विकास के लिए बौद्धिक संपदा'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएं

1. हैदराबाद परिसर के प्रोफेसर डॉ जी चिरंजीवी रेड्डी ने 30 जुलाई 2020 से 1 अगस्त 2020 तक तीन दिनों के लिए ''डिजाइन प्रासंगिकता और कठिन सामग्री की खोज'' शीर्षक से एक टीओटी शीर्षक तैयार किया और संचालित किया। विभिन्न परिसरों के 30 निफ्ट संकायों को इस संकाय विकास कार्यक्रम का लाभ मिला।

2. श्री सौविक बोस, कोलकाता परिसर के सहायक प्रोफेसर ने कोविड –19 के तथ्य और मानव समाज में व्यवहार परिवर्तन के संदर्भ में इसके प्रभाव को देखने के लिए स्वयं और समाज को विकसित करने के लिए निफ्ट द्वारा आयोजित टीओटी में भाग लिया।

3. सुश्री पल्लबी पालित, मुंबई परिसर की सहायक प्रोफेसर ने 13 और 14 जुलाई 2020 को फाउंडेशन प्रोग्राम, निफ्ट ऑन सेल्फ एंड सोसाइटी द्वारा आयोजित प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

4. श्री कुमार सुदीप्ता, मुंबई परिसर के सहायक प्रोफेसर ने टाइटन एनविज 2.0, वर्ष 2020 के लॉन्च पर एक वेबकास्ट में भाग लिया। सत्र टाइटन की मुख्य डिजाइन अधिकारी–सुश्री रेवती कांत के साथ हुआ, जिन्होंने 21 अगस्त 2020 को श्री महेंद्र चौहान–प्रमुख डिजाइन, घड़ियाँ प्रभाग, श्री अभिषेक रस्तोगी–प्रमुख डिजाइन, आभूषण प्रभाग, श्री सानिल–प्रमुख डिजाइन, आईवियर डिवीजन और श्री सुमित प्रकाश– हेड डिजाइन, एक्सेसरीज डिवीजनके साथ छात्रों के साथ बातचीत की।

5. श्री श्रीपति भट, मुंबई परिसर के सहायक प्रोफेसर ने 25 मई, 26 मई और 29 मई 2020 को निफ्ट मुंबई के सहयोग से एडोब टीम द्वारा आयोजित वेबिनार (वर्चुअल सत्र) में भाग लिया और एडोब द्वारा एडोब क्रिएटिव जैम (छात्रों के लिए प्रतियोगिता) का समन्वय किया।

6. पटना परिसर के श्री राजेश कुमार सहायक प्रोफेसर ने एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी कोलकाता और एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स, कोलकाता द्वारा आयोजित कला, डिजाइन और फैशन में हालिया विकास पर पांच दिवसीय (29 जून से 3 जुलाई 2020 तक) ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

7. श्री एस.ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, डॉ. अजय कुमार, सहायक प्रोफेसर और सुश्री स्तुति सोनकर, रायबरेली परिसर से सहायक प्रोफेसर ने ''हार्ड सामग्री की डिजाइन प्रासंगिकता और अन्वेषण'' पर एक कार्यशाला / प्रशिक्षण में 30 जुलाई 2020 से 01 अगस्त 2020 तक ऑनलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

8. जोधपुर परिसर के सहायक प्रोफेसर डॉ युवराज गर्ग ने 17 जुलाई से 21 जुलाई 2020 तक ऑनलाइन मोड के माध्यम से ''परिधान उद्योग में लीन मैनेजमेंट'' विषय पर उद्योग विशेषज्ञ श्री आनंद देशपांडे द्वारा एक टीओटी में भाग लिया।

9. हैदराबाद परिसर के प्रोफेसर डॉ जी चिरंजीवी रेड्डी ने डॉ बी आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर, पंजाब, भारत, में, 28 अगस्त से 1 सितंबर, 2020 तक आयोजित किया गया।

10. हैदराबाद परिसर के प्रोफेसर डॉ जी चिरंजीवी रेड्डी ने 20 अप्रैल 2020 को ब्रैंडेक्स, विशाखापत्तनम के कर्मचारियों के लिए ''रचनात्मक सोचः संगठनात्मक और व्यक्तिगत प्रयासों के लिए एक प्रभावी कौशल'' शीर्षक से एक वेबिनार आयोजित किया है। इससे लगभग 40 कर्मचारी लाभान्वित हुए।

11. हैदराबाद परिसर के प्रोफेसर डॉ जी चिरंजीवी रेड्डी ने 15 से 17 मई 2020 तक महाराष्ट्र सरकार विदर्भ विज्ञान और मानविकी संस्थान द्वारा संचालित एक अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन तीन दिवसीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में भाग लिया है।

12. भोपाल परिसर के एसोसिएट प्रोफेसर श्री सौमिक हलदर ने एक टीओटी शीर्षक कठोर सामग्री की डिजाइन प्रासंगिकता और अन्वेषण, 30 जुलाई से 1 अगस्त 2020 तक में भाग लिया है।

13. भोपाल परिसर के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रभात कुमार ने 4 जुलाई से 5 जुलाई 2020 तक ग्लोबल ट्रायम्फ फाउंडेशन द्वारा आयोजित तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा समर्थित, ''उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी)'' में भाग लिया।

14. डॉ. प्रभात कुमार, भोपाल परिसर के सहायक प्रोफेसर ने अवधि– 11 मई से 15 मई 2020 तक मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल में एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी द्वारा आयोजित ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'' में भाग लिया है।

संकाय उपलब्धियां

• मुंबई परिसर की सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी रानी ने

म्यूनिख जर्मनी में ग्रामीण डिजाइन दिवस 2021 सिलिकॉन विल्स्टल में एक वक्ता के रूप में भाग लिया। वर्चुअल सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व किया और भारतीय ग्रामीण डिजाइन के बारे में बात की।

• मुंबई परिसर की सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी रानी ने यूएमओ डिजाइन, 21 जून 2020 को यूएमओ डिजाइन संगठन (डिजाइनरों और डिजाइन संवेदनशील उपभोक्ताओं के बीच बातचीत के माध्यम से डिजाइन जागरूकता और डिजाइन संवेदनशीलता के आदान–प्रदान की दिशा में काम करने वाला एक गैर–लाभकारी संगठन) द्वारा आयोजित ग्लोबल इनोवेशन डिजाइन चैलेंज 2020 में टास्क फोर्स मेंटर के रूप में योगदान दिया है।

• रायबरेली परिसर के सहायक प्रोफेसर श्री एस.ए. वेंकटसुब्रमण्यम ने लखनऊ और बाराबंकी के बोन क्लस्टर क्राफ्ट में पारंपरिक कला/शिल्प विकास में कौशल और प्रशिक्षण के उन्नयन (उस्ताद) पर 2017 से एक परियोजना शुरू की है। परियोजना अभी चल रही है।

• रायबरेली परिसर के सहायक प्रोफेसर श्री एस ए वेंकटसुब्रमण्यम ने एक टीम सदस्य के रूप में काम किया और उत्तर प्रदेश राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड (यूपी–केवीआईबी) की परियोजना के तहत खादी के कारीगरों के लिए चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीन कार्यशालाओं को पूरा किया।

• एक संसाधन व्यक्ति के रूप में हैदराबाद परिसर के प्रोफेसर डॉ जी चिरंजीवी रेड्डी ने केंद्र (आई अल टी सी), नरसापुर, आंध्र प्रदेश राज्य शुक्रवार, 5 फरवरी 2021 को इंटरनेशनल लेस ट्रेड में ''पोस्ट कोविड –19 स्थिति और डिजाइन निहितार्थ'' शीर्षक से एक सेमिनार में ''कोविड के बाद के परिदृश्य में डिजाइन और विपणन के बुनियादी सिद्धांत'' शीर्षक से एक विषय पर वृतांत दिया।

• डॉ. जी. चिरंजीवी रेड्डी, हैदराबाद परिसर के प्रोफेसर, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस–2020 के अवसर पर 21 जुलाई 2020 को संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और अभिभावकों सहित सभी निफ्ट हैदराबाद बिरादरी के लिए आयोजित 90 मिनट की ऑनलाइन योग कार्यशाला में दो प्रशिक्षकों में से एक थे।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

• श्री अनुपम राणा, गांधीनगर परिसर से, सहायक प्रोफेसर और लिंक– आरआईसी ने 26 और 27 नवंबर, 2020 को प्रबंधन संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्वेश 2020 में भाग लिया और ''आभूषण बाजारः नवीनतम विपणन रुझान'' पर पेपर का योगदान दिया, जिसे सम्मेलन की कार्यवाही में एक पूर्ण पेपर के रूप में प्रकाशित किया गया है।

• हैदराबाद परिसर के डॉ जी चिरंजीवी रेड्डी प्रोफेसर ने जर्नल के लिए अक्टूबर 2020 महीने में प्रकाशित सह–लेखक के साथ ''फैशन शिक्षा में स्वयं, सहकर्मी और शिक्षक द्वारा छात्रों के प्रदर्शन का आकलनः एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य'' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। शैक्षिक योजना और प्रशासन (जेईपीए) खंड XXXIII जेईपीए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रसिद्ध पत्रिकाओं में से एक है।

• श्री संजीव कुमार दास, कोलकाता परिसर के सहायक प्रोफेसर ने 30 जून 2020 को एमिटी विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित एक संकाय विकास कार्यक्रम में 'आधुनिक हस्तशिल्प के संदर्भ में डिजाइन की भूमिका' विषय पर अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया।

• श्रीमती जयति मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर कोलकाता परिसर से जयती मुखर्जी, माणिक घोष, (2020) प्रकाशित की। ''दृश्य विशेषताओं के आधार पर अवधि के अंदरूनी हिस्सों की पहचानः इंग्लैंड और फ्रांस में पुनर्जागरण के सौंदर्यशास्त्र की तुलना''। जर्नल ऑफ इंटीरियर डिजाइनिंग एंड रीजनल प्लानिंग ई–आईएसएसएनः 2581–9984 खंड–5, अंक–2 (जुलाई–दिसंबर, 2020) www.matjournals.com.

• डॉ. पल्लवी रानी, मुंबई परिसर के पीएचडी सहायक प्रोफेसर ने इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग 2020 आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित ''संथाली समुदाय के पारंपरिक वस्त्र रूपांकनों में प्रतीकात्मक सामग्री का अध्ययन'' एक ऑनलाइन सार पुस्तक में और ''झारखंड के ग्रामीण लोगों के बीच उचित स्वच्छता आदत विकसित करने के लिए एक जागरूकता मॉडल डिजाइन'' उन्नत विनिर्माण प्रणालियों और अभिनव उत्पाद डिजाइन में (पीपी 11– 20) सिंगापुरः स्प्रिंगर नेचर 2021 में प्रकाशित किया है।

• श्री विनायक यशराज, पटना परिसर से सहायक प्रोफेसर और सीएसी ने ''कपड़ों के माध्यम से कथा के आयामः रे की सद्गति में हाशिए के चित्रण'' नामक एक लेख प्रकाशित किया था, जिसे विनायक यशराज और डॉ प्रियंका त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से समकालीन साहित्यिक समीक्षा भारत पत्रिका में नवंबर 2020 में वॉल्यूम 7 में प्रकाशित किया था।

• श्री राजेश कुमार सहायक, प्रोफेसर पटना परिसर ने फैशन परिधान और वस्त्र (एनसीएफएटी'20) पर अक्टूबर 2020 में एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश, द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय सम्मेलन में पिंटू पंडित और कुणाल सिंघा के साथ संयुक्त रूप से ''यूवी–संरक्षित और थर्मल नियंत्रणीय नैनो–कण उपचारित होम फर्निश्ड निट्वेर'' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. नगमखोलेन हाओकिप, शिलांग परिसर से सहायक प्रोफेसर और सीआईसी ने 19 फरवरी 2021 को राज्य सम्मेलन केंद्र में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), मेघालय के कार्यालय द्वारा आयोजित विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), ई–मार्केटिंग, जीईएम पोर्टल, जीएसटी आदि की योजनाओं के बारे में 'कारीगरः महत्व और दायरा' जागरूकता पर एक दिवसीय अवधि में शिलांग, मेघालय में प्रस्तुत किया।

• डॉ. युवराज गर्ग, जोधपुर परिसर के सहायक प्रोफेसर ने एल्सेवियर पब्लिशिंग लिमिटेड यूके (आईएसबीएनः 9780128194263) द्वारा वुडहेड पब्लिशिंग के तहत

''अपैरल मैन्युफैक्चरिंग में लीन टूल्स'' नामक एक अध्याय का सह–लेखन किया।

• श्री संदीप सचान, शिलांग परिसर के सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट, जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री सौमिक हलदर, भोपाल परिसर के सहायक प्रोफेसर ने ''ग्रामीण और अर्ध–शहरी मध्य भारत में बांस शिल्प के लिए रणनीति'' (बैतूल, मध्य भारत से एक केस स्टडी), जर्नल में शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया। जो परफॉरमेंस इम्प्रूव्मन्ट पब्लिशरः विले ऑनलाइन लाइब्रेरी, यूएसए, वॉल्यूमः 59 अंकः 9, https://doi.org/10.1002/pfi.21937, लेखकः सौमिक हलदर (प्रथम लेखक) और डॉ. सुकांत मजूमदार (द्वितीय लेखक), प्रकाशन तिथिः अक्टूबर 2020 में प्रकाशित हुआ।

• डॉ. प्रभात कुमार सहायक प्रोफेसर और श्री अयान तिवारी सहायक प्रोफेसर (2021) ''एमसीडीएम– उत्पाद डिजाइन और विकास के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली'', चक्रवर्ती ए, पूवैया आर, बोकिल पी, कांत वी में, ''डिजाइन फॉर टुमॉरो– वॉल्यूम'' 2, स्मार्ट इनोवेशन सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज (लेखक– अध्याय – 46), प्रकाशकः स्प्रिंगर, सिंगापुर।

फैशन सम्प्रेषण

फैशन और डिजाइन के तेजी से बदलते बायोस्फीयर में, निफ्ट फैशन संचार (एफसी) डिजाइन प्रोग्राम फैशन और लाइफस्टाइल इंडस्ट्री में खुलने वाला सबसे अलग फ्रंट–लाइन, उत्तेजक और उत्तरोत्तर महत्वपूर्ण गलियारा होता है। ब्रांड पहचान की धारणा को देखा गया कि ब्रांड क्या बेचता है, अर्थात् उत्पाद और उत्पाद रेंज। कई ब्रांड और लक्जरी ब्रांड भारतीय खुदरा परिदृश्य में दिखाई देते रहते हैं, और उनमें से प्रत्येक के लिए अधिकतम प्रभाव और दृश्यता के लिए एक अद्वितीय ब्रांड पहचान विकसित करना मौलिक हो गया है। फैशन संचार ने इन ब्रांडों के लिए अपने उत्पादों, पहचान और दृष्टिकोण को संप्रेषित करना, इन बहुत ब्रांडों के लिए एक घोषणापत्र प्रदान करके यथार्थवादी बना दिया है।

पिछले एक दशक में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और डिजिटल क्रांति की तेज गति की व्याख्या में सुधार विशेष रूप से डिजिटल प्लेटफार्मों, आईटी एप्लिकेशन (एप्स) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) दुनिया भर में संचार डिजाइन के वातावरण की भूमिका के माध्यम से दृश्य और फैशन संचार के क्षेत्र में केंद्रित है। 14 निफ्ट परिसरों में बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगडा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, रायबरेली और श्रीनगर में फैशन संचार पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

पाठ्यक्रम एवं उद्धार

फैशन संचार प्रोग्राम मुख्य रूप से चार प्रमुख डोमेन यानी ग्राफिक डिजाइन, स्पेस डिजाइन, फैशन क्रिएटिव और फैशन विचारधारा और इन प्रमुख क्षेत्रों की संबंधित शैलियों पर ध्यान केंद्रित कर ज्ञान, अनुप्रयोग और अभ्यास आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से हस्त और डिजिटल कौशल का उपयोग करता है।

पाठ्यक्रम को उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा विजिट्स, उद्योग से जुड़े परियोजनाओं और व्याख्यान के माध्यम से एक बढ़े हुए उद्योग इंटरफेस के साथ एक मजबूत संचार डिजाइन आधार बनाने के लिए किया गया है। इसके अलावा, मौजूदा उद्योग अनावरण, इंटर्नशिप और स्नातक परियोजना के अलावा, नए पाठ्यक्रम में सेमेस्टर III से फॉर्म क्षेत्र के दौरे, कक्षा परियोजनाओं और उद्योग पेशेवर विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान में एक अनिवार्य उद्योग शामिल है। निरंतर मूल्यांकन छात्र की नियमितता, कक्षा परियोजनाओं में भागीदारी के माध्यम से उद्योग के साथ जुड़ाव, फैशन सप्ताह या अन्य उद्योग की घटनाओं में भागीदारी या ऑन–गोइंग कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट में संकाय सहायता के माध्यम से आधारित होगा।

फैशन संप्रेषण के स्नातक, फैशन, जीवन शैली उद्योग और उससे आगे के लिए सबसे प्रभावी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य संचार समाधान पेश करने के लिए योग्य गतिशील पेशेवरों के रूप में उभरते हैं। तेजी से आगे बढ़ने वाली डिजिटल क्रांति ने नए विषयों के लिए फैशन संचार डिजाइन को खोल दिया है, जिसके लिए छात्रों को न केवल पारंपरिक डिजाइन कौशल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, बल्कि सूचना से जुड़ी मानव–केंद्रित अवधारणाओं और सिस्टम डिजाइन प्रक्रियाओं का पता लगाना और करना भी होता है।

नई सामग्री अर्थात, प्रयोगात्मक, संयोजन और भविष्यात्मक।

- फैशन सोच फैशन के माध्यम से डिजाइन और सोच
- ओमनी–चैनल (यूएक्स), संवेदी डिजाइन, संवर्धित वास्तविकता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका के साथ आभासी अनुभव डिजाइन जैसे मॉड्यूल को शामिल किया गया है, क्योंकि वे फैशन और अन्य खुदरा उद्योग के भविष्य हैं।
- 2 डी एनिमेशन और मोशन ग्राफिक्स

जैसे–जैसे नए करियर उद्योग में बढ़ते जा रहे हैं, फैशन संचार

के स्नातकों के लिए अपने क्षितिज का पता लगाने और विस्तार करने की असीम गुंजाइश है। ब्रांडिंग, स्टाइलिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, फोटोग्राफी, कमर्शियल फैशन स्पेस, यूआई यूक्स डिजाइन और ग्राफिक्स के क्षेत्रों में, फैशन संचार ग्रेजुएट्स केवल एक से अधिक क्षेत्रों के बारे में बहुमुखी और जुनूनी हैं। स्नातक पूरी होने तक, छात्रों को ज्ञान, अवधारणा आधार और कौशल से अच्छी तरह वाकिफ करवाया जाता है। इस तरह के प्रतिभाशाली और अनुशासित छात्रों की नियमित रूप से कुछ सबसे विपुल कंपनियों द्वारा मांग की जाने के कारण, फैशन संचार निफ्ट में सबसे वांछनीय डिजाइन विषयों में से एक बना हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण महामारी का सामना दुनिया को करना पड़ रहा है और अधिक से अधिक ब्रांड ऑनलाइन और संचार की ओर बढ़ रहे हैं। इसने एक फैशन कम्युनिकेशन छात्र के लिए क्षितिज का विस्तार किया है। यह वर्तमान है और इसकी शिक्षा भविष्य की धारा होगी।

उद्योग संबंध और परियोजनाएं

हमारे प्रधान मंत्री ने अगस्त, 2020 में मन की बात में भारत में खिलौनों की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीयों को मुख्य रूप से स्थानीय खिलौनों के लिए वोकल के लिए प्रोत्साहित किया। खिलौने आत्मनिर्भर भारत योजना का समर्थन करेंगे और उनके शब्दों में भारत की समृद्ध विरासत और परंपरा को संजोएंगे। भारत सरकार ने 27 फरवरी से 2 मार्च, 2021 तक भारत में खिलौना निर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इंडिया टॉय फेयर 2021 का आयोजन किया था। मेले का उद्देश्य उद्योग और सरकार को एक साथ लाना था ताकि देश को खिलौनों के उत्पादन और सोर्सिंग के लिए अगला वैश्विक केंद्र बनाने के तरीके खोजे जा सके। यह मेला निवेश को आकर्षित करने और निर्यात को बढ़ावा देने और उद्योग के समग्र विकास के लिए संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए स्थायी संबंध बनाने में मदद करने के लिए भी था। फैशन कम्युनिकेशन विभाग ने फोटोग्राफी जैसे बैकएंड काम करने में सक्रिय भूमिका निभाई, और कारीगरों को प्रदर्शनी के लिए नामांकन करने और उनकी बिक्री को सक्षम करने में मदद की। संकाय
द्वारा निर्देशित कई छात्रः सुश्री दिलनाज बानो, असोक प्रो., बेंगलुरु, श्री विनेश टापरे, सहायक प्रो., मुंबई, श्री अखिलेंद्र प्रताप, सहायक प्रो., रायबरेली, श्री अभिलाष पी, सहायक प्रो., कन्नूर, श्री सुजीत के.जी., सहायक प्रो., कन्नूर, श्री हिमांशु डंडा, सहायक प्रो., कोलकाता और सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रो., भुवनेश्वर और परियोजना में सक्रिय रूप से लगे हुए प्रो. डॉ. विभावरी कुमार, सीपी–एफसी, की संकेतात्मक अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।
प्रो. डॉ. विभावरी कुमार, सीपी–एफसी द्वारा समन्वित एक पैनटोन कलर वेबिनार श्रृंखला का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं के साथ किया गयाः मिस्टर लू, पैनटोन यूएसए, मि. निक बेजेरियन, यूएसए, सुश्री लीट्राइस ईसेमैन, अमेरिकी रंग विशेषज्ञ और हांगकांग के अधिक संकाय, निफ्ट सेंटर के सभी संकाय और सेमेस्टर IV, एफसी के छात्रों के लिए किया गया।

सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरु और टेक्सटाइल निदेशालय, ओडिशा के साथ अभिनव हथकरघा उत्पाद परियोजना का व्यावसायीकरण परियोजना पर काम कर रही हैं। सुश्री अपला श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर चंबा शिल्प के पुनरुद्धार और क्राफ्ट ग्राम चंबा की स्थापना के उद्देश्य से चल रही चंबायाल परियोजना के लिए परियोजना समन्वयक हैं। डॉ. हीर व्यास और सुश्री जलपा वाणीकर, सहायक प्रो. गांधीनगर ने इंडेक्स सी के तत्वावधान में बेंत और बांस उत्पादों के कारीगरों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

प्रो. अनुपम जैन और डॉ. डिंपल बहल ने बुनकर सेवा केंद्रों (डब्ल्यूएससी) (जिसके लिए चरण– I पूरा हो चुका है और चरण– II शुरू किया गया है) में डिजाइन रिसोर्स सेंटर (डीआरसी) को साकार करने में अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रयोग किया है। प्रोफेसर अनुपम जैन ने अहमदाबाद में साइंस सिटी में प्रस्तावित राष्ट्रीय वस्त्र संग्रहालय के लिए डिजाइन विचार और बजट विवरण के पहले मसौदे की शुरुआत और अवधारणा प्रस्तुत की है।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएं

प्रो. डॉ. अनुपम जैन, दिल्ली को सेमेस्टर–1, एम डेस छात्रों को एनआईडी अहमदाबाद में नवंबर 2020 में दो सप्ताह की अवधि के लिए 'डिजाइन प्रक्रिया' विषय पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया था। डॉ श्री नंदा पालित, सहायक प्रो. , कोलकाता ने फैशन स्टाइलिंग पर एक ऑनलाइन टीओटी का आयोजन किया। एफसी मुंबई ने जून 2020 में लंदन कॉलेज ऑफ फैशन, आईबीएम और फैशन फोटोग्राफर विक्रमबावा के विशेषज्ञों के साथ फैशन कम्युनिकेशन के भविष्य पर वेबिनार का आयोजन किया।

प्रो. डॉ. विभावरी कुमार और श्री संजीव सीएम, सहायक प्रो., बेंगलुरू, क्युरियस डिजाइन यात्रा 2020 में शामिल हुए। प्रो. डॉ. विभावरी कुमार और श्री संजीव सीएम और सुश्री दिलनाज बानो ने पैनटोन द्वारा कलर लॉन्च में भाग लिया। सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर ने एशियन फेडरेशन ऑफ स्टोरीटेलर्स द्वारा आयोजित 'दर्शकों को ओटीटी अनुभव सुनिश्चित करने वाले गुणवत्ता डिजिटल सीडीएन के माध्यम से और कहानी कहने पर एक वेबिनार में भाग लिया। प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज़, सीसी एफसी, चेन्नई परिसर, आईआईजीएम लिमिटेड गेरबर टेक्नोलॉजी, यूएसए द्वारा 11 जून, 2020 को आयोजित ''मास्क, निर्यात अनुपालन और औद्योगिक स्वच्छता के लिए उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी'' पर वेबिनार में भाग लिया।

सुश्री मौलश्री, सहायक प्रोफेसर ने 25–27 जून 2020 को सिस्टम डायनेमिक्स सोसाइटी द्वारा आयोजित ''बर्गन फॉसिल फ्री 2030'' पर सिस्टम डायनेमिक्स हैकथॉन में भाग लिया।

श्री मोहम्मद शादाब सामी, सहायक प्रो., पटना ने फोटोग्राफी पर कई कैनन इंडिया मास्टर कक्षाओं में भाग लिया। सुश्री उषा यादव, सहायक प्रोफेसर, जोधपुर, ने 11 जुलाई से 15 जुलाई, 2020 तक ''आर का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स'' पर एक सप्ताह ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया, जिसका आयोजन कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग, जे. सी. बोस विज्ञान

और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए, फरीदाबाद द्व ारा किया गया था। श्री असित भट्ट, एसोसिएट प्रोफेसर ने गुजरात स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (आई हब) द्वारा नवप्रवर्तन और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।

फैशन उद्योग में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति, सुश्री हरमीत बजाज को फैशन स्टाइलिंग विषय में योगदान करने के लिए विभाग में आमंत्रित किया गया था और सुश्री नताशा गौरव, ए–लिस्ट बॉलीवुड हस्तियों के स्टाइलिस्ट को एफसी, दिल्ली में एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। 4 से 7 जून 2020 तक आर्ट ऑफ लिविंग की चार दिवसीय कार्यशाला में कई संकायों ने भाग लिया।

संकाय उपलब्धियां

कई संकाय देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से पीएचडी कर रहे हैं: सुश्री सुष्मिता दास, सहायक प्रो., मुंबई, श्री अखिलेंद्र प्रताप सहायक प्रो., रायबरेली, सुश्री लवीना भास्कर, सहायक प्रो., दिल्ली, श्री लॉर्डसन शिवकुमार एस, सहायक प्रो., बेंगलुरु और सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रो. भुवनेश्वर. सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, एफसी, चेन्नई कैंपस ने जेमोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ अमेरिका (जीआईए) से जुलाई 2020 के दौरान ''एप्लाइड ज्वेलरी प्रोफेशनल (एजेपी) में डिप्लोमा (ऑनलाइन) पूरा किया।

2 अक्टूबर 2020 को माननीय महिला एवं बाल विकास एवं वस्त्र मंत्री, भारत सरकार द्वारा महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरित ई–पुस्तक 'उत्टुंगा' का विमोचन किया गया, जिसे एफसी सेमेस्टर V छात्रों द्वारा एफसी फैकल्टी एमआर की सलाह के तहत संपादित, बनाया और डिजाइन किया गया था। विनेश टाप्रे, सहायक प्रो., सुश्री सुषमा सैतवाल, सहायक प्रो. और सुश्री वंदना वेखंडे, सहायक प्रो., एडहॉक. श्री कुमार विकास, सहायक प्रो., पटना ने 26 फरवरी 2021 को फैशन संचार विभाग, एमएसयू बड़ौदा में बेसिक डिजाइन और डिजाइन प्रक्रिया पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

डॉ. डिंपल बहल, सहायक प्रो., दिल्ली ने श्रद्धेय सुश्री जया जेटली के साथ एक पुस्तक का सह–लेखन किया, जिसका शीर्षक है: ''भारत के ग्राफिक डिजाइन के लिए प्रेरणा''। प्रो. विजय दुआ ने मई 2021 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज (आईएसएसएन: 2278–6236) में प्रकाशित ''भारतीय मुद्रा नोटों के विकास का अध्ययन'' शीर्षक से शोधकर्ता श्री एपी खंगार के साथ एक पेपर का सह–लेखन किया। सुश्री लवीना भास्कर, सहायक प्रो. दिल्ली ने जनवरी 2021 में आई सी ओ आर डी 2021, आई डी सी मुंबई में ''स्वदेशी शिल्प समूहों का अध्ययन करने के लिए एक उपकरण के रूप में नृवंशविज्ञान'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया और इसे स्प्रिंगर प्रकाशन में प्रकाशित किया गया।

कांगड़ा के सहायक प्रोफेसर श्री अजीत कुमार ने आईसीएमसी 2021 (अंतर्राष्ट्रीय संचार प्रबंधन सम्मेलन), एमआईसीए, अहमदाबाद में ''द क्रिएटिव स्ट्रेच'': हिडन पोटेंशियल ऑफ क्रिएटिव प्रोसेस शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। सुश्री पूर्णेंदु शर्मा, सहायक प्रोफेसर, कांगड़ा, ने ''सभी अनुसंधान शिक्षा और वैज्ञानिक विधियों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, (आईजेएआरएसएम), आई एस एस एन सं : 2455–6211'', जनवरी 2021। कुमार विकास, सहायक प्रो, पटना ने द इंडियन टेक्सटाइल जर्नल, नवंबर 2020 संस्करण में ''एम्ब्रेसिंग नेचुरल डाईज'' शीर्षक से पेपर प्रकाशित किया है एवं उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में शीर्षकय ''बनारस: आलोकिक ब्रह्मांड का एक समानांतर स्थान और वास्तुकला में इसका योगदान'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ द एडवांस्ड रिसर्च, 2020 में ''गौड़ाना: एक विलुप्त कला'' शीर्षक और फाइबर टू फैशन, 2020 में जिसका शीर्षक ''बनारसी साड़ी–इवोल्यूशन एंड एंड्योरेंस इन मॉडर्न एज'' था। उषा यादव, सहायक प्रोफेसर, जोधपुर, ने जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, सीएसआईआर–निस्केयर, वॉल्यूम 80 मार्च 2021, पीपी 221–229 एससीआई (विज्ञान उद्धरण सूचकांक) और एल्सेवियर (स्कोपस) के साथ ''एमपीपी–एमएलओ: मल्टीलेवल पैरेलल पार्टिशनिंग फॉर एफिशिएंसी मैचिंग लार्ज ओन्टोलॉजीज'' शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया। अनुक्रमितय 27–28 अक्टूबर 2020 को सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय, सुरक्षा और आपराधिक न्याय, जोध ापुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन ''आर्थिक संकट और धोखाधड़ी प्रबंधन'' में ''नए व्यापार मॉडल को क्रियान्वित करने में वित्तीय बुद्धिमत्ता में तकनीकी प्रगति का प्रभाव'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 18–20 फरवरी 2021 को आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर द्व ारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई सम्मेलन ''सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकी नवाचार और प्रबंधन'' में ''इंटरनेट ऑफ थिंग्स द्वारा संचालित सटीक खेती में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा'' शीर्षक वाला एक पेपर प्रकाशित किया। डॉ. चित्तरंजन साहू, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर, द्वारा एक शोध पत्र, शीर्षक ''द सन इमेजेज एंड वॉर्डशिप ऑन प्राची वैलीः ए बर्ड्स आई व्यू ऑफ ए आर्टिस्ट'' जर्नल ऑफ बिहार पुराविद परिषद, वॉल्यूम –. vii–. viii, 2021 पीपी.20– 24, आईएसएसएन 0976–5107 में प्रकाशित हुआ था।

सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, भुवनेश्वर द्वारा, ''स्व–स्वीकृति और हिप–हॉप संगीत: दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला छात्रों के बीच एक अन्वेषण'' शीर्षक से मिसोगिनी में एक अध्याय, ग्लोबल मीडिया, पहला संस्करण प्रकाशित किया गया था। लंदन: रोमैन और लिटिलफील्ड आईएसबीएन: 978–1–7936–0621–1।
डॉ. श्रीनंदा पालित, सहायक प्रो., कोलकाता, 25 मार्च 2020 को आई आई एफ एफ टी आई सम्मेलन में ''स्वदेशी व्यवहार और सक्रियता: भारत में सामाजिक एल्गोरिथम को चुनौती'' पर प्रस्तुति के लिए शोध पत्र चयनित हुआ। सुश्री नगमा शाही अंसारी, सहायक प्रो., कोलकाता ने जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन (एनसीईआरटी) को ''अनुभव की उम्र में सीखने वालों की पहचान: प्रायोगिक सीखने के माहौल के लिए आभासी वास्तविकता की खोज'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया जो नवंबर में प्रकाशन के लिए अनुमोदित है। श्री असित भट्ट, सहायक प्रोफेसर, गांधीनगर, ने एक

शोध पत्र लिखा, जिसका शीर्षक थाः 'स्थायी–डिजाइन की टोपोई का मानचित्रण – भारतीय संदर्भ में सोच' था। यह 'प्रोसीडिंग्स ऑफ आईसीओआरडी'21 डिजाइन में प्रकाशित हुआ है। श्री संजय कुमार पांडे, सहायक प्रो, रायबरेली ने स्टारलेट पब्लिशिंग द्वारा पुस्तक में एक अध्याय लिखा है जिसका शीर्षक हैः ''कंटेंपरेरी रिसर्च इन मैनेजमेंट वॉल्यूम 2 है। उन्होंने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च में एक शोध पत्र भी लिखा जिसका शीर्षक थाः ''वाराणसी ब्रोकेड में होम फर्निशिंग प्रोडक्ट्स और मार्केटिंग स्ट्रैटेजी पेश करने का अध्ययन''। श्री अभिनव गर्ग, सहायक प्रो., हैदराबाद ने इंडियन जर्नल ऑफ वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स के लिए ''ए रेजिलिएंट एंड स्केलेबल नॉवेल प्रोटोकॉल – मैक्सिमम एनर्जी क्लस्टरिंग (एमईसी)'' और ''रिडंडेंसी कंट्रोल एनर्जी एफिशिएंट क्लस्टरिंग (आरसीईईसी) प्रोटोकॉल फॉर वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स'' शीर्षक से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आईजेसीएसई), आईएसएसएनः 0976–5166, वॉल्यूम–11 अंक–6, दिसंबर 2020। (स्कोपस इंडेक्स्ड) एक पेपर प्रकाशित किया।

छात्र उपलब्धियां और पुरस्कार

श्री मोहित खेत्रपाल, एफसी बैच 2018–22, भुवनेश्वर को सिएना इंटरनेशनल फोटो अवार्ड्स 2019 (एसआईपीए 2019), इटली में विश्व के सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफर (20 श्रेणियों के तहत) के रूप में चुना गया था। वह लंदन स्ट्रीट फोटोग्राफी फेस्टिवल 2020, हमदान इंटरनेशनल फोटोग्राफी अवार्ड्स 2020 दुबई, क्रिएटिव फोटो अवार्ड्स 2020, सिएना इटली में फाइनलिस्ट भी थे। उनकी तस्वीरों ने 35 पुरस्कार 2020 मास्को में ''रिपोर्टेज फोटोग्राफी'' श्रेणी में नामांकन में शीर्ष 35 तस्वीरों में जगह बनाई। उन्होंने भारत के शीर्ष 200 फोटोग्राफरों में भी जगह बनाई और इंडियन फोटो फेस्टिवल 2020, हैदराबाद, कोलकाता इंटरनेशनल फोटोग्राफी फेस्टिवल 2020 और इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 2020 में रास से बना बनारस प्रदर्शनी में चित्रित किया गया। इंडिपेंडेंट फोटो द्वारा पीपल फोटोग्राफी पुरस्कार, संपादक की पसंद पुरस्कार भी जीता और नेशनल ज्योग्राफिक योर शॉट और फोर्ब्स में भी चित्रित किए गए। ईशान आदित्य, छात्र, एफसी बैच 2018–22, भुवनेश्वर की एक फिल्म 'परिधि' को शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल, 2020 में प्रदर्शित किया गया।

स्टीवन हैरिस.आर, एफसी बैच 2019–23, बेंगलुरु ने ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी में स्टेट लेवल ऑफ वर्ल्डस्किल्स इंडिया 2021 जीता। आगामी महीनों में ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी में वर्ल्डस्किल्स इंडिया 2021 के क्षेत्रीय स्तर पर कर्नाटक का चयन और प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने नवंबर 2020 के महीने में Truefan-life द्वारा आयोजित एक कला प्रतियोगिता में भी भाग लिया, और विभिन्न प्रविष्टियों के बीच प्रतियोगिता जीती और पुरस्कार के रूप में सेलिब्रिटी श्री ऋतिक रोशन से एक प्रशंसा वीडियो संदेश प्राप्त किया।

श्री वरन्नेया ठाकुर, आठवीं सेमेस्टर, गांधीनगर के छात्र नें डिजाइन चैलेंज में 'रिक एंड मोर्टी एक्स ब्रेकिंग बैंड' शीर्षक से अपनी कलाकृति के लिए पोस्टर कला श्रेणी में #5 डिजाइन जीता और इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट – सीजन 7 दिनों में एक मूल डिजाइन तैयार किया। X. सुश्री वृंदा सुद्रानिया ने खिलौना डिजाइन प्रतियोगिता (टॉयथॉन चैलेंज) 2020 में पारंपरिक कावड़ कला को बढ़ावा देने के लिए अपनी टीम आतिकेः कहानीकार के साथ दूसरा रनर–अप स्थान हासिल किया, जिसकी मेजबानी ऐमजान द्वारा स्किलेंजा के माध्यम से की गई।

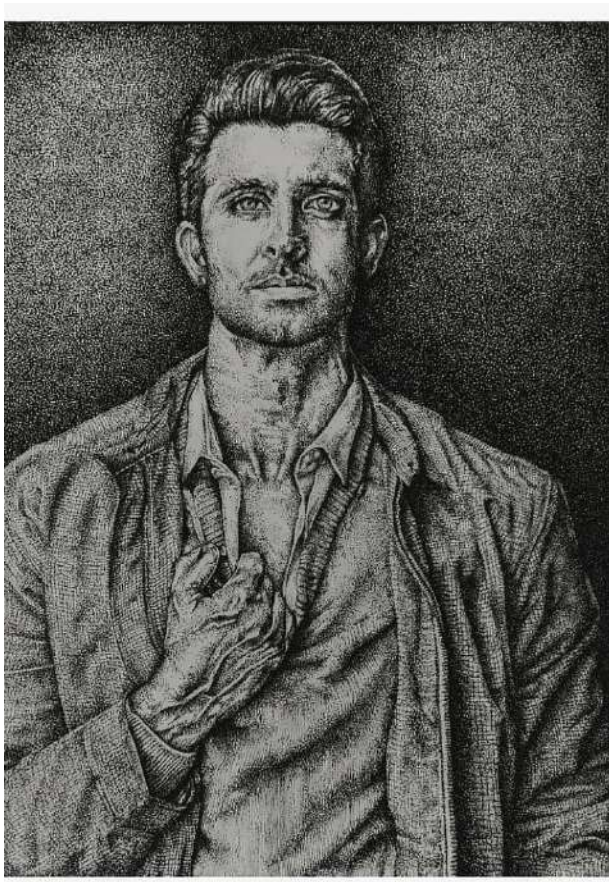

फैशन प्रबंधन अध्ययन

1987 में शुरू हुए ''फैशन प्रबंधन'' (पूर्व में एएमएम) में दो वर्षीय स्नातकोतर प्रोग्राम का उद्देश्य फैशन मार्केटिंग, मर्चेंडाइजिंग और रिटेलिंग के क्षेत्र में प्रबंधकीय प्रतिभा विकसित करना है जो परिधान निर्यात और फैशन खुदरा क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुकूल है। पेश किए गए कैरियर मार्ग विपणन और खुदरा बिक्री, उद्यमिता और अंतर्राष्ट्रीय विपणन हैं। वे मर्चेंडाइजिंग / मार्केटिंग, नवीन फैशन प्रबंधन प्रथाओं, फैशन के रुझानों की दिशा और क्षेत्र के दौरे और उद्योग इंटर्नशिप और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत के अन्य रूपों के माध्यम से व्यापार प्रथाओं के संपर्क में हैं। उनके पास हार्ड और सॉफ्ट स्किल्स का सही मिश्रण है और किसी भी बढ़ते संगठन की प्रबंधकीय प्रतिभा में योगदान करने के लिए उनके पास सही रवैया है।

पाठ्यचर्या और उद्धार

देश में महामारी की स्थिति के कारण चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विभाग इस अवसर पर पहुंचा और सभी केंद्रों में पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक किया गया। हाइब्रिड मोड के माध्यम से जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों कक्षाओं का एक संयोजन पूरा किया गया था। एफ आई आई टी सेमेस्टर 2 और सेमेस्टर 3 के बीच छात्रों द्वारा ऑफलाइन, ऑनलाइन और संयोजन मोड में किया गया था। सेमेस्टर 4 के छात्रों द्वारा जीपी भी ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से पूरा किया गया था। छात्रों और उद्योग के विशेषज्ञों या अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों की कई बातचीत ऑनलाइन आयोजित की गई। इसके अलावा, छात्रों को परिसरों में विशेषज्ञों और निफ्ट संकाय द्वारा संबोधित वेबिनार में भाग लेने का अवसर मिला।

उद्योग कनेक्ट

किसी भी शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए उद्योग और विशेषज्ञ संपर्क आवश्यक हैं। शिक्षा और उद्योग के बीच ज्ञान का आदान–प्रदान परिवर्तन वृद्धि और प्रक्रियाओं और पाठ्यक्रम के अद्यतन के पीछे एक प्रमुख प्रेरक शक्ति रहा है। एफएमएस विभाग उद्योग, पूर्व छात्रों और विशेषज्ञों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ता है ताकि छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके और उद्योग को नए विचार दिए जा सकें जो इसके विकास पथ में मदद करते हैं। सभी 476 छात्रों को उनके एफआईआईटी इंटर्नशिप और जीपी के लिए प्लेसमेंट दिया गया था और कई अपनी–अपनी कंपनियों में शामिल हो गए।

छात्रों को उद्योग के साथ काम करने और समग्र रूप से समझने के लिए निरंतर बातचीत और संबंध निर्माण अभ्यास की आवश्यकता होती है। छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए उद्योग भर के उद्योग विशेषज्ञों को निफ्ट परिसरों में आमंत्रित किया गया था। आरबीएल, एबीएफआरएल, टॉमी हिलफिगर, अंडरआर्मर, लाइफस्टाइल, लैंडमार्क, एचएंडएम, रेमंड, ब्लैकबेरी, जीएपी, ट्रिबर्ग, इंपल्स, शाही एक्सपोर्ट्स, वेलस्पन, मिकाया ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड, पैरागॉन एक्सपोर्ट हाउस, एस्टेटिका सॉल्यूशन जैसी कंपनियों के उद्योग पेशेवरों के साथ मजबूत बातचीत होम फर्निशिंग, एसीई टर्टल प्राइवेट लिमिटेड, फ्यूचर ग्रुप, एमएएस होल्डिंग, डेकाथलॉन, लाइफस्टाइल, ओआरएमएएस, फैशन बुटीक, प्यूमा, टेक्स्ट पोर्ट एक्सपोर्ट हाउस, पैंटालून, रेमंड, मिंत्रा, ली एंड फंग, अरविंद, रिलायंस रिटेल, फैबइंडिया, अजियो, शॉपर्स स्टॉप, वेस्टीज ग्रुप आदि ने कई स्थानों पर और कई प्रारूपों में विभाग को व्यवसाय प्रथाओं के लिए ज्ञान वितरण में सामंजस्य स्थापित करने और इस प्रकार उद्योग और पाठ्यक्रम के लिए मूल्य उत्पन्न करने में मदद की है।

टाटा ट्रेंट ने एफएमएस निफ्ट मुंबई में एक रिटेल चेयर स्थापित किया है। चेयर के हिस्से के रूप में, निजी लेबल और राष्ट्रीय ब्रांड के क्षेत्र में एक उन्नत अखिल भारतीय अनुसंधान आयोजित किया जा रहा है। शोध के परिणाम निजी लेबल और राष्ट्रीय ब्रांडों के लिए खुदरा प्रथाओं और सिद्धांतों के रूप में होंगे। शोध के निष्कर्षों से फैशन व्यवसाय के विभिन्न हितधारकों जैसे खुदरा विक्रेताओं, फैशन ब्रांड, खुदरा व्यवसायी / सलाहकार, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों को राष्ट्रीय ब्रांड और निजी लेबल की विभिन्न विशेषताओं को समझने में लाभ होगा जो ग्राहकों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण पर प्रभाव डालते हैं।

परियोजनाओं में योगदान

परियोजनाएं एक ऐसा क्षेत्र है जहां संकाय न केवल उन संगठनों के विकास में योगदान करते हैं जो परियोजनाओं के लिए निफ्ट से संपर्क करते हैं, बल्कि अपने ज्ञान और कौशल को व्यावहारिक रूप से लागू करने का अवसर भी प्राप्त करते हैं। एफएमएस संकाय ने पिछले वर्ष के दौरान 30 लाख रुपये से अधिक के कुल परिव्यय के साथ 8 से अधिक परियोजनाओं में योगदान दिया। एफएमएस संकाय ने इन परियोजनाओं में परियोजना समन्वयक, पीआईटी और पीडीटी के सदस्यों के रूप में योगदान दिया। इस तरह की प्रतिष्ठित और रणनीतिक परियोजनाओं में योगदान करने में सक्षम होना विभाग के लिए गर्व की बात है।

निफ्ट– एफएमएस विभाग में आयोजित फैकल्टी प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

ऐसे समय में जब यात्रा प्रतिबंधित थी, एफएमएस संकाय सदस्यों ने टीओटी, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, वेबिनार और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने कौशल और ज्ञान को उन्नत किया। उनकी रुचि या विषय आवश्यकताओं के अनुसार एफएमएस संकाय ने रचनात्मक सोच कौशल, रणनीतिक प्रबंधन में अनुकरण, स्थिरता, नवाचार, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ई–कॉमर्स, ओमनी चैनल रिटेलिंग, एओएल, डेटा विज्ञान, बिग डेटा, ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकी और अनुभवात्मक शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों में अपने कौशल और ज्ञान को उन्नत किया।

संकाय उपलब्धि

एफएमएस विभाग के फैकल्टी ने अकादमिक, प्रशासनिक और सह–पाठ्यचर्या के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना जारी रखा है, जिससे वे निफ्ट के लिए उत्कृष्ट संसाधन बन गए हैं। एफएमएस संकाय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया और आत्म विकास के प्रयासों और शैक्षणिक और सामाजिक कारणों के लिए योगदान के द्वारा खुद के लिए एक जगह बनाई। एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज (ईएमसीएस) एमराल्ड पब्लिशिंग, विलक्षन – XIMB जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, स्पेनिश जर्नल ऑफ मार्केटिंग – ESIC, एमराल्ड पब्लिशिंग, जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लेखों की समीक्षा के लिए निफ्ट संकाय ने कारीगर जागरूकता कार्यशालाओं में व्याख्यान देकर योगदान दिया, जिसमें ऑनलाइन फंड जुटाने वाले वेबिनार शामिल थे।

डॉ. सिबिचन के मैथ्यू, प्रोफेसर, फैशन मैनेजमेंट स्टडीज, निफ्ट, दिल्ली कैंपस को जेनेट एल्स स्कॉलर/प्रैक्टिशनर अवार्ड 2021 के लिए इंटरनेशनल टेक्सटाइल एंड अपैरल एसोसिएशन (आईटीएए), यूएसए की अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति के पैनल द्वारा चुना गया है। आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी (आईएसयू) ने यूएस–इंडिया ज्ञान पहल (जिसे पहले ओबामा–सिंह के नाम से जाना जाता था) के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका के इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (यूएसआईईएफ) द्वारा वित्त पोषित सहयोगी अनुसंधान परियोजना में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, समन्वय और योगदान के लिए डॉ. सिबिचन मैथ्यू को नामित किया था।

श्री सत्य शंकर बनर्जी ने फेट्जर इंस्टीट्यूट, यूएसए से एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप 'फेट्जर स्कॉलरशिप' जीती।

डॉ. हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस को एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज (ईएमसीएस), एमराल्ड पब्लिशिंग के लिए 2019 में एक समीक्षक के रूप में सूचीबद्ध किया गया और अप्रैल 2021 तक 7 मामलों की समीक्षा की गई। उन्हें स्पैनिश जर्नल ऑफ मार्केटिंग – ईएसआईसी और एमराल्ड प्रकाशन के लिए एक समीक्षक के रूप में सूचीबद्ध किया गया। अप्रैल 2021 तक 1 मामले की समीक्षा की। सुश्री हर्षा रानी ने जनवरी 2021 में डवलपमेंट – एक्स आई एम बी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट के लिए एक शोध लेख की समीक्षा की है।

सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर ''भुवनेश्वर में प्रस्तावित स्पिनफेड इनक्यूबेशन सेंटर के लिए तकनीकी प्रबंधकीय परामर्श समर्थन और स्टार्ट–अप सेल के समन्वयित परियोजना में टीम सदस्य रही हैं, जिसे अगस्त 2020 में मेंटर के लिए स्थापित किया गया था। कोविड की कठिन अवधि के दौरान अपने स्टार्ट–अप उपक्रमों को बनाने और बनाए रखने में सभी इच्छुक उद्यमियों का समर्थन किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से निफ्ट द्वारा घोषित प्रतिभा परियोजना में भाग लेने के लिए पूर्व छात्रों और स्नातक छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। हमारे द्वारा सलाह दी गई ऐसी दो पूर्व छात्रों की स्टार्टअप– लिटोरल डिजाइन्स और मोई टोई को अंतिम साक्षात्कार दौर में शॉर्टलिस्ट किया गया और उनमें से एक–मोई टोई को अंतिम दौर में चुना गया। इस स्टार्ट अप सेल ने स्टार्टअप प्रक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित विषयों पर कई वेबिनार भी आयोजित किए हैं और बड़े पैमाने पर कई युवा पूर्व छात्र उद्यमियों और छात्रों को लाभान्वित किया है।

एफएमएस संकाय ने निफ्ट चेन्नई की द्वि–वार्षिक पत्रिका ''रिफ्लेक्शंस'' में योगदान दिया, जिसे यूजी डिजाइन छात्रों के साथ एमएफएम छात्रों की एक कोर टीम के साथ शुरू किया गया था। ''प्रतिबिंब'' के नौवें अंक का उद्देश्य परिसर की घटनाओं, छात्रों और संकाय सदस्यों के काम को, फैशन के लिए विशेष रुचि के साथ दुनिया भर में होने वाली घटनाएं दर्शाना है।

डॉ. हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस और डॉ. प्रीति गढ़वी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस, सुश्री नूपुर चोपड़ा, सहायक प्रो. डीएफटी के सहयोग से नवंबर

2020 से निफ्ट गांधीनगर में पीजी छात्रों के लिए एक साप्ताहिक टॉक सीरीज 'इनसाइट्स अनप्लग्ड' शुरू की, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया जाता है। 10 विशेषज्ञ सत्रों के साथ दो सत्र सफलतापूर्वक मार्च 2021 तक पूरे किए गये हैं।

''मेक–इन–इंडिया एप्रोच फॉर टेक्सटाइल इंडस्ट्रीः द ग्लोबल पर्सपेक्टिव'' विषय पर दो दिवसीय वेबिनार के समापन सत्र के लिए प्रो. डॉ. जीएचएस प्रसाद को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आई ई आई), तेलंगाना स्टेट चैप्टर (टी एस सी) द्वारा 28 और 29 अगस्त 2020 को आयोजित किया गया।

8 अगस्त, 2020 को आयोजित हथकरघा दिवस के अवसर पर तेलंगाना राज्य उद्योग और हथकरघा विभाग द्वारा आयोजित ''विपणन और ब्रांडिंग रणनीतियाँ'' पर एक सत्र के लिए प्रोफेसर डॉ अन्नाजी सरमा को मुख्य वक्ताओं में से एक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. दीपक जोशी को वेबिनार पर पैनलिस्ट स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसका शीर्षक था, ''यह किसकी सिलाई है? लेक्स–विटनेस (कानूनी और कॉर्पोरेट पत्रिका) द्वारा आयोजित आईपीआर आरटी फैशन पर एक वैश्विक संवाद'', जिसमें भारत, चीन और इटली के पैनलिस्ट ने भाग लिया। निफ्ट पटना में फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर और सीसी–एफएमएस डॉ. विकास कुमार को बिहार आम चुनाव में बिहार के सीईओ द्वारा माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया था ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए संवेदनशील बूथों की देखभाल के साथ–साथ कोविड –19 दिशानिर्देश के कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके । उन्हें 04 मार्च 2021 को डीडी बिहार द्वारा प्रसारित ''संवाद'' नामक एक लाइव साक्षात्कार–आधारित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा, वह सेवाओं और खुदरा प्रबंधन पर वैश्विक सम्मेलन (ग्लोसर्व 2021) के लिए वैज्ञानिक समिति का हिस्सा रहे हैं।)

एफ एम एस विभाग ने कारीगर जागरूकता कार्यशाला के हिस्से के रूप में सलेम नारिकुरावर बीड वर्क्स कम्युनिटी के लिए एक ऑनलाइन फंड–रेजिंग वेबिनार और बिक्री का आयोजन और संचालन किया और सलेम नारिकुरावर बीड वर्क्स कम्युनिटी के लिए उत्पाद कैटलॉग पर काम करने वाले छात्रों का मार्गदर्शन किया।

श्री एस. जयराज, सहायक प्रोफेसर ने टेरा कोट्टा, ताड़ के पत्ते, हाथ की छपाई के कारीगरों को आईपीआर (29. 10.2020) पर एक घंटे के लिए झूला बनाना, मिट्टी के बर्तन, पत्थर की नक्काशी, कांच, कोरा शिल्प, हस्तनिर्मित कागज, चमड़ा और समुद्री खोल पर संबोधित किया।
श्री टोनी शर्मा, सहायक प्रोफेसर, फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग, निफ्ट पटना ने पारंपरिक और आधुनिक विपणन उपकरणों पर कारीगर जागरूकता कार्यशाला के दौरान एफ एंड एलए विभाग के लिए एक प्रशिक्षण सत्र लिया और कारीगर जागरूकता कार्यशाला के दौरान एफडी विभाग के लिए केस स्टडी–आधारित प्रशिक्षण भी लिया।

इस अवधि के दौरान 3 संकाय सदस्यों ने पीएचडी पूरी की। डॉ. कृतिका जी के, ने अपनी पीएच.डी पूरी की है और उन्हें कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय (पूर्व में कर्नाटक राज्य महिला विश्वविद्यालय–केएसडब्ल्यूयू) से डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया था। प्रो. डॉ. अन्नाजी सरमा ने अपना डॉक्टरेट अध्ययन पूरा कर लिया है और उन्हें अगस्त 2020 में आरएनटीयू, भोपाल से पीएचडी की उपाधि से सम्मानित, इस विषय पर ''फैशन लक्जरी ब्रांडों के प्रति उपभोक्ताओं का दृष्टिकोण और धारणाय भारत में चयनित प्रमुख महानगरों में एक अध्ययन'' किया गया है। डॉ. तन्मय कांडेकर ने जेजेटी से ''महाराष्ट्र के टियर II और टियर III शहरों पर सोशल मीडिया मार्केटिंग का प्रभाव'' शीर्षक से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। इसके अलावा प्रो. अमनदीप सिंह ग्रोवर, सुश्री नेत्रावती टीएस, सुश्री जया मैथ्यू, सुश्री लिपि चौधरी और सुश्री सोनाली सलदाहना ने अपने–अपने विश्वविद्यालयों में पीएचडी के लिए अपनी थीसिस जमा कर दी है।

श्री प्रतीक घोष सुश्री ए राज्यलक्ष्मी और सुश्री मुक्ति एस अपनी पीएचडी पूरी कर रहे हैं और अपने डॉक्टरेट अध्ययन के विभिन्न चरणों में हैं। क्राइस्ट डीम्ड यूनिवर्सिटी (जनवरी 2020 के बाद) से पीएचडी डॉक्टरेट अध्ययन का अपना पाठ्यक्रम कार्य पूरा कर लिया है।

यह संस्थान और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने की इच्छा के साथ–साथ एफएमएस के संकाय के मूल्यों, क्षमताओं और बौद्धिक कौशल को दर्शाता है।

शोध पत्र प्रस्तुति और प्रकाशन

प्रचलित महामारी के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, निडर एफएमएस संकाय ने वर्ष 2020–2021 में कई शोध पत्र या पेपर प्रस्तुतियाँ प्रकाशित की हैं।
एफएमएस के फैकल्टी द्वारा केंद्रों में प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 80 से अधिक प्रकाशन किए गए। सहकर्मी की समीक्षा, यूजीसी, स्कोप्स अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशन एफएमएस संकाय की बौद्धिक और शैक्षणिक दक्षता को प्रदर्शित करता है।

फैशन और प्रौद्योगिकी

गारमेंट निर्माण उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके निर्यात के साथ–साथ घरेलू मोर्चे पर भी पर्याप्त रूप से बढ़ने की भविष्य – वाणी की गई है। समेकन और बड़ी विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण की दिशा में निश्चित रुझानों के लिए इन उद्यमों को वैश्विक सफलता की ओर ले जाने के लिए तकनीकी प्रबंधकों की आवश्यकता होगी। फैशन प्रौद्योगिकी विभाग (डीएफटी) परिधान उद्योग की इस जरूरत को पूरा करता है। निफ्ट में फैशन प्रौद्योगिकी विभाग में 12 निफ्ट परिसर में 99 संकाय सदस्य हैं। विभाग दो कार्यक्रम प्रदान करता है, एक स्नातक स्तर पर और दूसरा स्नातकोत्तर स्तर पर।

बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (अपैरल प्रोडक्शन) एक चार साल का बहु अनुशासनिक प्रौद्योगिकी उन्मुख कार्यक्रम है, जिसे मुख्य परिधान निर्माण तकनीक को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जिसमें इसकी सर्वोत्तम प्रथाओं पर जोर दिया गया है। निफ्ट के 12 परिसरों में स्नातक कार्यक्रम की पेशकश की जाती है। बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पटना और दिल्ली। इस वर्ष कार्यक्रम में 1544 छात्र हैं।

मास्टर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एमएफटी) निफ्ट द्वारा पेश किए जाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। कार्यक्रम विशेष रूप से इंजीनियरों के लिए डिजाइन किया गया है और इसका उद्देश्य उद्योग को तकनीकी–प्रबंधकीय समाधान प्रदान करने में सक्षम युवा गतिशील प्रतिभा को विकसित करना है, जिसमें संचालन और रणनीतिक सोच क्षमताओं का संतुलित मिश्रण है। निफ्ट के 4 परिसरों बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली और गांधीनगर में मास्टर कार्यक्रम की पेशकश की जाती है। इस वर्ष कार्यक्रम में 304 छात्र हैं।

पाठ्यचर्या और उद्धार

वैश्विक परिधान निर्माण श्रृंखला में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ, और बड़े पैमाने पर निर्माण के नए रास्ते तेजी से सामने आ रहे हैं, वैश्विक स्तर पर तकनीकी हस्तक्षेप और मूल्य वर्धित व्यापार के लिए एक जबरदस्त अवसर है। दिलचस्प बात यह है कि जब तकनीकी मेगाट्रेंड वैश्विक विनिर्माण उद्योग में व्यापक रूप से फैल रहे हैं, भारतीय परिधान उद्योग प्रक्रिया में सुधार पर जोर देकर प्रौद्योगिकी की ताकत को कम कर रहा है। यह परिदृश्य एक उत्तेजक, आधुनिकतावादी और विकसित पाठ्यक्रम के लिए एक अवसर प्रदान करता है जो उत्पाद नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप पर दृढ़ता से केंद्रित है। इसने स्नातक और परास्नातक कार्यक्रम को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रेरित किया और इसके परिणामस्वरूप नए पाठ्यक्रम का निर्माण हुआ। जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर पाठ्यक्रम मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों के माध्यम से तकनीकी नवाचारों की आवश्यकताओं को संबोधित करता है प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और उत्पाद विकास के विभिन्न मार्गों के माध्यम से विशेषज्ञता में विकल्पों का लचीलापनय और डिजाइन और प्रबंधन की अंतःविषय दक्षताओं में भी निर्माण करता है। जबकि स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम रुचि पैदा करके उद्योग 4.0 के प्रति बुनियादी कौशल और जागरूकता का निर्माण करता है, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि तकनीकी, परिचालन और उत्पाद विकास क्षेत्रों में अनुसंधान और ज्ञान को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो विभाग के लिए प्रमुख हैं। प्रमुख और गहन विशेषज्ञताओं का एकीकरणः पाठ्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि
परिधान उत्पादन प्रौद्योगिकी, परिधान उत्पादन प्रबंधन और

परिधान उत्पाद विकास के रास्ते में यूजी प्रमुख विषय छात्रों के मूल ज्ञान में समान रूप से योगदान करते हैं, जबकि गहनता का चयन करने के लिए तीसरे वर्ष के बाद से किसी एक मार्ग में विशेषज्ञता उनकी इच्छा को बढ़ाते हैं। । गहन विषयों में न केवल ज्ञान के आधार के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी ध्यान दिया जाता है।

उद्योग कनेक्ट और परियोजनाएं

सत्र 2020–2021 के दौरान, परिसरों में फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने छात्रों को रियल टाइम में सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए कक्षा परियोजनाओं सहित विभिन्न गतिविधियाँ कीं। सभी परिसरों में डीएफटी विभाग के छात्रों ने निम्नलिखित कंपनियों में अपने परिधान इंटर्नशिप और जीपी/आरपी कियाः लगुना क्लोदिंग, एमएएस ब्रांड, एक्वारेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फर्स्ट स्टेप्स बेबी वियर प्राइवेट लिमिटेड, कोंटूर ब्रांड्स प्रा लिमिटेड, सेलिब्रेशन्स अपैरल लिमिटेड, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड, इवोल्वर, न्यू टाइम्स डेवलपमेंट लिमिटेड लैंडमार्क प्राइवेट लिमिटेड और मिंत्रा, मिंत्रा डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, कोंटूर ब्रांड्स प्रा. लिमिटेड, गोकलदास इंटिमेट वियर प्रा लिमिटेड (एनामोर), लगुना क्लोदिंग लिमिटेड, 883 पुलिस रिटेल यूनिट, बर्डी एक्सपोर्ट्स, एमएएस होल्डिंग्स, ब्लैकबेरी, गुड़गांव, साची अपेरल्स, गुरगन, सेलिब्रेशन्स लिमिटेड, लाइफ स्टाइल लिमिटेड, सिल्वर स्पार्क्स (रेमंड्स), सीआईईएल ग्रुप, ड्रेस मास्टर अपैरल लिमिटेड, गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड और मस्ट गारमेंट्स, व्रोंग, इंदिरानगर, बैंगलोर, शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, यूनिट 12, बैंगलोर, मास्टर लिन्स इंक, करूर, तमिलनाडु, प्रोजेक्ट इंडिगो स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर, मार्क्स एंड स्पेंसर, गुड़गांव, यूएस पोलो असन – अरविंद फैशन लिमिटेड, बैंगलोर, फरीदाबाद, जॉकी – पेज इंडस्ट्रीज, बैंगलोर, न्यूमेरो ऊनो क्लोदिंग लिमिटेड, गुड़गांव, रॉयल क्लासिक, तिरुपुर, एक्जिम निट्स, तिरुपुर, कृपा ड्रेसेस, बैंगलोर, टिमनी–केबी फैशन, दिल्ली, आवोनी (ऑनलाइन प्लेटफॉर्म) रतलाम (एमपी) (इनहाउस), आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल (यूनिट यूरोपा), बैंगलोर, स्पोर्टकिंग लिमिटेड, लुधियाना से संचालित। ओपेरा कपड़ों में प्रा लिमिटेड, लोअर परेल, मुंबई, टेक्सपोर्ट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, भारत, शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना, जेपी नगर, बैंगलोर, मैग्नम क्लोदिंग प्राइवेट लिमिटेड, कांडीगई, चेंगलपट्टू, टीएन, सिल्वर स्पार्क अपैरल लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस, येलहंका, बेंगलुरु, अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड, बेंगलुरु, भारत, बैंगलोर, अभय अपेरल्स, बैंगलोर, सिल्वर स्पार्क अपैरल लिमिटेड, डोड्डाबल्लापुर, बेंगलुरु, एससीसी प्राइवेट लिमिटेड, कृष्णागिरी, तमिलनाडु, ईपीआईसी अपैरल पीएलसी इथियोपिया, शाही एक्सपोर्ट्स प्रा लिमिटेड फरीदाबाद, लगुना इंडिया प्रा लिमिटेड बेंगलुरु, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड गुरुग्राम, तरीके अपैरल कंसल्टेंसी गुरुग्राम, प्यूमा स्पोर्ट्स इंडिया प्रा लिमिटेड, लगुना क्लोदिंग, ऑर्डनेंस क्लोदिंग फैक्ट्री, शाहजहांपुर, शॉपर्स स्टॉप, विस्को रिहैबिलिटेशन एड्स प्रा लिमिटेड मुंबई, बांसवाड़ा सिंटेक्स, सूरत और बुटीक इंटरनेशनल प्रा लिमिटेड आशिमा ग्रुप, लगुना क्लोदिंग लिमिटेड, राधिकिक एक्सपोर्ट्स (गुरुग्राम और नोएडा), टेक्सपोर्ट सिंडिकेट प्रा लिमिटेड, बांसवाड़ा सिंटेक्स लिमिटेड सूरत, मैट्रिक्स क्लोदिंग प्रा लिमिटेड गुरुग्राम, ट्रॉपिक निट्स, मॉलकॉम इंडिया लिमिटेड, पश्चिम बंगाल, लगुना क्लोदिंग लिमिटेड, बेंगलुरु, राधिकिक एक्सपोर्ट्स (गुरुग्राम और नोएडा), बांसवाड़ा सिंटेक्स लिमिटेड, सूरत, न्यू टाइम्स, गुड़गांव, अरविंद एडवांस्ड मैटेरियल्स लिमिटेड, अहमदाबाद, रेमंड्स सिल्वर स्पार्क यूनिट –2, बेंगलुरु, एमएलके, एक्सपोर्ट्स, लखनऊ और मैम आर्ट्स, जयपुर।

प्रो. आर. रसेल टिमोथी – सीपी–डीएफटी, निफ्ट चेन्नई ने मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सूचना संचार प्रौद्योगिकी (एनएमईआईसीटी) परियोजना के माध्यम से भारत की राष्ट्रीय शिक्षा मिशन की परियोजना को हाथ में लिया है। 2016 से इसे निफ्ट, चेन्नई में चलाया जा रहा है।

प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन, निफ्ट, चेन्नई को वर्ष 2018 के दौरान परियोजना के पहले चरण का सफलतापूर्वक समापन पर परियोजना के दूसरे और तीसरे चरण के लिए – वर्ष 2019–20 के लिए मसूरी और पुरी के स्थानों में मैसर्स स्टर्लिंग रिसॉर्ट्स के लिए गंतव्य अनुभव का निर्माण समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया था ।

प्रो डॉ दिव्या सत्यन, निफ्ट, चेन्नई और प्रोफेसर रजनी जैन निफ्ट, हैदराबाद को वर्ष 2018 से निफ्ट–चेन्नई और हैदराबाद परिसरों के लिए साइज इंडिया परियोजना के तहत ''परियोजना केंद्र समन्वयक'' के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्री एस. प्रभाकर, सहायक प्रोफेसर निफ्ट, चेन्नई को डीजी–निफ्ट द्वारा परियोजना – रिपोजिटरी– इंडियन टेक्सटाइल्स एंड क्राफ्ट्स के लिए पीआईटी सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

बीएफटी – V निफ्ट हैदराबाद के छात्रों ने 2020 की अवधि के दौरान मछलीपट्टनम कलमकारी, वारंगल धुर्री और नलगोंडा इकत्स में क्लस्टर गतिविधियां की हैं।

सुश्री टी. श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने 21 मई 2021 (दोपहर 2 से 5 बजे) को आयोजित छठे सेमेस्टर, डीएफटी के लिए कारीगर जागरूकता कार्यशाला के दौरान ''शिल्प के निर्वाह के लिए शिल्प समूहों में आवश्यक पहल – प्रौद्योगिकी की भूमिका'' पर प्रस्तुति की।

बीएफटी – V निफ्ट कोलकाता के छात्रों ने हैंडलूम क्लस्टर (समुद्रगढ़ / धात्रीग्राम), कांथा क्लस्टर (बारासात), हैंडलूम क्लस्टर (कलना) हनलूम क्लस्टर (उदयनारायणपुर) में 19 से 23 नवंबर 2020 की अवधि के दौरान में क्लस्टर गतिविधियां की हैं।

निफ्ट, मुंबई के फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने पीजी डिजाइन और एफसी विभाग के साथ 23 अप्रैल 2021 से 25 अप्रैल 2021 तक 3 दिवसीय शिल्प जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।

डीएफटी, हैदराबाद ने 24 जून 2020 को डॉ. तरुण कुमार अग्रवाल, पूर्व छात्र, डीएफटी हैदराबाद, पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता, सतत उत्पादन विकास विभाग, केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन द्वारा ''उद्योग 4.0 के लिए अकादमिक अनुसंधान के माध्यम से क्राफ्टिंग कैरियर'' नामक एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया था।

डीएफटी, हैदराबाद ने श्री रोहित कांत प्रसाद, पूर्व छात्र, डीएफटी, निफ्ट, हैदराबाद द्वारा ''डीएफटी छात्र के रूप में अन्वेषण करने के लिए विभिन्न रास्ते'' शीर्षक से एक ऑनलाइन संगोष्ठी / उद्योग बातचीत का आयोजन किया था, जो वर्तमान में एबीएफआरएल के साथ समूह प्रबंधक, खुदरा पीटर इंग्लैंड के रूप में तारीख 17 अक्टूबर 2020 को शमिल हुए।

सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने 19 सितंबर 2020 को डीएफटी समेस्टर –3 के छात्र के लिए एफएसए –3 में क्रिएटिव आर्ट डायरेक्टर श्री विपुल महादेविया के साथ अरविंद इंडिगो कला संग्रहालय में वर्चुअल इंडस्ट्री विजिट का आयोजन किया।

संकाय प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

डीएफटी विभाग के परिसर में 23 संकाय सदस्यों ने 17 से 18 और 20–21 जुलाई 2020 की अवधि के दौरान श्री आनंद के देशपांडे, बैंगलोर द्वारा आयोजित परिधान निर्माण में लीन मैनेजमेंट पर टीओटी में भाग लिया है।

10–14 अगस्त (5 दिन) को प्रो. प्रबीर जाना और डॉ. रश्मि ठाकुर द्वारा आयोजित स्मार्ट टेक्सटाइल्स और वियरेबल्स, (एमएफटी पाठ्यक्रम) पर टीओटी कार्यशाला में डीएफटी विभागों के 8 संकाय सदस्यों नें भाग लिया।

प्रो. डॉ. अनुपम जैन और प्रो. उषा नरसिम्हन, पीएच.डी. निफ्ट, दिल्ली द्वारा 15–17 जुलाई 2020 तक आयोजित रचनात्मक सोच कौशल पर टीओटी कार्यशाला सभी विभागों के 47 संकाय सदस्यों ने भाग लिया ।
डीएफटी विभाग के परिसर में संकाय सदस्यों ने 20 जनवरी से 23 जनवरी, 2021 तक एनआईएफटी, बेंगलुरु में यूनिक टेक्नोलॉजीज द्वारा ''उन्नत निर्माण तकनीक'' पर आयोजित टीओटी कार्यशाला में भाग लिया।
एनआईएफटी, चेन्नई के डीएफटी संकाय सदस्यों ने 19. 01.2021 से प्रति दिन 04 सप्ताह के लिए 03 घंटे के लिए Blackstraw.ai द्वारा ''इंट्रोडक्शन टू मशीन लर्निंग एंड एआई'' में निःशुल्क कार्यशाला में भाग लिया था।

श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम द्वारा आयोजित 3डी प्रिंटिंग और डिजाइन पर ए आई सी टी ई टी प्रशिक्षण और शिक्षण (अटल) अकादमी ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम और बनारई अम्मान प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित सतत और डिजिटल फैशन (आई सी एस डी एफ'20) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सत्यमंगलम, इरोड जिला, टी. 2020–2021 की अवधि के दौरान में भाग लिया और पूरा किया ।

सुश्री नुपुर चोपड़ा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर ने 24 अक्टूबर, 2020 से 8 नवंबर, 2020 तक ''विज्ञापन और ब्रांड प्रबंधन'' पर 6 दिनों का सप्ताहांत एएमए ऑनलाइन कार्यक्रम पूरा किया।

सुश्री आरती सोलंकी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर ने एनआईटी जालंधर द्वारा 24 – 28 दिसंबर, 2020 को आयोजित किया गया एक सप्ताह के ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स (ई–एसटीसी), जिसका शीर्षक ''एडवांस्ड इंजीनियरिंग ऑप्टिमाइजेशन टेक्नीक'' (एईओटी–2020, में भाग लिया

श्री जे. परी, एसो.प्रो., निफ्ट कोलकाता ने 15 से 17 जुलाई 2020 तक स्वयं और समाज पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया था।

प्रो. बिनवंत कौर, निफ्ट कोलकाता ने अक्टूबर 2020 में डिजिटल डिजाइन और संचार –1 (फोटोग्राफी और ऑनलाइन डिजिटल टूल्स के अनुप्रयोग) पर टीओटी में भाग लिया था।

सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने 2–6 जून 2021 की अवधि के दौरान एटीएएल की योजना के तहत बनस्थली इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धतिः डिजाइन और प्रौद्योगिकी पर एफडीपी में भाग लिया।

डॉ रजनी जैन, प्रोफेसर और सुश्री टी. श्रीवाणी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद डीएफटी ने कैचइंग द डिजाइन वायरसः ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन की एक नई दुनिया फैकल्टी कोऑर्डिनेटरः सुश्री राखी वाही प्रताप, एफ एंड टी 19 मई, 2 जून और 16 जून की अवधि के दौरान एक कार्यशाला में भाग लिया था।

सुश्री टी. श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने 2020–2021 की अवधि के दौरान के.एस. रंगासामी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचेंगोडे और 'बाइंडिंग टू बिल्ड विद इन द सोसाइटी' विषय के लिए ''सेल्फ एंड सोसाइटी' को ऑर्डिनेटिंग फैकल्टी– डॉ कौस्तव सेनगुप्ता और डॉ नेहा सिंह ने भाग लिया।

डॉ शकील इकबाल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने डॉ बी आर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर द्वारा आयोजित ''वस्त्र और फैशन में हालिया रुझान'' पर 22 से 26 जून 2020 तक एक सप्ताह के ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स में भाग लिया था।

श्री नितिन साल्वे, सहायक प्रोफेसर ने 2020 – 2021 की अवधि के दौरान परिधान उत्पादन योजना और नियंत्रण (फास्ट रिएक्ट सॉफ्टवेयर) और उरकुंड विरोधी साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षक कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण में भाग लिया।

डॉ. रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर ने 21 अगस्त, 2020 को ''भविष्य में रखरखाव पर सत्र (पीडीएम)'' विषय के लिए टीओटी में भाग लिया था।

सुश्री अमीषा मेहता, एसोसिएट प्रोफेसर, सुश्री कल्पना काबरा, सहायक प्रोफेसर और श्री अमित फोगट, सहायक प्रोफेसर ने शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार द्वारा एसएसआईपी के तहत आईएचयूबी द्वारा आयोजित इनोवेशन एंड स्टार्टअप इकोसिस्टम (एनआईएसई) के पोषण पर एक सर्टिफिकेट कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया। .

संकाय उपलब्धियां

प्रो. जोमिचन एस. पट्टाथिल, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने 15 सितंबर, 2020 को निफ्ट से ''गारमेंट निर्माण क्षेत्र में सीएडी को अपनाना – हितधारकों की धारणा का विश्लेषण'' विषय पर अपना पीएचडी शोध सफलतापूर्वक पूरा किया है।

श्री तन्मय जगेटिया एमएफटी – II और स्वर्गीय श्री अंकुर मखीजा, सहायक प्रोफेसर ने बुना और नाजुक कपड़ों से ढीले धागों को हटाने के लिए स्वचालित मशीन, पेटेंट आवेदन संख्या 201921034817 दिनांक 29 अगस्त 2019, आवेदक राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, शीर्षकः ''नाजुक और निट वस्त्र से ढीले धागे को हटाने के लिए एक स्वचालित मशीन" का आविष्कार किया।

डॉ. नूपुर आनंद, प्रोफेसर, निफ्ट नई दिल्ली को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने टीआईटी एंड एस भिवानी द्वारा आयोजित दिनांक 24/01/2020 एआईसीटीई प्रायोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में ''रिसेंट इनोवेशन इन टेक्सटाइल एंड गारमेंट डिजाइन एंड डेवलपमेंट'' शीर्षक से डेवलपमेंट गारमेंट फिट एंड साइजिंग पर व्याख्यान दिया।

डॉ. नूपुर आनंद, प्रोफेसर, नई दिल्ली को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था और एआईसीटीई प्रायोजित 2 सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में ''फ्यूचर ऑफ फैशनः एआई, आईओटी, एआर, वीआर, रोबोटिक्स'', सेंसर और बिग डेटा एनालिटिक्स 22 दिसंबर 2020 को एंथ्रोपोमेट्रिक स्टडीज और गारमेंट फिट पर 3डी स्कैनर्स इम्पैक्ट पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अंकुर सक्सेना ने ''कोविड–19 के जोधपुर स्वास्थ्य कर्मियों के लिए पीपीई किट की डिजाइन इंटरवेंशन एंड प्रोसेस री–इंजीनियरिंग– एक रियल टाइम केसस्टडी ''जुलाई 2020 में कोविड –19 के खिलाफ लड़ाई के लिए ऑनलाइन हैकाथॉन डिजाइन और पीपीई के घटकों के प्रदर्शन में पेशेवर प्रविष्टि प्रस्तुत की और इसके तहत दूसरा पुरुस्कार प्राप्त किया।

श्री टी. मुरुगन, एसो. प्रोफेसर निफ्ट, चेन्नई ने विवेकानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर विमेन, तिरुचेंगोडे, नमक्कल जिला टीएन में यूजी–टेक्सटाइल एंड फैशन डिजाइनिंग कोर्स में बोर्ड ऑफ स्टडीज सदस्य (यूनिवर्सिटी नॉमिनी) के रूप में नियुक्त किया था।

प्रो. बिनवंत कौर प्रोफेसर, निफ्ट कोलकाता, 29 दिसंबर 2020 को एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित वेबिनार ''डिजाइनिंग ऑफ टेक्सटाइल्स एंड फैशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट'' में वक्ताओं और प्रस्तुतकर्ता में से एक थीं।

प्रो. रजनी जैन, प्रोफेसर निफ्ट हैदराबाद को 3 और 4 अप्रैल 2020 को उनके ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन ''सागर मंथन 2020'' के लिए सागर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, भोपाल द्वारा सलाहकार समिति में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 19 जून 2020 को सागर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, भोपाल द्वारा आयोजित एक वेबिनार में लीन मैनेजमेंट पर एक व्याख्यान भी दिया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र प्रस्तुति और प्रकाशन

विभाग के संकाय वस्त्र और परिधान के क्षेत्र में उपयोगी शोध करते हैं। इनमें से कुछ शोध राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में शोध पत्रों के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया हैः

सुश्री सुभालक्ष्मी क्रोपी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट बेंगलुरु ने स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड में 2021 प्रकाशन, फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग, 2020 में ''डिफरेंटली एबल्ड व्हीलचेयर टेनिस प्लेयर्स ऑफ इंडिया के लिए डिजाइनिंग एडेप्टिव स्पोर्ट्सवियर'' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

सुश्री सुभालक्ष्मी क्रोपी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट बेंगलुरु ने पोस्टर प्रस्तुतिः बुजुर्ग पुरुषों के लिए लाउंजवियर पोस्ट कोविड शीर्षक से सह–लेखक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया है – वस्त्र, फैशन और शिल्प में अग्रिम ।TFC–2021 का आयोजन निफ्ट जोधपुर द्वारा 22 से 24 मार्च 2021 तक किया गया.

सुश्री सुलगना साहा, श्री नंद किशोर बराइक और श्री सुमित कुमार ने एनआईटी जालंधर 22 और 23 अक्टूबर 2020 को आयोजित ई–इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'एसईएचसीएम–2020' में 'फाइबर 2 फैशन' में 'ट्रांसफॉर्मिंग वेस्ट टू एक्सक्लूसिव कलेक्शन' चैलेंजेज इन एजुकेशन इन द टाइम ऑफ पैंडेमिक' पर लेख प्रकाशन प्रकाशित किया था।

22 से 24 मार्च 2021 को निफ्ट, जोधपुर द्वारा आयोजित वस्त्र, फैशन और शिल्प में प्रगति के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एटीएफसी' 21) में मनोभ्रंश रोगियों के लिए वेस्ट पर सुश्री सुलगना साहा, श्री नंद किशोर बराइक और श्री सुमित कुमार ने एक पेपर 'स्मार्ट एडेप्टिव' प्रस्तुत किया।

प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन ने – फैशन के संदिग्ध पैरों के निशान, शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया, पुस्तक का नाम– पर्यावरण नैतिकताय प्रकाशक– आशा प्रकाशन, कानपुरय प्रकाशन की तिथि– मई 2020 (आईएसबीएन–978–93–81022–88–7

प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन, प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई ने 12 जून, 2020 को निफ्ट, चेन्नई इंस्टाग्राम के माध्यम से इंस्टाग्राम–लाइव सत्र (आईजी लाइव) के माध्यम से 'ओपन सेशन – मास्टर क्लासेस' "समझना असंख्य दृष्टिकोणों के माध्यम से स्थिरता" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

11–12 दिसंबर, 2020 को सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सेलम द्वारा आयोजित एप्लाइड साइंस, टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड लैंग्वेज स्टडीज (एएसटीएमएलएस–2020) पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में ''टैगुची विधि का उपयोग'' पर श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई के साथ सह लेखक डॉ. बी. सेंथिल कुमार सहायक प्रोफेसर, गांधीग्राम विश्वविद्यालय, डिंडीगुल ने ''केले के रेइनफोर्स्ड कंपोजिट्स के टेन्साइल और फ्लेक्सुरल स्ट्रेंथ्स का अनुकूलन'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई ने सुश्री मधुमिता, बीएफटी (2016–20 बैच) की छात्रा के साथ फैशन प्रौद्योगिकी विभाग, बन्नारी अम्मान प्रौद्योगिकी संस्थान, सत्यमंगलम द्वारा 29 और 30 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया गया। सतत और डिजिटल फैशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई सी एस डी एफ 2020), में ''सस्टेनेबल प्रोडक्ट डेवलपमेंटः रिसाइकिल पीईटी बोतल टू कैंपिंग टेंट– ए सिस्टमैटिक रिव्यू'' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया था।

श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई ने सह–लेखक सुश्री सिंधुजा के साथ, एमएफटी– III की छात्रा, ने एप्लाइड साइंस, टेक्नोलॉजी , प्रबंधन और भाषा अध्ययन (एएसटीएमएलएस –2020) 11 और 12 दिसंबर, 2020 को सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सलेम में होनेवाले आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक रूप से लिखित ''व्यक्तिगत सुरक्षात्मक कपड़ों के बड़े पैमाने पर उत्पादन में तकनीकी प्रगतिः एक व्यवस्थित समीक्षा'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, एनआईएफटी, चेन्नई ने सह–लेखक सुश्री अनघा यू पिल्लई, एम.एफ.टेक, सेमेस्टर III के साथ, ''कैंसर सर्वाइवर के लिए पहनने योग्य सेंसरः'' एक व्यवस्थित समीक्षा ''शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसे एप्लाइड विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और भाषा अध्ययन (एएसटीएमएलएस–2020) 11 और 12 दिसंबर, 2020 को सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सेलम में अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में मौखिक रूप से लिखा गया।

श्री टी. मुरुगन, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट, चेन्नई ने ''स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड आईएसबीएन 978–981–15–8318–6 आईएसबीएन 978–981–15–8319–3 (ईबुक) (https://doi.org/10.1007/978–981–15–8319–3) फरवरी 2021 का अंक'' पत्रिका में ''केले के फाइबर नॉनवॉवन कम्पोजिट स्ट्रक्चर्स के यांत्रिक गुणों पर प्रभाव पर अध्ययन'' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया था।

डॉ. अर्चना गांधी, प्रोफेसर, नई दिल्ली ने अपैरल फैक्ट्रीज, द न्यू –नॉर्मल, गांधी, अर्चना, अपैरल फैक्ट्रीज, द न्यू नॉर्मल (मार्च 15, 2021) ' शीर्षक से पेपर प्रकाशित किया। एसएसआरएन पर उपलब्धः https://ssrn.com/abstract¾3804762 या http://dÛ.doi.org/10-2139/ssrn.3804762. लेख को यूरोप पीएमसी (एक खुला विज्ञान मंच) द्वारा सूचीबद्ध करने के लिए चुना गया था।

डॉ नूपुर आनंद, प्रोफेसर, नई दिल्ली ने 24 अगस्त, 2020 को जर्नल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड टेक्सटाइल इंजीनियरिंग वॉल्यूमः 8 अंकः 4 आईएसएसएनः 2329–9568 में भारत में प्लस साइज महिला श्रेणी के लिए महत्वपूर्ण माप के आकार चार्ट का विकास शीर्षक से प्रकाशित किया था।

डॉ नूपुर आनंद, प्रोफेसर, नई दिल्ली ने डेवलपमेंट वैलिडेशन एंड रिलायबिलिटी ऑफ साइज स्ट्रीम 3डी स्कैनर फॉर ह्यूमन बॉडी मेजरमेंट 20 दिसंबर 2020 स्प्रिंगर, सिंगापुर स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 2021 फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग 2020, पीपी 13–23 शीर्षक से प्रकाशित किया था। फर्स्ट प्रिंट ISBN978–981–15–9375–8 ऑनलाइन ISBN978–981–15–9376–5।

डॉ. नूपुर आनंद, प्रोफेसर, नई दिल्ली ने अगस्त 2020 में एक अंतर्राष्ट्रीय मानवशास्त्रीय अध्ययन "युवा भारतीय पुरुषों के लिए बॉटम वियर साइजिंग का विकास" शीर्षक से प्रकाशित किया था। जे फोरेंसिक इंजीनियरिंग और प्रबंधन, वॉल्यूम 1, नंबर 1, 2020 (आईजेएफईएम) इंदर साइंस एंटरप्राइजेज लिमिटेड, जिनेवा।

डॉ. नूपुर आनंद, प्रोफेसर नई दिल्ली ने स्प्रिंगर में भारतीय पुरुष युवा मार्च 2021 डिजाइन साइंस एंड इनोवेशन बुक सीरीज (डीएसआई) के लिए बॉटम–वियर साइज चार्ट का विकास शीर्षक से प्रकाशित किया था।

सुश्री नुपुर चोपड़ा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर ने 'सीएसआर एंड एसडीजी मैपिंग इन फैशन एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीः आइडेंटिफाईंग पोटेंशियल चैलेंजेज इन द आइसोलेशनिज्म' नामक पुस्तक अध्याय का सह–लेखन किया, जिसे, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, द्वारा 'सीएसआर इन ए एज ऑफ आइसोलेशनिज्म' नामक पुस्तक में नवंबर, 2020 में प्रकाशित किया गया।

सुश्री नुपुर चोपड़ा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर ने ''किड्स शॉपिंग एक्सपीरियंसः एन एक्सप्लेनेटरी स्टडी टू आइडेंटिफाई द गैप्स'' नामक एक शोध पत्र का सह–लेखन किया। पेपर एक संदर्भित ''इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिटेल मैनेजमेंट एंड रिसर्च (आई जे एर एम आर) ; आई एस एस एन (ऑनलाइन): वॉल्यूम – 10, अंक – 2य संस्करणः दिसंबर 2020 में प्रकाशित हुआ है।

सुश्री आरती सोलंकी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर ने अक्टूबर 2020 में एनसीएसबीपी 2020 (व्यावसायिक प्रथाओं में स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन) में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया था, जिसका शीर्षक था ''स्थिरता को बढ़ावा देने वाले वैश्विक डेनिम परिधान ब्रांड की हरित विपणन पहल का अध्ययनः एक समीक्षा''।

दो बीएफटी छात्र आथिरा मेनन, श्रेया भगत और डॉ. शकील इकबाल, सहायक प्रोफेसर निफ्ट हैदराबाद ने आईओएसआर जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट में ''भारत में फैशन खुदरा स्टोर में संवर्धित वास्तविकता का प्रभावः अवसर और चुनौतियां'' शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया था। (आईओएसआर–जेबीएम) खंड 22,

अंक 7. क्रम VII (जुलाई 2020)।

दो बीएफटी छात्र सौरभ सुमन्यु, आकांक्षा सिंह और डॉ शकील इकबाल, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने जर्नल ''गेडराग और ऑर्गनीसती'' वॉल्यूम 33 अंक 03 जुलाई–सितंबर 2020) में ''द इम्पैक्ट ऑफ विजुअल मर्चेंडाइजिंग ऑन इंपल्स बायिंग बिहेवियर ऑफ फैशन स्टूडेंट्स'' शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया था।

दो बीएफटी छात्र अनघा चाको, संथवाना विल्सन और डॉ. शकील इकबाल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने ''रिवाम्पिंग फैशन ई–कॉमर्स इन इंडिया यूजिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'' नामक शोध पत्र को जर्नल में ''करंट ट्रेंड्स इन फैशन टेक्नोलॉजी एंड टेक्सटाइल इंजीनियरिंग'' 1– अगस्त 2020 वॉल्यूम 7 अंक में प्रकाशित किया था।

डॉ शकील इकबाल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने दो दिवसीय वेबिनार में ''मेक–इन–इंडिया एप्रोच फॉर टेक्सटाइल इंडस्ट्रीः द ग्लोबल पर्सपेक्टिव'' पर 28 और 29 अगस्त 2020 को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) तेलंगाना राज्य केंद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार में ''पर्सनल प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स'' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया था।

दो छात्र रुशिता गेटी, रामजी नटुकुर्ती और डॉ. रजनी जैन, प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने टेक्सटाइल एंड फैशन इनोवेशन कांग्रेस (टीएफआईसी) 2021 में ''परिधान उद्योग में स्मार्ट लेबल का विकास'' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया था।

डॉ. राममोहन, प्रोफेसर और सुश्री टी. श्रीवाणी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने एनआईएफटी, जोधपुर, राजस्थान, इंडिया द्वारा 22 से 24 मार्च 2021 तक आयोजित वस्त्र, फैशन और शिल्प में अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन अग्रिमों– एटीएफसी 2021 में ''एपी के ब्लॉक प्रिंटेड कलमकारी क्राफ्ट में तरीकों के विश्लेषण के दायरे की खोज'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री टी. श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने उद्योग 4.0 (आईसीआईएटीआई) के लिए 12 और 13 जून 2020, केसीजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा आयोजित उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में ''मेडिकल एंड हेल्थ केयर टेक्सटाइल्स में पॉलिमर के बहुविध अनुप्रयोगों पर समीक्षा'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया था।

बीएफटी के दो छात्र सुश्री अमीषा गोयल, सुश्री प्रणति अग्रवाल और संकाय सुश्री टी श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने यूजीसी केयर ग्रुप 1 जर्नल में ''दृष्टिहीनों के लिए अनुकूली और समावेशी परिधान'' नामक शोध पत्र – डोगो रंगसांग रिसर्च जर्नल, आईएसएसएनः 2347–7180, खंड 10, अंक –07, 16 जुलाई 2020 में प्रकाशित किया था ।

सुश्री टी. श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने 30 जनवरी 2021 को ''डिजाइनिंग फॉर चिल्ड्रन विद फोकस चिल्ड्रन ऑन प्ले एण्ड लर्न'' शीर्षक से ''ए जर्नी इन क्लासरूम एक्सपीरियंस ऑफ बडिंग डिजाइनर्स इन क्रिएटिव प्रोडक्ट डिजाइनिंग फॉर किड्स'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया था।
एक अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन जिसका आयोजन आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई, भारत द्वारा किया गया।
सुश्री टी. श्रीवाणी, सहायक प्रोफेसर और डॉ. राममोहन, प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने टेक्सटाइल, फैशन और शिल्प में – एटीएफसी 2021, 22 से 24 मार्च 2021 तक निफ्ट, जोधपुर, राजस्थान, भारत द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में ''एपी के ब्लॉक प्रिंटेड कलमकारी क्राफ्ट में विधियों के विश्लेषण के दायरे की खोज'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया था।

सुश्री टी. श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने टेक्सटाइल एंड फैशन इनोवेशन कांग्रेस (टीएफआईसी 2021) में ''पारंपरिक भारतीय विरासत शिल्प में स्थिरता के अभ्यास पर उपभोक्ता जागरूकता – आंध्र प्रदेश की कलमकारी'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया थाय आईलेटर्स– आईकांग्रेस एक आभासी उत्तर पश्चिम सम्मेलन और प्रदर्शनी, ग्रेटर मैनचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम में 16 अप्रैल 2021 को आयोजित किया गया और जिसका प्रकाशन प्रगति पर है।

प्रो. बिनवंत कौर प्रोफेसर निफ्ट कोलकाता, और निफ्ट कोलकाता के डॉ. प्रबीर कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से अगस्त 2020 के अंक में भारत में मैन–मेड टेक्सटाइल्स पत्रिका में ''यूनियन फैब्रिक्स की समीक्षा'' पर पेपर प्रस्तुत किया था।

श्री विकास अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कोलकाता, जेपीएस वैज्ञानिक प्रकाशन, भारत आईएसबीएनः 978–81–947154–6–7. द्वारा प्रकाशित ''इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन'' के पहले संस्करण (2021) में एक अध्याय प्रकाशित किया था। अध्याय का शीर्षक है ''गारमेंट निर्माण में तकनीकी प्रगति ए के शॉ और श्री राहुल कर अध्याय के सह लेखक हैं।

डॉ. शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, कांगड़ा ने जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एंड अपैरल टेक्नोलॉजी, एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 12, अंक 1, 2021 विल्सन कॉलेज ऑफ टेक्सटाइल्स, एनसी स्टेट यूनिवर्सिटी, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए के साथ 'ट्रेनिंग नीड्स एनालिसिस फॉर इंडियन टेक्सटाइल एंड अपैरल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर'य पर पेपर प्रकाशित किया।

डॉ. शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा ने जेनिथ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट रिसर्च, आईएसएसएन 2249 इम्पैक्ट फैक्टरः 7.07, मार्च 2021 में 'भारतीय कपड़ा और परिधान उद्योग में परिपत्र अर्थव्यवस्था' पर पेपर प्रकाशित किया।

डॉ शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड इंजीनियरिंग डेवलपमेंट

वॉल्यूम 4, अंक 1, आईएसएसएन 25817175 http://www.ijsred.com/jan&feb&2021.html में 'ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट एज ए स्ट्रैटेजिक फंक्शन' पर पेपर प्रकाशित किया।

डॉ शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा ने अनामिका प्रकाशन, दिल्ली के साथ 'एन्विजनिंग इफेक्टिव मैनेजमेंट कम्युनिकेशन' शीर्षक वाली पुस्तक में 'अपैरल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में संचार की भूमिका' पर पेपर प्रकाशित किया. ISBN 978-81-7975-997-4 (प्रथम संस्करण, जून 2020)।

सुश्री छवी गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट कांगड़ा ने "द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी" में "दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में कोविड -19 का एक तुलनात्मक अध्ययन पीएन मनोवैज्ञानिक प्रभाव" पर वॉल्यूम 8 अंक 3, जुलाई-सितंबर 2020 में पेपर प्रकाशित किया।

प्रोफेसर जोमीचन एस पी, प्रोफेसर ने 1 फरवरी, 2020 को मणिपाल विश्वविद्यालय में ''आकांक्षी डिजाइनरों के बीच स्थायी प्रथाओं को विकसित करने में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका'' विषय पर ''परिपत्र अर्थव्यवस्था और सहयोगात्मक खपत'' संगोष्ठी में अपना पेपर प्रस्तुत किया था।

प्रो. जोमीचन एस पी, प्रोफेसर ने 5 और 6 मार्च 2020 को श्री वैष्णव विद्यापीठ में आयोजित ''भारतीय परिधान निर्माण इकाइयों में सीएडी को अपनाने'' विषय पर ''फाइबर से गारमेंट तक कपड़ा निर्माण प्रक्रिया में समकालीन मुद्दे'' पर अपना पेपर प्रस्तुत किया था।

डॉ रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने भाग लिया और फरवरी 2020 में स्टिच वर्ल्ड मैगजीन में ''स्मार्ट गारमेंटः क्या यह जनता की पसंद बन सकता है?'' विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने फरवरी 2020 में स्टिच वर्ल्ड मैगजीन में पृष्ठ संख्या 43 -45 पर ''डेमिस्टिफाई 'बॉडी कवरऑल' मैन्युफैक्चरिंग'' विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने टे ए पी पी क पर सम्मेलन के लिए 4 मई से 5 मई 2021 तक पल्प एंड पेपर इंडस्ट्री (टेपपी), यूएसए के तकनीकी संघ द्वारा आयोजित मेडिकल कवरॉल में सीम प्रदर्शन के अनुकूलन विषय पर अपना सम्मेलन पत्र (वर्चुअल) प्रस्तुत किया। इसे 4 मई 2021 को प्रो. प्रबीर जाना, निफ्ट दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया।

डॉ रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने फरवरी 2021 में टोटल प्रोडक्टिव मेंटेनेंस, पेज 355-380, बुक - लीन टूल्स इन अपैरल मैन्युफैक्चरिंग, जना, पी. और तिवारी, एम, एल्सेवियर द्वारा संपादित विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया था।

डॉ रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने फरवरी 2021 में फैब्रिक्स फॉर पीपीईः फेस मास्क और बॉडी कवरॉल विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया था।

डॉ रश्मि ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने 4 मई से 5 मई, 2021 तक पल्प एंड पेपर इंडस्ट्री के टेक्निकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित, मेडिकल कवरॉल में सीम परफॉर्मेंस का अनुकूलन, वर्चुअल पर टेपपी विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया था।

डॉ. अंकुर सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट जोधपुर ने स्प्रिंगर द्वारा आईएसबीएन 978-981-15-9375-8 आईएसबीएन 978-981-15-9376-5 के साथ प्रकाशित ''कार्यात्मक वस्त्र और कपड़ों'' में ''इंटरप्रेटेड स्ट्रक्चरल मॉडलिंग का उपयोग कर भारत परिधान उद्योग के लिए ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग मॉडल'' नामक एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया।

डॉ अंकुर सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट जोधपुर ने 22-23 मार्च को निफ्ट जोधपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''कपड़ा फैशन और शिल्प में प्रगति-कार्बन क्रेडिट की अवधारणा के साथ एक टी-शर्ट के लिए कार्बन फुटप्रिंट गणना शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डिजाइन स्पेस

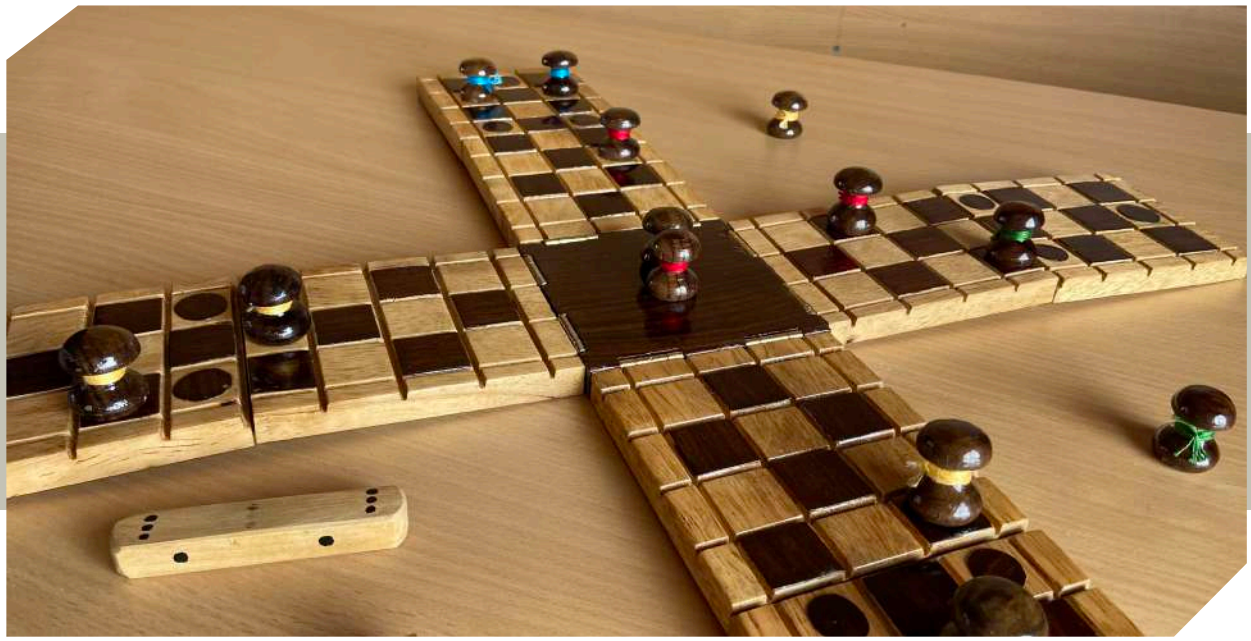

'मास्टर ऑफ डिजाइन' पाठ्यक्रम समकालीन डिजाइन और अनुसंधान उद्योग की बहु–विषयक और गतिशील प्रकृति पर केंद्रित है। डिजाइन उद्योग का प्रगतिशील भविष्य युवा और बहुमुखी स्नातकों पर निर्भर करता है जिनके पास रणनीतिक डिजाइन, अनुभव डिजाइन, यूआई / यूएक्स, डिजाइन सोच और अनुसंधान अभ्यास, डिजाइन नवाचार, स्थिरता और शिल्प जैसे नए युग के कौशल हैं। कोविड –19 वायरस के साथ 2020 में दुनिया ने एक वैश्विक महामारी का सामना किया। इसने दुनिया की प्राथमिकताओं को टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क में पुर्नव्यवस्थित किया और कई गतिविधियों के लिए शिक्षा और कार्य कलापों में भारी बदलाव किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2020 की अराजक दुनिया में सर्फिंग से ज्यादा सार्थक कभी नहीं था।

पाठ्यचर्या और उद्धार

कार्यक्रम के मूल दर्शन को ध्यान में रखते हुए, पाठ्यक्रम में एक अंतर–अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से लाई गई बहुमुखी प्रतिभा को कोविड 19 महामारी द्वारा सामने आई चुनौतियों के बावजूद बनाए रखा गया था। जैसा कि हम जानते हैं कि बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए सामाजिक दूरी की आवश्यकता के कारण शिक्षा पर दूरस्थ शिक्षा या एस एफ एच (घर से अध्ययन) का व्यापक प्रभाव था। प्रारंभिक चरणों और ऑनलाइन वितरण में थोड़ी तकनीकी, शैक्षणिक और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद एमडेस पाठ्यक्रम को आसानी से ऑनलाइन मोड सें पुरा किया जा सका। छात्रों और शिक्षकों के लिए जुड़ाव और सीखने के लिए नए समाधान खोजने के लिए एमडेस आसानी से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर चले गए।

बैच 2020–22 के साथ उद्योग अभ्यास सत्र के तहत पहले सेमेस्टर के दौरान ऑनलाइन डिलीवरी का लाभ देखा गया, जहां उद्योग के विशेषज्ञों, कंपनी के संस्थापक, सीईओ, हेड डिजाइनर जैसे प्रमुख पदों को अपनी यात्रा और उनकी कंपनी परियोजनाओं को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इन व्याख्यानों का सकारात्मक प्रभाव यह था कि छात्रों को वास्तविक जीवन उद्योग परिदृश्य की दृष्टि मिली, और वे तय कर सकते थे कि उन्हें कौन सी गहन विशेषज्ञता लेनी चाहिए।

छात्रों ने उद्योग निर्देशित परियोजना प्रस्ताव विषय के तहत 'अहमदाबाद डिजाइन वीक' और 'पुणे डिजाइन महोत्सव' जैसे ऑनलाइन डिजाइन उत्सवों में भाग लेकर अपने दूसरे सेमेस्टर के शुरुआती महीने में नेटवर्किंग शुरू कर दी थी।

सुचारू ऑनलाइन अनुभव सुनिश्चित करने के लिए, 'वेबिनार' को पाठ्यक्रम में एकीकृत किया गया था, नए शुरू किए गए विषय 'उद्योग प्रथाओं का परिचय' के हिस्से के रूप में एक व्याख्यान श्रृंखला और बातचीत का आयोजन किया गया था। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी परिसरों ने भाग लिया। इस प्रक्रिया ने छात्रों को ''इनोवेशन, इनसाइट्स, और इन्फिनिटी'' (डिजाइन इनोवेशन), ''हैंडमेड इन इंडिया'' (सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड को–डिजाइन), ''शेयरिंग से डिस्टेंसिंग रुझान''– कुछ नाम लेने हों तो, कार्यक्षेत्र में महामारी के दूसरी तरफ (अनुभव डिजाइन) जैसे विषयों पर कई विशेषज्ञों के इनपुट प्राप्त करने में सक्षम बनाया ।

बेंगलुरु, मुंबई, नई दिल्ली और कन्नूर परिसर ने सामूहिक रूप से – डिजाइन नवाचार, अनुभव डिजाइन, काल्पनिक डिजाइन (कोविड –19 दिनों के बाद एक रूपांतरित परिदृश्य के संभावित भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना), जिम्मेदार डिजाइन, व्यक्तिगत ब्रांडिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग, डिजाइन थिंकिंग और ट्रेंड रिसर्च, इंटरेक्शन डिजाइन

(यूआई–यूएक्स), सस्टेनेबल सिस्टम, समावेशी डिजाइन और डिजाइन थिंकिंग, शोध पत्र लेखन, एर्गोनोमिक डिजाइन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। बेंगलुरु परिसर द्वारा एक अद्वितीय इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म पेश किया गया था, एक पेचाकुचा ईवनिंग, जिसका शीर्षक था 'फाइंडिंग द सिल्वर लाइनिंग पोस्ट द कोविड क्लाउड'। उद्योग से 25 से अधिक व्यक्ति आमंत्रित थे (टाटा एलेक्सी, गोनेटिव, बेयर एनाटॉमी), परिसर सें इस कार्यक्रम में 100 प्रतिभागी और 200 प्रतिभागी ऑनलाइन मोड सें शामिल हुए।

शिल्प गतिविधियाँ

सभी चार परिसरों के लिए शिल्प अध्ययन और शिल्प जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जो समान स्तर के उद्धार को सुनिश्चित करती हैं। पूरी कार्यशाला में हुई बातचीत ने स्थायी उत्पाद विविधता के मुद्दे को संबोधित करने के लिए छात्रों, शिल्प गैर सरकारी संगठन और शिल्पकारों के बीच भविष्य के डिजाइन सहयोग के द्वार खोल दिए। जीआई पर जागरूकता पैदा करने के लिए गतिविधियों की योजना बनाई गई थी, जीआई के लाभों की व्याख्या करते हुए, जीआई एसोसिएशन में कारीगरों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया, कहानी कहने के माध्यम से ब्रांडिंग और अपने पेशे को आगे बढ़ाने में स्थायी परिवेश के लिए एर्गोनॉमिक्स की आवश्यकता पर बल दिया गया। एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए वर्कस्टेशन और उपकरणों के महत्व पर व्यक्तिगत कारीगरों के साथ उनकी व्यक्तिगत चिंताओं को संबोधित करते हुए चर्चा की गई।

लक्ष्य की प्रभावी उपलब्धि में कार्यशाला का प्रभाव स्पष्ट था, जिसमें कारीगरों ने मोबाइल के माध्यम से पेशेवर फोटोग्राफी सीखी और अपने नए बनाए गए व्यवसाय इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें और कहानियां पोस्ट कीं, साथ ही जीआई एसोसिएशन के साथ पंजीकरण करने की तैयारी की।

उद्योग संबंध और परियोजनाएं

भारत के भीतर और भारत के बाहर पेशेवर युवा शिक्षार्थियों के लिए समय देने में सक्षम हो पाए और सभी परिसरों में एमडी ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। विशेषज्ञों (विवो, अबोड, स्विग्गी, नूतनिक्स डेसिग्नस, लॉलीपॉप डिजाइन, फ्लिपकार्ट और लश फ्रेश हस्तनिर्मित प्रसाधन सामग्री और स्टाइलुमिया) के व्यापक क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने गहन विशेषज्ञता के सभी क्षेत्रों में प्रैक्टिशनर के दृष्टिकोण से मूल्यवान जानकारी देने वाले छात्रों के साथ बातचीत की।

डिजाइन रिसर्च, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, यूजर एक्सपीरियंस, स्टाइलिंग, बैंकिंग, फार्मास्युटिकल्स, हाई फैशन, ट्रैवल, मार्केटिंग सॉल्यूशंस, रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों में 8 सप्ताह की ऑनलाइन इंटर्नशिप एयरटेल, फोनपे, सुवेंचर सर्विसेज थिंक डिजाइन, डिजिटास इंडिया, चंब्रे एंड कंपनी, अर्बन ग्राफिक्स, बजाज फाइनेंस आदि, जैसी कंपनियों में छात्रों द्वारा खोजी गई थीं।

संकाय प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

छात्रों के लिए खुद को फिर से नया बनाना जितना महत्वपूर्ण था, शिक्षा के बदलते परिदृश्य के साथ संपर्क में रहने के लिए शिक्षकों ने भी बदलते समय के साथ आगे रहने की जिम्मेदारी ली। प्रशिक्षण आयोजित किया गया और कई अन्य क्षेत्रों में ''स्वयं और समाज'', ''डिजिटल डिजाइन और संचार'', ''डॉन नॉर्मन'' द्वारा डिजाइन थिंकिंग जैसे क्षेत्रों में भाग लिया।

संकाय उपलब्धि

विभिन्न वेबिनार में एमडीएस फैकल्टी को भी वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया था:

- डॉ वर्षा गुप्ता – डिजिटल फ्यूचरिस्ट एंजल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एमईआईटीवाई स्टार्टअप हब के सहयोग से ''जनजातीय और ग्रामीण भारत में वाणिज्य क्षमता: स्टार्ट–अप के लिए व्यापार परिप्रेक्ष्य'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ वर्षा गुप्ता – नेक्स्ट माइल एंड कंपनी द्वारा ''स्थिरता सरलीकृत'' पर पॉडकास्ट।
- डॉ शालिनी सूद सहगल – कलर, डिजाइन और ट्रेंड्स फोरकास्ट कार्पेट एक्सपोर्ट्स प्रमोशन काउंसिल पर एक वेबिनार में ''कालीनों और फर्निशिंग में रुझान'' में प्रस्तुतिकरण।
- डॉ. शालिनी सूद सहगल – भारत और फिक्की में बायिंग एजेंटों द्वारा ''डिजाइन डायरेक्शन एंड ट्रेंड इनसाइट्स'' में सह– प्रस्तुति।
- डॉ. शालिनी सूद सहगल – भारतीय दूतावास टोक्यो और एमईटीआई (अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय) द्वारा ''तकनीकी वस्त्रों में नवीन प्रौद्योगिकियों'' पर भारत–जापान वेबिनार में ''विजिबल बियॉन्ड द विजिबल: एआई इनेबल्ड फैशन ट्रेंड्स एंड फोरकास्टिंग लैब'' में सह–प्रस्तुति)।
- प्रोफेसर मडवेश पी, (कन्नूर परिसर) – चामराजेंद्र एकेडमी ऑफ गवर्नमेंट विजुअल आर्ट्स कॉलेज, कला इतिहास विभाग, मैसूर में राष्ट्रीय छात्र कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनटैंजिबल कल्चरल हेरिटेज (ग्लोबल इनसीएच जर्नल) या विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों द्वारा डिजाइन पुरस्कारों के लिए जूरी समिति के सदस्यों के रूप में संघों के बोर्ड में संकायों को भी आमंत्रित किया गया था।

एमडी के कुछ संकाय सदस्यों ने अपने कौशल सेट को उन्नत करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का अनुसरण करके अपनी साख को जोड़ा। बेंटले विश्वविद्यालय में कंप्यूटर सूचना प्रणाली के प्रोफेसर बिल शियानो–प्रोफेसर द्वारा ''एक ऑनलाइन वातावरण में केस–आधारित पाठ्यक्रम को स्थानांतरित करने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास'' जैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रम, ''मूर्त चीजें: कलाकृतियों, आर्टऐफाटस , वैज्ञानिक नमूनों और आसपास की सामग्री के माध्यम से इतिहास की खोज''– हार्वर्डएक्स द्वारा, ''सर्कुलर फैशन: डिजाइन, साइंस एंड वैल्यू इन ए सस्टेनेबल क्लोदिंग इंडस्ट्री – वैगनिंगनएक्स, वैगनिंगन यूनिवर्सिटी एंड रिसर्च

द्वारा, ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर लीडर्स'' टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन और ग्रेट लेक्स कार्यकारी प्रशिक्षण ।

हमारे संकाय निफ्ट में अकादमिक प्रतिबद्धता के अलावा परियोजनाओं पर काम करने में भी सक्रिय रहे हैं।

• डॉ. शर्मिला दुआ और सुश्री सुरभि आहूजा (दिल्ली परिसर) – कपड़ा मंत्रालय द्वारा निफ्ट के लिए 28 बुनकर सेवा केंद्र में डिजाइन संसाधन केंद्र स्थापित करना।
• डॉ वर्षा गुप्ता (दिल्ली परिसर)– प्रोजेक्ट प्रतिभा, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार की एक सहयोगी पहल।
• डॉ. शालिनी सूद सहगल (दिल्ली कैंपस)– कपड़ा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित निफ्ट चेन्नई में एक फैकल्टी के साथ मिलकर भारत के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) सक्षम ट्रेंड इनसाइट्स और फोरकास्टिंग लैब की स्थापना।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

अनुसंधान डिजाइन स्नातकोत्तर कार्यक्रम का एक अंतर्निहित मूल है और इसके संकाय के साथ–साथ छात्र पेपर प्रकाशित करके इसे समृद्ध बनाने में योगदान करते हैं।

संकाय

• प्रोफेसर गिरिनाथ जी, सहायक प्रोफेसर (कन्नूर परिसर) – 'डिजाइनिंग फॉर चिल्ड्रेन – विद फोकस ऑन प्ले एंड लर्न' आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन, आईआईटी बॉम्बे द्वारा।
• श्री नितिन अरुण कुलकर्णी, सहायक प्रोफेसर, (मुंबई कैंपस) ने डिजाइन4हेल्थ एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मानव–केंद्रित डिजाइन और व्यवहार विज्ञान का उपयोग करते हुए एक सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त कंगारू केयर बेबी कैरियर, 'संगम' को डिजाइन करना'' का सह–लेखन किया।
• सुश्री कुदरत कश्यप (बैच 2018–2020, बेंगलुरु कैंपस) – आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा डिजाइन में अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2021 में ''ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के लिए स्पेस डिजाइन''। पेपर स्प्रिंगर द्वारा डिजाइन फॉर टुमॉरो नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

• सुश्री सरबानी मुखर्जी, सुश्री इशिता सरकार, श्री आदित्य रत्नापारखी, बैच 2019 के छात्र– 21 (मुंबई परिसर) – अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडिया एच सी आई 2020 में ''अनफरल – संज्ञानात्मक अधिभार व्यवहार चिकित्सा के कारण मानसिक तनाव को कम करें''।

कोविड राहत

छात्रों और शिक्षकों ने विभिन्न स्तरों के लोगों को राहत प्रदान करने में मदद करने के लिए विभिन्न प्रयासों के माध्यम से अथक प्रयास किया।
मुंबई कैंपस के छात्र – सुश्री जया आडवाणी ने कोविड राहत उपायों के लिए इम्पैक्ट्री के साथ दो परियोजनाएं कीं। उन्होंने सकल मीडिया हाउस और इम्पैक्ट्री डेटा टेक्नोलॉजीज के बीच अनुसंधान सहयोग के लिए 8000 से अधिक उत्तरदाताओं का उपयोगकर्ता शोध किया। अध्ययन और डेटा विश्लेषण के परिणामस्वरूप तत्कालीन सीओवीआईडी राहत उपायों के बीच अंतराल की पहचान हुई और दोनों संगठनों के लिए उन अंतरालों को दूर करने की संभावनाओं का विकास हुआ। उनकी दूसरी परियोजना, 'द हंगर कलेक्टिव' ने असहाय लोगों और सहायता करने के इच्छुक लोगों के बीच एक कड़ी बनाई। श्री स्वागतम देब ने महामारी के दौरान दैनिक वस्तुओं की खरीद के लिए एक भौगोलिक क्षेत्र के भीतर व्यक्तियों की सुरक्षित और सुविधाजनक गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए ''प्रणाली'' नामक एक किराना आवंटन योजना प्रणाली विकसित की। सुश्री तेजस्वी ने महाराष्ट्र के ग्रामीण आदिवासी बेल्ट में अत्यंत जरूरतमंद परिवारों को धन जुटाने और मासिक राशन प्रावधान के लिए एकिबेकी और रचनात्मक गरिमा समूह से संबंध स्थापित किया।

दिल्ली की फैकल्टी डॉ. शालिनी सूद सहगल ने 2020–21 में कोविड राहत के लिए किए गए राहत कार्य के लिए एक एनजीओ, ''एन इनिशिएटिव टच योर सोल'' के साथ काम किया, जिसके साथ वह 2017 से स्वयंसेवा कर रही हैं। कोविड राहत के रूप में 1663 बच्चे और उत्तराखंड के पौड़ी और टिहरी क्षेत्र में परिवारों को वित्तीय सहायता, एन–95 मास्क, एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें, स्कूल बैग, योगा मैट, मल्टी – विटामिन की बोतलों के माध्यम से एआईटीएस द्वारा समर्थित किया गया था और धन इकट्ठा करने, सामग्री का प्रबंध और उन्हें वितरित करने की दिशा में काम किया। 2021 में जब दिल्ली में दूसरी लहर आई, तो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और पल्स ऑक्सीमीटर खरीदे गए और दिल्ली–एनसीआर में जरूरतमंद लोगों को वितरित किए गए।

पी एच डी और अनुसंधान

दिल्ली में, निफ्ट अपने प्रधान कार्यालय के माध्यम से डॉक्टरेट पूर्णकालिक और अंशकालिक कार्यक्रम प्रदान करता है। डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों, स्वतंत्र अनुसंधान और ज्ञान के अनुप्रयोग में यह कार्यक्रम उच्च कोटी मान्यता रखता है। यह कार्यक्रम बड़े पैमाने पर अकादमिक और उद्योग के उपयोग के लिए मूल ज्ञान का एक निकाय बनाने के लिए कपड़ा, फैशन और परिधान क्षेत्र में अनुसंधान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

पीएचडी कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया आम तौर पर हर साल जनवरी के महीने में परिणाम की घोषणा और जुलाई के महीने के दौरान पंजीकरण के साथ शुरू होती है। पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए योग्यता डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री के लिए दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट है।

2009 में सात छात्रों के साथ पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया गया था और वर्तमान में 44 छात्र निफ्ट से पीएचडी कर रहे हैं। कार्यक्रम के समय के पैमाने के संबंध में, अंशकालिक उम्मीदवार से पांच साल के भीतर पर्यवेक्षित अध्ययन पूरा करने की उम्मीद की जाती है, जिसे अधिकतम सात साल तक बढ़ाया जाता है और पूर्णकालिक उम्मीदवार से चार साल के भीतर पर्यवेक्षित अध्ययन पूरा करने की उम्मीद की जाती है और उन्हें इस समय अवधि के दौरान मासिक वजीफा दिया जाता है, उनके अध्ययन को महानिदेशक, निफ्ट के विशिष्ट अनुमोदन से अधिकतम छह वर्षों तक बढ़ाया जाता है, 28 विद्वानों ने अब तक पीएचडी पूरी की है।

पीएचडी विद्वानों के शोध शीर्षक इस प्रकार हैं:

क्रमांक	विद्वानों का नाम	शोध का विषय
	2014 –बैच	
1	निशांत शर्मा	फैशन शिक्षा और फैशन उद्योग में पेशेवरों की मांग: पाठ्यचर्या की प्रासंगिकता (थीसिस प्रस्तुत)
2	शालिनी माथुर	वस्त्र रंगाई और छपाई में सतत विकास का मूल्यांकन : जोधपुर में एक अध्ययन (थीसिस प्रस्तुत)
3	मुथु कुमार. वी	ब्रांडेड स्पोर्ट्स शूज के डिजाइन के प्रति ग्राहकों की धारणा: चुनिंदा मामले (थीसिस प्रस्तुत)
4	संजय शर्मा	हिमाचल प्रदेश के हथकरघा क्षेत्र का नैदानिक अध्ययन और सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण (थीसिस प्रस्तुत)

2015–बैच		
5	आर.एस. जयदीप	पारंपरिक पयन्नूर बेल मेटल क्राफ्ट की दृश्य पहचान और उत्पाद विकास के लिए इसके अनुप्रयोग को समझना
6	अनुपम कपूर	भारतीय उपभोक्ता के कपड़ों की खपत और निपटान पैटर्न (डिग्री प्रतीक्षित)
2016–बैच		
7	एकता गुप्ता	कच्छ गुजरात के मोती भारत के सुई शिल्प पर एकता गुप्ता केस स्टडीः नए क्षितिज की खोज (पूर्व–पीएचडी जमा)
8	नीतू सिंह	भारत में लौनजेरी खरीदारों को ब्रांड अनुभव प्रदान करने वाले कारकों की पहचान (डिग्री की प्रतीक्षा)
9	शीना गुप्ता	ब्रांडिंग आयामों का उपभोक्ता के रचनात्मक रवैये पर प्रभाव – भारत में किफायती लक्जरी परिधान बाजार का एक अध्ययन'
2017–बैच		
10	आस्था गर्ग	परिधान खरीद निर्णय पर ब्रांड के मूल देश और निर्माण के देश का प्रभाव
11	भारती मोइत्रा	भारत में परिधान उद्योग में निष्पक्ष व्यापार और नैतिक प्रथाओं का अध्ययन
12	सुष्मिता दास	1847 से 1947 तक ब्रिटिश राज के दौरान बंगाल के पहनावे और महिलाओं की पहचान
13	सुरंजन लाहिड़ी	परिधान निर्माण क्षेत्र के मानव संसाधन के लिए डिजिटल साक्षरता का अध्ययन
2018–बैच		
14	मोहन कुमार वी.के.	भारत में कम्प्यूटरीकृत अभिन्न बुनाई का अध्ययनः डिजाइन और प्रौद्योगिकी में अन्वेषण
15	शिप्रा रॉय	मैसूर रोजवुड के कलमकारी कारीगरों के बीच क्राफ्ट प्रैक्टिस
16	रितु सेठी	हेरिटेज एंड सस्टेनेबिलिटी इन हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग ऑन टेक्सटाइल्स–केस स्टडी ऑफ बाग, मध्य प्रदेश
17	शुभांगी यादव	भारत के हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने में डिजिटल मार्केटिंग पर अध्ययन
18	महिमा नंद	सस्टेनेबिलिटी संचालित उद्यमिताः एक खोजपूर्ण दृष्टिकोण
19	शांतनु रमन	नकल करे हुए फैशन खरीदने के इरादे के निर्धारक
2019–बैच		
20	अभिलाषा सिंह (एन टी एफ)	एफ डी एम सिलाई मशीनों के प्रेसर फुट का निर्माण का प्रयोगात्मक अध्ययन
21	अन्नू कुमारी (एनटीएफ)	भारतीय वयस्क महिलाओं की प्लस–साइज श्रेणी के लिए मानक आकार चार्ट का विकास
22	अमित गुप्ता (एनटीएफ)	सीवेज डाइवर्स (मैनुअल मैला ढोने वाले) के लिए सुरक्षात्मक सूट का प्रोटोटाइप विकास
23	भावना चौहान (एनटीएफ)	चलने एवं फिरने में अक्षमता वाली कॉर्पोरेट कामकाजी महिलाओं की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को दूर करने के लिए अनुकूल कपड़ों की भूमिका और प्रभाव
24	निसाफी लिंडेम (एनटीएफ)	सांस्कृतिक लाक्षणिकता, नागालैंड में हाथ से बुने हुए वस्त्रों का पुनर्विनियोजन और पारंपरिक डिजाइन और रूपांकनों के उपयोग से जुड़े मुद्दे
25	दिव्या एस	आरामदायक मातृत्व चोली का डिजाइन और विकास
26	आंचल त्रेहन	भारत में गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं की शारीरिक छवि पर सोशल मीडिया का प्रभाव
27	साक्षी बब्बर	भारतीय हस्तशिल्प वस्त्र रंगाई प्रथाओं में आध्यात्मिकता के साथ बुनाई
28	नटवरलाल भट्टड	सह–निर्माण और फैशन के क्षेत्र पर इसका प्रभाव
29	प्रेरणा नारायण	बिहार हस्तशिल्प में महिला उद्यमिताः ''अबला'' से ''सक्षम'' का बदलाव लाने के लिए एक अध्ययन
30	नूपुर चोपड़ा	आयातित पोस्ट–कंज्यूमर टेक्सटाइल और कपड़ों के कचरे के प्रबंधन के लिए भारत में क्लोज्ड–लूप रिसाइकल्ड टेक्सटाइल सप्लाई चेन का अध्ययन।
31	अमीषा मेहता	गिग इकॉनमी और फैशन व्यवसाय का भविष्य – एक भारतीय परिप्रेक्ष्य

32	सुमिता अग्रवाल	भारत में होम टेक्सटाइल फैशन सेगमेंट का विश्लेषण
33	साक्षी राठौर	भारतीय खुदरा उद्योग के फैशन और जीवन शैली खंड के लिए एटीट्यूड ब्रांडिंग का एक अध्ययन
34	आरती सोलंकी	भारतीय परिधान उद्योग के संदर्भ में निर्माण रणनीति
35	सुभलक्ष्मी क्रोपी	भुइयां भारत के अलग–अलग विकलांग व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ियों के लिए खेलों के अनुकूल स्पोर्टसवीयर डिजाइन और विकास
	2020–बैच	
36	श्री प्रकाश दत्त	परिधान निर्माण में सतत विकास और इसके पर्यावरणीय प्रभाव
37	सुश्री अनुजा जे	जीवन के लिए धागे की पुर्नव्याख्या केरल के मौजूदा फाइबर शिल्प पर एक नया दृष्टिकोण।
38	श्री अहमद अशरफ जैदी	भारतीय परिधान उद्योग में ब्लॉक चैन के अनुप्रयोग के माध्यम से रैखिक से परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर
39	श्री राघवन संथानम	कृत्रिम बुद्धि के माध्यम से एक परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर फैशन और परिधान मूल्य श्रृंखला को फिर से आकार देना: एक रणनीतिक ढांचे का विकास
40	सुश्री लवीना	भारतीय पारंपरिक लोक मीडिया का एक तुलनात्मक अध्ययन: एक क्रॉस–सांस्कृतिक समकालीन मीडिया की आवाज को एकीकृत करना
41	सुश्री रूपाली	काकारिया सिट्रोनेला ऑयल से मच्छर भगाने वाले वस्त्र
42	सुश्री नंदिनी लाल	संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भारत का फैशन शिक्षा दृष्टिकोण
43	सुश्री अदिति अग्रवाल	भारत में डिजाइनर फैशन उद्यमों के लिए सतत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
44	श्री अखिलेंद्र प्रताप	सोनकर फैशन ब्रांड इक्विटी की स्थापना के लिए परिधान फैशन के रुझान को प्रसारित करने के लिए एक अनिवार्य रणनीति के रूप में विजुअल मर्चेंडाइजिंग पर एक अध्ययन

निफ्ट ने 2020 में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान निम्नलिखित विद्वानों को पीएचडी डिग्री प्रदान की है

क्र.सं.	पीएचडी विद्वान का नाम	पर्यवेक्षक का नाम	अनुसंधान का विषय
1	डॉ. परमिता सरकार	डॉ. नीलांजना बैरागी	त्रिपुरा की जनजातीय वेशभूषा और उसके परिवर्तन पर एक अध्ययन
2	डॉ. ऋचा शर्मा	डॉ. नीलांजना बैरागी	होम फैशन के लिए टेक्सटाइल्स पर फोटो–ल्यूमिनसेंट स्पेशियलिटी पिगमेंट के ल्यूमिनेसिसेंस के प्रभाव पर अध्ययन
3	डॉ प्रेरणा कौशल	प्रो डॉ जीएचएस प्रसाद	भारत की घरेलू परिधान आपूर्ति श्रृंखला में सतत अभ्यास: उद्योग और उपभोक्ता अध्ययन
4	डॉ. जोमिचन एस. पथथिल	प्रो. डॉ. सिबिचन मैथ्यू	भारतीय परिधान निर्माण क्षेत्र में सीएडी को अपनाना: हितधारकों की धारणा का आकलन
5	डॉ. अरिंदम दास	प्रो. डॉ. सिबिचन मैथ्यू	रचनात्मकता के आकलन के लिए एक रूपरेखा: निफ्ट में फैशन डिजाइन कार्यक्रम पर एक केस रिसर्च

आईपीआर इकाई ने संकाय सदस्यों के लिए निम्नलिखित ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया:

1. 26 जून 2020 को पेटेंट और टिफाक की भूमिका को समझना।
2. अंतर्राष्ट्रीय फैशन वकील, सुश्री मोनिका मोइसिन के साथ 18 जुलाई 2020 को विसुअल साहित्यिक चोरी और साहित्यिक चोरी से बचने के नियम'
3. 1 अगस्त 2020 को डॉ मोनिका भारद्वाज, टेक्सास विश्वविद्यालय के साथ शिक्षण और अनुसंधान में अकादमिक अखंडता का अभ्यास: सिद्धांत से अभ्यास तक।
4. वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ अमरेश चक्रवर्ती, आईआईएससी द्वारा 7 अगस्त 2020 को शैक्षणिक गतिविधियों में नैतिक अखंडता।

यूनिट ने ट्रेडमार्क रजिस्ट्री के साथ विजन नेक्स्ट प्रोजेक्ट के लिए ट्रेडमार्क दायर किया।

इस अवधि के दौरान, निम्नलिखित पेटेंट के लिए पेटेंट प्रक्रिया शुरू की गई है:

आकलन तिथि	आविष्कार नाम	आविष्कारक
16–अप्रैल–21	सुई रिप्लेसमेंट सिस्टम जिसे इन्वेंटर्स द्वारा इंस्टेंट नीडल माउंटिंग सिस्टम के रूप में भी संबोधित किया गया।	श्री शुभम तिलारा, प्रो. डॉ. प्रबीर जाना और प्रो डॉ. सुहैल अनवर और अन्य
12–07–2021	सिंगल पीस फ्लैट स्प्रिंग प्रेशर फुट	सुश्री अभिलाहसा, डॉ प्रबीर जाना, डॉ दीपक पंघाल और अन्य
12–07–2021	न्यूमैटिक फोल्डर	श्री नवीन, डॉ प्रबीर जाना, डॉ दीपक पंघाल और अन्य
12–07–2021	प्रेशर फुट बाउल असेंबली	डॉ प्रबीर जाना, डॉ दीपक पंघाल और अन्य

निफ्ट अनुसंधान आचार समिति

निफ्ट अनुसंधान आचार समिति की स्थापना मार्च 2019 में की गई थी। एनआरईसी एक स्वतंत्र समीक्षा समिति / बोर्ड है, जिसमें मेडिकल और गैर–मेडिकल क्षेत्र के व्यक्ति सदस्य है, इसकी जिम्मेदारी अनुसंधान अध्ययन में शामिल मानव विषयों के अधिकारों, सुरक्षा और भलाई की रक्षा करना है।

एनआरईसी का उद्देश्य अध्ययन प्रस्तावों के वैज्ञानिक और नैतिक पहलुओं की एक सक्षम समीक्षा सुनिश्चित करना है।

सतत शिक्षा कार्यक्रम

वस्त्र क्षेत्र में विकास की तीव्र गति के साथ उद्योग में पेशेवरों के लिए शिक्षा जारी रखना एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है। उद्योग की जरूरतों के अनुरूप श्रमशक्ति प्रशिक्षण और ज्ञान उन्नयन को पूरा करने के लिए निफ्ट में सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) की स्थापना की गई है। सीईपी के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रम पेशेवरों के लिए अपने ज्ञान के आधार को आगे बढ़ाने या उद्योग में प्रवेश करने के लिए नए उम्मीदवारों के लिए शैक्षिक आवश्यकताओं के व्यापक वर्णक्रम की आवश्यकता को पूरा करते हैं। हम इस तथ्य पर गर्व करते हैं कि निफ्ट देश के परिधान क्षेत्र के लिए सबसे पसंदीदा सतत शिक्षा कार्यक्रमों में से एक है।

निफ्ट द्वारा प्रस्तावित सीईपी परिधान उद्योग के डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में सीमाओं से संबंधित प्रशिक्षण और ज्ञान के प्रसार के उद्देश्यों को बढ़ावा देना जारी रखता है। वर्ष 2020–2021, के दौरान छह निफ्ट परिसरों में 18 सतत शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश की गई, जिससे कुल रु 5,49 09,653/– का राजस्व प्राप्त हुआ जो कि गत वर्ष 2019–20 में रु. 7,75,84,941/– था। राजस्व में यह कमी वर्तमान महामारी की स्थिति के कारण हुई है जिसने कई नियोजित पाठ्यक्रमों के प्रारंभ में बाधा उत्पन्न की है।

सतत शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश के अलावा, निफ्ट डिप्लोमा कार्यक्रम भी प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य बुनियादी ढांचे और अन्य संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए परिसरों को वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनाना है। डिप्लोमा कार्यक्रमों का उद्देश्य स्थानीय छात्रों के लिए मूल्य वर्धित कार्यक्रमों की पेशकश करना है जिन राज्यों में निफ्ट के नए परिसर स्थित हैं। संशोधित क्रेडिट प्रणाली के अनुसार और वर्तमान उद्योग की जरूरतों पर ध्यान देने के साथ डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में संशोधन शुरू किया गया है। नए प्रारूप में डिप्लोमा कार्यक्रम 2021–22 शैक्षणिक वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा।

सतत शिक्षा और डिप्लोमा कार्यक्रम के साथ, ब्रिज कार्यक्रम को वर्ष 2009 में एक पूरक कार्यक्रम के रूप में पेश किया गया था ताकि पूर्व निफ्ट स्नातक छात्र डिप्लोमा के बाद डिग्री प्राप्त कर सकें। शुरुआत में 2009–2014 के बीच 5 वर्षों के लिए इसकी पेशकश की गई थी, जिसे पूर्व छात्रों की मांग के आधार पर 2016 तक बढ़ा दिया गया था। वर्ष 2019 में विश्व स्तर पर फैले हुए पूर्व छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑनलाइन ब्रिज कार्यक्रम शुरू किया गया है।

वर्ष 2020 में कुल 39 छात्रों ने प्रवेश लिए जिसमें दो सेमेस्टर के लिए स्नातक ब्रिज कार्यक्रम (एफडी और एडी) में 17 और एक सेमेस्टर के लिए स्नातकोत्तर ब्रिज कार्यक्रम (एलडी, केडी, टीडी, एफसी, जीएमटी और एएमएम) में 22 छात्र थे। 2020–21 के पहले सेमेस्टर से कुल राजस्व रुपये 55,44,025/– प्राप्त हुआ था।

प्रवेश

प्रवेश वर्ष 2020 में, 17 परिसरों में 10 कार्यक्रमों (स्नातक / स्नातकोत्तर) में कुल 4517 सीटें उपलब्ध थीं।

26604 से अधिक उम्मीदवारों ने निफ्ट में प्रवेश के लिए आवेदन किया था। इनमें से 3810 (नियमित, राज्य अधिवास, ईडब्ल्यूएस और एनआरआई) उम्मीदवारों को मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया गया था। 2020 में भरी गई सीटों की स्थिति इस प्रकार है:

श्रेणी	उपलब्ध सीटें	भरी हुई सीटें
नियमित	3442	3160
राज्य अधिवास	313	152
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस)	318	307
एनआरआई	444	191
कुल	4517	3810

छात्र विकास गतिविधियाँ

छात्र विकास कार्यक्रम

निफ्ट परिसर में अपनी शिक्षा को अधिक समग्र और पूर्ण बनाने के लिए निफ्ट छात्रों को शारीरिक, शैक्षणिक और कलात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सभी निफ्ट परिसरों में छात्र विकास कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन गतिविधियों में भागीदारी उनके शैक्षणिक अध्ययन को पूरक और सुविधाजनक बनाती है, साथ ही दिन–प्रतिदिन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सामाजिकता, आराम, मनोरंजन और पुनर्जीवित होने के तरीके भी प्रदान करती है।

फैशन स्पेक्ट्रम 2021

''फैशन स्पेक्ट्रम'' निफ्ट का बहुप्रतीक्षित वार्षिक उत्सव है जो सभी परिसरों में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में हर साल व्यापक रूप से सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक क्लब गतिविधियों का संगम देखा जाता है। परिसरों में डिजाइन प्रतियोगिताएं, व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएंय नुक्कड़ नाटकय वाद–विवादय स्टार/सेलिब्रिटी/डीजे प्रदर्शन, सांस्कृतिक प्रदर्शन; रक्तदान; और विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उद्योग के सदस्य, संकाय सदस्य और निफ्ट और अन्य प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्र विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

कन्वर्ज 2020

कन्वर्ज एक अंतर – परिसरीय सांस्कृतिक और खेल आयोजन है जो हर साल दिसंबर के महीने में विभिन्न निफ्ट परिसरों के छात्रों के बीच बातचीत के अवसर के साथ–साथ एक व्यापक समग्र विकास प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है।

अन्य गतिविधियां

सम्पूर्ण और समग्र विकास के लिए सभी परिसरों के छात्रों ने निम्नलिखित एसडीए क्लबों द्वारा आयोजित गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला में भाग लियाः

1. सांस्कृतिक क्लब
2. साहित्यिक क्लब
3. खेल, साहसिक कार्य और फोटोग्राफी (एसएपी) क्लब
4. नैतिकता, सामाजिक सेवा और पर्यावरण (ईएसएसई) क्लब।

इन गतिविधियों में भागीदारी छात्रों के शैक्षणिक अध्ययन को पूरक और सुविधाजनक बनाती है, जबकि उन्हें सामाजिकता, आराम और पुनर्जीवित होने के तरीके प्रदान करती है। छात्रों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया क्योंकि इसने उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक मंच प्रदान किया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एक महामारी के रूप में घोषित किए गए कोविड –19 के प्रसार को देखते हुए, भारत सरकार ने 2020 में देशव्यापी लॉकडॉउन (सचिव, गृह मंत्रालय द्वारा जारी) के लिए निर्देश जारी किए थे । सभी निफ्ट परिसर में पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन माध्यम से पूरा किया गया। कनवर्ज 2020, फैशन स्पेक्ट्रम 2021 और अन्य गतिविधियाँ कोविड –19 महामारी के कारण आयोजित नहीं की जा सकीं।

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू संपर्क

अंतर्राष्ट्रीय संपर्क

निफ्ट की अकादमिक रणनीति में अंतर्राष्ट्रीयतावाद शामिल है। इन वर्षों में, निफ्ट ने जानबूझकर अपनी अंतरराष्ट्रीय दृश्यता और पहचान विदेशों के अन्य प्रतिष्ठित फैशन संस्थानों के बीच बढ़ाई है। निफ्ट ने 31 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फैशन संस्थानों और संगठनों के साथ रणनीतिक समझौता और साझेदारी की है जिनकी शैक्षणिक दिशा हमसे मिलती–जुलती है। एक तरफ यह निफ्ट के छात्रों को सहयोगी संस्थानों के साथ एक्सचेंज कार्यक्रम का विकल्प चुनकर फैशन की वैश्विक मुख्यधारा के साथ एकीकृत करने का एक अनूठा अवसर देता है और दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय छात्रों को निफ्ट में इसी तरह के 'विदेश में अध्ययन' के विकल्प प्रदान करता है। यह निफ्ट के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के छात्रों के साथ बातचीत करने, उन्हें अपनी दृष्टि को व्यापक बनाने और विभिन्न संस्कृतियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दिया जाने वाला 'विदेश में अध्ययन' का अवसर सभी 17 निफ्ट परिसरों और विभिन्न पाठ्यक्रम विषयों के तहत उपलब्ध है।

छात्र विनिमय गतिविधियों के अलावा, आई एंड डी एल उन प्रक्रियाओं की भी सुविधा प्रदान करता है जिससे निफ्ट में संकाय अकादमिक विनिमय कार्यक्रमों, अंतरराष्ट्रीय मेलों, सेमिनारों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों और व्यापार शो में भाग ले सकता है जो निफ्ट में ज्ञान को समृद्ध करने के लिए कक्षा में पर्याप्त अनुभव प्रदान करता है।

निफ्ट के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

क्र.सं.	अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	देश
1	क्वींसलैंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (क्यूयूटी)	ऑस्ट्रेलिया
2	रॉयल मेलबर्न प्रौद्योगिकी संस्थान (आरएमआईटी)	ऑस्ट्रेलिया
3	मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय (एमएमयू)	यूके
4	ईएसएमओडी	जर्मनी, फ्रांस
5	श्वाइजरिस्चे टेक्सटाइल्स फाचस्चुले एसटीएफ (पहले एससी)	स्विट्जरलैंड
6	फैशन प्रौद्योगिकी का संस्थान (एफआईटी)	यूएसए
7	न्यूयॉर्क स्टेट विश्वविद्यालय, बफेलो कॉलेज	यूएसए
8	एम्सटर्डम फैशन संस्थान (एएमएफआई)	नीदरलैंड
9	सैक्सियन एप्लाईड साईन्सेज विश्वविद्यालय	नीदरलैंड
10	इकोले नेशनल सुपीरियर डेस आर्ट्स एट उद्योग टेक्सटिलेस (ई एन एस ए आई टी)	फ्रांस
11	इंस्टिट्यूट यूरोपियो डि डिजाइन (आईईडी)	इटली
12	नुओवा एकेडेमिया डि बेले आरती (एनएबीए)	इटली
13	डी मोंट फोर्ट यूनिवर्सिटी (डीएमयू)	यूके

14	ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट्स (जीएसए)	यूके
15	बी जी एम ई ए फैशन और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (बी यू एफ टी)	बांग्लादेश
16	बंका गाकुएन विश्वविद्यालय	जापान
17	फैशन और डिजाइन संस्थान (एफडीआई)	मॉरीशस
18	डोंघुआ विश्वविद्यालय	चीन
19	नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय	यूके
20	इकोले डुपरे	फ्रांस
21	पोलिटेक्निको डि मिलानो (पीडीएम)	इटली
22	शेनकर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड डिजाइन एंड आर्ट	इजराइल
23	के ई ए – कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी	डेनमार्क
24	उत्तरी कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी	यूएसए
25	सवाना कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन	यूएसए
26	नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी	यूके
27	मैसी विश्वविद्यालय	न्यूजीलैंड
28	एनामोमा	फ्रांस
29	कोवेंट्री विश्वविद्यालय	यूके
30	रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स (केएबीके)	नीदरलैंड्स
31	ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी	यूएसए

पिछले कुछ वर्षों में, निफ्ट ने मैसी यूनिवर्सिटी (न्यूजीलैंड), एनामोमा (फ्रांस), कोवेंट्री यूनिवर्सिटी (यूके), रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स (केएबीके – नीदरलैंड्स) और ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए जैसे कुछ सम्मानित विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की है।

साथी संस्थानों से छात्र विनिमय कार्यक्रम

आई एंड डीएल यूनिट द्वारा संचालित महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक छात्र विनिमय है। साझेदार संस्थानों/ विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों का आदान–प्रदान या तो एक सेमेस्टर के लिए होता है या गर्मियों में 2–3 सप्ताह की लघु अवधि कार्यक्रम के लिए या एक साल की दोहरी डिग्री के रूप में होता है। संस्थान अंतरराष्ट्रीय छात्रों को निफ्ट की ओर आकर्षित करता है और विदेशी छात्रों को अकादमिक और सांस्कृतिक समृद्धि में अनुभव प्रदान करता है। विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से, विदेशी संस्थानों के छात्र न केवल भारतीय संस्कृति, कला और शिल्प में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं बल्कि भारतीय बाजार और इसकी गतिशीलता की समझ भी उनमें विकसित होती है। इसलिए, आई एंड डीएल आने वाले विदेशी छात्रों और बाहर जाने वाले निफ्ट छात्रों दोनों के लिए विनिमय गतिविधियों का समर्थन करता है।

दोहरी डिग्रीः फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी), न्यूयॉर्क, यूएसए के साथ निफ्ट की रणनीतिक साझेदारी निफ्ट और एफआईटी दोनों से दोहरी डिग्री प्राप्त करने के लिए एक अद्वितीय अवसर के लिए निफ्ट से मेधावी छात्रों के चयन की अनुमति देती है। निफ्ट के छात्र गृह संस्थान में दो साल का अध्ययन एफआईटी में एक वर्ष के अध्ययन के साथ करते हैं, जिसके बाद वे निफ्ट में अपना अंतिम वर्ष पूरा करते हैं। अगस्त 2019 से जून 2020 तक इस साझेदारी से 21 निफ्ट छात्रों को लाभ हुआ था। निफ्ट और एफआईटी द्वारा 19 छात्रों को अगस्त 2020 से जून 2021 तक दोहरी डिग्री के लिए चुना गया था, लेकिन वे वैश्विक महामारी के कारण अंतर्राष्ट्रीय यात्रा नहीं कर सके। अगस्त 2021 से जून 2022 तक दोहरी डिग्री के हिस्से के रूप में एक वर्षीय एएएस कार्यक्रम शुरू करने के लिए एफआईटी, यूएसए द्वारा 62 छात्रों का चयन किया जाता है। एफआईटी में एएएस कार्यक्रम के लिए मेधावी छात्रों के चयन की प्रक्रिया सितंबर 2020 में शुरू हुई और छात्रों को न्यूयॉर्क, यूएसए के लिए यात्रा करने के लिए अगस्त 2021 में निर्धारित किया गया है।

उड़ानः निफ्ट आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को उड़ान छात्रवृत्ति के रूप में विदेश में अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। उड़ान के तहत, आई एंड डीएल यूनिट ने सितंबर 2019 में ई एन एस ए ई टी, फ्रांस में जनवरी से जून 2020 तक सेमेस्टर विनियम के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। शुरू में परिसर स्तर पर और फिर अंत में प्रधान कार्यालय में तीन स्तरों की जांच के बाद, निफ्ट, हैदराबाद की एक छात्रा, सुश्री अनुषा काशिव को उड़ान छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। उसने जून 2020 में ई एन एस ए ई टी, फ्रांस में उड़ान छात्रवृत्ति का लाभ उठाते हुए अपना सेमेस्टर एक्सचेंज सफलतापूर्वक पूरा किया।

2019– 2021 में सेमेस्टर, ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम और दोहरी डिग्री के लिए छात्र विनिमय का विवरणः

गतिविधि	समयावधि	विदेश जाने वाले/ आने वाले	विनिमय अवसर छात्र का लाभ उठाने वाले छात्रों संख्या
सहयोगी/ साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों का विनिमय कार्यक्रम	जनवरी– जून 2021	विदेश से आने वाले छात्र	बीयूएफटी –03 सैक्सियन – 02 एनसैट – 13 केईए – 03 डीएमयू – 02
			बीयूएफटी –04 ई एन एस ए ई टी –10 (ई एन एस ए ई टी मार्च 2020 में महामारी की स्थिति के कारण छात्रों को फ्रांस वापस जाना पड़ा)
	जुलाई– दिसंबर 2020	आने वाले और बाहर जाने वाले छात्र	*शून्य (महामारी के कारण निफ्ट में कोई अंतर्राष्ट्रीय अवसर उपलब्ध नहीं कराया गया)

सेमेस्टर विनिमय कार्यक्रम उडान योजना (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के निफ्ट छात्रों के लिए छात्रवृत्ति) निवर्तमान सत्र विनिमय	जनवरी – जून 2021	आने वाले और बाहर जाने वाले छात्र	हैदराबाद के 01 छात्र ने ई एन एस ए ई टी, फ्रांस जाने के लिए उड़ान छात्रवृत्ति का लाभ उठाया
ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम, एसटीएफः टेक्सटाइल कॉलेज, स्विट्जरलैंड	2020	आने वाले और बाहर जाने वाले छात्र	*शून्य (महामारी के कारण एसटीएफ में कोई शॉर्ट टर्म प्रोग्राम अवसर उपलब्ध नहीं कराया गया)
		जनवरी, 2020 निफ्ट आने वाले एसटीसी छात्र	22 छात्रों ने जनवरी 2020 में थोड़े समय के लिए निफ्ट बेंगलुरु का दौरा किया।
एफ आई टी, न्यूयॉर्क में दोहरी डिग्री का अवसर	एफ आई टी से दोहरी डिग्री अगस्त 2019 से जून 2020 तक।		जून 2020 में दोहरी डिग्री के भाग के रूप में एफ आई टी में कार्यक्रम 21 छात्रों ने एफ आई टी से दोहरी डिग्री में अपना एक वर्ष का एएएस कार्यक्रम पूरा किया
	एफ आई टी, न्यूयॉर्क में दोहरी डिग्री का अवसर अगस्त 2020 से जुलाई 2021 तक		*शून्य (19 छात्र जिन्हें निफ्ट द्वारा एफआईटी की दोहरी डिग्री के लिए चुना गया था, वे वैश्विक महामारी के कारण अंतर्राष्ट्रीय यात्रा नहीं कर सके)
	एफआईटी से दोहरी डिग्री अगस्त 2021 से जुलाई 2022 तक		62 छात्रों का चयन एफआईटी, यूएसए द्वारा दोहरी डिग्री कार्यक्रम के तहत एक वर्षीय एएएस कार्यक्रम के लिए किया गया है। वे अगस्त 2021 में न्यूयॉर्क, यूएसए की यात्रा करने वाले हैं।

सैक्सियनः सैक्सियन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नीदरलैंड्स

ई एन एस ए ई टीः इकोले नेशनेल सुप्रीयर डेस आर्ट्स एंड इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल्स, फ्रांस

केईएः कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, डेनमार्क

डीएमयूः डी मोंट फोर्ट यूनिवर्सिटी, यूके

बी यू एफ टी : बी जी एम ई ए फैशन और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांग्लादेश

एसटीएफः टेक्सटाइल कॉलेज, स्विट्जरलैंड

फिटः फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क, यूएस

* वैश्विक महामारी की स्थिति के कारण जुलाई से दिसंबर 2020 और जनवरी से जून 2021 के सेमेस्टर में कोई सत्र विनिमय गतिविधियां नहीं हुईं।

नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

पिछले दो वर्षों में, निफ्ट ने कुछ प्रतिष्ठित फैशन संस्थानों/ विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की है जैसेः

- मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड
- एनामोमा, फ्रांस
- ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए
- रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स (केएबीके, नीदरलैंड्स)
- कला और डिजाइन स्कूल, कोवेंट्री विश्वविद्यालय, यूके

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से निफ्ट और सहयोगी संस्थानों के छात्रों और संकाय सदस्यों को लाभ होगा।

वार्षिक सदस्यता

निफ्ट इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट्स (आईएफएफटीआई) का सदस्य है जो इंटरनेशनल फैशन और टेक्सटाइल संस्थानों का एक वैश्विक नेटवर्क है। वर्तमान में, आई एफ एफ टी आई में 28 देशों के 61 फैशन सदस्य संस्थान हैं। निफ्ट, क्यूम्यलस का भी सदस्य है, जो एक वैश्विक संघ है जिसका उद्देश्य कला और डिजाइन शिक्षा और अनुसंधान की सेवा करना है। वर्तमान में, क्यूम्यलस के 61 देशों के सदस्यों के रूप में 340 कला और डिजाइन संस्थान हैं।

शिल्प समुदाय विकास

भारत में फैशन शिक्षा के एक अग्रेता के रूप में, निफ्ट को अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के महत्व का एहसास है और यह जमीन से जुडे हुए डिजाइनरों को बनाने के अपने प्रयास को जारी रखता है, जो भारत के विभिन्न शिल्पों का संरक्षण करने और उन्हें बढ़ावा देने में सक्षम हैं। कई शैक्षणिक गतिविधियां छात्रों को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने और क्षेत्रीय संवेदनाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करने में मदद करती हैं। निफ्ट में शिल्प समुदाय पहल छात्रों को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने और जमीनी स्तर पर अनुभव साझा करने के अवसर प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। इस पहल के माध्यम से, निफ्ट फैशन में शिल्प को आत्मसात करने में व्यापक जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करने में सफल रहा है और इसके विपरीत, शिल्प समुदाय पहल कार्यक्रम निफ्ट के छात्रों को हर साल भारत के विविध रूप से समृद्ध और अद्वितीय हथकरघा और हस्तशिल्प के लिए एक व्यवस्थित, निरंतर और नियमित प्रदर्शन प्रदान करता है। विशेषज्ञता के अनुसार, छात्र क्लस्टर में डिजाइन बुद्धिमत्ता, डिजाइन नवाचार, उत्पाद विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ब्रांड प्रबंधन, खुदरा उद्यमिता, संगठनात्मक विकास और सिस्टम डिजाइन और विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करते हैं। छात्र प्रक्रिया नवाचार, उत्पादन योजना, और अनुसंधान –आधारित आशुरचना और गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्रों में भी योगदान करते हैं। छात्र लोगो, प्रचार सामग्री जैसे पोस्टर, ब्रोशर और कैटलॉग के माध्यम से हथकरघा और हस्तशिल्प समूहों की विशिष्ट पहचान विकसित करने के लिए कारीगरों और बुनकरों की सहायता करते हैं।

प्रत्येक परिसर ने 5 वर्षों की अवधि के लिए 2 – 5 शिल्प समूहों को अपनाया है। पहल के तहत शामिल गतिविधियों की सूची तालिका 1 में प्रस्तुत की गई है।

तालिका 1: विभिन्न विभागों द्वारा की गई गतिविधियों की सूची

क्र. सं.	गतिविधि	गतिविधि की प्रकृति
1.	छात्र परिसर के आसपास एक शिल्प क्लस्टर का दौरा करते हैं	शिल्पकारों के साथ बातचीत के माध्यम से शिल्प को समझना और 1–5 दिनों की अवधि के लिए आसपास के शिल्प समूहों के दौरे के माध्यम से उनकी चुनौतियों को समझना।
2.	निफ्ट परिसर में कारीगरों द्वारा शिल्प प्रदर्शन	छात्रों को कौशल प्रदर्शन के लिए परिसर के आसपास के शहरी शिल्प समूहों से या पहचाने गए शिल्प समूहों से कारीगरों को आमंत्रित किया जाता है।
3.	शिल्प अध्ययन और संगोष्ठी	उद्योग, सरकारी एजेंसियों और शिल्प क्षेत्र के पेशेवरों सहित दर्शकों को चयनित पेपर प्रस्तुत करने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है।
4.	शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन	देश के ग्रामीण सौंदर्यशास्त्र, गांवों की सांस्कृतिक और सामाजिक समझ के संवेदीकरण के लिए दो सप्ताह के शिल्प समूह का दौराय शिल्प प्रलेखन में प्रक्रिया प्रलेखन और नैदानिक अध्ययन शामिल हैं।

5.	शिल्पकार के साथ उत्पाद विकास	यह सातवें सेमेस्टर के छात्रों द्वारा शुरू की गई एक इन–फील्ड गतिविधि है जिसका उद्देश्य क्षेत्र में उत्पादों का विकास करना है।
6.	कारीगर और बुनकरों के लिए जागरूकता कार्यशालाएं	प्रत्येक विभाग द्वारा आयोजित की जाती हैं साल में एक बार उनके तहत कारीगर और शिल्प समूहों के लिए जागरूकता कार्यशालाएं उनके द्वारा इस पहल के माध्यम से की जाती हैं। ये कार्यशालाएं उनकी शहरी बाजारों की समझ बढ़ाने के लिए आयोजित की जाती है । वे निफ्ट छात्रों संकाय और छात्रों के साथ रुझानों और बाजार की मांग को समझने और ज्ञान साझा करना के लिए बातचीत करते हैं।

शिल्प समूह पहल गतिविधियां

पिछले साल महामारी की चपेट में आने के बाद भी, सभी निफ्ट परिसरों ने विभिन्न समूहों के भीतर इन शिल्प समूह गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन किया। निफ्ट के 15 परिसरों ने ऊपर सूचीबद्ध गतिविधियों के माध्यम से कारीगरों के साथ बातचीत की और शामिल हुए। कारीगरों के लाभ और छात्रों की शिक्षा पर कोई समझौता किए बिना गतिविधियों के तौर–तरीकों में भारी बदलाव आया। कारीगर जागरूकता कार्यशालाओं के तहत कारीगरों के लिए कार्यशालाओं का संचालन करने का तरीका और कारीगरों द्वारा, विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करके सब कुछ भौतिक से डिजिटल में परिवर्तित हो गया। इसने देश के सभी के विभिन्न कारीगरों के साथ हर केंद्र के संकाय और छात्रों के संचार क्षितिज का विस्तार किया और अंतिम उत्पादों की डिजिटल अवधारणा कई केंद्रों द्वारा की गई थी। गांधीनगर केंद्र ने शिल्प बाजार का आयोजन किया जहां लक्षति समूहों से कारीगरों और बुनकरों को आमंत्रित किया गया था। इस शिल्प बाजार को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया गया और बुनकरों और कारीगरों द्वारा विकसित उत्पादों की बिक्री के लिए एक मंच प्रदान किया गया। शिल्प बाजार को मीडिया से प्रशंसा मिली क्योंकि इसे स्थानीय समाचार पत्रों में भी शामिल किया गया है। कारीगरों ने उन्हें आमंत्रित करने और उन्हें शहरी बाजारों में पेश करने की पहल की सराहना की और शहरी ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझने में उनकी मदद की। कुछ केंद्रों ने सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए अपने दस्तकारी उत्पादों के प्रचार के लिए कारीगरों और विकसित ई–कैटलॉग से डेटा का मिलान किया, जिसमें पिछले साल महामारी के कारण भौतिक कार्यशालाएं और शिल्प बाजार आयोजित नहीं किए जा सके थे।

शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन और शिल्प आधारित डिजाइन परियोजनाओं को भी ऑनलाइन मोड पर सभी केंद्रों में सफलतापूर्वक संचालन किया गया था। उत्पादों को कुछ केंद्रों द्वारा विकसित किया गया था और अंतिम उत्पादों की डिजिटल अवधारणा कई केंद्रों द्वारा की गई थी। महामारी और प्रतिबंधों के बाद भी, कुछ नए समूहों और कारीगरों से संपर्क किया गया और उन्हें शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन गतिविधि के तहत शामिल किया गया। शामिल किए गए नए क्लस्टर थेः– एरी सिल्क हैंडलूम क्लस्टर, मेंदीपाथर–मेघालयय कपास हथकरघा क्लस्टर, कोकराझार–असमय ब्लैक पॉटरी, लोंगपी विलेज, उखरूल – मणिपुरय बांस शिल्प – त्रिपुराय त्रिपुरा के आभूषणय उदयनारायणपुर हैंडलूम क्लस्टर, हावड़ा – पश्चिम बंगालय पत्थर की नक्काशी, कोणार्क और पेपर माचे और गाय के गोबर के खिलौने, रघुराजपुर – उड़ीसाय कॉपर – वेयर, विलो विकर और पश्मीना बुनाई – श्रीनगरय कसावु साड़ी– एर्नाकुलमय बांस शिल्प– चंद्रपुरय टेराकोटा शिल्प – भद्रावतीय टेराकोटा शिल्प– कच्छय सिंधी कढ़ाई – जोधपुरय अप्लीक वर्क एम्ब्रॉयडरी – जोधपुर। पपीयर माचे डांसिंग डॉल, सिंगपेरुमलकोइलय बाबिन फीता और कढ़ाई, नागरकोइलय नारियल शैल शिल्प, पांडिचेरीय अरी कढ़ाई, कावेरापेट्टईय केन क्राफ्ट और कोरा ग्रास मैट, थैक्कल–कोलिदामय ताड़ का पत्ता, शिवगंगईय हथकरघा बुनाई, सिरुमुगई– तमिलनाडु। इस शिल्प क्लस्टर पहल से जागरूकता और लाभ प्राप्त करने वाले नए कारीगरों की संख्या लगभग सत्तर (70) थी।

और अंतिम उत्पादों की डिजिटल अवधारणा कई केंद्रों द्वारा की गई थी। महामारी और प्रतिबंधों के बाद भी, कुछ नए समूहों और कारीगरों से संपर्क किया गया और उन्हें शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन गतिविधि के तहत शामिल किया गया। शामिल किए गए नए क्लस्टर थेः– एरी सिल्क हैंडलूम क्लस्टर, मेंदीपाथर–मेघालयय; कपास हथकरघा क्लस्टर, कोकराझार–असमय ब्लैक पॉटरी, लोंगपी विलेज, उखरूल – मणिपुरय बांस शिल्प – त्रिपुरा; त्रिपुरा के आभूषणय उदयनारायणपुर हैंडलूम क्लस्टर, हावड़ा – पश्चिम बंगाल; पत्थर की नक्काशी, कोणार्क और पेपर माचे और गाय के गोबर के खिलौने, रघुराजपुर – उड़ीसा; कॉपर – वेयर, विलो विकर और पश्मीना वीविंग – श्रीनगर; कसावु साड़ी– एर्नाकुलमय बांस शिल्प– चंद्रपुरय टेराकोटा शिल्प – भद्रावतीय टेराकोटा शिल्प – कच्छय सिंधी कढ़ाई – जोधपुर; अप्लीक वर्क एम्ब्रॉयडरी – जोधपुर; पपीयर माचे डांसिंग डॉल, सिंगपेरुमलकोइलय अटेरन फीता और कढ़ाई, नागरकोइलय नारियल शैल शिल्प, पांडिचेरीय अरी कढ़ाई, कावेरापेट्टईय केन क्राफ्ट और कोरा ग्रास मैट, थैक्कल–कोलिदामय ताड़ का पत्ता, शिवगंगईय हथकरघा बुनाई, सिरुमुगई– तमिलनाडु। इस शिल्प क्लस्टर पहल से जागरूकता और लाभ प्राप्त करने वाले नए कारीगरों की संख्या लगभग सत्तर (70) थी।

शिल्प आधारित स्नातक परियोजनाएं

वर्ष 2021 में, निफ्ट परिसरों के पैंतीस छात्रों द्वारा नौ हथकरघा क्लस्टर आधारित और छब्बीस हस्तशिल्प क्लस्टर आधारित स्नातक परियोजनाएं शुरू की गईं। स्नातक सेमेस्टर के छात्रों ने पट्टू बुनाई, राजस्थान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शिल्प आधारित परियोजनाएं शुरू कीं, नैदानिक अध्ययन और डिजाइन हस्तक्षेप के साथ पुलेटिकुरु की पारंपरिक हथकरघा बुनाई को पुनर्जीवित कर, बारपाली के इकत में डिजाइन हस्तक्षेप, हथकरघा जामदानी, फुलिया क्लस्टर, नदिया जिला, पश्चिम बंगाल, उडुपी साड़ी, नया सराय, रांची (झारक्राफ्ट स्वामित्व क्लस्टर) के हैंडलूम क्लस्टर में रेशम और कपास हथकरघा बुनाई, मुबारकपुर हैंडलूम क्लस्टर में डिजाइन हस्तक्षेप, उत्तर प्रदेश, कच्छ का बाटिक, कच्छ गुजरात और डिजाइन हस्तक्षेपः चट्टा पट्टी वर्क, ब्यावर, राजस्थान का जवाजा चमड़ा शिल्प, कसुती

कढ़ाई, धारवाड़, कर्नाटक, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल से चमड़े पर बाटिक, त्सोम्स का अर्थ भोटी भाषा में मिट्टी के बर्तन हैंय ट्रांस हिमालय में एक लुप्तप्राय लिपि, ''सावंतवाड़ी खिलौने'' (लकड़ीखेलनी), बैक टू द सॉयल (टेराकोटा), बांस में बुनी गई रिंगाल कहानियां, बेलागुन्था की काइनेटिक ब्रास फिश, राजस्थान की फड़ पेंटिंग में डिजाइन हस्तक्षेप, कसुती कढ़ाई क्लस्टर कर्नाटक, बाग प्रिंट क्लस्टर के लिए नया बाजार मंच बनाना, मिट्टी के साथ पाइन सुई शिल्प का डिजाइन हस्तक्षेप, मेरठ के मूज घास शिल्प में डिजाइन हस्तक्षेप, पाइन सुई का उपयोग करके फैशन सहायक उपकरण का विकास, चंबा के धातु शिल्प का डिजाइन हस्तक्षेप, पानीपत की ड्यूरी बुनाई शिल्प, लकड़ी, धातु आदि, शीश कढ़ाई, सारंगपुर क्लस्टर, गुजरात, ताला पत्र चित्र, रघुराजपुर क्लस्टर, भुवनेश्वर जैसी अन्य सामग्री के साथ पाइन सुई के संलयन द्वारा लैंप शेड और उपयोगिता उत्पाद विकसित करना, उड़ीसा, सिक्की क्राफ्ट, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी क्लस्टर– बिहार, कच्छ का बटिक, गुजरात, छत्तापट्टी, शिल्प लखनऊ (हस्तशिल्प) अल्मोड़ा हस्त बुनाई क्लस्टर, धुबरी, असम में जूट और केले के रेशे शिल्प, एरी रेशम बुनाई और खनेंग कढ़ाई, मेघालय। इन सभी परियोजनाओं को डीसी हैंडलूम और डीसी हस्तशिल्प के कार्यालय द्वारा प्रायोजित किया गया था।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (एन आर सी), निफ्ट के संसाधन केंद्रों के नेटवर्क के समन्वयक निकाय, का उद्देश्य निफ्ट के संकाय और छात्रों के लिए एक अति अत्याधुनिक ज्ञान पोर्टल बनाना है। 2020–21 में इसकी गतिविधियों को सभी निफ्ट परिसरों में सहयोगी संग्रह विकास और बैंचमार्किंग के माध्यम से अधिकतम संसाधन साझाकरण और मानकीकरण प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया था। संसाधन केंद्रों के इस नेटवर्क की सामग्री और प्रिंट संसाधनों के एकीकृत संग्रह ने संस्थान के शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों का समर्थन किया। संसाधन केंद्रों ने डिजाइन समुदाय, उद्योग और उद्यमियों को सूचना सेवाएं भी प्रदान कीं।

2020–21 के दौरान एनआरसी की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

• सभी निफ्ट परिसरों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों से संबंधित प्रिंट, डिजिटल प्रारूप और नमूने आदि में पुस्तकों का चयनात्मक अधिग्रहण।

• सभी निफ्ट परिसरों के लिए नौ ई–पत्रिकाओं और ऑनलाइन डेटाबेस/सेवाओं जैसे टेक्सटाइल आउटलुक इंटरनेशनल, जेस्टोर और प्रॉक्वेस्ट के एबीआई–इनफॉर्म की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया।

• सभी निफ्ट परिसरों के लिए ब्लूम्सबरी फैशन सेंट्रल का नवीनीकरण। बर्ग फैशन लाइब्रेरी. फेयरचाइल्ड बुक्स लाइब्रेरी . फैशन फोटोग्राफी आर्काइव सभी इस सेवा में शामिल हैं।

• सभी निफ्ट परिसरों के लिए मैगजटर का नवीनीकरण, जो एक ऑनलाइन वैश्विक डिजिटल पत्रिका पोर्टल है जहाँ 3000 से अधिक प्रमुख प्रकाशकों की पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। यह सभी निफ्ट छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों के लिए मोबाइल ऐप के माध्यम से भी उपलब्ध है।

• एनआरसी ने सभी निफ्ट परिसरों के लिए प्रोमोस्टाइल, फैशन, जीवन शैली और इंटीरियर पर डब्ल्यूजीएसएन की सेवाओं जैसी अंतरराष्ट्रीय पूर्वानुमान सेवाओं की सदस्यता के नवीनीकरण के माध्यम से अपनी आर्थिक गतिविधियों को मजबूत किया।

सूचना प्रौद्योगिकी

नई सहस्राब्दी में फैशन पेशेवरों की सफलता फैशन और सूचना प्रौद्योगिकी को सार्थक तरीके से एकीकृत होने की उनकी क्षमता पर टिकी हुई है। निफ्ट में अकादमिक समुदाय को प्रदान की जाने वाली आईटी सहायता भारत के अन्य सभी डिजाइन संस्थानों के लिए एक मिसाल है।
इस विभाग की पहल पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए अन्य विभागों के साथ मिलकर काम करके संस्थान में एक आईटी सक्षम सीखने के माहौल का निर्माण किया। प्रत्येक निफ्ट परिसर में अब योग्य और अनुभवी आईटी पेशेवरों के साथ स्वतंत्र, पूरी तरह से परिचालन सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाएं हैं। कंप्यूटर लैब अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से लैस हैं। प्रत्येक लैब में सर्वर, वर्कस्टेशन, पर्सनल कंप्यूटर, प्लॉटर, डिजिटाइजर, इमेज स्कैनर, वाइड फॉर्मेट प्रिंटर, डिजिटल कैमरा आदि होते हैं। वर्तमान में निफ्ट के सभी सत्रह परिसर नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) से 100 एमबीपीएस बैंडविड्थ कनेक्शन से जुड़े हैं।

चित्रण, पैटर्न बनाने, ग्रेडिंग, मार्कर बनाने, बुना हुआ कपड़ा डिजाइन, कपड़ा डिजाइन, सहायक डिजाइन और लेआउट के लिए सीएडी सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में उपयोग किया जाता है। ग्राफिक डिजाइनिंग, एनिमेशन, 2डी/3डी मॉडलिंग, फोटो इमेजिंग और एडिटिंगय सांख्यिकीय विश्लेषण और बाजार अनुसंधान के लिए अन्य सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग किया जाता है। छात्रों को आरडीबीएमएस, विंडोज प्रोग्रामिंग, मल्टीमीडिया, ईआरपी, एडवांस प्लानिंग और शेड्यूलिंगय सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग आदि जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों पर सॉफ्टवेयर विकास के लिए आवश्यक अन्य कंप्यूटर एप्लिकेशन भी सिखाए जाते हैं । निफ्ट सभी परिसरों में छात्रों को वाई–फाई सुविधा प्रदान करता है।

2020–21 के दौरान आईटी विभाग ने निफ्ट में कार्यालय और अकादमिक प्रबंधन में आईसीटी के अनुप्रयोगों को बढ़ाने के लिए विभिन्न पहल कीं, ताकि निफ्ट परिसरों, एचओ और एनआईएफटी के बाहर आभासी बैठकों की व्यवस्था करने, ऑनलाइन सेमिनार, वेबिनार की सुविधा, ऑनलाइन कक्षाएं, व्याख्यान आदि आयोजित करने के लिए सेवाओं की दक्षता और प्रक्रियाओं की पारदर्शिता बढ़ाई जा सके।

उपरोक्त के अलावा, 2020–21 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ भी की गईः

• निफ्ट के छात्रों के लिए एकीकृत ईमेल, कैलेंडरिंग और सहयोग समाधान और 2020 के छात्रों के बैचों के लिए व्यक्तिगत ईमेल आईडी और समूह मेल आईडी (विभागवार और बैचवार) बनाया।

• सभी निफ्ट परिसरों में ऑनलाइन सुविधाओं का अधिकतम उपयोग किया गया। शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों विभागों द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से कई परिसरों, आभासी बैठकों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों आदि में वर्चुअल रीयल–टाइम कक्षा शिक्षण किया गया।

• साहित्यिक चोरी के लिए शोध पत्रों की जांच के लिए निफ्ट संकाय सदस्यों द्वारा उरकुंड सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है।

उद्यम संसाधन योजना

ईआरपी टीम ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के शैक्षणिक स्वचालन प्रक्रियाओं और सूचना संसाधनों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कक्षाओं के सुचारू संचालन और अकादमिक वितरण को सुनिश्चित करने के लिए डीन, सीपी, परिसर निदेशकों, सीएसी और सीसी के लिए डैशबोर्ड और अपवाद रिपोर्ट के रूप में विभिन्न निगरानी उपकरण बनाए गए।

परिणाम तैयार करने और प्रकाशित करने में परीक्षा नियंत्रक (सी ओ ई) टीम की सुविधा के लिए कोविड के दौरान परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया बनाई गई थी। मैप किए गए विषयों और नए पाठ्यक्रम विषयों के अनुरूप एलओए मामलों के लिए परिणाम तैयार किए गए।

अनुसंधान इकाई के लिए ऑनलाइन परीक्षा प्रक्रिया बनाई गई और ऑनलाइन परीक्षाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया। नियमित छात्र की थ्योरी परीक्षाओं के लिए इसी तरह की ऑनलाइन परीक्षा सुविधाएँ बनाई गई थीं। पायू के साथ ऑनलाइन भुगतान गेटवे शुल्क संग्रह के लिए बनाया गया था, वित्त टीम के लिए भागों में प्राप्त शुल्क के मिलान के लिए ऑनलाइन प्रावधान किया गया। नियमित कार्यक्रमों, सीई कार्यक्रमों, ब्रिज कार्यक्रमों और अनुसंधान विद्वानों के सभी छात्र सीएमएस में बनाई गई ऑनलाइन भुगतान गेटवे सुविधाओं का उपयोग करके ऑनलाइन शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ईआरपी टीम ने अंतर विभागीय माइनर्स की सारणी बनाने के लिए, गहन विशेषज्ञता, सामान्य ऐच्छिक अनिवार्य और वैकल्पिक विषय की चयन प्रक्रिया के लिए परिसरों को तकनीकी सहायता भी प्रदान की। गहन विशेषज्ञता और अंतर अनुशासनिक माइनर विषयों को छात्रों द्वारा अपलोड की गई वरीयता और उनके अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर सॉफ्टवेयर द्वारा स्वचालित रूप से आवंटित किया गया था। सीएमएस में ऐसी विशेषताएं भी हैं जो छात्रों को सामान्य वैकल्पिक अनिवार्य/वैकल्पिक और अतिरिक्त सामान्य वैकल्पिक विषयों को चुनने की अनुमति देती हैं। परिसर प्रबंधन समाधान में बनाए गए अग्रिम डैशबोर्ड विशेषताएं सामान्य ऐच्छिक (अनिवार्य/वैकल्पिक) को पूरा करते हैं, प्रत्येक छात्र द्वारा सामान्य ऐच्छिक विषयों में स्कोर किए गए क्रेडिट के अलावा कुल क्रेडिट का ट्रैक रखता है।

अनुसंधान प्रक्रिया स्वचालन अनुसंधान विद्वानों के लिए बनाया गया था और जुलाई 2021 में सीएमएस के नए वर्जन के साथ एक अलग मॉड्यूल लॉन्च होने जा रहा है।

अन्य गतिविधियां की गईं जिनमें ऑनलाइन परिणाम तैयार करना नियमित प्रकाशन और परीक्षा और मूल्यांकन नीति के अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई, विषयों की मैपिंग के लिए ऑनलाइन परिणाम तैयार करना शामिल है। छात्र स्थायी स्थानांतरण (एसपीटी 2020), नए पाठ्यक्रम कार्यान्वयन की निगरानी के लिए अकादमिक वितरण रिपोर्ट, की नई विश्लेषिकी शामिल हैं।

ईआरपी यूनिट ने 'इंडिया साइज' – सामाजिक जनसांख्यिकी डेटा सर्वेक्षण और डेटा विश्लेषण के निर्माण के लिए डेटा एकत्र करने के लिए 'इंडिया साइज' परियोजना के लिए ऐप भी विकसित किया। पूर्वानुमान के लिए कृत्रिम बौद्धिकता आधारित समाधान के लिए इमेज डेटा कैप्चर करने के लिए यूनिट ने विजिन नेक्स्ट मोबाइल ऐप के लिए एपीआई भी विकसित किया। विजिन नेक्स्ट परियोजना के विभिन्न पदों पर उम्मीदवारों की भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी।

2020 और 2021 बैच के छात्रों को समायोजित करने के लिए प्लेसमेंट 2021 के लिए सॉफ्टवेयर सुविधाओं को अनुकूलित किया गया था। चुनिंदा रिपोर्ट और नौकरी ढूँढने वालों के लिए फॉर्म में बदलाव किए गए। सीएमएस सिस्टम में अद्यतन पीपीओ विवरण सुनिश्चित करने के लिए उद्योग प्रतिक्रिया विकल्प को शामिल किया गया था।

ऑनलाइन एपीएआर प्रक्रिया बनाई गई और परीक्षण के कई दौर पूरे किए गए। बनाई गई प्रक्रिया में संकाय के प्रदर्शन के लिए सीएमएस डेटाबेस से रियल टाइम डेटा कैप्चर करना, संकाय द्वारा अद्यतन किए गए अंक – आधारित संकाय कार्यप्रभार अनुक्रमणिका, कई अफसरों के पास रेपोर्टिंग के अधिकार सहित, समीक्षा अफसर और स्वीकार करने वाले अधिकारी को अपनी टिप्पणियां प्रदान करने के लिए शामिल हैं। स्थापना दल पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगा और एपीएआर को ऑनलाइन प्रकट करेगा और अभ्यावेदन को संबोधित करेगा। स्थापना टीम से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद लाइव जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

सार्थक ऑनलाइन आवेदन फॉर्म बनाए गए और सीएमएस में आवेदन जांच और अनुमोदन प्रक्रिया बनाई गई। सिस्टम को उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए विभिन्न अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष वीडियो ट्यूटोरियल बनाए गए। उपयोगकर्ताओं के मुद्दों को अपलोड करने और मुद्दों को हल करने के लिए ऑनलाइन समर्थन प्रक्रिया बनाई गई थी।

कैंपस प्लेसमेंट

उद्योग और पूर्व छात्र मामलों की इकाई इंटर्नशिप, सलाह, उद्योग परियोजनाओं और प्लेसमेंट जैसे विभिन्न रूपों में उद्योग के साथ उद्योग जुड़ाव की सुविधा प्रदान करती है। वर्ष 2020 में नियोजित परिसर स्थानन महामारी के कारण बाधित हो गया था। उद्योग की आवश्यकता के जवाब में, यूनिट ने जुलाई 2020 से जून 2021 तक पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में 2020 बैच के स्नातकों की नियुक्ति की योजना बनाई और निष्पादित की। ऑनलाइन प्लेसमेंट के दौरान कुल 195 कंपनियों ने भाग लिया। निफ्ट पेशेवरों की भर्ती के लिए प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने प्लेसमेंट में भाग लिया। ऑनलाइन प्लेसमेंट में भाग लेने वाली कंपनियों की प्रोफाइल बड़े खुदरा विक्रेताओं, ब्रांड विपणक, निर्माताओं, परामर्श संगठनों, ई–खुदरा विक्रेताओं, बैंकिंग, कपड़ा मिलों, होम फर्निशिंग कंपनियां, डिजाइन और ज्ञान प्रक्रिया आउटसोर्सिंग, प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता, यूआई /यूएक्स, अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और स्टार्ट–अप फर्म जैसे उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों से है। स्नातक छात्र अक्सर उन संस्थानों में नौकरी करते हैं जहां उन्होंने इंटर्नशिप की थी या जिनके लिए उन्होंने स्नातक परियोजनाएं की थीं। प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां निफ्ट पेशेवरों की भर्ती के लिए प्रयास करती हैं। प्लेसमेंट के दौरान भाग लेने वाली कुछ प्रमुख कंपनियों में एबीएफआरएल, अपैरल यूएई, अरविंद ब्रांड्स, बेस्ट कॉरपोरेशन, क्लासिक फैशन, डेकाथलॉन, गोल्डमैन सैक्स, सीआईईएल टेक्सटाइल्स, इंफो एज, लैंडमार्क ग्रुप, मिंत्रा, पेटीएम, रिलायंस ब्रांड्स, शॉपर स्टॉप, टाटा क्लिक, उनीकलों,डब्लू एफ एक्स,विप्रो आदि हैं। निफ्ट लगातार उद्यमिता को बढ़ावा देता है और अपने स्नातकों को उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करता है। निफ्ट ने एक नया पुर्नगठित पाठ्यक्रम शुरू किया है,

जिसने विघटनकारी प्रौद्योगिकियों सहित नए और उभरते क्षेत्रों को शामिल किया है और उच्च उद्योग जुड़ाव के लिए पहल की है। ऐसा माना जाता है कि महामारी के दौरान भी जब कई संगठन कर्मचारियों की संख्या कम कर रहे थे, तब भी इनसे निफ्ट में उद्योग की बढ़ती दिलचस्पी में योगदान मिला है।

उद्योग और पूर्व छात्रों की बातचीत पर वेबिनार

उद्योग की भागीदारी उद्योग और पूर्व छात्र मामलों की इकाई ने निफ्ट के विभिन्न परिसरों में निफ्ट के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए विभिन्न उद्योग बातचीत का आयोजन किया, इनमें से कुछ पहलों का उल्लेख नीचे किया गया है:

1. आई एंड एए इकाई ने महामारी युग में प्रासंगिक विषयों के बारे में छात्रों और पूर्व छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए अगस्त 2020 से जनवरी 2021 तक वेबिनार का आयोजन किया। चर्चा के विषय और वक्ता हैं

क. 9 अगस्त 2020 को 'नए सामान्य की कल्पना के लिए उद्योग का अकादमिक जुड़ाव' । वक्ताओं में श्री केएस सनल कुमार – सीएमडी, क्लासिक फैशन अपैरल इंडस्ट्री लिमिटेड कं, जॉर्डन, श्री सरबजीत घोष, ईडी (एशिया) – सीआईईएल टेक्सटाइल लिमिटेड और एमडी – लगुना क्लोदिंग, श्री गौतम मुखर्जी, कार्यकारी निदेशक – हमीम ग्रुप, बांग्लादेश और श्री राकेश रंजन, व्यापार प्रणाली प्रबंधक (वैश्विक आपूर्ति) – एच एंड एम, हांगकांग।

ख. 13 सितंबर 2020 को फैशन में स्थिरता, स्पीकर थे श्री अभिषेक बंसल, प्रमुख – स्थिरता, अरविंद ग्रुप, इंडिया, सुश्री अनुप्रीत भुई, वरिष्ठ कमिशन प्रबंधक, डब्ल्यूजीएसएन, हांगकांग, श्री निधि राज, उत्पाद निदेशक, एबीएफआरएल, भारत और श्री राकेश कुमार सिंह, हेड– मर्कैंडाइजिंग एंड ऑपरेशंस, ब्लू इंक, लंदन।

ग. 11 अक्टूबर 2020 को 'भारत का पहला फैशन इकोसिस्टम– आत्मानिर्भर', वक्ताओं में श्री नरेंद्र कुमार अहमद, क्रिएटिव प्रमुख, अमेजॅन, श्री वेंकी नागन, ग्रुप सीईओ, अस्मारा इंटरनेशनल, श्री गौरव अरोड़ा, निदेशक, विनिर्माण उत्कृष्टता और श्री अभिषेक जायसवाल एमडी, अफियन इंटरनेशनल थे।

घ. 8 नवंबर 2020 को 'टेक्सटाइल, क्राफ्ट, क्लोदिंग, कॉमर्स एंड मोर', श्री संजय गर्ग, संस्थापक, रॉ मैंगो, श्री डेविड अब्राहम, डिजाइनर, अब्राहम और ठाकोर, सुश्री जया जेटली,

शिल्प विशेषज्ञ और लेखक और श्रीमान पल्लब बनर्जी, ग्रुप प्रेसिडेंट, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड थे।

ड. 31 जनवरी 2021 को ''फैशन जीवन शैली और विलासिता नए सामान्य में'', वक्ताओं में श्री सुकेत धीर, संस्थापक और डिजाइनर, मैसर्स सुकेत धीर और श्री आर वी सुब्रमण्यम, वीपी– डिजाइन, मेसर्स मुफ्ती थे।

2. महामारी के तनावपूर्ण समय के दौरान, छात्र और नए स्नातक संघर्ष कर रहे थे। उद्योग के वरिष्ठों के साथ, जो उनके कल्याण की देखभाल करते हैं, के साथ सार्थक बातचीत के माध्यम से तनाव को दूर करने में मदद करने के लिए, 'निफ्ट वी केयर' के सहयोग से परामर्श सत्र आयोजित किए गए थे। ''निफ्ट वी केयर'' वरिष्ठ पूर्व छात्रों की एक टीम है, जो ऑनलाइन सलाह सत्र ''लेट्स चौट'' की एक श्रृंखला के माध्यम से 2020 के स्नातक बैच और 2021 के बैच के साथ बातचीत और समर्थन करने के लिए एक साथ आए थे। ये ऑनलाइन सत्र प्रत्येक शनिवार को शाम 5:30 से 6:30 बजे के बीच आयोजित किए गए थे। वरिष्ठ पूर्व छात्रों ने निफ्ट के युवा स्नातकों के साथ बेहतर और निरंतर व्यक्तिगत संबंध के माध्यम से छात्रों को दक्षता, उद्योग की तैयारी, करियर योजना, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता, डिजाइन, इंटर्नशिप आदि में मार्गदर्शन किया। अगस्त–दिसंबर 2020 के दौरान ग्यारह शनिवार को सत्र आयोजित किए गए।

सेमिनार और कार्यशालाएं

• निफ्ट मुंबई परिसर में उद्योग विशेषज्ञों– टीसीएस सीएचआरओ, मिलिंद लक्कड़ के साथ बातचीत का आयोजन किया गयाय टीसीएस प्रतिभा अधिग्रहण के प्रमुख (टीएजी), कृष गणेशन और प्रतिभा विकास (टीडी), जनार्दन संथानम टीसीएस द्वारा युवा प्रतिभाओं के लिए डिजाइन किए गए विकास पथ पर।

• 24 जून 2020 को डॉ. तरुण कुमार अग्रवाल, पूर्व छात्र, डीएफटी हैदराबाद, पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता, सतत उत्पादन विकास विभाग, केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन द्वारा आयोजित ''उद्योग 4.0 के लिए अकादमिक अनुसंधान के माध्यम से कैरियर क्राफ्टिंग''।

• 17 अक्टूबर 2020 को श्री रोहित कांत प्रसाद, डीएफटी, निफ्ट, हैदराबाद के पूर्व छात्र, पीटर इंग्लैंड के रिटेल ग्रुप मैनेजर के रूप में एबीएफआरएल से जुड़े श्री रोहित कांत प्रसाद द्वारा ''डीएफटी छात्र के रूप में अन्वेषण करने के लिए विभिन्न रास्ते'' शीर्षक से संगोष्ठी/उद्योग बातचीत का आयोजन किया गया।

• अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरानः श्री शायंतन सरकार, पूर्व छात्र एफडी और सुश्री अमृता गांगुली बीएफटी पूर्व छात्रों ने निफ्ट कोलकाता के 2020–24 यूजी और 2020–22 पीजी बैचों के नए प्रवेशकों को संबोधित किया और उनके साथ बातचीत की।

• सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निफ्ट कोलकाता में व्याख्यान देने के लिए निफ्ट के वरिष्ठ पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया था

• श्री धनेंद्र राठौर, लीड के साथ कांगड़ा परिसर में आयोजित ''फैशन उद्योग और सॉफ्ट कौशल आवश्यकताओं के वर्तमान परिदृश्य'' पर कार्यशाला – ई–कॉमर्स और ओमनी चौनल, रेमंड अपैरल लिमिटेड, मुंबई और श्री कार्तव्य शर्मा, प्रमुख –बिक्री और व्यावसायिक डिजाइन विकास, आरयूजे वुडक्राफ्ट।

• निफ्ट पटना टीम ने प्लेसमेंट 2020 – 2021 में भाग लेने वाले छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। चार उद्योग विशेषज्ञों द्वारा दो चरणों में आयोजित कार्यशाला में वर्तमान उद्योग परिदृश्य, क्या उम्मीद की जाए, समग्र सौंदर्य और तैयारी के लिए विशेषज्ञ सुझाव और निफ्ट स्थानन के लिए मार्गदर्शन साझा किया गया। प्रमुख उद्योग और पूर्व छात्र मामले (आई एंड एए), यूनिट प्रभारी (इंडस्ट्री रिलेशंस), यूनिट प्रभारी (पूर्व छात्र मामले), सीएसी निफ्ट पटना, सभी विभाग सीसी, संकाय सदस्य, आरआईसी और लिंक–आरआईसी निफ्ट पटना ने छात्र और विशेषज्ञों के बीच प्रश्नोत्तर सत्र के बाद छात्रों को संबोधित किया।

• चंद्रशेखर भेड़ा, विपुल वस्त्र और हस्तशिल्प उत्पाद डिजाइनर द्वारा उद्योग के परिप्रेक्ष्य को बदलने पर कार्यशाला 6 जनवरी 2021 को निफ्ट पटना में आयोजित की गई थी।

दीक्षांत समारोह

शैक्षणिक वर्ष के स्नातक छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए हर साल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाता है। 2020 में, संबंधित परिसरों में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा।

2020 में कुल 3085 स्नातकों को डिग्री प्रदान की जाएगी। कैंपस के अनुसार और कार्यक्रम के अनुसार विवरण नीचे दिया गया है:

2020 में स्नातक निफ्ट के छात्र: कार्यक्रम और परिसर के अनुसार																	
शैक्षणिक कार्यक्रम	बेंगलुरु	भोपाल	भुवनेश्वर	चेन्नई	गांधीनगर	हैदराबाद	जोधपुर	कांगड़ा	कोलकाता	कन्नूर	मुंबई	नई दिल्ली	पटना	रायबरेली	शिलांग	श्रीनगर	कुल
बैचलर ऑफ डिजाइन (एक्सेसरी डिजाइन)	30	32	30	28	34	34	31	28	29		31	33	32	26	27		427
बैचलर ऑफ डिजाइन (फैशन कम्यूनिकेशन)	36		31	26	30	26	30	33	34	36	52	31	33	25		13	436
बैचलर ऑफ डिजाइन (फैशन डिजाइन)	36		29	40	37	33	34	33	40	33	59	35	35	17	24	18	503
बैचलर ऑफ डिजाइन (निटवेयर का डिजाइन)	35			20		29			28	35	33	30					210
बैचलर ऑफ डिजाइन (लैदर डिजाइन)				26					34			37		21			118
बैचलर ऑफ डिजाइन (वस्त्र डिजाइन)	31	34	32	27	34	28	29	27	30	27	35	34	33				401
फैशन प्रौद्योगिकी स्नातक (परिधान उत्पादन)	33		28	31	25	29	28	28	29	26	30	35	28				350
डिजाइन स्नातकोत्तर	32									33	31	31					127
फैशन प्रबंधन के मास्टर	36	32	31	33	34	33	31		28	28	35	33	31	24	21		430
फैशन प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	22			18	21							22					83
कुल	291	98	181	249	215	212	183	149	252	218	306	321	192	113	72	31	3083

उपरोक्त के अलावा, निफ्ट दिल्ली कैंपस के दीक्षांत समारोह 2020 समारोह में तीन विद्वानों को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की डिग्री प्रदान की जाएगी।

एफओटीडी

एफओटीडी इकाई यह सुनिश्चित करने के लिए संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करती है कि सभी निफ्ट परिसर आत्मनिर्भर रहें और बाहरी संकाय संसाधनों पर उनकी निर्भरता कम से कम हो। इस वर्ष, महामारी के कारण, संकाय का प्रशिक्षण अलग तरह से आयोजित किया गया था।

ऑनलाइन फैकल्टी प्रशिक्षणः जून 2020 से निफ्ट ने सभी परिसरों में फैकल्टी के लिए 13 ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किए। ऑनलाइन प्रशिक्षण के मुख्य आकर्षण थेः

1. दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विशेषज्ञों को शामिल करने से सामग्री वितरण की उच्च गुणवत्ता की सुविधा हुई।

2. डिजिटल प्रिंट एडिटिंग तकनीक, लीन मैनेजमेंट, डिजिटल मीडिया मार्केटिंग, परफॉर्मेंस टेक्सटाइल्स, स्मार्ट टेक्सटाइल और वियरेबल जैसे विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इन प्रशिक्षणों के लिए नियुक्त प्रशिक्षक आई आई टी –दिल्ली, आई आई एम – इंदौर, आई आई एम –शिलांग, एम आई सी ए जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से हैं। उद्योग विशेषज्ञ अरविंद मिल्स, एडिडास और अमेजन से हैं।

3. स्वयं और समाज, रचनात्मक सोच कौशल और फैशन स्टाइलिंग जैसे विषयों के लिए प्रख्यात हस्तियों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इन प्रशिक्षणों में व्यवसाय के क्षेत्र में इतिहासकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वास्तुकारों और नवप्रवर्तकों के सत्र शामिल थे।

4. निफ्ट के वरिष्ठ संकाय और डोमेन विशेषज्ञों ने टूल और ऑनलाइन शिक्षण की शिक्षाशास्त्र पर पाठ्यक्रम के लिए सहयोग किया ।

5. प्रत्येक विभाग ने ऑनलाइन शिक्षण के दौरान छात्रों को पढ़ाने, डिजाइन करने और छात्रों का आकलन करने के लिए पूरे संकाय को प्रशिक्षित करने के लिए डिजाइन प्रसार और मूल्यांकन पर ऑनलाइन सत्र आयोजित किए।

6. कुछ फैकल्टी सदस्यों ने लोकप्रिय पोर्टल जैसे कौरसेरा आदि द्वारा पेश किए गए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को भी अपनाकर खुद को उन्नत किया।

सभी परिसरों में 400 से अधिक संकाय सदस्य विशेषज्ञों से सीखने का लाभ लेने में सक्षम थे। बड़ी संख्या में शामिल इस तरह के प्रशिक्षण केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से ही संभव थे। एफओटीडी यूनिट ने अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों को आकर्षित करने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षकों के लिए संशोधित पारिश्रमिक का भी प्रस्ताव रखा, ताकि भविष्य में निफ्ट ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के माध्यम से संकाय के लिए मिश्रित प्रशिक्षण की सुविधा जारी रख सके।

व्यावसायिक विकास नीति को प्रशासन मण्डल – निफ्ट द्वारा संशोधित और अनुमोदित किया गया था ताकि संकाय सदस्यों के लिए कई अन्य गतिविधियों को शामिल किया जा सके ताकि वे खुद को उन्नयन और पुनः उन्मुख करने के लिए भत्ते का उपयोग कर सकें। इनमें अनुसंधान के लिए धन का उपयोग, ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करना, पेटेंट के लिए दाखिल करना और सम्मेलनों में कागजात प्रस्तुत करना शामिल है। सभी संकाय सदस्यों की योग्यता और रुचि के विशिष्ट क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए निधि के उपयोग को समान बनाने के लिए मानदंड बनाए गए थे।

निफ्ट में परियोजनाएं

निफ्ट विभिन्न सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों के साथ परामर्श परियोजनाएं चलाता है। ये परियोजनाएं छात्रों को संकाय और अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करती हैं। यह तकनीकी कौशल को उन्नत करके विभिन्न हितधारकों को लाभान्वित करता है और डिजाइन मूल्य जोड़ता है। निफ्ट द्वारा किए जा रहे, 50 लाख रुपए से अधिक मूल्य की कुछ प्रमुख परामर्श परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया जा रहा हैं:

• 'खादी ग्रामोद्योग विकास योजना' की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए उच्च अंत उपयोग के लिए नया खादी उत्पाद और खादी ब्रांड को मजबूत करने की परियोजना के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के 'खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अनुमोदित निफ्ट में 'खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना। खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र निफ्ट दिल्ली, निफ्ट कोलकाता, निफ्ट गांधीनगर, निफ्ट शिलांग और निफ्ट बेंगलुरु जैसे पांच निफ्ट परिसरों में 'हब और स्पोक्स' मॉडल में स्थापित किया जाएगा। गतिविधियों के क्षेत्र खादी के लिए वैश्विक मानकों की बेंचमार्क डिजाइन प्रक्रियाओं का निर्माण, नए कपड़े और उत्पादों का निर्माण, कपड़ों के लिए गुणवत्ता मानकों का प्रसार और दृश्य बिक्री और पैकेजिंग ब्रांडिंग और खादी का प्रचार आदि होंगे। परियोजना का मूल्य 20 करोड़ रु. है।

• भारत के टेक्सटाइल निर्माता केंद्र, कोयंबटूर में टेक्सटाइल्स में अग्रिम अनुसंधान केंद्र की स्थापना, वस्त्रों और कपड़ों के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान का समर्थन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के साथ एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसका उद्देश्य मौलिक अनुसंधान, उत्पाद विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करना, आउटरीच, आर्थिक विकास, जुड़ाव और विस्तार की सुविधा के लिए, अनुसंधान और शिक्षण के साथ मिलकर और मौलिक अनुसंधान, उत्पाद विकास, परीक्षण और निर्माण सेवाएंके माध्यम से उद्योग, सरकार और भागीदारों के साथ काम करना है।

• इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा ''कुछ शिल्प आधारित उद्यमों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म'' विकसित करने के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी गई है। परियोजना शिल्प क्षेत्र के लिए उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगी, ''शिल्प बेचने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का निर्माण, 'स्थायी शिल्प आधारित उद्यम बनाएं', 'डिजिटल ज्ञान के हस्तांतरण के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना, रोजगार सृजन और व्यापक बाजारों के साथ जुड़ाव' और 'शिल्प क्षेत्र में उद्यमिता का निर्माण'। परियोजना मूल्य 2.44 करोड़ रु. है।

• विकास अयुक्त (हथकरघा), कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक परियोजना '10 बुनकर सेवा केंद्रों (डब्ल्यूएससी) यानी बेंगलुरु, भागलपुर, चेन्नई, हैदराबाद, इंदौर, कन्नूर, कोलकाता, मेरठ, नागपुर और पानीपत में डिजाइन संसाधन केंद्र की स्थापना। यह क्षेत्रीय रंग के साथ दृश्य पहचान के निर्माण और प्रत्येक डब्ल्यूएससी के कपड़ा विकास के प्रदर्शन और प्रत्येक डब्ल्यूएससी के लिए एक वार्षिक गतिविधि कैलेंडर बनाकर डब्ल्यूएससी के दृश्य व्यापार की सुविधा प्रदान करेगा। परियोजना का मूल्य 9.44 करोड़ रु. है।

• निफ्ट और ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), भारत सरकार के बीच 23 अक्टूबर, 2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हथकरघा

और हस्तशिल्प क्षेत्र में कारीगरों के साथ–साथ नैदानिक अध्ययन, डिजाइन हस्तक्षेप और उत्पाद विकास, प्रशिक्षण मॉड्यूल/कार्यक्रमों और कौशल उन्नयन कारीगरों, गुणवत्ता सुधार, एमओआरडी आउटलेट्स के स्थान और इंटीरियर डिजाइन, ब्रांडिंग और प्रचार आदि के लिए कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न ग्रामीण उत्पादों के विपणन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए हस्ताक्षर किए गए।

• नवोन्मेष और उद्यमिता को सुगम बनाने और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक ''निफ्ट डिजाइन इनोवेशन इनक्यूबेटर'' (डीआईआई) की स्थापना की, निम्नलिखित क्षेत्रों में निफ्ट के मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई परिसरों में ऊष्मायन सुविधाएं (क्षेत्रीय इनक्यूबेटर) स्थापित करने का प्रस्ताव है:

1. घर और स्थान के परिधान के लिए वस्त्र (दिल्ली)
2. स्मार्ट वियरेबल तंत्र (मुंबई)
3. फैशन और जीवन शैली एक्सेसरीज (मुंबई)
4. एथलीजर और एक्टिव वियर (चेन्नई) सहित परिधान

परियोजना मूल्य 17.53 करोड़ रु. है।

• वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत ''विजन नेक्स्ट–ट्रेंड अंतर्दृष्टि और पूर्वानुमान प्रयोगशाला'' परियोजना, भारत की पहली कृत्रिम बौद्धिकता सक्षम स्वदेशी फैशन पूर्वानुमान सेवा बनाने के लिए जो हमारे देश के लिए मौसमी दिशाओं को डिजाइन करने का प्रयास करती है। रुझान पूर्वानुमान सेवा हमारे राष्ट्रीय और उप–राष्ट्रीय सामाजिक–सांस्कृतिक निर्माणों और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप होगी। परियोजना मूल्य 20.41 करोड़ रु. है।

• निफ्ट क्लस्टर पहल के तहत विकास अयुक्त (हथकरघा) और (हस्तशिल्प) द्वारा वित्त पोषण सहायता के साथ ''भारतीय वस्त्र और शिल्प भंडार'' परियोजना को वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया है। यह परियोजना एक डिजिटल प्लेटफॉर्म/पोर्टल, डिजाइनर अभिलेखागार सहित वस्त्र और परिधान का एक आभासी संग्रहालय, शिल्प–व्यक्तियों, उनके समुदायों, उनकी कार्य प्रक्रियाओं और उत्पादों, शिल्प और वस्त्र में केस स्टडीज और अनुसंधान – निफ्ट से, शिल्प संग्रहालय, बुनकर सेवा केंद्र और निजी संग्रह के क्षेत्रों में व्यक्तिगत जानकारी के साथ एक शिल्प भंडार प्रदान करना है। परियोजना मूल्य 15.57 करोड़ रु. है।

वस्त्र मंत्रालय की अनुसंधान और विकास योजना के तहत भारतीय आबादी के शरीर के माप के आधार पर तैयार कपड़ों की बेहतर फिटिंग के लिए आकार चार्ट विकसित करने के लिए ''इंडियासाइज'' परियोजना को मंजूरी दी गई। परियोजना मूल्य 31 करोड़ रुपये है।

• विकास के लिए पारंपरिक कला/शिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन (उस्ताद) योजना के तहत ज्ञान भागीदार के रूप में निफ्ट डिजाइन हस्तक्षेप, उत्पाद रेंज विकास, पैकेजिंग/प्रदर्शनी, मीडिया के माध्यम से फैशन शो और प्रचार, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ब्रांड बिल्डिंग, और ई–मार्केटिंग पोर्टल्स के साथ भारत सरकार का गठजोड़। परियोजना मूल्य 15.09 करोड़ रु. है।

• निफ्ट हथकरघा और वस्त्र विभाग, केरल सरकार के लिए मूल्य वर्धित हथकरघा उत्पाद योजना की ब्रांडिंग को लागू करने में एक ज्ञान भागीदार के रूप में काम कर रहा है। कुल परियोजना मूल्य 3.7 करोड़ रु. है। निफ्ट को परियोजना लागत का अधिकतम 12 प्रतिशत परियोजना के पेशेवर शुल्क के रूप में मिलेगा।

• 'अपैरल निर्माण में इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित करने के लिए प्रथम चरण' कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार की योजना के तहत उद्योग विभाग, मध्य प्रदेश सरकार और औद्योगिक बुनियादी ढांचा विकास निगम (आईआईडीसी), ग्वालियर के साथ ग्वालियर में परिधान निर्माण में एक इन्क्यूबेशन केंद्र की स्थापना के लिए निफ्ट ज्ञान भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है। ।

• वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की व्यापक हथकरघा क्लस्टर विकास योजना के तहत 'भागलपुर मेगा हैंडलूम क्लस्टर के एकीकृत और समग्र विकास' परियोजना के लिए निफ्ट क्लस्टर प्रबंधन और आधारभूत सर्वेक्षण, नैदानिक अध्ययन, डीपीआर तैयार करने, कार्यान्वयन में सहायता और परियोजना की प्रगति की निगरानी के लिए तकनीकी एजेंसी के रूप में कार्यरत है।

कॉरपोरेट कम्युनिकेशन सेल

कॉर्पोरेट संचार प्रकोष्ठ जुलाई 2017 में अपनी स्थापना के बाद से, निफ्ट की डिजिटल संचार रणनीति में अभूतपूर्व विकास और विविधीकरण हुआ है। इससे निफ्ट के सभी 17 परिसरों में ब्रांडिंग आवश्यकताओं की जरूरतें पूर्ण की हैं और ब्रांड के रूप में निफ्ट ने अपनी पहुंच का विस्तार किया है। आंतरिक रूप से, विभिन्न परिसरों, विभागों और छात्रों को शामिल कर निर्माण में सहयोग और कंटेंट के प्रबंधन के माध्यम से कॉर्पोरेट संचार प्रकोष्ठ (सीसीसी) की रणनीति को मजबूत बनाया गया है। इसके अलावा, विगत वर्षों को निफ्ट की ब्रांड पहचान को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से समर्पित किया गया है, विशेष रूप से डिजिटल मीडिया और वेबसाइट को उपयोगकर्ता फ्रैंडली बनाने और उसे अंतरराष्ट्रीय मानक तक लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अब तक के इन प्रयासों का अच्छा फल मिला है और विभिन्न हितधारकों को भी इसकी प्राप्ति हुई है। सीसीसी इकाई ने परिसरों में निफ्ट वेबिनार और प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने वाले एक संयोजक कारक के रूप में कार्य किया। साथ ही सभी छात्रों एनआरआई, एनएलईए, कारीगर / कारीगरों के बच्चों और पीएचडी उम्मीदवारों के लिए प्रवेश के संबंध में महत्वपूर्ण अपडेट की घोषणाऐं की।

डिजाइन लेआउट और सामग्री संपादन

निफ्ट ब्रांड की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए, निफ्ट विवरण पत्रिका सामग्री का डिजाइन विकास और संपादन अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी रिपोर्ट और अन्य बाहरी संचार सटीक, सही, व्याकरणिक रूप से सुसंगत और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यह वेबसाइट के लिए सामग्री, ब्रोशर, पोस्टर, प्रवेश के लिए विज्ञापन और इकाइयों के प्रमुखों से वार्षिक रिपोर्ट एकत्र करके, इसे संकलित करके और फिर इसका कई स्तरों पर संपादन और प्रूफरीडिंग की जाती है। वार्षिक रिपोर्ट में परिसरों की रिपोर्ट को शामिल करना परिसरों की व्यक्तिगत परियोजनाओं और उपलब्धियों को उजागर करके ब्रांड निफ्ट का निर्माण करने का एक प्रयास है, जिसमें, वार्षिक रिपोर्ट की संरचना में परिसर रिपोर्ट की शुरुआत की गई। प्रत्येक बीतते वर्ष के साथ, अकादमिक उत्कृष्टता की खोज में 17 परिसरों के प्रयासों को तेजी से रेखांकित करने के लिए एक क्रमिक बदलाव किया जा रहा है। इस तरह का दृष्टिकोण न केवल विभिन्न परिसरों के प्रयासों को पहचान प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें और अधिक प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

छात्रों की भागीदारी

कॉर्पोरेट संचार प्रकोष्ठ की गतिविधियों में छात्रों को शामिल करना छात्रों के साथ–साथ निफ्ट दोनों के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। जबकि प्रकोष्ठ को उनकी प्रतिभा, कौशल और रचनात्मक विचारों से लाभ होता है। छात्रों को वास्तविक कार्यक्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया जाता है और ग्राफिक्स, डिजाइन विकास, सोशल मीडिया आउटरीच, आदि से संबंधित कौशल सीखने और सुधारने का अवसर मिलता है, जो उनके पोर्टफोलियो को समृद्ध करता है। महामारी के दौरान भी सीसीसी इकाई ने प्रभावी सहयोग के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले कार्य करने के लिए ऑनलाइन के माध्यम से छात्रों के साथ सक्रिय संपर्क बनाए रखा है।

सोशल मीडिया उपस्थिति

सीसीसी संचार रणनीति ने निफ्ट की सोशल मीडिया उपस्थिति को बढ़ाने पर अपनी ऊर्जा केंद्रित की है, इसने अपनी सोशल मीडिया रणनीति को फिर से समायोजित करके, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गतिविधियों की आवृत्ति में वृद्धि करके और सभी संचार को समकालीन और युवाओं, विशेषकर वर्तमान और भावी छात्रों के आसपास केंद्रीत रखकर किया है।

निफ्ट की सोशल मीडिया उपस्थिति का उद्देश्य रचनात्मक रूप से सूचना का प्रसार करना है। पूर्व छात्रों, डिजाइनरों और कलाकारों के समुदाय को पुनर्जीवित करना निफ्ट के 17 परिसरों से प्रतिभा और दूरदृष्टि को आत्मसात करके छात्र समुदाय के लिए एक मंच तैयार करना अतीत और वर्तमान में किए गए छात्रों और पूर्व छात्रों की ऑफलाइन गतिविधियों, घटनाओं और उपलब्धियों को समेकित और चैनलाइज करना छात्रों और डिजाइनरों के मजबूत समुदाय के निर्माण के लिए बातचीत और अधिक कनेक्टिविटी को प्रेरित करना। सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के संस्थान के रूप में निफ्ट की उपस्थिति को प्रस्तुत करना और संवाद करना है।

वर्तमान में, निफ्ट के फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, यूट्यूब और ट्विटर पर आधिकारिक खाते हैं। पूरी तरह से आउटरीच के लिए, आधिकारिक खातों को नियमित रूप से बनाए रखा जाता है। सीसीसी इकाई निफ्ट की ब्रांड इक्विटी को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया को सक्रिय रूप से संभालती है।

फेसबुक

बढ़ी हुई पहुंच, उपयोगकर्ताओं के विविध समुदाय तक पहुंच, सक्रिय जुड़ाव और प्रतिक्रिया और सूचना के वास्तविक समय के प्रसार के लिए एक तैयार मंच, सोशल मीडिया मार्केटिंग के संदर्भ में फेसबुक निफ्ट की सोशल मीडिया रणनीति के लिए एक अनिवार्य मंच है। निफ्ट के फेसबुक पेज का नियमित आधार पर उपयोग कर्ताओं के साथ सक्रिय बातचीत के लिए उपयोग किया जा रहा है।

पेज का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है:

- सभी निफ्ट परिसरों में घटनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए

• रचनात्मक संपार्श्विक का उपयोग करके प्रवेश, पुनर्गठित पाठ्यक्रम, रिक्तियों, प्रतियोगिताओं, त्योहारों और प्रतिस्पर्धाओं के बारे में जानकारी साझा करना।
• शिल्प क्लस्टर पहल और संबंधित शिल्प के तहत छात्रों की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए।

इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, निफ्ट फेसबुक पेज के पास अब लगभग 1 लाख लाइक्स और 4.6 की रेटिंग है। फेसबुक आधिकारिक पेज के ऑथेंटिकेशन (ब्लू टिक) प्राप्त करने के लिए भी प्रयास चल रहे हैं।

इंस्टाग्राम

इंस्टाग्राम एक छवि–केंद्रित मंच है, जो, इसके कई फोटो और वीडियो संपादन विकल्पों के लिए, विशेष रूप से युवाओं के बीच लोकप्रिय है। इसकी वर्णनात्मक दृश्य अपील और इसकी अनूठी विशेषताएं जो तस्वीरों और वीडियो की एक श्रृंखला पोस्ट करके एक दृश्य कथा के निर्माण की अनुमति देती हैं, इसे एक शक्तिशाली मंच बनाती हैं। इसके अलावा, यह त्वरित, सुलभ है, इसके इंटरफेस में कम पदानुक्रमों को नियोजित करता है और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सुलभ है। यह सब इसे बेहद लोकप्रिय एप्लिकेशन बनाता है।

निफ्ट के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स 2019–20 में 15,100 फॉलोअर्स से बढ़कर 2020–21 में 25.5ज्ञ फॉलोअर्स हो गए हैं। यह आकर्षक और प्रासंगिक विजुअल सामग्री की नियमित पोस्टिंग के माध्यम से संभव हुआ।

लिंक्डइन

एक पेशेवर नेटवर्क होने के नाते, लिंक्डइन न केवल निफ्ट की ब्रांडिंग के लिए महत्वपूर्ण है; यह उद्योग की पहुंच और अपने छात्रों के लिए रोमांचक पेशेवर अवसर खोजने के लिए भी प्रासंगिक है। 15,500 से अधिक फॉलोअर्स साथ है।

यूट्यूब चैनल

सबसे पुराने और सबसे लोकप्रिय वीडियो आधारित प्लेटफार्मों में से एक, यूट्यूब का उपयोग वीडियो–आधारित सामग्री को अपलोड करने, प्रकाशित करने और साझा करने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है– फिल्म, संगीत, सूचनात्मक वीडियो, वृत्तचित्र, चाहे कोई भी नाम हो। इसके कुल 728 ग्राहक हैं और विभिन्न मुद्दों और कार्यक्रमों जैसे शिल्प, अभिसरण, प्रमुख सम्मेलनों, लघु फिल्मों पर 15 वीडियो हैं।

ट्विटर

ट्विटर के माध्यम से, निफ्ट ने सटीक और प्रासंगिक बयान और निफ्ट की गतिविधियों पर प्रमुख हाइलाइट्स और अपडेट के साथ अपने फॉलोअर्स को अवगत रखने के इरादे से माइक्रोब्लॉगिंग क्षेत्र में प्रवेश किया है। निफ्ट के पास वेरीफाई ट्विटर अकाउंट (347) है।
• रोजगार और इंटर्नशिप पदों के लिए छात्रों और भावी नियोक्ताओं को जोड़ना
• निफ्ट की पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन करना
• निफ्ट को एक ब्रांड के रूप में प्रदर्शित करना जिसे लोग अपनी प्रोफाइल में जोड़ना चाहेंगे
• नियोक्ताओं का एक व्यापक डेटाबेस बनाना जिन से छात्र संपर्क कर सकें

निफ्ट का वेबसाइट विकास

यह इस परस्पर जुड़ी दुनिया में डिजिटल चैनलों के बढ़ते महत्व की स्पष्ट मान्यता के रूप में है, जहां स्पष्ट, सटीक और लगभग वास्तविक समय के संचार की अत्यधिक आवश्यकता है। अकादमिक समुदाय, उद्योग, छात्रों, पूर्व छात्रों और भावी छात्रों के बीच बातचीत के लिए वेबसाइट तेजी से एक समावेशी मंच के रूप में उभर रही है। वेबसाइट को अधिक आकर्षक और प्रासंगिक बनाने के लिए सामग्री को लगातार नई और अधिक रचनात्मक सामग्री द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है।

निफ्ट वेबसाइट ने संभावित छात्रों और बड़े पैमाने पर हितधारकों को पाठ्यक्रम के पुनर्गठन के बारे में शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वेबसाइट ने विवरण पत्रिका और पाठ्यक्रम की विशिष्टताओं को पोस्ट करके और प्रवेश संबंधी विकास के बारे में छात्रों को वेबसाइट के लिए प्रोफाइल पर काम कर रहे संकायों के बारे में अवगत कराते हुए ऐसा किया है।

परिसर

बेंगलुरु

निफ्ट बेंगलुरु गर्व के साथ वर्ष 2020–21 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। लॉकडाउन और इस अवधि के दौरान अकादमिक गतिवीधियों में आने वाली चुनौतियों के बीच, परिसर ने शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों दायरे में विभिन्न गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

संकाय द्वारा अकादमिक उपलब्धियां

1. डॉ. कृतिका जी के, सहायक प्रोफेसर ने अपनी पीएचडी पूरी की और उन्हें कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

2. डॉ. ऋचा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, ने निफ्ट दिल्ली से पीएचडी पूरी की और उन्हें 2020 में डिजाइन अनुसंधान में डिग्री से सम्मानित किया गया।

3. डॉ. रविकुमार आर, सहायक प्रोफेसर ने गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान विश्वविद्यालय से अपनी पीएचडी पूरी की और उन्हें 2021 में पीएचडी से सम्मानित किया गया।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

1. डॉ नीलांजना बैरागी, सहायक प्रोफेसर ने श्री प्रथमेश महाजन के साथ ''वयस्कों के लिए वॉकर रिडिजाइनिंग'' पर एक पेपर प्रकाशित किया, जो संजय कुमार घडाई, बरसा मोहंती और डॉ सत्य नारायण मिश्रा द्वारा संपादित पुस्तक ''दिव्यांगों को सशक्त बनाना'' में प्रकाशित हुआ। लेखक प्रेस 2020 आईएसबीएन 978–93–90155–88–0

2. सुश्री सुभालक्ष्मी क्रोपी और डॉ नीलांजना बैरागी ने ''दिव्यांगों के लिए अनुकूली खेलों के डिजाइन पर अध्ययन'' पर एक पेपर प्रकाशित किया।
''कार्यात्मक टेक्सटाइल्स और क्लोदिंग 2020'', स्प्रिंगर पब्लिकेशन 'व्हीलचेयर टेनिस प्लेयर्स ऑफ इंडिया' पुस्तक में प्रकाशित ।

3. डॉ. ऋचा शर्मा और डॉ. नीलांजना बैरागी ने ''फोटोल्यूमिनसेंट पिगमेंट प्रिंटेड टेक्सटाइल्सः डिजाइनिंग अर्बन होम्स फॉर नाइटटाइम नेविगेशन'' पर एक पेपर प्रकाशित किया – ''कल के लिए डिजाइन–वॉल्यूम 1'', आईसीओआरडी 2021–स्मार्ट इनोवेशन की कार्यवाही, तंत्र और प्रौद्योगिकी– संपादकः अमरेश चक्रवर्ती • रवि पूवैया • प्रसाद बोकिल • विवेक कांत, स्प्रिंगर प्रकाशन, आईएसबीएन 978–981–16–0041–8 (ईबुक)।

4. सुश्री सुभालक्ष्मी क्रोपी और डॉ. नीलांजना बैरागी ने 18–19, सितंबर 2020 के दौरान टीआईटी, भिवानी द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एआईसीटीई आरटीटी 2020 – वस्त्रों में हालिया रुझानों पर ऑनलाइन सम्मेलन की कार्यवाही के रूप में ''बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए खेलों के वस्त्रों की डिजाइनिंग'' पर एक पेपर प्रकाशित किया। आईएसबीएनः 978–81–943816–5–5

5. डॉ. नीलांजना बैरागी ने टीआईटी, भिवानी द्वारा आयोजित एआईसीटीई आरटीटी 2020 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वस्त्रों में हालिया रुझानों पर ऑनलाइन सम्मेलन की कार्यवाही में ''छोटे लोगों के लिए कपड़ों की डिजाइनिंग'' पर सुश्री तनिमा चंद्रा के साथ एक पेपर प्रकाशित किया।

6. डॉ. कृतिका जीके ने शिक्षा में अग्रिम अनुसंधान और नवीन विचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (ई जे ए आर आई आई ई), 6(1), 342–350 में ''भारत में जीवन शैली

ब्रांड्स द्वारा सोशल मीडिया विपणन की ग्राहक स्वीकृतिः एक टैम फ्रेमवर्क'' शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया।. 7. सुश्री नेत्रावती टीएस ने प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम–8, अंक 4, पीपी. 139–144 में ''फैशन परिधान की ऑनलाइन खरीद पर ग्राहकों के सकारात्मक दृष्टिकोण और धारणा पर एक अध्ययन'' शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया।

8. सुश्री काकोली दास ने 11 जून 2020 को परिधान संसाधन पत्रिका में 'मास्क' एक फैशन स्टेटमेंट के साथ एक आवश्यकता' शीर्षक से अपना लेख प्रकाशित किया।

9. सुश्री निथ्या वेंकटरमन ने सुश्री कुदरत कश्यप के साथ ''ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण स्थानों के डिजाइन के लिए ''ऐप्लीकैशन आसपेक्टसअ[टीएम]'' पर एक अध्याय – ''कल के लिए डिजाइन – वॉल्यूम 2 – (एक स्कोपस रेफरीड स्प्रिंगर प्रकाशन) आईसीओआरडी 2021 से सम्मेलन की कार्यवाही'', आईएसबीएन 978–981–16–0041–8 (ईबुक) में प्रकाशित किया ।

10. सुश्री सुभालक्ष्मी क्रोपी 22 से 24 मार्च 2021 तक निफ्ट जोधपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन – टेक्सटाइल, फैशन और शिल्प एटीएफसी–2021 में ''व्यस्क पुरुषों के लिए कोविड के उपरांत लाउंजवियर'' पर एक पोस्टर प्रस्तुति के लिए सह–लेखक थीं। .

11. सुश्री निथ्या वेंकटरमन डिजाइन में अनुसंधान पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओआरडी 2021, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, भारत द्वारा ऑनलाइन आयोजित) में ''ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले वयस्कों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण स्थान – एक आसपेक्टस – आधारित डिजाइन हस्तक्षेप'' पर प्रस्तुत एक पेपर के लिए सह–लेखक थीं।

संकाय अभिविन्यास, प्रशिक्षण, विकास

संकाय उन्नयन के लिए निफ्ट द्वारा आयोजित प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) के अलावा, उन शिक्षकों की सूची निम्नलिखित है जिन्होंने बाहरी विशेषज्ञों द्वारा आयोजित पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लिया है।

क) डॉ. जोनाली बापई और डॉ. कृतिका जीके ने यूनिवर्सिटा बोकोनी द्वारा फैशन और लक्जरी कंपनियों के प्रबंधन (गैर–क्रेडिट) पर एक ऑनलाइन प्रमाण पत्र शृंखला के चार सप्ताह पूरे किए और दिसंबर 2020 में कौरसेरा के माध्यम से पेश किया।

ख) सुश्री बिन्या अरुल जोथी ने जनवरी 2021 में हार्वर्डएक्स द्वारा पेश किए गए अध्ययन के एक कोर्स ''मूर्त चीजें: कलामूर्तियों, कलाकृतियों, वैज्ञानिक नमूनों और अपने आस–पास की सामग्री के माध्यम से इतिहास की खोज'' पर अपना प्रमाण पत्र अर्जित किया। उन्होंने ''सर्कुलर फैशनः एक सतत वस्त्र उद्योग में डिजाइन, विज्ञान और मूल्य'' – अप्रैल 2020 में एडक्स प्लेटफॉर्म में वैगनिंगनएक्स द्वारा प्रस्तुत अध्ययन का एक कोर्स भी पूरा किया।

ग) श्री प्रशांत केसी ने ''एक ऑनलाइन वातावरण के लिए केस–आधारित पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास'' पर बेंटले विश्वविद्यालय में कंप्यूटर सूचना प्रणाली के प्रोफेसर– प्रो. बिल शियानो द्वारा अपना प्रमाण पत्र अर्जित किया।

घ) श्री संजीव सीएम ने दिसंबर 2020 में ऑनलाइन आयोजित क्युरियस डिजाइन यात्रा में भाग लिया।

ड.) डॉ. रश्मि मुंशी ने जून–जुलाई 2020 में ''डिजाइन – नेतृत्व रणनीतिः व्यापार रणनीति और उद्यमिता के लिए डिजाइन सोच'' पर पांच सप्ताह के लिए एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने एनएसआर सेल, अक्टूबर '2020 में आईआईएम बैंगलोर द्वारा पांच दिनों के लिए उद्यमिता पर एक कार्यशाला ''स्वयं'' में भी भाग लिया।

च) श्री सोनजीब बोरा ने जनवरी 2021 में पैनटोन इंक द्वारा आयोजित ''एथलीजर मार्केट में पॉलिएस्टर और कॉटन के रंग!'' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

छ) सुश्री शैली बंडारी, डॉ विभावरी कुमार, श्री संजीव सीएम और सुश्री दिलनाज बानो ने वर्ष 2020 में पैनटोन द्वारा आयोजित रंग प्रवृत्तियों पर ऑनलाइन कार्यशालाओं में भाग लिया।

उद्योग आधारित परियोजनाएं

चल रही महामारी के कारण, इस वर्ष कोई नई परियोजना शुरू नहीं की गई थी। परिसर ने कर्नाटक राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के साथ ''एकीकृत उत्पाद मानचित्रण, डिजाइन हस्तक्षेप, उत्पाद विविधीकरण और विकास, प्रशिक्षण और विपणन गतिविधियों के माध्यम से कर्नाटक राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड ब्रांड को मजबूत करने'' पर अपनी मौजूदा परियोजना को जारी रखा। उद्योग द्वारा अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं का लाभ उठाने और हमारे छात्रों को लाइव परियोजनाओं पर काम करने का व्यावहारिक अनुभव देने के लिए, सेमेस्टर के दौरान ऑनलाइन मोड पर निम्नलिखित ''कक्षा परियोजनाएं'' आयोजित की गईं।

क) कपड़ा डिजाइन विभाग के पास एटलस एक्सपोर्ट एंटरप्राइजेज – करूर के साथ 'घर और स्पेस के लिए प्रिंट डिजाइन परियोजना' के लिए एक कक्षा परियोजना थी और इसे 25 नवंबर 2020 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया था।

ख) कपड़ा डिजाइन विभाग ने जनवरी से जून 2021 सत्र के दौरान सुश्री नेहा सेलीः डेनिम कोटीओर डिजाइनर, मीका फर्निशिंग और उन्नत बुनाई डिजाइन के लिए एक्वारेल इंडिया के साथ कक्षा परियोजनाओं का भी संचालन किया।

ग) फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग ने आभूषण संग्रह के लिए मेसर्स मेलोरा, बेंगलुरु द्वारा एक कक्षा परियोजना का आयोजन किया।

घ) फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग ने मेसर्स हनुमान वुड इंडस्ट्रीज, बेंगलुरु के साथ डोर हैंडल डिजाइन पर एक और कक्षा परियोजना का समापन किया।

ड.) फैशन डिजाइन विभाग ने महिलाओं के वस्त्र के लिए

परिधान डिजाइन पर दो कक्षा परियोजनाओं का आयोजन किया: आभासी रेंज विकास, डब्ल्यू (टीसीएनएस का एक ब्रांड) के साथ और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के लिए।

अभिविन्यास कार्यक्रम

पहली बार परिसर के इतिहास में, इस शैक्षणिक वर्ष में, नवगुंतकों का स्वागत आभासी रूप से: 25 सितंबर, 2021 को किया गया था। निफ्ट बेंगलुरु के नवागंतुकों को उसी अटूट भावना के साथ एक उन्मुखीकरण दिया गया था, जैसा कि तब दिया जाता जब वे परिसर में होते। उन्मुखीकरण कार्यक्रम दो दिवसीय गहन विचारोत्तेजक सत्रों के साथ शुरू हुआ, जो छात्रों द्वारा प्रतिभा प्रदर्शन सत्र के साथ समाप्त हुआ। सत्र का उद्घाटन परिसर निदेशक द्वारा किया गया, इसके बाद महानिदेशक, श्री शांतामनु, आईएएस, और डीन (अकादमिक), डॉ. प्रो. वंदना नारंग द्वारा मुख्य भाषण दिया गया। हमारे विशिष्ट अतिथि द्वारा मुख्य भाषण श्री नरेंद्र कुमार (नारी), प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर और निफ्ट, 1990 बैच के पूर्व छात्र द्वारा ऑनलाइन दिया गया था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पूर्व छात्रों की बातचीत था, जिसमें पूर्व छात्रों ने परिसर और फैशन उद्योग में अवसरों और चुनौतियों और फैशन शिक्षा के क्षेत्र में निफ्ट के महत्व के बारे में बोलते हुए नवगुंतकों को संबोधित किया था। सुश्री श्रेया गांगुली, वरिष्ठ सहयोगी, फिडस लॉ चौंबर्स ने बौद्धिक संपदा अधिकारों और डिजाइन और फैशन के क्षेत्र में इसकी प्रासंगिकता के बारे में बात की। एनजीओ परिवर्तन की काउंसलर सुश्री अंजना ने छात्रों को भावनाओं के प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं और छात्रों के बीच लिंग संवेदनशीलता के महत्व पर संबोधित किया। सत्र का समापन फ्रेशर्स द्वारा मनोरंजक प्रतिभा प्रदर्शन सत्र के साथ हुआ।

परिसर विकास और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम:
बातचीत को प्रोत्साहित करने और निरंतर सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कैंपस ने पूरे शैक्षणिक वर्ष में ऑनलाइन प्रणाली पर कई कार्यक्रम आयोजित किए

क) मैसूर: कर्नाटक का क्राफ्ट कारवां पर ''देखो अपना देश'' शीर्षक से एक ऑनलाइन वेबिनार 14 मई 2020 को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के संयोजन में आयोजित किया गया था। वेबिनार के वक्ताओं, सुश्री सुसान थॉमस (आईआरएस), डॉ यथिंद्र एल और सुश्री शिप्रा रॉय ने मैसूर और चेन्नापटना के शिल्प पर अपने विचार साझा किए। संगोष्ठी में बहुत अच्छी तरह से भाग लिया गया और दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

ख) मई–जून 2020 के दौरान एक महीने की अवधि में सहस्राब्दी के अनुकूल इंस्टाग्राम पोर्टल पर लाइव फीड के रूप में कई वार्ताएं आयोजित की गईं। इस सत्र का नेतृत्व निदेशक, सुश्री सुसान थॉमस, आईआरएस ने एक इंस्टालाइव सत्र 'वृंदावानी, एक दोपहर का राग', के साथ किया, जहां वह 11 मई 2020 को परिसर से छात्रों के साथ जुड़ीं। अपनी तरह की एक पहल, इस सत्र के बाद ''खुले द्वार: विशेषज्ञ वार्ता'' परिसर के छह शिक्षकों ने तांत्रिका विज्ञान से लेकर विलासिता फैशन और मौजूदा रुझान तक सावधानीपूर्वक तैयार किए गए विषयों पर बात की। फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रोफेसर डॉ. संजीव मालगे ने तांत्रिक विपणन पर अपनी बात के साथ श्रृंखला की शुरुआत की। फैशन संचार विभाग के प्रोफेसर डॉ. विभावरी कुमार ने कोविड युग के बाद स्पेस डिजाइन में आने वाली चुनौतियों पर बात की। फैशन प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. जोनाली बाजपेयी ने विलसता फैशन पर सार्थक अंतर्दृष्टि दी। डिजाइन स्पेस विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री प्रशांत केसी ने एक महामारी से फंसी दुनिया के लिए एक संशोधित विपणन रणनीति के महत्व पर बात की। निटवेअर डिजाइन की सहायक प्रोफेसर सुश्री नित्या वेंकटरमन ने फैशन और कल्पना के बीच तालमेल पर बात की। फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. रश्मि मुंशी के साथ इस श्रृंखला का समापन हुआ, जिसमें उन्होंने रुझानों के विकास और व्याख्या पर बात की।
इन छोटे, रोचक इंस्टालिव सत्रों में सभी परिसरों के छात्रों और फैशन के प्रति उत्साही लोगों की भारी भागीदारी देखी गई, हजारों व्यूज बटोरे और शानदार रिव्यू मिले।

ग) फैशन, शिल्प और डिजाइन के क्षेत्र के दिग्गजों की मेजबानी के साथ परिसर में स्थापित सत्रों की श्रृंखला जारी रही। इसमें 7 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर डिजाइनर, श्री गौरांग शाह के साथ एक सत्र शामिल था।

घ) गांधी जयंती के अवसर पर, निफ्ट बेंगलुरु ने अतुल्य भारत इन्कॉर्पोरेटिड और पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से ''चरखे पे चर्चा'' नामक एक वेबिनार का आयोजन किया। इसमें सुश्री सुसान थॉमस, निदेशक, निफ्ट बेंगलुरु और श्री प्रशांत केसी, सहायक प्रोफेसर, डिजाइन स्पेस विभाग द्वारा गांधीजी की कपड़ा सीने के विषय पर पसंद की लाक्षणिकता और खादी पर एक ज्ञानवर्धक बातचीत हुई, और इसे शिक्षाविदों, डिजाइन के प्रति उत्साही और बुद्धि जीवी वर्ग के एक उदार दर्शक समुदाय के लिए ऑनलाइन संचालित किया गया था । इसके बाद प्रसिद्ध कोरियोग्राफर, श्री प्रसाद बिडप्पा के साथ हमारे परिसर निदेशक के साथ एक टी–ए–टी का आयोजन किया गया, जिसमें खादी की विनम्र उत्पत्ति से एक वैश्विक ब्रांड तक की यात्रा पर चर्चा की गई।

ड.) परिसर ने सभी विभागों के लिए छात्रों के लिए अपने दरवाजे खोले और जनवरी से जून सत्र के लिए इन–कैंपस मापांक के माध्यम से कोविड 19 के सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक विषयों पर सीखने की सुविधा प्रदान की। निफ्ट में फैशन शिक्षा का एक अभिन्न अंग बनने वाले प्रयोगशाला सत्रों को ध्यान में रखते हुए परिसर द्वारा लिया गया यह एक महत्वपूर्ण निर्णय था। प्रयोगशाला सत्रों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी ताकि प्रत्येक बैच के छात्र 5 से 7 दिनों से अधिक समय तक परिसर में मौजूद न रहें और एक समय में 10 से अधिक छात्रों को प्रयोगशाला में अनुमति न दी जाए। एक सप्ताह के मापांक के दौरान, छात्रों को परिसर के भीतर स्थित निफ्ट छात्रावास में रखा गया था। प्रत्येक दो बैचों के बीच में अगले बैच के लिए प्रयोगशाला और छात्रावास को सैनिटाइज करने, साफ करने और तैयार रखने के लिए दो दिन का अंतर था । यद्यपि योजना के अनुसार सभी बैच सत्र में भाग ले सकते थे, महामारी की दूसरी लहर के आगमन के कारण एफपी प्रौद्योगिकी सत्र रद्द करना पड़ा। छात्रों ने नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार सत्र में भाग लिया:

फैशन डिजाइन – चौथा सेमेस्टर– 1 फरवरी से 5 फरवरी 2021

फैशन डिजाइन – छठा सेमेस्टर – 1 मार्च से 5 मार्च 2021

फैशन और जीवन शैली सहाय्य उपकरण विभाग, चौथा सेमेस्टर – 15 फरवरी से 19 फरवरी 2021

फैशन और जीवन शैली सहाय्य उपकरण विभाग, छठा सेमेस्टर – 22 फरवरी से 26 फरवरी 2021

निटवेअर डिजाइन– चौथा सेमेस्टर– 8 मार्च से 12 मार्च 2021

निटवेअर डिजाइन – छटा सेमेस्टर– 15 मार्च से 19 मार्च 2021

फैशन प्रौद्योगिकी– छठा सेमेस्टर– 23 मार्च से 27 मार्च 2021

फैशन प्रौद्योगिकी – चौथा सेमेस्टर– 5 अप्रैल से 9 अप्रैल 2021

च) डिजाइन स्पेस विभाग ने 31 अक्टूबर 2020 को डिजाइन नवाचार वेबिनार, '' नवाचार, अंतर्दृष्टि, और अनंतता'' के दूसरे संस्करण की मेजबानी की। पैनल में सुश्री नागासाई रेड्डी, क्रिएटिव प्रमुख, वीवो – इंडिया शामिल थेय सुश्री एंटोनेट शिबानी, व्याख्याता और शोध ाकर्ता प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सिडनी और श्री अंशुमान कुमार, वरिष्ठ डिजाइनर, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स।

छ) डिजाइन स्पेस विभाग द्वारा 26 मार्च 2021 को परिसर में एक पेचा कुचा संध्या का आयोजन किया गया था। इसमें 35 से अधिक पूर्व छात्र और उद्योग के अतिथि परिसर में शामिल हुए थे। श्री लक्ष्मण पचिनीला शेषाद्री, स्वतंत्र सलाहकार – रणनीति, डिजाइन, नवाचार और प्रौद्योगिकी सलाहकार, श्री नरेंद्र घाटे, मुख्य डिजाइनर– टाटा एलेक्सी, सुश्री अन्विता प्रशांत, गोनेटिव की संस्थापक और सुश्री सिफत खुराना, सह–संस्थापक, बेयर एनाटॉमी अतिथि वक्ताओं में थे। इस आयोजन का विषय ''कोविड के बाद के बादल में चांदी की रेखा को ढूँढना'' शीर्षक था और वक्ताओं ने दर्शकों के लिए ''डिजाइन, रणनीति और नवाचार'' पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।

ज) हिंदी पखवाड़ा 16 से 30 सितंबर 2020 के बीच निफ्ट बेंगलुरु में हिंदी दिवस के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था ताकि हिंदी की एक आधिकारिक भाषा के रूप में जागरूकता पैदा कर सकें और बढ़ावा दिया जा सके। शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पन, हिंदी वाद–विवाद और चित्र वर्णन जैसी ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

झ) परिसर ने विद्यालयों के साथ अपने सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से युवा डिजाइन उम्मीदवारों तक पहुंचने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। परिस अकादमिक समन्वयक, डॉ जोनाली दास बाजपेयी, श्री प्रशांत केसी (सहायक प्रोफेसर), डॉ रश्मी मुंशी (सहायक प्रोफेसर) और सुश्री शैली बंडारी (सहायक प्रोफेसर) के नेतृत्व में संकाय की एक टीम निम्नलिखित विद्यालयों में ऑनलाइन पहुंची और उन्हें निफ्ट के विषयों, गतिविधियों और कार्यक्षेत्र से परिचित कराया।

डॉ जोनाली, श्री प्रशांत और सुश्री शैली ने 19 सितंबर 2020 को नेशनल पब्लिक स्कूल, कोरमंगला, बैंगलोर के छात्रों को संबोधित किया।

डॉ जोनाली, श्री प्रशांत और सुश्री शैली और 26 अगस्त 2021 को द चॉइस स्कूल, एर्नाकुलम से ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों से बात की।

डॉ. रश्मि मुंशी ने कैम्ब्रिज स्कूल, बैंगलोर, के छात्रों से 5 दिसंबर 2020 को संपर्क किया ।

ट) स्वच्छ भारत के सिद्धांतों के अनुरूप, परिसर ने 1 और 2 मार्च 2021 को स्वच्छता पखवाड़ा नामक एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम का आयोजन किया। कचरे को कम करने और ठोस कचरे को अलग करने के लिए संस्थान में एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। निफ्ट बेंगलुरु की कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और सामान्य क्षेत्रों की सफाई का विधिवत संचालन किया गया। 3 मार्च को

कंप्यूटर लैब की पूरी तरह से सफाई की गई। अलग–अलग तलों पर लगे वाटर प्यूरीफायर की सफाई की गई। 4 मार्च को उद्यान क्षेत्रों को सजाया गया, और 5 मार्च को सप्ताह समाप्त हुआ और सभी प्रमुख स्थानों पर जैविक रूप से नष्ट होने योग्य सामग्री से बने पोस्टर प्रदर्शित किए गए। पूरे परिसर में धूमन और कीटाणुशोधन गतिविधियों को अंजाम दिया गया है।

छात्र गतिविधियां और पुरस्कार

महामारी के बीच, निफ्ट बेंगलुरु ने छात्रों और संकाय के साथ हर दिन बंधन को बढ़ाने के इरादे से ऐतिहासिक कार्यक्रमों का आयोजन और जश्न मनाया।

क) स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस परिसर में हमारे राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के साथ परिसर निदेशक द्वारा, संकाय, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मनाया गया। 26 जनवरी 2021 को गणतंत्र दिवस समारोह में कुछ पूर्व छात्रों और बुनियादी कार्यक्रम के कुछ नए प्रवेशित छात्रों ने भी ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया।

ख) योग विशेषज्ञ डॉ मीरा नारायणन द्वारा संकाय और अधिकारियों के लिए 21 जून 2020 को एक ऑनलाइन सामान्य योग प्रोटोकॉल के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया था।

ग) उन्मुखीकरण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, नव प्रवेशित बुनियादी कार्यक्रम के छात्रों के लिए एक प्रतिभा शोकेस ऑनलाइन आयोजित किया गया था। इसके लिए 75 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया था।

घ) एक ई–पत्रिका, ''बेंगलुरु पल्सः नमस्कार फ्रेशर्स'' को परिसर निदेशक, छात्र परिषद के स्वागत संदेशों और महत्वपूर्ण संपर्क जानकारी के साथ परिसर में छात्र के जीवन से संबंधित प्रासंगिक विवरणों के साथ नए प्रवेशित और माता–पिता को परिचालित किया गया था।

ड.) सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 को 28 अक्टूबर, 2020 को ऑनलाइन मनाया गया, जिसमें परिसर निदेशक ने सभी संकाय, अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। ''क्या भ्रष्टाचार आत्मनिर्भर भारत के लिए एक बाधा है?'' विषय पर छात्रों के लिए एक ऑनलाइन बहस आयोजित की गई जिसने जोशपूर्ण भागीदारी को आकर्षित किया। निविदा प्रक्रिया और आचरण नियमों पर निफ्ट मुख्यालय द्वारा आयोजित ई–कार्यशाला में मनोनीत संकाय, अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

च) संस्थान की कर्मभूमि को श्रद्धांजलि के रूप में, कर्नाटक राज्योत्सव दिवस (राज्य गठन दिवस) 1 नवंबर, 2020 को छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और 'नम्माबेंगलुरु' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता के साथ मनाया गया।

छ) 26 नवंबर 2020 को, परिसर निदेशक द्वारा प्रस्तावना को पढ़कर संविधान दिवस ऑनलाइन मनाया गया और इस तरह कार्यस्थल पर कर्तव्यपरायणता, ईमानदारी और अखंडता के बिंदुओं पर जोर दिया गया।

परिसर के छात्र समुदाय ने अपनी अखिल शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रौशन किया। उनके द्वारा जीते गए कई पुरस्कारों में से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं–

क) फैशन और जीवन शैली और सहायक उपकरण विभाग, सेमेस्टर VI से सुश्री चंदना एम, सितंबर 2020 में आयोजित बहुप्रशंसित टाइटन एनवीसाज प्रतियोगिता के लिए फाइनलिस्ट थीं।

ख) एम.डेस, सेम II के श्री उत्कर्ष श्रीवास्तव ने योडा इंफोबाइट खोज 3.0 चुनौती में प्रथम पुरस्कार जीता।

फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग की सुश्री रीत ओबेरॉय, सेमेस्टर VI ने फैबइंडिया द्वारा आयोजित फैबडिजाइन 2020 प्रतियोगिता जीती।

ग) फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग, सेमेस्टर IV, से सुश्री मौलीना ठाकुर ने डिजाइन एवं सोशल चैलेंज 2020: लॉकडाउन में जीवन : यू एम ओ डिजाइन द्वारा आयोजित।

घ) टेक्सटाइल डिजाइन विभाग, सेमेस्टर IV की सुश्री सानिया रे ने पीएन पनिकर फाउंडेशन द्वारा आयोजित ओपन आर्ट प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार हासिल किया।

ड.) एमएफएम, सेमेस्टर II के श्री आकिब सैनीन एम एफ एम से डीआर, ने अमेरिकन ईगल आउटफिटर्स इंक, आर्टथ्रेड अखिल भारतीय दिवाली टी–शर्ट डिजाइन प्रतियोगिता के विजेता थे, जो उनके दिवाली संग्रह 2020 के लिए थे। विजेता टी–शर्ट को सभी अमेरिकी ईगल स्टोर्स – भारत नवंबर 2020 में प्रदर्शित और बेचा गया था।

च) आईएसडीआई स्कूल ऑफ डिजाइन एंड इनोवेशन, मुंबई द्वारा आयोजित इन्फर्नो, कार्यक्रम – रूफ फॉर ऑल में एम.डेस, सेमेस्टर I की सुश्री सलोनी जैन प्रथम रहीं।

छ) टेक्सटाइल डिजाइन, सेमेस्टर IV से सुश्री राघवी अरोड़ा, प्रयागराज जिले में – क्षितिजः जहां सपने हकीकत से मिलते हैं, द्वारा आयोजित भारतीय प्रतिष्ठित कवि प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहीं।

ज) फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग की सुश्री महिमा मोहन ने कैरेटलेन द्वारा आयोजित कैरेटलेन डिजाइन इन्क्यूबेटर 2020 जीता।

झ) निटवेअर डिजाइन की तुलिया डी ने उन्मादः आई आई एम, बैंगलोर में आयोजित हाउते कोटीओर फैशन शो में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ञ) एफपी (टेक) की गरिमा पोस्टर प्रतियोगिता में निफ्ट बीएलआर द्वारा नम्मा बेंगलुरु विषय पर प्रथम स्थान पर रहीं। पुरस्कार विजेता डिजाइन कलाकृति का उपयोग दीक्षांत समारोह 2020 के दौरान दिए गए स्मृति चिन्ह में किया गया था।

सीई कार्यक्रम

वर्तमान में परिसर सतत शिक्षा कार्यक्रम के तहत 06 एक वर्षीय कार्यक्रम और पांच 06 महीने के कार्यक्रम चला रहा है।

शिल्प समूह आउट–रीचः

निफ्ट, बेंगलुरु भारत की शिल्प विरासत को बढ़ावा देने और परिवर्तन की हवा को प्रेरित करने वाला उत्प्रेरक बनने के दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में परिसर ने कई शिल्प कार्यशालाओं, कारीगर जागरूकता कार्यशालाओं और शिल्प–आधारित उत्पाद विकास और प्रलेखन का आयोजन किया ताकि छात्रों के लिए व्यावहारिक शिक्षण और छात्रों और कारीगरों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। जिन विभिन्न शिल्पों की खोज की गई उनमें लेदर कठपुतली– निम्मलकुंटा, इलकल हथकरघा समूह ,

सुलेभवी हथकरघा समूह, थोडा कढ़ाई, ऊटी, चिंतामणि सिल्क हथकरघा समूह में रेशम बुनाई समूह, कांचीपुरम बुनाई, येलहंका हथकरघा समूह, मैसूर का धातु और उभरा हुआ शिल्प और आंध्र प्रदेश का कलामकारी मछलीपट्टनम शामिल हैं।

उद्योग संबंध और छात्रों की नियुक्ति

कोविड –19 महामारी के वैश्विक व्यवधान के कारण निफ्ट बेंगलुरु ने 2020 के स्नातकों के लिए एक ऑनलाइन वर्चुअल प्लेसमेन्ट सेवा का आयोजन किया। वर्ष 2020–21 के दौरान कुल 153 नौकरी के प्रस्ताव सृजित किए गए। विप्रो द्वारा सबसे अधिक 10 लाख प्रति वर्ष के वेतन पैकेज दिया गया, इसके बाद टारगेट कॉर्पोरेशन यूएसए ने 7.5 लाख प्रति वर्ष की पेशकश की। विभिन्न विभागों में स्नातक परियोजनाओं और ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के अवसर पैदा करने के लिए आईएए इकाई द्वारा कई पहल की गईं । एबीएफआरएल, मैक्स फैशन इंडिया, लैंडमार्क ग्रुप, रेमंड लिमिटेड, रॉबर्ट बॉश इनोवेशन सेंटर, तनिष्क (इंडिया) लिमिटेड, टाटा एलेक्सी, टॉमी हिलफिगर इंडिया और केल्विन क्लेन इंडिया कुछ प्रमुख भर्तीकर्ता थे।

दीक्षांत समारोह 2020

अपने युवा स्नातकों के प्रति सही मायने में अपनी प्रतिबद्ध ता दिखते हुए, सभी निफ्ट परिसरों में से निफ्ट बेंगलुरु ने 2020 के बैच में एक इन–कैंपस दीक्षांत समारोह की मेजबानी करने का पहला कदम उठाया। इस कार्यक्रम को महामारी की पहली लहर के बाद छात्रों और शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक आयोजित किया गया था। 2020 का बैच उत्साह से उत्सव में शामिल हुआ। सभी सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए, इस बैच के स्नातकों ने अपने प्रिय परिसर के वातावरण में अपने प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्राप्त किए। यह समारोह 11 दिसंबर 2020 को स्नातकोत्तर छात्रों के लिए और 18 दिसंबर 2020 को स्नातक छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक ने की। इस कार्यक्रम में स्नातक के कुल 172 छात्र और स्नातकोत्तर के 71 छात्र शामिल हुए। सबसे प्रतिष्ठित ''स्टूडेंट ऑफ द ईयर'' का पुरस्कार फैशन डिजाइन विभाग की सुश्री नेहा पद्मनाभन को मिला, जबकि फैशन प्रौद्योगिकी विभाग के श्री शुभम ने ''अकादमिक उत्कृष्टता और सामुदायिक सेवा'' के लिए पुरस्कार जीता।

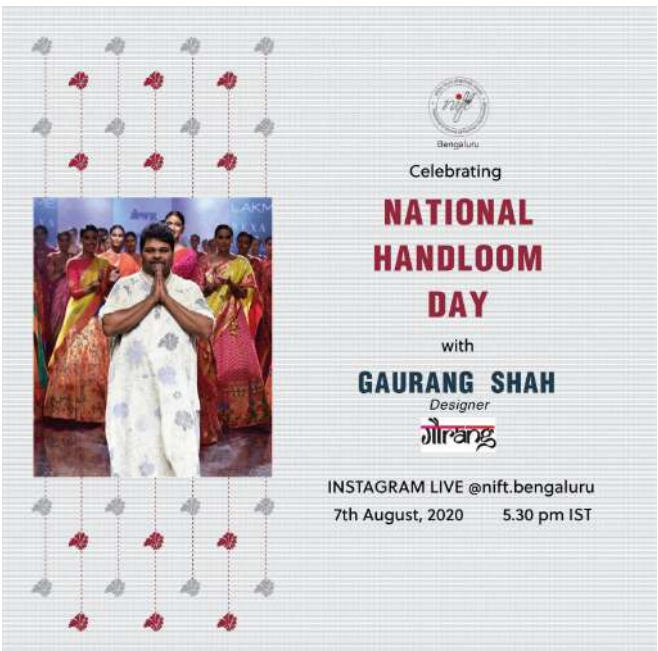

भोपाल

अभिविन्यास कार्यक्रम (2020)

निफ्ट भोपाल में अभिविन्यास कार्यक्रम 25 और 26 सितंबर 2020 के दौरान आयोजित किया गया था। सीसी–एफपी ने छात्रों का स्वागत किया, इसके बाद निफ्ट भोपाल के सभी अधिकारियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों का परिचय और परिसर निदेशक, संयुक्त निदेशक और परिसर अकादमिक समन्वयक द्वारा संबोधन दिया गया। भोपाल, एमपी और निफ्ट भोपाल परिसरों का वर्चुअल दौरा किया गया और उसके बाद डीन ने उद्बोधन दिया। एफ और एल ए, एफ एम एस और टी डी, आई डी एम, जी ई–एम, जी ई–ओ के लिए पाठ्यक्रम पर विभाग–वार प्रस्तुतिकरण दिया गया। एसडीएसी गतिविधियों पर संक्षेप। सीनियर बैच के छात्रों और क्लब के प्रतिनिधियों द्वारा मनोरंजक गतिविधियों का संचालन किया गया। दूसरे दिन की शुरुआत निफ्ट की परीक्षा और मूल्यांकन नीति और छात्रों के चिकित्सा बीमा पर प्रस्तुति के साथ हुई। साहित्यिक चोरी, साहित्यिक चोरी विरोधी प्रथाओं और आईपीआर पर जागरूकता सत्र, ''रैगिंग के खिलाफ कानून'' और ''यौन उत्पीड़न'' पर संवेदीकरण, मानसिक स्वास्थ्य, मादक द्रव्यों के सेवन, कोविड –19 के एहतियाती उपाय और लिंग संवेदीकरण, निफ्ट के अंतर्राष्ट्रीय संबंध, छात्रावास सुविधाएं, समिति, नियम, सीएमएस पर ऑनलाइन पंजीकरण पर ब्रीफिंग, सार्थक योजना, छात्र लैपटॉप नीति और निफ्ट के पूर्व छात्रों के संबोधन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

छात्र विकास गतिविधि (एसडीए):

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल में 08 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पूरे उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। सुश्री मारिसा बोर्गेस प्रमुख,प्रशिक्षण और विशिष्ट परियोजनाएं, रेड डॉट फाउंडेशन और सुश्री नोएल एन, एडवोकेट हाई कोर्ट द्वारा ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए ''एक जेन्डर लेंस के माध्यम से साइबर सुरक्षा'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला का आयोजन विशेषकर महिलाओं के सामने आने वाली साइबर सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए किया गया । निफ्ट भोपाल की महिला कर्मचारियों को भी दोपहर में संस्थान में आयोजित एक सभा के माध्यम से संयुक्त निदेशक श्री अखिल सहाय और सीएसी प्रो (डॉ) समीर सूद द्वारा सम्मानित किया गया। अभिनंदन समारोह के दौरान सभी ने महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के महत्व पर चर्चा की। निदेशक, प्रो (डॉ.) अजीत खरे ने भी परिसर की सभी महिला कर्मचारियों को बधाई दी इस अवसर पर हाउसकीपिंग स्टाफ की महिला कर्मचारियों को भी संयुक्त निदेशक द्वारा गुलदस्ता और स्वच्छता किट देकर सम्मानित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा– 1 मार्च से 15 मार्च 2021

स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन 1 मार्च 2021 को निफ्ट भोपाल परिसर में संयुक्त निदेशक, श्री अखिल सहाय, स्वच्छ भारत लोगो के बैनर प्रदर्शन द्वारा किया गया था और स्वच्छता पर 'सामूहिक प्रतिज्ञा' के साथ निफ्ट भोपाल के सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों द्वारा सुबह 11:30 बजे प्रशासित किया गया। कोविड समय में सभी जगह को पहले सेनिटाइज किया जाता है और समारोह के समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाता है। शपथ ग्रहण समारोह ने स्वच्छता पखवाड़ा 2021 की एक महत्वपूर्ण शुरुआत को चिह्नित किया।

स्वच्छता पखवाड़ा भाषण और नारा लेखन प्रतियोगिता 4 मार्च 2021 को आयोजित की गई।

4 मार्च 2021 को डॉ. राजदीप सिंह खानूजा लिटरेरी क्लब के सलाहकार और डॉ. प्रभात कुमार एसडीएसी निफ्ट भोपाल ने निफ्ट भोपाल के छात्रों और कर्मचारियों के बीच ''एक कदम स्वच्छता के ओर'' विषय पर भाषण और नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता की शब्द सीमा 150 – 200 शब्द थी। छात्र हिंदी या अंग्रेजी के साथ किसी भी भाषा का उपयोग कर सकते हैं। प्रतियोगिता निफ्ट भोपाल के सभी छात्रों के लिए थी।

भारतीय संविधान दिवस, 26 नवंबर 2020
26 नवंबर 2020 को ''भारतीय संविधान दिवस'' पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन ''भारत का संविधान'' विषय पर किया गया था।इस प्रतियोगिता में छात्र–छात्राएं व कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया।

शिक्षक दिवस – 5 सितंबर 2020 को
निफ्ट भोपाल के छात्रों ने शिक्षकों का धन्यवाद देने के लिए शिक्षक दिवस मनाया और एमएस टीम के मंच के माध्यम से एक आभासी सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से मार्गदर्शन किया। निफ्ट भोपाल के वर्तमान छात्रों ने रिकॉर्ड किए गए वीडियो और छवियों के माध्यम से नृत्य, गीत, अभिनय और कला की अपनी प्रतिभा को साझा किया। ईसी सदस्यों के माध्यम से व्हाट्सएप ग्रुपों पर प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं और एसडीएसी द्वारा जाँच की गई थी। इन रिकॉर्डिंग को पूर्व छात्रों के वीडियो के साथ ई–प्लेटफॉर्म पर आभासी सांस्कृतिक कार्यक्रम– 5 सितंबर 2020, दोपहर 12:00 से दोपहर 1:00 बजे तक साझा किया गया था।

12 फरवरी 2020 को कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

12 फरवरी 2020 को कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की वक्ता डॉ. शीला मलानी थीं।

शिल्प समूह पहल

विभिन्न विभागों द्वारा शिल्प समूह पहल के तहत निफ्ट भोपाल में की गई गतिविधियों की विस्तृत सूची इस प्रकार हैः

क्रमांक	विभाग	विषय का नाम/ गतिविधि	दिनांक	शामिल शामिल छात्रों की संख्या	कारीगरों की संख्या	शिल्प और क्षेत्र का नाम
1	वस्त्र डिजाइन	कारीगर जागरूकता कार्यशाला और शिल्प बाजार	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2		सीआरडीपी	03 से 20 नवंबर 2020	41	01	ब्लॉक बटिक उज्जैन म.प्र.
3		सीआरडीपी	05 से 11 नवंबर 2020	32	10	चंदेरी बुनाई
4		सतत डिजाइन	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
5	फैशन प्रबंधन अध्ययन	सीआरडीपी	26 से 30 अक्टूबर 2020	32	06	महेश्वर शिल्प
6		कारीगर जागरूकता कार्यशाला	17 से 19 दिसंबर 2020	32	11	महेश्वर शिल्प
7	फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण	सीआरडीपी	19 से 28 अक्टूबर 2020	33	07	बेल मेटल बैतूल
8		सीआरडीपी	02 से 06 नवंबर 2020	32	07	बेल मेटल बैतूल

महामारी के कारण सभी गतिविधियों को ऑनलाइन किया गया था।

महामारी की स्थिति और लॉकडाउन के कारण शिल्प बाजार को स्थगित कर दिया गया था।

परिसर प्लेसमेन्ट

महामारी की स्थिति के कारण प्लेसमेन्ट को स्थगित कर दिया गया था

दीक्षांत–2019 और ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट शो

महामारी की स्थिति के कारण दीक्षांत समारोह और स्नातक परियोजना स्थगित कर दी गई थी

पूर्व छात्रों और उद्योग द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• निफ्ट की पूर्व छात्र सुश्री यशा संत द्वारा 22 सितंबर 2020 को विषय डिजाइन प्रक्रिया में सेमेस्टर –3 के छात्रों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई थी।

• 1 अक्टूबर 2020 को उद्योगपति , श्री डी दास चौधरी, द्वारा फाइबर टू फैब्रिक विषय में तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• निफ्ट की पूर्व छात्र सुश्री रिंकी संभानी द्वारा 14 अक्टूबर 2020 को विषय डिजिटल डिजाइन और वस्त्र में सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• 13 अक्टूबर 2020 को टेक्सटाइल उत्पाद और सोर्सिंग (आई डी एम) विषय में सेमेस्टर –3 (स्नातकोत्तर) के छात्रों के लिए उद्योग प्रतिनिधि सुश्री रश्मि चक्रवर्ती, द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

• 17 अक्टूबर 2020 को उद्योगपति, श्री बिबेकानंद बसु, द्वारा सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए उन्नत बुनाई डिजाइन और सीएडी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

• 19 अक्टूबर 2020 को उद्योग प्रतिनिधि सुश्री गौरा जोशी नेनवानी द्वारा प्रिंट डिजाइन तकनीक (आईडीएम) विषय में तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• 15 अक्टूबर 2020 को उद्योगपति, श्री शशांक राठौर, द्वारा मोबाइल वाणिज्य विषय में सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• 18 अक्टूबर 2020 को उद्योग विशेषज्ञ, श्री राजर्षि घोष, द्वारा सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए अग्रिम बुनाई होम एंड स्पेस (डीएस) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• व्यावसायिक परियोजना विषय के तहत छटवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए कार्य कार्यशाला का आयोजन 5 मार्च 2021 को निफ्ट की पूर्व छात्र सुश्री वर्तिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया था।

• निफ्ट की पूर्व छात्र सुश्री स्तुति बिसेन द्वारा 25 मार्च 2021 को विषय भारत वस्त्र विरासत– द्वितीय के तहत चौथे सेमेस्टर के छात्रों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई थी।

• डॉ. मृदुल शाही – एम एफ एम.II – उपभोक्ता व्यवहार और न्यूरो विपणन।

• डॉ. प्रियंका रावल – सेवा विपणन और सेवाएं डिजाइन और संबंध विपणन

• डॉ. हरीश कुलकर्णी – आपूर्ति श्रृंखला, मूल्य श्रृंखला और संचालन अनुसंधान, विपणन और खुदरा।

• सुश्री अनुभूति बेहर – समूह अध्ययन।

• डॉ. अतुल दुबे– लागत और लाभप्रदता।

• सुश्री मिताली सरीन– ग्राहक अनुभव प्रबंधन और खुदरा संचालन।

• सैयद आरिफ हसन– ग्राहक अनुभव प्रबंधन और खुदरा संचालन।

• डॉ. जयश्री दुबे– फैशन विपणन

• डॉ. दीप्ति माहेश्वरी– फैशन व्यापार अनुसंधान और आईटी एप्लीकेशन।

• श्री गौरी शंकर – फैशन अवधारणाएं और फैशन बिक्री

• सी.ए. पद्मावती स्वामी – कार्यपालकों के लिए वित्त

• डॉ. अतुल दुबे– लागत और लाभप्रदता (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार)

• डॉ. संगीता जौहरी– उपभोक्ता व्यवहार और न्यूरोमार्केटिंग

• श्री संदीप प्रसाद– व्यापारियों के लिए फैशन सामग्री और उत्पादन प्रबंधन

• श्री असीम मोहन – व्यापारियों के लिए फैशन सामग्री और उत्पादन प्रबंधन

• श्री असीम मोहन– निर्यात व्यापार और एक्जिम दस्तावेजीकरण (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार)

• श्री आशीष जौहरी – निर्यात व्यापार और एक्जिम दस्तावेजीकरण (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार)

• डॉ. हरीश कुलकर्णी – ओमनी – चैनल खुदरा और बिक्री प्रबंधन

• डॉ हरीश कुलकर्णी – आईडीएम खुदरा बिक्री

• सुश्री कावेरी दत्ता द्वारा 1 सितंबर 2020 को सातवें सेमेस्टर के व्यावसायिक परियोजना विषय में विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया था।

• श्री धीरज गोपाल निगम द्वारा 10 सितंबर 2020 को पांचवें सेमेस्टर के पोर्टफोलियो डिजाइन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• सुश्री शालिनी पांडे द्वारा 1 सितंबर 2020 को सातवें सेमेस्टर के विषय व्यावसायिक परियोजना में विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया था।

• डॉ. संगीता जौहरी द्वारा 17 सितंबर 2020 को सातवें सेमेस्टर के विषय व्यावसायिक परियोजना में विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• सुश्री मीता सिद्धू द्वारा 17 सितंबर 2020 को सातवें सेमेस्टर के व्यावसायिक परियोजना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• सुश्री अर्चना जैन द्वारा 21 सितंबर 2020 को पांचवें सेमेस्टर के विश्व वस्त्र विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• सुश्री अर्चना जैन द्वारा 24 सितंबर 2020 को तीसरे सेमेस्टर के भारत–III की वस्त्र विरासत विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• श्री श्याम रंजन सेनगुप्ता द्वारा 17 सितंबर 2020 को सातवें सेमेस्टर के विषय शिल्प डिजाइन परियोजना में

विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया था।

• श्री श्याम रंजन सेनगुप्ता द्वारा 6 अक्टूबर 2020 को सातवें सेमेस्टर के उन्नत बुना डिजाइन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• श्री कुणाल देबनाथ द्वारा 30 सितंबर 2020 को सातवें सेमेस्टर के रचनात्मक टेक्सटाइल (आई डी एम) विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• सुश्री रमेन जेटली द्वारा 07 अक्टूबर 2020 को पांचवें सेमेस्टर के प्रिंट डिजाइन और सीएडी विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।

• श्री बलबीर सिंह दासिला द्वारा 12 अक्टूबर 2020 को तीसरे सेमेस्टर के भूतल अलंकरण–I विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• श्री श्याम रंजन सेनगुप्ता द्वारा 29 अक्टूबर 2020 को पांचवें सेमेस्टर के शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• सुश्री हर्षा पंत द्वारा 3 अक्टूबर 2020 को तीसरे सेमेस्टर के गहन विशेषज्ञता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• श्रीमती आभा सक्सेना द्वारा 16 मार्च 2021 को छंटवें सेमेस्टर के भूतल डिजाइन परियोजना परिधान विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• सुश्री अर्चना जैन द्वारा 17 मार्च 2021 को छंटवें सेमेस्टर के विश्व वस्त्रों की प्रशंसा विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• श्री मोहम्मद आसिफ द्वारा छंटवें सेमेस्टर के प्रिंट डिजाइन प्रमुख और डिजिटल विषय पर 20 मई 2021 को विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया।

• गृह भूतल डिजाइन परियोजना छंटवें सेमेस्टर विषय पर 17, 20 और 27 मई 2021 को श्री अनुज शर्मा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया

• सुश्री सरतिया शर्मा द्वारा 20 और 27 मई 2021 को छंटवें सेमेस्टर के गृह भूतल डिजाइन परियोजना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान लिया गया था।

पीएचडी कर रहे और पूर्ण कर चुके

• प्रो. (डॉ.) समीर सूद, प्रोफेसर, एफएमएस विभाग ने कलिंग विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ से पीएचडी पूरी की है।

• डॉ. अर्नब सेन, सहायक प्रोफेसर, टेक्सटाइल डिजाइन और सीसी–एफपी, निफ्ट भोपाल ने अगस्त– 2019 में जादवपुर विश्वविद्यालय से अपनी पीएचडी पूरी की।

• डॉ. राजदीप सिंह खनूजा, सहायक प्रोफेसर ने आइसेक्ट विश्वविद्यालय, भोपाल से प्रबंधन में पीएचडी पूरी की है।

• डॉ. विशाका अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, टेक्सटाइल डिजाइन को दिसंबर 2019 में बनस्थली विश्वविद्यालय से पीएचडी (डिजाइन) की उपाधि से सम्मानित किया गया।
• सुश्री स्वाति व्यास, सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन, बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर से पीएचडी कर रही हैं।

• सुश्री सुप्रिया यादव, सहायक प्रोफेसर, सहायक उपकरण डिजाइन, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल से पीएचडी कर रही हैं।

• श्री सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर, सहायक उपकरण डिजाइन, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल से पीएचडी कर रहे हैं।

• सुश्री साक्षी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग निफ्ट से पीएचडी कर रही हैं।

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों पर संक्षिप्त टिप्पणी

1. प्रो. (डॉ.) समीर सूद,
• शोध लेख का शीर्षकः कंबोडिया – परिधान उद्योग के लिए अवसरों और चुनौतियों की भूमि–2020
• शोध लेख का शीर्षकः श्रीलंका में परिधान उद्योग के लिए संभावनाएं और चुनौतियां अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाः इंजीनियरिंग और प्रबंधन में वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएसआरईएम) (आईएसएसएनः 2582–3930) खंड 04, अंक 10, अक्टूबर 2020।
• वैज्ञानिक शोध और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका ऑफ (आईजेएसआरईएम) वॉल्यूम 05, अंक 03, मार्च 2021 में प्रकाशित ''भारत में महिलाओं के स्पोर्ट्सवियर मार्केट (परिधान और जूते श्रेणी) का एक अध्ययन'' शीर्षक वाला शोध पत्र।

2. डॉ. राजदीप सिंह खनूजा, सहायक प्रो., सीसी–एफएमएस शोध पत्र ''2020 संभावनाओं का वर्ष ब्लैक स्वान की छाया में ब्रांडिंग का बदलता परिदृश्य ''शीर्षक से 1 जून 2020 को आयोजित चौथे राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में या'' ''भारत की वर्तमान विकास कहानी में बाधा को श्रेय'' में प्रस्तुत किया गया था और आईएसबीएन नंबर के साथ पुस्तक में भी प्रकाशित किया गया था ।

3. सुश्री साक्षी, सहायक प्रो. और सीआईसी, ''2020 संभावनाओं का वर्ष ब्लैक स्वान की छाया में ब्रांडिंग का बदलता परिदृश्य ''शीर्षक से 1 जून 2020 को आयोजित चौथे राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में या ''भारत की वर्तमान विकास कहानी में बाधा को श्रेय'' में प्रस्तुत किया गया था और आईएसबीएन नंबर के साथ पुस्तक में भी प्रकाशित किया गया था ।

4. सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर, डॉ सृष्टि शर्मा उमेकर और डॉ सुकांत मजूमदार द्वारा रिसर्च जर्नल में ''बैतूल क्षेत्र, एमपी में लोक शिल्प का इतिहास, विकास और वर्तमान सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य'' शीर्षक से एक शोध पत्र। सामाजिक और जीवन विज्ञान (आईएसएसएन 0973–3914) खंड XXVIII, जून 2018 यह एक यू.जी.सी. सूचीबद्ध पत्रिका, एसआई। नंबर 1962, पत्रिका नंबर 40942।

संकाय विकास – टीओटी/ कार्यशाला/ संगोष्ठी

• डॉ. राजदीप सिंह खानूजा ने 13 और 14 जुलाई 2020 को बुनियादी कार्यक्रम के लिए ''स्वयं और समाज'' विषय के लिए समाज में निर्माण के लिए बाध्यकारी' नामक संकाय उन्मुखीकरण कार्यशाला में भाग लिया।

• सुश्री साक्षी ने 16 से 18 जुलाई 2020 तक ई–कॉमर्स और सोशल मीडिया विपणन पर टीओटी में भाग लिया।

• डॉ अनुपम सक्सेना सहायक प्रो. ने टीओटी प्रतिमान परिवर्तन में भाग लियाः टेक्सटाइल डिजाइन ऑनलाइन सिखाने के लिए अभिनव तरीके और उपकरण विशेषज्ञों के साथ सुश्री रूपाली पंडित और सुश्री ऋचा शर्मा द्वारा 20 से 22 जुलाई 2020 तक ऑनलाइन के माध्यम से आयोजित किया गया।

• स्वाति व्यास, सहायक प्रो. टी.डी. ने कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय और गृह विज्ञान विभाग, शासकीय मीरा गर्ल्स कॉलेज, उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित एक प्रशिक्षक के रूप में ज्ञान गंगा के तहत राज्य स्तरीय ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम ''गृह विज्ञान में शिक्षण–शिक्षण उत्कृष्टता के लिए पहल'' में 15 से 20 फरवरी 2021 तक भाग लिया।

• डॉ विशाका अग्रवाल, सहायक प्रो. ने टीओटी प्रतिमान परिवर्तन में भाग लियाः टेक्सटाइल डिजाइन ऑनलाइन सिखाने के लिए अभिनव तरीके और उपकरण विशेषज्ञों के साथ सुश्री रूपाली पंडित और सुश्री ऋचा शर्मा द्वारा 20 से 22 जुलाई 2020 तक ऑनलाइन के माध्यम से आयोजित किया गया।

• डॉ अर्णब सेन ने सीएडी बुनाई पर बुनाई कार्यशालाओं में भाग लिया, जिसमें जुलाई दिसंबर 2020 सेमेस्टर के दौरान इन–होऊस व्यवस्था की गई थी।

• डॉ. देवज्योति गांगुली ने जुलाई–दिसंबर 2020 सेमेस्टर में वीव डिजाइन और सीएडी टीओटी में भाग लिया, जिसका संचालन श्री रवि कुमार और श्री पुगाजेन्थिल ने किया।

संकाय उपलब्धियां

• डॉ अनुपम सक्सेना, सहायक प्रो, ने ''सरोजिनी नायडू सरकारी गर्ल्स स्नातकोत्तर (स्वायत्त) कॉलेज, भोपाल द्वारा आयोजित वस्त्र और कपड़ा विभाग में बोर्ड के सदस्य के रूप में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला सितंबर 2020 में भाग लिया।

उद्योग कनेक्ट और परियोजनाएं

• डॉ. अर्नब सेन (आरआईसी) ने 2020 कक्षा के प्लेसमेन्ट के साथ–साथ उद्योग इंटर्नशिप और स्नातक परियोजनाओं के लिए 100 से अधिक कंपनियों से संपर्क किया।

• डॉ. अनुपम सक्सेना, सीसी–टीडी, ने व्यावसायिक परियोजना, 2020, इंटर्नशिप और जीपी 2020–21 के लिए 50 से अधिक कंपनियों से संपर्क किया।

• सुश्री स्वाति व्यास सहायक प्रो. ने हस्त ब्लॉक प्रिंटिंग की पूरी प्रक्रिया से उन्हें परिचित कराने के लिए प्रिंट डिजाइन–हस्त और डिजिटल के पाठ्यक्रम के तहत, भैरोंगढ़, उज्जैन में वरिष्ठ कारीगर द्वारा हस्त ब्लॉक प्रिंटिंग शिल्प के लिए एक आभासी प्रदर्शन की व्यवस्था की।

• डॉ. विशाखा अग्रवाल, सहायक प्रो, बाग प्रिंट परियोजना ''एक जिला एक उत्पाद'' के लिए काम कर रही हैं, जो प्रक्रियाधीन है।

• डॉ. अनुपम सक्सेना, सहायक प्रो. ने सुश्री स्तुति बिसेन के साथ ''पारंपरिक आसनों और कालीनों'' विषय पर भारत–द्वितीय वस्त्र विरासत के लिए एक पूर्व छात्रों से बातचीत का आयोजन किया।

• सुश्री स्वाति व्यास ने डीएस–होम एंड स्पेस, सेमेस्टर VI विषय के लिए बटन मसाला के संस्थापक डिजाइनर अनुज शर्मा द्वारा विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया।

• डॉ. अनुपम सक्सेना, सीसी – टीडी और पीठासीन अधिकारी आईसीसी, ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च 2021 के अवसर पर निफ्ट, भोपाल के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए ''जेंडर लेंस के माध्यम से साइबर सुरक्षा'' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

• डॉ. देवज्योति गांगुली ने वस्त्र डिजाइन विभाग में 3–4 नौकरी पैदा करने के लिए मालेरकोटला में वर्धमान इंडस्ट्रीज से संपर्क किया।

प्रमुख परियोजना

• एमपी कौशल विकास परियोजनाः
इस परियोजना का उद्देश्य मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास रोजगार सृजन बोर्ड (एमपीएसएसडीईजीबी) की मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना (एमएमकेएसवाई)/मुख्यमंत्री कौशल्या योजना (एमएमकेवाई) को मध्य प्रदेश राज्य में भोपाल परिसर के साथ कपड़ा क्षेत्र में प्रशिक्षण सेवा प्रदाता के रूप में प्रशिक्षण देने के लिए लागू करना है। एनएसडीसी के स्थापित मानदंडों के अनुसार कठोर प्रक्रियाओं के बाद भोपाल परिसर द्वारा प्रशिक्षण भागीदारों का चयन किया गया था। एक परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में निफ्ट भोपाल परिसर आवधिक, भौतिक और वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने सहित परियोजना के संपूर्ण कार्यान्वयन और निष्पादन के लिए भी जिम्मेदार है। लगभग 686 प्रशिक्षुओं को विभिन्न प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से सफलतापूर्वक प्रशिक्षित, मूल्यांकन और नियुक्त किया गया है।

• समर्थ के तहत एमपीएलयूएन के लिए पीएमयू:
निफ्ट भोपाल मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (एमपीएलयूएन) के लिए समर्थ (कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण की योजना) के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) है, जो कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार की एक प्रमुख कौशल विकास योजना है। उपरोक्त परियोजना में निफ्ट भोपाल की भूमिका सभी प्रशिक्षण केंद्रों के साथ समन्वय स्थापित करने और एमपीएलयूएन को पीएमयू सेवाएं प्रदान करने की है।

• परिधान ऊष्मायन परियोजनाः
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार के

उद्योग विभाग को ''वस्त्र निर्माण (सियाम) में ऊष्मान केंद्र स्थापित करने की योजना'' के तहत ग्वालियर, मध्य प्रदेश में ''परिधान ऊष्मायन केंद्र'' स्थापित करने के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी है। उक्त परियोजना में, ऊष्मान केंद्र का संचालन और प्रबंधन एमपीआईडीसी ग्वालियर द्वारा परियोजना के कार्यान्वयन के लिए निफ्ट भोपाल के साथ ''नॉलेज पार्टनर'' के रूप में किया जाएगा। उपरोक्त परियोजना में, निफ्ट भोपाल ने एमपीआईडीसी को संचालन, ऊष्मानन के चयन, निविदा दस्तावेज के निर्माण में समन्वय ६ सहायता प्रदान की और ऊष्मायन केंद्र की स्थापना के लिए आवश्यक मशीनरी, उपकरण, फर्नीचर और अन्य सहायक उपकरण के चयन और खरीद में भी सहायता की।

• आईएसडीएस परियोजना के तहत एमपीएलयूएन के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू):
उक्त परियोजना में, निफ्ट भोपाल परिसर ने मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (एमपीएलयूएन) को कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के आईएसडीएस परियोजना के तहत स्वीकृत 1500 व्यक्तियों के अतिरिक्त प्रशिक्षण लक्ष्य के लिए पीएमयू सेवाएं प्रदान की हैं। निफ्ट भोपाल ने एक परियोजना प्रबंधन इकाई के रूप में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जिसमें परियोजना के उद्देश्यों, विवरण, जुटाने की पद्धति, वित्तीय योजना और प्लेसमेंट रणनीति को बताया गया। इस प्रकार प्रशिक्षित, मूल्यांकन और आईएसडीएस के तहत रखे गए उम्मीदवारों का प्लेसमेन्ट के बाद का रिकॉर्ड भी निफ्ट भोपाल द्वारा बनाए रखा गया था।

• डॉ. राजदीप सिंह खनूजा, सहायक प्रो. को 'विकास के लिए पारंपरिक कलाधशिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन' (उस्ताद) योजना के लिए अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के निफ्ट प्रधान कार्यालय परियोजना के लिए कैंपस परियोजना समन्वयक (सीपीसी) के रूप में नामित किया गया है।

• सुश्री स्वाति व्यास, सहायक प्रोफेसर, इंदौर क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएससी परियोजना के लिए पीआईटी के रूप में चयनित।

• डॉ. विशाखा अग्रवाल सहायक प्रो, बाग प्रिंट परियोजना ''एक जिला एक उत्पाद'' परियोजना के लिए समन्वयक के रूप में काम कर रहा है जो प्रक्रियाधीन है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

• भारती वशिष्ठ और इशिता सिंह, टीडी 4, ने फैबइंडिया द्वारा आयोजित फैब डिजाइन 2020 में एक टीम की तरह भाग लिया और हमने इस जीता।

• आकांक्षा आराध्या, टीडी 4, ने दिल्ली के कपड़े और परिधान विज्ञान विश्वविद्यालय के गृह अर्थशास्त्र विभाग के संस्थान द्वारा आयोजित एक अंतर कॉलेज प्रतियोगिता ''एम्ब्रॉयडर ए मास्क'' में दूसरा स्थान हासिल किया।

• कनक मेहता, टीडी IV, ने भारतीय संविधान दिवस पर कॉलेज द्वारा आयोजित चित्रात्मक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जीती।

• सामी श्रीवास्तव, टीडी IV ने ऋषि विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार जीता।

• भारतीय संविधान दिवस पर कॉलेज द्वारा आयोजित चित्रात्मक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पल्लवी, टीडी IV ने तृतीय पुरस्कार जीता।

• मिस्टर राहुल कुमार रवानी जीरोन प्रोडक्शन हाउस द्वारा प्रस्तुत मिस्टर और मिस इंडिया के सेमीफाइनलिस्ट रह चुके हैं।

भुवनेश्वर

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

इस वर्ष परिसर में लगभग 75 लाख की लागत से रूफ टॉप सोलर पैनल लगाया गया है। इस परियोजना से 180 केवीए की सीमा तक बिजली मिलेगी और इस प्रकार आगामी 25 वर्षों के लिए उक्त सौर परियोजना के कारण परिसर के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध होगी। ब्रेक इवन प्वाइंट 6.4 साल का होगा। इस रूफटॉप प्रोजेक्ट के अलावा, 3 सोलर ट्री भी लगवाए जा रहे हैं, जो बीएफटी टेक प्रयोगशाला की 7 सिलाई और कढ़ाई मशीनों की आपूर्ति को पूरा करेंगे। सरकार द्वारा आजीविका मिशन को लेकर पूरे राज्य में यह पहला प्रदर्शन होगा। गरीब बुनकर को अपने घरों में ऐसे सोलर ट्री लगाने का अनुभव मिल सकता है जिससे 25 साल तक मुफ्त बिजली मिल सकती है। छात्रावास की मरम्मत और चक्रवात फानी के कारण हुए नुकसान का पुनर्निर्माण भी प्रमुख मील के पत्थर हैं। परिसर में प्राकृतिक डाई गार्डन को बनाए रखने से हमारे बुनियादी ढांचे में एक बहुत ही आमूल चूल परिवर्तन हुआ है।

प्रमुख परियोजना

क. सीएसबी, बंगलौर और हथकरघा, कपड़ा और हस्तशिल्प विभाग, ओडिशा सरकार के सहयोग से ''निफ्ट, भुवनेश्वर द्वारा विकसित अभिनव हथकरघा उत्पादों का व्यावसायीकरण'' नामक एक परियोजना पूरे जोरों पर है। स्वीकृत परियोजना का बजट 43.66 लाख (तैंतालीस लाख छियासठ हजार मात्र) रू. है। परियोजना समन्वयक श्री पद्म चरण मांझी, टीडी विभाग के सहायक प्रोफेसर हैं।

ख. व्यावसायिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण जूट विविध उत्पादों के उत्पादन के लिए शिल्पों के अध्ययन, डिजाइनों के विकास और सहायक उत्पादक समूहों पर एक परियोजना भी जोरों पर है। परियोजना का बजट रु. 7,52,250/– (रुपए सात लाख बावन हजार दो सौ पचास मात्र) स्वीकृत रु.43.66 लाख (तैंतालीस लाख छियासठ हजार मात्र) है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

• श्री मोहित खेत्रपाल, एफसी बैच 2018–22, को सिएना इंटरनेशनल फोटो अवार्ड्स 2019 (एसआईपीए 2019), इटली में विश्व के सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफर (20 श्रेणी के तहत) के रूप में चुना गया था। वह लंदन स्ट्रीट फोटोग्राफी फेस्टिवल 2020, हमदान इंटरनेशनल फोटोग्राफी अवार्ड्स 2020 दुबई, क्रिएटिव फोटो अवार्ड्स 2020, सिएना इटली में फाइनलिस्ट भी थे। उनकी तस्वीरों ने 35 2020 मास्को पुरस्कार में ''रिपोर्टेज फोटोग्राफी'' श्रेणी में नामांकन में शीर्ष 35 तस्वीरों में जगह बनाई। उन्होंने भारत के शीर्ष 200 फोटोग्राफरों में भी जगह बनाई और इंडियन फोटो फेस्टिवल 2020, हैदराबाद, कोलकाता इंटरनेशनल फोटोग्राफी फेस्टिवल 2020 और इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 2020 में रास से बना बनारस प्रदर्शनी में चित्रित किया गया। संपादक की पसंद भी जीती– लोग स्वतंत्र फोटो द्वारा फोटोग्राफी पुरस्कार और नेशनल ज्योग्राफिक – योर शॉट और फोर्ब्स में भी चित्रित किया गया।

• सुश्री आकांक्षा श्रीवास्तव, ख्याति शेखर और एलसन जॉनसन (छात्र, बैच 2018– 22) की तस्वीरें वोग इटालिया वेबसाइट पर प्रदर्शित की गईं।

• एफसी बैच 2018–22 के छात्र ईशान आदित्य की फिल्म 'परिधि' को शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल, 2020 में प्रदर्शित किया गया

• राशि सक्सेना – ने कोविड–19 के दौरान सामाजिक–आर्थिक और स्वास्थ्य चुनौतियों पर टीईक्यूआईपी प्प् प्रायोजित ई–अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और शमन रणनीतियों पर 'कोविड –19 के दौरान स्मार्ट टेक्सटाइल्स में नवाचार' शीर्षक से

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। (एसईएचसीएम – 2020) संचालन एनआईटी जालंधर ने किया। अक्टूबर 22– 23, 2020।

• श्रेया शिवांगी और सुकन्या पोथलः टिकाऊ ब्रांडों के बारे में फाइबर2फैशन में एक लेख प्रकाशित किया जो एक स्थायी अर्थव्यवस्था बनाने और भारतीय कारीगरों और उनके शिल्प को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है। शीर्षकः उत्तापति लेबल पर केस स्टडी के साथ ''ओडिशा के शिल्प का पुनर्निर्माण''। (मई 2021)

• सृष्टि सुमन – 11 सप्ताह की अवधि के लिए मशीन प्रशिक्षण पर एक ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा किया, जिसे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन द्वारा अधिकृत किया गया और कौरसेरा के माध्यम से पेश किया गया। (1 नवंबर, 2020)

• इल्मा जफर और ओजस्वी महाजन ने 22–24 मार्च 2021 को 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए पहनने योग्य प्रौद्योगिकी' विषय पर निफ्ट, जोधपुर द्वारा आयोजित वस्त्र, फैशन और शिल्प में प्रगति के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एटीएफसी' 21) में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• विभव शरणगत और यशस्विनी राज ने 22–24 मार्च 2021 को 'डिमेंशिया मरीजों के लिए स्मार्ट अनुकूली बनियान' विषय पर निफ्ट, जोधपुर द्वारा आयोजित वस्त्र, फैशन और शिल्प में प्रगति के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एटीएफसी' 21) में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• अर्पिता पथी – फ्रेंच भाषा (इंटर्नशाला पाठ्यक्रम), फ्रेंच भाषा के लिए कोरा स्पेस में योगदानकर्ता (फ्रीलांस), टेड निट, राउरकेला वेबिनार सत्र में भाग लिया, मस्कुराहाट फाउंडेशन में अनुदान संचय किया

• तमन्ना रैना को निफ्ट भुवनेश्वर के ईएसएसई क्लब के क्लब सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। संयुक्त राष्ट्र द्व ारा गर्लअप अभियान के तहत एक क्लब, गर्लअप फ्लाई के सदस्य के रूप में काम किया। जूली नाम की एक लड़की के लिए 11वीं कक्षा की फीस देने के लिए गर्लअप फ्लाई में फंडरेजर का हिस्सा रही हैं। 31 जनवरी 2021 को उद्योग और पूर्व छात्र मामलों की इकाई, निफ्ट मुख्यालय द्वारा ''नए सामान्य में फैशन जीवन शैली और विलासता'' – वेबिनार में भाग लिया। गर्लअप फ्लाई द्वारा आयोजित सर्वाइकल कैंसर जागरूकता, स्तन कैंसर जागरूकता, शरीर की सकारात्मकता आदि पर विभिन्न सेमिनारों में भाग लिया। उन्हें सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट रीता गंगवानी द्वारा व्यक्तित्व विकास और प्रस्तुति पर विद्या दान कक्षाओं के लिए चुना गया था।

• प्रेरणा चौधरी को निफ्ट भुवनेश्वर के साहित्यिक क्लब सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। कॉलेज पत्रिका 'प्रतिभा' के लिए संपादकीय बोर्ड के भाग के रूप में चुना गया। एम्स बीबीएसआर ऑनलाइन फेस्ट में शतरंज में 5वां स्थान हासिल किया। निट राउरकेला में आयोजित टेडक्स वेबिनार मे हिस्सा लिया। मिट–डब्लू पी यू आरोहण द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। इंटर्नशिप पेनटेक प्रोलाबस इंडिया लिमिटेड एवं एआईसीटीई के सहयोग से जीयूवीआई में भारत 1.0 के लिए पायथन कोर्स एआई का आयोजन किया गया।

• अनीशा पांडा ने वाईआईएफ व्याख्यान श्रृंखला और सेमिनार में भाग लिया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के तहत गुवी के पायथन कोर्स का हिस्सा था। कोविड के दौरान सामाजिक मदद के लिए स्वेच्छा से युवा उत्कल फाउंडेशन के सदस्य भी बने।

• ऋषभ कुमार – गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड इवेंट में भाग लिया – अधिकांश उपयोगकर्ता ऑनलाइन कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में भाग लिया।

• मधुस्मिता मोहंता ने अंडरस्टैंडिंग फैशन : व्यापार से संस्कृति तक (इंस्टीट्यूट फ्रांसेस डे ला मोड (आईएफएम)) में फ्यूचरलर्न डॉट कॉम के माध्यम से भाग लिया। फैशन और लक्जरी कंपनियों के प्रबंधन में भाग लिया। कौरसेरा के माध्यम से यूनिवर्सिटी बोकोनी एवं एक स्टार्टअप ब्रांड अधिकारी उम्र 19 में ग्राहक अनुभव रिसर्च इंटर्न (कोरियाई स्ट्रीटवियर परिधान और कपड़े) में योग दान दिया।

• अमोला त्रिपाठी ने ओरिसॉफ्ट कंप्यूटर एजुकेशन में वेब डिजाइन पर सेमिनार में भाग लिया। दर्दनाक आनंद टैटू और पीर्सिंग स्टूडियो में विपणन और सोशल मीडिया बिक्री इंटर्नशिप, बिद्युत फैशन हाउस, यूएसए के लिए बीबीएसआर मॉडलिंग और सोशल मीडिया संभाला। गायन और रैंपवॉक के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा टैलेंट हंट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। एसआरसीएम और यूएनआईसी द्वारा हार्टफुलनेस निबंध कार्यक्रम, अखिल भारतीय निबंध लेखन कार्यक्रम में भाग लिया। आशाएं फाउंडेशन द्वारा साइबर अपराध, बालिका शिक्षा, बदमाशी और अन्य सामाजिक समस्याओं पर संगोष्ठी में भाग लिया। वसुंधरा क्रिएशन्स, विसरा इवेंट्स एंड मॉडल्स और आस्क टैलेंट्स द्वारा मिस टीन यूनिवर्स के लिए राज्य स्तर पर चुना गया था। स्टाइलिंग में पेनफुल प्लेजर के लिए फ्रीलांसिंग करते हुए विभिन्न स्टाइलिंग और मेकअप परियोजनाओं का आयोजन किया गया।

• प्रणति चौधरी, हिंदुस्तान टाइम्स – कविता लेखन प्रतियोगिताः बेड मी गुड में अखिल भारतीय विजेता कंटेंट लेखन इंटर्नशिप (16 महीने की कंटेंट लेखन इंटर्नशिप सोसाइटी म्यूटर क्रिएट में कंटेंट लेखक के रूप में नामित हुए। टॉप बी–स्कूल के छात्रों के लिए डेटा विश्लेषण के आधार पर केस स्टडीज बनाई गई। कंटेंट लेखक और प्रबंधक, डेअर2कम्पीट में ऑरनाज में कंटेंट लेखन, और सोशल मीडिया प्रबंधन, एसईओ विश्लेषक के रूप में योगदान दिया।

• 2020 के विजेता – आईआईटी खड़गपुर स्प्रिंग फेस्ट आईआईटी – इवेंट नव्याता (फैशन शो) विजेता टीम वियाना प्रतिभागीः एफडी सेम VII निबेदिता मुंडा, विजिता, अपर्णा बेहरा, अंकिता नायक, अरुणिमा चौहान, हितेसना।

• 2020 के विजेता– आईआईआईटी भुवनेश्वर अद्वैत उत्सव – इवेंट लैमोड (फैशन शो) विजेता टीम वियाना प्रतिभागीः एफडी सेम VII निबेदिता मुंडा, विजेता, अपर्णा बेहरा, अंकिता नायक, अरुणिमा चौहान, हितेसना।

• सुश्री सयानी चक्रवर्ती को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक नवोदित नर्तक और प्रदर्शनों के सूचित सदस्य के रूप में मान्यता दी गई और 22 मार्च 2021 को पहली बार नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया । नबा गुंजन 2020 ने वरिष्ठ श्रेणी में तीसरा स्थान हासिल किया (राज्य स्तरीय ओडिसी नृत्य प्रतियोगिता)।

• एफडी VII सेम के रौनक राज और अरुणा पांडा ने प्रील्यूड एंड एडिक्शन फैशन मैनेजमेंट द्वारा आयोजित भुवनेश्वर रनवे वीक, सीजन 4 में बैकस्टेज मैनेजर के रूप में भाग लिया। गोल्फ क्लब इंफो सिटी में कॉर्पोरेट पुरस्कारों के सीजन 4 की मेजबानी दिनांक 12 फरवरी 2021 को की। 1) श्री अमन वर्मा और श्री प्रभात वर्मा ने 8 मार्च, 2021 को

स्वस्ती प्रीमियम, भुवनेश्वर में ''सतत और भूमि से जुड़ा हुआ'' विषय पर आयोजित फैशन टैलेंट हंट में भाग लिया।
2) फाउंडेशन डिजाइन की छात्रा जयिता पोद्दार को 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2020 तक आयोजित कार्यक्रम, मेराकी – रचनात्मकता का प्रतीक में द फेस मेकअप कॉम्पिटिशन में दूसरा पुरस्कार दिया गया।
3) रिसिता नायक, फाउंडेशन डिजाइन की छात्रा ने मैक्स फैशन इंडिया द्वारा आयोजित सिरेमिक प्लेट पेंटिंग वर्कशॉप में भाग लिया। कलिंग भाषा मुक्त मंच द्वारा आयोजित कलिंग कला और हस्त शिल्प प्रदर्शनी में 30/5/2021 को आयोजित किया गया और, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, सुरथकल के फोटोग्राफी क्लब द्वारा आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता ''फ्रेम्स'', एक्सपोस 21 का भी एक हिस्सा बनीं।
4) भुवनेश्वर परिसर के सेमेस्टर VII श्री देबजीत बिस्वास ने टीआईटी, भिवानी द्वारा आयोजित, 18 –19 सितंबर, 2020 मौखिक, और एआईसीटीई प्रायोजित ई–सम्मेलन में ''टेक्सटाइल में हालिया रुझान – अभिनव और एक नवोन्मेषी और टिकाऊ रेशे, सूत, कपड़े और गारमेंट उत्पादन, प्रसंस्करण और डिजाइनिंग पहलू'' के लिए एक प्रतिमान पर ''सोके हुए फेजोलस वल्गारिस (लाल किडनी बीन) इक्स्ट्रैक्ट के साथ रेशम के कपड़े की डाइंग'' नामक शोध लेख प्रस्तुत किया।
5) श्री देबजीत विश्वास और सुश्री श्रुतिरूपा पति, भुवनेश्वर परिसर के सेमेस्टर VII, ने ''टेक्सटाइल पर एंटीवायरल फिनिशिंग'', टेक्सटाइल और लेदर समीक्षा, 2020, वॉल्यूम 3 अंक 4 शीर्षक से समीक्षा लेख का सह–लेखन किया।
6) भुवनेश्वर परिसर का बेड लिनन श्रेणी में लीवा प्रिंट डिजाइन क्लासरूम परियोजना पुरस्कार में प्रथम रनर अप (दूसरा स्थान)–सुश्री मुंजुलुरी भावग्न्य, द्वितीय रनर अप (तीसरा स्थान) – सुश्री दीपिका टोप्पो स्टोल्स श्रेणी – विजेता (प्रथम स्थान) – सुश्री श्रुतिरूपा पति, रचनात्मक उत्कृष्टता पुरस्कार – सुश्री दीक्षा रानी, रचनात्मक उत्कृष्टता पुरस्कार – सुश्री नबरूपा बोस को मिला ।
7) भुवनेश्वर कैंपस की VI सेमेस्टर की सुश्री शालिनी कुमारी ने 8 मार्च 2021 को एक खुदरा संगठन द्वारा आयोजित हथकरघा आधारित वस्त्रों के लिए अतुल्यकारीगरी भुवनेश्वर में आयोजित डिजाइन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।
8) सुश्री स्वाति सोनाली प्रधान, भुवनेश्वर परिसर के VI सेमेस्टर ने सखीगोपाल, ओडिशा में डीएसएस (एनजीओ) और एसडब्ल्यूएडी के तहत कारीगर सहायता कार्यशाला और गुलाछी, ओडिशा के तहत कला शिक्षा शिविर कार्यशाला में 2021 में क्रिएटिव इंस्ट्रक्टर के रूप में भाग लिया।
9) सुश्री स्वाति सोनाली प्रधान, भुवनेश्वर परिसर के VI सेमेस्टर ने बुनकर जगतसिंहपुर, ओडिशा में कला और कथा के तहत महिला अधिकारिता कार्यशाला के लिए संघ में भाग लिया।
10) सुश्री स्वाति सोनाली प्रधान, भुवनेश्वर परिसर के VI सेमेस्टर ने टी शर्ट डिजाइनिंग में भाग लिया, मिलेनै प्राइवेट लिमिटेड 2021 में डिजाइन का चयन किया गया।
11) सुश्री स्वाति सोनाली प्रधान, भुवनेश्वर परिसर के VI सेमेस्टर ने भारतीय कलाकारों 2021 के साथ डॉ जोहान्स बेल्ट्जिन के सहयोग से जेडीसीए कार्यशाला में भाग लिया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

सभी छात्रों ने विभिन्न निगमों और फैशन उद्योगों में अपनी स्नातक परियोजनाओं को पूरा किया

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

निफ्ट में शिल्प समूह पहल को निफ्ट छात्रों को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने और क्षेत्रीय संवेदनशीलता और विविधता, संसाधनों और पर्यावरण में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। छात्र डिजाइन बौद्धिकता, डिजाइन नवाचार, उत्पाद विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ब्रांड प्रबंधन, खुदरा उद्यमिता, संगठनात्मक विकास और सिस्टम डिजाइन और विकास जैसे समूहों में विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करते हैं। शिल्प समूह पहल 2020–21 के तहत सीआरडी – शिल्प अनुसंधान और सीबीडीपी– शिल्प श्रेष्ठ डिजाइन परियोजना प्रलेखन जैसी विभिन्न गतिविधियां ऑनलाइन प्रणाली में की गईं। सभी विभागों द्वारा कारीगर जागरूकता कार्यशाला भी ऑनलाइन मोड में दिसंबर 2020 के महीने में आयोजित की गई थी, जहां मणिबंध, कोटपाड़, रघुराजपुर, गोपालपुर आदि के विभिन्न समूहों से कारीगरों को आमंत्रित किया गया था और रुझानों पर ज्ञान और बाजार की मांगों की समझ को साझा करने के लिए निफ्ट संकाय और छात्रों के साथ बातचीत की।
सीआरडी 2021 के लिए, एफएमएस के छात्रों ने गोपालपुर – तुसर रेशम, रघुराजपुर – पट्टाचित्र, कोटपाड़, नुआपटना – खंडुआ साड़ी और कपड़े जैसे समूहों के कारीगरों के साथ बातचीत की। एफ एंड एलए विभाग ने सीआरडी 2020 के लिए कालाहांडी और पिपली समूह और सीबीडीपी 2020 के लिए केंद्रपाड़ा समूह में गोल्डन ग्रास क्राफ्ट शुरू किया। शिल्प प्रदर्शन 2021 के लिए, उन्होंने रघुराजपुर समूह से कोणार्क और पट्टाचित्र शिल्प से पत्थर की नक्काशी के कारीगरों को आमंत्रित किया।
– एफएलए छात्रों द्वारा सीबीडीपी के लिए केंद्रपाड़ा समूह में गोल्डन ग्रास शिल्प
टीडी विभाग ने सीआरडी के लिए बरगढ़ समूह, बंगिरीपोशी, मयूरभंज और गोपालपुर समूह और सीबीडीपी के लिए नुपटना समूह और चिचिंडा समूह लिया।
एफसी विभाग ने सीआरडी के लिए कोणार्क पत्थर की नक्काशी, रघुराजपुर पेपर माचे और गाय के गोबर के खिलौने समूह शुरू किए। एफडी विभाग ने सीआरडी और सीबीडीपी के लिए मनियाबंध, नुआपटना और कोटपाड़ लिया।
छठवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए एफ डी, ए डी, बी एफ टी, टी डी और एफ सी विभागों द्वारा संयुक्त रूप से 25 से 27 जून 2021 तक एक आभासी कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। हस्तशिल्प समूह – कोणार्क पत्थर की नक्काशी, पिपली – पिपली, पट्टाचित्र– रघुराजपुर को एफसी और एफएलए विभागों द्वारा कवर किया गया था। हथकरघा समूह – कोटपाड़ – कोरापुट, मनियाबंध और गोपालपुर तुसर रेशम समूह बीएफटी, टीडी और एफडी विभागों द्वारा कवर किए गए थे। रुझानों पर ज्ञान साझा करने और बाजार की मांगों को समझने के लिए इन तीन दिनों में कुल 30 कारीगरों ने छात्रों और छह विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।

पीएचडी पूर्ण कर चुके और कर रहे हैं

सुश्री लिप्सा महापात्रा, सुश्री हर्षा रानी, सुप्रिया मुंडा, सुश्री अपर्णा रस्तोगी, सुश्री दरनिया रॉय, श्री गौतम बार, सुश्री सुलगना साहा पीएचडी कर रहे हैं।

सुश्री सोनाली श्रीवास्तव और सुश्री प्रियंका कुमाती ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

संकाय प्रकाशन, पेपर प्रस्तुति और संकाय विकास

1) डॉ. गौतम साहा, सहायक प्रोफेसर और सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित ''वस्त्र और फैशन अपशिष्ट प्रबंधन और स्थिरता से संबंधित संगठन और मानक'', नामक एक शोध पत्र को आर नायक, और ए पटनायक (सं.), फैशन और वस्त्र उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन वुड हेड पब्लिशिंग। डीओआई : 10.1016/सी2018–0–04057–8 में प्रकाशित करने के लिए स्वीकार किया गया है।

2) डॉ गौतम साहा, सहायक प्रोफेसर और सुश्री लिप्सा महापात्रा, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित ''सबाई घास हस्तशिल्प, ओडिशा, भारत के विशिष्ट संदर्भ के साथ सतत आजीविका ढांचे और उद्यमिता अवसरों पर एक अध्ययन'' नामक एक शोध पत्र, राजगोपाल, और आर. बहल, उद्यमिता और क्षेत्रीय विकास (आईएसबीएन 978–3–030–45521–7 संस्करण, पीपी। 179–200) पालग्रेव मैकमिलन, चाम में प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है।

3) डॉ. गौतम साहा और सुश्री लिप्सा महापात्रा का शोध पत्र 'सबाई ग्रास का उपयोग करके डिजाइन हस्तक्षेप के माध्यम से ओडिशा की आदिवासी महिलाओं का ग्रामीण आजीविका विकास' शीर्षक से एल मोहंती, एड ओडिशा समीक्षा, LXXVII (नं.2–3), पीपी. 6–9 में प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया है।

4) डॉ. गौतम साहा और सुश्री लिप्सा महापात्रा द्वारा लिखित एक शोध पत्र को ''परम संस्कृति और सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से डिजाइन हस्तक्षेपः भारतीय कृषि क्षेत्र से चयनित मामले'' विषय के साथ आई एफ एफ टी आई 2020 सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया।

5) डॉ. संतोष तराई, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित ''भारत में परिधान निर्यात और व्यापार रणनीति'' नामक एक लेख को स्वीकार कर लिया गया है और नवयुग बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक जुलाई अंत, 2021 तक प्रकाशित की जाएगी।

6) ''कैसे पारदर्शिता स्थायी फैशन को चला सकती है?'' शीर्षक का एक लेख, सहायक प्रोफेसर, सुश्री हर्ष रानी द्वारा लिखित, को फाइबर 2 फैशन में स्वीकार और प्रकाशित किया गया है।

7) सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित '' कोविड की दुनिया में वीयूसीए परिधान का विपणन'' शीर्षक से एक लेख को फाइबर 2 फैशन में स्वीकार और प्रकाशित किया गया है।

8) डॉ. संतोष तराई, एफएमएस द्वारा प्रकाशन

9) दक्षिण एशियाई परिधान अर्थव्यवस्थाओं में निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता – विश्व व्यापार संगठन शासन के उपरांतः भारतीय परिप्रेक्ष्य का एक अध्ययन, यूज़ीसी पीयर–रिव्यू अधिकृत पत्रिका जिज्ञासा द्वारा प्रकाशित किया गया।

10) प्रभावी रणनीति निर्माण के माध्यम से हथकरघा क्षेत्र में उद्यमिता विकासः ओडिशा, भारत राज्य में एक अनुभवजन्य अध्ययन, मेडक्रेव ओपन एक्सेस जर्नल, जुलाई, 2020 में टेक्सटाइल अभियांत्रिकी और फैशन प्रौद्योगिकी (जेटीईएफटी) की पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

11) ओडिशा के इलाकों में पुराने कपड़ों की बिक्री के प्रति उपभोक्ता धारणा, भारत राज्य, मेडक्रेव ओपन एक्सेस पत्रिका जेटीईएफटी, अगस्त, 2020 द्वारा प्रकाशित किया गया।

12) डिजाइनिंग फैशन विपणनः सतत समाज के लिए एक मानचित्र, ट्रांस स्टेलर, ओपन एक्सेस पत्रिका द्वारा अगस्त, 2020 को टेक्सटाइल और फैशन प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आई जे टी एफ टी) में प्रकाशित किया गया।

13) वस्त्रों में जीवन की अभिव्यक्तिः ओडिशा में संस्कृति और फैशन का एक अध्ययन, भारतीय मान्याप्रद द्वारा प्रकाशितः इंडियन स्टडीज की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, पीयर–रिव्यूड जर्नल, 2020 में प्रकाशति किया गया।

14) हैंडलूम सेक्टर में ई–कॉमर्स का एकीकरणः ओडिशा, भारत, में उपभोक्ता परिप्रेक्ष्य, टेक्सटाइल और परिधान प्रबंधन प्रौद्योगिकी की पत्रिका (जे टी ए टी एम), पीयर–रिव्यू जर्नल, 2020 द्वारा प्रकाशित किया गया। ।

15) सुश्री सुलगना साहा द्वारा 'कचरे को उत्तम संग्रह में बदलना' पर फाइबर 2 फैशन में लेख प्रकाशन किया गया।

16) सुश्री सुलगना साहा, श्री नंद किशोर बराइक और श्री सुमित कुमार द्वारा 22 और 23 अक्टूबर 2020 को एनआईटी जालंधर में आयोजित ई–अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महामारी के समय में शिक्षा में चुनौतियां' 'एसईएचसीएम–2020' में भाग लिया गया।

17) 22–24 मार्च 2021 को सुश्री सुलगना साहा, निफ्ट, जोधपुर द्वारा आयोजित वस्त्र, फैशन और शिल्प (एटीएफसी' 21) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में टेक्सटाइल में प्रगति में 'डिमेंशिया रोगियों के लिए स्मार्ट अनुकूली बनियान' भाग लिया गया।

18) सुश्री ख्याति शेखर (विद्यार्थी, बैच 2018–22), श्री ईशान आदित्य (छात्र, 2018–22 के बैच) और सुश्री सोनाली

श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर द्वारा एक शोध पत्र 'ओडिशा' हथकरघा और सोशल मीडिया प्रचार:विपणन का डिजिटल परिवर्तन पर एक अध्ययन शीर्षक से 3 दिसंबर, 2020 को एमआईसी 2020 में प्रस्तुत किया गया था।

19) सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रोफेसर द्वारा एक शोध पत्र, ''कोविड महामारी पर जागरूकता पैदा करने में ओडिशा सरकार की भूमिका'' शीर्षक से 22 नवंबर, 2020 को एनएमसी 2020 में प्रस्तुत किया गया था।

20) सुश्री ऋतुजा असेकर (छात्र, 2018–22 बैच), सुश्री स्वाति सोनाली पांडा (छात्र, 2018–22 बैच), सुश्री निकिता मिंज (छात्र, 2018–22 बैच) और सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर शीर्षक ''भुवनेश्वर में आदिवासी कला और भित्तिचित्र: पारंपरिक और समकालीन के बीच संबंधों की खोज'' द्वारा एक शोध पत्र 22 नवंबर, 2020 को एनएमसी 2020 में प्रस्तुत किया गया था।

21) सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रोफेसर द्वारा एक शोध पत्र, ''कोरोना महामारी के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता: ओडिशा सरकार की भूमिका पर अध्ययन'' शीर्षक से 10 अक्टूबर 2020 को आईएमएस यूनिसन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ई सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था।

22) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर द्वारा एक शोध पत्र, जिसका शीर्षक था ''सिनेमा और वेब में पोस्ट–फेमिनिस्ट नैरेटिव्स: ए स्टडी ऑफ जोया अख्तर की महिला पात्रों'' को ग्लोबल मीडिया जर्नल (भारतीय संस्करण), [ऑनलाइन], 12 (2) में प्रकाशित किया गया था। .

23) डॉ. चित्तरंजन साहू, सहायक प्रोफेसर का एक शोध पत्र, जिसका शीर्षक था ''सूर्य की छवियां और प्राची घाटी पर पूजी जाने वाली: एक कलाकार का विहंगम दृश्य'' बिहार पुराविद परिषद की पत्रिका, वॉल्यूम – xxvii-xxviii, 2021 पीपी.20– 24, आईएसएसएन 0976–5107 में प्रकाशित हुआ था।

24) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर द्वारा एक शोध पत्र, जिसका शीर्षक है ''कोविड युग में संस्कृति उत्पादन और खपत: भारत में वीडियो–ऑन–डिमांड उद्योग का एक मेटा–विश्लेषण'' – आई सी एम सी 2021, एम आई सी ए अहमदाबाद 7 जनवरी, 2021 को।

25) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर द्वारा एक शोध पत्र, जिसका शीर्षक है ''वीडियो ऑन डिमांड सर्विसेज इन इंडिया: कंटेंट का परिवर्तन, दर्शक और उद्योग''– तारीख 7 नवंबर, 2020 को मीडिया नृविज्ञान अनुसंधान सामूहिक द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई अध्ययन के लिए भारतीय संघ – 2020 में प्रस्तुत किया गया।

26) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर का एक अध्याय, ''स्व–स्वीकृति और हिप–हॉप संगीत: दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला छात्रों के बीच एक अन्वेषण'' शीर्षक से मिसोगिनी में ग्लोबल मीडिया, लंदन: रोवमैन और लिटिलफील्ड.आईएसबीएन: 978–1–7936–0621–1 के प्रथम संस्करण में प्रकाशित हुआ था।

27) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर और सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रोफेसर ने 10 और 17 अक्टूबर, 2020 को डिजिटल डिजाइन और संचार पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

28) सुश्री अपर्णा रस्तोगी, सहायक प्रोफेसर और सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रोफेसर ने 29 जुलाई से 1 अगस्त, 2020 तक फैशन स्टाइलिंग पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

29) सुश्री अपर्णा रस्तोगी, सहायक प्रोफेसर और सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रोफेसर ने 15 जुलाई से 17 जुलाई, 2020 तक रचनात्मक सोच कौशल पर एक ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

30) श्री गौतम बार, सहायक प्रो, टीडी ने टेक्सटाइल और लेदर समीक्षा, 2020, Vol 3 Issue 4, doi.org/10.31881/TLR.2020.17 में ''टेक्सटाइल पर एंटीवायरल परिष्करण'' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

31) श्री गौतम बार, सहायक प्रो, टीडी ने एक लेख प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था ''भीगे हुए फेजोलस वल्गारिस (रेड किडनी बीन) एक्सट्रैक्ट के साथ सिल्क फैब्रिक की डाइंग'', विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधुनिक रुझान की अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2020, 6 (वै), 83–88, doi.org/10.46501/IJMTST0609S14.

32) श्री गौतम बार, सहायक प्रो, टीडी ने ''क्रोटन बोनप्लांडियनम प्लांट एक्सट्रैक्ट ट्रीटेड कॉटन वस्त्र की जीवाणुरोधी क्षमता'', शीर्षक से फैशन प्रौद्योगिकी और वस्त्र इंजीनियरिंग में वर्तमान रुझान, 2020,7 (1), 005–009, doi.org/10.19080/ctftte.2020.07.555703 में एक लेख प्रकाशित किया।

33) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो, टीडी ने द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, जुलाई 2020, वॉल्यूम 32, नंबर 2 आईएसएसएन 0970 2733 आईएचएमएसएफ – 32 (1–262) 2020 में प्रकाशित ''खोई हुई तकनीकों का पुनरुत्थान: मशरू टेक्सटाइल में डिजाइन इनोवेशन के लिए दृष्टिकोण'' शीर्षक से एक लेख में प्रकाशित किया।

34) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो, टीडी ने डोगो रंगसांग की शोध पत्रिका, नवंबर 2020, खंड 10, अंक –11, संख्या 02. आईएसएसएन –2347–7180 में प्रकाशित ''मशरू टेक्सटाइल्स का एक समग्र अध्ययन: वैश्विक संबंध, सुविधाएँ और संभावनाएं'' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

35) श्री गौतम बार ने बन्नारी अम्मान प्रौद्योगिकी संस्थान, 24–25 अक्टूबर 2020 ख्मौखिक, द्वारा आयोजित तकनीकी वस्त्रों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कृषि पर जैव–आधारित भू टेक्सटाइल का प्रभाव'' शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया – (आई सी ए टी टी–2020).

36) श्री गौतम बार ने बन्नारी अम्मान प्रौद्योगिकी संस्थान,

24 – 25 अक्टूबर 2020 द्वारा आयोजित तकनीकी वस्त्रों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – (आई सी ए टी टी –2020) में ''पर्यावरण के अनुकूल तकनीकी वस्त्रों के लिए बास्ट फाइबर का निष्कर्षण'' शीर्षक से एक लेख मौखिक रुप से, प्रस्तुत किया ।

37) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने ''कोविड –19: जीवन और आजीविका'' दिनांक ''5–6 मई, 2020'' पर ''ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – 2020'' में ''कोविड 19 महामारी के दौरान हथकरघा बुनकरों की अनसुनी अभिव्यक्ति'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। इसका आयोजन ''वाणिज्य और अर्थशास्त्र का विद्यालय, केआईआईटी–डीयू, भुवनेश्वर'' द्वारा किया गया।

38) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने 'कोविड की लड़ाई की ओर हथकरघा बुनकरों की चुनौती' –शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 19 महामारी 'नई भूमिका की चुनौतियों के लिए और कल के लिए योजना: 'कोविड –19 (आई एफ ए सी–19) के खिलाफ भारत की लड़ाई' आर्य महिला स्नातकोत्तर कॉलेज –बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के विशेषाधिकारों के अधीन एक महाविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

39) श्री गौतम बार सहायक प्रो टीडी ने 08 अगस्त 2020 को कपड़ा प्रौद्योगिकी विभाग एमएलवी टेक्सटाइल और अभियांत्रिकी कॉलेज, भीलवाड़ा द्वारा आयोजित ''नैनोटेक्नोलॉजी और वस्त्रों में इसका अनुप्रयोग'' नामक एक टी ई क्यू आई पी–III प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

40) श्री गौतम बार सहायक प्रो टीडी ने एआईसीटीई में भाग लिया– आईएसटीई प्रायोजित इंडक्शन/पुनश्चर्या कार्यक्रम ''सतत विकास के लिए वस्त्र रासायनिक प्रसंस्करण में उन्नत पारिस्थितिक तकनीक पर कार्यक्रम, वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 12.03.21 से 18.03.21 तक के.एस. रंगसावी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, तमिलनाडु द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

41) श्री पद्म चरण मांझी, सहायक प्रो टीडी ने ऑनलाइन के माध्यम से 20 से 22 जुलाई 2020 तक विशेषज्ञों के साथ सुश्री रूपाली पंडित और सुश्री ऋचा शर्मा द्वारा आयोजित 'आदर्श परिवर्तन: कपड़ा डिजाइन ऑनलाइन सिखाने के लिए अभिनव तरीके और उपकरण ' नामक एक टीओटी में भाग लिया।

42) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो टी डी ने इंस्टिट्यूट ऑफ लीडरशिप एंड गवर्नेंस, एम.एस. 30 मई से 19 जून तक बड़ौदा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 21 दिनों के ग्रीष्मकालीन सामाजिक–राजनीतिक इंटर्नशिप कार्यक्रम कन्ट्री बूटीऑन 2020 में ''आत्मनिर्भरता संचालित नेतृत्व– स्थानीय काम –नेतृत्व वैश्विक'' विषय के साथ एक प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया।

43) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो टी डी ने इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल– एवीट और विनायक मिशन के रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित 16 जून – 20 जून 2020 से ''पेशेवर नवोन्मेषकों के लिए आईपीआर पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम'' में भाग लिया।

44) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो टीडी ने भाग लिया और एआईसीटीई प्रशिक्षण और सीखना (अटल) अकादमी ऑनलाइन एफडीपी को ''छात्रपति साहू इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एजुकेशन एंड रिसर्च, कोल्हापुर में 05–01–2021 से 09–01–2021 तक उच्च शिक्षा में छात्र केंद्रित शिक्षण, सीखने के तरीके और रणनीतियों'' पर पूरा किया।

45) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो टीडी ने जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अनंतपुर, आन्ध्र प्रदेश में 01 फरवरी, 2021 से 05 फरवरी, 2021 तक '' नेतृत्व और उत्कृष्टता '' पर एआईसीटीई प्रशिक्षण और सीखना (अटल) अकादमी ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया और पूरा किया।

46) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो टीडी ने एआईसीटीई प्रशिक्षण और सीखना (अटल) अकादमी ऑनलाइन एफडीपी को ''व्यक्तिगत और व्यावसायिक उत्कृष्टता'' पर 07 दिसम्बर, 2020 से 11 दिसम्बर, 2020 तक आईपीएस अकादमी, इंजीनियरिंग और विज्ञान संस्थान, ज्ञान गांव, राजेंद्र नगर, ए.बी. रोड इंदौर में भाग लिया।

47) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रो टीडी ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान में 2020–12–14 से 2020–12–18 तक ''विरासत प्रबंधन'' पर एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) अकादमी ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया और पूरा किया।

48) सुश्री अमृता पांडा, सहायक प्रो टीडी ने निम्न वेबिनार सत्र में भाग लिया।

क) एक अस्थायी विश्व में परंपरा को बनाए रखना वेबिनार – 29 अप्रैल 2021 संस्कृति और विकास केंद्र – नीदरलैंड्स (सीसीडी–एनएल) द्वारा आयोजित

ख) शांत, उपचार, और आशा के इंद्रधनुष को गले लगाने वाले रंग विषय पर 6 अप्रैल 2021, पैनटोन . द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

ग) भारत में सतत शिल्प, 16 मार्च, 2021, आई एफ एफ टी आई ऑनलाइन वेबिनार द्वारा आयोजित किया गया।

घ) सोमवार, 8 मार्च 2021, निफ्ट जोधपुर में ''उद्यमी के रूप में महिलाओं की भूमिका'' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।

ङ) स्वाभाविक रूप से, प्रेरक वेबिनार, गतिशील फैशन को धीमा करना – निटवेअर वस्त्र प्रेमियों के लिए संभावनाओं की दुनिया विषय पर 16 फरवरी 2021, द वूलमार्क कंपनी द्वारा आयोजित किया गया।

च) ''फैशन जीवन शैली और विलासिता नए सामान्य में'' 31 जनवरी 2021, निफ्ट मुख्यालय में आयोजन किया गया।

छ) प्राकृतिक खोखले फाइबर (एनएनएफ), 20 दिसंबर 2020, डेस्कैट यूके– देव एथिकल सस्टेनेबल क्राफ्ट्स एंड टेक्सटाइल्स द्वारा आयोजित किया गया।

ज) तेलंगाना हैंडलूम 27 नवंबर 2020, विक्की द्वारा आयोजित (भारतीय वाणिज्य और उद्योग में महिला) किया गया।

प) 28 नवंबर को 'ओडिशा में स्टार्ट–अप अवसर',

स्टार्ट–अप सेल, निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा आयोजित किया गया।

49) श्री गौतम बार ने बन्नारी अम्मान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 24–25 अक्टूबर 2020 द्वारा आयोजित तकनीकी वस्त्रों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मौखिक, (आई सी ए टी टी –2020) में ''कृषि पर जैव – आधारित भू टेक्सटाइल का प्रभाव'' शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया।

50) श्री गौतम बार ने बन्नारी अम्मान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 24 – 25 अक्टूबर 2020 द्वारा आयोजित तकनीकी वस्त्रों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मे मौखिक, – (आई सी ए टी टी –2020) में ''पर्यावरण के अनुकूल तकनीकी वस्त्रों के लिए बास्ट फाइबर का निष्कर्षण'' शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया।

51) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने ''कोविड–19: जीवन और आजीविका'' पर ''ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – 2020'' में ''कोविड 19 महामारी के दौरान हथकरघा बुनकरों की अनसुनी अभिव्यक्ति'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। दिनांक ''5–6 मई, 2020'' का आयोजन ''वाणिज्य और अर्थशास्त्र विद्यालय, किट–विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर'' द्वारा किया गया।

52) सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से समबद्ध आर्य महिला स्नातकोत्तर कॉलेज द्वारा आयोजित सेमिनार में 'कोविड–19 महामारी की लड़ाई की ओर हथकरघा बुनकरों की चुनौती– 'नई भूमिका की चुनौतियों के लिए और कल के लिए योजना एवं 'कोविड –19 के खिलाफ भारत की लड़ाई (आई एफ ए क–19) शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

53) डॉ गौतम साहा, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सीसीएस आचरण नियमों पर एक कार्यशाला और ग्रंथ सूची लिखने पर एक शोध पद्धति में भाग लिया है।

54) सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर, ने 9 दिसंबर 2020 को ''शीर्ष फैशन व्यापारिक विद्यालयों के दृष्टिकोण से स्थिरता विषय पर एक वेबिनार में भाग लिया। इसमें आई सेम, एन वाई यू स्टर्न और मेफेड एसडीए बोकोनी के साथ परिचर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया।

55) सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर, ने मीराश्पा लर्निंग सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित ''ग्रंथसूची और साहित्य विश्लेषण (एसएलआर और मेटा विश्लेषण)'' पर 29 जनवरी–1 फरवरी, 2021 से एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

56) सुश्री हर्ष रानी, सहायक प्रोफेसर, ने 6 और 7 अगस्त 2020 को ईटी ग्लोबल टाउनहॉल वर्चुअल समिट 2020 में भाग लिया।

57) सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर, ने उद्योग और पूर्व छात्र मामलों की इकाई, निफ्ट मुख्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न वेबिनार में भाग लिया है।

58) सुश्री लिप्सा महापात्रा, सहायक प्रोफेसर ने 20 फरवरी से 20 मार्च 2021 (ऑनलाइन) कोच स्कॉलर द्वारा आयोजित ''साहित्य समीक्षा करने की कला'' में भाग लिया।

59) सुश्री लिप्सा महापात्रा और डॉ. गौतम साहा, सहायक प्रोफेसर ने 29 जनवरी से 1 फरवरी, 2021 तक मीराशपा लर्निंग सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित ''ग्रंथसूची और साहित्य विश्लेषण (एसएलआर और मेटा विश्लेषण)'' में भाग लिया।

60) श्री सत्य शंकर बेनर्जी ने लगभग 6 से 12 अगस्त, 2020 तक प्रबंधन अकादमी के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

61) श्री पद्म चरण मांझी सहायक प्रो टी डी –VI सेमेस्टर (2018–2022 बैच) के लिए प्रिंट डिजाइन और केड के हिस्से के रूप में ''मुद्रित वस्त्र और खुदरा'' पर एक ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान देने के लिए टी डी ने श्री कौसिक मजूमदार, क्षेत्रीय दृश्य व्यापारी, आदित्य बिड़ला फैशन और रिटेल के साथ 17.09.2020 को बातचीत की।

62) श्री पद्म चरण मांझी सहायक प्रो टीडी ने श्री पुनीत अवस्थी, कार्यकारी निदेशक और सह–संस्थापक, बंकरी इंडिया, कोलकाता और श्री बोमल सुरेका, जीपी और इंटर्नशिप के लिए प्रकाश आर्ट क्रिएशन, कोलकाता के मालिक के साथ बातचीत की।

63) श्री पद्म चरण मांझी सहायक प्रो टीडी जनवरी से जून 2021 शैक्षणिक सत्र में निफ्ट भुवनेश्वर में एसडीपी विषय के लिए प्रकाश कला निर्माण, कोलकाता से उद्योग आधारित कक्षा डिजाइन परियोजना प्राप्त करने में सफल रहे। छटवें सेमस्टर के छात्रों ने उद्योग आधारित कक्षा परियोजना में भाग लिया।

64) सुश्री अमृता पांडा, सहायक प्रो टीडी, ने अतुल्य कारीगर, पैराडाइज 6 कक्षा परियोजनाएं, इंटर्नशिप और प्लेसमेन्ट के अवसरों के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (ए एफ पी अल) से संपर्क किया।

65) श्री गौतम बार, सहायक प्रो. टीडी ने इंटर्नशिप और नौकरी के अवसरों के लिए अरिहंत स्पिनिंग मिल्स, आर्ट इमेज, जेसी होमटेक्स, रैटेरिया एक्सपोर्ट्स, एशियन फैब्रिक्स से संपर्क किया।

66) सीएसबी, बंगलौर और हथकरघा, कपड़ा और हस्तशिल्प विभाग, ओडिशा सरकार के सहयोग से निफ्ट, भुवनेश्वर द्वारा विकसित अभिनव हथकरघा उत्पादों का व्यावसायीकरण परियोजना स्वीकृत की गई है। स्वीकृत परियोजना का बजट 43.66 तैतालीस लाख छियासठ हजार रूपए मात्र) है। पदः पीआईटी में कार्यरत कार्यान्वयन दल।

67) डॉ गौतम साहा, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सीसीएस आचरण नियमों पर एक

कार्यशाला और ग्रंथ सूची लिखने पर एक शोध पद्धति में भाग लिया है।

68) सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर, ने 9 दिसंबर 2020 को ''शीर्ष फैशन बिजनेस स्कूलों के 'दृष्टिकोण से स्थिरता विषय पर एक वेबिनार में भाग लिया। आई सेम, एन वाई यू स्टर्न और मेफेड एसडीए बोकोनी के साथ परिचर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया।

69) सुश्री हर्ष रानी, सहायक प्रोफेसर, ने 29 जनवरी–1 फरवरी, 2021 से मीरशपा लर्निंग सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित ''ग्रंथसूची और साहित्य विश्लेषण (एसएलआर और मेटा विश्लेषण)'' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

70) सुश्री हर्ष रानी, सहायक प्रोफेसर, ने 6 और 7 अगस्त 2020 को ईटी ग्लोबल टाउनहॉल वर्चुअल समिट 2020 में भाग लिया।

71) सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर, ने उद्योग और पूर्व छात्र मामलों की इकाई, निफ्ट मुख्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न वेबिनार में भाग लिया है।

72) सुश्री लिप्सा महापात्रा, सहायक प्रोफेसर ने 20 फरवरी से 20 मार्च 2021 (ऑनलाइन) कोच स्कॉलर द्वारा आयोजित ''साहित्य समीक्षा करने की कला'' में भाग लिया।

73) सुश्री लिप्सा महापात्रा, सहायक प्रोफेसर ने 29 जनवरी से 1 फरवरी, 2021 तक मीराशपा लर्निंग सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित ''ग्रंथसूची और साहित्य विश्लेषण (एसएलआर और मेटा विश्लेषण)'' में भाग लिया है।

74) श्री सत्य शंकर बेनर्जी ने लगभग 6 से 12 अगस्त, 2020 तक प्रबंधन अकादमी के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

75) डॉ. गौतम साहा, सहायक प्रोफेसर 25/09/2019 से सीएसी की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने 16/01/20 से 15/01/21 तक संयुक्त निदेशक की जिम्मेदारी का भी निर्वहन किया।

76) सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर ''भुवनेश्वर में प्रस्तावित स्पिनफेड ऊष्मान केंद्र के लिए तकनीकी प्रबंधकीय परामर्श समर्थन'' नामक एक परियोजना में टीम सदस्य रही हैं।

77) सुश्री हर्षा रानी ने जनवरी 2021 में विलक्षण – एक्स आई एम बी प्रबंधन के जर्नल के लिए एक शोध लेख की समीक्षा की है।

78) सुश्री हर्षा रानी के पास स्टार्ट–अप सेल की समन्वयक है, जिसे अगस्त 2020 में स्थापित किया गया था ताकि सभी इच्छुक उद्यमियों को कोविड की कठिन अवधि के दौरान अपने स्टार्ट–अप उपक्रमों को बनाने और बनाए रखने में मदद की जा सके। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से निफ्ट द्वारा घोषित प्रतिभा परियोजना में भाग लेने के लिए पूर्व छात्रों और स्नातक छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। हमारे द्वारा सलाह दी गई ऐसी दो पूर्व छात्रों की स्टार्टअप– लिटोरल डिजाइन्स और मोई टोई को अंतिम साक्षात्कार दौर में शॉर्टलिस्ट किया गया और उनमें से एक – मोई टोई को अंतिम दौर में चुना गया। इस स्टार्ट अप सेल ने स्टार्टअप प्रक्रिया और पारिस्थिति की तंत्र से संबंधित विषयों पर कई वेबिनार भी आयोजित किए हैं और बड़े पैमाने पर कई युवा पूर्व छात्र उद्यमियों और छात्रों को लाभान्वित किया है।

79) सुश्री लिप्सा महापात्रा, सहायक प्रोफेसर ने सेतु में https://www.setumag.com/2020/12/Hindi&Lit&Journalh-html?m=1 लिंक के माध्यम से एक हिंदी कविता और मूसे इंडिया अक्टूबर 2020 में एक अंग्रेजी कविता प्रकाशित की है।

80) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर को पत्रकारिता और जनसंचार विभाग और डिजाइन और फैशन प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 15 मई, 2021 को आयोजित 'फैशन फोटोग्राफी' विषय पर आईईएस विश्वविद्यालय, भोपाल में अतिथि व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी

1) श्री पार्थ हलदर, पूर्व छात्र, एएमएमएम, दिल्ली को 16 अप्रैल और 30 सितंबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय खुदरा बिक्री और विपणन पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।

2) श्री गिरीश भट्ट, पूर्व छात्र डिजिटल विपणन और ओमनी चैनल, दिनांक 9 मई, 2020 को आमंत्रित किया।

3) श्री विक्रांत भारती, वरिष्ठ व्यापारिक प्रबंधक, ली–फंग (पूर्व छात्र, दिल्ली) को निर्यात व्यापार और विक्रेता प्रबंधन के लिए 17 अप्रैल, 2020 को आमंत्रित किया।

4) श्री राहुल जिंदल, फैक्ट्री प्रबंधक, आदित्य बिड़ला निर्यात हाउस (भुवनेश्वर) को अपैरल प्रोडक्शन हाउस और लीन मैन्युफैक्चरिंग और इसके महत्वपूर्ण मुद्दों पर 23 मई, 2020 को आमंत्रित किया।

5) अविषेक मोहंती, रेमंड, पूर्व छात्र, योजना और खरीद के लिए दिनांक 30 अप्रैल, 2020 आमंत्रित किया।

6) श्री शोम राउतरे, रिलायंस (पूर्व छात्र) को खरीदने और योजना बनाने के लिए 15 सितंबर, 20 को आमंत्रित किया।

7) सुश्री संध्यारानी पाल, एक्सआईएमबी के विजिटिंग फैकल्टी को एमएफएम छात्रों के लिए ''व्यक्तित्व निर्माण के लिए टीम निर्माण और नेतृत्व कौशल'' पर एक कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया।

8) कक्षा में बातचीत के लिए हमारे पूर्व छात्रों प्रशांत बारिक (निफ्ट के पूर्व छात्र), लैंडमार्क और आकाश बसा (वॉलमार्ट) को आमंत्रित किया।

9) डॉ. एस पी मिश्रा और श्री आशीष शर्मा ने दिसंबर 2020 में ''फैशन सामग्री प्रबंधन और गुणवत्ता'' विषय में एमएफएम सेमेस्टर– । (बैचः 2020–22) के छात्र को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया था।

10) श्री प्रबीन कुमार राउत ने दिसंबर 2020 में ''ई कॉमर्स, फैशन प्रमोशन मिक्स एंड सोशल मीडिया मार्केटिंग'' विषय में एमएफएम सेमेस्टर– ।।। (बैचः 2019–21) के छात्र को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया था।

11) प्रो. संजय मोहपात्रा, एक्स आई एम बी ने दिसंबर 2020 को ''ई कॉमर्स और मीडिया मार्केटिंग पर विभिन्न मुद्दों'' विषय में एम एफ एम – ।।। के छात्र को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया था।

12) श्री शरत कुमार जेना, सहायक प्रोफेसर, एक्स आई एम बी, भुवनेश्वर ने 21 और 26 अप्रैल 2021 को ''आपूर्ति श्रृंखला और मूल्य श्रृंखला और संचालन अनुसंधान'' विषय में एम एफ एम –।। के छात्र को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया था।

13) श्री कांति प्रकाश ब्रह्मा, एच एंड एम समूह, व्यापार नियंत्रक, आपूर्ति श्रृंखला (परिधान) ने 14 मई 2021 को ''सेवा विपणन और सेवा डिजाइन और संबंध विपणन'' विषय में एमएफएम–द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

14) श्री अमित दास, निफ्ट भुवनेश्वर के पूर्व छात्र और वरिष्ठ प्रबंधक नून डॉट कॉम (Noon.com) दुबई ने 14 दिसंबर 2020 को खुदरा योजना पर छात्रों को आभासी रूप से संबोधित किया।

15) सुश्री लिप्सा महापात्रा, सहायक प्रोफेसर के पास राकेश महापात्रा, वीएम, द दुबई मॉल, दुबई, चेतन शर्मा, रिटेल प्लानर, सेंट्रल मॉल, मुंबई जैसे उद्योग संपर्क और वार्ताएं आयोजति की गईं ।

16) सत्र जुलाई–दिसंबर 2021 के दौरान सेलिब्रिटी कोट्टियूर और बेस्पोक फैशन के लिए सातवें वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए रेनश–लक्जरी कॉउचर ब्रांड के साथ लाइव क्लासरूम प्रोजेक्ट आयोजित किया गया था।

17) जुलाई–दिसंबर 2021 के दौरान फैशन डिजाइन और चित्रण के लिए सातवें वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए डब्ल्यू के साथ क्लासरूम प्रोजेक्ट आयोजित किया गया था।

18) जुलाई–दिसंबर 2021 के दौरान फैशन डिजाइन और चित्रण के लिए सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए बायोगी के साथ क्लासरूम प्रोजेक्ट आयोजित किया गया था।

19) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर ने 21 अप्रैल, 2021 को डिजाइन अनुसंधान विषय के तहत डॉ संजय कुमार पांडा द्वारा एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

20) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर ने 19 अप्रैल, 2021 को डिजाइन अनुसंधान विषय के तहत सुश्री पंकजा सेठी, नृवंशविज्ञानी और डिजाइनर द्वारा एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

21) सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर ने 16 अप्रैल, 2021 को कहानी सुनाना और आख्यान विषय के तहत फिल्म निर्माता सुश्री बियोट प्रोजना त्रिपाठी द्वारा एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

22) पूर्व छात्र परस्पर संवादात्मक कार्यशालाः सुश्री तान्या मेहर (आभूषण उद्योग), सुश्री रूपांजलि (बैग उद्योग) और अर्चना चौधरी (ग्राफिक्स), दीक्षा सैनी (कांच उद्योग) जहां पूर्व छात्रों ने कोविड 19 के दौरान उद्योग पर टप सेमेस्टर के छात्रों के साथ ब्रीफिंग सत्र का आयोजन किया था। लॉकडाउन के बाद बाजार, इंटर्नशिप के लिए आवेदन कैसे करें, मौजूदा बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो, ग्राफिक उद्योग के दायरे आदि विषयों पर चर्चा की गई।

23) निफ्ट भुवनेश्वर के पूर्व छात्र श्री आकाश बेहरा ने अप्रैल, 2021 के महीने में टीडी छात्रों के साथ बातचीत की।

24) व्यावसायिक परियोजना विषय के एक भाग के रूप में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था। मानव निर्मित वस्त्र अनुसंधान संघ में सहायक निदेशक डॉ. श्यामल मैती, श्री प्रबीन कुमार राउत, डॉट नेट, पी ए पी और वेब डिजाइन के प्रशिक्षण प्रमुख विभाग श्री राजर्षि घोष उपाध्यक्ष– संचालन, अरविंद लिमिटेड ने क्रमशः 16.09.20, 17.09.20 और 20.09.20 को व्याख्यान दिया ।

25) सुश्री लिप्सा हेम्ब्रम, निफ्ट के पूर्व छात्र और डिजाइनर, ने विषय डिजाइन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में 31.10.20 को टीडी छात्रों के साथ बातचीत की।

प्रमुख उद्योग संबंध

1) डॉ. संतोष तराई ने एसएपी का समन्वय किया और 5 और 21 अगस्त, 2020 को फैकल्टी और छात्रों दोनों के लिए ऑनलाइन विश्लेषणात्मक क्लाउड और बिग डेटा विश्लेषण पर लुमिरा प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

2) तीन समूहों में समूह विजिट–सह–अध्ययन की सुविधा प्रदान की गई है। छात्रों के साथ गोपालपुर समूह का दौरा किया और 12 से 16 फरवरी, 2020 तक अपने क्लस्टर अध्ययन में 8 एमएफएम द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

3) फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग, भुवनेश्वर ने 21 से 23 फरवरी, 2020 तक पुरी में आउटबाउंड कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों के साथ जंगल कैंप, पुरी में जाकर रुके और एमएफएम द्वितीय सेमेस्टर के लिए जौहरी विंडो,

टीम बिल्डिंग और छात्र नेतृत्व उत्तेजना खेल जैसी गतिविधियों का आयोजन किया।

4) पी–वैल्यूज, वेलस्पन, मिकाया ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड, पैरागॉन एक्सपोर्ट हाउस, एस्टेटिका सॉल्यूशन ऑफ होम फर्निशिंग, एसीई टर्टल प्राइवेट लिमिटेड, फ्यूचर ग्रुप, एमएएस होल्डिंग, डेकाथलॉन, लाइफस्टाइल, ओआरएमएएस, फैशन बुटीक, प्यूमा, टेक्स्ट पोर्ट एक्सपोर्ट हाउस, पैंटालून, रेमंड, आरबीएल, मिंत्रा, ली एंड फंग, अरविंद, रिलायंस रिटेल, फैबइंडिया, शॉपर्स स्टॉप, वेस्टीज ग्रुप, आदि कंपनियों से इंटर्नशिप के साथ–साथ प्लेसमेन्ट के लिए भी संपर्क किया गया था।

5) श्री बेरी सिंह, सीओओ, डिजिटल विपणन और ओमनी–चैनल के लिए एसीई टर्टल, दिनांक 9 अक्टूबर, 2020 आमंत्रित किया गया।

6) श्री पद्म चरण मांझी सहायक प्रो टी डी –VI सेमेस्टर (2018–2022 बैच) के लिए प्रिंट डिजाइन और केड के हिस्से के रूप में ''मुद्रित वस्त्र और खुदरा'' पर एक ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान देने के लिए टी डी ने 17. 09.2020 को श्री कौसिक मजूमदार, क्षेत्रीय दृश्य व्यापारी, आदित्य बिड़ला फैशन और रिटेल के साथ बातचीत की।

7) श्री पद्म चरण मांझी सहायक प्रो टीडी ने श्री पुनीत अवस्थी, कार्यकारी निदेशक और सह–संस्थापक, बंकरी इंडिया, कोलकाता और श्री बोमल सुरेका, जीपी और इंटर्नशिप के लिए प्रकाश आर्ट क्रिएशन, कोलकाता के मालिक के साथ बातचीत की।

8) श्री पद्म चरण मांझी सहायक प्रो टीडी को एक उद्योग आधारित कक्षा डिजाइन परियोजना जनवरी से जून 2021 के शैक्षणिक सत्र में निफ्ट भुवनेश्वर में एसडीपी विषय के लिए प्रकाश कला निर्माण, कोलकाता से प्राप्त हुई थी। सेम VI के छात्रों ने उद्योग आधारित कक्षा परियोजना में भाग लिया।

9) सुश्री अमृता पांडा, सहायक प्रो टीडी, अन्नपूर्णा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (एएफपीएल) अतुल्य कारीगर, क्लासरूम प्रोजेक्ट्स के लिए पैराडाइज 6, इंटर्नशिप और प्लेसमेन्ट के अवसर के लिए से संपर्क किया। ।

10) श्री गौतम बार, सहायक प्रो. टीडी ने इंटर्नशिप और नौकरी के अवसरों के लिए अरिहंत स्पिनिंग मिल्स, आर्ट इमेज, जेसी होमटेक्स, रैटेरिया एक्सपोर्ट्स, एशियन फैब्रिक्स से संपर्क किया।

11) सेलेब्रिटी कोटीओर के लिए 7वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए रेनश–लक्जरी कॉउचर ब्रांड के साथ लाइव कक्षा परियोजना और सत्र जुलाई–दिसंबर 2021 के दौरान बेस्पोक फैशन का आयोजन किया गया था।

12) जुलाई–दिसंबर 2021 के दौरान फैशन डिजाइन और चित्रण के लिए 7 वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए डब्ल्यू के साथ कक्षा परियोजना आयोजित की गई।

13) जुलाई–दिसंबर 2021 के दौरान फैशन डिजाइन और चित्रण के लिए सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए बायोगी के साथ कक्षा परियोजना आयोजित की गई।

14) ट्रांसफॉर्म फर्नीचर (भुवनेश्वर) और तारणी (बैंगलोर) को हमारे उद्योग लिंकेज के रूप में जोड़ा गया है।

स्थिरता पहलू और ग्रीन परिसर गतिविधियां

निफ्ट, भुवनेश्वर में पहलः
निफ्ट भुवनेश्वर ने परिसर में पर्यावरण के अनुकूल संपूर्ण फैशन मूल्य श्रृंखला को प्रदर्शित करने के लिए एक मिनी–मॉडल बनाने की संभावनाओं का पता लगाया। इसमें वनस्पतियों और जीवों की स्थानीय किस्में शामिल हैं। ऐसी किस्में स्वाभाविक रूप से लचीली, कम कमजोर होती हैं और अत्यधिक और अनुचित मौसम प्रणालियों का सामना कर सकती हैं। हम एक ऐसी प्रणाली की ओर देख रहे हैं जो अधिक व्यावहारिक, स्वाभाविक रूप से होने वाली, समग्र और सुगम हो। प्रकृति एक जटिल तंत्र के रूप में मौजूद रहती है जहां प्रत्येक इकाई दूसरे की आवश्यकता को उपज देती है चाहे वह शिकारी, रक्षक, सहजीवी या परजीवी, जीवित और निर्जीव हो। जब ये प्रणालियाँ मिलती हैं, तो वे एक स्व–संगठित और आत्मनिर्भर प्रणाली बनाती हैं।

राज्य के विभिन्न स्थानों के कारीगरों, किसानों, विशेषज्ञों की मदद से हमने ओडिशा राज्य में प्राकृतिक रंग देने वाले स्थानीय पौधों की 60 विभिन्न किस्मों की पहचान की। इसी तरह, हमने राज्य में फाइबर देने वाले पौधों की 10 विभिन्न स्थानीय किस्मों की भी पहचान की है। हमारे प्राकृतिक फाइबर गार्डन में कपास, लिनन, केला, जूट, रेमी, कोपक, केनाफ, सिसाल, भिंडी, बिछुआ और कमल जैसे पौधों की स्थानीय किस्में हैं। इसी तरह, हमने परिसर में शहतूत, अर्जुन और आसन के पेड़ों जैसे फीडर पौधों का भी रोपण किया है ताकि शहतूत, टसर और एरी जैसी तीन अलग–अलग किस्मों की अहिंसा रेशम (अहिंसक रेशम) की एक पूर्ण लघु उत्पादन इकाई हो।

हमने परिसर में वनस्पतियों के पोषण और विकास के लिए परागण के लिए मधुमक्खी के बक्से रखे। अपनी पहल को और मजबूती देने के लिए, हमने पर्माकल्चर, इनहाउस पौधों के पोषण के लिए खाद उत्पादन, और वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्जिंग शुरू की ताकि पौधे प्रतिकूल मौसम की स्थिति का सामना कर सकें और जीवित रह सकें। बिजली उत्पादन और खपत के लिए छतों पर सोलर पैनल लगाए गए हैं।

हम अपनी प्रयोगशालाओं में प्राकृतिक रंगों के निष्कर्षण और विभिन्न प्राकृतिक रेशों के उपयोग पर प्रयोग कर रहे हैं। यह बस एक शुरुआत है। इसलिए, हमें फैशन उद्योग को चलाने के लिए आवश्यक मानव संसाधन तैयार करने की आवश्यकता है।

चेन्नई

परिसर के महत्वपूर्ण स्थल और उपलब्धियां

• निफ्ट, चेन्नई को भारत में सर्वश्रेष्ठ फैशन संस्थानों में से एक के रूप में स्थान दिया गया है, जिसका सर्वेक्षण आउटलुक और इंडिया टुडे द्वारा किया गया था। भारत में शीर्ष 10 फैशन संस्थानों में निफ्ट, चेन्नई को इंडिया टुडे सर्वेक्षण में तीसरा स्थान और आउटलुक सर्वेक्षण में 5 वां स्थान मिला।

• मिस्टर मनीष बालकृष्णन (बैच 2016–2020), निटवेअर डिजाइन विभाग के छात्र, जिन्होंने ''थालम'' नामक अपने रचनात्मक निटवेअर संग्रह के लिए सर्वश्रेष्ठ डिजाइन संग्रह पुरस्कार जीता, को कला थ्रेड नेक्स्ट जेन अवार्ड 2020 पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चित्रित किया गया है।

• निटवेअर डिजाइन विभाग, निफ्ट, चेन्नई के छात्रों ने रचनात्मक कलाकृतियों के माध्यम से कोविड 19 के बाद दुनिया के लिए अपनी सकारात्मक कल्पना दर्शाई। यह पहल यूनिसेफ इंडिया द्वारा इंक लिंक चौरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 'वॉयस ऑफ यूथ' के माध्यम से बाल दिवस मनाने के लिए है। कलाकृतियों को पूरे देश में यूनिसेफ (और विभिन्न संगठनों) द्वारा साझा और ई–प्रकाशित किया गया था और उन्हें कॉफी टेबल बुक के लिए चुना गया था।

• निफ्ट, चेन्नई के छात्रों ने ईद ग्रीटिंग कार्ड बनाकर फंड इकट्ठा किया और यह फंड उत्तरी राज्यों में महामारी के दौरान प्रभावित हुए जरूरतमंद लोगों को दान किया गया है।

• निफ्ट चेन्नई के छात्रों ने प्रवासी निरक्षर लोगों के लिए कोविड–19 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया और लोगों को आवश्यक वस्तुएं और मास्क प्रदान किए। उन्हें अपने मोबाइल फोन में ''आरोग्य सेतु ऐप'' का उपयोग करने में भी मदद की।

• निफ्ट चेन्नई की द्वि–वार्षिक पत्रिका ''रिफ्लेक्शंस'' एमएफएम और स्नातक डिजाइन छात्रों की टीम द्वारा प्रकाशित की गई थी।

• कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान निफ्ट, चेन्नई ने हमारे दो पूर्व छात्रों के साथ जैविक कपड़ों के फेस मास्क विकसित किए और तमिलनाडु सरकार सचिवालय में मौजूद अधिकारियों को वितरित किए गए।

• जावद हिल्स के 06 अनुसूचित जनजाति के छात्रों और एक पीडब्ल्यूडी उम्मीदवार को पढ़ाया गया और शिक्षा फीस के भुगतान के लिए विभिन्न उद्योगों से प्रायोजन के माध्यम से उन उम्मीदवारों के लिए वित्तीय सहायता की भी व्यवस्था की गई।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

• कक्षा/शिल्प कक्ष – शैक्षिक ब्लॉक में – 12 और उपभवन में 16।

• कार्यशाला और प्रयोगशाला – शैक्षिक ब्लॉक में 25 और उपभवन में 10 ।

• लड़कों का छात्रावास – वाई–फाई युक्त 92 कमरे।

नया निफ्ट परिसर (लड़कियों का छात्रावास और एसएमएसी बिल्डिंग):

• लड़कियों का छात्रावास – यूजीसी मानदंडों के अनुसार उच्च अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले 210 कमरे, छात्र बहुउद्देशीय गतिविधि केंद्र (एसएमएसी), प्ले एंड पार्क एरिया, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल, वॉलीबॉल कोर्ट, फुटसल ग्राउंड, और जिम उपकरण, जैसी सुविधाएं प्रदान करके साइकिलिंग ट्रैक, एटीएम की सुविधा, 50 केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और उपचारित पानी को शौचालय फ्लशिंग और बागवानी के उद्देश्य के लिए पुनर्नवीनीकरण किया जाएगा और सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटस लगाई गई है। डाइनिंग हॉल क्षमता: 330 छात्र, रसोई क्षमता:

500 छात्र, 26000 लीटर की क्षमता के साथ सौर जल प्रणाली। प्रति दिन 22 किलो वॉट रूफटॉप सोलर पावर प्लांट, स्टेशनरी की दुकान, सेनेटरी नैपकिन डिस्पेंसर, चिकित्सक, छात्र मनोरोग परामर्शदाता, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष वाई–फाई सक्षम कमरे।

मुख्य परिसर में उपलब्ध सुविधाएं

• कैंटीन, कैफेटेरिया, जूस की दुकान, मनोरंजन क्षेत्र, वॉली बॉल कोर्ट, एटीएम, संसाधन केन्द्र, स्टेशनरी की दुकान, 750 की बैठने की क्षमता वाला सभागार, 90 की बैठने की क्षमता वाला मिनी सम्मेलन हॉल, वाई–फाई सक्षम, प्रमुख क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे, पुरानी लाइट्स का एलईडी लाइट्स से प्रतिस्थापन, छात्र चिकित्सक, छात्र मनोचिकित्सक परामर्शदाता।

• निफ्ट चेन्नई परिसर (मुख्य भवन, उपभवन और लड़कियों के छात्रावास) के सभी महिला शौचालयों में सेनेटरी नैपकिन बर्नर स्थापित किया गया है।

• सभी सार्वजनिक स्थानों पर सैनिटाइजर की सुविधा और हाथ धोने की व्यवस्था की गई।

अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट चेन्नई (i) ''फैशन फिट और स्टाइल'' में 2 साल का पूर्णकालिक डिप्लोमा कार्यक्रम और (ii) ''परिधान उत्पादन और व्यापार'' में 1 साल का पूर्णकालिक पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान करता है।

प्रमुख परियोजना

परियोजनाओं को न केवल राजस्व अर्जित करने के लिए बल्कि संस्थान की सामाजिक जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए भी चलाया जाता है। परियोजनाएं शिक्षकों और छात्रों को अनावृत्ति और सीखने का पर्याप्त अवसर दे रही हैं।

संचालित परियोजनाओं की सूचीः

• फैशन डिजाइन और प्रौद्योगिकी विषयों के लिए ई–सामग्री विकास – दूसरा चरण, ग्राहक एनएमई–आईसीटी के तहत मानव अनुसंधान विकास मंत्रालय के लिए। परियोजना लागत रुपए 1,16,55,000 है।

• ग्राहक अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के लिए पारंपरिक कला और शिल्प में कौशल विकास के लिए और प्रशिक्षण का उन्नयन (उस्ताद) के लिए । परियोजना लागत रुपए 17,05,500 है।

• कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए ''विजननेक्स्ट" प्रवृत्ति विश्लेषण और पूर्वानुमान प्रयोगशाला पर परियोजना। इसका कुल बजट 20.41 करोड़ रुपये है और स्थापना के लिए 5.9 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

• ''पी टी एस एल पी – समुद्र सीप शिल्प – डिजाइन हस्तक्षेप और कौशल विकास प्रशिक्षण और प्रशिक्षण के बाद फॉलो अप'' ग्राहक के लिए आई एफ ए ईड सहायता प्राप्त सूनामी के बाद सतत आजीविका कार्यक्रम (पी टी एस अल पी), तमिलनाडु सरकार के सहयोग से संचालित है। परियोजना लागत 47,75,000 रुपये है।

• मेसर्स सरावगी यूनिफॉर्म प्राइवेट लिमिटेड के लिए ''अनुकूलित गहन कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम'' परियोजना । परियोजना लागत रुपए 2,00,000 है।

• मेसर्स आईआईएसईआर, तिरुपति के लिए ''दीक्षांत समारोह की पोशाक का डिजाइन और विकास'' परियोजना। परियोजना लागत रुपए 3,00,000 है।

• मैसर्स स्टर्लिंग रिसॉर्ट्स के लिए, स्टर्लिंग रिसॉर्ट्स, मसूरी (भाग 2) में गंतव्य अनुभव के लिए अवधारणा, थीम निर्माण, एकीकृत प्रदर्शन, गतिविधि और गंतव्य अनुभव। परियोजना लागत रुपए 1,00,000/– है।

• सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग (पीडीएस), तमिलनाडु सरकार के लिए वर्दी डिजाइन'' करना। परियोजना लागत रुपए 50,000/– है।

• विकास आयुक्त–हस्तशिल्प, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए ''डिजाइन संसाधन केंद्र की स्थापना'' पर परियोजना शुरू की गई।

• निप्पॉन पेंट इंडिया लिमिटेड के लिए भारतीय बाजार के क्षेत्रीय रंग पूर्वानुमान (दक्षिण और उत्तर) और युवा रंग पूर्वानुमान का 'कलरविजन 22–23' का विकास, एक मुफ्त एक्सेस और डाउनलोड करने योग्य ई–बुक के रूप में परियोजना, वास्तुविद्, आंतरिक साज–सज्जा विशेषज्ञ, रचनात्मक और रंग वितरक मैसर्स निप्पॉन पेंट इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रायोजित 20,50,000/– रुपए की परियोजना है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

• फाउंडेशन प्रोग्राम के 91 छात्रों ने युवाओं की आवाज' में सक्रिय रूप से भाग लिया – कोविड 19 के बाद की दुनिया की फिर से कल्पना करें, – इंकलिंक ट्रस्ट के सहयोग से यूनिसेफ इंडिया द्वारा एक रचनात्मक चित्रण पहल में भाग लिया। एफ पी बैच V के एफ पी छात्रों सिमरन समित सावंत और एफ पी बैच I की बरशिता पांडा के कार्यों को कॉफी टेबल बुक में चित्रित करने के लिए चुना गया था। एन हेनिन डीके, एफपी बैच वी, निफ्ट, चेन्नई की कलाकृति, जिन्होंने इंकलिंक और यूनिसेफ द्वारा युवाओं की आवाज पहल में भाग लिया है, विश्व कला दिवस के हिस्से के रूप में द हिंदू अखबार में प्रकाशित हुई। (https://epaper.thehindu.com/Home/ShareArticle?OrgId=GQH8G80NE.1&imageview=0)।

• सुश्री दया उन्नीकृष्णन एफडी – VII ने सुश्री शालिनी राठौड़ (एसआर – क्लोदिंग ब्रांड) द्वारा आयोजित ''डिजाइन फॉर एसआर'' प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

• एफडी VII (बैच 2017–21) के छात्रों ने 18.9.2020 से 23.09.2020 तक निर्धारित इंडिया कोटी ओर सप्ताह के एफ डी सी आई कोटीओर सप्ताह के पहले डिजिटल संस्करण के लिए स्वेच्छा से भाग लिया है। आई सी डब्लू 2020 के लिए कोटीओर शो को एफ डी सी आई के डिजिटल प्लेटफॉर्म– इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब और एफ डी सी आई वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीम किया गया। घटना के लिए आधिकारिक हैशटैग #ICW2020 और #Decoding Couture हैं।

• सुश्री कविता राजेंद्रन, ए डी– VIII, ने एक सामाजिक उद्यम नाकुरास द्वारा आयोजित आभूषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

• एडी – VI सेमेस्टर के श्री अरुत करण ने ''आर्टरेजिऑउस प्रतियोगिता'' में दूसरा स्थान प्राप्त किया ।

• सेमेस्टर–6 (बैच 2017–21) के 27 छात्रों ने वूलमार्क कंपनी द्वारा वूल सराहना कोर्स सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सभी को पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है और

इसकी सूचना वूलमार्क प्रतिनिधि को मई 2020 में दी गई।
• श्री शिवम शर्मा, केडी– III सेमेस्टर बैच (2019–23) अगस्त 2020 के महीने में ग्राफिक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता। छात्र पेंसिल ऐप के साथ प्रायोजित इंटर्नशिप के विजेता है।
• केडी– VII सेमेस्टर के छात्र ने विशेष कपड़ों की वस्तु का विचार प्रस्तुत कियाः लेगिंग के लिए अनुकूली डिजाइन – पोलियोः बैसाखी/ब्रेसेस का डिजाइन अनुकूली वस्त्र वेबसाइट :http://www.ekansh.org में प्रदर्शित किया गया है।
• सुश्री महिमा श्रीवास्तव, सेमेस्टर–V, चेन्नई परिसर ने गहन विशेषज्ञता विषयों के हिस्से के रूप में लीवा (आदित्य बिड़ला समूह) के साथ शुरू की गई उद्योग से जुड़ी हुई कक्षा परियोजना के लिए प्रथम रनर अप (दूसरा स्थान) जीता। प्रिंट डिजाइन परियोजना – परिधान और फैशन सहायक उपकरण और घर और स्पेस (जुलाई से दिसंबर 2019) आदित्य बिड़ला समूह द्वारा आयोजित किया गया।
• सुश्री अपूर्व दासिला, सेमेस्टर III एफसी, चेन्नई परिसर ने 25 दिसंबर 2020 को मध्य प्रदेश में ज्ञानोदय, आईआईटी–बाम्बे द्वारा आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।
• सुश्री लॉरी दास, एमएफएम – II ने सेंट अल्बर्ट कॉलेज नॉलेज समिट 2021 में शोध पत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता। पेपर का शीर्षक ''भारत में फैशन का री–कॉमर्स'' है।
• सुश्री प्राची गहलोत ने टेक्सटाइल वैल्यू चेन पत्रिका में प्रशिक्षु संपादक के रूप में काम किया है और निम्नलिखित लेख प्रकाशित किए हैं।
• एंटी–वायरल कपड़े– एक संभावना? – अगस्त 2020
• वेट प्रसंस्करण उद्योग– पूरी तरह से टिकाऊ बनने की प्रबल संभावना, खंड 8, अंक 12, 2020
• परिभाषित आंतरिक सज्जा– होम टेक्सटाइल और श्रेणियां, वॉल्यूम 9, अंक.1, 2021

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

निफ्ट, चेन्नई ने 12 मार्च, 2021 को डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के छात्रों के अपने स्नातक बैच की उपलब्धियों का जश्न मनाया। 249 छात्रों ने अपनी स्नातक परियोजनाएं शुरू कीं जिन्हें प्रदर्शनियों और सेमिनारों में प्रदर्शित किया गया था। कई उद्योग सदस्यों, विशेषज्ञों और स्टार पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। पुरस्कार विजेता छात्रों को ट्रॉफी, नकद और योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव
'शिल्प समूह पहल' के रूप में जमीनी स्तर पर सामाजिक दायित्वों के प्रति चिन्ता दिखाई देती है। हमारा पाठ्यक्रम छात्रों को भारत के विभिन्न हिस्सों के कारीगरों और बुनकरों के सहयोग से काम करने की अनुमति देता है। एक तरफ, 'शिल्प समूह पहल' कारीगरों और बुनकरों को अपने ज्ञान के आधार को व्यापक बनाने और उनके प्रयासों को बाजार के अधिक अनुकूल और लाभदायक उपक्रमों में जोड़ने के लिए संलग्न करता है, दूसरी ओर, यह छात्रों के बीच तमिलनाडु की कला और शिल्प को समझने और उनकी सराहना करने की संस्कृति को बढ़ावा देता है। .

महामारी के बावजूद लगभग 440 छात्रों वाले सभी विभागों ने कई संभावित तरीकों से लगभग 70 शिल्पकारों की मदद की। प्रलेखन और जागरूकता निर्माण और कुछ डिजाइन हस्तक्षेप और विपणन रणनीतियाँ कुछ उल्लेखित पहलों में से थे। शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन, शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना, प्रायोजित स्नातक परियोजना और कारीगर जागरूकता कार्यशाला ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजित की गई और विवरण विभागवार इस प्रकार है,

फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभागः सीआरडी बांस और केन शिल्प (फर्नीचर) पर था और सीबीडीपी कोलिडम – केन शिल्प पर, नागरकोइल– टेम्पल ज्वेलरी शिल्प, कन्याकुमारी– समुद्री सीप शिल्प पर था। उन्होंने विभिन्न हस्तशिल्प के लगभग 15 शिल्पकारों के लिए ऑनलाइन कारीगर जागरूकता कार्यशाला भी आयोजित की।

फैशन संचार विभागः सीआरडी हस्तशिल्प, राजन कला और शिल्प, चेन्नई के साथ पेपर माचे प्रक्रिया, धातु, सीमेंट और टेराकोटा शिल्प पर था और सीबीडीपी कांस्य और टेराकोटा पर हस्तशिल्प, स्वामीमलाई और पांडिचेरी के साथ था जहां संपार्श्विक और प्रोटोटाइप विकसित किए गए थे।

फैशन डिजाइन विभागः सीआरडी बोबिन लेस और हाथ की कढ़ाई नागरकोइल, कन्याकुमारी जिला और सीबीडीपी तिरुभुवनम हथकरघा शिल्प, कुंभकोणम जिला, तमिलनाडु के साथ था, जहां छात्रों ने नए बाजार खंड के लिए रेशम को समकालीन आधुनिक पोशाक में परिवर्तित किया था।

निटवेअर डिजाइन विभागः सीआरडी – एकीकृत महिला विकास संस्थान, कावेरापेटाई, सीबीडीपी के साथ एरी कढ़ाई पर – गुगई और ओमलूर, सलेम के साथ मनके आभूषण और मिट्टी के बर्तनों पर परियोजना शुरु की गई। महामारी के दौरान संकाय और छात्रों द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। सरकारी योजनाओं और समर्थन, डिजाइनर वियर मार्केट, डिजाइन हस्तक्षेप और एक डिजाइन संस्थान के रूप में निफ्ट की भूमिका पर समग्र प्रदर्शन प्रदान करके एरी कढ़ाई कारीगरों के साथ ए ए डब्लू को सफलतापूर्वक पूरा किया।

लेदर डिजाइन विभागः सीआरडी और सीबीडीपी गन्ना शिल्प पर और कोरा घास की चटाई, थाइकल कोलिडम पर किया गया था, जहां छात्रों द्वारा प्रलेखन और डिजिटल चित्र तैयार किए गए थे।

कपड़ा डिजाइन विभागः सीआरडी परियोजना ने कलाक्षेत्र बुनाई प्रभाग को उनके भौगोलिक संकेत (जीआई के लिए पंजीकरण) के दस्तावेजीकरण में सहायता करने में मदद की थी। रुक्मिणी अरुंडेल की एक पुरानी साड़ी का अध्ययन किया गया और उसी (इतिहास, डिजाइन और प्रौद्योगिकी) को दोहराने की पूरी प्रक्रिया का अध्ययन किया गया। कलाक्षेत्र साड़ियों की पूरी प्रक्रिया को प्रलेखित किया गया था।

फैशन प्रौद्योगिकी विभागः पहली बार उनके लिए शिल्प

अध्ययन और आपूर्ति श्रृंखला, तकनीकी हस्तक्षेप या विपणन समर्थन पर उनके विचार पेश किए गए थे। स्नातक कार्यक्रम ने टेराकोटा, मेटल कास्टिंग, पाम लीफ और सिसल फाइबर क्राफ्ट्स पर काम किया और स्नातकोत्तर ने कांजीवरम सिल्क वीव, कांचीपुरम, तमिलनाडु से हथकरघा पर काम किया और असाई लेदर हस्तशिल्प, कुइलापलयम, पुडुचेरी से लेदर समुद्भरण पर काम किया।

फैशन प्रबंधन में स्नातकोत्तर विभागः 'नारीकुरवर' से मनका आभूषण, गुगई, सलेम, सीआरडी केडब्ल्यूडी विभाग के समूह को जारी रखना था। महामारी के दौरान एक ऑनलाइन बिक्री का आयोजन किया गया और कारीगर की मदद की।

पीएचडी करने वाले या कर रहे छात्रों का विवरण

18 संकाय सदस्यों ने पीएचडी पूरी कर ली है और 14 संकाय सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों से पीएचडी कर रहे हैं।

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों पर संक्षिप्त नोट प्रकाशनः संकाय द्वारा

• सुश्री विजयलक्ष्मी आर. सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने अंतरराष्ट्रिय शोध पत्रिका में ''अग्रिम विज्ञान केंद्र (ई–आईएसएसएन 2582–4376) पांडुलिपि पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था'' कुरुम्बा ट्राइबल पेंटिंग के साथ जैक्वार्ड वोवन साड़ी ''वॉल्यूम –02 स्पेशल इश्यू 12 एस।

• श्री शंकर नारायणन टी. आर, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने कोविड–19 पर एक शोध पत्र प्रकाशित कियाः आईजेआरएआर में डिजाइन शिक्षा पर प्रभाव (ई–आईएसएसएन 2348–1269, वॉल्यूमः 07, अंक 2)

• सुश्री सुबाशिनी जे एस, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने ''मेडिकल टेक्सटाइल्स और इसके अनुप्रयोगों में बढ़ते तकनीकी फाइबर'' पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया, एसी जर्नल, वॉल्यूम IX, अंक V में प्रकाशित किया गया है।

• श्री वी.आर. कार्तिकेरायण, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने मार्च के दौरान टेस्ट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जर्नल के नाम पर व्यापार लेनदेन करने के लिए सेलफोन नेटवर्किंग में वृद्धि, स्मार्ट फोन और सोशल मीडिया के उपयोग के प्रभाव शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया– अप्रैल 2020, खंड संख्या 83, अंक मार्च – अप्रैल 2020 पृष्ठ संख्या 7603 – 7612, वर्ष, 2020।

• श्री वी.आर. कार्तिकेयरायण, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर, ने एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कॉलेज ऑफ साइंस एंड ह्यूमैनिटीज में पालआर्च के जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजी ऑफ इजिप्टध्एजिप्टोलॉजी में "कोविड 19 लॉकडाउन से पहले और उसके दौरान लोगों की ऑनलाइन खर्च करने की आदतों" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया। (कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट), वॉल्यूम नंबर पीजेएईई, 17 (9) (2020), अंक संख्या 17(9) आईएसएसएन 1567–214, पेज नं 4411 – 4419, वर्ष, 2020।

• सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने सितंबर 2020 में गारलैंड पत्रिका की विशेष गैलरी, गिफ्ट ऑफ टाइम में ''प्लास्टिक के आँसू'' और ''काम पर जाने के लिए तैयार होना'' शीर्षक से दो समकालीन कला आभूषण लेख प्रकाशित किए।

• सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर, ने ओटागो पॉलिटेक्निक, न्यूज़ीलैंड में क्रिटिकल मेकिंगः समकालीन फैशन आचरण संगोष्ठी प्रदर्शनी में '' संग्रहालय पीस'' शीर्षक से मिश्रित मीडिया वर्क प्रकाशित किया।

• प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन ने ''पुस्तक पर्यावरण नैतिकता में फैशन्स मुर्की फुटप्रिंट्स, प्रकाशक आशा प्रकाशन, कानपुर'' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने, सह–लेखक, डॉ. बी. सेंथिल कुमार के साथ, केले के फाइबर नॉनवॉवन कम्पोजिट के यांत्रिक और गतिशील यांत्रिक गुणों पर अध्ययन शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया, जो मैटेरियल्स टुडे पत्रिका– 05 मई 2020 को कार्यवाही पर प्रकाशित हुआ था।

• श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित ''टगूची विधि का उपयोग करके केले के फाइबर प्रबलित सांमिश्रित की तन्यता और फ्लेक्सुरल ताकत का अनुकूलन'' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया। ''सॉलिड स्टेट टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम'' पत्रिका में प्रकाशित 64, 2 फरवरी 2021 का अंक।

• श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, द्वारा लिखित ''केले फाइबर नॉनवॉवन समग्र संरचनाओं के यांत्रिक गुणों पर सुदृढीकरण विशेषताओं के प्रभाव पर अध्ययन'' शीर्षक से ''स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड'' पत्रिका में एक पेपर प्रकाशित किया।

• प्रो. डॉ. पी. मोहनराज, चेन्नई परिसर ने 2020 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड रिव्यू में ''फैशन अपैरल रिटेल स्टोर्स में विजुअल मर्चेंडाइजिंग का ट्राइपोडलः ए स्टडी'' पर एक शोध लेख प्रकाशित किया।

• प्रो. डॉ. पी. मोहनराज, चेन्नई परिसर ने जून 2020 में निफ्ट कन्नूर के ई–प्रकाशन–इंस्पिरा में ''विजुअल मर्चेंडाइजिंग'' पर एक लेख प्रकाशित किया।

• डॉ. ए. शशिरेखा, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने ''चेन्नई में परिधान खरीदने में कामकाजी महिलाओं की सूचना और निर्णय लेने की शैलियों और कपड़ों की पसंद मानदंड पर विश्लेषण'' शीर्षक से एक पेपर कम्प्यूटेशनल विज्ञान के जर्नल, खंड संख्या 10, अंक संख्या। 1, पेज नं। 192–203, 2020 में प्रकाशित किया।

• डॉ. ए. शशिरेखा, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने पुस्तक में '' स्पाइडर–वेब– नेटवर्क मॉडल, कोविड –19 के कारण होने वाले व्यवधान को दूर करने के लिए व्यापार आपूर्ति श्रृंखला के टेल एंड पर एक शमन रणनीति'' शीर्षक से व्यवसाय प्रबंधन पर परिप्रेक्ष्य, खंड संख्या 2, पीपी. 249–263, 2021 में एक पेपर प्रकाशित किया।

• सुश्री प्रथीपा राज, सहायक प्रोफेसर ने मानक 11 – नौकरी की भूमिका के लिए एक पाठ्य पुस्तक लिखी थी–एससीईआरटी, समग्र शिक्षा के लिए सहायक फैशन डिजाइनर (परिधान, कपड़ा और मेड अप) – अगस्त 2020 के महीने के दौरान स्कूली शिक्षा के व्यावसायिकरण की योजना के तहत जो अभी तक प्रकाशित नहीं हुआ है और वर्तमान में बारवीं कक्षा की पुस्तक लिख रहे है।

पेपर प्रकाशन– छात्रों द्वाराः

• बीएफटी की छात्रा सुश्री मधुमिता ने फैशन प्रौद्योगिकी

विभाग द्वारा आयोजित सतत और डिजिटल फैशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएसडीएफ 2020, में '' सतत उत्पाद विकासः पुनर्नवीनीकरण पीईटी बोतल से कैम्पिंग टेंट– एक व्यवस्थित समीक्षा'' शीर्षक से बन्नारी अम्मान प्रौद्योगिकी संस्थान, सत्यमंगलम 29 और 30 अक्टूबर 2020 को श्री टी मुरुगन, सहायक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में पेपर प्रस्तुत किया।

• एमएफटी की छात्रा सुश्री सिंधुजा ने व्यावहारिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और भाषा अध्ययन (एएसटीएमएलएस–2020) पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में मौखिक रूप से ''व्यक्तिगत सुरक्षा कपड़ों के बड़े पैमाने पर उत्पादन में तकनीकी प्रगतिः एक व्यवस्थित समीक्षा'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में 11 और 12 दिसंबर, 2020 को सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सलेम में किया गया।

• एमएफटी छात्र, सुश्री अनघा यू पिल्लई ने व्यावहारिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और भाषा अध्ययन (एएसटीएमएलएस–2020) पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में मौखिक रूप से ''कैंसर सर्वाइवर के लिए पहनने योग्य सेंसरः एक व्यवस्थित समीक्षा'' शीर्षक से श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में 11 और 12 दिसंबर, 2020 को सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सलेम में एक पेपर प्रस्तुत किया।

• एमएफएम–द्वितीय की सुश्री दीप्ति आनंद और सुश्री सौम्या प्रसाद ने डॉ. ए. शशिरेखा, सहायक प्रोफेसर के साथ बन्नारी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 12.03.2021 को आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। पेपर को बेस्ट पेपर– । के रूप में चुना गया था और रुपये 1500/– से सम्मानित किया गया था।

पेपर प्रस्तुतियाँः संकाय द्वारा

• सुश्री गीता रंजिनी, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने 4 सितंबर 2020 को आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना, बंगबासी मॉर्निंग कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'एनएसएस कोलकाता स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला X, XI और XII' में 'दक्षिण भारत में शिल्प की विकास, प्रासंगिकता और समकालीन स्थिति' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• श्री वी.आर. कार्तिकेयरायण, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने 14 अक्टूबर, 2020 को एमिटी में आयोजित फैशन परिधान और वस्त्र 2020 (एनसीएफएटी'20) पर ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में फैशन और वस्त्र शिक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों एप्लाइड आर्ट्स/ललित कला /प्रदर्शन कला/दृश्य कला निदेशालय, एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश नोएडा–201313 (यूपी) भारत की भूमिका शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• श्री वी.आर. कार्तिकेयरायण, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने 27 जनवरी, 2021 को सेब्रुक विश्वविद्यालय, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, पुलिस फाउंडेशन और अन्य द्वारा आयोजित किया गया वैश्विक आवाज परिवर्तन, पुलिसिंग, समुदायों और सामान्य हित पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कोविड –19 लॉकडाउन से संबंधित लिंग और आयु के अनुसार ऑनलाइन लेनदेन शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन ने 12 जून, 2020 को निफ्ट, चेन्नई इंस्टाग्राम के माध्यम से इंस्टाग्राम–लाइव सत्र (आईजी लाइव) के माध्यम से 'ओपन सेशन – मास्टर क्लासेस'– ''असंख्य दृष्टिकोणों के माध्यम से स्थिरता को समझना'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

• श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर ने अनुप्रयुक्त विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और भाषा अध्ययन (एएसटीएमएलएस–2020) पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में ''टागुची विधि का उपयोग करके केले के फाइबर प्रबलित संमिश्रित की तन्यता और फ्लेक्सुरल ताकत का अनुकूलन'' शीर्षक से सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सलेम 11–12 दिसंबर, 2020 को एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. ए. शशिरेखा, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने 12 मार्च 2021 को आयोजित आधुनिक प्रबंधन और अनुसंधान की कायापलट (एनसीं 3एमआर 2021) पर तीसरे वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस में ''भारतीय स्कूल वर्दी के पश्चिमीकरण पर एक अध्ययन'' शीर्षक से बन्नारी अम्मान प्रौद्योगिकी संस्थान, सत्यमंगलम में एक पेपर प्रस्तुत किया।

संकाय विकास

प्रशिक्षण/विकास कार्यक्रम में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों की सूची नीचे दी गई हैः

• सुश्री गीता रंजिनी, सहयोगी प्रोफेसर ने सीनियर प्रो. डॉ. बनही झा, एफडी विभाग द्वारा ''डिजाइन, चित्रण और छवि निर्माण'' विषय के तहत 'फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण' विषय पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया है।

• डॉ. जी. साई संगुराई, सहायक प्रोफेसर और सुश्री प्रतिभा राज, सहायक प्रोफेसर ने विषय, प्रो. डॉ. वंदना नारंग द्वारा ''परिधान विकास'' और ''फैशन के लिए वस्त्रों का मूल्यवर्धन'' के तहत 'फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण' विषय पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया है।

• डॉ. मुरुगाजोठी, सहायक प्रोफेसर ने ''फैशन के लिए वस्त्रों का मूल्यवर्धन'' विषय के तहत 'फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण' विषय पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया है।

• श्री उदय राज, सहायक प्रोफेसर प्रो. चिरंजीवी रेड्डी, एफ एंड एलए निफ्ट, हैदराबाद द्वारा 30.07.2020 से 01. 08.2020 तक डिजाइनरों के लिए विषय सामग्री के लिए टीओटी प्रशिक्षण (ऑनलाइन) में भाग लिया।

• सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्रोफेसर ने 13.07.2020 से 14.07.2020 तक स्वयं और समाज पर टीओटी में भाग लिया।

• प्रो. सुनीता वासन, प्रोफेसर ने 20.07.2020 से 22. 07.2020 तक ''अधोवस्त्र विकास का अवलोकन'' पर टीओटी का आयोजन किया।

• श्री श्रीधर अमांची, सहायक प्रोफेसर और सुश्री सुबाशिनी, जे एस, सहायक प्रोफेसर ने 20.07.2020 से 22.07.2020 तक ''अधोवस्त्र विकास का अवलोकन'' टीओटी में भाग लिया।

• श्री एस. सेंथिलवेल, सहायक प्रोफेसर, ने डीडी एंड सी 1 (डिजिटल डिजाइन और संचार 1) के लिए एक टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री सरस्वती दत्ता, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर

ने विशेषज्ञों के साथ सुश्री रूपाली पंडित और सुश्री ऋचा शर्मा द्वारा आयोजित ' प्रतिमान विस्थापनः कपड़ा डिजाइन ऑनलाइन सिखाने के लिए अभिनव तरीके और उपकरण' नामक एक टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, प्रोफेसर और श्री वी. आर. कार्तिकेयरायन, सहायक प्रोफेसर, और श्री एन. वेन्निमलाई, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर , ने 1 अप्रैल, 3, 6 और 9 अप्रैल 2020 को एमएस ऑफिस 365 के लिए ऑनलाइन शिक्षण टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, प्रोफेसर ने 10 और 17 अक्टूबर, 2020 को डिजिटल डिजाइन खुला स्रोत सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• श्री एन. वेन्निमलाई, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर ने ''स्वयं और समाज'', ''रचनात्मक सोच कौशल'', ''फैशन स्टाइल'' पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. एस. अंगम्मल शांति, प्रोफेसर ने 15 जुलाई से 19 जुलाई 2020 तक ''ई कॉमर्स और सोशल मीडिया'' विषय पर टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. ए. शशिरेखा, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट, हैदराबाद में ''आपूर्ति श्रृंखला, मूल्य श्रृंखला और संचालन अनुसंधान'' पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री एस. जयराज, सहायक प्रोफेसर ने नए पाठ्यक्रम में शामिल उभरते क्षेत्रों के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल सेट को बढ़ाने के लिए ''ईकॉमर्स और सोशल मीडिया मार्केटिंग'' पर एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री टी. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर ने डॉ सुश्री रश्मि ठाकुर, डीएफटी मुंबई द्वारा समन्वित स्मार्ट टेक्सटाइल्स और वियरेबल्स पर प्रसिद्ध परिचालन टीओटी द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से ''परिधान निर्माण में लीन प्रबंधन'' पर एक टीओटी में भाग लिया, (एमएफटी पाठ्यक्रम), 10 अगस्त –14 अगस्त (5 दिन) में भाग लिया

• श्री ए.ओ. अब्दुल सलाम सैत, सहायक प्रोफेसर, ने डॉ रश्मी ठाकुर, डीएफटी मुंबई द्वारा समन्वित एमएफटी पाठ्यक्रम के लिए स्मार्ट टेक्सटाइल्स और वियरेबल्स पर टीओटी 10 अगस्त –14 अगस्त (5 दिन) तक में भाग लिया।

• एसोसिएटेड चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचौम) द्वारा आयोजित 23 जून 2020, दोपहर 2.00 बजे से शाम 4 बजे तक ''आईपी–स्टार्टअप का इष्टतम उत्तोलन'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में डॉ. एम. अरविंदन, प्रोफेसर ने भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँः

• एफपी द्वारा आयोजितः

– सुश्री निवेदिता पोद्दार, रचनात्मक निदेशक और आर्ट फेवर की संस्थापक द्वारा ''कला और डिजाइन सौंदर्यशास्त्र'' विषय के लिए एक विशेषज्ञ व्याख्यान।

• एफ डी द्वारा आयोजितः

– रिटेल ब्रांड के लिए डिजाइन लीड सुश्री मानसी चावला द्वारा एफ डी V सेमेस्टर के छात्रों के लिए ''फैशन डिजाइन और चित्रण – रेंज विकास'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान

– फैशन और स्टाइलिंग ब्रांड स्टूडियो 9696 की सह–संस्थापक सुश्री एकता नाहर द्वारा सेमेस्टर V के छात्रों के लिए ''निर्यात और खुदरा के लिए मूल्य संवर्धन;'' विषय के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान।

– सुश्री जीना जोसेफ, ज्वैलरी डिजाइनर और क्राफ्ट रिवाइवलिस्ट द्वारा सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए ''कपड़ों का इतिहास– स्वदेशी और समकालीन भारत'' विषय के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

• एडी द्वारा आयोजितः

– विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यानः इस चुनौतीपूर्ण समय (कोविड–19) को देखते हुए कारीगरों/शिल्पकारों के लिए डिजाइनरों का सही दृष्टिकोण, विषय डिजाइन स्टूडियो के लिए भारत में हस्तनिर्मित के उद्भव से उन्हें कैसे लाभ हो सकता है?

4 (सह–रचनात्मक – सीबीडीपी) सुश्री कल्याणी प्रमोद रचनात्मक निदेशक और मानस्थला के मालिक द्वाराः डिजाइन करते समय विचार – ''स्मार्ट ज्वैलरी प्रोजेक्ट'' (डीएस) विषय के लिए प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक पहलू– श्री अभिषेक शर्मा, प्रमुख आर एंड डी और रणनीतिकार द्वारा विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।

– विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यानः उत्पाद को अधिक बिक्री योग्य बनाने में प्रेरणा की महत्वपूर्ण भूमिका'' विषय के लिए डिजाइन स्टूडियो 2: सुश्री मीना प्रिया, सिरेमिक और उत्पाद डिजाइनर द्वारा सरल डिजाइन परियोजना – विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यानः सुश्री राधिका कृष ग्लास डिजाइनर द्वारा विषय आई डी एम (होम एक्सेसरीज) के लिए स्वतंत्र रूप से उपयोग किए जाने पर या इसकी जटिल विशेषताओं पर विचार करते हुए किसी अन्य सामग्री के साथ मिश्रित होने पर ग्लास सामग्री की संभावनाओं की खोज करना पर दिया गया।

– विशेषज्ञ व्याख्यानः श्री वासुदेवन शिल्पकार द्वारा कीमती आभूषण (डीएस) के लिए ''कीमती आभूषण के लिए रत्न सेटिंग'' पर दिया गया।

– श्री रथीश कृष्णन, हेड ऑफ एक्सपेरिमेंट्स एंड न्यू वेंचर्स, स्पीज द्वारा

विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यानः ''सामाजिक नवाचार, मानव केंद्रित दृष्टिकोण, व्यवहार अध्ययन'' डिजाइन और समाज विषय पर दिया गया।

• एलडी द्वारा आयोजितः

– 5 वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए सीएलआरआई द्वारा 2 सप्ताह की ऑनलाइन टेनरी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में संकाय सदस्य भी शामिल हुए।

• केडी द्वारा आयोजितः

– केडी के लिए आपसी बातचीत सत्र – सुश्री ऐश्वर्या रघुनाथ (केडी –8) (बैच 2016– 2020) के साथ 4 सेमेस्टर के छात्र ''डिजाइन छात्रों के लिए शोध करना और सम्मेलनों में इसे प्रस्तुत करने का महत्व'' विषय पर आयोजित किया गया।

– श्री प्रवीण राज, ब्रांड मालिक, ट्रांसफिगर ने 14.09. 2020 को केडी–VII छात्रों के लिए ''डिजाइन परियोजना– प्रदर्शन स्पोर्ट्सवियर (डीएस–स्पोर्ट्सवियर)'' विषय के लिए ''एक्टिववियर – ब्रांड्स, मार्केट, क्लाइंट्स, फैब्रिक अवश्यकताएं और रेंज योजना विकास'' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

– श्री आर चंद्रशेखर, सीईओ, अनिग्रा प्रशिक्षण अकादमी ने केडी– III छात्रों के लिए 10.10.2020 को ''डिजिटल दस्तावेजीकरण के तरीके'' विषय के लिए ''निर्यात पृष्ठ संख्या, सूचकांक स्वरूपण, पृष्ठ पर अंक लगाना, मुद्रण तकनीक, दस्तावेज का निर्यात और आयात करना'' पर व्याख्यान दिया।
– श्री गौरीशंकर – प्रबंधक और रचनात्मक नेतृत्व, रेमंड्स ने ''पोर्टफोलियो विकास'' पर व्याख्यान दिया।
– केडी–VII सेमेस्टर छात्रों के लिए 15.10.2020 को ''पोर्टफोलियो विकास'' विषय पर पोर्टफोलियो विकास–लेआउट और परियोजना प्रस्तुतियाँ दी गई।
– सुश्री कीर्तना नवीन, फ्रीलांस डिजाइनर ने केडी–III सेमेस्टर छात्रों के ''डिजाइन प्रक्रिया'' विषय के लिए दिनांक 16.10.2020 को ''डिजाइन प्रक्रिया– महिला परिधान संग्रह प्रस्तुति'' पर व्याख्यान दिया।
– पुनर्जीवन ट्रस्ट की संस्थापक/पुनरुद्धारवादी/ डिजाइनर डॉ. हेमलता जैन ने केडी–III सेमेस्टर छात्रों के लिए दिनांक 20.10.2020 को ''टेक्सटाइल्स की मूल बातें'' विषय के लिए ''यार्न काउंट और फैब्रिक पर इसके प्रभाव'' पर व्याख्यान दिया।
– डॉ. जी. बालकृष्णन, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, भारत विश्वविद्यालय ने दिनांक 26.10.2020 को केडी–VII सेमेस्टर छात्रों के लिए ''बेहतर प्रदर्शन के लिए वस्त्रों पर नैनो प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग'' विषय पर व्याख्यान दिया।
– सुश्री अक्षय एस, डिजाइनर– मैसर्स जेनक्सलीड रिटेल प्रा. लिमिटेड ने केडी–VII सेमेस्टर छात्रों के लिए 26. 10.2020 और 27.10.2020 को ''रचनात्मक डिजाइन परियोजनाः अंतरंग परिधान (डी एस – परिधान)'' विषय के लिए ''रुझान और पूर्वानुमान और टेकपैक'' पर व्याख्यान दिया।
– डॉ. सरवण कुमार, निदेशक, मल्टीलीप कंसल्टिंग ने केडी–VII सेमेस्टर छात्रों के लिए 30.10.2020 को ''परफॉर्मेंस फैब्रिक एंड स्मार्ट टेक्सटाइल्स'' विषय के लिए ''निट के उच्च प्रदर्शन अनुप्रयोग'' पर व्याख्यान दिया।

• एफसी द्वारा आयोजितः
– डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, प्रोफेसर ने 25 से 28 सितंबर, 2020 के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान श्री दीपक पनिकर, रचनात्मक प्रमुख, सीईओ, मेसर्स मेंटिज एटेलियर, चेन्नई द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से चेन्नई परिसर के सेमेस्टर V के छात्रों के लिए – पेपर इंजीनियरिंग कार्यशाला पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
– डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, प्रोफेसर ने 21, 22 और 25 सितंबर, 2020 के दौरान चेन्नई परिसर के सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से सुश्री अभिरामी शिव कुमार, मेकअप आर्टिस्ट द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान– हेयर एंड मेकअप वर्कशॉप पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
– डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, प्रोफेसर ने 30 सितंबर से 9 अक्टूबर, 2020 के दौरान चेन्नई परिसर के सेमेस्टर III के छात्रों के लिए सुलेख विशेषज्ञ सुश्री क्रिस्टीना राजाथी, द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से सुलेख कार्यशाला में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया।
– डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, प्रोफेसर ने चेन्नई परिसर के छठे सेमेस्टर (बैच 2018–22) के छात्रों के लिए आउटबाउंड डिजाइन कार्यशाला पर 27 से 29 जनवरी, 2021 के दौरान तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• फैशन प्रौद्योगिकी द्वारा आयोजितः
– रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अनुसंधान पद्धति, 2डी परिधान सीएडी और ग्रेडिंग, पीएम और जीसी (लाउंजवियर), परिधान उत्पादों का प्रसार और कटाई, परिधान उद्योग में आईटी अनुप्रयोगों, परिधान गुणवत्ता प्रबंधन पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।

• फैशन प्रबंधन अध्ययन द्वारा आयोजित :
– उन्नत एक्सेल क्लास, निर्यात/आयात दस्तावेजीकरण प्रक्रियाओं और औपचारिकताओं, की मानव मस्तिष्क को समझना, मस्तिष्क संरचना, नया/मध्य और पुराना मस्तिष्क, भारतीय वित्तीय प्रणाली, पूर्वानुमान के विभिन्न तत्वों की पहचान पर एवी विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कोविड 19 के कारण बदलते परिप्रेक्ष्य, प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले और शो, वर्चुअल शो और मेले, व्यावसायिक प्रदर्शन को समझना और मूल्य श्रृंखला प्रबंधन पर विचारः मूल्य श्रृंखला रणनीतियों का आकलन करें और मामले के उत्पाद पोर्टफोलियो के बारे में एक निर्णय मॉडल विकसित करें। मूल्य श्रृंखला प्रबंधन की वर्तमान प्रथाओं और संगठनात्मक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।

प्रमुख उद्योग संबंध

निफ्ट चेन्नई ने चेन्नई और उसके आसपास 50 से अधिक यात्राओं का आयोजन किया और विभिन्न उद्योगों के साथ कलाप्रवीण नेटवर्क स्थापित किया, जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण नाम हैंः मेसर्स इवोल्व क्लोदिंग प्रा. लिमिटेड, चेन्नई, मेसर्स विया डायसन प्रा लिमिटेड, चेन्नई, मेसर्स मंत्रा, केरल, मैसर्स श्रीजीत जीवन, कोच्चि, केरल, मैसर्स रितिका द्वारा रैनने, चेन्नई, मैसर्स गैट्सबी कलेक्शंस, चेन्नई, मेसर्स अंबत्तूर क्लोदिंग लिमिटेड, चेन्नई, मेसर्स बोट सॉन्ग, कोट्टायम, केरल, मेसर्स स्वदेशी, नई दिल्ली, मैसर्स अजियो (रिलायंस रिटेल लिमिटेड) बेंगलुरु, मेसर्स वीएफ ब्रांड्स इंडिया प्रा लिमिटेड, बेंगलुरु, मेसर्स सेलिब्रिटी फैशन प्रा लिमिटेड, चेन्नई, मेसर्स मोंटाज, चेन्नई, मेसर्स जोड़ी, पुणे, मैसर्स तमास्क प्रा. लिमिटेड, मैसर्स फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन प्रा लिमिटेड, मुंबई, मेसर्स अमोर्टेला, चेन्नई, मेसर्स अरुणी, नई दिल्ली, मेहरासंस ज्वैलर्स, फ्लिंटो बॉक्स, एकेएफडी स्टूडियो, पल्लविफोले, फिल्क मर्चेंडाइजिंग, स्टूडियो एबोनी, यूनिक क्रिएशन, सनशाइन बुलेवार्ड, विश्व और देवजी (जीईएम माउंट), मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल (आदित्य बिड़ला ग्रुप), टीआई साइकिल्स ऑफ इंडिया।
• विभिन्न विभागों के छात्रों ने मैसर्स रिलायंस रिटेल, मैसर्स सेलिब्रिटी फैशन, मेसर्स डर्बी, मैसर्स मेबेल प्रा. लिमिटेड, मैसर्स नौशाद अली पांडिचेरी, मैसर्स. बेनेटन इंडिया प्रा लिमिटेड, मैसर्स वृजेश निगम, मेसर्स मिन्था – बेंगलुरु, मेसर्स अरविंद बेंगलुरु, मैसर्स रिलायंस रिटेल, मेसर्स इवोल्व क्लोदिंग कंपनी प्रा. लिमिटेड, मैसर्स खरा कापस, मैसर्स एका.ईआन क्लोदिंग में औद्योगिक प्रदर्शन और विभिन्न विषयों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए इंटर्नशिप प्राप्त की।

• सभी संकाय सदस्य छात्रों को उनकी इंटर्नशिप और स्नातक परियोजनाओं के लिए भौगोलिक स्थानों पर प्लेसमेन्ट में शामिल थे। प्रत्येक संकाय को लक्षित करने और लाने के लिए कंपनियों की एक विशिष्ट संख्या आवंटित की गई थी। विभिन्न सेमेस्टर के छात्रों के लिए ऑनलाइन प्रदर्शन और मार्गदर्शन के लिए विभिन्न स्थानों के शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया था।

स्थिरता पहलू और ग्रीन परिसर गतिविधियां

• परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निफ्ट चेन्नई द्वारा निम्नलिखित पहल की गई हैं:
– छात्रावास में सोलर वॉटर हीटर
– निफ्ट परिसर की दीवार में सोलर लाइट
– अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण
– अपशिष्ट प्रबंधन ''अपशिष्ट से धन''
– परिसर में स्क्रैप से बने कला प्रतिष्ठान
– एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी)
– सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)
– कैंटीन और अन्य सेवा क्षेत्रों के लिए स्टील प्लेट, चम्मच, टम्बलर के उपयोग को प्रोत्साहित करना।
• सभी संस्थागत मामलों में 'नो पेपर' की अवधारणा के साथ काम किया। संकायों और छात्रों ने ऑनलाइन कक्षाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए उपलब्ध अपशिष्ट सामग्री के साथ आधे आकार के ड्रेस फॉर्म तैयार किए। एफडी संकाय छात्रों को सभी विषय कार्यभार में पुनर्चक्रण, अपसाइकिल और शून्य अपशिष्ट अवधारणाओं पर जहां कहीं भी काम करने योग्य होता है काम करने के लिए लगातार प्रोत्साहित करते हैं।
• विभागों का रखरखाव/सफाई स्टाफ सदस्यों के बीच टीम निर्माण की एक विधि है।
• अनुसंधान और परियोजनाओं में स्थिरता के पहलू
• इंटर्नशिप, पीएचडी कार्य, स्नातक परियोजनाएं, डिजाइन संग्रह आदि शामिल करें।

गांधीनगर

महत्वपूर्ण स्थल और उपलब्धियां

• डिजाइन संसाधन केंद्रः निफ्ट गांधीनगर ने अगस्त 2020 में बुनकर सेवा केंद्र (डब्ल्यूएससी) अहमदाबाद में ''डिजाइन संसाधन केंद्र (डीआरसी) की स्थापना'' परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया। इस परियोजना को कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के विकास आयुक्त (हथकरघा) द्वारा मंजूरी दी गई थी।

• परिसर द्वारा दायर पेटेंटः

सं.	पेटेंट आवेदन सं.	शीर्षक	प्रकाशित तिथि
1	20182048877	औद्योगिक सिलाई मशीन के लिए स्वचालित वियोज्य साइकिल समय और उत्पादन कैलकुलेटर	26.06.2020
2	201921006345	स्वचालित सिलाई सुई वेंडिंग मशीन	21.08.2020
3	201921006747	सिलाई मशीन के लिए मशीन में टूटी हुई सुइयों का एकत्रंण तंत्र और उसकी विधि	28.08.2020
4	201921034817	बुना हुआ और नाजुक कपड़ों से ढीले धागों को हटाने के लिए एक स्वचालित मशीन	05.03.2021

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

यह परिसर 6.42 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जिसमें शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक और एक बालिका छात्रावास है। परिसर 5 स्नातक और 2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है।

परिसर सुविधाओं में 25 क्लासरूम और स्टूडियो, 24 वर्कशॉप, 3 एवी रूम, वीसी रूम, संसाधन केंद्र, छात्र गतिविधि केंद्र, व्यायामशाला, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन कोर्ट, कैंटीन, स्टेशनरी की दुकान, सभागार और एम्पीथिएटर है। परिसर में मेडिकल चिकित्सक और छात्र परामर्शदाता भी परामर्श के लिए उपलब्ध हैं।

सूरत में एक उप केंद्र सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी) के परिसर में लगभग 3500 वर्ग फुट के क्षेत्रफल में है। सूरत केंद्र सतत शिक्षा (सीई) कार्यक्रम प्रदान करता है।

अल्पकालिक कार्यक्रम (सीई कार्यक्रम)

केंद्र ने 7 सीई कार्यक्रम और 4 डिप्लोमा कार्यक्रम प्रस्तावित किए हैं।

प्रमुख परियोजना

मार्च 2021 के दौरान मटीकम, बेंत और बांस, और बिक्री और विपणन आदि सहित विभिन्न शिल्पों के कारीगरों के लिए कौशल उन्नयन पर राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यशालाएं आयोजित की गई।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

• श्री वरनेया ठाकोर, एफसी–VIII को इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट– सीजन एक्स द्वारा आयोजित डिजाइन चुनौती में 'रिक एंड मोर्टी एक्स ब्रेकिंग बैंड' शीर्षक से उनकी कलाकृति के लिए ''पोस्टर कला श्रेणी'' में विजेता घोषित किया गया था।

• सुश्री साक्षी जैन, एफसी–IV, ने आई आई टी गांधीनगर द्वारा बलिटच्चरों '21 में एक थीम आधारित फोटोग्राफी प्रतियोगिता, लेनज लॉ में दूसरा पुरस्कार जीता।

• सुश्री अवनि शर्मा, एडी–VI ने निफ्ट संवाद में भाग लेने के लिए वोग की वार्षिक सदस्यता प्राप्त की।

• चांदनी लखोटिया, एड – VIII को सवियो ज्वेलरी, जयपुर द्वारा आयोजित ''संगरोध डिजाइन प्रतियोगिता'' में विजेता घोषित किया गया।

• सुश्री शरण्या धर्मराजन और सुश्री ट्विंकल गर्ग ने स्किलेंजा और अमेजॅन द्वारा आयोजित टॉय डिजाइन चौलेंज–2021 में प्रथम रनर अप जीता।

• सुश्री ज्योति रंजन, एड – VIII ने गुजरात सरकार द्वारा आयोजित ताना–बाना फोटोग्राफी प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता

• सुश्री एडके निकिता रामकिसन, एडी–VI ने वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों के समन्वय से, क्वारंटाइन अवधि के दौरान कोविड रोगियों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को संबोधित करने के लिए महाराष्ट्र के शेवगांव, अहमदनगर में ''आपके साथ'' फाउंडेशन की स्थापना की है।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

कुल 188 स्नातक छात्रों और 53 स्नातकोत्तर छात्रों ने अपने क्षेत्र में कुछ प्रमुख संगठनों के साथ अपनी स्नातक परियोजनाओं और अनुसंधान परियोजनाओं पर काम किया। छात्रों ने अपनी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए उद्योग की विभिन्न अग्रणी कंपनियों के साथ हाइब्रिड प्रणाली में काम किया।

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

परिसर ने गुजरात के विभिन्न हथकरघा को बढ़ावा देने के लिए ''राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2020'' का आयोजन किया। आयोजन को चिह्नित करने के लिए 2 वेबिनार सहित आठ अलग–अलग गतिविधियों का आयोजन किया गया।

गुजरात के विभिन्न शिल्पकारों को बाजार सहायता प्रदान करने और बढ़ावा देने के लिए ''शिल्प मेला 2020'' बैनर के तहत शिल्प मेला आयोजित किया गया था।

छात्रों के बीच बुनकरों और कारीगर समुदायों के उत्कृष्ट कौशल को बढ़ावा देने और कारीगर समुदायों के बीच डिजाइन, बाजार और उपभोक्ता जागरूकता फैलाने के लिए एक ऑनलाइन कार्यशाला ''हस्तकला–एकीकृत कारीगर कार्यशाला'' आयोजित की गई थी। विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों को संबोधित करने के लिए डोमेन विशेषज्ञों के रूप में 10 से अधिक वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

पीएचडी पूर्ण करने वाले या या कर रहे छात्रों का संक्षिप्त विवरण

10 संकाय सदस्यों ने डॉक्टरेट पूरी कर ली है जबकि वर्तमान में 15 प्रासंगिक शैक्षणिक क्षेत्रों में पीएचडी कर रहे हैं।

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों का संक्षिप्त विवरण

• श्री भरत जैन, सुश्री आरती सोलंकी, और श्री भास्कर बनर्जी, सहायक प्रोफेसरों ने ''स्थिरता को बढ़ावा देने वाले वैश्विक डेनिम परिधान ब्रांड की हरित विपणन पहल का अध्ययन'' शीर्षक से 25 – 26 सितंबर, 2020, के दौरान जेपी बिजनेस स्कूल नोएडा द्वारा ऑनलाइन आयोजित व्यापार प्रथाओं में स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएसबीपी 2020) में एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. कृति ढोलकिया, सहायक प्रोफेसर, ने ' गुजरात–भारत के मनका कार्य में डिजाइन की खोजः सह–निर्माण का अनुभव और परिणाम' शीर्षक से एक पेपर का सह–लेखन किया, जो इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एंड फैशन टेक्नोलॉजी खंडः11 अंक–1 जून, 2021 में प्रकाशित हुआ।

• डॉ. जपजी कौर कोहली, सहायक प्रोफेसर, ने स्टाफ एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट इंटरनेशनल जर्नल, 2021 में '' भारत के परिधान उद्योग में कौशल अंतराल के बारे में हितधारकों की धारणाः फैशन डिजाइन कार्यक्रम का एक केस स्टडी'' शीर्षक से एक शोध पत्र का सह–लेखन और 24(1), एक रेफरीड अंतरराष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका में प्रकाशन किया।

• डॉ. जागृति मिश्रा और श्री भास्कर बनर्जी, सहायक प्रोफेसरों ने 'ए–वन मॉल में श्रेणी नियोजन और विभाग पुनर्गठन' शीर्षक से केस स्टडी का सह–लेखन किया, जिसे यूनिवर्सिटी उतरा मलेशिया द्वारा 27–28 अक्टूबर 2020 को आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय केस स्टडी सम्मेलन 2020 में सर्वश्रेष्ठ पेपर से सम्मानित किया गया। इसे सम्मेलन की ई–कार्यवाही में भी प्रकाशित किया गया था।

• डॉ. जागृति मिश्रा, सहायक प्रोफेसर ने सतत व्यापार और प्रतिस्पर्धी रणनीतियाँः खुदरा उद्योग और ई–मार्केटिंग नामक पुस्तक में ''मेडिजिट समाधान – डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से ब्रांड संचार पर एक केस स्टडी'' शीर्षक से एक केस लिखा।

• डॉ. जागृति मिश्रा, सहायक प्राध्यापक ने ''एक्सवाईजेड परिधानों के लिए उत्पाद विकास के रूप में विकास रणनीति'' शीर्षक से एक केस लिखा, जिसे बीएचयू पत्रिका ऑफ मैनेजमेंट, आईएसएसएन 2231–0141, वॉल्यूम 6 में प्रकाशित किया गया था।

• डॉ. जागृति मिश्रा, सहायक प्राध्यापक ने ''स्टोर विशेषता वरीयताओं के संबंध में उच्च भारतीय उपभोक्ताओं की खरीद सोच'' शीर्षक से एक शोध पत्र लिखा, जिसे बीएचयू पत्रिका ऑफ मैनेजमेंट, आईएसएसएन 2231–0142, वॉल्यूम 7 में प्रकाशित किया गया था।

• डॉ. हरलीन साहनी और सुश्री नुपुर चोपड़ा, सहायक प्रोफेसरों ने पुस्तक अध्याय ''एसडीजी एकीकरण के माध्यम से सामाजिक उद्यमों में मूल्य निर्माण और कोविड के बाद के समय में आगे बढ़ने का तरीका'' का सह–लेखन किया है। ''सामाजिक उद्यमी – सामाजिक परिवर्तन के सूत्रधार'', एमराल्ड पब्लिकेशन, अप्रैल 2021 नामक पुस्तक में पुस्तक अध्याय प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

• डॉ. हरलीन साहनी और सुश्री नुपुर चोपड़ा, सहायक प्रोफेसरों ने एक पुस्तक अध्याय ''फैशन और वस्त्र उद्योग में सीएसआर और एसडीजी मैपिंगः अलगाववाद के मद्देनजर संभावित चुनौतियों की पहचान'' के सह–लेखक हैं। पुस्तक अध्याय एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड द्वारा अलगाववाद के दौर में सीएसआर नामक पुस्तक में प्रकाशित हुआ था। आईएसबीएनः 978–1–80043–269–7, ईआईएसबीएनः 978–1– 80043–268–0, आईएसएसएनः 2043–0523, प्रकाशन तिथिः 30 नवंबर 2020।

• सुश्री नूपुर चोपड़ा, सहायक प्राध्यापक ने एक संदर्भित पत्रिका ''खुदरा प्रबंधन और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आई जे आर एम आर) में ''बच्चों का खरीदारी अनुभवः कमियों की पहचान करने के लिए एक व्याख्यात्मक अध्ययन'' नामक एक शोध पत्र का सह–लेखन और प्रकाशन कियाय आईएसएसएन (ऑनलाइन): वॉल्यूम – 10, अंक–2; संस्करणः दिसंबर 2020।

• श्री अनुपम राणा, सहायक प्राध्यापक ने 26– 27 नवंबर, 2020 के दौरान प्रबंधन संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्वेश 2020 में भाग लिया और ''आभूषण बाजारः नवीनतम विपणन रुझान'' पर योगदान पत्र दिया, जिसे सम्मेलन की कार्यवाही में एक पूर्ण पेपर के रूप में प्रकाशित किया गया है।

• श्री महेश शॉ, सहायक प्राध्यापक ने श्री अभिजीत मजूमदार, प्राध्यापक आईआईटी और श्री संजीब कुमार सिन्हा के साथ एक पेपर का सह–लेखन किया – ''कोविड –19 ने सामाजिक रूप से टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला के मिथक को खारिज कर दियाः दक्षिण एशियाई देशों में वस्त्र उद्योग का एक मामला''। अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका – सतत उत्पादन और खपत (2020) में यह पेपर में प्रकाशित हुआ था।

• श्री महेश शॉ, सहायक प्राध्यापक, डॉ गोविंदन कन्नन, दक्षिणी डेनमार्क विश्वविद्यालय और श्री अभिजीत मजूमदार, प्राध्यापक आईआईटी के साथ ''बहु–स्तरीय आपूर्ति श्रृंखला में सामाजिक स्थिरता का तनावः वैचारिक ढांचे के विकास की दिशा में एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा'' पर एक शोध पत्र पत्रिका ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन (2020): 123075 में प्रकाशित किया।

• डॉ. प्रीति गढ़वी और डॉ. हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसरों ने शोध पत्र ''भारतीय युवा उपभोक्ताओं फैशन की खपत की सोच का विश्लेषण'' का सह–लेखन किया। पत्रिका ऑफ ग्लोबल मार्केटिंग (टेलर एंड फ्रांसिस) वॉल्यूम 33, 2020 में प्रकाशित शोध पत्र – अंक 5: विशेष अंकः सतत उपभोगः एक वैश्विक परिप्रेक्ष्यय पेज 417–429 ऑनलाइन प्रकाशितः 07 जुलाई 2020।

• श्री असित भट्ट, सहायक प्राध्यापक ने 'टोपोई में सतत डिजाइन का मानचित्रण – भारतीय परिवेश के संदर्भ में' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

संकाय विकास

• श्री विशाल गुप्ता और श्री भरत जैन, सहायक प्राध्यापक ने परफॉरमेंस क्लोदिंग पर टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री पंचमी मिस्त्री, सहायक प्राध्यापक ने ड्रेस के आकार का विकास पर एक टीओटी कार्यशाला में भाग लिया।

• डॉ. जपजी कौर कोहली, सहायक प्राध्यापक ने फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण पर टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री एट्टीश्री बी राजपूत, सहायक प्राध्यापक ने प्रमुख सलाहकार श्री आनंद देशपांडे द्वारा लीन प्रबंधन पर कार्यशाला में भाग लिया।

• सुश्री एट्टीश्री बी राजपूत, सहायक प्राध्यापक ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गांधीनगर में डिजाइन में स्नातकोत्तर करने वाले सेमेस्टर III के छात्रों को परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी विषय पढ़ाया।

• सुश्री आरती सोलंकी और सुश्री नूपुर चोपड़ा, सहायक प्राध्यापक ने स्मार्ट टेक्सटाइल और स्मार्ट गारमेंट्स पर 5 दिनों के ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री नूपुर चोपड़ा, सहायक प्राध्यापक ने ''विज्ञापन और ब्रांड प्रबंधन'' पर 6 दिनों का सप्ताहांत एएमए ऑनलाइन कार्यक्रम पूर्ण किया।

• सुश्री आरती सोलंकी, सहायक प्राध्यापक ने एनआईटी जालंधर द्वारा संचालित ''उन्नत अभियांत्रिकी इष्टतमीकरण तकनीक'' (ए ई ओ टी–2020) शीर्षक से एक सप्ताह के ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम (ई–एसटीसी) में भाग लिया।

• सुश्री रूपाली पंडित, सहायक प्राध्यापक और डॉ. ऋचा शर्मा, सहायक प्राध्यापक, निफ्ट बेंगलुरु ने साथ में सहयोगात्मक ऑनलाइन टीओटी ''प्रतिमान विस्थापनः कपड़ा डिजाइन ऑनलाइन सिखाने के लिए उपकरण और अभिनव तरीके'' का संचालन किया।

• श्री महेश शॉ, सहायक प्राध्यापक ने मालवीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित ''आत्म–निर्भर भारत के लिए सतत निर्माण'' पर एक ऑनलाइन अल्पकालिक

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

• डॉ. जागृति मिश्रा और श्री भास्कर बनर्जी, सहायक प्रोफेसरों ने 'ई–कॉमर्स और सोशल मीडिया विपणन' पर निफ्ट के संकाय सदस्यों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न निफ्ट केंद्रों के 29 संकाय सदस्यों ने इसमें भाग लिया।

• डॉ. कृति ढोलकिया, सहायक प्राध्यापक ने चित्रण और छवि निर्माण परिधान उत्पादन पर टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. हीर व्यास और सुश्री जलपा वाणीकर, सहायक प्राध्यापकों ने फाउंडेशन विभाग द्वारा आयोजित स्वयं और समाज का ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. ए.के. खरे, सुश्री अमीषा मेहता, श्री अमित फोगट, श्री असित भट्ट, श्री भरत जैन संकाय सदस्यों ने गुजरात छात्र स्टार्टअप और नवाचार केंद्र (आईहब) ने पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा नवाचार के पोषण पर एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में भाग लिया।

• श्री असित भट ने एफसी विभाग द्वारा आयोजित फैशन स्टाइलिंग पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. हिर व्यास, श्री असित भट्ट, सहायक प्राध्यापक, और सुश्री जालपा वाणीकर, सहायक प्राध्यापक ने निफ्ट गांधीनगर में जीने की कला पर एक कार्यक्रम में भाग लिया।

• सुश्री रूपाली पंडित, सुश्री शुभांगी यादव और सुश्री सुमिता अग्रवाल, संकाय सदस्यों ने ''एनवीवो सॉफ्टवेयर का उपयोग कर गुणात्मक विश्लेषण'' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

• सुश्री रूपाली पंडित, सहायक प्राध्यापक ने एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम – ''साहित्य समीक्षा का रहस्योद्घाटन'' पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

• सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक ने निफ्ट के फाउंडेशन कार्यक्रम द्वारा आयोजित ''डिजिटल डिजाइन और संचार'' पर एक टीओटी में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी

विभिन्न विषयों पर छात्रों के निविष्ट को बढ़ाने और उद्योग–अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा विशेषज्ञ ऑनलाइन सत्र नियमित आधार पर आयोजित किए गए शैक्षणिक विभागों द्वारा वर्ष के दौरान पूर्व छात्रोंध्उद्योग विशेषज्ञों के साथ कुल 138 आपसी परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रमुख उद्योग संबंध

निफ्ट ने ऑनलाइन परिसर प्लेसमेन्ट 2020 का आयोजन किया। सभी परिसरों के लिए 391 रिक्तियों के साथ प्लेसमेन्ट के लिए कुल 122 कंपनियों ने भाग लिया। 74 निफ्ट गांधीनगर के छात्रों को परिसर प्लेसमेन्ट पीपीओ दिया गया।

उद्योग संबंध

आदित्य बिड़ला समूह के सहयोग से उनके लीवा ब्रांड के लिए प्रिंट डिजाइन और बुने हुए डिजाइन परियोजनाओं पर कक्षा परियोजनाएं आयोजित की गई थीं।
बटन मसाला के डिजाइनर श्री अनुज शर्मा के सहयोग से भूतल डिजाइन के लिए एक कक्षा परियोजना का आयोजन किया गया।

हरित परिसर गतिविधियां और स्थिरता पहल

परिसर में 07 छिद्रित कुएं हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 50,000 लीटर है जो वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल स्तर में सुधार करते है।
परिसर की छत के ऊपर सोलर पावर सिस्टम से लैस है जिसमें 100 किलोवाट बिजली पैदा करने की क्षमता है।

हैदराबाद

निफ्ट हैदराबाद की स्थापना वर्ष 1995 में चेनेथा भवन, नामपल्ली, हैदराबाद में एक अस्थायी परिसर के रूप में की गई थी और फिर वर्ष 1999 में माधापुर में अपने स्थायी परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। निफ्ट हैदराबाद परिसर भारत के आईटी केंद्र–हाई–टेक सिटी और राज्य शिल्प ग्राम शिल्परमम के बीच स्थित है। यह अपने मूल आदर्श वाक्यों में से एक परंपरा का आधुनिकता से मिलन का उदाहरण पेश करती है। परिसर का मुख्य भवन अपनी वास्तु–कला–संबंधी स्थापत्य भव्यता और बहुमुखी प्रतिभा के लिए विख्यात है। परिसर की सुविधाएं सर्वांगीण प्रशिक्षण के अनुभव और समग्र विकास के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं।

परिसर 5 डिजाइन स्नातक कार्यक्रम, 1 प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम और 1 प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है:

स्नातक कार्यक्रम (बी.डी.) (4 वर्ष)
- फैशन डिजाइन,
- वस्त्र डिजाइन,
- फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण,
- निटवेअर डिजाइन और
- फैशन संचारय

स्नातक कार्यक्रम (बी.एफ. टेक) (4 वर्ष)
- फैशन प्रौद्योगिकी स्नातक (परिधान उत्पादन)

प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रमः
- फैशन प्रबंधन स्नातकोत्तर

सतत शिक्षा (सीई) कार्यक्रम
निफ्ट हैदराबाद निम्नलिखित सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) भी प्रदान करता है
- फैशन क्लोदिंग और प्रौद्योगिकी (1 वर्ष)
- समकालीन संजातीय पहनावा (1 वर्ष)

परिसर के महत्वपूर्ण स्थल और उपलब्धियां

- कोविड–19 महामारी के कारण ऑफलाइन कक्षाओं के स्थान पर ऑनलाइन और हाइब्रिड कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। हाइब्रिड माध्यम द्वारा अकादमिक वितरण (ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों) पूरा किया गया और पाठ्यक्रम पूरा किया गया।
- दीक्षांत समारोह 2020 को कोविड–19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अथिति भारत के माननीय प्रधान मंत्री के सलाहकार श्री भास्कर खुल्बे, श्री शांतमनु, महानिदेशक–निफ्ट विशिष्ट अतिथि, श्री वी. शेषाद्री, तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री के सचिव और श्रीमती ऋचा गहरवार, निफ्ट की सीवीओ विशेष अतिथि थे। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 212 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।
- परिसर में स्वच्छता उपायों को सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार लागू किया गया था।
- परिसर में स्वच्छता ही सेवा गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। प्लास्टिक मुक्त कचरा अभियान के पालन को उजागर करने के लिए विद्युत संचालित बैनर और संदेश निफ्ट वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं। प्लास्टिक की पानी की बोतलों के उपयोग से बचने के लिए निफ्ट ने अपनी शोसल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यापक रूप से अभियान चलाया है और वैकल्पिक समाधानों यानीं कपड़े के बैग, पेपर बैग आदि का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है।
- निफ्ट, हैदराबाद ने प्लास्टिक के उपयोग में हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने और वैकल्पिक उत्पादों का उपयोग करने के लिए शिक्षित करके ''कोर्ट्म थांडा

(बंजारा)'' गांव को 'प्लास्टिक मुक्त गांव' में परिवर्तित करने के लिए गोद लिया है।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट हैदराबाद परिसर 8 एकड़ भूमि में निर्मित है। परिसर में पूर्ण रूप से लैस प्रयोगशालाएं और स्टूडियो, वाई–फाई सुविधा, 350 सीट का सभागार, विशाल संसाधन केंद्र, छात्राओं का छात्रावास, परिसर काऊन्सलर, परिसर में स्टेशनरी की दुकान, मिनी जिम, इन्डोर एवं आऊटडोर खेल सुविधाएं जैसे टेनिस प्रांगण, बास्केटबॉल प्रांगण हैं। थ्रो बॉल प्रांगण, क्रिकेट के लिए अभ्यास पट्टियाँ, कैंटीन और मेस आदि सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट हैदराबाद एक वर्ष की अवधि के साथ फैशन क्लॉथिंग प्रौद्योगिकी समकालीन संजातीय पहनावे पर सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) भी प्रदान करता है।

प्रमुख परियोजना

निफ्ट हैदराबाद ने एस ई आर पी (ग्रामीण गरीबी उन्मूलन के लिए संस्था), तेलंगाना सरकार के सहयोग से तेलंगाना राज्य में नैदानिक अध्ययन, कौशल उन्नयन, मूलरूप विकास, चिन्हित शिल्प के शिल्पकारों के प्रशिक्षण के लिए एक परियोजना शुरू की है, जिसकी लागत 47.36 लाख रुपये है ।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

• सुश्री नैन्सी अग्रवाल और सुश्री संजना चेतला, (टीडी–V सेमेस्टर के छात्रों) को बोम्माला कोंडापल्ली खिलौना समूह के लिए भारत खिलौना मेला 2021 परियोजना के लिए चुना गया और उन्होंने परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

• टीडी– V सेमेसटेर के छात्रों ने प्रिंट डिजाइन परियोजना के हिस्से के रूप में ग्रासिम लीवा परियोजना पर काम किया। होम टेक्सटाइल–बेडलिनन श्रेणी के लिए पहली छटनी में चार छात्रों का चयन किया गया था।

• टीडी – VIII की शिका शिवांगी ने 25–5–2020 को खादीवाला डिजाइनर द्वारा आयोजित झारखंड मास्क डिजाइन प्रतियोगिता जीती।

• टीडी – VIII की सुश्री शिका शिवांगी, सुश्री इशिता और सुश्री अरुंधति ने 24–12–2020 को वेलस्पन फ्लोरिंग द्वारा आयोजित होराइजन परिसर कनेक्ट कार्यक्रम जीता।

• सुश्री प्रतीक्षा मोरंकर, (टीडी–VI) ने 1–1–2021 को ''ग्रामीण'' द्वारा आयोजित ''अपने तरीके से बुनो'' साड़ी डिजाइन प्रतियोगिता जीती।

• केडी– VII की छात्राएं सुश्री अपराजिता वैद, हेमा रंजन, इशिता सिंह और सुश्री पूर्णा प्रीतिका, और केडी V की छात्र सुश्री साक्षी वासा ने ''टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड'' द्वारा आयोजित 'यूनिफॉर्म डिजाइन प्रतियोगिता' (व्यक्तिगत परियोजना) में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।

• केडी VII की छात्रा सुश्री मानसी प्रिया ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2020 ''हस्तकला दर्शन'' में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।

• मिस्टर जॉनी राल्फ बेदी (एमएफएम II) को लोटस एफडीसीआई द्वारा 14 अक्टूबर से 18 अक्टूबर, 2020 के दौरान आयोजित किए गए प्रथम फिजिटल फैशन शो के लिए चुना गया।

• सुश्री पूर्णिमा (एमएफएम II) ने इंडिया कोटियोर सप्ताह 2020 और इंडिया फैशन सप्ताह 2020 दोनों में एफडीसीआई द्वारा प्रायोजित प्रचारक के हिस्से के रूप में काम किया।

• सुश्री प्रियल काका (बीएफटी–VIII) को कपड़ा प्रौद्योगिकी विभाग, कुमारगुरु, कोयंबटूर प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा 29 अप्रैल 2021 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी परियोजना प्रदर्शन प्रतियोगिता के–टेक्स टेक चौलेंज–2021 में प्रथम पुरस्कार मिला।

• सुश्री टी. दिव्या (बीएफटी–IV), सुश्री जिज्ञासा शर्मा (बीएफटी– VI) और सुश्री सौम्या गुप्ता (बीएफटी–VI) ने असामान्य चीजें – आईआईएम कलकत्ता द्वारा 301–2021 को आयोजित एक व्यापार विचार पिचिंग प्रतियोगिता – में पहला स्थान हासिल किया

• सुश्री रईश आलम (बीएफटी–IV), सुश्री टी. दिव्या (बीएफटी–IV), सुश्री जिज्ञासु शर्मा (बीएफटी–IV) और सुश्री सौम्या गुप्ता (बीएफटी–IV) ने – 13–3–2021 को आई आई टी मद्रास द्वारा आयोजित ई–शिखर सम्मेलन 2021 में प्रथम उपविजेता स्थान प्राप्त किया ।

• श्री अविनाव अंशु (बीएफटी–IV) ने वर्ष 2020–2021 के लिए उद्यमिता प्रकोष्ठ, आईआईटी बॉम्बे के महाविद्यालय के दूत के रूप में कार्य किया।

• बीएफटी छात्रों में से दो सुश्री अमीषा गोयल, सुश्री प्रणति अग्रवाल और संकाय सदस्य सुश्री टी श्रीवाणी द्वारा ''दृष्टिहीनों के अनुकूल और समावेश करने वाले परिधान'' शीर्षक से शोध पत्र यूजीसी देखभाल समूह 1 पत्रिका – डोगो रंगसांग शोध पत्रिका आईएसएसएनः 2347–7180, खंड 10, अंक – 07, 16 जुलाई 2020 में प्रकाशित हुआ।

• दो बीएफटी छात्रों आथिरा मेनन, श्रेया भगत और संकाय सदस्य डॉ शकील इकबाल द्वारा ''भारत में खुदरा फैशन दुकानों में संवर्धित वास्तविकता का प्रभावः अवसर और चुनौतियां'' शीर्षक वाला शोध पत्र आईओएसआर पत्रिका ''व्यापार और प्रबंधन की पत्रिका'' (आईओएसआर–) जेबीएम) खंड 22, अंक 7. 7 जुलाई, 2020 में प्रकाशित हुआ था।

• दो बीएफटी छात्रों सौरभ सुमन्यु, आकांक्षा सिंह और संकाय डॉ शकील इकबाल द्वारा ''फैशन छात्रों द्वारा आवेग में खरीददारी करने के व्यवहार पर दृश्य बिक्री का प्रभाव'' शीर्षक वाला शोध पत्र पत्रिका ''गेडराग और ऑर्गनीसेट'' खंड 33 अंक 03 (जुलाई सितंबर 2020) में प्रकाशित हुआ था।

• दो बीएफटी छात्रों अनघा चाको, संथवाना विल्सन और संकाय सदस्य डॉ शकील इकबाल द्वारा ''कृत्रिम बौद्धिकता के उपयोग से भारत के फैशन ई–वाणिज्य में सुधार'' शीर्षक वाला शोध पत्र, ''फैशन प्रौद्योगिकी एंड टेक्सटाइल अभियांत्रिकी में वर्तमान रुझान'' पत्रिका वॉल्यूम 7 अंक 1– अगस्त 2020 में प्रकाशित हुआ था।

• दो बीएफटी छात्रों रुशिता गेटी, रामजी नटुकुर्ती और प्रो डॉ. रजनी जैन द्वारा ''परिधान उद्योग में स्मार्ट लेबल का विकास'' शीर्षक वाला शोध पत्र टेक्सटाइल और फैशन नवाचार कांग्रेस (टी एफ सी आई) 2021 में प्रस्तुति के लिए चुना गया।

• सुश्री भावना ए. कोटि (ए डी–VIII) ने हैदराबाद में ए एस सी आई द्वारा आयोजित इंकवाश में भाग लिया। उन्होंने शिखर सम्मेलन कार्यवाही की प्रस्तुति रचनात्मक दृश्यों के माध्यम से प्रस्तुत की। श्री के. टी. रामा राव, माननीय मंत्री, नगर प्रशासन और शहरी विकास, उद्योग और वाणिज्य, और सूचना प्रौद्योगिकी, तेलंगाना सरकार द्वारा उनकी सराहना की गई।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

(i) सर्वश्रेष्ठ डिजाइन संग्रह पुरस्कार 2020: साहिल चौधरी (केडी), सहजप्रीत कौर चावला (एफडी), रश्मि राजपुरोहित (एफडी)
(ii) सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार 2020: राधिका अरोड़ा (केडी), अमीषा गोयल (बीएफटी), चलसानी साईं दरसिनी (एफ एंड एलए)
(iii) सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार– I: दीक्षा शिवम (टीडी), अर्पित कुमार अग्रवाल (एफसी),
(iv) बेस्ट स्नातक परियोजना पुरस्कार – II: भव्य मुकेश शाह (टीडी), मृदिभा तिवारी (टीडी), चौतन्य तिवारी (एफसी)
(v) सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार–III: मानसी मिश्रा (टीडी)
(vi) सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना– सांत्वना पुरस्कार: निमिश सोनी (एफ एंड एलए), रितिका (एफ एंड एलए)
(vii) समकालीन शैली में पारंपरिक कौशल का सर्वोत्तम उपयोग: प्रियमा बोरपुजारी (एफ डी)
(viii) सबसे रचनात्मक और अभिनव डिजाइन संग्रह: प्रियमा बोरपुजारी (एफडी)
(ix) सबसे व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य परियोजना: सौम्या जैन (बीएफटी)
(x) व्यावसायिक रूप से सर्वाधिक व्यवहार्य डिजाइन हस्तक्षेप: चलसानी साई दरसिनी (एफ एण्ड एलए)
(xi) डिजाइन पद्धति का सबसे अनुकरणीय अनुप्रयोग: चलसानी साई दरसिनी (एफ एंड एलए)
(xii) सबसे नवीन स्नातक परियोजना पुरस्कार 2020: प्राची नागपाल (एफसी), अमीषा गोयल (बीएफटी), प्रणति अग्रवाल (बीएफटी)
(xiii) सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (विपणन): कोनपाल बंसल (एफएमएस),
(xiv) सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार / निर्यात व्यापार: कामाक्षी अग्रवाल (एफएमएस)
(xv) सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (उद्यमिता)/ फैशन प्रबंधन आचरण: नव्या सूद (एफएमएस)

शिल्प समूह हल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

• डीएफटी सेमेसटेर V के छात्रों द्वारा वर्ष 2020 में सीआरडी के लिए पहचाने गए शिल्प मछलीपट्टनम कलमकारी, वारंगल धुर्री और नलगोंडा इक्कात्स मे भाग लिया।
• एमएफएम बैच 2019 के 41 छात्रों द्वारा शिल्प समूह का नैदानिक अध्ययन –
21 मई, 2020 को 6 हथकरघा समूहों अर्थात् – बंडारूलंकाय उप्पदाय मोरीय अंगाराय धर्मावरमय आंध्र प्रदेश राज्य में मुदिरेड्डीपल्ली को शामिल करते हुए पूरा किया गया। समूह के नैदानिक अध्ययन का समन्वय डॉ. जीएचएस प्रसाद; डॉ ए श्रीनिवास रावय, श्री आई चक्रपाणि द्वारा किया गया था। महामारी के बावजूद छात्रों द्वारा सुगम तरिके से अध्ययन आयोजित किया गया था और इसे अच्छी तरह से प्रलेखित भी किया गया।
• अक्टूबर, 2020 में एमएफएम बैच 2019–21 ने तीन दिवसीय 'कारीगर जागरूकता कार्यशाला' का आयोजन किया, जिसमें उपरोक्त सभी छह समूहों के कारीगरों ने भाग लिया। इस तथ्य के बावजूद कि महामारी के कारण भौतिक कार्यक्रम संभव नहीं था, छात्रों द्वारा आभासी कार्यक्रम का सुचारु रूप से आयोजन किया गया था और 6 शिल्प समूहों के सभी प्रतिभागी कारीगरों द्वारा उत्कृष्ट तरह से ग्रहण किया गया। कार्यशाला के माध्यम से जहां विशेषज्ञों ने व्यावसायिक स्वास्थ्य, सरकारी योजनाओं, ब्रांड निर्माण के लिए व्यावहारिक सुझाव, प्रचार और विपणन रणनीतियों पर जानकारी प्रदान की, वहीं छात्रों ने सभी छह समूहों के लिए समूह विशिष्ट प्रचार सामग्री, ऑनलाइन बिक्री और सोशल मीडिया रणनीति विकसित की।
• शिल्प अनुसंधान प्रलेखन – नवंबर 2020 के दौरान 3 दिनों के लिए केडी–V सेमेस्टर के छात्रों ने सिद्धिपेट गोलाभामा और चेरियाल पेंटिंग के कारीगरों के साथ ऑनलाइन बातचीत में भाग लिया।
• शिल्प समूह उत्पाद विकास – केडी–VII के छात्रों ने शिल्प मूलरूप (कागज अवधारणा) को अक्टूबर और नवंबर 2020 के दौरान शिल्प येमिग्नोर बुने हुए जाल और घनपुर बॉबिन फीता शिल्प के तहत ऑनलाइन प्रणाली में पूरा किया।

पीएचडी कर रहे और पूर्ण कर चुके छात्रों का विवरण

पीएचडी पूर्ण कर चुके हैं :
• प्रो. डॉ. एम. अन्नाजी सरमा (एफएमएस) ने अपना डॉक्टरेट अध्ययन पूरा कर लिया है और उन्हें अगस्त 2020 में आरएनटीयू, भोपाल से ''फैशन विलासिता ब्रांडों के प्रति उपभोक्ताओं का दृष्टिकोण और धारणाए भारत में चयनित प्रमुख महानगरों में एक अध्ययन'' विषय पर पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

पीएचडी शोध निबंध प्रस्तुत:
• श्री श्रीकांत गेला, सहायक प्राध्यापक (टीडी) ने इग्नू, नई दिल्ली में ''वस्त्र और सांस्कृतिक पहचान: कसावु साड़ी की भूमिका का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण'' शीर्षक से अपनी पीएचडी शोध निबंध प्रस्तुत किया है।

पीएचडी कर रहे हैं:
• सुश्री टी. श्रीवाणी, सहायक प्राध्यापक (डीएफटी), सुश्री ज्योतिर्माई एस., सहायक प्राध्यापक (टीडी) अविनाशलिंगम विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु से पीएचडी कर रही हैं।
• सुश्री शर्मिला सुरे, सहायक प्रो. (डीएफटी), श्री. राजेश कुमार जी, सहायक प्राध्यापक, बनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान से पीएचडी कर रहे हैं।
• सुश्री वी. प्रियदर्शिनी, सहायक प्रो. (डीएफटी) ने क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बैंगलोर में पीएचडी में दाखिला लिया
• श्री चक्रपाणि उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से पीएचडी कर रहे हैं।
• सुश्री ए राज्यलक्ष्मी जीआईटीएएम विश्वविद्यालय, हैदराबाद से पीएचडी कर रही हैं।

• श्री सत्य प्रकाश ने मध्यांचल व्यावसायिक विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए पंजीकरण कराया है।
• श्री एस किशोर चंद्र ने ''उस्मानिया विश्वविद्यालय'' हैदराबाद से पीएचडी के लिए पंजीकरण कराय है।

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों पर संक्षिप्त नोट

• प्रो. डॉ. लक्ष्मी रेड्डी (एफ और अल ए) ने ''कल्याण मित्र'' खंड भारतीय इतिहास और पुरातत्व की झलक– अप्रैल, 2021 शीर्षकः दृश्य–अभिव्यक्ति में एकता, चित्रकारी (आधुनिक कला) में पेपर प्रकाशन में योगदान दिया।
• डॉ. पृथ्वीराज मल ने रिक्तिपूर्व लक्ष्य प्रोग्रामिंग का उपयोग करते हुए 'सुदृढ़ पराबैंगनी किरण संरक्षण' के साथ एकल जर्सी कपडे के अनुकूलन का एक शोध पत्र, पॉलिमर और टेक्सटाइल अभियांत्रिकी पत्रिका, वॉल्यूम 7, अंक 5, पीपी 1–5, डीओआई : 10.9790ध019ग–07050105 (सितंबर–अक्टूबर 2020) में प्रकाशित किया है।
• डॉ. सस्मिता पांडा और सुश्री ज्योतिर्माई एस ने 'टेक्सटाइल्स में नैनोप्रौद्योगिकी और उसके उपयोग –समीक्षा' शीर्षक से, शिक्षा में अग्रिम शोध और नवचार विचारों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम 7, अंक 2, 2021 में एक पेपर प्रकाशित किया है ।
• डॉ. सस्मिता पांडा ने 'कालातीत लालित्यः ओडिशा के हाथ से बुने हुए पारंपरिक खंडुआ', डिजाइन क्वेस्ट, खंड 2, अंक 2 शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है।
• डॉ. सस्मिता पांडा ने डिजाइन क्वेस्ट में ''ओडिसा की हाथ से बुनी सुरुचिपूर्ण और अद्भुत साड़ियों में स्थिरता'': संक्षिप्त में'' शीर्षक सेः डिजाइन पर एक उन्नत शोध पत्रिका , खंड 3 अंक 1, पीपी 15–22 में एक पेपर प्रकाशित किया है
• श्री श्रीकांत गेला ने यूजीसी केयर सूचीबद्ध पत्रिका ' केरल में कपड़ों का विकास और जूनी–ख्यात में सामाजिक संघर्ष' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया है।
• एक सह–लेखक के साथ डॉ चिरंजीवी रेड्डी द्वारा लिखित ''फैशन शिक्षा में स्वयं, सहकर्मी और शिक्षक द्वारा छात्रों के प्रदर्शन का आकलनः एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य'' नामक एक शोध पत्र अक्टूबर 2020 में शैक्षिक योजना और प्रशासन पत्रिका (जेईपीए) खंड XXXIII के लिए प्रकाशित किया गया है।
• दो बीएफटी छात्रों आथिरा मेनन, श्रेया भगत और डॉ. शकील इकबाल, सहायक प्राध्यापक (डीएफटी) द्वारा ''भारत में फैशन खुदरा दुकानों में संवर्धित वास्तविकता का प्रभावः अवसर और चुनौतियां'' शीर्षक वाला एक शोध पत्र आईओएसआर पत्रिका, व्यापार और प्रबंधन की पत्रिका (आईओएसआर–जेबीएम) खंड 22, अंक 7. स 7 (जुलाई 2020) में प्रकाशित हुआ है।
• दो बीएफटी छात्रों अनघा चाको संथवाना विल्सन और डॉ. शकील इकबाल, सहायक प्राध्यापक (डीएफटी) द्वारा ''भारत में कृत्रिम बौद्धिकता का उपयोग कर फैशन ई–कॉमर्स में सुधार'' शीर्षक से एक शोध पत्र ''फैशन प्रौद्योगिकी और टेक्सटाइल अभियांत्रिकी में वर्तमान रुझान'' पत्रिका खंड 7 अंक 1– अगस्त 2020 में प्रकाशित हुआ है।
• श्री अभिनव गर्ग, सहायक प्राध्यापक ने ''वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए एक लचीला और मापनीय सही मूलरूप– अधिकतम ऊर्जा समूहिकारण (एमईसी)'', शीर्षक से कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी की भारतीय पत्रिका (आईजेसीएसई), आईएसएसएनः 0976–5166, वॉल्यूम –11 अंक –6, दिसंबर 2020। (स्कोपस अनुक्रमित) में एक पेपर प्रकाशित किया।
• श्री अभिनव गर्ग, सहायक प्राध्यापक ने ''वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए अतिरेक कुशल ऊर्जा नियंत्रण समूहिकारण (आरसीईईसी) मूलरूप'' शीर्षक से, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी की भारतीय पत्रिका (आईजेसीएसई), आईएसएसएनः 0976–5166, वॉल्यूम –11 अंक –6, दिसंबर 2020। (स्कोपस अनुक्रमित) में एक पेपर प्रकाशित किया।
• प्रो. डॉ. जीएचएस प्रसाद ने ''डी मार्टः एक सफल खुदरा उद्योग की कहानी'' नामक एक शोध पत्र प्रकाशित किया है, जो शोध प्रकाशनों के लिए एक रेफरीड, इंडेक्सेड, पीयर रिव्यू, यूजीसी केयर लिस्टेड बहु अनुशासनिक पत्रिका में दिनांक 17.01.2020) को 'अवर हेरिटेज' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।
पेपर श्री राधाकिशन दमानी के खुदरा व्यापार कौशल को प्रदर्शित करता है, जिन्हें भारतीय शेयर बाजार में वॉरेन बफेट के रूप में जाना जाता है। बाद में उन्होंने एवेन्यू सुपरमार्केट के माध्यम से खुदरा व्यापार में प्रवेश किया, जो डी मार्ट नामक स्टोर के साथ सीमित थे। डी मार्ट के माध्यम से उनकी सफलता ने उन्हें मुकेश अंबानी के बाद दूसरे सबसे अमीर भारतीय के रूप में स्थापित किया।
• डॉ. शिवकुमार एम. बेली ने "ड्रेस किराये पर क्यों लें? फैशन कपड़ों के उत्पादों के लिए किराए पर लेने के इरादे पर एक अध्ययन, फरवरी, 2020 के दौरान बिक्री की भारतीय पत्रिका (ए बी सी डी कैटेगरी एंड स्कोपस) में प्रकाशित किया गया।
• डॉ. शिवकुमार एम. बेली ने जुलाई, 2020 में डीओआई डीओआईः10.0001865,V11I7.463782.00632 के साथ यूजीसी केयर सूचीबद्ध पत्रिका में प्रकाशित ''कोविड–19 लॉक डाऊन के दौरान भारतीय सामाजिक संगठनों की भूमिका'' शीर्षक से एक शोध पत्र का सह–लेखन किया है।
• डॉ. आई. रजिता ने 2021 में लक्ष्मी पूजा संकू, ए. पद्मा वी. विजयलक्ष्मी, जे. हयावदान के साथ प्राकृतिक रंगों के लिए डाई निष्कर्षण की खोज विधियों और परिरक्षकों पर फार्मोकॉग्नसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका 10(1): 137–142 प्रकाशन का सह–लेखन किया।

प्रस्तुतियों

• डॉ. पृथ्वीराज मल ने 28 और 29 अगस्त 2020 को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित ''मेक इन इंडिया दृष्टिकोण से टेक्सटाइल उद्योगः वैश्विक परिवेश में'' पर दो दिवसीय वेबिनार में ''कोविड 19 के उपरांत मास्क और श्वासयंत्र – फैशन मिथ्य और सच्चाई'' प्रस्तुत किया है।
• सुश्री ज्योतिर्मई एस ने 28 और 29 अगस्त, 2020 को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित ''मेक इन इंडिया दृष्टिकोण से टेक्सटाइल उद्योगः वैश्विक परिवेश में'' दो दिवसीय वेबिनार में 'कोविड 19 के उपरांत फैशनेबल वस्त्र और सहायक उपकरण'' प्रस्तुत किया है।
• डॉ. सस्मिता पांडा ने 28 और 29 अगस्त, 2020 को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित ''मेक इन इंडिया दृष्टिकोण से टेक्सटाइल उद्योगः वैश्विक परिवेश

में'' दो दिवसीय वेबिनार में ''वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ वस्त्रों में उद्यमिता विकासः एक मामले का अध्ययन'' प्रस्तुत किया है।

• श्री श्रीकांत गेला ने 'ब्रज संस्कृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला 'ब्रज भूमि की समकालिक संस्कृति और परंपराओं' के भाग के रूप में 'ब्रज की शिल्प और जीवित परंपराएं' सत्र के तहत 6 सितंबर 2020 को 'सांझी में स्थिरता के संदर्भ के साथ कटाजोम के प्रतिबिंब' पर पेपर प्रस्तुत किया है।

• डॉ शकील इकबाल ने 28 और 29 अगस्त 2020 को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) तेलंगाना राज्य केंद्र द्वारा आयोजित ''मेक इन इंडिया दृष्टिकोण से टेक्सटाइल उद्योगः वैश्विक परिवेश में'' दो दिवसीय वेबिनार में ''व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए टेक्सटाइल्स'' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

• प्रो. डॉ. एम. अन्नाजी सरमहस ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, हैदराबाद चौप्टर द्वारा ऑनलाइन आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मेक इन इंडिया दृष्टिकोण से टेक्सटाइल उद्योगः वैश्विक परिवेश में'' एक अंतर विषय के रूप में ''कोविड–19 के उपरांत फैशन टेक्सटाइल्स और सहायक उपकरण'' – लक्जरी ब्रांड्स विकसित करने के लिए विपणन रणनीति पर पेपर प्रस्तुत किया ।

• सुश्री ए राज्यलक्ष्मी, सहायक प्रो. (एफएमएस) ने एपी और तेलंगाना के बुनकरों के उत्थान के लिए सामाजिक उद्यमिता की व्यवहार्यता पर 'सकारात्मक संगठनों के निर्माण पर एक आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः एक सतत भविष्य के लिए चुनौतियां और अवसर' एक मामले का अध्ययन 7 नवंबर 2020 को हमारे क्राइस्ट (होने वाला विश्वविद्यालय) दिल्ली एनसीआर परिसर में प्रस्तुत किया।

• सुश्री ए राज्यलक्ष्मी ने 27–28 नवंबर 2020 को 'उद्यमिता और सामाजिक अधिकारिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसाय में वृद्धि' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में महिला फैशन उद्यमियों के लिए चुनौतियांः सूक्ष्म व्यापार उद्यम – हैदराबाद पर एक एक मामले का अध्ययन प्रस्तुत किया। (गीताम एचबीएस और ईजीएडीई बिजनेस स्कूल, मेक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया)

संकाय विकास

• प्रो. डॉ. चिरंजीवी रेड्डी (एफ एंड एलए) ने 7 और 8 मई, 2020 को बॉम्बे शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्व ारा आयोजित एक वेबिनार ''संकट के दौरान शिक्षा और नेतृत्व'' में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. चिरंजीवी रेड्डी (एफ एंड एलए) ने 1 जून से 6 जून, 2020 तक आयोजित ''गुणात्मक अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान सृजन'' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला (12 सत्रों) में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. चिरंजीवी रेड्डी (एफएंडएलए) ने 12 मई से 16 मई, 2020 तक आयोजित ''गुणात्मक अनुसंधान पद्धति'' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला (12 सत्रों) में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. चिरंजीवी रेड्डी (एफ एंड एलए) ने 15 से 17 मई, 2020 तक महाराष्ट्र सरकार विदर्भ विज्ञान और मानविकी संस्थान द्वारा संचालित एक अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन तीन दिवसीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. चिरंजीवी रेड्डी (एफ एंड एलए) ने 23 मई 2020 को ''वर्तमान परिदृश्य के अनुसार उत्पाद विकास'' पर हस्तशिल्प के लिए निर्यात संवर्धन परिषद के निमंत्रण पर फीता उद्यमियों के लिए एक मौखिक वेबिनार का आयोजन किया।

• डॉ शकील इकबाल ने 1 जून 2020 से 6 जून 2020 तक मुंबई के शिक्षा विश्वविद्यालय के सहयोग से बॉम्बे शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा आयोजित गुणात्मक अनुसंधान पर वेबिनार में भाग लिया।

• डॉ. शकील इकबाल ने 22 से 26 जून 2020 तक डॉ. बी आर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर द्वारा आयोजित ''टेक्सटाइल और फैशन में हालिया रुझान'' पर एक सप्ताह के ऑनलाइन अल्पकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. चिरंजीवी रेड्डी (एफ एंड एलए) ने 30 जुलाई 2020 से 1 अगस्त 2020 तक तीन दिनों के लिए ''डिजाइन प्रासंगिकता और कठिन सामग्री की खोज'' शीर्षक से एक टीओटी शीर्षक का आयोजन किया। विभिन्न परिसरों के 30 निफ्ट संकाय सदस्य इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

• प्राध्यापक डॉ. चिरंजीवी रेड्डी (एफ एंड एलए) 21 जुलाई 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर निफ्ट हैदराबाद बिरादरी के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और अभिभावकों के लिए आयोजित 90 मिनट की ऑनलाइन योग कार्यशाला में प्रशिक्षकों में से एक थे।

• संकाय सदस्यों के लिए जीने की कला पर ऑनलाइन कार्यशाला 21 से 24 मई 2020 (4 दिन) तक आयोजित की गई थी जिसमें दो बैचों थे और प्रत्येक बैच में लगभग 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

• डॉ. शकील इकबाल, सहायक प्रो. (डीएफटी) ने 28 और 29 अगस्त 2020 को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) तेलंगाना राज्य केंद्र द्वारा आयोजित ''मेक इन इंडिया दृष्टिकोण से टेक्सटाइल उद्योगः वैश्विक परिवेश में'' दो दिवसीय वेबिनार में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

• डॉ शकील इकबाल ने 24 सितंबर 2020 को फैंसी धागों के विषय पर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद में एक ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

• डॉ. शकील इकबाल ने 'परिधान निर्माणः स्मार्ट फैक्ट्री की ओर अग्रसर होना' विषय पर 21 जुलाई 2020 को डीएफटी निफ्ट दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में भाग लिया

• प्रो. डॉ. रजनी जैन (डीएफटी) ने 17 से 20 जुलाई 2020 तक (श्री आनंद देशपांडे द्वारा संचालित) परिधान उद्योग में लीन प्रबंधन पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया

• सुश्री टी. श्रीवानी, सहायक प्राध्यापक (डीएफटी) ने 13 और 14 जुलाई 2020 को ''स्वयं और समाज'' विषय के लिए ऑनलाइन संकाय सदस्य उन्मुखीकरण कार्यशाला पर 'समाज में निर्माण के लिए बाध्यकारी' शीर्षक से एक टीओटी में भाग लियाय समन्वयक संकाय– डॉ कौस्तव सेनगुप्ता और डॉ नेहा सिंह।

• सुश्री टी. श्रीवाणी ने 15 से 17 जुलाई 2020 तक 'रचनात्मक सोच कौशल' पर एक टीओटी में भाग लियाय प्रशिक्षक– प्रो. डॉ. अनुपम जैन और प्रो. उषा नरसिम्हानी

• सुश्री टी. श्रीवाणी ने 19 मई, 2 जून और 16 जून को ऑस्ट्रेलिया के श्री मार्क मैडेन और सुश्री जूलिया रथ के विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन की गई एक कार्यशाला– कैचिंग द डिजाइन वायरसः ए न्यू वर्ल्ड बाय डिजाइन में भाग

लिया। संकाय समन्वयकः सुश्री राखी वाही प्रताप, एफ एंड टी थीं।

• सुश्री शर्मिला श्योर सहायक प्रो. (डीएफटी) ने शिक्षा विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय के साथ बॉम्बे शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, एचएसएनसी विश्वविद्यालय के सहयोगात्मक प्रयासों द्वारा आयोजित ''12 – 16 मई, 2020 से कोविड–19 महामारी के दौरान शिक्षा में ज्ञान सृजन पर एक राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला'' में भाग लिया।

• श्री आई चक्रपाणि, सहायक प्राध्यापक (एफएमएस) ने 30.09.2020 से 01.10.2020 के दौरान व्यवस्थित आर्थिक अनुसंधान एवं विकास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''ई– रिकवरी और सरकारी ई–मार्केट स्थान के साथ सार्वजनिक खरीद'' पर आपसी बातचीत के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री आई चक्रपाणि ने 15.05.2021 से 24.05.2021 तक एनआईटी, वारंगल द्वारा डेटा विज्ञान पर एफडीपी में भाग लिया।

• श्री आई चक्रपाणि ने 31.05.2021 से 04.06.2021 तक एनआईटी, दुर्गापुर द्वारा डेटा विज्ञान पर एआईसीटीई – अटल एफडीपी में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव (एफएमएस) ने 5–9 जनवरी, 2021 तक आईसीएफएआई उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 'डिजाइन सोच' पर अटल अकादमी ऑनलाइन एफडीपी से एक प्रमाणपत्र कार्यक्रम में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने 11–15 जनवरी, 2021 तक आईआईटी रोपड़ द्वारा आयोजित 'ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी' पर अटल अकादमी ऑनलाइन एफडीपी से प्रमाणपत्र कार्यक्रम में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने 8 मई, 2021 को प्रशिक्षण और विकास के लिए भारतीय सोसायटी, हैदराबाद चौप्टर द्वारा आयोजित ' मानव संसाधन विश्लेषण' पर प्रतिष्ठित प्रो. वेन ब्रॉकबैंक के व्याख्यान सत्र में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने सेबी–आईपीईएफ द्वारा 25–29 मई, 2021 तक ऑनलाइन आयोजित 'ई–निवेश जागरूकता कार्यक्रम' में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव द्वारा आयोजित 'सांख्यिकीय उपकरण – ईएफए, सीएफए और सीसीए' पर एक कार्यशाला में भाग लिया काहान प्रौद्योगिकी, 26–27 सितंबर, 2020 तक आयोजित किया गया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने 15 से 18 दिसंबर, 2020 तक एम आई टी विश्व शांति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''नई शिक्षा नीति–2020 अवसर अनलॉक'' पर चौथी राष्ट्रीय शिक्षक कांग्रेस में भाग लिया ।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने 28 अगस्त से 01 सितंबर, 2020 तक डॉ बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर, पंजाब,भारत द्वारा आयोजित ''नवाचार, नवीनता और बौद्धिक संपदा अधिकार'' पर एक सप्ताह के ऑनलाइन टी ई क्यू आई पी–III अल्पकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने 2–3 दिसंबर, 2020 तक 'टेक्सटाइल मशीनरी एक्सपो' पर इंडिया
अंतर्राष्ट्रीय टेक्सटाइल मशीनरी सोसाइटी के आभासी सम्मेलन में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने 18 और 19 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन प्रणाली पर आयोजित ''टेक्सटाइल्स की नई दुनियाः भविष्य के लिए आकार'' के विषय पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन ''टेक्सकॉन–2021'' में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने 11–12 जुलाई, 2020 तक बहाई अकादमी द्वारा आयोजित ऑनलाइन 'सामाजिक एकता के लिए शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. ए श्रीनिवास राव ने मैसर्स टेरापिन पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर द्वारा 23–26 जून, 2020 तक आयोजित किया गया 'एशियाई शिक्षकों के लिए अब तक के पहले आभासी कार्यक्रम' में भाग लिया।

• श्री शिवानंद शर्मा सहायक प्राध्यापक (केडी) ने सुश्री अर्पणा वाल्टर्स– उपाध्यक्ष, डिजाइन, एनामोर, बेंगलुरु, द्वारा 20 – 22 जुलाई 2020 को आयोजित 'अधोवस्त्र विकास के अवलोकन' पर एक ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री प्राची बजाज, सहायक प्राध्यापक (केडी) ने 'अधोवस्त्र उद्योग के अवलोकन' पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लियाय

• डॉ. पृथ्वीराज मल, सहायक प्राध्यापक (टीडी) ने 12 मई, 2020 को टीयूवी–एसयूडी इंडिया द्वारा आयोजित पहुँच और एमएसडीएस पर एक वेबिनार में भाग लिया।

• श्री श्रीकांत गेला, सहायक प्राध्यापक (टीडी) ने वेबिनार श्रृंखला में भाग लिया, जिसका शीर्षक था, 'कैचिंग द डिजाइन वायरसः ए न्यू वर्ल्ड बाय डिजाइन' (मई और जून 2020), जो विशेषज्ञों सुश्री जूलिया राथ और मिस्टर मार्क मैडेन द्वारा आयोजित किया गया था।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं पर संक्षिप्त विवरण

• परिधान उद्योग में ध्यान देने योग्य रुझान – 14 जून 2020 को डिजिटल बिक्री, अनुरूप दृष्टिकोण और हाइपर – श्री अनुज जैन, एमडी, डिजिटल अनुभव, बिग 4 में व्यवसाय द्वारा निजीकरण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• ऑनलाइन समूह जागरूकता कार्यशाला (संकल्प) उनके एमएफएम III सेमेस्टर (नवंबर 2020 के दौरान) में 2020 के बैच के लिए शैक्षणिक आवश्यकता के रूप में 3 दिनों के लिए आयोजित की गई थी।

• प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला (एफडी) ने (i) ''कोविड के उपरांत फैशन का भविष्य'' पर अखिल भारतीय संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिसके अध्यक्ष श्री माइकल काम्पे ली जीन्स, एंटवर्प में रचनात्मक निदेशक थे (ii) ब्रांड नीसी जीन की सुश्री नेहा सेली द्वारा ''एक प्रवृत्ति के रूप में फैशन विलस्ता में स्थिरता'' पर भी एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• 11 मार्च 2021 को टीडी 5वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए मदुरा कोट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ''स्थिरता के लिए कोट्स उपाय'' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

• श्री सुवोदीप मुखर्जी, वरिष्ठ महाप्रबंधक, टीयूवी–एसयूडी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 18 मार्च 2021 को टीडी छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए ''परिपत्र अर्थव्यवस्था'' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया।

• श्री श्रीकांत गेला ने डिजाइन प्रक्रिया विषय के हिस्से के रूप में 'कहानी कहने' में सुश्री दीपा किरण के विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया था।

• निफ्ट दिल्ली के पूर्व छात्र श्री पार्थ हलदर ने बैच 2018–20 के लिए और बैच 2020–22 के लिए उन्मुखीकरण के

दौरान करियर परामर्श और प्रेरणा सत्र आयोजन किया गया।

• सुश्री आशी शर्मा (एफसी के पूर्व छात्र) ने 13.8.2020 एफसी–III छात्रों को ग्राफिक डिजाइन/डिजाइन में उभरते क्षेत्रों के विषय पर व्याख्यान दिया।

• सुश्री श्रिया बालकृष्णन (एफसी के पूर्व छात्र) ने 30. 7.2020 को एफसी–विद्यार्थियों के लिए यूआई डिजाइन विषय पर एक भाषण दिया।

• श्रीमती प्राची टैंक (एफसी हैदराबाद 2014–2018),एम. डेस (आई डी सी आई आई टी बॉम्बे 2018–20) वर्तमान में डी ई शॉ हैदराबाद में यू एक्स डिजाइनर के रूप में काम कर रहे हैं, उन्होंने एफ सी–V छात्रों के लिए 31.7.2020 को यूएक्स डिजाइन पर एक भाषण दिया।

• डीएफटी, हैदराबाद ने संगोष्ठियों का आयोजन किया था

(i) श्री दिनेश मेनन, प्रमुख, एचआर, साइनोड इंडस्ट्री लिमिटेड द्वारा 13 जून, 2020 को व्यक्तिगत शिष्टाचार,

(ii) परिधान उद्योग में ध्यान देने योग्य रुझान– 14 जून 2020 को श्री अनुज जैन, एमडी, डिजिटल अनुभव,बिग 4 में व्यापार, द्वारा डिजिटल बिक्री, अनुरूप दृष्टिकोण और हाइपर–पर्सनलाइजेशन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया था

(iii) व्यक्तित्व परामर्शदाता और संस्थापक इमोडाइट द्वारा भावनात्मक बुद्धिमत्ता के निर्माण पर 15 जून 2020 को सुश्री हृषिका अवस्थी द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया था।

• डीएफटी, हैदराबाद ने 24 जून 2020 को डॉ. तरुण कुमार अग्रवाल, पूर्व छात्र, डीएफटी हैदराबाद, डॉक्टरेट के बाद के शोधकर्ता, सतत उत्पादन विकास विभाग, केटीएच रॉयल प्रौद्योगिकी संस्थान, स्वीडन द्वारा ''उद्योग के लिए अकादमिक अनुसंधान के माध्यम से आजीविका का निर्माण 4.0'' नामक एक संगोष्ठी का आयोजन किया था।

• डीएफटी, हैदराबाद ने 17 अक्टूबर 2020 को श्री रोहित कांत प्रसाद, पूर्व छात्र, डीएफटी, निफ्ट, हैदराबाद द्वारा ''डीएफटी छात्र के रूप में अन्वेषण करने के लिए विभिन्न रास्ते'' शीर्षक से एक संगोष्ठी/उद्योग बातचीत का आयोजन किया था, जो वर्तमान में एबीएफआरएल के साथ खुदरा के लिए समूह प्रबंधक, पीटर इंग्लैंड के रूप में जुड़े हुए है।

• सुश्री वैष्णवी श्रीवास्तव ने केडी सेम–VII के लिए 03.09. 2020 और 05.09.2020 को 03.09.2020 और 05.09. 2020 को 'आराम, फिट और काइन्सियोलॉजी के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए खेलों के लिए 'पहनने की एक सक्रिय रेंज के विकास के बारे में एक परिचय' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

• सुश्री ऋचा गौतम ने 17.10.2020 को विभिन्न खेल श्रेणी में डिजाइन करने के लिए सह–आवश्यकताएं केडी–V के लिए ''आवश्यकतानुसार वस्त्र, सहायक उपकरण, सतह पर उपचार आदि का महत्व'' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

• सुश्री सायस्ता मुनौवर ने केडी–सेम–V के लिए ''एक परिधान श्रेणी के रूप में एथलीजर की अवधारणा और विकास परिचालकों विषय पर ''04.09.2020 और 05. 09.2020 को एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

• श्री विशांत ने 16.04.2021 को केडी सेम – VI के लिए ''औद्योगिक तकनीकी पैक विकास'' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

• सुश्री अर्पणा जथन्ना वाल्टर्स ने केडी सेमेस्टर– VI के लिए 15.05.2021 और 29.05.2021 को अंतरंग परिधानों के लिए डिजाइनिंग विकसित करते समय अपनाई जाने वाली डिजाइन की विशिष्ट परिधान श्रेणी और मापदंडों की बारीकियों पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

• सुश्री विद्या विवेक ने 26.04.2021 को ''टीआर पैटर्न 3डी कटिंग तकनीक (कोर्सेट पैटर्न विकास) पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया और केडी सेम–VI के लिए 10.05.2021 को प्रशिक्षण खेलों के लिए औद्योगिक पैटर्न निर्माण पर विशेष जानकारी दी।

• श्री आनंद सिंह ने केडी सेम–VI के लिए 08.04.2021 को खुदरा उद्योग के लिए एडोब इलस्ट्रैटर/स्कैच/टेक पैक्स 360 डिग्री डिजाइन प्रक्रिया और रेंज बिल्डिंग पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

प्रमुख उद्योग संबंध

• ऑफलाइन/ऑनलाइन परिसर से प्लेसमेन्ट 2020: ऑनलाइन परिसर से प्लेसमेन्ट 2020 के दौरान 10 प्रमुख कंपनियां, जैसे, मिंत्रा, हाउस ऑफ नामा, डेलॉइट यूएस, टॉमी हिलफिगर वर्चुअल मर्चेंडाइजर के रूप में, अमेजॅन–कैटलॉग विशेषज्ञ, कोमल टेक्स फैब, पीएमजे ज्वेल्स, बेवाकूफ ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड, कलंजलि, बत्रा ग्रुप ने परिसर का दौरा किया और छात्रों के समक्ष नौकरियों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

• छात्रों के संदर्भ में उद्योग की बातचीत और इंटर्नशिप ऑनलाइन/हाइब्रिड प्रणाली से की गई और जीपी में भाग लेने वाले ऑनलाइन मोड में किए गए विशेषज्ञ सत्रों के माध्यम से भी

स्थिरता पहलू और हरित परिसर गतिविधियां

• निफ्ट हैदराबाद परिसर सक्रिय होकर बेहतर टिकाऊ प्रथाओं जैसे गर्म पानी की व्यवस्था के लिए सौर ऊर्जा, पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को एलईडी में बदलना, वर्षा जल संचयन, वर्मी–कल्चर प्रथाएं, सौर बाड़ लगाना आदि के लिए प्रमुख पहल कर रहा है । खाद गड्ढा और अन्य मशीनरी का निर्माण करके पुनर्चक्रण गतिविधियों को लागू किया गया है।

• परिसर की साज–सज्जा, शारीरिक रूप से विकलांगों/ व्हीलचेयर के उपयोगकर्ताओं के लिए पूरे परिसर में रैंप और रेलिंग के माध्यम से गतिशीलता सुविधाओं के माध्यम से परिसर में सुधार, कैंटीन नवीनीकरण, रद्दी और कचरे का निपटान, मशीनरी की खरीद की गई है।

• अग्निशमन विभाग के माध्यम से कार्य कर रहे और सेवा कर्मचारी वर्ग में जागरुकता लाने के लिए समय–समय पर अग्नि सुरक्षा अभ्यास आयोजित किए जाते हैं ।

• बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए निफ्ट हैदराबाद ने योग और व्यायाम (जिम) का अभ्यास करने वाले चिकित्सा विशेषज्ञ के माध्यम से पेशेवर सलाहकार और बाहरी खेल और आंतरिक खेल जैसी गतिविधियां प्रदान की हैं। संकाय, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए उधार के आधार पर शीर्ष श्रेणी के उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए शहर के कई सुपर स्पेशियलिटी /मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ गठजोड़ से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि हुई है।

• सांस्कृतिक कार्यक्रमों, समूह चर्चाओं, बाहरी गतिविधियों

के आयोजन के माध्यम से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। मनोवज्ञानिक परामर्शदाता के दौरों का आयोजन विशेष रूप से छात्रों में उनके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और आजीविका के लिए बढ़ा हुआ दायरा और आत्मविश्वास ला रहा है।

• एक पेशेवर संस्था को सेवाओं की आउटसोर्सिंग करके सफाई तंत्र के माध्यम से पूरे परिसर को साफ सुथरा रखना। सेवाओं की गहन गुणवत्ता, मात्रा और गुणवत्ता के लिए कड़ी निगरानी द्वारा प्राप्त की जाती है, विस्तृत लॉग बुक को अपने क्षेत्र में सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा विधिवत पर्यवेक्षण और सत्यापित करने से गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है।

जोधपुर

निफ्ट जोधपुर की स्थापना वर्ष 2010 में सोजती गेट पर स्थित अपने अस्थायी परिसर के संचालन से हुई थी और 2015 में इसे कारवाड में स्थायी परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। निफ्ट जोधपुर में 20 एकड़ में फैले पूरी तरह से आवासीय हरित परिसर है।

निफ्ट जोधपुर 2010 से प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में चार वर्षीय स्नातक और दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। फैशन प्रौद्योगिकी में स्नातक (बीएफटी) और फैशन प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमएफएम)।
डिजाइन में स्नातक – बी.डेस. (निम्नलिखित पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2016–17 से शुरू हो गए हैं)
1. फैशन डिजाइन (एफडी)
2. सहायक उपकरण डिजाइन (एडी)
3. टेक्सटाइल डिजाइन (टीडी)
4. फैशन संचार (एफसी)

महत्वपूर्ण स्थल और उपलब्धियां

• कपड़ा, फैशन और शिल्प में प्रगति पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एटीएफसी–2021), 22–24 मार्च 2021 को आयोजित किया गया।
• दुनिया भर के संस्थानों और विश्वविद्यालयों से 200 से अधिक पेपर प्राप्त हुए।
• विभिन्न कारीगरों/प्रवासी कामगारों को प्रशिक्षण।
• स्वच्छता कर्मियों के लिए कवरऑल विकसित किए गए
• दर्जी को पीपीई किट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

भोजनालयः भोजनालय छात्रों को साल भर पौष्टिक भोजन परोसता है। छात्रों के भोजन करने के लिए एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए भोजनालय परिसर के भीतर स्वच्छता और गुणवत्ता का अच्छी तरह से ध्यान रखा जाता है।

जलपान गृहः जलपान गृह महाविद्यालय परिसर के भीतर स्थित है। यह सभी के लिए खुला है और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बैठने की उचित व्यवस्था है। विभिन्न प्रकार के अल्पाहार, शीतल पेय, भोजन किफायती दरों पर उपलब्ध हैं।

खुला रंगमंच : खुला रंगमंच सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फैशन शो, युवा उत्सवों और अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के लिए है जिसमें समूह सभा की आवश्यकता हो सकती है। इसका उपयोग संस्थान के कार्यों के लिए उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है।

संगीत कक्षः इसमें उत्कृष्ट कला और मूर्तिकला है जो छात्र की कलात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देती है। विभिन्न वाद्ययंत्रों से लैस संगीत विभाग छात्रों के बीच संगीत की प्रतिभा को उभारता है।

छात्रावास : महाविद्यालय परिसर में छात्र एवं छात्राओं के लिए पृथक–पृथक छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है। इसमें पर्याप्त उच्च सुरक्षा और अच्छा अनुशासन है।

आवासीय क्वार्टरः परिसर में आवासीय निदेशक का बंगला बना है और सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस संकायों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए अलग–अलग क्वार्टर विकसित किए गए हैं।

अतिथि कक्षः परिसर में प्रतिभागी के छात्रावास के अलावा एक अच्छी तरह से सुसज्जित अतिथि गृह है, अतिथि और

प्रतिनिधि जो परिसर में आने वाले विद्वानों के अतिथि गृह में आते हैं।

सम्मेलन कक्षः महत्वपूर्ण बैठकों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों और प्रस्तुतियों के लिए सम्मेलन कक्ष बहुत सुरक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत वातावरण में उपलब्ध है। पूरी सुविधा एक समर्पित पावर बैक–अप के साथ पूरी तरह से वातानुकूलित है।

चिकित्सा/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मनोचिकित्सक परामर्शदाताः छात्रों, कर्मचारियों और संकाय को चिकित्सा देखभाल और सलाह प्रदान करने के लिए संस्थान में एक चिकित्सक और मनोचिकित्सक परामर्शदाता चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं।

सभागारः सभागार संस्थान के कार्यक्रमों और बैठकों का संचालन करने के लिए एक जगह है, सभागार काफी विशाल है, और इसमें सैकड़ों छात्र बैठ सकते हैं। मंच कई मेहमानों के लिए काफी बड़ा है, और यह वीडियो या स्लाइडशो को भी पेश करने के लिए उपयुक्त है। हमने रहने वालों के आराम के लिए केंद्रीकृत वातानुकूलन प्रदान किया है। हमारे सभागार ने कई आयोजनों को सफल बनाया है। परिवहन सुविधाः संस्थान में अपने छात्रों के लिए बस की सुविधा है। सार्वजनिक परिवहन बसों की सुविधा भी परिसर के सामने उपलब्ध हैं।

स्टेशनरी की दुकानः छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, संस्थान के अंदर एक स्टेशनरी की दुकान है। छात्र के अनुकूल स्टोर विभिन्न पाठ्यक्रमों की अनुकूलित जरूरतों को पूरा करता है। स्टेशनरी छात्रों के लिए फोटोकॉपी और प्रिंटिंग की सुविधा भी प्रदान करती है।

आरओ प्लांटः सभी को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूरे कॉलेज परिसर में प्रत्येक ब्लॉक में वाटर कूलर के साथ शुद्ध रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) पेयजल की सुविधा है।

अमूल पार्लरः अमूल आइसक्रीम, मिल्क शेक, चॉकलेट और कई अन्य डेयरी उत्पाद उपलब्ध करवाता है।

नेस्कैफे कॉफी पार्लरः यह आउटलेट विभिन्न प्रकार के गर्म और ठंडे पेय जैसे कोल्ड कॉफी, कोल्ड कोको और आइस्ड टी प्रदान करता है।

जिमः फिटनेस और स्वस्थ जीवन शैली पर विशेष जोर देने के साथ, निफ्ट जोधपुर एक पूर्ण और संपूर्ण शारीरिक कसरत के लिए, वजन और मुफ्त मशीनों के अच्छे चयन के साथ फिर से तैयार किए गए जिम से सुसज्जित है। यह निफ्ट जोधपुर के सभी छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए खुला है।

बैंकः परिसर में बैंकिंग सुविधा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की जाती है। यह पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और इसमें एटीएम की सुविधा है। यह छात्रों, संकाय और कर्मचारियों को सुविधा प्रदान करता है। बैंक कॉलेज के सभी लेनदेन का ख्याल रखता है। यह माता–पिता और छात्रों को फीस, छात्रावास शुल्क, भोजनालय बिल, विश्वविद्यालय शुल्क आदि के भुगतान के लिए सुविधा प्रदान करता है।

बैंक वाशरूम : बैंक परिसर में एक नया बैंक वाशरूम बनाया गया है।

बैडमिंटन प्रांगणः निफ्ट जोधपुर अच्छी तरह से बनाए गए सीमेंटेड प्रांगण प्रदान करता है, जो पॉलिश फर्श से सुसज्जित है। छात्रों के लिए बैडमिंटन रैकेट और शटल हमेशा उपलब्ध हैं।

वॉलीबॉल ग्राउंडः सुव्यवस्थित प्रांगण, परिसर में मौजूद रोशनी से सुसज्जित जो हमेशा खुला है।

फुटबॉल ग्राउंडः एक फुटबॉल मैदान, रात में खेलने के लिए पर्याप्त फ्लडलाइट, फुटबॉल के अलावा अन्य खेल खेलने वाले छात्रों की मांग पर फुटबॉल स्टड भी प्रदान किए जाते हैं।

बास्केट बॉल कोर्टः निफ्ट जोधपुर में रात के समय अभ्यास करने के लिए प्रकाश की सुविधा युक्त बास्केटबॉल मैदान भी है।

टेबल टेनिसः टेबल टेनिस हॉल पूरी तरह से वातानुकूलित है।

कैरमः यह एक ''स्ट्राइक एंड पॉकेट'' टेबल गेम है। वर्तमान में कैरम खेलने और मनोरंजन के लिए उपलब्ध है!
हरित शेड सन प्रोटेक्शन पाथ वेः गर्मियों में त्वचा को सीधी धूप और सूरज से पराबैंगनी विकिरण (यूवीआर) से बचाने के लिए।

एल्युमीनियम का हिस्साः एल्युमिनियम पार्टिशन संकाय सदस्यों की सुविधा के लिए काम करता है।

सीसीटीवी कैमराः संस्थान ने कर्मचारियों, छात्रों और आगंतुकों की सुरक्षा और संपत्ति और भवनों की सुरक्षा के लिए क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन कैमरा (सीसीटीवी) स्थापित किया है। इसके लिए कॉलेज के क्षेत्रों को 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी में रखा जाता है।

पावर बैकअपः पावर बैक अप 03 डी जी सेट जनरेटर (125 केवीए) जिसका रख रखाव एक प्रतिष्ठित संस्था से एएमसी के तहत किया जाता है।

विद्युत आपूर्ति प्रणालीः विभिन्न आकार के वितरण पैनल, दोषपूर्ण केबलों के प्रतिस्थापन, कुशल बिजली व्यवस्था के लिए फीडर खंभे जैसे विद्युत घटकों का एक नेटवर्क तैनात किया गया है।

वाईफाई परिसर : परिसर में एक सहज वाईफाई नेटवर्क है जो छात्रों को कभी भी, कहीं भी नेट की सुविधा उपलब्ध करवाता है।

अग्नि और सुरक्षाः परिसर के विभिन्न स्थानों पर

अग्निशामक यंत्र स्थापित किए गए हैं और सभी आग बुझानेवाले यंत्र कुशलतापूर्वक काम कर रहे हैं। अग्नि सुरक्षा और अग्निशमन जागरूकता पर समय–समय पर अभ्यास भी आयोजित करवाई गई।

सेनेटरी नैपकिन मशीनें: छात्राओं के वॉश रूम के विभिन्न स्थानों पर सेनेटरी नैपकिन डिस्पेंसर मशीन और डिस्पोजल मशीनें लगाई गई हैं।

संसाधन केंद्र में कक्षा: संसाधन केंद्र में एक नई कक्षा का निर्माण किया गया है।

पक्की सड़क करनेवाली ब्लॉक टाइलें: लड़कों के छात्रावास के पास सड़क को पक्का करने वाली ब्लॉक टाइल पथ बनाया गया है।

भूमिगत पानी की टंकी: मौजूदा 1 लाख लीटर ओवरहेड पानी की टंकी और 1.5 लाख लीटर लाख भूमिगत पानी की टंकी के बावजूद पानी के संरक्षण के लिए अतिरिक्त 5 लाख लीटर भूमिगत पानी की टंकी का निर्माण किया गया है।

बाउन्ड्री: सुरक्षा के उद्देश्य से सुरक्षा के लिए मौजूदा चारदीवारी की ऊंचाई का विस्तार और एक विशेष ऊंचाई की सुरक्षा के लिए कांटेदार तार लगाए गए हैं।

रैंप : विकलांग/दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा के लिए बैंक परिसर में और प्रशासनिक भवन के सामने एक रैंप का निर्माण किया गया है।

वाहन पार्किंग शेड : वाहनों की पार्किंग के लिए सुव्यवस्थित तरीके से वाहन पार्किंग शेड का निर्माण किया गया है।

डीएफटी विभाग:– फैशन प्रौद्योगिकी विभाग बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। विभाग में मल्टी हेड कढ़ाई मशीन को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। आई ओ टी और मेक्ट्रोनिक्स प्रयोगशाला के लिए विभिन्न उपकरणों की खरीद प्रक्रिया में है और इसके लिए निविदा मंगाई गई है।

प्रमुख परियोजना

पीडीडीआईसी परियोजना (उत्पाद डिजाइन, विकास और नवाचार केंद्र (पीडीडीआईसी) जोधपुर मेगा समूह योजना के तहत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), सीएचसीडीएस के कार्यालय द्वारा प्रायोजित है।

परियोजना का उद्देश्य जोधपुर में उत्पाद डिजाइन विकास और नवाचार केंद्र स्थापित करना है ताकि डिजाइन में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दिया जा सके और समूह में उत्पाद नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके। केंद्र के प्रमुख उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास, डिजाइन हस्तक्षेप, और नवीनतम रुझानों पर जागरूकता, तकनीकी सहायता, डिजाइन बैंक और उत्पाद पुस्तकालय हैं।

इस परियोजना का उद्देश्य यूजेस संगठन की पाकिस्तान से आई हुई शरणार्थी प्रवासी महिला कारीगरों के लिए प्रासंगिक सॉफ्ट और प्राथमिक डिजाइन कौशल में सुधार के अलावा पारंपरिक कढ़ाई और पिपली कौशल को विकसित /बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और अभ्यास प्रदान करना है। यूजेस संगठन के प्रशिक्षण के तहत पारंपरिक पिपली और कढ़ाई कारीगरों के लिए एक प्रशिक्षण में 25 कारीगरों के समूह के आकार और 150 महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए कुल 6 प्रशिक्षण (एक के बाद एक) के लिए तैयार किया गया है।

यह परियोजना 21 सितंबर 2020 को शुरू हुई। परियोजना का कुल मूल्य 9 लाख है और निफ्ट जोधपुर पहले ही तीन कौशल विकास प्रशिक्षण पूरे कर चुका है।

परियोजना के नए प्रस्ताव अनुमोदन के लिए निम्नलिखित विभाग को भेजे गए हैं।
किशोर गृहों के लिए कौशल विकास, बाल सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार, राजस्थान, जोधपुर।
महिला सशक्तिकरण विभाग, राजस्थान सरकार का कौशल सुधार

- एडी विभाग में ''एयॉन सर्फेस'' नामक उद्योग के समन्वय में ''डिजाइन स्टूडियो 3: जीवन शैली सहायक उपकरण रेंज'' विषय में एक कक्षा परियोजना शुरू की गई थी।
- आरआईसी विभाग में निफ्ट जोधपुर के छात्रों के अंतिम वर्ष के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों के मनोबल को बढ़ावा देना, प्रस्तुति कौशल और व्यक्तित्व को संवारना था।
- एफसीएफ सी, ए डी,एम एफ एम, बी एफ टी और टी डी के लिए 18.12.2020 को सॉफ्ट कौशल कार्यशाला का आयोजन किया गया।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

- ध्रुविक बमनिया एफसी–VI: 20 जून, 2020 को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर– विदेश मंत्रालय) द्वारा आयोजित ''वैश्विक शिल्प परियोजना– कोरोना के खिलाफ एक जुट'' में भारत की ओर से राष्ट्रीय विजेता (बच्चों की श्रेणी में प्रथम स्थान) प्राप्त किया।
- सुश्री अरुशी गुगलिया, चित्रान, एफपी, द्वारा शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20–28 सितंबर, 2020 तक आयोजित प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।
- सुश्री आलिया खान, 8वें सेमेस्टर, टीडी ने मोडा बिएला प्रतियोगिता जीती।
- श्री आकाश सैनी, छठे सेमेस्टर, टीडी, ने ''खादीवाला डिजाइनर'' द्वारा आयोजित पारंपरिक श्रेणी के तहत मास्क डिजाइन प्रतियोगिता जीती।
- श्री आकाश सैनी, छठे सेमेस्टर, टीडी, ने वीआईटी फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई द्वारा आयोजित ''सुरक्षात्मक वियर डिजाइन चुनौती'' में दूसरा स्थान हासिल किया।
- श्री आकाश सैनी, छठे सेमेस्टर, टीडी ने टैलेंट हंट प्रतियोगिता द्वारा आयोजित ''वाटर कलर पेंटिंग प्रतियोगिता'' में दूसरा स्थान हासिल किया।
- बीएफटेक (2016–2020) के श्री वैभव कठपाड़िया ने जोधपुर परिसर के सभी पास आउट बैच के बीच ''निफ्ट असाधारण सेवा पुरस्कार'' जीता।

• बीएफटेक (2016–2020) के श्री वैभव कठपाड़िया ने जोधपुर परिसर के सभी पास आउट बैच के बीच ''निफ्ट मेधावी छात्र पुरस्कार'' में पहला स्थान हासिल किया है।
• श्री प्रशांत चौरसिया, एफडी (2017–2021) डिजाइन चुनौती 20–21, टीसीएनएस डिजाइन विजेता के विजेता हैं।
• श्री विशाल तोलाम्बिया, एफडी (2016–2020), ग्लोबल ग्रेजुएट डिजाइन शोकेस 2020, शिल्प का धागा प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए।
• सुश्री रूपल भटनागर, एफडी (2016–2020) डिजाइन संग्रह परियोजना प्रविष्टि का चयन निफ्ट से शिल्प का धागा के लिए नेक्सटजेन 2020 के लिए किया गया था।
• प्रशांत और श्रुतिका, एफडी लुलु फैशन वीक 20 फाइनलिस्ट बने।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

• निफ्ट जोधपुर डिजाइन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम और प्रबंधन के क्षेत्र में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। एमएफएम के नौवें बैच और बीएफटी के सातवें बैच ने अब तक स्नातक किया है। इसके अलावा, डिजाइन के पहले बैच सहित एमएफएम के नौवें बैच और स्नातक के सातवें बैच में 188 छात्र थे, जो 2020 में उत्तीर्ण हुए हैं।
• फैशन प्रबंधन में परास्नातक छात्रों (बैच 2019–21) ने आदित्य बिड़ला, मोंटे कार्लो, कूल्स, कैटवॉक, नॉर्थमिस्ट, जुनिपर, कलारा, उमिया फैब्रिक और अन्य निर्यात घरानों और प्रतिष्ठित उद्योगों जैसे स्नातक परियोजना को पूरा कर लिया है।
• फैशन संचार के छात्रों ने द अनकॉपी स्टूडियो, अरोका, मैककैन, फिरोजा लिविंग, जोवी फैशन, क्रस्ट, कोश इंडिया, शेमारू, गो स्टूडियो, आयशा अमीन निगम, स्टाइलस्कूल, पथरीटेक, अरोका, डीं फाइन आर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, काजो फैशन, इंटरव्यूबिट, फर्न्स एन पेटल्स और अन्य प्रतिष्ठित उद्योगोन में अपना स्नातक परियोजना पूरा कर लिया है।

फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने 2016–2020 के बैच में, नीचे दिए गए छात्रों ने उल्लिखित श्रेणियों में पुरस्कार जीते हैं
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कारः श्री शिवांश पंत

समूह पहल – गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

निफ्ट जोधपुर लोहे, हड्डी और सिंग, डब्बू प्रिंटिंग, लकड़ी, लेदर और एक्रेलिक चूड़ियों से जुड़ा है। सालावास, पुंजा लूम दरियां, पट्टू बुनाई, कोटा डोरिया साड़ी, जूट दरियां/ ऊनी दरी, सूती दरी, डंका कढ़ाई, सिंधी कढ़ाई, टाई एंड डाई, हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, स्टोन नक्काशी, बीकानेर में उस्ता कला, पीले पत्थर की लालसा, पोखरण मिट्टी के बर्तन, कढ़ाई, कठपुतली बनाना, पेंटिंग, लाख की चूड़ियाँ, लकड़ी पर नक्काशी, चमड़े की कढ़ाई, पैच वर्क आदि।
निफ्ट जोधपुर ने अरी–तारी, लेदर और लकड़ी में डिजाइन हस्तक्षेप प्रदान किया। मोजरी समूह , जोधपुर और पट्टू बुनाई, कडुआ गांव) जो अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित हैं और पट्टू बुनाई, भोजसर गांव जो एसटी समुदाय से संबंधित हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2020–21 में कोविड –19 महामारी की शुरुआत के कारण शिल्प संबंधी गतिविधियाँ ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड में आयोजित की गईं। प्रबंधन और डिजाइन के छात्रों ने हाथ की कढ़ाई (सिंधी), हाथ की कढ़ाई (पिपली) जोधपुर, डाबू ब्लॉक प्रिंटिंग, पिपड़, पट्टू बुनाई (गांव (करवा, बोजसर, गोमठ, थाठ, तहसील, पोकरण, जैसलमेर), ब्लॉक प्रिंटिंग– पिपड़, डंका कढ़ाई– उदयपुर, कढ़ाई पुगल बीकानेर, डब्बू ब्लॉक प्रिंटिंग अकोला, अरी–तारी, टेराकोटा शिल्प समूह , चंदन की लकड़ी पर नक्काशी शिल्प समूह – चुरू, पीले पत्थर की नक्काशी– जैसलमेर, उस्ता कला समूह– चुरू, कठपुतली, पिपली, चमड़ा, टाई और डाई, लाख, लौह और जोधपुर से सफेद धातु में ''शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन'' और ''शिल्प आधारित उत्पाद विकास'' गतिविधि के तहत हस्तक्षेप किया। डिजाइन विभागों द्वारा कारीगर जागरूकता कार्यशाला भी आयोजित की गई।
• छात्रों ने डॉ. शिखा गुप्ता, लोहा और सफेद धातु, जोधपुर, वुड समूह, जोधपुर द्वारा डॉ रुचिका डावर, सिंग और हड्डी हस्तशिल्प, जोधपुर, डाबू प्रिंटिंग में सुश्री सिंधु कुमारी द्वारा पिपर, जोधपुर द्वारा लेदर हस्तशिल्प समूह, जोधपुर और लाख चूड़ियों के समूह में अपनी समूह गतिविधियों का प्रदर्शन किया।
• प्रो. (डॉ.) इंदरपाल राय, सेवानिवृत्त द्वारा एमएफएम II सेम के लिए 30 मार्च 2020 को शिल्प समूह प्रलेखन के लिए प्राध्यापक, जन विश्वविद्यालय और डॉ. चंद्रकांत शर्मा, मालिक, वैशाली फैशन द्वारा विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए।
• ''विशेष उत्पाद समूह'' विषय के तहत कारीगरों के लिए ऑनलाइन एसपीजी कार्यशाला 12 से 13 अक्टूबर 2020 तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पादों का विपणन और बिक्री करेगी।
फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने आरी तारी, सींग और हड्डी, दारी समूह और मोजरी शिल्प पर शिल्प अध्ययन किया है।
• पट्टू वीविंग क्लस्टर्स, सिंधी, डब्बू ब्लॉक प्रिंट, अप्लीक क्राफ्ट से नवंबर 2020 के महीने में 5वें सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन आयोजित किया गया था –
3/5/2021 से 5/5/2021 तक अन्य विभागों के सहयोग से कारीगरों के लिए ऑनलाइन कारीगर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

पीएचडी पूर्ण कर चुके और कर रहे हैं

• डॉ. जनमय सिंह हाडा, टीडी ने 24 सितंबर, 2020 को टेक्सटाइल डिजाइनिंग में ''डिजाइन हस्तक्षेप के माध्यम से कोटा डोरिया हथकरघा का क्षमता निर्माण'' विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।
• युवराज गर्ग, सहायक प्राध्यापक, ने 2020 में पीएचडी पूरी की।

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों पर संक्षिप्त टिप्पणी

• डॉ. मनोज तिवारी– ''परिधान निर्माण में लीन उपकरण'' (प्रो. प्रबीर जाना, निफ्ट दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से) संपादित, एल्सेवियर पब्लिशिंग लिमिटेड यूके द्वारा ''टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट बुक सीरीज'' (आईएसबीएनः

9780128194263, जनवरी 2021) के तहत प्रकाशित किया गया।

• डॉ. मनोज तिवारी– ''मानव शरीर माप के लिए साइजस्ट्रीम 3डी स्कैनर का सत्यापन और विश्वसनीयता'' (प्रो. नूपुर आनंद, निफ्ट दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से) फंक्शनल टेक्सटाइल्स और क्लोदिंग सिंगापुरः स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड (आईएसबीएनः 9780128194263, जनवरी 2021) में प्रकाशित।

• डॉ. जनमय सिंह हाडा ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधुनिक रुझानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में एक शोध पत्र प्रकाशित किया (एक एआईसीटीई पीयर–रिव्यू ऑनलाइन रिसर्च पब्लिशिंग पत्रिका): नॉन–वॉवन वेट वाइप्स में नए रुझान, सितंबर 2020, आईएसएसएनः 2455–3778।

• डॉ. चेत राम मीणा, ख्याति मेध, बाहरी स्पोर्ट्सवियर में स्मार्ट टेक्सटाइल्स, एशियन टेक्सटाइल पत्रिका (एटीजे), अगस्त–सितंबर 2020, पीपी 45–52 में प्रकाशित किया।

• डॉ. आकांक्षा पारीक ने होम साइंस की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 2021, खंड–7, अंक–1, पृष्ठ 242–243 में ''बिहार की सुजुनी कढ़ाई की समीक्षा करने का प्रयास'' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. शीतल सोनी ने 27–28 अक्टूबर 2020 को सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन ''आर्थिक संकट और धोखाधड़ी प्रबंधन'' में सह–लेखक के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया।

• उषा यादव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान पत्रिका, सीएसआईआर–निस्केयर, वॉल्यूम में ''एमपीपी–एमएलओः बड़े ऑन्कोलॉजी के कुशलतापूर्वक मिलान के लिए बहुस्तरीय समानांतर विभाजन'' शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया। 80, मार्च 2021, पीपी 221–229 एससीआई (विज्ञान प्रशस्ति पत्र सूचकांक) और एल्सेवियर (स्कोपस) के साथ अनुक्रमित।

• डॉ मदन लाल रेगर ने सिरो और रिंग स्पन टीएफओ पॉलिएस्टर धागे पर सॉल्वेंट ट्रीटमेंट के प्रभाव पर टेक्सटाइलेक (स्कोपस जेइंडेक्स) 64(1) 2021 48–55 में एक पेपर प्रकाशित किया।

• अधिकांश संकाय सदस्यों ने वस्त्र क्षेत्र फैशन और शिल्प (एटीएफसी–2021, 22–24 मार्च 2021) में प्रगति पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

• सर्वश्रेष्ठ वाणिज्यिक जीपी पुरस्कारः सुश्री शिवांगी साहनी और सुश्री कृतिका धवन

संकाय विकास

• डॉ. चेत राम मीणा, दिनांक 14 दिसंबर, 2020 को टेक्सटाइल एसोसिएशन की पत्रिका (जेटीए) के संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी

• डॉ मदन लाल मीणा, डॉ गार्गी, डॉ विजया देशमुख, श्री संदीप रामदासु, श्री हेमन कुमार, श्री मयंक बिष्ट, श्री अमित करसानी आदि द्वारा विशेषज्ञ सत्र।

प्रमुख उद्योग संबंध

• फैशन डिजाइन 8 सेमेस्टर (बैच 2017–21) के छात्र जनवरी 2021 से अप्रैल 2021 तक विभिन्न कंपनियों में 16 सप्ताह की स्नातक परियोजना से गुजर रहे हैं जैसे साल्ट एंड स्प्रिंग, जोवी इंडिया, बोडिस बोडिस, निबंध, अमिता गुप्ता टिकाऊ, टेलर, मैम आर्ट्स, केनेल, मैट्रिक्स क्लोदिंग, मित्रा, ट्रिबर्ग, फैशन पांडा, कर्णम, रितु कुमार, बोहामे, ऑलमोस्ट गॉड, प्लेस द डॉट, खनिजो, लेह स्टूडियो, पंकज और निधि।

• करण जौहर द्वारा त्यानी, भंडारी एक्सपोर्ट्स, करण एंड आकृति, नागा एक्सपोर्ट्स, उषा इंटीरियर्स, आरबीजेड ज्वेलरी आदि जैसे प्रसिद्ध संगठनों में जीपी के तहत एडी छात्रों नें भाग लिया।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर गतिविधियां

हरित परिसर एक ऐसा स्थान है जहां पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और शिक्षा परिसर में स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होती है। हरित परिसर अवधारणा एक संस्था को मानव जाति की पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक आवश्यकताओं के लिए स्थायी समाधान बनाकर अपनी पर्यावरण संस्कृति को फिर से परिभाषित करने और नए प्रतिमान विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

इस संबंध में परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निम्नलिखित पहल की गई हैंः 200 केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से अपशिष्ट जल प्रबंधनः परिसर को एक अच्छी तरह से तैयार जल निकासी और सीवरेज नेटवर्क प्रदान किया जा रहा है। एक केंद्रीकृत सीवरेज उपचार सुविधा का उपयोग सिंचाई और हरित आवरण के रखरखाव के लिए किया जाता है।

370 किवॉ सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्रः सौर ऊर्जा ऊर्जा का एक अनंत स्रोत है जो एक स्वच्छ ऊर्जा भी है। बिजली उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने से जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम होगा और यह प्रदूषण मुक्त उत्पादन भी होगा और पावर ग्रिड की तुलना में कम लागत में बिजली उपलब्ध होगी।

परिसर में पॉलीथिन पर पूर्ण प्रतिबंधः एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के सरकार के निर्देश के अनुसार, निफ्ट जोधपुर ने परिसर से पॉलीथिन को पूरी तरह से हटा दिया है, साथ ही महाविद्यालय के बाहर भी प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की सलाह दी है। पारंपरिक उद्दीप्त रोशनी की तुलना में अधिक एलईडी का उपयोगः पारंपरिक प्रकाश को एलईडी में बदलना। एल ई डी प्रकाश उद्योग में नवीनतम और सबसे आकर्षक तकनीकी प्रगति है। एल ई डी छोटे, ठोस प्रकाश बल्ब होते हैं जो शक्तिशाली, ऊर्जा–कुशल और लंबे समय तक चलने वाले होते हैं।

प्रशासनिक ब्लॉक के सामने फव्वारा लगाया गया है।

पूरे परिसर में भूनिर्माण और बागवानी की गई है और परिसर में विभिन्न पौधों और पेड़ों से घिरा हुआ है: शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, जलपान गृह, भोजनालय और परिसर के अन्य क्षेत्रों में सार्थक चित्र बनाए गए हैं। समय–समय पर मरम्मत/रखरखाव का कार्य किया जाता है।

कांगड़ा

प्रमुख परियोजना

• निफ्ट कांगड़ा यूएनडीपी सुरक्षित हिमालय परियोजना के तहत लाहौल–पांगी भूमि परिदृश्य में संरक्षण आधारित हस्तशिल्प और हथकरघा पहल के विकास पर काम कर रहा है।

• निफ्ट कांगड़ा चंबायाल परियोजना पर काम कर रहा है जिसका उद्देश्य चंबा शिल्प के पुनरुद्धार और शिल्प ग्राम चंबा की स्थापना करना है।

• निफ्ट कांगड़ा ने 4 जनवरी से 9 जनवरी 2021 तक 'परिधान क्षेत्र के प्रशिक्षक/प्रशिक्षकों के लिए लघु अवधि कौशल विकास पाठ्यक्रम' पर काम किया।

• निफ्ट कांगड़ा ने आईएएस अकादमी, मसूरी (एलबीएसएनएए) के साथ उनके कशीदाकारी लोगो और कैनवास टोट बैग के लिए परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।

• निफ्ट कांगड़ा एफडी (बैच–18–21) ने डब्ल्यू लाइव ऑनलाइन परियोजना 2020 पर काम किया

हिमाचल प्रदेश के 50वें राज्य के गठन के अवसर पर एससीवीबी राजकीय महाविद्यालय पालमपुर जिले की दीवार पेंटिंग हिमाचल प्रदेश के 50वें राज्य के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय पालमपुर जिले की दीवार पेंटिंग।

• निफ्ट कांगड़ा ने हिमाचल प्रदेश के 50वें राज्य के गठन के अवसर पर हमीरपुर जिले की दीवार पेंटिंग पर काम किया।

• निफ्ट कांगड़ा ने स्वच्छ भारत–अपना–कांगड़ा पर काम किया।

• निफ्ट कांगड़ा एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास परियोजना (आईडीडीपी), पाइन नीडल, नूरपुर पर काम कर रहा है।

• निफ्ट कांगड़ा डिजाइन और प्रौद्योगिकी विकास कार्य – दुकान (डीडीडब्ल्यू), पाइन सुई और बांस शिल्प, शाहपुर और पालमपुर पर काम कर रहा है।

वर्ष 2020–21 में कांगड़ा परिसर ने दस लाख रुपये की परियोजना प्राप्त कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

• शिवम भंडारी बी एफ टेक VII ने आईआईटी रुड़की में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, राष्ट्रीय सामाजिक शिखर सम्मेलन एमयूएन 2020 के अध्यक्ष (वरिष्ठ न्यायाधीश और मध्यस्थ) के रूप में काम किया। (फरवरी 2020)

• शिवम भंडारी बी एफ टेक VII ने अध्यक्ष (वरिष्ठ न्यायाधीश और मध्यस्थ) यूएन ऑफिस ऑफ ड्रग्स एंड क्राइम, इनसीड एमयूएन 2020 (अगस्त 2020) के रूप में काम किया।

• शिवम भंडारी बी एफ टेक VII ने बिरला विद्या निकेतन नई दिल्ली द्वारा आयोजित यूएन ऑफिस ऑफ ड्रग्स एंड क्राइम, बिरला एमयूएन 2020 के अध्यक्ष (वरिष्ठ न्यायाधीश और मध्यस्थ) के रूप में काम किया। (अगस्त 2020)

• कांगड़ा की डिजाइन स्ट्रीम की छात्रा आयुषी ने पूरे भारत में (10 अप्रैल, 2020 से 30 अप्रैल,2020 तक) ''कदम – ए स्टेप फॉरवर्ड'' नामक एक गैर सरकारी संगठन द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन प्रतियोगिता ''द पीरियड आर्ट वेव'' में भाग लिया। छात्र ने ''सैनिटरी पैड के पर्यावरण के अनुकूल विकल्प'' विषय पर चित्रण/डूडल की श्रेणी के तहत भाग लिया और पूरे भारत में तीसरे स्थान पर रही।

• कांगड़ा की डिजाइन स्ट्रीम की छात्रा आयुषी ने 30 जून 2020 को ''प्रिंटशॉप बाय डिजाइनहिल'' नामक ई–कॉमर्स वेबसाइट द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन प्रतियोगिता ''ब्लैक लाइव्स मैटर डिजाइन चुनौती'' में भाग लिया। छात्रा ने डिजिटल प्रिंट की श्रेणी के तहत भी भाग लिया और उपविजेता का स्थान और डिजाइनहिल (ई–कॉमर्स साइट) द्वारा प्रिंटशॉप का ई–प्रमाण पत्र और 50 डॉलर का वाउचर प्राप्त किया।

• फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्रों ने सरकारी परियोजना पर काम किया जहां उन्होंने साथ काम किया हिमाचल प्रदेश

के 50वें राज्य के रूप में मनाने के लिए कांगड़ा जिले में दीवार पेंटिंग के डिजाइनों को निष्पादित किया गया था।

• सुश्री हर्षिता धीमान, एफडी, सेम–VII, डब्ल्यू लाइव परियोजना की विजेता थीं। एफडी विभाग (बैच 18–21) के 23 छात्रों को डब्ल्यू लाइव परियोजना 2020 में भाग लेने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

• 02 अगस्त 2020 को अक्षय गुरानी के साथ 'सोशल मीडिया पर एक ब्रांड का निर्माण' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

• स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और रंगोली बनाने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

• 7 अगस्त 2020 को हथकरघा दिवस मनाया गया, हथकरघा दिवस मनाने के लिए सभी छात्र और संकाय सदस्य खादी के कपड़े में मिलने के लिए ऑनलाइन आए, कताई और बुनाई प्रदर्शन के बाद संकाय और कर्मचारियों के बीच हथकरघा पर इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया।

• ऑनलाइन फैशन शो सितंबर के महीने में आयोजित किया गया था जहां विभिन्न विभागों के निफ्ट कांगड़ा के छात्रों ने आधिकारिक सांस्कृतिक क्लब इंस्टाग्राम पेज पर अपने रैंप वॉक वीडियो अपलोड किए।

• 02 अक्टूबर 2020 को 'गांधी जयंती' के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

• सांस्कृतिक क्लब ने अक्टूबर माह में प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए फेस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

• ग्राफिक्स और फोटोग्राफी क्लब ने अक्टूबर और नवंबर के महीने में 3डी मॉडलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

• लिटरेरी क्लब ने 23 मई 2020 को महफिल एक ऑनलाइन ओपन माइक पोएट्री कार्यक्रम का आयोजन किया।

• छात्र के विश्व दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए, दिशा की भावना लाने के लिए और छात्रों को नए सामान्य से निपटने और आने के लिए उपकरण प्रदान करने के लिए और स्वयं अपने करीब आने के लिए 'आत्म–महारत' श्रृंखला, जीवन में स्पष्टता, उद्देश्य और प्रेरणा प्राप्त करने के लिए 7–सप्ताह का कार्यक्रम आयोजन किया गया।

• निफ्ट कांगड़ा टीम ने योग 2021 के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर शुभंकर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

• 'अतरंगी' कॉलेज मासिक पत्रिका, एसडीएसी समिति द्वारा की गई पहल।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

एफ डी (बैच17–20) के लिए वर्चुअल स्नातक शो 21 नवंबर, 2021 को आयोजित किया गया था।

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

• 11 से 19 मार्च 2021 तक लाहौल और पांगी के शिल्प पर डिजाइन हस्तक्षेप पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा, कांगड़ा परिसर के लिए 15 नवंबर 2019 से 'शिल्प कोश परियोजना ' में एक पीआईटी के रूप में काम कर रही हैं।

• फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग ने पाइन नीडल– शाहपुर, हिमाचल प्रदेशय बांस शिल्प, ऊना, हिमाचल प्रदेशय चमड़ा शिल्प, मंडी, हिमाचल प्रदेशय किन्नौर ज्वैलरी, एचपीय चंबा क्षेत्र – रुमाल, चमड़ा, धातु का काम, चित्रकारी शिल्प का दौरा किया ।

• फैशन संचार विभाग ने पर्यटन पर केंद्रित चंबा शिल्प, चंबा में समूह का दौरा कियाय मोहरा मेटल, कुल्लूय यात्रा पर केंद्रित किन्नौर शिल्प, किन्नौरय कुल्लू धातु शिल्प, मंडी का दौरा किया।

• फैशन डिजाइन विभाग ने पालमपुर और कांगड़ा में बुनाई में समूह का दौरा कियाय कुल्लू शॉल बुनाईय चकला बुनाई, घोड़े के बाल आभूषण का दौरा किया ।

• कपड़ा डिजाइन विभाग ने फुलकारी कढ़ाई, पटियाला, पंजाब में समूह का दौरा कियाय पालमपुर, कांगड़ा में बुनाई के लिए दौरा किया ।

• बैचलर ऑफ फैशन प्रौद्योगिकी ने चंबा रुमाल, चंबा, हिमाचल प्रदेश में समूह का दौरा किया।

• विभिन्न विभागों के छात्र विभिन्न शिल्प आधारित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं जैसे मिट्टी के साथ पाइन सुई शिल्प का डिजाइन हस्तक्षेप, मेरठ के मूज घास शिल्प में डिजाइन हस्तक्षेप, पाइन सुई का उपयोग करके फैशन सहायक उपकरण का विकास, चंबा के धातु शिल्प का डिजाइन हस्तक्षेप, दुर्री पानीपत की बुनाई शिल्प, लकड़ी, धातु आदि जैसी अन्य सामग्री के साथ पाइन सुई के संलयन द्वारा लैंप शेड्स और उपयोगिता उत्पाद विकसित करना।

पीएचडी पूर्ण कर चुके या कर रहे हैं

• केंद्र में 04 संकाय सदस्यों डॉ शिप्रा शर्मा, डॉ परमिता सरकार, डॉ बृजेश धीमान और डॉ बबीता भंडारी ने अपनी पीएचडी डिग्री पूरी कर ली है।

• श्री सौरभ चतुर्वेदी, सहायक प्राध्यापक आईआईएफटी दिल्ली से सामरिक प्रबंधन में 2018 से पीएचडी कर रहे हैं।

• श्री अमन के नागपाल, सहायक प्राध्यापक जीएनए विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएचडी कर रहे हैं।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्राध्यापक शिल्प के क्षेत्र में बनस्थली विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रही हैं।

• सुश्री श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, वस्त्र डिजाइन, निफ्ट–कांगड़ा, खादी के क्षेत्र में जनवरी 2017 से लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रही हैं।

• श्री पवितर पुनीत सिंह, श्री सौरभ गर्ग, श्री संदीप सचान भी पीएचडी की डिग्री हासिल कर रहे हैं।

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों पर संक्षिप्त टिप्पणी

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा द्वारा पेपर में ''दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में कोविड–19 के मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर एक तुलनात्मक अध्ययन'' भारतीय मनोविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका वॉल्यूम 8 अंक 3, जुलाई–सितंबर 2020 में प्रकाशित किया।

• श्री अजीत कुमार, सहायक प्रोफेसर ने मिका, अहमदाबाद में आई सी एम सी 2021 (अंतर्राष्ट्रीय संचार प्रबंधन

सम्मेलन) में '' रचनात्मक खिंचावः रचनात्मक प्रक्रिया की छिपी क्षमता' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री पूर्णेंदु शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने 'सभी शिक्षा और वैज्ञानिक तरीकों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका', (आई जे ए आर ई एस एम) आई एस एस एन नंबरः 2455– 6211 में ' ट्रांसमिशन फजी इंफरेंस सिस्टम द्वारा कोरोनावायरस रोग 2019 को नियंत्रित करने के लिए निवारक क्रियाओं का आकलन' पर शोध पत्र प्रकाशित किया।

• सुश्री श्रुति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर और सीसी–टीडी ने केंट स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा '' ग्रीन फैशन के माध्यम से सामाजिक सहकटिकरण मार्च 2021 में '' नामक शोध पत्र '' फैशन प्रौद्योगिकी संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन की कार्यवाही (आईएफएफटीआई) 2020 वार्षिक सम्मेलन'' आईएसएसएन 2694–5193 में प्रकाशित किया। .

• डॉ. शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने टेक्सटाइल और अपैरल टेक्नोलॉजी, और प्रबंधन पत्रिका, वॉल्यूम 12, अंक 1, 2021 विल्सन कॉलेज ऑफ टेक्सटाइल्स, एनसी स्टेट विश्वविद्यालय, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए के साथ भारतीय वस्त्र और परिधान निर्माण क्षेत्र के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता का विश्लेषण' पर पेपर प्रकाशित किया

• डॉ. शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने व्यापार, अर्थशास्त्र, और प्रबंधन अनुसंधान की जेनिथ अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, आईएसएसएन 2249 इम्पैक्ट फैक्टरः 7.07, मार्च 2021 में 'भारतीय कपड़ा और परिधान उद्योग में परिपत्र अर्थव्यवस्था' पर पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने वज्ञानिक शोध और अभियांत्रिकी विकास वॉल्यूम 4, अंक 1, आईएसएसएन 2581–7175 http%//www-ijsred-com/ jan-feb-2021.html - में 'एक रणनीतिक कार्य के रूप में प्रशिक्षण और विकास' पर पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. शिप्रा शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने अनामिका प्रकाशन, जून 2020, दिल्ली के साथ ' प्रभावी प्रबंधन संचार की कल्पना करना' शीर्षक वाली पुस्तक में 'परिधान निर्माण इकाइयों में संचार की भूमिका' पर पेपर प्रकाशित किया।

संकाय विकास और अन्य संकाय पहल

• श्री सौरभ चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर ने एनआईटी जालंधर ऑनलाइन मोड में एफडीपी आयोजित किया है।

• सुश्री अपला श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर ने 1 फरवरी 2021 को परिधान डिजाइन और रुझान पूर्वानुमान के तत्वों पर एनआईटी जालंधर के लिए एक एफडीपी कार्यक्रम आयोजित किया।

• श्री नीरज कुमार जायसवाल, सहायक प्रोफेसर ने एनआईटी जालंधर ऑनलाइन मोड में एफडीपी आयोजित किया है।

• श्री कमलजीत सिंह,सहायक प्रोफेसर निफ्टेम में उद्यमिता पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया है।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा, श्री अमन नागपाल और डॉ शिप्रा शर्मा ने 26 मई, 2020 से 1 जून, 2020 तक आयोजित पिल्लई कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस द्वारा आयोजित ''अनुसंधान क्रियाविधि'' पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में ऑनलाइन मोड के माध्यम से संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने ''परिधान और वस्त्र डिजाइन में व्यावसायिक अवसरों की परिकल्पना... अब और उसके बाद' शीर्षक पर वस्त्र और परिधान डिजाइन,फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, परिवार और सामुदायिक विज्ञान संकाय, एमएसयू, वडोदरा द्वारा आयोजित'' में भाग लिया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने 15–17 जुलाई 2020 तक निफ्ट, दिल्ली द्वारा आयोजित रचनात्मक सोच कौशल पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री छवि गोयल,सहायक प्रोफेसर, डीएफटी–3 सेम 19 सितंबर 2020 को, निफ्ट–कांगड़ा ने डीएफटी के छात्रों के लिए एफएसए –3 में क्रिएटिव आर्ट डायरेक्टर श्री विपुल महादेविया के साथ अरविंद इंडिगो कला संग्रहालय में वर्चुअल उद्योग विजिट का आयोजन किया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने – 27 मार्च 2021 को अपनी पीएचडी थीसिस के लिए साहित्य समीक्षा कैसे लिखें, इस पर व्यापक गाइड, परामर्श कंपनी, शोध स्नातक द्वारा आयोजित 2 घंटे के वेबिनार में भाग लिया

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने एटीएएल की योजना के तहत 2–6 जून 2021 से बनस्थली इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धतिः डिजाइन और प्रौद्योगिकी पर एफडीपी में भाग लिया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने – पर्यावरण पुनर्वास और संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में 7 जून 2020 के विशेष संस्करण अंक एसेंस के लिए अतिथि सहयोगी संपादक के रूप में काम किया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने ईपीसीएच, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और हिमाचल प्रदेश के कारीगरों के सहयोग से हिमाचल प्रदेश के हथकरघा बुनकरों की समस्याओं और संभावनाओं पर 7 अगस्त 2020 को छठे हथकरघा दिवस के लिए वेबिनार का आयोजन किया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने 2 अक्टूबर 2020, शुक्रवार को पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे खादी– भारत का नया दृष्टिकोण (आत्मनिर्भर भारत) पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने ''वोकल फॉर लोकल'' –सीरीज 3 के आह्वान पर शिल्प आधारित शिक्षा पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन और मेजबानी 24 दिसंबर 2020 को दोपहर 03. 00 बजे से शाम 05.00 बजे तक की।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट–कांगड़ा ने सरकार के लिए प्रशिक्षण के दो सत्रों में योगदान दिया। डीटीई हिमाचल प्रदेश द्वारा विभिन्न प्रकार की फैब्रिक पेंटिंग और टाई एंड डाई तकनीक और दाग हटाने की तकनीक पर आईटीआई का अनुरोध किया गया है जो कि निफ्ट कांगड़ा परिसर में 4– 10 जनवरी 2021 से आयोजति की गई थी।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, निफ्ट कांगड़ा ने अनुसंधान पर एफडीपी के दूसरे सत्र की मेजबानी डिजाइन और प्रौद्योगिकी कार्यप्रणालीः अटल

योजना के तहत 2–6 जून 2021 से बनस्थली इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन द्वारा आयोजित ''कैसे एक शोध शुरू करें और एक थीसिस लिखें'' पर की।

• सुश्री पूर्णेंदु शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने स्वयं और समाज पर आयोजित टीओटी 13–14 जुलाई 2020 में भाग लिया।

• सुश्री मौलश्री, सहायक प्रोफेसर ने सिस्टम डायनेमिक्स हैकथॉन में फैब्रिक साइंस और अपैरल–1 विषय 13–14 जुलाई 2020 को बर्गन श्री राहुल कुमार गर्ग, बुने हुए कपड़े पर उद्योग के वरिष्ठ विशेषज्ञ के लिए भाग लिया।

• डॉ. परमिता सरकार ने जून 2021 में प्रकाशित होने वाली अमेजन पब्लिकेशन के लिए द जर्नी ऑफ द क्रो नामक एक ई–पुस्तक लिखी है।

• श्री विनोद कुमार, सहायक प्रो. एंड सीसी (एफडी) ने 22–24 जुलाई 2020 को ''परिधान विकास'' विषयों के तहत 'फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण' विषय पर ऑनलाइन टीओटी के लिए भाग लिया।

• डॉ. परमिता सरकार सहायक प्रो. और सीसी (एफडी) ने 22 से 24 जुलाई 2020 को ''अपैरल विकास'' विषयों के तहत फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण पर टीओटीएस और जुलाई 2020 में सस्टेनेबिलिटी शिल्प और फैशन पर टीओटी में भाग लिया।

• डॉ. परमिता सरकार, सहायक प्रो. गुड़िया और खिलौनों का शिल्पः एक सांस्कृतिक परंपरा, निफ्ट, कांगड़ा विषय पर 14 दिसंबर से 16 दिसंबर, 2020 तक 3 दिनों के वेबिनार के आयोजन दल का हिस्सा थे।

• डॉ. परमिता सरकार, सहायक प्रो. 2 अक्टूबर, 2020 को निफ्ट, कांगड़ा द्वारा आयोजित खादी– द न्यू विजन ऑफ इंडिया नामक वेबिनार के मध्यस्थ थे।

• डॉ. परमिता सरकार, सहायक प्रो. निफ्ट कांगड़ा', ने आईटीआई, पालमपुर से कुल 14 संकायों के लिए 'अल्पकालिक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम 'एक शिक्षक के समग्र विकास' पर केंद्रित है। उसने 8 घंटे, अगस्त 2020 तक सत्र आयोजित किए।

• डॉ. परमिता सरकार, सहायक प्रोफेसर 4 जून, 2021 को आईटीआई जोगिंदर नगर द्वारा आयोजित प्रशिक्षक क्षमता विकास पर एक वेबिनार के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

• श्री संदीप सचान, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने 25 अगस्त, 2020 को सीडब्ल्यूईआई, नई दिल्ली के सहयोग से ''उद्यमी विकास के लिए बौद्धिक संपदा'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• दिव्य ज्योति संस्थान द्वारा 31 जुलाई 2020 को आध्यात्मिकता, मूल्यों और नैतिक दुविधा में निर्णय लेने के उपयोग पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

• गुड़िया और खिलौनों का शिल्प : एक सांस्कृतिक विरासत, पर वेबिनार 14 दिसंबर 2020 को आयोजित किया गया।

• शिल्प केंद्रित शिक्षा पर वेबिनारः एक कॉल 'वोकल फॉर लोकल'– 3 अलग–अलग सेशन 2020 दिसंबर में।

• सोशल मीडिया पर एक ब्रांड बनाने पर वेबिनार – श्री अक्षय गुरनानी द्वारा अगस्त 2020 में आयोजित किया गया।

• विलंब को कैसे रोका जाए, इस पर वेबिनार? – जनवरी जून सत्र–मई, 2021 मे आयोजित किया गया।

• फैब्रिक साइंस एंड अपैरल – I विषय पर एफपी टेक के छात्रों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन श्री राहुल कुमार गर्ग, वरिष्ठ उद्योग विशेषज्ञ द्वारा बुने हुए कपड़ो पर किया गया।

• श्री धानी राम, कांगड़ा चित्रकला के प्रख्यात कलाकार की कार्यशाला के आभासी दौरे का आयोजन ।

• प्रो. यूनुस खिमानी कलाकार और सिटी पैलेस संग्रहालय, जयपुर के पूर्व निदेशक, के साथ एक वार्ता का आयोजन, किया गया।

• शिल्प आधारित पहलों सहित विभिन्न विषयों पर सभी एफपी डिजाइन के लिए विभिन्न व्याख्यान श्रृंखलाओं का आयोजन किया गया ताकि डिजाइन के छात्रों के युवा और नए भागीदारों के दिमाग में शिल्प–आधारित प्रथाओं के सार और मूल्य को विकसित किया जा सके। आमंत्रित वक्ताओं में शिक्षाविद, समर्थक और पूर्व छात्र थे, जो काम कर रहे हैं और इस शिल्प क्षेत्र में स्टार्टअप हैं। प्रो. (डॉ.) एसके के पांडा, पूर्व सचिव, कपड़ा मंत्रालय जैसे विशेषज्ञ; सुश्री बिंदू रंजन, एनआईडी, नई दिल्ली में समन्वयक; प्रो. विजय एस. कटियार, प्रधान डिजाइनर, एनआईडी; श्री नीरज के सिन्हा, क्लस्टर लीड ओडिशा टाटाल ट्रस्ट; सुश्री श्रीरंजिनी रघुराम, ब्रांड मैनेजर गोकूप, श्री सोमेश सिंह, सह–संस्थापक, क्राफ्ट विलेज; डॉ. दूलिका गुप्ता, निदेशक, आईआईसीडी, डॉ. रीना भाटिया, निदेशक, नेतृत्व और शासन संस्थान, एम एस विश्वविद्यालय, प्रो. (डॉ.) चारु एस. गुप्ता, संस्कृति और संग्रहालय पेशेवर, सुश्री पूजा रावत, हस्तशिल्प प्रचार अधिकारी। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय, सुश्री लीना दास, कपड़ा डिजाइनर और ग्राम कला की संस्थापक, सुश्री मेघा दास, सीईओ और संस्थापक, अमौनी हैंडलूम वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड; श्री अश्विनी शर्मा, वरिष्ठ डिजाइनर, यूएचएचडीसी इन व्याख्यान श्रृंखला का एक हिस्सा थे।

• निफ्ट कांगड़ा टीम ने वेबिनार का आयोजन किया और गुड़िया और खिलौनों का शिल्प : एक सांस्कृतिक विरासत विषय पर बात की। मुख्य वक्ता हैं सुश्री सुहासिनी पॉलः टॉय डिजाइनर, टेड एक्स स्पीकर; श्री योगेश शिंदेः सामाजिक उद्यमी, बैंबू इंडिया थीं।

• डॉ. आर रेशमी मुंशीः सहायक प्रोफेसर, निफ्ट सुश्री हिमानी थापाः परिधान, वस्त्र डिजाइनर; श्री अजय कुमार सह–संस्थापक और निदेशक ईथर अर्थली डिजाइन।

• श्री अविक रॉय, इनोवेशन केंद्र के प्रधान, रेमंड्स ने 2020 में मेन्स स्टाइलिंग पर व्याख्यान दिया।

• उद्योग विशेषज्ञ व्याख्यान सत्रः सुश्री पूजा राय, निफ्ट कांगड़ा के पूर्व छात्र और बॉलीवुड फैशन स्टाइलिस्ट, ने सिनेमा में स्टाइलिंग, सेम VI'' विषयों के छात्रों के लिए प्रदर्शन कला, 2021 पर एक सत्र आयोजित किया।

प्रमुख उद्योग संबंध

प्लेसमेंट 2020: 2020 में कुल 149 छात्रों ने स्नातक की

उपाधि प्राप्त की। इन छात्रों में से, 25 छात्रों (लगभग 17%) ने या तो उच्च अध्ययन का विकल्प चुना या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते थे, जबकि 32 छात्रों (लगभग 42%) 2% को मिलाकर प्री–प्लेसमेंट ऑफर या कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से या ऑफ–कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से अपनी नौकरी प्राप्त की। इसके अलावा, 09 छात्रों ने परियोजना–आधारित कार्यों से जुडे हैं। और कई कंपनियों के साथ कई परियोजनाओं में शामिल हुए हैं। कैंपस प्लेसमेंट अभी भी 2020 की कक्षा (जिनका अभी तक प्लेसमेंट नहीं हुआ है) और 2021 की कक्षा के लिए आयोजित किया जाता है, इसलिए अंतिम प्लेसमेंट के आंकड़ों का पता लगाया जाना बाकी है।

उद्योग और पूर्व छात्रों की बातचीतः छात्रों को परिसर के पूर्व छात्रों से जोड़ने के लिए 28 फरवरी, 2020 को एक पूर्व छात्र बैठक का भी आयोजन किया गया था। पूर्व छात्र बैठक में 50 से अधिक पूर्व छात्र परिसर में शामिल हुए। सभी पूर्व छात्र अपने साथ विविध अनुभव लेकर आए, जिसे उन्होंने छात्रों के साथ साझा किया और उन्हें बहुमूल्य सुझाव दिए। निफ्ट कांगड़ा में आने के बाद जो पूर्व छात्र आए थे, वे बहुत खुश थे और पुरानी यादों को महसूस कर रहे थे। कुछ पांच साल से अधिक समय के बाद कांगड़ा आ रहे थे। पूर्व छात्र बैठक – 2020 एक सफल आयोजन था, जिसका लाभ छात्रों के साथ–साथ पूर्व छात्रों को भी मिला।

सस्टेनेबिलिटी पहलू और हरित परिसर गतिविधियां

डॉ. परमिता सरकार को यूएनडीपी द्वारा सतत फैशन पर एक वीडियो व्याख्यान आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह कार्यक्रम यूएनडीपी द्वारा प्राकृतिक इतिहास के राष्ट्रीय संग्रहालय के सहयोग से आयोजित किया जाता है, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के स्कूली छात्रों के लिए 10–दिवसीय आभासी ग्रीष्मकालीन अवकाश कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों पर युवा प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाना, भारत की समृद्ध जैव विविधता के साथ–साथ संबंधित प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें संरक्षण में सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित करना है।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

- श्री विनोद शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने कांगड़ा परिसर में नए डिजाइन स्टूडियो की योजना का प्रस्ताव रखा।
- केंद्र ने छात्रों के लाभ के लिए ई–साइकिल सेवा, कैफे कॉफी डे का उद्घाटन और एक ब्यूटी पार्लर की सुविधा जैसी कई सेवा की सुविधा प्रदान की।

कन्नूर

महत्वपूर्ण स्थलचिह्नध्रमुख उपलब्धियां

कन्नूर दक्षिण भारतीय राज्य, केरल का एक तटीय शहर है। कन्नूर लंबे समय से बंदरगाह और व्यापार केंद्र रहा है और ग्रीक, रोमन और अरब सहित कई सभ्यताओं के साथ उसके व्यापारिक संबंध रहे हैं। कन्नूर जिले की स्थापना वर्ष 1957 में हुई थी। कन्नूर में निफ्ट परिसर का महत्व हथकरघा व्यापार के क्षेत्र में इसके ऐतिहासिक महत्व के नजारिये से महत्वपूर्ण है। निफ्ट कन्नूर परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग से 700 मीटर दूर और औद्योगिक सह शैक्षिक क्षेत्र में स्थित कन्नूर टाउन से 16 किमी उत्तर में है। परिसर अपने पर्यावरण के अनुकूल वातावरण और इसके नुक्कड़ और कोनों पर सांस्कृतिक नक्काशी से बहुत सुरम्य है।

आज तक परिसर में 815 छात्र (186 लड़के और 629 लड़कियां) हैं। कन्नूर केंद्र में 5 स्नातक और 2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध हैं। वर्ष 2020 में 222 छात्र स्नातक (स्नातक –159, स्नातकोत्तर –63) कर रहे हैं।

देश व्यापी महामारी कोविड प्रोटोकॉल के कारण, निफ्ट, कन्नूर में अभिविन्यास कार्यक्रम वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया था। चूंकि छात्र व्यक्तिगत रूप से अभिविन्यास में भाग नहीं ले रहे थे, इसलिए एक छोटा वीडियो ''परिसर वॉक'' परिसर की सुविधाओं, बुनियादी ढांचे आदि की खोज इस वीडियो का मुख्य फोकस था। ऑनलाइन सत्र के माध्यम से छात्र पंजीकरण और पाठ्यक्रम आदि का परिचय दिया गया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की। जुम्बा/डीजे सत्र भी आयोजित किए गए जिसने कार्यक्रम को और आकर्षक बना दिया।

निफ्ट कन्नूर को आउटलुक सर्वे द्वारा 2021 में भारत के सर्वश्रेष्ठ फैशन कॉलेजों में 11वें स्थान पर रखा गया था।

परिसर के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्र सरकार से ईडब्ल्यूएस फंड के तहत निफ्ट कन्नूर को 13.85 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

निफ्ट कन्नूर ने 2020 में ''इंस्पिरा'' ई–पत्रिका प्रकाशित की। दूसरा संस्करण जुलाई 2021 में जारी किया गया है। भविष्य में हिंदी पत्रिका के प्रकाशन की भी योजना है।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट परिसर में 9.63 एकड़ जमीन है जिसमें कुल निर्मित क्षेत्र लगभग 3 लाख 20 हजार वर्ग फुट है। जमीन पहले किइंफ्रा कम्पनी के कब्जे में थी, अब निदेशक निफ्ट कन्नूर के नाम पर पट्टे पर है। परिसर में 8 मंजिला शैक्षिक ब्लॉक, कार्यशाल भवन, 2 छात्रावास ब्लॉक (छात्राओं के लिए), जलपान गृह भवन, जिम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सभागार आदि हैं। संकाय सदस्यों के क्वार्टर के लिए औपरचारिक कार्रवाई चल रही है। सभी संकाय सदस्यों को केबिन उपलब्ध कराए गए हैं। छात्रावास ब्लॉक के उपभवन का काम पूरा होने वाला है। बास्केटबॉल और वॉलीबॉल प्रांगण बनवाए गए हैं।

शैक्षणिक ब्लॉक में सभी वैधानिक अनुमोदन और लाइसेंस के साथ 8 लिफ्ट काम कर रही हैं।

अग्नि शमन प्रणाली कुशलतापूर्वक काम कर रही है। महामारी कोविड 19 की मौजूदा स्थिति में, परिसर और आसपास को सैनिटाइज किया जा रहा है. संक्रमण से बचने के लिए सतहों को साफ किया जाता है और कीटाणु नाशक से छिड़काव किया जाता है। परिसर 1 जीबीपीएस रेल नेट (एनकेएन) और बीएसएनएल नेट के माध्यम से इंटरनेट से जुड़ा है। परिसर में वाई–फाई कनेक्टिविटी

है। ऊर्जा संरक्षण के उपाय के रूप में, सभी स्ट्रीट लाइट और अन्य लाइटों को एलईडी में बदल दिया गया और छात्रावास में सौर ऊर्जा वॉटर हीटर स्थापित किया गया है। कन्नूर परिसर के संसाधन केंद्र में 6279 पुस्तकें 115 पत्रिकाएं, 10 ऑनलाइन डेटाबेस और 66 पत्रिकाएं हैं जिनमें हिंदी पुस्तकें शामिल हैं। आरसी में रीडिंग टेबल, इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले कंप्यूटर, संसाधन सामग्री नमूने आदि उपलब्ध हैं।

लघु अवधि के कार्यक्रम

इस वर्ष 4 आरंभिक सतत शिक्षा (सीई) कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

प्रमुख परियोजना

निफ्ट कन्नूर द्वारा शुरू की गई सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं

• केरल कुडुम्बश्री ब्रांडेड कुर्था डिजाइन विकास और विपणन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमः जिला कन्नूर – केरल में 5 दिनों के लिए नामांकित कुडुम्बश्री सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सत्र दिनांक 1.3.21 से 5.3.21 तक आयोजित किया गया जिसकी परियोजना लागत रु. 5,45,000 है।
• ऑनलाइन कार्यक्रम श्रेणी प्रबंधन में वीकेसी फुटवियर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण (25–27–28–29 जनवरी 2021) कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी परियोजना लागत रु 102000 है।
• केरल कुडुम्बश्री कोविड –20 मास्क डिजाइन विकास और विपणन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमः केरल के 14 जिलों में 42 दिनों के लिए नामांकित कुडुम्बश्री सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सत्र– दिसंबर 2020 से जनवरी 2021 आयोजित किया गया जिसकी परियोजना लागत रु 1365000 है।
• प्रीमियम अस्पताल वर्दी की ब्रांडिंग के लिए मित्रा कॉर्पोरेटिव स्टाइलिंग परियोजना दिसंबर 2020 से फरवरी 2021 तक आयोजित किया गया जिसकी परियोजना की लागतः रु. 1005000 है।
• केरल हथकरघा वर्दी परियोजना– इस की परियोजना लागत– 7.5 लाख रु है। हथकरघा स्कूल की वर्दी पर मूल्यांकन अध्ययन आयोजित किया गया ।
• सितार (चरण – II) (परियोजना लागत – 17 लाख रु) – उच्च माध्यमिक छात्रों के लिए फोटोग्राफी आधारित राज्य और राष्ट्रीय स्तर का शिविर (निफ्ट कन्नूर परिसर में आयोजित बहु–चरणीय प्राथमिक स्तर कार्यक्रम और दूसरा स्तर आईआईटी हैदराबाद डिजाइन विभाग के समन्वय से आयोजित किया गया)
• 3.7 करोड़ रु की लागत से केरल हैंडलूम ब्रांडिंग परियोजना के लिए नॉलेज पार्टनर के रुप में – केरल हैंडलूम उत्पादों की ब्रांडिंग परियोजना पूरी की गई।
• ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए राज्य के अन्य विभागों के अध्ययन दौरों की सुविधा। हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा विभाग की टीम का दौरा समन्वित (परियोजना लागत– 2.15 लाख रुपये)।
• आईआईटी पलक्कड़, दीक्षांत पोशाक डिजाइन (परियोजना लागत – 4.96 लाख रुपये)।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां
• निफ्ट कन्नूर के पूर्व छात्रों ने ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से सफलतापूर्वक एक संजातीय हथकरघा ब्रांड की स्थापना की है। ब्रांड को अब अंतरराष्ट्रीय शॉपिंग मॉल लूलू में से एक के शोरूम ब्रांड के लिए चुना गया है।
• केडी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री आयुषी चावला ने पशु कल्याण संस्था में इंटर्न में भाग लिया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रमः

वर्चुअल मोड के माध्यम से बैच 2020 के लिए स्नातक शो आयोजित किया गया था। भारत के विभिन्न उद्योगों में स्नातक परियोजनाओं को ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के माध्यम से समय पर पूरा किया गया। आभासी स्नातक शो का आयोजन किया गया एवं शो का उद्घाटन डीन (शैक्षणिक) द्वारा किया गया।

शिल्प समूह पहल – गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभावः

महामारी के कारण, शिल्प अनुसंधान दस्तावेज प्रमुख रूप से उपलब्ध द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित थे। कारीगरों और छात्रों के बीच जूम बैठकें और टेलीफोनिक साक्षात्कार आयोजित किए गए।

• सुश्री मुक्ति सहायक प्रोफेसर ने 26 अप्रैल 2020 को 'व्यापारियों के लिए फैशन सामग्री और उत्पादन प्रबंधन' विषय के लिए कन्नूर में मरियम और दिनेश परिधान के उद्योग दौरे के लिए छात्रों को ले गई।
• सुश्री मुक्ति सहायक प्रोफेसर 5 अप्रैल 2020 को उद्यमी विषयों (गहन विशेषज्ञताएं और मूलतः) के लिए छात्रों को केरल राज्य स्टार्ट अप मिशन ऊष्मानियंत्रक – मी जोन कन्नूर में उद्योग यात्रा के लिए ले गई।
• शिल्प समूह उत्पाद विकास – सेम–VII के छात्रों ने अक्टूबर और नवंबर 2020 के दौरान हथकरघा शिल्प नॉर्थ परावुर समूह, एर्नाकुलम और कोल्लायिल बीएलसी, त्रिवेंद्रम के तहत एक ऑनलाइन मोड में शिल्प मूलरूप (पेपर संकल्पना) को पूरा किया।
• श्री गिरीश पीटी, श्री सरथ कुमार और श्री के मोहन हर एक ने तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए सतत विकास और सह–डिजाइन के लिए 2 घंटे की कार्यशाला की।
• श्री हरप्रीत पदम ने तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए सतत विकास और सह–डिजाइन के लिए 4 घंटे की एक कार्यशाला आयोजित की गई।
• श्री पंकज मस्कारा ने तीसरे सेम के छात्रों के लिए प्रत्येक के लिए 3 घंटे के लिए डिजाइन नवाचार और सतत विकास और सह–डिजाइन के व्याख्यान आयोजित किए।
• श्री नरेन श्रीधर ने तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए डिजाइन अनुसंधान प्रस्ताव के लिए 3 घंटे का व्याख्यान आयोजित किया।
• श्री प्रसन्ना कुमार आर पी ने प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए सतत प्रणाली और शिल्प अध्ययन के लिए 3 घंटे का व्याख्यान आयोजित किया।
• प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए 14 घंटे की डिजाइन सोच और तरीके पर सुश्री श्रुति माहेश्वरी ने एक कार्यशाला आयोजित की ।
• श्री बसोब मजूमदार ने पहले सेमेस्टर के छात्रों के लिए 6

घंटे के रणनीतिक डिजाइन प्रबंधन पर व्याख्यान आयोजित किया।

• देसी–रिटेल स्टोर और चरक सहकारी समिति के संस्थापक निदेशक श्री प्रसन्ना को छात्रों के साथ बातचीत (ऑनलाइन मोड) के लिए आमंत्रित किया गया था। बातचीत ने उत्पादन, डिजाइन नवाचार, प्रामाणिकता और बड़े पैमाने पर उत्पादित जीवन शैली के कारीगरों की आजीविका के मामले में हथकरघा क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों में अंतर्दृष्टि प्रदान की है। हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों में सिस्टम डिजाइन, उत्पाद विविधीकरण और डिजाइन नवाचार के रूप में चुनौतियों का सामना करने और समाधान खोजने के लिए छात्रों को प्रेरणा प्रदान की गई।

• श्री निशांत शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने परवेश खुराना द्वारा एक इंटरएक्टिव विशेषज्ञ व्याख्यान निफ्ट के पूर्व छात्रों के साथ आयोजित किया।

क. केडी सेमेस्टर 3, डिजाइन प्रक्रिया – 25.09.2020, 30.09.2020

ख. केडी सेमेस्टर 5, प्रिंट डिजाइन परियोजना – 29.09.2020, 03.10.2020

ग. केडी सेमेस्टर 4, टीएंडएफ– स्पोर्ट्सवेयर – 20.04.2021

घ. मृदुल दास द्वारा केडी सेमेस्टर 4, के लिए हस्त फ्लैट बुनाई के सिद्धांत – 21.04.2021

ड. केडी सेमेस्टर 7, डीपी– खेल–कूद एवं प्रदर्शन परिधान – 10.10.2020

च. केडी सेमेस्टर 6, डीपी– खेल के लिए प्रशिक्षण – 12.05.2021, 15.05.2021, 20.05.2021

• श्री चंद्रमौली एन, सहायक प्रोफेसर और सीसी–केडी ने केडी 7वें सेमेस्टर के लिए 19–12–2020 को उद्योग इंटर्नशिप पर इंटरएक्टिव विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया,

• सुश्री ललिता लक्ष्मी एस, सहायक प्रोफेसर ने एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए निफ्ट के पूर्व छात्र श्री दिलीप राठौर को आमंत्रित किया।

क. जुलाई–दिसंबर 2020– एफ पी सी महिलाओं के पहनावे विषय पर 30 अक्टूबर 2020 शुक्रवार को आयोजन किया गया।

ख. जनवरी जून 2021– एफपीसी पुरुषों के वस्त्र विषय पर श्री दिलीप राठौर द्वारा – 19 मार्च 2021 आयोजन किया गया।

ग. जनवरी जून 2021– रुझान और पूर्वानुमान– अंतरंग वस्त्र– श्री प्रवीण पीपी द्वारा 14.05.2021 आयोजन किया गया।

• श्री बासोब मजूमदार ने प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए 2 घंटे के उद्योग प्रथाओं के परिचय का व्याख्यान आयोजित किया।

• श्री पंकज मस्कारा ने प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए 18 घंटे की उद्योग निर्देशित परियोजना की कार्यशाला का आयोजन किया।

• सुश्री नेहा तडेपल्ली ने प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए 2 घंटे के रणनीतिक डिजाइन पर व्याख्यान आयोजित किया ।

• न्यूटैनिक्स डिजाइन के श्री प्रणव गुप्ता और पूर्व निफ्टियन ने प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए क्राफ्टिंग पोर्टफोलियो पर एक सत्र आयोजित किया।

• सुश्री तन्मया गोस्वामी ने तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए सॉफ्ट कौशल विकास (फैशन उद्योग में शुरुआत अपनी क्षमता की खोज करें) का संचालन किया। उन्होंने '2021 में अपने फैशन जीपी या इंटर्नशिप अवसर का अधिकतम लाभ कैसे उठाएं?' विषय पर बात की।

• श्री उज्ज्वल आनंद ने प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए डिजाइन में कैरियर के अवसरों पर बात की।

• श्री कौस्तव गुहा ने कॉन्फ्लुएंस आइडियाथॉन 2021. सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन पर निफ्ट कन्नूर के संभावित आवेदकों और इच्छुक छात्रों की सहायता के लिए एक कदम के रूप में बात की, वीडियो संगोष्ठी उन्हें आवेदन की प्रक्रिया से परिचित कराने और किसी भी प्रश्न या चिंताओं को दूर करने के लिए 19/2/2021 पर हो सकती है।

पीएचडी पूर्ण कर रहे हैं या कर चुके हैं

एमएफएम – सुश्री जया मैथ्यू (थीसिस प्रस्तुत की जा चुकी है) सुश्री मुक्ति (पीएचडी कर रही हैं)

केडी – श्री आर एस जयदीप, (कर रहे हैं)
श्री निशांत शर्मा, (थीसिस प्रस्तुत की जा चुकी है)

एफसी – सुश्री गार्गी भट्टाचार्जी (थीसिस प्रस्तुत की जा चुकी है) श्री सुजीत केजी (कर रहे हैं)

डीएफटी – श्री राजेश कुमार झा (कर रहे हैं) टीडी – डॉ टी विजयलक्ष्मी (पूर्ण) एफडी – श्री ओम सूर्या (पूर्ण)
सुश्री शांगरेला राजेश एम के (कर रहे हैं)

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

• डॉ. पुनीत सूद, निदेशक, ने 17.10.2020 को टीकेएम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, केरल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में ''फैशन उद्यमियों के बीच सतत अभ्यासः केरल फैशन स्टार्ट–अप के बीच अध्ययन'' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. पुनीत सूद, निदेशक द्वारा कोविड का प्रभावः कार्यात्मक फैशन में सामाजिक उद्यमिता के अवसर, अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन, कपड़ा, फैशन और शिल्प में प्रगति (ए टी एफ सी –2021): निफ्ट जोधपुर में 22 से 24 मार्च 2021 तक पेपर प्रस्तुत किया।

• ओम सूर्या, सहायक प्रोफेसर ने दो अकादमिक पेपर लिखे हैं और यू.जी.सी.– केयर लिस्टेड पीयर रिव्यूड अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

1. ''स्वदेशी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का विनियोगः आधुनिक और समकालीन भारतीय कला का एक महत्वपूर्ण अध्ययन'' केरल के केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। आईएसएसएन 2321–8010,

2. ''नियो लिबरल वर्ल्ड में स्वदेशी सांस्कृतिक 'फैशनिंग' अभिव्यक्ति'' मलयालम रिसर्च जर्नल यू.जी.सी.–केयर सूचीबद्ध आईएसएसएन–0974 1984 वॉल्यूम 13 अंक 3 सितंबर–दिसंबर, 2020, पी. 5045–5056

• शांगरेला राजेश, सहायक प्रोफेसर, पेपर प्रकाशनः आला स्टार्टअप मॉडल में सोशल मीडिया विपणन रणनीतियों

का प्रभावः एक उपभोक्ता फैशन ब्रांड्स पर अध्ययनः टेक्सटाइल और फैशन टेक्नोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेटीएफटी), आईएसएसएन (पी): 2250–2378; आईएसएसएन (ई): 2319–4510 वॉल्यूम 9, अंक 6, दिसंबर 2019, 43–56

• शांगरेला राजेश, सहायक प्रोफेसर, पेपर प्रस्तुतिः फैशन व्यापार मॉडल – अपरंपरागत कृतियों से स्थायी प्रवृत्तियों में परिवर्तन – आगामी डिजाइनर परिप्रेक्ष्यः अंतर्राष्ट्रीय फैशन बोलचाल 2020, जयपुर भारत, 26 से 30 जनवरी 2020

• शांगरेला राजेश, सहायक प्रोफेसर, प्रकाशनः स्थिरता और सशक्तिकरण के संदर्भ में हथकरघा क्लस्टर की पुनः खोज। अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च जर्नल ऑन एडवांस्ड साइंस हब, 2020, वॉल्यूम 2, इश्यू स्पेशल इश्यू आई सी एस टी एम 12एस, पेज 116–120

• शांगरेला राजेश, सहायक प्रोफेसर, पेपर प्रस्तुतिः फैशन नकली उत्पादों के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करने वाले नैतिक कारक। आईसीएसएससी–2020: अलगप्पा विश्वविद्यालय, रुसा चरण 2.0 योजना के तहत प्रायोजित– 22– जनवरी 2020

• सुश्री मुक्ति एस (सहायक प्रोफेसर), पेपर प्रस्तुतिः कोविड का प्रभावः कार्यात्मक फैशन में सामाजिक उद्यमिता के अवसर, अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन, कपड़ा, फैशन और शिल्प में प्रगति (एटीएफसी–2021): निफ्ट जोधपुर भारत, 22 से 24 मार्च 2021।

• सुश्री मुक्ति एस (सहायक प्रोफेसर), पेपर प्रकाशनः अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए प्रभावी संकर सांस्कृतिक संचार : शानलैक्स, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ मार्केटिंग, आईएसएसएन (पी): 2321–4643, आईएसएसएन (ई) – 2581–9402, वॉल्यूमः 8, अंकः 4, 1.04.2021, पृष्ठ : 24–33

• सुश्री जया मैथ्यू (सहायक प्रोफेसर), ने उद्योग संबंध की इंडियन जर्नल में ''सोशल उद्यमिता अभिविन्यास और सोशल नेटवर्क्सः सामूहिकता की मध्यस्तता में भूमिका '' शीर्षक से एक लेख एबीसीडी जर्नल में प्रकाशित किया।

• श्री निहंत शर्मा ने 2 पत्र इस प्रकार प्रकाशित किएः

क) शीर्षकः 'निटवेअर उद्योग की चुनौतियों का सामना करने के लिए पेशेवर बनानाः उद्योग प्रासंगिक शिक्षा के माध्यम से फैशन शिक्षा की भूमिका' जर्नलः सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (वॉल्यूम 11 अंक 03, मार्च 2021, आईएसएसएनः 2249–2496) .

ख) शीर्षकः ' कृत्रिम तंत्रिका प्रसार (एएनएन) के अनुप्रयोग के संदर्भ में निटवेअर शिक्षा में शिक्षण एआई' जर्नलः अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ फिजिकल एंड सोशल साइंस (वॉल्यूम 11 अंक 03, मार्च 2021, आईएसएसएनः 2249–5894)।

• श्री अभिलाष बालन पी, सहायक प्रोफेसर, हस्तनिर्मित स्कूल वर्दी और भारत से केरल मॉडल की स्थिरता की जांच' शीर्षक वाले पेपर को आईसीटीसीएस 2020 – टेक्सटाइल्स और क्लोदिंग स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अक्टूबर 2020, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा स्वीकार किया गया।

• सुश्री गार्गी भट्टाचार्जी, सहायक प्रोफेसर, 'असम के कछार जिले के दिमासा टेक्सटाइल्स में बदलते रुझान' शीर्षक से पेपर प्रकाशित किया गया था

• मानविकी और सामाजिक विज्ञान के आईओएसआर जर्नल, प्रकाशक का नामः वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय संगठन, प्रकाशन दिनांकः 31–3–2020

• श्री सुजीत के जी, सहायक प्रोफेसर, 'समकालीन भारत में इंटरनेट मेम्स की राजनीति और सौंदर्यशास्त्र' शीर्षक से प्रस्तावित पेपर को जिनेवा में आयोजित होने वाले और स्विट्जरलैंड के ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ जिनेवा द्वारा आयोजित एक पूरी तरह से वित्त पोषित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए चुना गया है।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• निफ्ट कन्नूर ने ''कन्नूर टेक्सटाइल्स के पुनरुद्धार'' पर एक वेबिनार की मेजबानी की – निफ्ट कन्नूर में अनुसंधान में सहयोग के लिए रेडिफ इंडिया के साथ विचार विमर्श किया गया।

• सुश्री राजिश के रवींद्रन, सहायक प्रोफेसर ने निम्नलिखित वेबिनार में भाग लियाः शिल्प में स्थिरता और फैशन पर डॉ. बनही झा द्वारा ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया। यह 24 जुलाई 2020 को पैनटोन द्वारा आयोजित किया गया थाः मिथोसः 25 नवंबर, 2020 को शरद ऋतु/सर्दी 21/22 के लिए रंग के माध्यम से व्यक्त सकारात्मकता को चुनना ।

• श्री ओम सूर्या, सहायक प्रोफेसर, निम्नलिखित वेबिनार में भाग लियाः 24 जुलाई 2020 को स्थिरता पर डॉ. बनही झा द्वारा ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• शांगरेला राजेश, सहायक प्रोफेसर ने निम्नलिखित टीओटी और वेबिनार में भाग लियाः परफॉरमेंस क्लोदिंग टीओटी का संचालन मोनिका गुप्ता द्वारा 13 से 18 जुलाई 2020 तक 5 दिनों में किया गया था। प्रोफेसर डॉ वंदना नारंग द्वारा ''परिधान विकास'' विषयों के तहत 'फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण' विषय पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया। 22 से 24 जुलाई 2020 तक प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला द्वारा ''फैशन के लिए वस्त्रों का मूल्यवर्धन'' विषय पर टीओटी में भाग लिया। गैर–बुनाई और तकनीकी वस्त्र पुष्टिकरण में वैश्विक रुझानों और अवसरों पर वेबिनार अंतर्दृष्टि में भाग लिया 24 मार्च, 2021 04:00 अपराह्न अंतर्राष्ट्रीय 10/11/2020 से 19/11/2020 तक ''वस्त्रों के पर्यावरणीय प्रभाव'' पर वेबिनार। वैश्विक चिकित्सकीय टेक्सटाइल मार्केट कोविड–19 के बाद के प्रभाव पर वेबिनार बुधवार, 10 मार्च, 2021 को भाग लिया। 5–11 अक्टूबर 2020 को अनुसंधान के लिए मसौदा प्रस्तावों में क्षमता निर्माण पर राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री मनुप्रसाद, सहायक प्रोफेसर, निम्नलिखित वेबिनार और टीओटी में भाग लियाः ''सार्वभौमिक डिजाइन क्यों?'' आई आई टी हैदराबाद डिजाइन विभाग द्वारा, 3 दिसंबर 2020 को एसोचौम नेशनल काउंसिल ऑन एजुकेशन द्वारा 3 सितंबर 2020 को ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षा का उज्जवल भविष्य''। ''वापस घर चलोः स्थानीय, ग्रामीण और लघु स्तर के स्टार्ट–अप'' द्वारा निफ्ट भुवनेश्वर 15 जून 2020 को एवं 24 जुलाई 2020 को स्थिरता पर डॉ बनही झा द्वारा ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया।

• श्री चंद्रमौली एन–सहायक प्रोफेसर, सुश्री ललिता लक्ष्मी एस – सहायक प्रोफेसर ने अधोवस्त्र के अवलोकन पर 3 दिन तक चलने वाले टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री अर्पणा जे वाल्टर्स द्वारा 20.07.2020 से 22.07.2020 तक विकास – उपाध्यक्ष (एनामोर) गोकलदास इंटिमेट्स लिमिटेड के कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री चंद्रमौली एन सहायक प्रोफेसर ने 1 जुलाई 2020 को शिमा शाकी मशीन पर वेबिनार में भाग लिया। 2 जुलाई 2020 में ओपिटेक्स द्वारा आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

• सुश्री ललिता लक्ष्मी एस ने निम्नलिखित वेबिनार में भाग लिया। 1. वोग इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट डिजाइन द्वारा आयोजित 23 मई, 2020 को खुदरा व्यापार और ग्रोथ हैक्स को बढ़ाने के लिए विपणन रणनीतियाँ। 2.आई एफ टी द्वारा आयोजित 15 जून, 2020 को परिधान और वस्त्र डिजाइन नाउ एंड बियॉन्ड में व्यावसायिक अवसरों की परिकल्पना। 3. वोग इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट डिजाइन द्वारा आयोजित 17 जून, 2020 को बंगलौर खुदरा बाजार और उपभोक्ता अनुभवों में नवाचारों का अवलोकन । 4. 30 जून 2020 को क्राइस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, राजकोट द्वारा आयोजित एक स्वस्थ मानसिक और भावनात्मक स्तिथि की ओर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• श्री टी. पुगाजेंथी, सहायक प्रोफेसर, श्री के कुमारगुरु, सहायक प्रोफेसर, सुश्री दिव्या वी, सहायक प्रोफेसर और सुश्री ज्योति शिव आनंद, सहायक प्रोफेसर ने टीओटी में भाग लिया जिसका शीर्षक था प्रतिमान विस्थापनः कपड़ा डिजाइन ऑनलाइन सिखाने के लिए अभिनव तरीके और उपकरण' सुश्री रूपाली पंडित और सुश्री ऋचा शर्मा द्वारा 20 से 22 जुलाई 2020 तक ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की गई।

• श्री टी पुगाजेंथी, सहायक प्रोफेसर, श्री के कुमारगुरु, सहायक और सुश्री ज्योति शिव आनंद, सहायक प्रोफेसर 1 से 6 जून 2020 तक प्रोफेसर डॉ किसलय चौधरी द्वारा ऑनलाइन आयोजित टीओटी शीर्षक डिजिटल प्रिंट एडिटिंग तकनीक और दृश्य अनुसंधान' में भाग लिया।

• सुश्री वी. दिव्या सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 8.11.2020 को 4.30.बजे निफ्ट मुख्यालय द्वारा आयोजित ''वस्त्र, शिल्प, वस्त्र, वाणिज्य और अधिक – आगे की राह'' पर वेबिनार में भाग लिया।

• सुश्री वी. दिव्या सहायक प्रोफेसर ने 2.3.2021 को दोपहर 12 से 1 बजे तक आयोजित सामग्री विशेषता पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया, जिसका आयोजन वोलो विश्वविद्यालय, इथियोपिया द्वारा किया गया था।

• अनुभवी सुलेखक श्री नारायण भट्टाथिरी द्वारा तीन दिवसीय सुलेख कार्यशाला नवंबर 2020 के महीने में तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी।

• सुश्री कार्तिका विजयन द्वारा पाँचवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए अक्टूबर 2020 में तीन दिवसीय पेपर अभियांत्रिकी की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• एफसी VI वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए सुश्री शेरिन शिबू द्वारा अप्रैल 2021 के महीने के लिए तीन दिवसीय हेयर एंड मेकअप वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

• मई 2020 के महीने में चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों के लिए श्री नवीन मनोमोहनन और श्री राहुल अल्बर्ट द्वारा मौलिक आउटबाउंड डिजाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी।

प्रमुख उद्योग संबंध

1. कन्नानोर स्पिनिंग मिल, कन्नूर
2. मेरीयन परिधान, कन्नूर
3. हनवीव प्रोसेसिंग हाउस, कन्नूर
4. इंटरटेक परीक्षण सेवाएं, तिरुप्पुर
5. स्पेंसर डाइंग, तिरुप्पुर
6. यूनिफ्रंट प्रोसेसर, पेरुंदुरै
7. निफ्ट–टीईए कॉलेज निटवेअर फैशन, तिरुप्पुर
8. श्री विष्णु टेक्सटाइल्स, पल्लादम, तमिलनाडु
9. दिनेश टेक्सटाइल्स, कान्हीरोड बुनकर सहकारी समिति
10. केरल राज्य स्टार्टअप मिशन इनक्यूबेटर – कन्नूर में माई जोन
11. फ्यूचर लाइफस्टाइल,
12. अरविंद लिमिटेड,
13. मैक्स
14. मैट्रिक्स वस्त्र,
15. ओरिएंट क्राफ्ट,
16. शाही एक्सपोर्ट हाउस,
17. सुदिति इंडस्ट्रीज,
18. आदित्य बिड़ला – पैंटालून।
19. वैशाई एस, मुंबई,
20. हाउस ऑफ प्राइम्स, बेंगलुरु
21. अरविंद टेक्सटाइल्स
22. लाइफस्टाइल बेंगलुरु
23. नचिकेत बर्वे, मुंबई,
24. नरेशन, सूरत,
25. साल्ट स्टूडियो, एर्नाकुलम
26. रूका, एर्नाकुलम
27. चोला– लेबल, मुंबई
28. पवित्र देवगढ़, देवगढ़, राजस्थान
29. जयंती बल्लाल, मैसूर
30. गुड अर्थ
31. सूई, कन्नूरी
32. पैच ओवर पैच, सूरत
33. प्रियांजोली, चेन्नई
34. गररूम , मुंबई
35. कपराहा, जयपुर
36. जीवा, एर्नाकुलम
37. स्टूडियो24
38. खरा कपास, दिल्ली
39. इन लेदर, बेंगलुरु
40. तनीरा, बेंगलुरु
41. जाज अंतर्राष्ट्रीय प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई
42. ऐन्सेस्ट्री, दिल्ली
43. नूल बाई हैन्ड, तमिलनाडु
44. मश फैशन, मुंबई
45. कैयारे, बेंगलुरु

अन्यः राज्य स्तर पर संबंध

1. कन्नूर टेक्सटाइल्स के पुनरुद्धार के लिए केरल टेक्सटाइल एक्सपोर्ट एसोसिएशन के साथ संबद्ध।
2. आपसी सहयोग के लिए आईआईएचटी और विभिन्न संस्थानों के साथ समन्वित परामर्श/संघ
3. निदेशक केरल के माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में केरल विकास और नवाचार सामरिक परिषद (के–डिस्क) के एक कार्यकारी सदस्य हैं, जो उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ रोजगार–उन्मुख कौशल बढ़ाने को प्रोत्साहित करने

के लिए एक राज्य की पहल है।

स्थिरता के पहलू और हरित परिसर की गतिविधियाँ

2 लाख लीटर जल शोधन क्षमता का पीसीबी प्रशंसा पुरस्कार विजेता सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाया गया है। कन्नूर परिसर में वर्षा जल संचयन की सुविधा है। भस्मक, प्लास्टिक कचरे का पुनर्चक्रण नगर निगम के अधिकारियों के बाहर देकर और एसटीपी कचरे का उपयोग उर्वरक के रूप में किया जाता है। केरल कृषि विभाग के मार्गदर्शन में परिसर में एक सब्जी उद्यान स्थापित किया गया है। कृषि प्रयोजन के लिए हम परिसर में एसटीपी संयंत्र से पानी और उर्वरक का उपयोग कर रहे हैं। निफ्ट कन्नूर परिसर को केरल सरकार के ''ग्रीन प्रोटोकॉल–हरिथा केरल मिशन'' के तहत अंथुर नगर पालिका द्वारा ''ए'' ग्रेड ग्रीन कार्यालय घोषित किया गया था।

कोलकाता

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट कोलकाता परिसर ने मौजूदा मुख्य द्वार पर आरसीसी कवर बनाया गया है। पुराने भवन में अस्थाई शेडों का निर्माणय पोर्टा केबिन का निर्माण अग्रिम कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई सह सिलाई मशीन प्राप्त की। पोशाक के भाप वाली इस्त्री; फ्रिज; डिजिटल मल्टीमीटर; इन्सुलेशन परीक्षक; डिजिटल पृथ्वी प्रतिरोध मीटर; मारुति सियाज हाइब्रिड सिग्मा; टेबल लूम और सहायक उपकरण; लैपटॉप; स्पर्श हीन साबुन डिस्पेंसर; स्वच्छता के लिए फॉगिंग मशीन कम सैनिटाइजर को इन्सटॉल किया गया है। नई इमारत में तीसरी मंजिल का निर्माण सीपीडब्ल्यूडी के सहयोग से किया गया है। परिसर सरकार के कोविड 19 के दिशा–निर्देश के अनुसार कार्यात्मक था। बिधाननगर नगर सहयोग के समन्वय में परिसर और छात्रावास की कीटाणुशोधन और स्वच्छता का संचालन किया गया।

लघु अवधि/सीई कार्यक्रम

क्र. स.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	विभाग	छात्रों की संख्या	त्मउंतो
1	बुटीक अपैरल और सहायक उपकरण में डिजाइन (डी बी ए ए)	एक वर्ष	एल डी	12	कक्षाएं कोविड के कारण ठप हो गईं।
2	वस्त्र उत्पादन प्रौद्योगिकी (सीपीटी)	एक वर्ष	बीएफटी	35	पाठ्यक्रम प्रायोजित हैं।
3	फैशन निटवेअर और उत्पादन प्रौद्योगिकी (एफकेपीटी)	एक वर्ष	केडी	35	डब्ल्यूबीएमडीएफसी द्वारा इन पाठ्यक्रमों के साक्षात्कार आयोजित किए गए– हालाँकि कोविड के कारण अभी तक कक्षाएं शुरू नहीं हुई हैं और उम्मीद है कि जल्द ही कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।
4	परिधान डिजाइनिंग और फैशन प्रौद्योगिकी (एडीएफटी) (दो बैच)	एक वर्ष	बीएफटी	70	
5	फैशन लेदर सहायक उपकरण डिजाइनिंग (एफ अल ए डी)	एक वर्ष	बी एफ टी और एल डी	35	

प्रमुख परियोजना

क्रमांक	परियोजना विवरण	परियोजना लागत (रु.)
वित्त वर्ष 2020–2021 के दौरान भौतिक और वित्तीय रूप से बंद परियोजनाएं :–		
क)	राष्ट्रीय जूट बोर्ड, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एनजेबी – कैलेंडर 2020 की डिजाइनिंग	20,000/–
ख) वित्त वर्ष 2020 – 2021 के दौरान शुरू की गई नई परियोजनाओं का निष्पादन :– सोनाली शोरूम के लिए वीएम के लिए एक प्रस्ताव राष्ट्रीय जूट बोर्ड को प्रस्तुत किया गया है और उस पर फीड बैक की प्रतीक्षा है। कोविड–19 के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन और अन्य प्रतिबंधों के कारण कोई अन्य नई परियोजना शुरू नहीं की गई है		
ग)	वित्त वर्ष 2020–2021 के दौरान चल रही परियोजनाएं :–	
क)	एमएसएमई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्फूर्ति योजना के तहत चक इस्लामपुर खादी समूह	12,50,000/–
ख)	एमएसएमई, सरकार द्वारा प्रायोजित स्फूर्ति योजना (देवघर) के तहत रेशम खादी समूह	7,83,500/–
ग)	पश्चिम बंगाल सरकार का कपड़ा निदेशालय, द्वारा प्रायोजित हथकरघा, कताई मिल, रेशम बुनाई और हथकरघा आधारित हस्तशिल्प प्रभाग, बंगाल विरासत वस्त्र (बालापोश) का पुनरुद्धार।	2,26,590/–
घ)	भारत सरकार के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा प्रायोजित ,हथकरघा, कताई मिल, रेशम बुनाई और हथकरघा आधारित हस्तशिल्प प्रभाग, बंगाल विरासत वस्त्र (धनखली, बेगमपुरी, जामदानी) का पश्चिम बंगाल में पुनरुद्धार।	7,64,414/–
ई)	भारत सरकार के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा प्रायोजित बारासात, 24 परगना (उत्तर), कोलकाता, में हाथ की कढ़ाई (कांथा) शिल्प में एक एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास परियोजना का पश्चिम बंगाल में आयोजन किया गया।	14,85,001/–
च)	भारत सरकार के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा प्रायोजित सोदपुर, पनाहिती नगर पालिका, बैरकपुर सब डिवीजन, में चमड़ा शिल्प में एक एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास परियोजना का पश्चिम बंगाल में आयोजन किया गया।	14,85,001/–
छ)	स्कूल शिक्षा निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित पश्चिम बंगाल में स्कूलों के लड़कों और लड़कियों के लिए स्कूल वर्दी की डिजाइनिंग।	2,47,800/–
ज) मुख्यालय की परियोजनाएं 1. निफ्ट कोलकाता ने मुख्यालय परियोजना – उस्ताद के तहत कांथा परियोजना शुरू की है। 2. निफ्ट कोलकाता द रिपोजिटरी – टेक्सटाइल्स एंड क्राफ्ट्स (आरटीसी) 'परियोजना का हिस्सा है। 3. परिसर 'साइज इंडिया' परियोजना का प्रतिनिधित्व करने वाला और एक हिस्सा है। 4. निफ्ट कोलकाता विजन नेक्स्ट–ट्रेंड इनसाइट और पूर्वानुमान परियोजना में भाग ले रहा है। 5. निफ्ट कोलकाता, मुख्यालय परियोजना के निष्पादन में भाग ले रहा है – बुनकर सेवा केंद्र, कोलकाता में डीआरसी की स्थापना करने में योगदान दे रहा है। 6. निफ्ट कोलकाता ने नागालैंड टेक्सटाइल्स के लिए उस्ताद के तहत एक नई परियोजना शुरू की है।		

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धि

• एडी (2016–20) की पलक पंखुड़ी ने ''संगरोध डिजाइन प्रतियोगिता (क्यूडीसी) – 2020'' में दूसरा पुरस्कार जीतकर संस्थान को गौरवान्वित किया। ए डी (2019–23) की संजना रामकृष्णन ने द इंडिया टॉय फेयर 2021 में टॉय डिजाइन चुनौती में दूसरा पुरस्कार जीता।

• एफसी (2017–21) के तन्मय बराल ने बी एंड डब्ल्यू कहानियों 2.0 ऑनलाइन प्रतियोगिता में भाग लिया। एफसी (2017–21) के चंद्रमा पॉल ने कला प्रदर्शनी भंडार में भाग लिया और उनके काम को उनके कॉलम में कलाकृतियों को मुद्रित करने के लिए चुना गया। एफसी (2018–22) की ऋषिका शाह ने इंसिपिड बोर्ड ऑफ आइडियाज (एनजीओ), कोलकाता द्वारा आयोजित ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता। एफसी (2019–23) के आदित्य शर्मा ने निफ्ट कोलकाता में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया और 1500 रुपये नकद इनाम में जीते। एफसी (2019–23) की सुद्रिशा कोलय ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया द्वारा ग्लोबल टाइगर डे प्रतियोगिता में भाग लिया। एफसी (2017–21) के सिमरन जैन ने 25 अगस्त के तहत मीडिया मुगल कार्यक्रम में भाग लिया और बिंदास बेफिक्रे, राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता 20 में भी भाग लिया। एफसी (2017–21) की तमालिका भौमिक ने #fashiontherapywithkomal (क) नामक कार्यक्रम में भाग लिया। स्टाइलिंग चुनौती) इंस्टाग्राम (ऑनलाइन) पर और पूरे देश से 6000 प्रविष्टियों में से शीर्ष 10 विजेताओं के रूप में चित्रित किया गया था।

• एफडी (2017–21) की मनीषा सेन ने 2020 में रितु बेरी द्वारा आयोजित वैश्विक '' अपना खुद का मुखौटा बनाएं

चुनौती'' प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया।

• नयोनिका मुखर्जी, देबंजन सिन्हा, सुरवी डे, जाह्नवी वर्मा, कविता प्रशांत उजावने, श्रेया सामंत और एलडी (2017–21) के अभिजीत सरदार ने अलग–अलग फैशन शो – अलचेरिंगा द एनुअल फेस्ट ऑफ आईआईटी गुवाहाटी में भाग लिया और इंडिया स्टोरी, वेडिंग में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण लिया। डायरी एंड स्कूडो, फुटवियर ब्रांड सेल्स एंड प्रमोशन इवेंट कोलकाता में एलडी (2018–22) की एमी शिजू वर्गीस को एचएफएच क्राफ्ट डिजाइन चुनौती – 2020 में सांझी प्रोडक्ट लैंप के लिए पहले दौर में चयनित किया गया।

• टीडी (2018–22) की श्रेष्ठ मजूमदार को प्रिंट डिजाइन उत्पाद (होम) के तहत उनके कार्यों के लिए आदित्य बिड़ला समूह द्वारा चयनित किया गया। टीडी (2018–22) की सिमरन बेहरा को लीवा कक्ष परियोजना के तहत चयनित किया गया। टीडी (2018–22) की सुवासरी हाजरा ने टेक्सटाइल डिजाइन टैलेंट सॉलस्टूडियो अवार्ड 2021 और इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स – अंतर विद्यालय प्रतियोगिता 2021 में भाग लिया। टीडी (2019–23) की शिल्पा बरुआ को टेक्सटाइल डिजाइन टैलेंट सॉलस्टूडियो अवार्ड 2021 के तहत चयनित किया गया और उनकी वेबसाइट पर उनके डिजाइन प्रदर्शित किए गए। टीडी (2018–22) की राशि कुमारी ने टेक्सटाइल अपसाइक्लिंग प्रतियोगिता – यूपीवाईए 2020 में भाग लिया और उनकी प्रविष्टि को चयनित किया गया। टीडी (2018–22) की तनीषा रॉय ने टेक्सटाइल डिजाइन टैलेंट सॉलस्टूडियो अवार्ड 2021 में भाग लिया। वीव डिजाइन परियोजना होम के तहत कक्षा परियोजना के तहत टीडी (2017–21) की लिजा सलोनी, श्रुति कुमारी और स्वाति सिंह द्वारा विकसित डिजाइनों को चयनित किया गया था। एस राज ओवरसीज, पानीपत, टीडी (2017–21) की सलोनी जैन डोरोथी वैक्समैन टेक्सटाइल डिजाइन प्राइज 2020 में फाइनलिस्ट थीं। उन्होंने डी'सोर्स कोरोना डिजाइन चुनौती – इंटरेक्शन डिजाइन में भाग लिया। उनके डिजाइनों को मैसर्स श्रेया सामंत डिजाइन द्वारा वीव डिजाइन परियोजना , परिधान के तहत कक्षा परियोजना के तहत चयनित किया गया था। वह हैंडमेड इन इंडिया – कोहोर्ट (मेकर्स एंड मार्कर्स द्वारा) – भारतीय शिल्प और हथकरघा की कहानी और फोटो प्रलेखन के सर्वश्रेष्ठ आउटपुट के लिए एक प्रतियोगिता की विजेता भी हैं। टीडी (2017–21) के अविनाश कुमार महतो – उनके डिजाइनों को मैसर्स श्रेया सामंत डिजाइन द्वारा वीव डिजाइन परियोजना, परिधान के तहत कक्षा परियोजना के तहत चयनित किया गया था।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

''फैशन प्रदर्शनी 2020'', निफ्ट कोलकाता के एफसी, एफडी, एफ एंड एलए, केडी, एलडी, टीडी, एफ.टेक और एफएमएस विभागों के 2020 की कक्षा के लिए एक आभासी स्नातक शो 24.09.2020 को श्री शांतमनु, आईएएस, महानिदेशक– निफ्ट मुख्य अतिथि के रूप में और प्रो डॉ. वंदना नारंग, डीन – अकादमिक, निफ्ट, विशिष्ट अतिथि के रूप में, की भव्य उपस्थिति के साथ आयोजित किया गया था। वर्ष 2020 में निफ्ट कोलकाता से कुल 252 छात्रों को स्नातक किया गया।

शिल्प समूह पहल – गतिविधियां, कार्यशाला और प्रभाव

पिछले वर्ष (अप्रैल 2020–मार्च 2021) के दौरान, निफ्ट, कोलकाता के विभिन्न विभागों द्वारा शिल्प समूह पहल के तहत निम्नलिखित शिल्प समूह गतिविधियों का आयोजन किया गया था। ये इस प्रकार हैं:

• शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन योजना के तहत आयोजित किए गए 7 क्लस्टर विजिट (ऑनलाइन मोड)। छात्रों ने विभिन्न क्लस्टर पश्चिम बंगाल का दौरा किया है जैसे फुलिया–शांतिपुर हैंडलूम क्लस्टर मेंय कलना – समुद्रगढ़–धात्रीग्राम हथकरघा क्लस्टरय उदयनारायणपुर हथकरघा क्लस्टरय कांथा सुनची क्राफ्ट बोलपुर–शांति निकेतनय कांथा सुनची क्राफ्ट काजियापारा–अशोकनगर–गुमा, 24 परगना (एन), पटचित्र क्राफ्ट, मिदनापुर, अगरपारा–सोदपुर का चमड़ा शिल्प; गरिया–सोनारपुर का चमड़ा शिल्प, बिकना बांकुरा का डोकरा शिल्प; नुटुआंग्राम का लकड़ी का शिल्प। 17.11.2020 से 30.11.2020 के दौरान फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण सहित सभी डिजाइन कार्यक्रम बैचों से मुर्शिदाबाद हैंडलूम एंड क्राफ्ट। कुल लगभग 534 कारीगर सामाजिक–आर्थिक आभासी सर्वेक्षण के दौरान लगे हुए थे। छात्रों को क्षेत्रीय शिल्प के वास्तविक सार के प्रति संवेदनशील बनाया गया और एक रिपोर्ट और अंतिम दस्तावेज तैयार करने के बाद शिल्प के बारे में गहन जानकारी हासिल की गई।

• स्नातक डिजाइन कार्यक्रम बैचों के एफडी, एफएंडएलए और टीडी से शिल्प आधारित डिजाइन परियोजनाओं की योजना के तहत 8 अलग–अलग समूहों में 3 क्लस्टर विजिट (वर्चुअल मोड पर) आयोजित की गईं। छात्रों ने पहचाने गए शिल्प समूह में कारीगरों/बुनकरों की सहायता से उत्पाद का एक प्रोटोटाइप विकसित किया है। इस योजना के माध्यम से छात्रों की रचनात्मकता और पारंपरिक शिल्प में कारीगरों के कौशल और तकनीकों को एक विशेष प्रोटोटाइप/परिधान में केंद्रित किया जा रहा है। प्रोटोटाइप/उत्पाद विकास के लिए लगभग 89 कारीगरों को लगाया गया था।

• कारीगर/बुनकर जागरूकता कार्यक्रमः निफ्ट कोलकाता में एमएफएम विभागों द्वारा कुल 01 जागरूकता कार्यक्रम (वर्चुअल मोड) आयोजित किए गए। उदयनारायणपुर हथकरघा क्लस्टर (हथकरघा बुनाई), निफ्ट कोलकाता परिसर द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यशाला में 12 बुनकरों ने भाग लिया।

• 623 बुनकरों/कारीगरों को छात्रों द्वारा क्राफ्ट क्लस्टर के दौरे से सीधे तौर पर जोड़ा गया।

• 306 छात्र सीधे विभिन्न क्राफ्ट क्लस्टर गतिविधियों से जुड़े हुए थे।

• इस अवधि के दौरान 22 संकाय सदस्य और 16 कर्मचारी शिल्प संबंधी विभिन्न गतिविधियों में लगे रहे।

पीएचडी कर रहे हैं और पूरा कर चुके हैं

• पीएचडी कर रहे हैं – 1. प्रो. बिनवंत कौर, 2. श्री. बिबेकानंद बनर्जी, सहायक प्रोफेसर., 3. श्री. पार्थ सील, सहायक प्रोफेसर., 4. श्री राहुल सेठी, सहायक प्रोफेसर, 5. श्री सब्यसाची सेनगुप्ता, सहायक प्रौफेसर, 6. श्री डी. राजशेखर, सहायक प्रौफेसर, 7. सुश्री भारती मोइत्रा, सहायक प्रौफेसर, 8. श्री संदीप कु. सामंत, सहायक प्रौफेसर, 9. सुश्री जयति मुखर्जी, सहायक प्रौफेसर, 10. मोहम्मद शहाबुद्दीन अशरफी, सहायक प्रौफेसर, 11. श्री

संजीब कु. दास, एसो. प्रौफेसर, 12. श्री परी जयरामन, सहायक प्रौफेसर, 13. श्री. मोंटू बसाक, सहायक प्रौफेसर, 14. सुश्री नगमा शाही अंसारी, सहायक प्रौफेसर।

• पीएचडी पूर्ण – 1. डॉ. (प्रो.) मोनिका अग्रवाल, निदेशक, निफ्ट कोलकाता 2. डॉ. रीनीत सिंह, प्रौफेसर

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों पर संक्षिप्त नोट पेपर प्रकाशन

• प्रो. बिनवंत कौर (डॉ. प्रबीर कुमार चौधरी, विश्व–भारती विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त प्रकाशन) द्वारा 'यूनियन फैब्रिक्स की समीक्षा' पर एक पेपर अगस्त 2020 में मानव निर्मित टेक्सटाइल इन इंडिया में सस्मीरा पब्लिकेशन (आईएसएसएनः 03777537) द्वारा प्रकाशित किया गया था।

• सुश्री जयती मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर द्वारा 'दृश्य विशेषताओं के आधार पर अवधि के अंदरूनी हिस्सों की पहचानः इंग्लैंड और फ्रांस में पुनर्जागरण के सौंदर्यशास्त्र की तुलना' पर एक पेपर। प्रो. ख्सुश्री. जयती मुखर्जी, मेनक घोष, (2020), को मैट जर्नल्स, गाजियाबाद, यूपी (ई – आईएसएसएन : 2581–9984, www-matjournals-com, डीओआई नंबरः 10.46610/JoIDRP2020 अ05प02.002) द्वारा जर्नल ऑफ इंटीरियर डिजाइनिंग एंड रीजनल प्लानिंग में प्रकाशित किया गया था।

• 'स्थिरता का धागाः जागरूक समुदाय के लिए क्राफ्टिंग फैशन' पर डॉ. अनन्या देब रॉय, सहायक प्रोफेसर द्वारा एक पेपर। प्रो. अंसारी, देब रॉय, बनर्जी (2020), सर्कुलर इकोनॉमी एंड री–कॉमर्स इन द फैशन इंडस्ट्री, आईजीआई ग्लोबल 230819–075717, में प्रकाशित हुआ था।

• डॉ. श्रीनंद पालित,सहायक प्रो. द्वारा 'स्वदेशी अभ्यास और सक्रियताः भारत में सामाजिक कलन विधि को चुनौती देना' पर एक पेपर को केंट यूनिवर्सिटी, ओहिओ द्वारा इफफटी 2020–कॉन्फ्रेंस जर्नल https://oks-kent-edu/iffti2020/iffti–2020– के बीच – व्यक्तिगत – और – समाज – समुदाय/स्वदेशी–प्रथाओं–और–सक्रियता में ऑनलाइन प्रकाशित किया गया था। इफफटी 2020 के लिए यूएसः जून, 2020 में व्यक्तिगत और समाज के बीच– अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। इफफटी 2020 सम्मेलन अमेरिका में केंट विश्वविद्यालय, ओहियो में आयोजित होने वाला था, लेकिन महामारी के कारण रद्द कर दिया गया। हालाँकि यह पेपर उनके ऑनलाइन जर्नल में प्रकाशित हुआ था और https://oaks-kent-edu/iffti2020/iffti – 2020 – के बीच – व्यक्तिगत – और – समाज – समुदाय/स्वदेशी–प्रैक्टिस–एंड–एक्टिविज्म, पर उपलब्ध था।

• डॉ. दिब्येंदु बिकाश दत्ता, सहायक प्रो. दत्ता, डी.बी., और सरकार, बी. (2020), द्वारा 'संगठनात्मक विपणन उपकरण के रूप में पश्चिम बंगाल राज्य खादी मेला की प्रभावशीलता' पर एक पेपर सेडमे (सेज जर्नल), 47(1), 1–14 में प्रकाशित हुआ था।

• डॉ. दिब्येंदु बिकाश दत्ता, सहायक प्रो. अग्रवाल, एस., और दत्ता डी.बी. (2020), द्वारा 'भारतीय चमड़ा उद्योग के नैतिक और सतत उत्पादन के लाभ – एक समीक्षा' पर एक पेपर जिलटा, 68(6), 15–20 में प्रकाशित हुआ था।

• डॉ. दिब्येंदु बिकाश दत्ता, सहायक प्रो. दत्ता डी.बी. (2020), द्वारा 'मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर चमड़ा उद्योग का प्रभाव' पर एक पेपर। जिल्टा, 68(2), 31–44 में प्रकाशित हुआ था। (सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड 2020)।

• श्री बिकास अग्रवाल, सहायक प्रो. (डॉ. एके शॉ और श्री राहुल कर अध्याय के सह–लेखक) द्वारा 'गारमेंट निर्माण में तकनीकी प्रगति' पर एक पेपर जेपीएस साइंटिफिक पब्लिकेशन, इंडिया द्वारा प्रकाशित इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन में प्रकाशित हुए थे (आईएसबीएनः 978–81–947154–6–7) प्रथम संस्करण (2021)

• भारत में रेडीमेड गारमेंट (आरएमजी) खुदरा उद्योग के संदर्भ में रोल प्ले पर एक पेपर के संबंध में बिक्री प्रबंधन और बातचीत कौशल 'डॉ सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. 2020 द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट रिसर्च (आई जे सी एम आर) में प्रकाशित हुआ था आई एस एस एनः 2455–1627,

• डॉ सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. द्वारा 'ई–रिटेलिंग व्यवसाय में तकनीकी प्रभावों की परिकल्पना पर एक गहन अध्ययन और प्री टू पोस्ट कोविड 19 लॉकडाउन युग से अंतिम उपयोगकर्ताओं को लाभ' पर एक पेपर 2020 में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट इन्वेंशन (आई जे बी एम आई) में प्रकाशित हुआ था आई एस एस एन (ऑनलाइन): 2319– 8028; आईएसएसएन (प्रिंट): 2319–801X

• शेयर मूल्य पर पी एंड एल ए/सी और बैलेंस शीट से कुछ वित्तीय संकेतकों के प्रभाव का एक अध्ययन और भविष्य के वर्षों के लिए एक चुनी हुई कंपनी के संकेतकों की भविष्यवाणी पर एक पेपर–के संबंध में भारत में खुदरा क्षेत्र' डॉ सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. द्वारा 2020 में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (आई जे ए आर ई एस एम) में प्रकाशित हुआ था आई एस एस एनः 2455–6211,।

• भारत के आरएमजी क्षेत्र के निर्यात बाजार पर 'कुछ समष्टि आर्थिक कारकों के प्रभाव पर एक अध्ययन अर्थात् बुलियन मूल्य (एलबीएमए), कच्चे तेल की कीमत (डब्ल्यूटीआई), विदेशी मुद्रा दर, यूएसए जीएनआई प्रति व्यक्ति और संयुक्त राज्य अमेरिका की जीडीपी पर एक पेपर ' डॉ सौगत बनर्जी द्वारा, सहायक प्रो. 2020 में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आई जे एम ई आर) में प्रकाशित हुआ था आई एस एस एनः 2277– 7881,।

• डॉ सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. द्वारा 'भारतीय आरएमजी निर्यात पर पोस्ट कोविड प्रभाव को परियोजना करने के लिए एक अध्ययन और विचारोत्तेजक वैकल्पिक बाजारों की पहचान' पर एक पेपर अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च जर्नल ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस (आई आर जे सी ए एस) में 2020 आई एस एस एन 2319 – 9202, में प्रकाशित हुआ था।

• डॉ. सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. द्वारा 'परिधान के लिए ऑनलाइन खरीदारी के प्रति उपभोक्ता खरीद व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक अनुभवजन्य अध्ययन' पर एक पेपर 2021 में अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित हुआ था आईएसएसएन 2250 – 1959 (ऑनलाइन)य आईएसएसएन 2348 – 9367 (प्रिंट),।

• डॉ सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. द्वारा 'युवा पीढ़ी के बीच भारत में डिजिटल मार्केटिंग के प्रति उपभोक्ता प्राथमिकताओं पर एक अनुभवजन्य अध्ययन' पर एक पेपर 2021 में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग में प्रकाशित हुआ था आईएसएसएन नंबरः

2249–7455,।

• श्री मोंटू बसाक, सहायक प्रो. द्वारा 'वायु प्रदूषण के प्रभावः एक बेहतर भविष्य और संभावित समाधान के लिए विचार क्यों करें' पर एक पेपर सितंबर 2020 में नेशनल टेक्सटाइल रिसर्च जर्नल 'टंटू' में प्रकाशित हुआ था।

• स्थिरता का धागाः जागरूक समुदाय और संरक्षण के लिए फैशन का निर्माण' पर एक पेपर (प्रथम लेखक) सुश्री नगमा साही अंसारी, सहायक प्रो. द्वारा सर्कुलर इकोनॉमी एंड री–कॉमर्स इन द फैशन इंडस्ट्री (पीपी.80–98) 9781799827283 में 2020 में प्रकाशित हुआ था।

कागज प्रस्तुति

• 29.12.2020 को एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रो. बिनवंत कौर द्वारा ''सतत विकास के लिए वस्त्र और फैशन की डिजाइनिंग' ' पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

• 'भारत में ग्रामीण आजीविका को बढ़ाने के लिए पुष्प फैशन' और 'सतत फैशन के दृष्टिकोण' पर पत्र श्री द्वारा प्रस्तुत किए गए थे। संदीप कु. सामंत, सहायक प्रो. उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (पूर्व में जीसीटीआई), कानपुर द्वारा आयोजित और यूजीसी के तहत टीईक्यूआईपी–III द्वारा वित्त पोषित 12.08.2020 से 14.08. 2020 तक वस्त्रों में सतत विकास (एनसीएसजीटी–2020) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

• 'कांथा– परिवर्तन की एक सतत कहानी' पर एक पेपर डॉ. श्रीनंदा पालित, सहायक प्रो. द्वारा प्रस्तुत किया गया था। 16.03.2021 को भारत–आईएफएफटीआई ऑनलाइन संगोष्ठी (अंतर्राष्ट्रीय) में सतत शिल्प में भाग लिया।

• 'एथलीजरः एक नई श्रेणी का त्वरण' पर एक पेपर/पोस्टर डॉ. दिब्येंदु बिकाश दत्ता, सहायक प्रो. द्वारा टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल एंड साइंसेज भिवानी, हरियाणा में 18.09.2020 से 19.09.2020 तक ''टेक्सटाइल में हालिया रुझान – अभिनव और सतत फाइबर, यार्न, कपड़े और गारमेंट्स उत्पादन, प्रसंस्करण और डिजाइनिंग पहलुओं के लिए एक प्रतिमान'' (एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन 2020) मे प्रस्तुत किया गया।

• 'भारत में ग्रामीण आजीविका बढ़ाने के लिए पुष्प फैशन' पर एक पेपर/पोस्टर डॉ. दिब्येंदु बिकाश दत्ता, सहायक प्रो. द्वारा 12.08.2020 को उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में वस्त्र में सतत विकास (एसजीटी 2020) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

• डॉ. सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. द्वारा 'एग्री फूड ब्रांड्स से संबंधित मनोवैज्ञानिक व्यवहारिक लक्षणों के पैमाने विकास और सत्यापन' पर एमडीआई मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल – 19.03.2021 से 21.03.2021 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बदलते व्यापार प्रतिमान (आईसीसीबीपी) में एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

• 'नव सामान्य पर्यावरण में कृषि खाद्य ब्रांडों से संबंधित व्यवहारिक निर्माण और मनोवैज्ञानिक क्लस्टर संरचना पर एक अध्ययन' पर एक पेपर डॉ सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. द्वारा आलिया विश्वविद्यालय, डब्ल्यूबी द्वारा आयोजित प्रबंधन और व्यवसाय प्रथाओं (आईसीएमबीपी) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में – 08.02.2021 से 09.02.2021 में प्रस्तुत किया गया था।

• श्री मोंटू बसाक, सहायक प्रो. द्वारा 'बदली जा सकने वाली कोरोना–डिस्चार्ज ट्रीटेड फिल्टर मीडिया के साथ कोरोनावायरस की रोकथाम' पर यूपीटीटीआई इंडिया द्वारा आयोजित कोविद –19 के खिलाफ लड़ाई के लिए पीपीई के घटकों के डिजाइन और प्रदर्शन पर ऑनलाइन हैकथॉन 2020 में एक मौखिक प्रस्तुति प्रस्तुत की गई।

संकाय विकास

अभिनव सतत अभ्यास

सुश्री रूही दास चौधरी, सहायक प्रो. (एफडी) द्वारा हाफ स्केल और क्वार्टर स्केल में एक ड्रेस फॉर्म को जो उपलब्ध सामग्री से घर पर बनाया जा सकता है विकसित किया गया था। ड्रेस फॉर्म बनाने की पूरी प्रक्रिया का वीडियो दस्तावेजीकरण किया गया और लॉकडाउन के महीनों के दौरान ऑनलाइन ड्रेपिंग सिखाने में सक्षम बनाने के लिए निफ्ट केंद्रों में ड्रेपिंग और पैटर्न मेकिंग सिखाने वाले सभी संकायों को पढ़ाया गया।

प्रशिक्षण/वेबिनार/कार्यशाला में संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिया गयाः

• प्रो. बिनवंत कौर (बी.एफ.टेक) द्वारा 'डिजिटल डिजाइन और संचार–1 (फोटोग्राफी और ऑनलाइन डिजिटल टूल्स का अनुप्रयोग)' पर टीओटी का आयोजन किया गया।

• सुश्री जयती मुखर्जी, सहायक प्रो (एफ एंड एलए) द्वारा 'मैसूरः अतुल्य भारत द्वारा भारत का शिल्प कारवां', 'फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण के लिए पोस्ट कोविड लक्जरी परिदृश्य' पर, 'क्राफ्टिंग लचीलापन – भारत में शिल्प समुदायः आपदाओं और महामारी के संदर्भ में लचीलापन के पाठ' (एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य)' और टिकाऊ शिल्प उद्यमिता में महिलाओं पर अंतर्राष्ट्रीय लाइव वेबिनारः बदलती गतिशीलता' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

• 'डिजिटल प्रिंट संपादन तकनीक और दृश्य अनुसंधान'' पर टीओटी, 'प्रतिमान विस्थापन – टेक्सटाइल डिजाइन ऑनलाइन सिखाने के लिए नवीन तरीके और उपकरण', 'सामंजस्य और स्थिरता – बॉलीवुड में फैशन और स्टाइल के नए मंत्र'– पर वेबिनार बॉलीवुड में फैशन और स्टाइल के लिए मंत्र', 'घरेलू फैशन स्टाइल में उभरते रुझान', 'खरीदारी के तरीके – एक समान फैशन उद्योग बनाना', 'कोविड 19 के दौरान 3डी प्रिंटिंग के अनुप्रयोग', 'पीपीई किट और मास्क प्रकार' पर मंत्रः जागरूकता पैदा करना और मानकीकृत अंतर को पाटना', 'तुका 3डी विजुअलाइजर के साथ फैशन डिजाइन', 'हैंडमेड इन इंडिया– लीडर्स ऑफ चेंज', 'निफ्टा कटिंग चाय', 'अपैरल मैन्युफैक्चरिंग–मार्चिंग टू स्मार्ट फैक्टरी' पर और ' समस्याएँ और हिमाचल प्रदेश के हथकरघा बुनकरों की संभावनाएँ' पर टी ओ टी का आयोजन किया गया।

• श्री प्रोसेनजीत भद्रा, सहायक प्रो. (टीडी) द्वारा 'हैंड टू हैंडमेड श्रृंखला, शिल्प आचरण और स्थिरता , 'घर वापसी', 'होम स्टाइलिंग' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

• डॉ. श्रीनंदा पालित, सहायक प्रो (एफसी) द्वारा कोलकाता से डिजाइन पर कार्यशाला (ऑनलाइन) और संचार–1 (प्रत्येक 3 घंटे के 2 सत्र) का आयोजन किया गया।

• श्री संजीब कु दास, सहायक प्रो (एफ एंड एलए) द्वारा ' नव–सामान्य– हस्तशिल्प उत्पादों का महामारी के बाद का एक पूर्वानुमान', 'ब्रांड्सः अवसरों का विकास' पर, और

'ईबीएससीओ के डेटाबेस' पर चार दिवसीय 'आर्ट ऑफ लिविंग' वर्कशॉप पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

• श्री बिकास अग्रवाल सहायक प्रो. (बी.एफ.टेक) द्वारा 'लीन मैनेजमेंट' का टीओटी का आयोजन किया गया।

• डॉ सौगत बनर्जी, सहायक प्रो. (एफएमएस) द्वारा 'ई–कॉमर्स और सोशल मीडिया मार्केटिंग' पर टीओटी का आयोजन किया गया।

• श्री जे. परी, सहायक प्रो. (बी.एफ.टेक) 'रचनात्मक सोच कौशल' और 'स्वयं और समाज' पर ऑनलाइन टीओटी का आयोजन किया गया।

• श्री सौविक बोस, सहायक प्रो. (तदर्थ) (एफ एंड एलए) द्वारा वर्तमान अर्थव्यवस्था के संदर्भ में अपने स्वयं के समाज को बनाए रखने के लिए एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कोविद –19 और पोस्ट कोविद –19 से निपटने के लिए सेमिनार, कोविड –19 के तथ्य का अवलोकन करने के लिए स्वयं और समाज को विकसित करने के लिए टीओटी और व्यवहार परिवर्तन की अवधि में इसके प्रभाव मानव समाज में, एक आभासी ध्यान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

• श्री हिमांशु ढांडा, सहायक प्रो. (एफसी), प्रो. (एफसी) और सुश्री नगमा शाही अंसारी, सहायक प्रो. द्वारा 'फैशन स्टाइल' पर टीओटी का आयोजन किया गया।

• 'नव–सामान्य– हस्तशिल्प उत्पादों का एक पोस्ट महामारी पूर्वानुमान', 'सोने के आभूषणों पर यांत्रिक कार्य प्रक्रिया के लिए सफलता', 'एक्सआर–एआर, वीआर, एमआर का परिचय', 'विज्ञापन की भूमिका' पर सेमिनार डिजाइन उद्योग, कोरोना द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बीच, 'वाणिज्यिक और कम समय के प्रिंट के उद्भव' पर, 'पीपीई किट और मास्क के प्रकारः जागरूकता निर्माण और मानकीकरण अंतर को पाटना', 'क्यों यूएक्स? सुश्री तुलिका सैकिया, सहायक प्रो. (एफ एंड एलए) द्वारा यूएक्स डिजाइन और अनुसंधान कंपनियों की सफलता और रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं' पर सेमीनार का आयोजन किया गया।

• सुश्री सुरभि सिंह, सहायक प्रो. (तदर्थ) (एफडी) द्वारा 'परफॉरमेंस क्लोदिंग' पर ऑनलाइन टीओटी का आयोजन किया गया।

संकाय सदस्यों द्वारा संचालित प्रशिक्षण/कार्यशाला/ अनुसंधान परियोजना

• प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी (एफडी) और श्री मोंटू बसाक, सहायक प्रोफेसर प्रो (एफडी) के समन्वय के तहत अनुसंधान परियोजना, 'टेबल लूम और हैंडलूम जेकक्वार्ड के स्वचालन के लिए माइक्रोकंट्रोलर आधारित प्रोटोटाइप विकास' प्रक्रियाधीन है।

• प्रो. डॉ. रितु मल्होत्रा (एफएमएस) ने 26.09.2020 को सामरिक प्रबंधन और नवाचार सिखाने वाले एमएफएम संकाय सदस्यों के लिए 'व्यापार प्रोत्साहन के साथ शिक्षण' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• सुश्री सुप्रिया चौधरी बसु, सहायक प्रो (टीडी) ने डिजिटल डिजाइन और संचार पर टीओटी का समन्वय किया, 10 अक्टूबर को 'ओपन–सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग ''फोटोपीया'' और 17.10.2020 को 'डिजिटल डिजाइन और संचार – कौशल फोटोग्राफी और कैमरा रॉ और अन्य सॉफ्टवेयर का उपयोग' पर।

• डॉ. अनन्या देब रॉय, सहायक प्रोफेसर (एफएमएस) जो एक मान्यता प्राप्त प्रशिक्षक और राष्ट्रीय स्तर के संसाधन व्यक्ति (डीओपीटी) हैं, ने प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'अनुभवात्मक शिक्षण उपकरण' पर 5 दिनों का टीओटी आयोजित किया।

• डॉ. श्रीनंदा पालित, सहायक प्रो (एफसी) ने 29.07. 2020 से 01.08.2020 तक विभिन्न परिसरों में 15 संकाय सदस्यों के लिए 'फैशन स्टाइल' पर एक ऑनलाइन टीओटी का आयोजन किया।

• श्री मोंटू बसाक, सहायक प्रोफेसर (एफडी) और श्री संजीब के.आर. दास, एसो. प्रोफेसर (एफ एंड एलए), द्वारा आईआईएम, कोलकाता के साथ संयुक्त रूप से निफ्ट कोलकाता आईआईएम, कोलकाता में डीएसटी परियोजना द्वारा प्रायोजित 'अभिनव उत्पाद डिजाइन और विकास पर कारीगरों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण' शीर्षक से एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

संकाय सदस्यों को अतिथि अध्यक्ष/सहकर्मी समीक्षक/ पीएचडी पर्यवेक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया

• प्रो. डॉ. रितु मल्होत्रा (एफएमएस) – एएमए विपणन शिक्षकों की कॉन्फ्रेंस और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ बिजनेस एनवायरनमेंट (आईजेबीई) के लिए सहकर्मी–समीक्षक। स्कोपस (एल्सेवियर) अनुक्रमित जर्नल।

• सुश्री जयति मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर (एफ एंड एलए) को एमिटी यूनिवर्सिटी कोलकाता द्वारा 'वास्तुकला की बुनियादी बातें और कला और कपड़ों के बीच सह–संबंध, अध्ययन क्षेत्र – प्राचीन सभ्यताः मिस्र, ग्रीक, रोमन' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था।

• डॉ. अनन्या देब रॉय, सहायक प्रोफेसर (एफएमएस), श्री सुरंजन लाहिड़ी के लिए पीएचडी पर्यवेक्षक डॉ. अनन्या देब रॉय, सहायक प्रो (एफएमएस) के रूप में मार्गदर्शन करते हैं। वर्ष 2021 में नवीकृत अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक रूटलेज द्वारा पुस्तक 'रूटलेज रिसर्च कम्पैनियन टू बिजनेस विद ए कॉन्शियस' में प्रकाशन के लिए दो अध्याय स्वीकार किए गए हैं।

• डॉ दिब्येंदु विकास दत्ता, सहायक प्रो (एफएमएस) – प्राकृतिक रेशों की खोज करें पहल (डी एन एफ आई) प्राकृतिक रेशों में नवाचार अवार्ड 2020 के लिए नामांकित और 2020 अवार्ड के लिए आठ फाइनलिस्ट में से एक थे।

• श्री संजीब कु दास, सहायक प्रो. (एफ एंड एलए) एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा 'आधुनिक हस्तशिल्प के संदर्भ में डिजाइन की भूमिका' विषय पर अतिथि वक्ता को आमंत्रित किया गया था। सह–अनुसंधान कार्य ''उनके डिजाइन और बाजार के अवसरों पर विशेष जोर के साथ शांतिनिकेतन लैदर के बैग के वर्तमान परिदृश्य'' शीर्षक पर एक शोध परियोजना गाइड के रूप में किया गया – कार्यक्रमः एम डेस (स्नातकोत्तर ब्रिज कार्यक्रम) – छात्र का नामः सुश्री बसुमित्र घोष

• डॉ सौगत बनर्जी, सहायक सुश्री प्रोफेसर (एफएमएस) शीना गुप्ता और श्री सुदीप कुंडू, अनुसंधान विद्वान के लिए पीएचडी पर्यवेक्षक के रूप में मार्गदर्शन करने वाले।

• श्री मोंटू बसाक, सहायक प्रोफेसर (एफडी) को बंगबासी मॉर्निंग कॉलेज, कोलकाता द्वारा 'हथकरघा के विकास, प्रासंगिकता और समकालीन स्थिति' विषय पर अपने

विचारोत्तेजक विचारों को साझा करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें एस वी एन आई टी और मिंत्रा, सूरत द्वारा 'गारमेंट टेक्नोलॉजी में हरित प्रौद्योगिकी' विषय पर एक ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

• श्री सौविक बोस, सहायक प्रो तदर्थ (एफ एंड एलए) को वर्चुअल स्पीकर के रूप में ऐम आर्ट इल्यूमिनेटेड द्वारा आमंत्रित किया गया था।

• सुश्री तुलिका सैकिया, सहायक प्रो. (एफ एंड एलए) को डीपीएस, नजीरा के छात्रों के लिए 'कैरियर विकल्प के रूप में डिजाइन' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने यूएमओ डिजाइन फाउंडेशन के सहयोग से महामारी के दौरान प्रयोगशाला में सीखने के अनुभव के लिए एक मंच बनाने पर एक शोध परियोजना शुरू की है

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं पर संक्षिप्त नोट

निम्नलिखित प्रख्यात पूर्व छात्रों के साथ अभिविन्यास कार्यक्रम 2020 और प्रवेश 2021 के दौरान एसडीएसी यूनिट और प्रवेश नोडल अधिकारियों के समन्वय में आरआईसी यूनिट द्वारा पूर्व छात्र इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए: –

• अभिविन्यास कार्यक्रम –

श्री सायंतन सरकार, एफडी, निफ्ट कोलकाता के वरिष्ठ पूर्व छात्र और इसी नाम से लेबल के मालिक और सुश्री अमृता गांगुली, बीएफटी, निफ्ट कोलकाता की वरिष्ठ पूर्व छात्र और वोग–एन–हाइड के बिक्री विभाग के प्रमुख ने भाग लिया।

• प्रवेश 2021 –

श्री अंतर दत्ता (बी एफ टेक पूर्व छात्र), खरीद, आर एंड डी, वैश्विक सोर्सिंग, रणनीति, आपूर्ति श्रृंखला और गुणवत्ता प्रबंधन नेता, डसेलडोर्फ क्षेत्र, जर्मनी में जेमाको जीएमबीएच में कार्यरत हैं।

सुश्री कनिष्ठा साहा चौधरी (चमड़े की डिजाइन और एम डेस के पूर्व छात्र), ईवाई, बैंगलोर में डिजाइन सलाहकार, यूएक्स डिजाइनर के रूप में कार्यरत हैं।

सुश्री लबोनी साहा (फैशन डिजाइन के पूर्व छात्र), लंदन में एल साहा में संस्थापक और प्रो–प्लैनेट रचनात्मक निदेशक श्री सौमेन मुखर्जी (सहायक उपकरण डिजाइन के पूर्व छात्र), अपैरल ग्रुप में विजुअल बिक्री प्रबंधक, एक्स बेनेटन, एक्स होम स्टोर लिमिटेड दुबई में कार्यरत हैं।

सुश्री कनिका गुप्ता (एमएफएम पूर्व छात्र), उपाध्यक्ष – टॉमी हिलफिगर और केल्विन क्लेन, बैंगलोर में स्टॉक प्लानिंग में कार्यरत हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में प्रख्यात विशेषज्ञों को शामिल करते हुए वर्चुअल मोड के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया गया है जैसे –

• एफ और अल ए विभाग के लिए शिल्प, आभूषण डिजाइन और उत्पाद विकास के क्षेत्रों में पर्ल जियो–नेचुरल प्रोडक्ट्स अल अल पी,कांस्या, थे गोट पोस्ट, Banglanatak.com आदि के विशेषज्ञ।

• पूर्व छात्र, सुश्री रिमी नायक, ''रिमीनायक इंडिया'' की संस्थापक और डिजाइनर, सुश्री सुदीप्त दत्ता, इन्फिनिटी निर्यातक, कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स और श्री राहुल शास्त्री, संस्थापक और डिजाइन प्रमुख, टोरामली शू ने उद्योग इंटर्नशिप/स्नातक परियोजना एलडी विभाग की जूरी मूल्यांकन के दौरान मूल्यवान ज्ञान साझा किया।

• श्री रुचि जैन, वीपी– बिक्री, राज ओवरसीज (पानीपत) ने वीव डिजाइन परियोजना (होम एंड स्पेस) विषय के तहत 29.10.2020 को टीडी–VII के छात्रों के साथ होम टेक्सटाइल में वर्तमान रुझानों के बारे में एक ऑनलाइन बातचीत की। सुश्री श्रेया सामंत, डिजाइनर ने 28.10.2020 को टीडी–VII के छात्रों के साथ ऑनलाइन बातचीत की और वीव डिजाइन परियोजना (परिधान और फैशन एक्सेसरीज) विषय के तहत परिधान वस्त्रों में वर्तमान रुझानों पर चर्चा की।

• प्रिंट मीडिया (एफसी–III) में फैशन के लिए सुश्री सुकन्या दास द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गएय फैशन स्टाइलिंग संपादकीय (एफसी–V) के लिए श्री अभिजीत चंदाय श्री स्वरूप दत्ता, ट्रेंड स्पॉटिंग एंड रिसर्च (एफसी–V) उन्नत फैशन स्टाइलिंग (एफसी–VII) के लिए सुश्री अनुप्रिया दत्ता गुप्ता, सुश्री प्रियंका खन्नाय खुदरा अंतरिक्ष और पर्यावरण डिजाइन (एफसी–VII) और अंतरिक्ष भौतिकता (एफसी–III) के लिए सुश्री ईशानी बसुय ट्रेंड स्पॉटिंग एंड रिसर्च (एफसी–V) के लिए सुश्री छंदक प्रधानय।

• सुश्री हेमल कपाड़िया, कोलकाता की एक प्रख्यात ग्राफिक डिजाइनर ने एफसी, डीएफटी, केडी और एफडी के छात्रों के लिए शिल्प प्रलेखन लेआउट, सामग्री और समग्र डिजाइन पर 2 घंटे का ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया।

प्रमुख उद्योग संबंध

वर्ष 2020 में ऑनलाइन प्लेसमेंट हुआ जिसमें कक्षा 2020 के 60.28% छात्रों को रखा गया था। छात्रों ने देश भर के प्रतिष्ठित उद्योगों जैसे आजिओ बिजनस, अपोलो इंटरनेशनल लिमिटेड, अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड, बेबीशॉप लैंडमार्क (दुबई), केल्विन क्लेन, एनामोर, हाइडिजाइन , मयंत्र जबोंग इंडिया प्रा लिमिटेड, नायका फैशन, प्यूमा, रागा डिजाइन, रीबॉक, रिलायंस रिटेल, शॉपर्स स्टॉप, टाटा अंतर्राष्ट्रीय प्रा लिमिटेड, यूसीबी, वर्धमान टेक्सटाइल्स, वी–मार्ट और कई अन्य।

स्थिरता पहलू और ग्रीन परिसर गतिविधियां

निफ्ट कोलकाता ने साल भर पेड़–पौधों के रोपण के माध्यम से स्थिरता और हरित परिसर को बनाए रखने के लिए पहल की है, कागज की खपत को कम करने के लिए पेपर रहित काम को लागू करना, एसी कूलिंग तापमान को 24 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखना, सभी के लिए आईआर संयंत्र के माध्यम से नियंत्रित जल वितरण। जुड़ा हुआ शौचालय, प्रातः 9 से सायं 7 बजे तक फाउंटेन का संचालन, बागबानी और बागवानी के उपयोग के लिए पर्याप्त सीढ़ियां और कोर्ट यार्ड, नियमित अंतराल पर स्थानीय नगर पालिका के माध्यम से कूड़ा निस्तारण, उचित रोशनी के साथ परिसर के सौंदर्य स्वरूप को बनाए रखना और हरियाली, हाउसकीपिंग स्टाफ द्वारा परिसर की समग्र स्वच्छता बनाए रखना, एलईडी के व्यापक उपयोग द्वारा विद्युत ऊर्जा का नियंत्रण करना शामिल है।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी मास्क बनाने की गतिविधि का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को घर पर किसी भी उपलब्ध खादी/हथकरघा कपड़े का उपयोग करके हस्तनिर्मित मास्क बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां

i) शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के लिए प्रवेश प्रचारः
'प्रवेश – 2021' में निफ्ट के विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन/पंजीकरण की संख्या बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार के लिए निम्नलिखित विभिन्न तौर–तरीके तैयार किए गए हैं:

• कोलकाता के कॉलेजों, स्कूलों को सूचनाः पश्चिम बंगाल में स्थित कॉलेजों और स्कूलों को निफ्ट द्वारा स्नातकोत्तर स्तर और स्नातक स्तर पर चल रही प्रवेश प्रक्रिया 2021 के बारे में सूचित किया गया है।

• प्रवेश विवरणिका, पोस्टर आदि का वितरणः प्रॉस्पेक्टस, पोस्टर और अन्य प्रवेश संबंधी दस्तावेज पश्चिम बंगाल राज्य के विभिन्न सार्वजनिक पुस्तकालयों को संसाधन केंद्र द्वारा ईमेल के माध्यम से अधिकतम प्रसार और प्रचार के लिए भेजे गए हैं।

• प्रिंट मीडिया और निफ्ट कोलकाता की वेबसाइट में विज्ञापनः प्रवेश के लिए विज्ञापन, 2021 क्षेत्रीय समाचार पत्रों में अंग्रेजी और हिंदी में प्रकाशित किया गया है। विज्ञापन निफ्ट कोलकाता वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया गया है।

• परिसर में प्रचारः प्रवेश 2021 के प्रचार के लिए परिसर के मुख्य द्वार पर दो बैनर लगाए गए हैं।

• वेबिंदर के माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के बीच डिजिटल प्रचारः निफ्ट, कोलकाता ने 16 जनवरी 2021 को पूर्व छात्रों के साथ वेबिनार और इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया है।

• पश्चिम बंगाल राज्य में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोस्ट को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित सोशल मीडिया अभियान में डिजिटल प्रचार किया गया। 05 दिनों के लिए 94.3 रेडियो वन पर विज्ञापन प्रसारित किया गया था।

• अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के बीच अभियानः एससी और एसटी उम्मीदवारों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए पश्चिम बंगाल में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में 2021 में प्रवेश के लिए पोस्टर और प्रॉस्पेक्टस के साथ पत्र भेजे गए हैं।

ii) एसडीएसी यूनिट द्वारा संचालित महत्वपूर्ण अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियाँः

• महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाई गई जिसमें कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो इस प्रकार हैं–

– गांधी की जीवन शैली और खादी के महत्व पर एक बेहद अनूठी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। महात्मा की जीवन शैली के चित्र प्रदर्शित किए गए थे (सौजन्यः श्री निधु मंडल, सहायक प्रोफेसर – टीडी)।

– खादी के उपयोग को प्रोत्साहित करने और इसे राष्ट्र के युवाओं के बीच अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए, खादी पर एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई (सौजन्यः टीडी विभाग)।

– एक डिजिटल बैनर तैयार किया गया है (सौजन्यः एसडीएसी) और इसे निफ्ट, कोलकाता वेबसाइट और अन्य सोशल मीडिया में अपलोड किया गया था।

– वर्चुअल प्रदर्शनी को महात्मा गांधी और खादी के चित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया गया

2 अक्टूबर को उनके जन्मदिन के अवसर पर निफ्ट, कोलकाता वेबसाइट और आधिकारिक वेबपेज।

• फेस मास्क पहनना कोविड–19 वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए स्वच्छता और सामाजिक दूरी के साथ–साथ निवारक उपायों में से एक है। इस संदेश को आगे बढ़ाने के लिए, ''राष्ट्रीय हथकरघा दिवस'' (अगस्त, 2020) के अवसर पर, निफ्ट के छात्रों, राष्ट्र के युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ''हथकरघा खादी हस्तनिर्मित मास्क बनाने'' की एक बहुत ही विशेष गतिविधि का आयोजन किया गया था।

मुंबई

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान– मुंबई निफ्ट मुंबई को अपने डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध निफ्ट के प्रमुख परिसरों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोविड–19 महामारी के संदर्भ में और मौजूदा शैक्षणिक वातावरण की परिस्थितियों को बाधित करने के साथ, निफ्ट मुंबई ने संकट से निपटने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया। इसने ऑनलाइन पाठ्यक्रम वितरण के अनुकूल होने के लिए आवश्यक सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों में निवेश करने की दो–आयामी रणनीति का पालन किया और ज्ञान, दक्षताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के सीखने को सुनिश्चित करने के लिए संकाय संसाधनों के क्षमता निर्माण में भी निवेश किया। और मूल्य जो वर्तमान संदर्भ में अधिक प्रासंगिक हो गए हैं जैसे एकजुटता, स्व–निर्देशित शिक्षा, स्वयं की और दूसरों की देखभाल, सामाजिक–भावनात्मक कौशल, कृतज्ञता और लचीलापन। परिसर ने उद्योग अकादमिक इंटरफेस, वेबिनार, पैनल चर्चा, मेलों और प्रदर्शनियों के आभासी दौरे, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के अवसरों के माध्यम से छात्रों को अपनी रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक कौशल और नेतृत्व को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के माध्यम से वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ सहयोगी समावेशिता, स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के मूल मूल्यों का सम्मान करते हुए अनुभवात्मक कौशल और शिक्षण के लिए एक वातावरण प्रदान करना जारी रखा।

स्थानीय अधिकारियों/राज्य सरकार/केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन दिशानिर्देशों के बाद, परिसर शुरू में ऑनलाइन मोड पर काम करता था और अंततः शिक्षण के हाइब्रिड मोड में चला गया।

इसने कोविड की रोकथाम के लिए सक्रिय रूप से कई उपाय किए जैसे फर्श/सतह की सफाई के लिए बेंजालकोनियम क्लोराइड का उपयोग और कार्यालय की जगह की दैनिक धूमन, उच्च संपर्क बिंदुओं जैसे हैंड्रिल, दरवाजे के हैंडल आदि कीटाणुरहित करने के लिए मेडिकल ग्रेड कीटाणु नाशक डी 125 का उपयोग, संपर्क रहित स्वचालित सैनिटाइजर की स्थापना मशीन, परिसर के प्रवेश द्वार पर प्रत्येक आगंतुक और कर्मचारी के शरीर के तापमान और ऑक्सीजन स्तर की दैनिक आधार पर जांच, निफ्ट मुंबई के सभी कर्मचारियों के टीकाकरण की स्थिति की नियमित निगरानी, समय–समय पर उचित आदेश जारी करना का पालन किया।

निफ्ट मुंबई में 44 इन–हाउस संकाय सदस्यों और 125 से अधिक बाहर से आने वाले संकाय सदस्यों की एक मजबूत टीम है। इसमें 10 एकड़ में फैले पूरी तरह से वाईफाई सक्षम स्मार्ट परिसर और 45000 वर्ग मीटर से अधिक के एक निर्मित क्षेत्र के साथ एक उल्लेखनीय बुनियादी ढांचा है। छात्रावास में 590 लड़कियों और 90 लड़कों के रहने की सुविधा है।

निफ्ट–मुंबई वर्तमान में निम्नलिखित 08 डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है:

स्नातक डिग्री के तहत – स्नातक कार्यक्रम (4 वर्ष)

बी डेस– डिजाइन स्नातक

- सहायक उपकरण डिजाइन
- फैशन संचार
- फैशन डिजाइन
- बुना हुआ कपड़ा डिजाइन
- वस्त्र डिजाइन
- फैशन प्रौद्योगिकी स्नातक (परिधान उत्पादन)

स्नातकोत्तर डिग्री – स्नातकोत्तर कार्यक्रम (2 वर्ष)

- डिजाइन के स्नातकोत्तर – एम डेस

• फैशन प्रबंधन के स्नातकोत्तर – एम.एफ.एम. केंद्र में वर्तमान में 1082 छात्र हैं।
इस वर्ष कुल 242 स्नातक और 77 स्नातकोत्तर छात्रों ने स्नातक किया है।

महत्वपूर्ण स्थल और उपलब्धियां

• निफ्ट मुंबई को भारत की प्रतिस्थित श्रेणी की एजेंसियों द्वारा शीर्ष क्रम के फैशन महाविद्यालय की सूची में 3 वर्षों के लिए लगातार दूसरे स्थान पर रखा गया है।
• माननीय महिला एवं बाल विकास एवं कपड़ा मंत्री, सरकार द्वारा महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरित 'उत्तुंगा' का विमोचन किया गया। 2 अक्टूबर 2020 को भारत का जिसे एफ सी सेमेस्टर V के छात्रों द्वारा संपादित, निर्मित और डिजाइन किया गया था।
• कौशल विकास विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने छठी से 12वीं कक्षा के लिए डिजाइन सोच पर सीबीएसई पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए समिति का हिस्सा बनने के लिए प्रो. डॉ. रूपा अग्रवाल को आमंत्रित किया है।
• प्रो. किसलय चौधरी ने एक पेटेंट विचार प्रस्तुत किया और वर्तमान में पेटेंट/डिजाइन पंजीकरण के लिए प्रक्रियाधीन है।

बुनियादी ढांचा और अनुसंधान एवं विकास सुविधाएं

कोविड संकट के बावजूद, निफ्ट मुंबई ने उद्योग की बदलती जरूरतों के अनुरूप नए तकनीकी विकास के साथ तालमेल रखते हुए एक मजबूत शिक्षण का माहौल प्रदान करने के लिए परिसर में बुनियादी ढांचे और आर एंड डी सुविधाओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा। निफ्ट मुंबई परिसर में अपने अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे का निर्माण करके निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

• टाटा ट्रेंट एफएमएस निफ्ट मुंबई रिटेल चेयरः निफ्ट मुंबई ने टाटा ट्रेंट के सहयोग से आधुनिक, समकालीन लुक और फील के साथ परिसर में ''टाटा ट्रेंट एफएमएस निफ्ट मुंबई रिटेल चेयर'' आधारभूत संरचना की स्थापना लगभग पूरी कर ली है। चेयर का उद्देश्य ''ग्राहकों के परिधान खरीदने के रवैये पर निजी लेबल और राष्ट्रीय ब्रांड के प्रभाव'' का अध्ययन करना है। अनुसंधान का पहला चरण निफ्ट टीम द्वारा शुरू किया जा चुका है।
• एनएफडीआई के तहत स्थापित स्मार्ट वियरेबल सिस्टम (एसडब्ल्यूएस) और फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण ऊष्मान केंद्रः स्मार्ट वियरेबल सिस्टम्स (एसडब्ल्यूएस) इनक्यूबेटर और फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण ऊष्मान केंद्र निफ्ट मुंबई में स्थापित किए जा रहे हैं जो निफ्ट फाउंडेशन फॉर डिजाइन इनोवेशन (एनएफडीआई) का हिस्सा हैं। कपड़ा मंत्रालय द्वारा समर्थित एन एफ डी आई को कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा जारी धारा 8 कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया है।
एन एफ डी आई संभावित उद्यमियों तक बुनियादी ढांचे और निर्दिष्ट सेवाओं और व्यापार विकास के लिए प्रासंगिक सहयोग की सुविधा प्रदान करता है। निफ्ट द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधा में प्री–इनक्यूबेशन, इनक्यूबेशन और एक्सेलेरेटर सेवाएं शामिल हैं। इन सेवाओं में एक व्यवहार्य उत्पाद विकसित करना, उत्पाद को मान्य करना और मान्य उत्पाद को बढ़ाना शामिल है। एस डब्लू एस ऊष्मान केंद्र को क्लॉथटेक, मेडटेक, प्रोटेक और स्पोर्टेक के समामेलन के रूप में माना जा सकता है, या तो पहनने योग्य या पैच के रूप में लगाया जाता है। इसमें फैब्रिक, यार्न और फाइबर में समग्र सामग्री उपयोग के साथ एक एकीकृत /एम्बेडेड बायोसेंसर/सेंसर है। एस डब्लू एस का उद्देश्य शरीर, मन, गतिविधि, नींद, आहार, चिकित्सा आदि के आवश्यक जैव–महत्वों की निगरानी और ट्रैकिंग करना है। एनएफडीआई स्मार्ट वेयरेबल सिस्टम ऊष्मान केंद्र विचारों के अंकुरण के लिए एक आधार के रूप में कार्य करता है और अभिनव विचारों को विश्व बाजार में उतारकर एक वाणिज्यिक मंच पर लाता है। एनएफडीआई फैशन और जीवन शैली ऊष्मा या केंद्र में उत्पाद विचारों के प्रोटोटाइप और नमूने में कंकाल अवधारणाओं को मूर्त संस्थाओं में बदलने की सुविधा शामिल है।
• परिसर में नई सुविधाएंः निफ्ट मुंबई में क्लाउड सर्वर आधारित आरएफआईडी से लैस संसाधन केंद्र और संस्थागत/डिजिटल भंडार, नई कला प्रयोगशाला सह कक्षा, नए जुड़नार के साथ अनुकूलित प्रदर्शन क्षेत्र, 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी के साथ आभूषण कार्यशाला और गृह सजावट कार्यशाला और इसके लिए प्रक्रिया का दावा है। मेक्ट्रोनिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला शुरू की गई है। इस वर्ष परिसर में खरीदी गई कुछ प्रमुख मशीनों में लेदर स्काइविंग मशीन, लकड़ी, धातु और विभिन्न अन्य सामग्रियों के साथ काम करने के लिए लेजर कटिंग मशीन, सिंगल नीडल फ्लैटबेड लेदर सिलाई मशीन और आर्म डबल चेन स्टिच मशीन की टू नीडल फीड, टेक्सटाइल के लिए मशीनरी शामिल हैं। परीक्षण और भूतल विकास प्रयोगशाला, फ्यूजिंग मशीन, 6–थ्रेड ओवरलॉक मशीन, पुतलों, स्टाइल के लिए फिक्स्चर। एफ डी विभाग ने परफॉरमेंस क्लोदिंग के लिए कपड़ों/वर्दी का एक संसाधन केंद्र भी बनाया है।

अल्पकालिक कार्यक्रम

सतत शिक्षा निफ्ट मुंबई परिसर का एक अभिन्न अंग है और हम इसे हर साल बहुत सफलतापूर्वक संचालित करते हैं। निफ्ट मुंबई ने इच्छुक छात्रों और उद्योग के पेशेवरों के लिए 13 सीई कार्यक्रमों की पेशकश की। भले ही कोविड 19 महामारी के बीच सीई कार्यक्रमों का संचालन करना एक बड़ी चुनौती थी, फिर भी निफ्ट मुंबई में सीईपी छात्रों की बैच संख्या 70 है। विभिन्न सीई कार्यक्रमों में नामांकित छात्र, जिन्हें डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए अनुकूलित किया गया था। सपोर्ट आधारभूत संरचना और प्रयोगशाला सुविधा के साथ विशेषज्ञ और अनुभवी संकाय सदस्य टीम ने छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया और सीखने की प्रक्रिया को और अधिक बनाने के लिए अतिरिक्त पहल और प्रयास किए गए।

परियोजनाओं

परामर्श परियोजना न केवल राजस्व सृजन के मामले में बल्कि निफ्ट बिरादरी के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विभिन्न स्तरों पर संकाय सदस्यों और छात्रों को संलग्न

करता है और उन्हें वास्तविक जीवन की उद्योग चुनौतियों के संदर्भ में अनुसंधान और अन्वेषण का अवसर प्रदान करता है। उद्योग के साथ–साथ शिल्प क्षेत्र से विभिन्न परियोजनाओं के शोध निष्कर्षों से फैशन व्यवसाय के विभिन्न हितधारकों जैसे खुदरा विक्रेताओं, फैशन ब्रांड, खुदरा व्यवसायी/सलाहकार, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों को व्यवसायों के विभिन्न पहलुओं को समझने में लाभ होता है। निफ्ट मुंबई वर्तमान में 28 परियोजनाओं में लगा हुआ है। सेंट्रल सिल्क बोर्ड बेंगलुरु, महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमएमएमओसीएल), असाही केसी (इंडिया) जापान लिमिटेड, इंडियन ऑयल लिमिटेड, केवीआईसी, एमएसएसआईडीसी, एमएसआरटीसी, सिडको, शिक्षा विभाग, दमन और दीव संघ (भारत) जैसे ग्राहकों के साथ), उद्योग निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, अल्पसंख्यक मामलात मंत्रालय के तहत निफ्ट नई दिल्ली–मुख्यालय परियोजना और एमपीएचएसवीएन के माध्यम से उस्ताद परियोजना) का संचालन किया गया।

उद्योग से जुड़ी शैक्षणिक कक्षा परियोजनाएं/लाइव परियोजनाएं

लाइव परियोजना छात्रों को उद्योग में वास्तविक चुनौतियों के लिए अपनी सैद्धांतिक शिक्षा को लागू करने का अवसर प्रदान करती है। यह उनकी रणनीतिक सोच और निर्णय लेने के कौशल को बढ़ाती है। निफ्ट–मुंबई प्रभावी रूप से उद्योग केंद्र से अपनी निकटता का लाभ उठा रहा है और अपने छात्रों के लिए हर साल कई लाइव परियोजनाओं का आयोजन कर रहा है। इस वर्ष की गई कुछ उल्लेखनीय लाइव परियोजनाएं इस प्रकार हैं:

• एफ एंड एलए विभाग के छात्रों ने टाटा ट्रेंट के साथ एक लाइव परियोजना आयोजित की गई जिसमें उन्होंने भंसाली ट्रस्ट के साथ भागीदारी की और गुजरात की ग्रामीण महिलाओं को जूडियो स्टोर्स पर बेचे जाने वाले फटे और बचे हुए कपड़ों से बैग बनाने के लिए प्रशिक्षित किया।
• एफ डी विभाग के छात्रों ने ब्रांड विचारधारा का उपयोग करते हुए डब्लू ब्रांड (महिलाओं के वस्त्र) और फर्स्ट क्राई कॉम (बच्चों के वस्त्र) के लिए भारतीय खुदरा उपभोक्ता की शैली वरीयताओं को समझने के आधार पर फैशन पूर्वानुमान से संबंधित परिधानों की एक श्रृंखला तैयार की ।
• प्रिंट डिजाइन परियोजना और बुनाई डिजाइन परियोजना के लिए टीडी विभाग द्वारा लाइव परियोजनाओं की व्यवस्था की गईः परिधान और फैशन सहायक उपकरण ऑस्ट्रेलियाई ब्रांड मिस मूमूलाह के संस्थापक डॉ कैरल टैन के साथ दो सप्ताह की परियोजना आयोजित किया गया था। इस परियोजना के आधार पर इंटर्नशिप के लिए 2 छात्रों को इंटर्नशिप के लिए चुना गया था। एक और लाइव डिजाइन परियोजना टीडी के छात्रों द्वारा ''लागत प्लस – रसोई के टोलियों की डिजाइनिंग'' शीर्षक से किया गया था।
• सुश्री जया आडवाणी, सेम III, एम.डेस, ने कोविड राहत उपायों के लिए इम्पैक्ट्री के साथ दो परियोजनाएं पर काम किया। सकल मीडिया हाउस और इम्पैक्ट्री डेटा टेक्नोलॉजीज के बीच अनुसंधान सहयोग के लिए मात्रात्मक विश्लेषण और रणनीति तैयार करने के लिए उपयोगकर्ता अनुसंधान पर केंद्रित परियोजना 1 जागरूकता बढ़ाने और आगे के अवसरों की पहचान करने के लिए डेटा विश्लेषण को सभी प्लेटफार्मों पर साझा करने के लिए विसुअल रूप से प्रस्तुत किया गया था। परियोजना 2 'द हंगर कलेक्टिव' नामक इम्पैक्ट्री डेटा टेक्नोलॉजीज की पहल को बढ़ावा देने के लिए बैक – एंड समर्थन प्रदान करने पर आधारित था, जिसने सहायता की आवश्यकता वाले व्यक्तियों और सहायता के इच्छुक लोगों के बीच एक लिंक बनाया।
• श्री स्वागतम देब, सेम III, एमडी, ने महामारी के दौरान दैनिक वस्तुओं की खरीद के लिए एक भौगोलिक क्षेत्र के भीतर व्यक्तियों की सुरक्षित और सुविधाजनक गतिशीलता प्रदान करने के लिए ''प्राणाली'', एक किराना आवंटन योजना आवेदन पद्धति बनाई।
• सुश्री तेजस्वी, सेम III, एम डेस, महामारी के दौरान महाराष्ट्र के ग्रामीण आदिवासी बेल्ट में अत्यंत जरूरतमंद परिवारों को धन जुटाने और मासिक राशन प्रदान करने के लिए एकिबेकी और रचनात्मक गरिमा समूह के साथ शामिल थीं।
• सुश्री सरबानी मुखर्जी, सुश्री इशिता सरकार और श्री आदित्य रत्नापारखी, सेम III, एम.डेस ने अनफरल–एचसीआई 2020 भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संज्ञानात्मक अधिभार व्यवहार चिकित्सा के कारण मानसिक तनाव को आसान बनाना पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

छात्र प्रतियोगिता और पुरस्कार

• सुश्री नताशा तुर्कर, सेम VII, एफ और अल ए, ने एक काल्पनिक बच्चों की कहानी की किताब (3–10 साल की उम्र के लिए) लिखी और चित्रित की, जिसमें कोरोनवायरस के प्रभाव और इन समयों के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया है, जो कि कथा डिजाइन श्रेणी के लिए एक प्रविष्टि के रूप में है। मई 2020 में आई डी सी, आई आई टी, पवई द्वारा वैश्विक स्तर पर डी 'सोर्स कोरोना डिजाइन चुनौती की मेजबानी की गई। इस प्रविष्टि को विजेता प्रविष्टियों में से एक के रूप में चुना गया था और पुस्तक की एक प्रकाशित प्रति उनकी एक वर्ष के लिए यात्रा प्रदर्शनी का हिस्सा होगी।
• सुश्री आयुषी जायसवाल, सेम VI, केडी ने मई 2020 के महीने के लिए एक स्थायी, दस्तकारी, जीवन शैली ब्रांड ''स्क्रैप शाला'' द्वारा आयोजित ''स्क्रैपशाला पुनर्प्रयोजन प्रतियोगिता'' में सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि जीती।
• सुश्री सलोनी म्हापसेकर ने डी 'सोर्स कोरोना चुनौती, आईआईटी बॉम्बे में भाग लिया और जीता, जो 30 मई 2020 को आयोजित किया गया था।
• सुश्री स्नेहा रामनारायण (केडी), सुश्री श्रेयस घोडे (केडी), और श्री निखिल कुमार (एफडी) ने 27 जुलाई, 2020 को निफ्ट मुंबई में आयोजित वर्चुअल एडोब क्रिएटिव जैम (पोस्टर और मूवी) में पहला स्थान हासिल किया।
• निफ्ट मुंबई के साथ साझेदारी में एडोब द्वारा प्रायोजित वर्चुअल क्रिएटिव जैम में 27 जुलाई 2020 को टीम सुश्री सलोनी म्हापसेकर, कृतिका शर्मा और गौरव सिंह द्वारा ने भाग लिया गया और दूसरा पुरस्कार जीता गया।
• श्री अथर्व मैनकर, सेम VII, एफ एंड एलए, को 12 अगस्त 2020 को आयोजित किया गया 'डिजाइन इन इंडिया चुनौती– स्मार्टफोन डिजाइन कॉन्टेस्ट 2020' के लिए लावा

द्वारा चुना गया था।।

• सुश्री रिति रविचंद्रन, सेम वी, एफ एंड एलए, को अगस्त, 2020 में आयोजित नुअंस, निफ्ट स्टूडियो डिजाइन प्रतियोगिता 2020 में सांत्वना पुरस्कार मिला।

• सुश्री सलोनी म्हापसेकर, एफसी सेम VII को 04 सितंबर 2020 को स्पष्टता डिजाइन सम्मेलन, सैन फ्रांसिस्को के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।

• 04 सितंबर 2020 को ड्रॉपबॉक्स डिजाइन मेंटरशिप यूरोआईए यूएक्स सम्मेलन, बर्लिन प्राप्त किया।

• श्री अथर्व मैनकर, सुश्री प्रणोती पद्मसाली और सुश्री जोशिता रावत, सेम VII, एफ एंड एलए के छात्र, अक्टूबर 2020 में आयोजित की गई डिजाइन प्रतियोगिता – टाइटन एनविसेज 2.0 में फाइनलिस्ट थे।

• श्री यश गुप्ते, सेम III, एफ एंड एलए ने सितंबर और अक्टूबर 2020 के बीच 3 औद्योगिक डिजाइन परियोजनाएं बनाईं, जिन्हें वर्ल्ड इंडस्ट्रियल डिजाइन मैगजीन की वेबसाइट यान्को डिजाइन पर प्रदर्शित किया गया था।

• सुश्री रितिका सूर्यवंशी और सुश्री तन्वी केदार सेम VII, एफ एंड एलए के छात्रों को हैंड फॉर हैंडमेड्स क्राफ्ट डिजाइन चुनौती के लिए चयनित किया गया था।

• सुश्री श्रेयस घोडे, सेम VI, केडी ने एनआईएफटी मुंबई द्वारा आयोजित पोस्ट कोविड वर्ल्ड के लिए यूनिफॉर्म री–डिजाइन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

• सुश्री झरना राज ने डीएफसीसीआईएल (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) द्वारा आयोजित लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और भारत में दूसरा स्थान हासिल किया।

• श्री जिष्णु सेनगुप्ता, एफसी सेम 5 और इट्स रीइप्सिटा, एफसी सेम III विजेता हैं और उन्हें सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रतियोगिता–2020 के तहत ''सतर्क भारत, समृद्ध भारत (सतर्क भारत, समृद्ध भारत)'' विषय पर डिजिटल चित्रण में क्रमशः पहला और तीसरा पुरस्कार मिला है।

• सुश्री मृण्मयी और सुश्री अबंतिका को प्रथम पुरस्कार, सुश्री अन्वेशा और सुश्री खुशी को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी 18 प्रतिभागियों को कंपनी की ओर से भागीदारी प्रमाण पत्र और प्रिंटेड फैब्रिक पैनल मिले।

• एफ डी छात्रों ने ड्रेस अप वोक्सवैगन चौलेंजिन में भाग लिया और सुश्री शिवानी प्रिया ने वोक्सवैगन के लिए एक समान डिजाइन बनाने में प्रतियोगिता जीती।

• सुश्री हेमा और सुश्री अन्वीशा, एफडी सेम IV की टीम को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड जिमी चू के लिए अपने जूते के डिजाइन के लिए पहली पांच रैंकिंग में स्थान मिला।

छात्र गतिविधियां

निफ्ट मुंबई एसडीएसी टीम ने कोई कसर नहीं छोड़ी और छात्रों की गतिविधियों को ऑन–परिसर कार्यक्रमों के रूप में आकर्षक बनाने के लिए सभी संभव प्रौद्योगिकी उपकरणों और नवाचारों का उपयोग किया। 4 क्लबों के छात्रों ने वर्ष 2020–21 के दौरान 20 गतिविधियों की एक श्रृंखला में सक्रिय रूप से संगठित और भाग लिया। उल्लेखनीय गतिविधियों में से कुछ हैं:

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन, प्रतिभा खोज, विश्व पर्यावरण दिवस, प्राणायाम पर कार्यशाला, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उत्सव, संविधान दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आभासी प्रतियोगिताएं आदि।

प्रत्येक क्लब द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की संख्या है: नैतिकता, समाज सेवा और पर्यावरण (ईएसएसई) क्लब द्वारा आयोजित 12 गतिविधियाँ, सांस्कृतिक क्लब द्वारा 7 गतिविधियाँ, साक्षरता क्लब द्वारा 7 गतिविधियाँ, स्पोर्ट्स क्लब द्वारा 2 गतिविधियाँ।

छात्रों द्वारा प्रकाशन और पेपर प्रस्तुति

• सुश्री सरबानी मुखर्जी, सुश्री इशिता सरकार और श्री आदित्य रत्नापारखी, सेम III, एमडी ने 'अनफरल–संज्ञानात्मक अधिभार व्यवहार चिकित्सा के कारण मानसिक तनाव को आसान बनाना' पर एचसीआई 2020 भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था ।

• सुश्री सुनैना खेतान ने 'स्थानीय के लिए मुखर'... हथकरघा क्षेत्र को छोड़कर?'' शीर्षक से एक लेख वस्त्र मूल्य श्रृंखला के सितंबर 2020 के अंक में प्रकाशित किया।

• सुश्री भव्या श्रीवास्तव ने टेक्सटाइल वैल्यू चेन के सितंबर 2020 के अंक में ''स्थानीय में विलस्ता है'' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

• सुश्री नताशा तुर्कर, सेम VII, एफ एंड एलए ने 'भविष्य के लिए एक बेहतर समाज को डिजाइन करने के लिए अतीत की पद्धति को फिर से बनाना' शीर्षक से एक शोध पत्र लिखा, जिसे जर्मनी आधारित स्प्रिंगर प्रकाशन द्वारा 'डिजाइन फॉर दुमॉरो – वॉल्यूम 3' पुस्तक में प्रकाशित किया गया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जनवरी 2021 में आई डी सी आई आई टी पवई और आई आई एससी बैंगलोर द्वारा आयोजित 8वें आई कॉर्ड सम्मेलन में अपना पेपर प्रस्तुत किया, जो इस वर्ष के सबसे कम उम्र के वक्ताओं में से एक है।

• सुश्री सानिका जोशी और सुश्री ऊर्जा खुंबरे, सेम टप्प, केडी, ने 'निटवेअर उद्योग में डिजाइन स्थिरता' शीर्षक से एक पेपर का सह–लेखन किया। पेपर जेटिर (www-JETIR-org) ISSN UGC स्वीकृत (जर्नल नंबर: 63975) और 5.87 खंड 8 अंक 3, मार्च–2021 में प्रकाशित इम्पैक्ट फैक्टर में प्रकाशित हुआ था।

छात्र–अंतर्राष्ट्रीय संबंध और संगठनात्मक टाई–अप

महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर एक बड़े प्रतिबंध के बावजूद, आईडीएल टीम ने फैशन शिक्षा में कुछ प्रसिद्ध संस्थानों के साथ छात्रों के आदान–प्रदान कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। आईडीएल टीम ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्रों के लिए एनामोमा पेरिस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसने इच्छुक छात्रों को फिट न्यूयॉर्क में 1 वर्षीय दोहरी डिग्री कार्यक्रम के लिए अवसर प्रदान करना जारी रखा है। एक कठोर बहुस्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से, आईडीएल टीम ने एफआईटी दोहरी डिग्री कार्यक्रम के लिए बारह छात्रों का चयन किया और लगभग सात छात्रों ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। फैशन प्रौद्योगिकी स्नातक के 3 छात्रों ने किया अपनी स्नातक परियोजना बांग्लादेश में,बूफ़ट, बांग्लादेश के साथ समझौता ज्ञापन के एक भाग के रूप में।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

स्नातक बनना जीवन में एक मील के पत्थर के समान है और इसे मनाने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि महामारी के बावजूद छात्रों का वास्तव में यह यादगार दिन बने, 26 अगस्त, 2020 को निफ्ट मुंबई द्वारा एक आभासी स्नातक समारोह 'पुनर्आविष्कार 2020' का आयोजन किया गया था। स्नातक छात्रों को उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने, साथियों और शिक्षकों के साथ जुड़ने के लिए इस समारोह ने छात्रों को एक मंच प्रदान किया। समारोह का सीधा प्रसारण किया गया और महानिदेशक – निफ्ट, निदेशक–निफ्ट मुंबई, द्वारा समापन भाषणों और अन्य द्वारा विशेष कीनोट्स उद्बोधन दिए गए। आभासी कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में से एक वीडियो वॉल्ट के साथ लैंडिंग पृष्ठ का कस्टम वर्चुअल वातावरण था जिसने छात्रों द्वारा उनकी स्नातक परियोजनाओं के दौरान किए गए परियोजनाओं की एवी प्रदर्शित की गई। यह समारोह एक बड़ी सफलता थी और इसमें उद्योग के सदस्यों और अकादमिक बिरादरी के साथ–साथ उद्योग के विशेषज्ञों, परिवार और छात्रों के दोस्तों ने भाग लिया।

2020 में एफ डी विभाग से 60 छात्रों और 2021 में 61 छात्रों ने स्नातक किया। उन्होंने अपने अंतिम परियोजना के लिए अवंत गार्डे, हाई–फैशन, परफॉरमेंस क्लोदिंग, पहनने के लिए तैयार आदि की श्रेणियों में अभिनव संग्रह बनाए।

2020 में एफ एंड एलए विभाग से कुल 31 छात्रों ने स्नातक किया। छात्रों द्वारा औद्योगिक उत्पाद डिजाइन, आभूषण डिजाइन, आंतरिक और सजावट, फर्नीचर डिजाइन, खिलौना डिजाइन, बैग, जूते और सहायक उपकरण, स्पोर्ट गियर के क्षेत्रों में स्नातक परियोजनाएं शुरू की गईं। कुछ प्रायोजक कंपनियां के नाम हैं – तनिष्क, एबीएफआरएल – पैंटालून, बोनिटो डिजाइन, पीकॉक डिजाइन, द ग्रेट ईस्टर्न होम्स।

केडी विभाग ने 2020 में 34 छात्रों को गर्व से विदाई दी और 2021 में 36 छात्रों ने अद्वितीय विषयों और अवधारणाओं जैसे सकारात्मकता, अभिनव एथलीजर लाइन आदि पर अपना संग्रह बनाया। प्रायोजक कंपनियां पेपे जीन्स, शॉपर्स स्टॉप, फर्स्ट क्राई, बेस्टसेलर आदि जैसी थीं।

2020 में एफसी विभाग से 52 छात्रों और 2021 में 47 छात्रों ने स्नातक किया। उन्होंने यूआई और यूएक्स, ब्रांडिंग, उत्पाद डिजाइन, प्रकाशन डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, फोटोग्राफी, स्टाइलिंग, डिजाइन रिसर्च और अन्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया। जबकि उनमें से कुछ ने जंटा क्लिक, यूनिस्टोर, एच ओ डब्लू अल,दफफोडीलस, 3/4जी सोल्युशंस, टॉपपर, जसपे, अंगरांमरी, मार्क्स और स्पेंसर आदि कंपनियों के साथ काम किया, अन्य ने स्वयं द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं पर काम किया।

2020 में 35 छात्रों और 33 छात्रों ने 2021 में टीडी विभाग से स्नातक किया और कपड़ा बुनाई, जैक्वार्ड बुनाई, प्रिंटिंग, पर्पल पैच स्टूडियो, ओखाई, ट्रिबर्ग, अवनी, एफडीसीआई, आर्टइमेज, व्रजः भूमि और जयपुर आसनों जैसे परिधान विकास के क्षेत्रों में उद्योग में अपनी स्नातक परियोजनाओं को पूरा किया है।

2020 और 2021 के दौरान प्रत्येक वर्ष कुल 31 छात्रों ने बीएफटी विभाग से स्नातक किया। उन्होंने परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी, उत्पादन और व्यापारिक प्रबंधन, उत्पाद विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आदि के क्षेत्रों में अपनी स्नातक परियोजनाएं कीं।

वर्ष 2020 में एफएमएस विभाग से 35 छात्रों और 2021 में 42 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उभरते क्षेत्रों में शुरू की गई कुछ परियोजनाएं लक्जरी होम श्रेणी लॉन्च, उत्पाद अवधि, उत्पाद श्रेणियों का पुन : लॉन्च, सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियों, स्टार्ट–अप्स, ग्राहक वचन बद्धता रणनीति आदि की व्यापार योजना को बढ़ाने के लिए हैं। प्रायोजक कंपनियों में ऑनलाइन रिटेलर्स जैसे टाटा क्लिक, नायका आदि से लेकर रिलायंस ब्रांड्स, रेमंड, एबीएफआरएल आदि जैसे स्टार्ट–अप तक शामिल हैं।

31 छात्रों ने 2020 में डिजाइन स्पेस विभाग से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। छात्रों ने फैशन सिद्धांत, ब्रांडिंग, इंटरफेस डिजाइन, उपयोगकर्ता अनुभव अनुसंधान, लोक कला, लोगों के लिए टिकाऊ जीवन और डिजाइन, और शिल्प पुनरुद्धार जैसे विभिन्न विषयों में शोध प्रबंध अनुसंधान विषयों को लिया। 2021 की स्नातक कक्षा के 35 छात्रों ने पर्यावरण के अनुकूल नवीन पैकेजिंग, परिवर्तनशील डिजाइन–सोशल डिजाइन ढांचा और स्मॉल हाउस मूवमेंट के माध्यम से विकासवादी जीवनशैली में बदलाव, सर्कुलर इकोनॉमी, म्यूचुअल फंड, विटामिन, कार, बैंकिंग और सप्लीमेंट्स आदि जैसे क्षेत्रों में उपयोगकर्ता अनुभव जैसी परियोजनाओं पर शोध किया।

शिल्प समूह पहल

हालांकि कोविड–19 शिल्पकारों और उनके परिवारों द्वारा पहले से ही अनुभव की जा रही चुनौतियों की श्रृंखला पर एक और बोझ का प्रतिनिधित्व करता है। निफ्ट मुंबई ने कारीगर समुदाय के लिए एकजुटता और समर्थन प्रदर्शित करने के लिए हर उपकरण का इस्तेमाल किया। इस वर्ष कुल 18 शिल्प आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 50% की उल्लेखनीय वृद्धि है। इन शिल्प गतिविधियों में 8 विभागों के 659 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। निफ्ट मुंबई के संकाय और छात्रों ने इस तथ्य का भी संज्ञान लिया कि हमारे कई लाभार्थियों के पास उन्नत तकनीक तक पहुंच नहीं हो सकती है, इसलिए उन्होंने नवाचार, रचनात्मक सोच का उपयोग किया और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप अपने प्रयासों को फिर से उन्मुख किया ताकि आपसी शिक्षण के अवसर प्रदान किए जा सकें। स्थानीय रूप से उपलब्ध कारीगरों के लिए बुनियादी ढांचा और सेटिंग। 18 जुलाई, 2020 को 'हैंडमेड इन इंडिया – लीडर्स ऑफ चेंज' विषय पर आधारित कारीगरों के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया गया। परिसर ने 7 अगस्त 2020 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से 6वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जिसमें कारीगरों ने विभिन्न शिल्प समूहों ने भाग लिया और अपनी विशेषज्ञता साझा की। इस अवसर पर प्रख्यात

हस्तियों और पूर्व छात्रों ने भी अपना संदेश साझा किया, जिसे निफ्ट मुंबई के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया गया। संबंधित विभागों ने शिल्प आधारित गतिविधियों जैसे शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन, शिल्प आधारित उत्पाद विकास, कारीगर जागरूकता कार्यशाला के साथ–साथ शिल्प प्रदर्शन सत्र भी जारी रखा।

पीएचडी पूर्ण कर रहे हैं या कर चुके हैं

शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के दौरान, 02 संकाय सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है और 11 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं।

संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन और पेपर प्रस्तुति

अंतरराष्ट्रीय

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा 9 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और निम्नलिखित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए।

• डॉ. पल्लवी रानी, सहायक प्रो., एफ एंड एलए ने एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम्स एंड इनोवेटिव प्रोडक्ट डिजाइन (पीपी 11–20) सिंगापुरः स्प्रिंगर नेचर 2021 में एक शोध पत्र ''झारखंड के ग्रामीण लोगों के बीच उचित स्वच्छता आदत विकसित करने के लिए एक जागरूकता मॉडल का डिजाइन'' प्रकाशित किया।

• प्रो. डॉ. सुशील रतूड़ी, एफएमएस ने ''ग्राहक परिधान खरीद पर अनुभवात्मक विपणन का प्रभावः अंतर्राष्ट्रीय जर्नल बिजनेस इनसाइट्स एंड ट्रांसफॉर्मेशन आईएसएसएन 0974–5874 खंड 13, अंक 2, अप्रैल–सितंबर 2020 में भारतीय संगठित परिधान खुदरा व्यापार के लिए एक अध्ययन'' शीर्षक से अगस्त 2020 में प्रकाशित किया।

• श्री तन्मय कांडेकर, सहायक प्रो., एफएमएस ने 5 और 6 दिसंबर, 2020 को ''महाराष्ट्र के टियर III शहरों में सोशल मीडिया मार्केटिंग का भविष्य'' पर केडीएम गर्ल्स कॉलेज, नागपुर द्वारा आयोजित अनुसंधान और प्रबंधन और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

• श्री तन्मय कांडेकर, सहायक प्रो., एफएमएस ने 27 से 29 नवंबर, 2020 को ''भारत में फैशन और जीवन शैली क्षेत्र के विकास'' पर श्री जगदीशप्रसाद टिबरेवाला विश्वविद्यालय, झुंझुनू द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अवसर और आभासी शिक्षा के रोमांचक रुझानों की चुनौतियों में पेपर प्रस्तुत किया।

• सुश्री भावना दुबे, सहायक प्रो., केडी ने अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एंड फैशन प्रौद्योगिकी 4 मई 2021, 11–1, पृष्ठ संख्या 41–54। में प्रकाशित 'भारतीय बाजार के लिए नवीन स्थिर रिजॉर्ट–वियर की डिजाइनिंग' नामक एक शोध पत्र का सह–लेखन किया।

• श्री नितिन अरुण कुलकर्णी, सहायक प्रो., एम. डैस ने डिजाइन 4 स्वास्थ्य एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स, 1–3 जुलाई 2020 पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में मानव–केंद्रित डिजाइन और व्यवहार विज्ञान का उपयोग करते हुए सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त कंगारू देखभाल शिशु वाहक, 'संगम' को डिजाइन करने के विषय पर एक शोध पत्र का सह–लेखन किया।

• डॉ आकांक्षा नौटियाल, सहायक प्रो., टीडी ने फैशन और टेक्सटाइल्स में अपशिष्ट से पुनरचक्रन में एक पुस्तक अध्याय 'फैशन और टेक्सटाइल्स में स्थिरता': एक सतत और परिपत्र आर्थिक दृष्टिकोण, पीपी 177–198, स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग, यूएसए, आईएसबीएनः 9781196204 95, 29 जून 2020 का सह–लेखन किया।

• प्रो. डॉ. पेट्रीसिया सुमोद, सहायक प्रो. सुश्री कुंडलता मिश्रा और सहायक प्रो. सुश्री श्वेता रंगनेकर की नॉन–पेपर सबमिशन शीर्षक, ''रुनोस्टिचसितंबर – टिकाऊ फैशन की ओर एक असली यात्रा को आई एफ एफ टी 2020 में प्रस्तुति के लिए चुना गया था।

• सुश्री कुंडलता मिश्रा, सहायक प्रोफेसर का पेपर ''डेनिम पर प्रोटेक्टिव फिनिश का इस्तेमाल और इसके मल्टीफंक्शनल परफॉर्मेंस का विश्लेषण'' एक स्प्रिंगर बुक – फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग 2020 में प्रकाशित हुआ था।

राष्ट्रीय

विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा 10 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और पत्रिकाओं में नीचे प्रकाशित किए गएः

• सुश्री लिपि चौधरी, सहायक प्रो, एफएमएस ने इनसपीरया – जर्नल ऑफ मॉडर्न मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (जे एम एम ई) वॉल्यूम 10, नंबर 03, जुलाई, 2020 में शोध पत्र, ''हथकरघा और हस्तशिल्प के संदर्भ में सतत उपभोग के प्रति भारतीय उपभोक्ता भावना का लाभ उठाना'' आईएसएसएनः 2231 – 167X (प्रिंट), कॉस्मॉस प्रभाव कारकः 5.647, जुलाई 31, 2020 में प्रकाशित किया है।

• सुश्री लिपि चौधरी, सहायक प्रो., एफएमएस ने इंस्पिरा–जर्नल ऑफ कॉमर्स, इकोनॉमिक्स एंड कंप्यूटर साइंस (जेसीईसीएस) 16 आईएसएसएनः 2395–7069, इम्पैक्ट फैक्टरः 5.660, वॉल्यूम 07 में शोध पत्र, ''हरित बिक्रीः सतत आर्थिक विकास का इंजन'' नंबर 01, मार्च 2021 में प्रकाशित किया है।

• श्री तन्मय कांडेकर, सहायक प्रो, एफएमएस ने 10 अक्टूबर, 2020 को ''अनुसंधान में नैतिक और पद्धति संबंधी मुद्दों'' पर श्री जगदीश प्रसाद टिबरेवाला विश्वविद्यालय, झुंझुनू द्वारा आयोजित अनुसंधान में नैतिक और पद्धति संबंधी मुद्दों पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. पल्लवी रानी, सहायक प्रो., एफ एंड एलए ने एनआईटी राउरकेला में द्वितीय अभिनव उत्पाद डिजाइन और बुद्धिमान निर्माण प्रक्रिया 2021 में एक पेपर प्रस्तुत किया।

• प्रो. डॉ. किसलय चौधरी, टीडी ने कलरेज में 'ग्लोबल डिजाइन . स्टाइल 2020/21: इंकजेट डिजिटली प्रिंटेड टेक्सटाइल्स' शीर्षक से एक पेपर – डिजिटल टेक्सटाइल जर्नल, मार्च संस्करण 2021 में प्रकाशित किया

• डॉ लतिका भट्ट, सहायक प्रो., टीडी ने स्प्रिंगर नेचर बुक के पहले लेखक के रूप में ''स्मार्ट अनुप्रयोगों के लिए माइक्रो और नैनो कंटेनर'' शीर्षक से ''कपड़े के अनुप्रयोगों के लिए सुगंध/महक/गंध के कैप्सूलीकरण के लिए कंटेनर'' नामक एक पुस्तक अध्याय प्रस्तुत किया, पुस्तक प्रकाशन प्रक्रिया में है।

• डॉ. रीना अग्रवाल, एसो. प्रो., टीडी ने हैंड मेड इन इंडियाः सोलापुर (महाराष्ट्र) के पारंपरिक वॉल हैंगिंग निर्माण शिल्प समूह का अवलोकन, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इंजीनियरिंग रिसर्च–आईजेएसईआर (आईएसएसएन

2229–5518), खंड 12, अंक 5 में, मई 2021 संस्करण का एक पेपर प्रकाशित किया ।

•डॉ. रश्मि ठाकुर, सहायक प्रो., बीएफटी ने संयुक्त रूप से टेपपीक पर सम्मेलन के लिए 4 मई से 5 मई 2021 तक पल्प एंड पेपर इंडस्ट्री (टेपपी), यूएसए के तकनीकी संघ द्वारा आयोजित ''मेडिकल कवरॉल में सीम प्रदर्शन का अनुकूलन'' विषय पर अपना सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. रश्मि ठाकुर, सहायक प्रो., बीएफटी ने भाग लिया और फरवरी 2021 में ''कुल उत्पादक रखरखाव'', पृष्ठ 355 –380, पुस्तक – परिधान निर्माण में लीन टूल्स, जन, पी और तिवारी, एम, एल्सेवियर द्वारा संपादित विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया।

• सुश्री कुंडलता मिश्रा का ''डेनिम – मूल्य संवर्धन के साथ एक वर्कवियर की विरासत को ले जाना'' शीर्षक वाला पेपर कलरेज, मई 2020 में प्रकाशित हुआ था।

संकाय अभिविन्यास, प्रशिक्षण और विकास

इस विश्वास को ध्यान में रखते हुए कि संकाय क्षमता निर्माण अच्छी तरह से सुसज्जित परिवर्तन निर्माताओं के एक कार्यबल के निर्माण के लिए सर्वोपरि है, जो ऐसे महत्वपूर्ण समय में छात्रों की निरंतर परिवर्तित होती जरूरतों को पूरा कर सकता है, निफ्ट मुंबई इस महामारी के दौरान प्रशिक्षण और विकास के लिए नियमित अवसर प्रदान कर रहा है। इन प्रशिक्षण प्लेटफार्मों ने न केवल संकाय सदस्यों को अपने मौजूदा ज्ञान को उन्नत करने में सक्षम बनाया, बल्कि उन्हें इनपुट के मानक को बनाए रखते हुए, सरलीकृत रिपोर्टिंग और कृत्रिम वास्तविक जीवन सेटिंग्स में अवधारणाओं के अनुप्रयोग को सुनिश्चित करते हुए छात्रों को उनके घरों में शिक्षित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश और नवीन तकनीकों के साथ प्रदान किया।

निफ्ट मुंबई के संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त किए गए कुछ महत्वपूर्ण प्रशिक्षण अवसर निम्नानुसार हैं:

क) टीओटीएस (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) (निफ्ट के भीतर) में भाग लिया

विशिष्ट क्षेत्र में आंतरिक संकाय की अंतर्निहित क्षमता को बढ़ाने के लिए निफ्ट के भीतर टीओटीएस का आयोजन किया जाता है। शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के दौरान, 42 निफ्ट मुंबई संकाय ने टीओटीएस अर्थात् स्वयं और समाज, रचनात्मक सोच कौशल, ई–कॉमर्स और सोशल मीडिया मार्केटिंग, अधोवस्त्र का अवलोकन, माइक्रोसॉफ्ट टीम, डिजाइन और चित्रण, प्रदर्शन वस्त्र, आदि में भाग लिया है।

ख) आयोजित टीओटीएस (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) प्रो डॉ. किसलय चौधरी ने एक टीओटी आयोजित किया

डॉ. रश्मि ठाकुर, सहायक प्रो. ने 1 से 6 जून, 2020 तक डिजिटल प्रिंट संपादन तकनीक और दृश्य अनुसंधान प्रशिक्षण आयोजित किया।

• 10 से 14 अगस्त, 2020 तक ''स्मार्ट टेक्सटाइल और वियरेबल'' पर एमएफटी संकाय के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए और उसी में 4 सत्र दिए।

• डॉ. रश्मि ठाकुर, सहायक प्रो. ने ''प्रदर्शन वस्त्र'' पर एफडी संकाय के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक सत्र दिया, जिसका संचालन 13 जुलाई 2020 को प्रो. मोनिका गुप्ता द्वारा किया गया।

• डॉ रश्मि ठाकुर, सहायक फैशन प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित ''फ्यूचर ऑफ फैशनः अल, आईओटी, एआर, वीआर, रोबोटिक्स, सेंसर और बिग डेटा एनालिटिक्स'' पर एआईसीटीई प्रायोजित दो सप्ताह के एफडीपी में ''स्मार्ट गारमेंट्सः मेडिकल और वेलनेस'' पर प्रो. वितरित विशेषज्ञ सत्र, सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सलेम द्वारा 16/11/2020 से 28/11/2020 तक आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/प्रदर्शनियों/व्यापार मेलों/सम्मेलनों में संकाय की भागीदारी

इस विश्वास को ध्यान में रखते हुए कि संकाय क्षमता निर्माण अच्छी तरह से सुसज्जित परिवर्तन निर्माताओं के एक कार्यबल के निर्माण के लिए सर्वोपरि है, जो ऐसे महत्वपूर्ण समय में छात्रों की गतिशील शिक्षण की जरूरतों को पूरा कर सकता है, निफ्ट मुंबई इस दौरान प्रशिक्षण और विकास के लिए नियमित अवसर प्रदान कर रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के दौरान विभागों के निफ्ट मुंबई के संकाय सदस्यों ने 86 से अधिक वेबिनार, प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में भाग लिया।

पूर्व छात्र, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा वेबिनार और कार्यशालाएं

कोविड –19 महामारी और इसकी अनिश्चितताएं सीखने और प्रशिक्षण के प्रतिमान को बदल रही हैं। चूंकि अकादमिक वितरण का सामान्य तरीका बाधित हो गया है, वेब – आधारित सेमिनार या वेबिनार ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए आवश्यक एक प्रमुख उपकरण बन गए हैं। निफ्ट मुंबई ने अपने छात्रों और शिक्षकों के लिए एक सहयोगी, संवादात्मक, चर्चा आधारित सीखने के माहौल में उद्योग में नवीनतम विकास और रणनीतियों के बारे में जानकारी के प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए विविध क्षेत्रों में वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया। वेबिनार ने उन्हें अपने प्रासंगिक क्षेत्रों के अप–टू–डेट ज्ञान के साथ प्रतिस्पर्धी बने रहने में सक्षम बनाया और सामाजिक दूरी की चुनौतियों को दूर करने की कोशिश करके उनकी प्रेरणा को ऊंचा रखा।

शैक्षणिक विभागों द्वारा परिसर में कुल 10 वेबिनार आयोजित किए गएः

• लग्जरी रिवाइवल कोविड 19 के बाद – 17 मई, 2020 को न्यू नॉर्मल को परिभाषित करना।

• 22 मई, 2020 को खुदरा कारोबार पर कोविड–19 महामारी का प्रभाव।

• सामंजस्य और स्थिरता – बॉलीवुड में 11 जून, 2020 को फैशन और स्टाइलिंग के नए मंत्र।

• होम फैशन स्टाइलिंगन में उभरते रुझान 12 जून 2020।
• कोविड–19 महामारी के दौरान 17 जून, 2020 को 3डी प्रिंटिंग का अनुप्रयोग।

• 20 जून, 2020 को कोविड लुकिंग ग्लास के माध्यम से।
• परिधान निर्यात उद्योग 26 जून, 2020 को नए सामान्य को परिभाषित कर रहा है।

• साझा करने से लेकर दूरी बनाने तक – 3 जुलाई, 2020 को महामारी के दूसरी ओर कार्यक्षेत्रों में रुझान।

• 18 जुलाई, 2020 को हैंडमेड इन इंडिया लीडर्स ऑफ चेंज।

• 1 अगस्त, 2020 को भारत के अपने तरह के अनूठे: एंटी–वायरल और एंटी–बैक्टीरियल फैब्रिक्स के विकास की कहानी को उजागर करना।

सैद्धांतिक शिक्षा के पूरक के लिए और महामारी द्वारा बनाए गए घर से काम करने के कारण उद्योग के विशेषज्ञों की बढ़ी हुई पहुंच के अवसर का लाभ उठाने के लिए, निफ्ट मुंबई ने योगदान देने वाले छात्रों के साथ बातचीत के लिए विभिन्न विषयों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों, लगभग 163 उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को आमंत्रित किया। उद्योग उन्मुख व्यावहारिक आदानों में लगभग 14: की वृद्धि । कुछ उल्लेखनीय नीचे दिए गए हैं:

• शिल्प उद्यमिता और शिल्प अनुसंधान के लिए सुश्री जया जेटली, संस्थापक दस्तकार।
• सुश्री शिबानी जैन, संस्थापक बाया डिजाइन और सुश्री राधी पारेख, संस्थापक कारीगर, सतत प्रणाली और शिल्प अध्ययन के लिए।
• व्यक्तिगत ब्रांडिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग के लिए श्री प्रवीण ठाकुर, संस्थापक फ्रेमिटो और सह–संस्थापक डब्ल्यूएलएम–डिजिटल लाइफस्टाइल ऐप।
• श्री हरि नल्लन, सीईओ थिंक डिजाइन, यूएक्स/यूआई अनुसंधान पद्धतियों के लिए।
• श्री आशीष सोलंकी, सीईओ और श्री हरि हर सुब्रमण्यम, यूएक्स डिजाइनर, यूएक्सध्यूआई सिद्धांतों और प्रथाओं के लिए नेट ब्रह्मा स्टूडियो।
• श्री शिव विश्वनाथन, ब्रांड और अनुभव के लिए ओगिल्वी में ब्रांड और यूएक्स कोच।
• श्री मृदुल दास, सीटीसी प्रबंधक, एडिडास इंडिया मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड स्पोर्ट्सवियर पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए।
• सुश्री ऋचा गुप्ता, क्रिएटिव डायरेक्टर, अरविंद लिमिटेड और श्री सुनील कुमार, डिजाइनर मैनेजर, फ्यूचर रिटेल लिमिटेड, इंटिमेट अपैरल के लिए परफॉर्मेंस फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक्सटाइल्स, एथलीजर और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए
• श्री युसूफ दोहदवाला, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, इंटिमेट अपैरल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, इंटिमेट अपैरल के लिए।
• पांचवीं सेमेस्टर के छात्रों के लिए 19, 21 और 24 अक्टूबर, 2020 को श्री सलीम आरिफ द्वारा प्रदर्शनी और सेट डिजाइन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।
• चतुर्थ सेमेस्टर के लिए 15 और 18 मार्च, 2021 को श्री निखिल पुरोहित द्वारा कहानी सुनाने और नैरेटिव्स (डीएस) पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।
• VI सेमेस्टर के लिए 24 मार्च, 2021 को सुश्री सत्य सरन द्वारा फैशन स्टाइलिंग पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।
• श्री देवेंद्र जमसांडेकर, महाप्रबंधक, वेलस्पन ग्लोबल ब्रांड्स लिमिटेड और एनआईडी के पूर्व छात्र ''यूएसए बेडिंग के लिए प्रिंट डिजाइन'' पर एक विशेषज्ञ सत्र के लिए
• श्री अमित मोरे, परियोजना प्रबंधक, वेलस्पन यूएसए ''प्रिंट डिजाइन और सीएडी'' पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित करेंगे।
• सुश्री प्रीतिका टुटेजा: 26 अक्टूबर 2020 को ''ऑनलाइन पोर्टफोलियो प्रस्तुति'' विषय पर एक विशेषज्ञ सत्र के लिए डेलोइट कंसल्टिंग में सहायक रचनात्मक निदेशक।
• बेसिक वेव डिजाइन, डिजाइन फंडामेंटल्स, ईओडी/पीओडी और कलर साइकोलॉजी के लिए इटली की सुश्री संगीता एस.आर द्वारा विशेषज्ञ अतिथि व्याख्यान।
• ''कपड़ा उद्योग में शून्य अपशिष्ट की अवधारणा'' पर आई आर ओ आई आर ओ जीरो वेस्ट ब्रांड, जयपुर की संस्थापक और मालिक सुश्री भाव्या गोयनका।
• श्री राहुल गुप्ता, प्रबंध निदेशक, एआई पर बौद्धिक प्रौद्योगिकी और वस्त्रों में इसके अनुप्रयोग
• सुश्री अनुराधा माहेश्वरी, अधिवक्ता और आईपीआर के लिए कानूनी सलाहकार और वस्त्रों में इसका महत्व
• सुश्री केलजांग वांगमो, मास्टर शिल्पकार और 11 सितंबर 2020 को भूटानी वस्त्रों पर केलजांग हस्तशिल्प की मालिक
• ''अपैरल मर्चेंडाइजिंग'' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए श्री पंकज धमीजा, सीईओ, एमआर ग्लोबल रिसोर्सेज लिमिटेड
• ''ई–कॉमर्स में एआई के अनुप्रयोग'' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए कल्पना में इंजीनियरिंग के निदेशक श्री अभिषेक इम्हाद्री।
• ''डेटा प्रबंधन तकनीक'' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए वेबटेक कंप्यूटर शिक्षा केंद्र की मालिक सुश्री महिमा श्रीवास्तव।
• परिधान उत्पादन तकनीकों पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए श्री किशन डागा, ट्रिबर्ग स्पोर्ट्सवियर में बिजनेस लीडर।
• डॉ. सतीश बेलानी, प्रमुख, मापन विज्ञान, MRSS India-com पर ''डेटा एनालिटिक्स एंड R (DS–2)'' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए।
• ''परिधान गुणवत्ता प्रबंधन'' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए श्री अनुराग सेक्सारिया, प्रधान परामर्शदाता और प्रमुख – लीन सिक्स सिग्मा।

उद्योग लिंकेज (वर्चुअल विजिट, लाइव प्रोजेक्ट, छात्र इंटर्नशिप और कैंपस प्लेसमेंट)

महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, विभिन्न प्रमुख कॉरपोरेट घरानों, स्टार्ट–अप्स, गैर–सरकारी संगठनों जैसे ओमनीचैनल रिटेल, मैन्युफैक्चरिंग, में 8 शैक्षणिक विभागों के लगभग 300 छात्रों के लिए या तो वर्चुअल या संयोजन मोड में इंटर्नशिप की व्यवस्था टाटा क्लिक, चौनल इंडिया प्रा. लिमिटेड एबीएफआरएल, फ्यूचर ग्रुप, रिलायंस ब्रांड्स, पैंटालून, नायका, बेस्टसेलर, टाटा ट्रेंट,

सुदिति इंडस्ट्रीज, बांसवाड़ा गारमेंट्स, प्रॉजेक्ट इंडिगो, रेडनिक एक्सपोर्ट्स, इमेजिनेरियम इंडिया प्रा लिमिटेड, नवीनता फर्निशिंग, कोटक ओवरसीज प्रा लिमिटेड, शॉपर्स स्टॉप, मार्क्स एंड स्पेंसर, पेपे जीन्स, इंटिसेड, एयरटेल, फोनपे, थिंक डिजाइन, अशोक लीलैंड, कैलिफोर्निया ड्रीम वर्क्स, रिनॉक्स गियर्स, अवनी, ओखाई, ट्यूरियन लैब्स, द क्रिएटिव ट्रंक, टीएओएस–द आर्ट आउटरीच सोसाइटी, टेक्सपोर्ट सिंडिकेट, डेमिलानो, एक्वेरेल, ओरिएंट फैशन आदि में की गई थी।

सैद्धांतिक शिक्षा को आगे बढ़ाने और कोविड 19 से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण शारीरिक संपर्क की कमी की भरपाई करने के लिए, छात्रों के लिए आभासी यात्राओं की भी व्यवस्था की गई, जैसे कि वाई–कपड़े, केडी छात्रों के लिए तिरुपुर, डेनिम फैक्ट्री और एफडी छात्रों के लिए प्रदर्शन वस्त्र निर्माण आदि।

प्लेसमेंट के संबंध में धूमिल बाजार परिदृश्य के बावजूद, निफ्ट मुंबई के एम.डेस छात्र को दिए जाने वाले उच्चतम घरेलू पैकेज में 120% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिसे प्रति वर्ष 20 लाख के पैकेज की पेशकश की गई थी। मुंबई में आरआईसी यूनिट और फैकल्टी टीम पीपीओ, ऑफ–कैंपस या ऑनलाइन परिसर प्लेसमेंट प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने स्नातकों को समान रोजगार के अवसर प्रदान करने में कामयाब रही। यूनिट ने 714 नई कंपनियों और आईटी, फिनटेक, पेमेंट गेटवे, जॉब पोर्टल्स, हेल्थकेयर जैसे विविध क्षेत्रों से 236 स्टार्ट–अप से संपर्क किया, जिन्होंने प्लेसमेंट में भाग लिया। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 13 और 14 जुलाई, 2021 को और निफ्ट मुंबई में 15 से 17 जुलाई, 2021 तक स्नातक छात्रों के लिए ऑनलाइन परिसर स्थानन आयोजित किया गया था। स्नातक छात्रों के लिए औसत पैकेज 4.5 लाख प्रति वर्ष और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए घरेलू प्लेसमेंट के लिए 5.5 लाख प्रति वर्ष था।

संसाधन केंद्र द्वारा पहल

महामारी के दौरान छात्रों और शिक्षकों को सीखने और पढ़ाने के संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने के लिए, परिसर में संसाधन केंद्र ने डिजिटल प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया टूल का उपयोग करके एक आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया। आसान पहुंच के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को होम पेज से जोड़ा गया था, ई – लर्निंग अनुरोधों के अनुरोध के लिए अनुभाग जोड़ा गया था ताकि उपयोगकर्ताओं को उनके अध्ययन और शोध उद्देश्यों के लिए पूर्ण पाठ के लिए अपनी आवश्यकताओं को भेजने की सुविधा मिल सके। सामग्री संग्रह को वर्णनात्मक जानकारी के साथ डिजिटाइज किया गया है और छात्रों को आभासी शिक्षण के माहौल में भी शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत भंडारघर पर अपलोड किया गया है।

हिन्दी को बढ़ावा देने की पहल

4 सितंबर, 2020 को ''हिंदी दिवस'' मनाया गया। 14 से 30 सितंबर, 2020 तक परिसर में हिंदी पखवाड़ा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। आधिकारिक उद्देश्यों के लिए हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। जनवरी–मई 2021 की अवधि में, निफ्ट मुंबई के कुल 11 कर्मचारियों ने हिंदी शिक्षण योजना के तहत ऑनलाइन मोड में प्रारंगत कक्षाओं के लिए नामांकन किया है। नवी मुंबई टॉलिक के तत्वावधान में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें निफ्ट मुंबई के कर्मचारियों ने सुश्री गरिमा सिंघवाल– वरिष्ठ सहायक और सुश्री बिनीता झा– लघु कहानी लेखन और नोटिंग के लिए सहायक वार्डन, श्री सचिन कुमार – कविता पाठ के लिए कनिष्ठ सहायक, श्री अविनाश देवलेकर – नोटिंग के लिए अनुसंधान सहायक, श्री सचिन नाइक – लेख लेखन के लिए सहायक निदेशक ने भाग लिया। वर्ष 2020–2021 के लिए निफ्ट, मुंबई ने हिंदी में प्रारंभिक पत्राचार के अपने वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त किया, जिसके लिए सकल प्रतिशत निम्नानुसार है:
''क'' क्षेत्र – 95%, ''ख'' क्षेत्र – 96%, ''ग'' क्षेत्र – 100% और हिंदी में फाइलों पर नोटिंग – 69%।

आयोजन का उत्सव

• वैश्विक स्तर पर मौजूदा महामारी की स्थिति में योग जागरूकता को बढ़ावा देने के प्रमुख लक्ष्य के साथ, 21 जून 2020 को डिजिटल मीडिया का उपयोग करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

• राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2020 के अवसर पर, निफ्ट मुंबई ने 07 अगस्त, 2020 को छात्रों और कर्मचारियों के बीच देश के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए हथकरघा उद्योग पर बेस्ट हैंडलूम वियर और डिजिटल पोस्टर मेकिंग जैसी गतिविधियों का आयोजन किया।

• निफ्ट मुंबई में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से छात्रों और कर्मचारियों के बीच सफलतापूर्वक मनाया गया।

• निफ्ट मुंबई ने 14 से 30 सितंबर 2020 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया। कर्मचारियों और छात्रों के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

• गांधी जयंती के अवसर पर, महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरित 'उत्तुंगा' ई–पुस्तक का विमोचन माननीय महिला एवं बाल विकास एवं कपड़ा मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया। 2 अक्टूबर 2020 को भारत का जिसे एफ सी V छात्रों द्वारा संपादित, निर्मित और डिजाइन किया गया था।
• निफ्ट मुंबई ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। 28 अक्टूबर 2019 को सीवीसीधनिफ्ट, मुख्यालय की वेबसाइट पर जाकर ई–प्रतिज्ञा का संचालन किया गया।

• भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में संविधान दिवस और संविधान के संस्थापक पिताओं के योगदान को

सम्मानित करने और स्वीकार करने के लिए, संविधान की प्रस्तावना का वाचन वस्तुतः 26 नवंबर 2020 को किया गया था। सुश्री जानकी, अधिवक्ता ऑनलाइन मौलिक कर्तव्यों पर सत्र आयोजित की गई। ''वर्तमान परिदृश्य में भारत के संविधान की प्रासंगिकता'' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

• निफ्ट मुंबई में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2021 को सरकार द्वारा जारी किए गए कोविड –19 के सभी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए मनाया गया। जैसे सामाजिक दूरी बनाए रखना, मास्क पहनना, उचित स्वच्छता, बड़ी सभाओं से बचना, कमजोर व्यक्तियों की रक्षा करना आदि।

• 08 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। सभी महिला संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को एक लघु फिल्म – जूस दिखाया गया।

नई दिल्ली

परिसर के महत्वपूर्ण स्थल और उपलब्धिया

निफ्ट दिल्ली दूसरे स्थान पर है। सी ई ओ वर्ल्ड पत्रिका द्वारा प्रकाशित 2021 के लिए फैशन संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में 9वां स्थान। यह टॉप–10 में शामिल केवल दो एशियाई संस्थानों में से एक है।

निफ्ट दिल्ली को भारत में सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों के लिए वीक–हंसा सर्वेक्षण में भारत में नंबर 1 फैशन संस्थान –2020 में 833 के समग्र स्कोर के साथ स्थान दिया गया था, जो उच्चतम रैंक वाले इंजीनियरिंग कॉलेज, आईआईटी दिल्ली (792) और भारत में साइंस कॉलेज सेंट स्टीफंस (616) के समग्र स्कोर से अधिक था और सर्वश्रेष्ठ था।

आउटलुक आईकेयर सर्वे 2020 और इंडियन टुडे सर्वे 2020 में निफ्ट दिल्ली को नंबर 1 फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के रूप में भी स्थान दिया गया था।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

दिल्ली परिसर ने 10 कक्षाओं, 11 प्रयोगशालाओं, 02 सभागारों और 03 प्रदर्शनी स्थलों का एक अतिरिक्त शैक्षणिक स्थान बनाया है। दिल्ली परिसर में 0.4 एकड़ भूमि में कक्षा और प्रयोगशाला के निर्माण की योजना बनाई गई है जो जल्द ही शुरू होने की संभावना है। दिल्ली परिसर ने अपनी प्रयोगशालाओं के लिए 3डी प्रिंटर, मेटल मेल्टिंग मशीन, सीएनसी एनग्रेवर, ज्वैलरी पॉलिशिंग मशीन, बैंड आरा मशीन और लेजर कटिंग मशीन के लिए 'अत्याधुनिक' मशीनों की खरीद की है। दिल्ली परिसर में वर्ष जल संचय का काम पूरा हो गया है. पानी के इष्टतम उपयोग के लिए 5000 लीटर प्रति घंटे की क्षमता का औद्योगिक आरओ प्लांट स्थापित किया गया है।

अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट दिल्ली परिसर ने 2020–21 में नौ अल्पकालिक कार्यक्रमों की पेशकश की, जिसमें एक साल की अवधि के आठ कार्यक्रम और छह महीने का एक कार्यक्रम भी शामिल था। सीई कार्यक्रम में 2020–21 में कुल 172 छात्रों को नामांकित किया गया था।

प्रमुख परियोजना

निफ्ट दिल्ली ने विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के लिए विभिन्न परियोजनाएं पूरी की हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

• मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के लिए वर्दी फैब्रिक और गारमेंट विशिष्टता के लिए परामर्श।

• भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के कर्मचारियों की कई श्रेणियों के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन को कुल रु. 20 लाख की लागत से सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

• मोहल्ला रक्षक के लिए एक समान डिजाइन – दिल्ली सरकार।

• जम्मू–कश्मीर के लिए कश्मीरी फेरन की डिजाइनिंग, जिसकी कुल परियोजना लागत रु. 14 लाख।

• 10 लाख रुपये की परियोजना लागत वाली राजधानी और अन्य ट्रेनों के एसी कोचों के लिए बेड रोल और पर्दे का डिजाइन।

• निफ्ट दिल्ली भारतीय खाद्य निगम के लिए '50 किलो

जूट बैग के डिजाइन' पर एक परियोजना पर काम कर रहा है।

• भारतीय वायु सेना की महिला अधिकारियों के लिए वर्दी डिजाइन।

• कर्मचारियों के लिए यूनीफोर्म परियोजना – पीडब्ल्यूडी।

• डीडीए कर्मचारियों के ग्रुप सी एंड डी के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन पर परियोजना ।

• एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के लिए वर्दी का डिजाइन और विकास।

• राज्य सभा के मार्शलों, प्रधान मंत्री कार्यालय, नई दिल्ली के कार्यालय सहायकों और राष्ट्रपति भवन, भारत के कार्यालय कर्मचारियों के लिए वर्दी तैयार की।

•एनआईएफटी दिल्ली परिसर विजन नेक्सट, भारत–आकार, निफ्ट फैशन डिजाइन इनक्यूबेटर, खादी उत्कृष्टता केंद्र और डिजिटल डिजाइन रिपोजिटरी जैसी परियोजनाओं के लिए निफ्ट मुख्यालय के सहयोग से काम कर रहा है।

• प्रो. डॉ. सुधा ढींगरा को 1 अप्रैल 2021 को निदेशक – खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप मे नियुक्त किया गया है। केवीआईसी को समर्थन देने के लिए एमएसएमई मंत्रालय द्वारा परियोजना को मंजूरी दी गई है।

• डॉ. नूपुर आनंद इंडियासाइज परियोजना में प्रधान अन्वेषक हैं – राष्ट्रीय आकार सर्वेक्षण जो वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से है और भारतीय आबादी के इन शारीरिक मापों के आधार पर रेडी टू वियर उद्योग के लिए एक व्यापक आकार चार्ट विकसित करने के लिए एक वैज्ञानिक अनुसंधान अध्ययन है।

• डॉ. सेंथिल कुमार, कोयंबटूर में स्थापित किए जाने के लिए प्रस्तावित कपड़ा में उन्नत अनुसंधान केंद्र (कार्टेक्स) के समन्वयक हैं।

• प्रो. डॉ. अनुपम जैन और डॉ. डिंपल बहल ने बुनकर सेवा केंद्रों (डब्ल्यूएससी) (जिसके लिए चरण –। पूरा हो गया है और चरण– ॥ शुरू किया गया है) में डिजाइन संसाधन केंद्रों (डीआरसी) को साकार करने में अपनी रचनात्मक प्रतिभा को लगाया।

• प्रो. डॉ. अनुपम जैन ने अहमदाबाद में साइंस सिटी में प्रस्तावित राष्ट्रीय वस्त्र संग्रहालय के लिए डिजाइन विचार और बजट विवरण के पहले मसौदे की शुरुआत और अवधारणा की।

• सीनियर प्रो. डॉ. बनही झा और सुश्री अनुत्तमा चक्रवर्ती ने 2020 में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के लिए एक प्रौद्योगिकी–एम्बेडेड 'स्मार्ट' जैकेट डिजाइन किया।

• सीनियर प्रो. डॉ. बनही झा और सुश्री अनुत्तमा चक्रवर्ती ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के लिए वर्दी के प्रोटोटाइप डिजाइन और विकसित किए।

• सीनियर प्रो. डॉ. बनही झा हस्तशिल्प के लिए एक कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) और कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए 'बरेली स्मार्ट सिटी' परियोजना से जुड़े हैं।

• सुश्री श्रेष्ठा, चल रहे विजन नेक्स्ट परियोजना (फैकल्टी फैसिलिटेटर) ट्रेंड बाइट टीम, एमएसडी और ऐम्पय ई वर्दी डिजाइन परियोजना, संकाय सहयोगीक्र एमईआई टीवाई परियोजना प्रतिभा में कार्यरत है।

• प्रो. डॉ. रूबी कश्यप सूद ने प्रिंट डिजाइन परियोजना में शुरू की जाने वाली कक्षा परियोजनाओं, – घर, प्रिंट डिजाइन परियोजना – परिधान और बुनाई डिजाइन परियोजना – परिसरों में परिधान के लिए बिरला सेल्यूलोज, आदित्य बिड़ला समूह के साथ करार किया।

• डॉ. अनु शर्मा ने प्रो. डॉ. शर्मिला दुआ के नेतृत्व में एक टीम में सीपीआईटी के रूप में परियोजना समन्वयक के रूप में 'बुनकरों में डिजाइन संसाधन केंद्र की स्थापना' सेवा केंद्रों, पैन इंडिया में काम किया, जिसने परियोजना के अपने पहले चरण को फरवरी 2021 में पूरा किया।

• डॉ. अनु शर्मा ने सुश्री सुरभि आहूजा के साथ, प्रो. डॉ. अनुपम जैन के मार्गदर्शन में 11 दिसंबर 2020 को माननीय मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी को राष्ट्रीय वस्त्र संग्रहालय परियोजना के लिए अवधारणा और विचार प्रस्तुति प्रस्तुत की।

• सुश्री आशिमा तिवारी और श्री आशुतोष कुमार शाही क्रमशः महेश्वर बुनकरों और वाराणसी के बुनकरों के साथ उस्ताद परियोजना पर काम कर रहे हैं।

• श्री ई. शिवशक्तिः 'पंजाबी देसी जूती' शिल्प के लिए परिसर परियोजना समन्वयक (सीपीसी) के रूप में प्रदर्शन किया गया और 'विकास के लिए पारंपरिक कलाधशिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन (उस्ताद)' परियोजना के तहत परियोजना की वेबसाइट के लिए इनपुट प्रदान किया और एक साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से डेटा और प्रतिक्रिया प्रदान किया।

• सुश्री डॉली कुमार भारतीय खाद्य निगम के लिए 50 किलो जूट बैग के डिजाइन के लिए परियोजना समन्वयक हैं।

• डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के कर्मचारियों के लिए वर्दी के डिजाइन के लिए सुश्री तुलिका महंती, पीआईटी मे कार्यरत है।

• डॉ. शर्मिला दुआ और सुश्री सुरभि आहूजा – निफ्ट द्वारा 28 बुनकर सेवा केंद्रों में डिजाइन संसाधन केंद्र स्थापित करने की एक परियोजना शुरू की गई थी।

परियोजना को 3 चरणों में पूरा किया जाएगा। परियोजना के पहले चरण में, वस्त्र मंत्रालय द्वारा निर्धारित किए गए 8 डब्ल्यूएससी में डिजाइन संसाधन केंद्र की स्थापना की गई थी। परियोजना के दूसरे चरण को डब्ल्यूएससी के अन्य 10 केंद्रों के साथ क्रियान्वित किया जाएगा।

• श्री सी.एस. जोशी उस्ताद परियोजना के लिए केंद्र परियोजना समन्वयक हैं, – क्लस्टर – लखनऊ चिकनकारी – अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और निफ्ट द्वारा पच्चीस विभिन्न समूहों में कार्यान्वित की जा रही है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

बैच 2016–2020 के पूर्व छात्र श्री प्रियंकुर सेनगुप्ता ने मिलियन मास्क चुनौती नामक एक पहल की शुरुआत की, जहां फैशन बिरादरी के सहयोग से 3,50,000 मास्क का उत्पादन किया गया और वंचित लोगों और कुछ अग्रणी योद्धाओं को वितरित किया गया। उन्होंने निफ्ट दिल्ली की संकाय सदस्य, सुश्री स्मिता सोम के साथ उनकी कला कृतियों की ऑनलाइन नीलामी करके धन जुटायाः ''आर्ट फॉर फूड'' और इसका 100: (1.17 लाख रुपये) बंगाल के अम्फान प्रभावित क्षेत्रों को दान दिए गए।

सुश्री मेहर वदेहरा, एमडी बैच 19–21 ने डार एनिमल्स, एनजीओ के लिए वेलेंटाइन डे 2020 पर स्वयंसेवक कलाकार के रूप में 16 स्केच/500/स्केच के माध्यम से 8,000 रुपये जुटाए। उन्होंने वरिष्ठ सामग्री लेखक और संपादक – निफ्ट टीम– परियोजना इको के रूप में भी योगदान दिया। उन्हें ''रिबर्थ'' – लंदन में होली आर्ट गैलरी (जनवरी 2021) पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए प्रदर्शनी कलाकार के रूप में चुना गया था।

डीएफटी विभाग के श्री रोहन बहल अप्रैल 2021 में हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के तहत बीटेक (टेक्सटाइल इंजीनियरिंग) में दूसरा विश्वविद्यालय टॉपर होने के लिए हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा रजत पदक से सम्मानित किया गया था।

सुश्री मृणालिनी देसाई, जो वर्तमान में टीडी सेमेस्टर IV की छात्रा हैं, ने 2020 में ''सिम्बायोसिस दिल्ली पोस्टर–मेकिंग प्रतियोगिता'' में प्रथम पुरस्कार जीता।

सुश्री तन्वी जैन, जो वर्तमान में टीडी सेमेस्टर IV की छात्रा हैं, 2020 में ''सामाजिक क्लब, निफ्ट नई दिल्ली के सहयोग से पक्षांतर'' की कला श्रेणी में विजेता थीं।

सुश्री मारिबेल जॉर्ज, जो वर्तमान में टीडी सेमेस्टर VI की छात्रा हैं, ने 2020 में फैबइंडिया 'फैब डिजाइन' प्रतियोगिता जीती।

सुश्री मानवी तेजपाल ने सत्र जुलाई–दिसंबर 2020 में सेमेस्टर VII में एडवांस वेवन डिजाइन विषय के तहत अरविंद मिल्स लिमिटेड द्वारा कक्षा परियोजना में सर्वश्रेष्ठ डिजाइन संग्रह भी जीता।

सुश्री अमारा सुबुल, वर्तमान में टीडी सेमेस्टर VIII की छात्रा हैं, फरवरी 2021 में संपन्न हैंड फॉर हैंडमेड प्रतियोगिता के विजेताओं में से एक थीं।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

वर्ष 2020–21 में 325 छात्रों ने अपनी स्नातक परियोजनाएं शुरू कीं जो महामारी की स्थिति के कारण ऑनलाइन आयोजित की गई थीं।

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

महामारी के कारण विवश होने के बावजूद, शिल्प समूह गतिविधियों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से पूरा किया गया। सभी शैक्षणिक विभागों ने वर्ष 2020–21 में डीसी हथकरघा और हस्तशिल्प, नई दिल्ली के प्रायोजन के तहत डिजाइन, विपणन और ब्रांडिंग हस्तक्षेप के लिए हथकरघा और हस्तशिल्प समूहों में विभिन्न गतिविधियाँ की थीं। छात्रों को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड के शिल्प से परिचित कराया गया।

पीएचडी पूर्ण कर रहे हैं या कर चुके हैं

15 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और 34 संकाय सदस्यों ने पीएचडी पूरी कर ली है।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

• श्री अमनदीप सिंह ग्रोवर (प्रो.) ने 'वैश्विक फैशन क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद' नामक पुस्तक में एक अध्याय का योगदान दिया, जो रूटलेज–टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप (लंदन और न्यूयॉर्क) द्वारा हाल ही में प्रकाशित किया गया था।

• डॉ. अनन्या मित्र प्रमाणिक (सहायक प्रो.) सह–लेखक ए. अग्रवाल ने 'पुनर्निर्मित धागों के पहलू', अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ होम साइंस' (पीपी. 40–44), आईएसएसएनः 2395– 7476'

शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. अनन्या मित्र प्रमाणिक (सहायक प्रो.) सह–लेखक ए. अग्रवाल ने जर्नल सीपीजे ग्लोबल रिव्यू वॉल्यूम में 'सतत व्यवसाय विकासः एक लाभदायक उद्यम' शीर्षक से एक पेपर बारहवीं नंबर 1 (प्रबंधन, आईटी और वाणिज्य जर्नल) (पीपी 22–25) आईएसएसएन नं. 0975–1874' जनवरी 2020 में प्रकाशित किया।

• डॉ. अनु शर्मा (सहायक प्रो.) सह–लेखक शर्मा, ए., सूरी, एम. और भगत, एस. ने नापासरः सतत आजीविका के लिए एक दृष्टिकोण', सामाजिक उद्यमिता और सतत विकास, सोशल एंटरप्रेन्योरशिप एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस, लंदन और न्यूयॉर्क, पृष्ठ115–129 (आईएसबीएन:978–0–367–67433–5) नामक पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित किया।

• डॉ. अर्चना गांधी (प्रो.) ने ''परिधान कारखाने, नया सामान्य'' शीर्षक से प्रकाशित पेपर SSRN : https://ssrn-com/abstract=3804762 या http://dÛ-doi-org/10-2139/ssrn-3804762 पर उपलब्ध कराया । लेख को यूरोप पीएमसी (एक खुला विज्ञान मंच) द्वारा सूचीबद्ध करने के लिए चुना गया था।

• डॉ. अशोक प्रसाद (सहायक प्रो.) ने मई 2020 में श्री गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में 'कोरोना महामारी के बीच बुने हुए कपड़ा उद्योग से वैश्विक उद्यमिता पर प्रभाव' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ अशोक प्रसाद (सहायक प्रो.) ने एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नोएडा द्वारा आयोजित फैशन परिधान और वस्त्र (एनसीएफएटी'20) पर ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वेट बुनाई – तकनीकी वस्त्रों के लिए एक नवाचार' शीर्षक से एक पेपर अक्टूबर 2020, आईएसबीएन के साथ कार्यवाही में प्रकाशितः978–81–949292–5–3 प्रकाशित किया।

• डॉ. बनही झा (सीनियर प्रो.) ने कॉन्डे नास्ट के सहयोग से 'सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स 2020' की फैशन डिजाइन शब्दावली में योगदान दिया।

• डॉ. बनही झा (वरिष्ठ प्रो.) का लेख 'काला कपासः लचीलापन' का प्रतीक 2020' में फाइबर टओ फैशन (प्रिंट और ऑनलाइन) में प्रकाशित हुआ था।

• डॉ. बनही झा (वरिष्ठ प्रो.) ने 2021 में ब्लूम्सबरी इनसाइक्लोपीडिया ऑफ वर्ल्ड टेक्सटाइल्स में 'खादी डेनिम' पर एक लेख का योगदान दिया।

• डॉ. डिंपल बहल (सहायक प्रो.) ने सुश्री जया जेटली की सह–लेखक, 'भारत के ग्राफिक डिजाइन के लिए प्रेरणा' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• मिस्टर ई. शिवशक्ति (सहायक प्रो.) ने 'रिसेंट ट्रेंड्स इन ट्रेडिशनल एंड टेक्निकल टेक्सटाइल्स' नामक पुस्तक में 'आकार देने के लिए विशिष्ट संदर्भ के साथ, भारतीय पुरुषों के कार्यस्थल के जूते के डिजाइन और विकास के लिए एक साधुवादी दृष्टिकोण' (कॉन्फ्रेंस कार्यवाही) स्प्रिंगर द्वारा सितंबर 2020 में आईएसबीएन नंबर 978 98115 9995 8 के साथ प्रकाशित किया गया।

• सुश्री जैस्मीन एस. दीक्षित (सहायक प्रो.) सह–लेखक, जेएस, अलावी, एस. और आहूजा, वी. ने अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एडवांस इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 3(6), 237–248 में उपभोक्ता ब्रांड संबंध का अध्ययन और हरे परिधान ब्रांडों के उपभोक्ताओं को विभाजित करना' शीर्षक से एक पेपर doiः 10.35629/5252–0306237248 में प्रकाशित किया।

• सुश्री लवीना भास्कर (सहायक प्रो.) ने जनवरी 2021 में आईसीओआरडी 2021, आईडीसी मुंबई में डिजाइन छात्रों के बीच सांस्कृतिक संवेदनशीलता और समावेशिता का निर्माण करने के लिए स्वदेशी शिल्प समूहों का अध्ययन करने के लिए नृवंशविज्ञान के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया और इसे एक स्प्रिंगर प्रकाशन में प्रकाशित किया गया था।

• डॉ. नेहा सिंह (सहायक प्रो.) सह–लेखक काकारिया आर, ने, 'मच्छर विकर्षक वस्त्रः वस्त्र, फैशन और शिल्प में प्रगति पर एक अवलोकन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ए एफ टी सी –2021), मार्च 2021' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. नेहा सिंह (सहायक प्रो.) ने जनवरी 2020 में फैशन और परिधान इंजीनियरिंग विभाग, टिट–एस में 'टेक्सटाइल और गारमेंट डिजाइन और विकास में हालिया नवाचारों में मामूली परिवर्तन कपड़े को यूवी सुरक्षात्मक बना सकता है पर एक समीक्षा' शीर्षक से एक शोध पत्र फैब्रिक यूवी प्रोटेक्टिव', भिवानी में प्रस्तुत किया

• डॉ. नूपुर आनंद (प्रो.) ने अगस्त, 2020 में जर्नल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड टेक्सटाइल इंजीनियरिंग वॉल्यूमः 8 अंकः 4 आईएसएसएनः 2329–9568 में ''भारत में प्लस आकार महिला श्रेणी के लिए कुंजी माप के आकार चार्ट का विकास'' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. नूपुर आनंद (प्रो.) ने स्प्रिंगर, सिंगापुर में स्प्रिंगर, सिंगापुर स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड, 2021 फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग 2020, पीपी 13–23 फर्स्ट में ''ह्यूमन बॉडी मेजरमेंट के लिए साइज स्ट्रीम 3डी स्कैनर का सत्यापन और विश्वसनीयता'' शीर्षक से एक पेपर ISBN978–981–15–9375– 8 ऑनलाइन ISBN978–981–15–9376–5 https://doi प्रिंट करें। org/10-1007/978–981–15–9376–5_2 दिसंबर 2020 में प्रकाशित किया।

• डॉ. नूपुर आनंद (प्रो.) ने अंतर्राष्ट्रीय जर्नल फॉरेंसिक इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम में ''बॉटम वियर साइजिंग के लिए युवा भारतीय पुरुषों का एक मानवशास्त्रीय अध्ययन'' शीर्षक से एक पेपर 1, नंबर 1, 2020 (आईजेएफईएम) इंडर्साइंस एंटरप्राइजेज लिमिटेड, जिनेवा अगस्त 2020 में प्रस्तुत किया।

• डॉ. नूपुर आनंद (प्रो.) ने स्प्रिंगर डीओआई https://doi-org/10-1007/978&981&15&9054&2_5- में डिजाइन साइंस एंड इनोवेशन बुक सीरीज (डीएसआई) में ''भारतीय पुरुष युवाओं के लिए बॉटम–वियर साइज चार्ट का विकास'' शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित किया।

• डॉ नूपुर आनंद (प्रो.) ने 2020 में आईआईटी दिल्ली में आयोजित फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग एफसीटी 2020 सम्मेलन में मानव शरीर माप के लिए आकार स्ट्रीम 3डी स्कैनर का सत्यापन और विश्वसनीयता शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ नूपुर आनंद (प्रो.) ने एआईसीटीई प्रायोजित 2 सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में ''फैशन का भविष्यः एआई, आईओटी, एआर, वीआर, रोबोटिक्स, सेंसर्स और

बिग'' पर ''3डी स्कैनर्स का मानवशास्त्रीय अध्ययन और परिधान असर'' शीर्षक से दिसंबर, 2020 में डेटा विश्लेषण एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. नूपुर आनंद (प्रो.) ने एआईसीटीई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम में और कयोट कपड़ा और परिधान डिजाइन में हालिया नवाचार और विकास और कयोट टीआईटी और ऐम्प द्वारा 2020 में एस भिवन में आयोजित।

• डॉ. रूबी कश्यप सूद (प्रो.) ने फरवरी 2021 में फाइबर2फैशन.कॉम पर 'भारतीय साड़ी ब्लाउज की उत्पत्ति' शीर्षक से एक शोध लेख प्रकाशित किया।

• डॉ. रूबी कश्यप सूद (प्रो.) ने फाइबर2फैशन पर ''प्राकृतिक लालित्यः '21' की गर्मियों के लिए दुल्हन के कपड़े के रुझान' शीर्षक से एक लेख फाइबर2फैशन.कॉम मार्च 2021 में प्रकाशित किया।

• डॉ. शिंजू महाजन (प्रो.) सह–लेखक सुश्री तनुश्री चटर्जी ने अप्रैल 2021 में आयोजित टेक्सटाइल एंड फैशन इनोवेशन कांग्रेस में 'पीवीसी फ्लेक्स बैनर और दिल्ली एनसीआर में इसके बाद के जीवन के पुनः उपयोग और रीसाइक्लिंग की मैपिंग' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. सुधा ढींगरा (प्रो.) ने ''चीन के झिंजियांग में एटलस और भारत के गुजरात में पटोला के बीच तुलना'' शीर्षक पर एक पेपर प्रकाशित किया, जो वेझू एएन और फेंग झोउ के साथ जर्नल ऑफ एशियन सोशल साइंस, वॉल्यूम 16, सं .2, 2020 में सह–लेखक हैं।

• डॉ. सुधा ढींगरा (प्रो.) ने एक संपादित पुस्तक में प्रकाशन के लिए पंजाब विश्वविद्यालय को ''टेक्सटाइल इतिहास बनाना– डिजाइन शिक्षाशास्त्र में संग्रहालय और भंडार' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• सुश्री तुलिका महंती (सहायक प्रो.) ने राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में 'आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरणः उद्यमिता और कौशल विकास, आत्मनिर्भर भारत की ओर' विषय पर 'वैश्वीकरण और आधुनिकीकरण के प्रकाश में जनजातीय कला और शिल्प उत्पादों का विपणन' शीर्षक से 5 दिसंबर, 2020 को शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह पेपर यूजीसी केयर जर्नल (स्कोपस इंडेक्सेड) में प्रकाशित हुआ है– वुतान हुआटन जीसुआन जिशु, आईएसएसएनः 1001–1749।

• सुश्री तुलिका महंती (सहायक प्रो.) ने 13ध्02ध्2021 को यूजीसी केयर जर्नल एन्सेम्बल में प्रकाशन के लिए 'कढ़ाई के प्रकार के लिए वरीयताओं पर अध्ययन और कॉलेज जाने वाली लड़कियों के बीच इसके खरीद निर्णयों पर प्रभाव' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया। एक द्विभाषी अकादमिक जर्नल जिसकी समीक्षा सहकर्मी ने की, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2582– 0427 की ।

• डॉ. उषा नरसिम्हन (प्रो.) ने 'फैशनिंग पहचान – शहरी भारत से एक अध्ययन' शीर्षक से पीएचडी पेपर, ब्रिल पब्लिकेशन द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय के रूप में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया, प्रकाशन दिनांक– 17 जुलाई 2021। ई–बुक आईएसबीएन – 978 –90–04–44659–5/ पेपरबैक आईएसबीएन – 978–90–04–44658–8 में प्रकाशित हुआ।

• डॉ. वंदना भंडारी (प्रो.) ने ' जयपुर कोर्ट में राजस्थान के वस्त्र' नामक पुस्तक का प्रकाशक नियोगी बुक्स प्रा. लिमिटेड नई दिल्ली, आईएसबीएन– 10: 938913661X 2020 में।

• डॉ. वंदना भंडारी (प्रो.) ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के फ्लैगशिप प्रकाशन पत्रिका में 'परंपरा में बुन हुआ भारतीय परिप्रेक्ष्य ' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

• डॉ. वंदना भंडारी (प्रो.) ने जर्नल ऑफ डिजाइन, क्रिएटिव प्रोसेस एंड द फैशन इंडस्ट्री में 'बलूचर बंगाल के बुने हुए कथा कौशल' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

• डॉ. विजय दुआ (प्रो.) सह–लेखक श्री ए.पी. खंगार ने अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज (आईएसएसएनः 2278–6236) में 'भारतीय मुद्रा नोटों के विकास का अध्ययन' शीर्षक से एक शोध पत्र मई 2021 (7.065 के प्रभाव कारक के साथ) प्रकाशित किया।

संकाय विकास

• प्रो. डॉ. उषा नरसिम्हन पीएचडीः रचनात्मक सोच कौशल (सीटीएस) जुलाई 2020 में ऑनलाइन मोड के माध्यम से टी ओ टी आयोजित किया गया।

• प्रो. डॉ. शालिनी सूद ने मार्च 2021 में ''उत्कृष्ट'' ग्रेड के साथ टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन और ग्रेट लेक एक्जीक्यूटिव लर्निंग से '' नेताओं के लिए कृत्रिम बुद्धि मत्ता'' में 4 महीने का व्यापक स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूरा किया।

• सुश्री तूलिका महंती ने 13 से 19 जुलाई 2020 तक लाटेक्स पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन जमशेदपुर महिला कॉलेज द्वारा स्पोकन ट्यूटोरियल्स आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से किया गया।

• सुश्री गरिमा आनंद ने 27 जुलाई 2020 से 5 अगस्त 2020 तक निर्धारित 'फैशन और वस्त्र' पर सार्व अंतर्राष्ट्रीय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

• डॉ. प्रियंका गुप्ता ने 20 से 22 जुलाई 2020 तक आयोजित 'अधोवस्त्र उद्योग के अवलोकन' में भाग लिया।

• सुश्री अमृता रॉय ने 20 से 22 जुलाई 2020 तक आयोजित 'अधोवस्त्र उद्योग के अवलोकन' में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. रूबी कश्यप सूद ने कोपनहेगन बिजनेस स्कूल द्वारा संचालित एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'फैशनमें स्थिरता' को सफलतापूर्वक पूरा किया और 6 जुलाई 2020 को कौरसेरा के माध्यम से पेश किया।

• डॉ. अनु शर्मा ने कौरसेरा के माध्यम से कैलिफोर्निया कला विश्वविद्यालय से 1 महीने का ऑनलाइन यूआईध्यूएक्स प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया। उन्होंने सभी के लिए 1 महीने का ऑनलाइन प्रमाण पत्र का कोर्स डीपलर्निंग. एआई, एआई भी पूरा किया।

• डॉ. अनु शर्मा और सीनियर प्रो. डॉ. बनही झा ने निफ्ट के 15 परिसरों (22 से 24 जुलाई 2020) के तीस एफडी संकाय सदस्यों के लिए दो विषयों – 'फैशन समाज संस्कृति' और ' फैशन में स्थिरता शिल्प' पर ध्यान देने के साथ 'फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण' पर प्रशिक्षकों का एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

• सुश्री श्रेष्ठा ने बिजनेस ऑफ फैशन (बीओएफ) द्वारा फैशन स्टाइलिंग और छवि निर्माण पर लुसिंडा चेम्बर्स द्वारा उसी के लिए प्रमाणन के साथ 7 मॉड्यूल ऑनलाइन पाठ्यक्रम की पेशकश की।

• डॉ. मोनिका गुप्ता द्वारा 13 से 18 जुलाई 2020 तक 5 दिनों में परफॉर्मेंस क्लोदिंग कोर्स का संचालन किया गया, जिसमें 13 निफ्ट परिसर के 25 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

• डॉ. अशोक प्रसाद ने डॉक्टरेट अध्ययन और अनुसंधान संकाय और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा संचालित अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल करते हुए ग्यारह सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

उद्योग संबंध

2020–21 में कुल आठ उद्योग संपर्क बनाए गए।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर गतिविधियां

दिल्ली परिसर ने हरित परिसर के लिए निम्नलिखित उपाय किए:
बिजली संरक्षण: दिल्ली परिसर में नई इमारत में प्रकाश बचाने और इमारत को ठंडा रखने के लिए कांच का अग्रभाग है। परिसर की सुरक्षा के लिए ट्यूबलाइटों को एलईडी लाइटों और विद्युत पैनलों से बदलने से बिजली की बचत हुई है।

अपशिष्ट प्रबंधन: परिसर ने व्यापक अपशिष्ट, पानी, बिजली प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। रसोई के कचरे को खाद में बदलने के लिए कंपोस्ट मशीन खरीदकर कचरा प्रबंधन किया गया है। कचरे को जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट और बिना जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट में अलग किया जाता है।

वर्षा जल संचय: दिल्ली परिसर में वर्षा जल संचय प्रणाली का काम पूरा हो चुका है और प्रणाली अब काम कर रही है।
जल संरक्षण: 5000 लीटर प्रति घंटे की क्षमता का औद्योगिक आरओ लगाया गया है जिसमें अपशिष्ट जल का उपयोग बागवानी के लिए किया जाता है।

पंचकुला

संकाय उपलब्धियां

1. हमारे संकाय और निदेशक ने नई दिल्ली और हरियाणा राज्य के लिए पाठ्यक्रम के विकास के लिए एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला में भाग लिया:
• डॉ. पुनीत सूद (निदेशक) और डॉ. विशु अरोड़ा (सहायक प्रोफेसर) ने 7 जून, 2021 को।
• डॉ पुनीत सूद (निदेशक) और श्री प्रमोद कुमार (सहायक प्रोफेसर) ने 6 अक्टूबर 2020 और 22 जून 2021 को

2. डॉ. पुनीत सूद (निदेशक निफ्ट कन्नूर और पंचकुला) और सुश्री मुक्ति, सहायक प्रोफेसर, फैशन उद्यमियों के बीच सतत अभ्यास: केरल फैशन स्टार्टअप्स के बीच अध्ययन: टीकेएम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, केरल, भारत द्वारा आयोजित चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो 17 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया गया था

3. डॉ पुनीत सूद (निदेशक निफ्ट कन्नूर और पंचकुला) और सुश्री मुक्ति, सहायक प्रोफेसर, कोविड का प्रभाव: कार्यात्मक फैशन में सामाजिक उद्यमिता के अवसर, अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन, कपड़ा, फैशन और शिल्प में प्रगति (एटीएफसी 2021): निफ्ट जोधपुर, भारत जो 22 से 24 मार्च, 2021 तक आयोजित किया गया था।

4. डॉ. विशु अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर लेखक– आशावाली ब्रोकेड्स और दिसंबर 2020 में प्रकाशित

5. डॉ. विशु अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर ने हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित हरिगंधा पत्रिका में लेखों का योगदान दिया:
• हरियाणा : वस्त्रों की लुप्त होती विरासत– नवंबर 2020
• वस्त्रों में रंगों का महत्व – फरवरी 2021

6. श्री दीप सागर वर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस, टेक्सटाइल में उन्नति, फैशन और शिल्प (एटीएफसी– 2021): निफ्ट जोधपुर, भारत में फैशन का प्रबंधन – एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से, 22 मार्च, 2021 पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

7. हिंदी पखवाड़ा 14 सितंबर से 30 सितंबर 2020 तक आयोजित किया गया था। परिसर के शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन, वाद–विवाद, हिंदी सामान्य ज्ञान और हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

छात्र की उपलब्धियां

सुश्री इशिता जैन और सुश्री प्रज्ञा नेगी ने अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन, वस्त्र, फैशन और शिल्प में प्रगति (एटीएफसी– 2021): निफ्ट जोधपुर, भारत में पेपर ''खिलोने: चंचल यादें की स्मृतियाँ'' का पोस्टर प्रस्तुतिकरण किया, जो 22 – 24 मार्च, 2021 तारीख तक आयोजित किया गया था

पटना

परिसर के महत्वपूर्ण स्थल और उपलब्धियां

• सुश्री दिसानी गोस्वामी, एफसी सेमेस्टर VII की छात्रा, पटना परिसर ने फरवरी 2021 में आईडीसी, आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित संचार डिजाइन में डी'सोर्स कोरोना डिजाइन चुनौती जीती।
• सुश्री रिया कुमारी, एफसी सेमेस्टर VII की छात्रा, पटना परिसर ने फरवरी 2021 में आईडीसी, आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित टाइपोग्राफिक पोस्टर में डी'सोर्स कोरोना डिजाइन चुनौती जीती।
• सुश्री श्रेयांशी ए मिश्रा, एफसी सेमेस्टर VIII की छात्रा, पटना परिसर ने फरवरी 2021 में आईडीसी, आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित संचार डिजाइन में डी'सोर्स कोरोना डिजाइन चुनौती जीती।
• निफ्ट पटना ने ''सतत शिल्प उद्यमिता में महिलाएं'' –बदलती गतिशीलता विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार को खूब सराहा गया और इसमें 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।
• निफ्ट पटना ने 3 महीने के रिकॉर्ड समय में बिहार सरकार के लिए 2 करोड़ मास्क बनाने के लिए जीविका कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया।
• बिहार के शिल्प पर दुनिया की पहली वर्चुअल डॉक्यूमेंट्री फिल्म अनमोल मोल – बिहार के शिपकर बनाई गई थी और इसे दुनिया भर के दर्शकों ने खूब सराहा।
• कॉयर इंडिया 2021 सम्मेलन – निफ्ट पटना के निदेशक को वक्ताओं में से एक के रूप में बुलाया गया था।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट पटना में सभी विभागों के लिए सुसज्जित फर्नीचर, एसी और सबके लिए परियोजना के साथ आधुनिक कक्षाएं हैं।

• संसाधन केन्द्र
निफ्ट पटना में एक समृद्ध आरसी है जहां छात्रों और संकायों के संदर्भ के लिए हिंदी और अंग्रेजी दोनों में लगभग 10000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। आरसी कई ऑनलाइन जर्नल और डेटाबेस भी होस्ट करता है, जिन तक आगंतुक पहुंच सकते हैं। आसान कार्यक्षमता के लिए, आगंतुकों द्वारा उपयोग के लिए आरसी के अंदर कंप्यूटर प्रदान किए जाते हैं। ई–ग्रंथालय की सहायता से विभिन्न पत्रिकाओं और ई–पुस्तकों तक पहुंच है।

• ऊष्मायन प्रकोष्ठ
निफ्ट पटना में एक ऊष्मायन सेल है जो वर्तमान में 2 व्यवसायों का समर्थन करता है जो चालू हैं। यह बिहार स्टार्ट–अप नीति 2017 द्वारा समर्थित है। आवेदकों को विचार चरण से ही परामर्श सहायता प्रदान की जाती है। यह नीति बिहार सरकार से 10 लाख ₹रुपये तक के सीड फंडिंग की गुंजाइश भी प्रदान करती है। इस योजना से 25 आवेदक लाभान्वित हुए हैं।

• वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम
निफ्ट पटना में एक अच्छी तरह से सुसज्जित, हाई स्पीड इंटरनेट आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम है जो 50 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता के साथ बाहरी दुनिया से जुड़ सकता है। इसका उपयोग बैठकों, सम्मेलनों और संगोष्ठियों के लिए किया जाता है। यह अक्सर कक्षा के रूप में दोगुना हो जाता है और छात्रों के समग्र सीखने के लिए उद्योग और अंतरराष्ट्रीय पेशेवरों से जुड़ता है।

• राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क
एनकेएन उन छात्रों के लिए परिसर में उपलब्ध है, जो इसके समर्पित सर्वर का उपयोग करके 24X7 बाहरी दुनिया से जुड़ते हैं । यह छात्रों को हाई स्पीड इंटरनेट प्रदान करता

है और किसी भी और सभी इंटरनेट आवश्यकताओं को पूरा करता है।

• कल्याण केंद्र
परिसर में एक वेलनेस सेंटर भी है जहां सलाहकार चिकित्सक और सलाहकार मनोवैज्ञानिक नियमित रूप से छात्रों के साथ बातचीत करते हैं। केंद्र में नियमित रूप से उपलब्ध विशेषज्ञों द्वारा छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का अच्छी तरह से ध्यान रखा जाता है।

• लड़कियों का छात्रावास
उन छात्रों को एक अच्छी तरह से सुसज्जित, हवादार और आरामदायक सेटअप प्रदान किया जाता है, जो जुड़वां साझाकरण के आधार पर 230 छात्रों की अधिकतम क्षमता के साथ छात्रावास की सुविधा का विकल्प चुनते हैं। बायो–मीट्रिक उपस्थिति प्रणाली के साथ, छात्रावास की वार्डन और सुरक्षा कर्मियों द्वारा छात्रावास की अच्छी देखभाल की जाती है। चौबीसों घंटे उपलब्ध रखरखाव पेशेवरों के साथ–साथ रहने वालों को चौबीसों घंटे चलने वाला पानी और बिजली प्रदान की जाती है। परिसर की हाउसकीपिंग का रखरखाव ''सुलभ'' द्वारा किया जाता है, जो एक गैर सरकारी संगठन है जिसे स्वच्छता सेवाओं में व्यापक अनुभव है। अन्य सुविधाओं में कॉमन एरिया, कॉमन हॉल, जिम की सुविधा से लैस, फ्रिज, ओवन, आयरन, वाशिंग मशीन, हर मंजिल पर न्यूज़ पेपर की सुविधा शामिल है।

• निफ्ट जलपान गृह
आधुनिक फर्नीचर, टीवी स्क्रीन, संगीत प्रणाली, भित्तिचित्र दीवारों आदि से सुसज्जित चौबीसों घंटे स्वच्छ भोजन के साथ विशाल एयर कूल्ड क्षेत्र की उपलब्धता।

• खेल
निफ्ट पटना में उत्कृष्ट इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं हैं। इनडोर सुविधाओं में शामिल हैं: कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस आदि। एथलेटिक स्पर्धाओं जैसे: भाला, शॉटपुट, लंबी कूद, ऊँची छलांग के साथ निफ्ट पटना में उपलब्ध आउटडोर खेलों में शामिल हैं: फुटबाल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, थ्रो बॉल आदि। छात्र नियमित रूप से इन खेलों का अभ्यास करते हैं और अन्य कॉलेज समारोहों के साथ–साथ कनवर्ज (वार्षिक इंटर निफ्ट स्पोर्ट मीट इवेंट) और स्पेक्ट्रम (निफ्ट पटना वार्षिक–सांस्कृतिक–खेल उत्सव) में भी भाग लेते हैं। निफ्ट पटना अपने खेल और फोटोग्राफी क्लब गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए एसएपी क्लब चलाता है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां
अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व

• सुश्री वेदिका त्रिवेदी, टीडी सेमेस्टर VII की छात्रा, पटना परिसर ने मई 2020 में डोमोटेक्स 2020, जर्मनी में अपना खुद का डिजाइन किया हुआ गलीचा प्रस्तुत किया।
• सुश्री अमृता रे, सुश्री मेहेली दास और सुश्री सायंतनी घोष बीएफटी सेमेस्टर 5 की छात्रा ने पटना परिसर में पोस्टर और सार प्रस्तुति में भाग लिया और अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन एटीएफसी 2021 में सार की पुस्तक के लिए चयनित।
• सुश्री खुशी गुप्ता, श्री प्रणव प्रियदर्शी, सुश्री आकांक्षा कुमारी सुश्री रुमझुम सुश्री पूजा कुमारी, सुश्री शिप्रा यादव, सुश्री स्नेहा महतो श्री सुधांशु प्रियदर्शी, बीएफटी सुश्री सुप्रिया, सुश्री आकृति शर्मा सुश्री प्रिया ठाकुर सुश्री विजया भारती श्री शशांक मिश्रा, सुश्री निशा कुमारी सुश्री शिवांग सुश्री कोमल प्रिया सुश्री सेजल गामी सेमेस्टर 6 की छात्रा, पटना परिसर , ने अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन एटीएफसी 2021 में भाग लिया।

राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व
• सुश्री दीक्षा, सुश्री कृति वर्मा और सुश्री अंकिता दासगुप्ता, टीडी सेमेस्टर 6 की छात्रा, पटना परिसर ने होटल द ललित ग्रेट ईस्टर्न में "सतत कपड़ा उत्पादों और प्रक्रियाओं के विकास के लिए अभिनव दृष्टिकोण" विषय पर 09 – 10 फरवरी 2020 को कोलकाता, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), वेस्ट बंगाल स्टेट सेंटर द्वारा आयोजित पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।
• सुश्री अंकिता दासगुप्ता और सुश्री दीक्षा, टीडी सेमेस्टर 6 की छात्रा, पटना परिसर ने राष्ट्रीय सम्मेलन में ''प्राकृतिक डाई, प्रिंटिंग और पारंपरिक वस्त्र कला का उपयोग करके अतिरिक्त डिजाइन मूल्यों के साथ अपशिष्ट वस्त्र सामग्री का पुनर्चक्रण'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति में यूपीटीटीआई, कानपुर द्वारा आयोजित 12–14 अगस्त 2020 को आयोजित एसजीटी –2020 में 'टेक्सटाइल में सतत विकास' में पहला स्थान हासिल किया।
• सुश्री वेदिका त्रिवेदी, टीडी सेमेस्टर 7 की छात्रा, पटना परिसर ने जून 2020 में एआईसीटीई आंतरिक सम्मेलन, कोलकाता में फैशन और वस्त्रों में कंप्यूटर आविष्कार पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और अगस्त 2020 में क्रिएटिव डिग्निटी, नई दिल्ली में शिल्प शोधकर्ता के रूप में चयनित हुई। .
• सुश्री कृति वर्मा और सुश्री प्रेरणा, टीडी सुश्री शारवरी पोहरकर और श्री आदित्य प्रताप सुश्री अंकिता दासगुप्ता और सुश्री दीक्षा, सेमेस्टर 7 की छात्रा, पटना परिसर ने "भारतीय हथकरघा क्षेत्र के बुनकर परिदृश्य को उजागर करना" शीर्षक से: एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में एक केस स्टडी'' पर अपना पेपर प्रस्तुत किया
• पटना परिसर सेमेस्टर 5, के 7 छात्रों ने टॉयकैथॉन में भाग लिया।
• सुश्री शुभांगी, एफडी सेमेस्टर 4 की छात्रा, पटना परिसर ने 18 मार्च, 2021 को इंडिया लॉस्ट एंड फाउंड – कैरेक्टर आइज में भाग लिया।
• सुश्री जया बानिक, एफडी सेमेस्टर 7 की छात्रा, पटना परिसर ने नवंबर–दिसंबर 2020 में रंगोरी अधोवस्त्र प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
• सुश्री अनुष्का सिन्हा, एफडी सेमेस्टर 4 की छात्रा, पटना परिसर ने 26 और 27 फरवरी 2021 को आयोजित एनएचआरडीएन पटना चौप्टर के सबसे कम उम्र के सदस्य के रूप में दिल्ली और एनसीआर चैप्टर द्वारा आयोजित 23वें एनएचआरडीएन राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और उन्हें चुना गया। इंडियन ट्रेनर्स एसोसिएशन की सबसे कम उम्र की पदाधिकारी, मार्च 2021 में अतिरिक्त सचिव का पद संभालने वाली और उन्होंने केंद्र सरकार के नीती आयोग

के अटल ऊष्मण प्रकोष्ठ के साथ बेयरॉक कैफे के लिए 24 अगस्त 2020 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
• श्री राहुल कुमार, एफडी सेमेस्टर IV के छात्र, पटना परिसर, ने 01 जून 2020 को कुरुक्षेत्र 2020, तेलंगाना में फोटोग्राफी में चौथा पुरस्कार जीता।
• सुश्री शाम्भवी, एफडी सेमेस्टर VI की छात्रा, पटना परिसर, फैन शिल्प श्रेणी के तहत इंडिया फिल्म परियोजना सीजन X में शीर्ष 15 फाइनलिस्ट में स्थान हासिल किया।
• सुश्री विभूति गुप्ता, एफसी सेमेस्टर 5 की छात्रा, पटना परिसर ने इस्कॉन, गुरुग्राम में गोविंदा के लिए लोगो डिजाइन प्रतियोगिता 2020 जीती।
• सुश्री हर्षी रेटरिया, एफसी सेमेस्टर VII की छात्रा, पटना परिसर ने एनआईटीपी टेक्नो कल्चर फेस्ट में फोटोग्राफी प्रतियोगिता 2020 में स्वर्ण पदक जीता।
• सुश्री वर्षा अखौरी, एफ एंड एलए सेमेस्टर VI की छात्रा, पटना परिसर ने आईआईटी पटना द्वारा आयोजित प्रोस्थेटिक ग्लव डिजाइनिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
• सुश्री श्रेया वर्मा, एफ एंड एलए सेमेस्टर IV की छात्रा, पटना परिसर ने जनवरी 2021 में योडा इंफोबाइट हंट 4.0 (डिजिटल डिजाइन प्रतियोगिता) में दूसरा पुरस्कार जीता।
• सुश्री श्रेया वर्मा, एफ एंड एलए सेमेस्टर IV की छात्रा, पटना परिसर ने फरवरी 2021 में योडा इंफोबाइट हंट 5.0 (डिजिटल डिजाइन प्रतियोगिता) में तीसरा पुरस्कार जीता।

राज्य का प्रतिनिधित्व
• सुश्री आंचल कुमारी, एफडी सेमेस्टर IV की छात्रा, पटना परिसर ने 16 मई 2020 को पूर्वी चंपारण में श्री शिरसत कपिल अशोक (जिला न्यायाधीश) और श्री प्रमोद कुमार (कला, संस्कृति और युवा विभाग) द्वारा पेंटिंग के लिए पुरस्कार जीता।
• सुश्री साक्षी पडाले, एफ एंड एलए सेमेस्टर V की छात्रा, पटना परिसर, ने विश्व कौशल प्रतियोगिता 2020–2021 में भाग लिया और विजुअल बिक्री में बिहार राज्य से विश्व कौशल के पहले दौर को पास किया।
• सुश्री आयुषी पांडे, एफ एंड एलए सेमेस्टर III की छात्रा, पटना परिसर ने 05 जून 2020 को बिहार सरकार द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस ऑनलाइन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक पुरस्कार

फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण के दूसरे बैच 2016–2020 के 32 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में अपना ग्रेजुएशन परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजनाः सुश्री निशा श्री
• सबसे व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य डिजाइन हस्तक्षेपः श्री राहुल कुमार शर्मा
• डिजाइन पद्धति का सबसे अनुकरणीय अनुप्रयोगः सुश्री निशा श्री

फैशन संचार, बैच 2016 – 2020 के 33 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में अपना स्नातक परियोजना सफलतापूर्वक पूरा किया है।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार I: श्री सूरज आसवा
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार II: सुश्री विशाखा वासु
• सबसे नवीन स्नातक परियोजना पुरस्कारः सुश्री शिरके ऋतिका गणेश

फैशन डिजाइन, बैच 2016–2020 के 35 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजनाः सुश्री गरविता श्रीवास्तव
• सबसे नवीन और रचनात्मक डिजाइन संग्रहः सुश्री वेनी गंगटे
• समकालीन शैली में पारंपरिक कौशल का सर्वोत्तम उपयोगः सुश्री गरविता श्रीवास्तव

टेक्सटाइल डिजाइन, बैच 2016– 2020 के 33 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में अपना स्नातक परियोजना सफलतापूर्वक पूरा किया है।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना I: सुश्री स्नेह खन्ना
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना II: सुश्री शालिनी केशरी
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना III: सुश्री तोशी श्रीवास्तव

फैशन प्रौद्योगिकी विभाग, बैच 2016–2020 के 28 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजनाः सृष्टि सिन्हाः विकास कुमार
• सबसे नवीन परियोजना : प्रियांशु रंजन
• सबसे व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य परियोजनाः मेघना मधुकर

फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग, बैच 2018 – 2020 के 31 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में अपना स्नातक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (विपणन/खुदरा बिक्री) : सुश्री मेघना झा
• सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार/निर्यात बिक्री): श्री अमन कुमार
• सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (उद्यमिता/फैशन प्रबंधन व्यवहार) : सुश्री कनक मिश्रा

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

फैशन डिजाइन विभाग, सेमेस्टर– VII ने 23–27 सितंबर, 2020 के दौरान पटना शहर से जरी शिल्प और उत्पाद में एक ऑनलाइन शिल्प आधारित उत्पाद विकास का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य उत्पाद की एक नई श्रृंखला(परिधान) डिजाइन करने के लिए पहचाने गए शिल्प के उपयोग का पता लगाना था।) इस अध्ययन का प्रभाव पारंपरिक शिल्प और तकनीकों को समकालीन शैली में लागू करना सीखना था। शिल्प के सार को खोए बिना ताजा अपील उत्पन्न करने के लिए शिल्प को समकालीन बाजारों की ओर उन्मुख करना था (रंग, रूपांकनों और परिधान शैली समकालीन स्पर्श के लिए कुछ संभावित क्षेत्र हैं)।

वस्त्र डिजाइन विभाग, सेमेस्टर–VII, सत्र जुलाई–दिसंबर' 2020, बैच 2017–2021 ने 13–17 अक्टूबर 2020 के दौरान भागलपुर विशाल हथकरघा समूह से कारीगरों पर आधारित तथ्यों पर एक सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने

के उद्देश्य से ऑनलाइन क्राफ्ट डिजाइन परियोजना का आयोजन किया।

फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण, सेमेस्टर–V, बैच 2018–2022 ने 04 से 05 नवंबर, 2020 के दौरान पटना समूह में शिल्प और अनुसंधान प्रलेखन का एक ऑनलाइन शिल्प समूह अध्ययन आयोजित किया, जिसका उद्देश्य कारीगरों के साथ बातचीत करना और सिक्की शिल्प उत्पादों और व्यापारिक वस्तुओं की डिजाइन संभावनाओं का पता लगाना था।

फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण, सेमेस्टर–VII, बैच 2017–2021 जुलाई–दिसंबर '2020 के सत्र में शिल्प आधारित डिजाइन उत्पाद का एक ऑनलाइन शिल्प समूह अध्ययन आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रोटोटाइप के लिए डिजाइनों को वर्चुअल रूप से कारीगरों तक पहुंचाना और लकड़ी की नक्काशी और पत्थर की नक्काशी की गतिविधि के तहत आगे बढ़ाना था।

फैशन प्रबंधन शिक्षा, सेमेस्टर – II, बैच 2020–2022 जनवरी–जून 2021 के सत्र में 26–30 अप्रैल 2021 के दौरान एक ऑनलाइन शिल्प शोध और प्रलेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सुजिनी, अप्लीक और सिक्की शिल्प के कारीगरों से बातचीत के आधार पर नैदानिक अध्ययन के निष्कर्षों का दस्तावेजीकरण करना था। निफ्ट पटना ने 27–29 मई 2021 के दौरान पांच अलग–अलग स्नातक विभागों जैसे फैशन डिजाइन, फैशन प्रौद्योगिकी, टेक्सटाइल डिजाइन, के समामेलन के साथ एक ऑनलाइन कारीगर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की।

फैशन संचार और फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण। इस कार्यक्रम में विभिन्न शिल्प समूहों के शिल्प विशेषज्ञों और कारीगरों के साथ–साथ संबंधित विभागों के छात्रों और संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी थी। इस आयोजन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कारीगरों और शिल्पकारों तक पहुंचना और उन्हें शहरी बाजारों में ज्ञान के प्रसार और जानकारी और डिजाइन हस्तक्षेप, अभिनव डिजाइन और नए बाजारों के साथ जुड़ाव के माध्यम से लाभ प्रदान करना था।

निफ्ट पटना ने दुनिया की पहली वर्चुअल डॉक्यूमेंट्री फिल्म ''अनमोल बिहार के शिल्पकार'' यू आर एल : https://youtu-be/X9Jm9gosTa4 के जरिए यू–ट्यूब पर एक बार फिर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। वर्चुअल डॉक्यूमेंट्री बिहार के कारीगरों को यह समझने के उद्देश्य से 1440 मिनट के स्क्रीन टाइम के साथ 209 आईपी पतों का समन्वय है कि महामारी जैसी कोई भी स्थिति उस शिल्प के मूल्य को सीमित नहीं कर सकती है जिसका वे अभ्यास करते हैं। वर्चुअल डॉक्यूमेंट्री को अब तक अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

पीएचडी पूर्ण कर रहे हैं या कर चुके हैं

• विनायक यशराज सहायक प्रोफेसर एडी आईआईटी पटना से पीएचडी कर रहे हैं
• टोनी शर्मा सहायक प्रोफेसर एफएमएस आईआईटी पटना से पीएचडी कर रहे हैं
• किसलय कश्यप सहायक प्रोफेसर एफएमएस आईआईटी पटना से पीएचडी कर रहे हैं
• नीलिमा आर टोपनो सहायक प्रोफेसर डीएफटी आईआईटी कानपुर से पीएचडी कर रहे हैं
• सत्येंद्र मिश्रा सहायक प्रोफेसर एफ डी ,आई आई टी कानपुर से पीएचडी कर रहे हैं
• कुणाल सिंघा सहायक प्रोफेसर टीडी आईआईटी खड़गपुर से पीएचडी कर रहे हैं
• राजेश कुमार सहायक प्रोफेसर एडी आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी पटना से पीएचडी कर रहे हैं
• श्वेता आर शर्मा सहायक प्रोफेसर एफडी वनस्थली विद्या पीठ राजस्थान से पीएचडी कर रहीं हैं

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

• एसजीटी–2020 में आमंत्रित मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. संजय श्रीवास्तव, निदेशक, निफ्ट, पटना द्वारा ''टेक्सटाइल और फैशन उद्योग को फिर से जीवंत करने के लिए सतत दृष्टिकोण'' पर, 12–14 अगस्त 2020 को यूपीटीटीआई कानपुर, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर किया गया।
• डॉ. पिंटू पंडित, कुणाल सिंघा, सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग और प्रो संजय श्रीवास्तव, निदेशक, निफ्ट, पटना द्वारा 1 मई 2020 को यूपीटीटीआई कानपुर में ''कोविड –19 के खिलाफ लड़ाई के लिए हर्बल संसाधनों का उपयोग करके जैविक संरक्षण के लिए टेक्सटाइल वस्त्र'' पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
• फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ऋषिकेश कुमार द्वारा 20 जून 2020 को बी.एस कॉलेज, दानापुर, पटना में ''कोविद'19 संकट के दौरान बिहारी प्रवासी मजदूरों की जमीनी हकीकत'' पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
•फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर किसलय कश्यप द्वारा 18 जुलाई 2020 को जे आई एम सी द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में ''डेटा हैंडलिंग के अर्थमितीय तरीके'' पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
• वस्त्र डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर कुणाल सिंघा द्वारा एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, यूपी, 2020 द्वारा आयोजित ''यूवी–संरक्षित और थर्मल कंट्रोलेबल नैनो–पार्टिकल ट्रीटेड होम फर्निश्ड वेवन फैब्रिक'' राष्ट्रीय सम्मेलन – एनसीएफएटी' 20 पर प्रस्तुत पेपर।
• डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग द्वारा एसजीटी–2020 में ''प्लांट बायोमोलेक्यूल्स को लागू करने वाले अभिनव और टिकाऊ वस्त्र परिदृश्य का निर्माण'' पर प्रस्तुत पेपर, 12–14 अगस्त 2020 को यूपीटीटीआई कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
• महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल, भारत के डॉ. पिंटू पंडित सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग द्वारा आयोजित 11–13 दिसंबर 2020 को आयोजित सामग्री और उनके उत्पादों के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''अपशिष्ट प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके अभिनव और सतत वस्त्र निर्माण'' पर प्रस्तुत पेपर ।

• डॉ. पिंटू पंडित और कुणाल सिंघा, सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग द्वारा 18–19 सितंबर, 2020 को टीआईटीएस भिवानी में एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में '' टेक्सटाइल और फैशन में कंप्यूटर हस्तक्षेप'' पर पेपर प्रस्तुत।

• निलिमा रेजिना टोपनो, सहायक प्रोफेसर, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शिल्प फैशन और वस्त्र, निफ्ट जोधपुर, भारत में अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन अग्रिमों में ''स्थानीय भारतीय वस्त्रों के लिए मुखर'' पर पेपर प्रस्तुत किया गया।

• नीलिमा रेजिना टोपनो, सहायक प्रोफेसर, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ''कोविड –19 के कारण उद्योग 4.0 की गहनता'', ''कपड़ा उद्योग अपशिष्ट जल और इसके खतरनाक प्रभाव'', ''शिल्प में अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन अग्रिम'', ''अरुणाचल प्रदेश का मोनपा हस्तनिर्मित कागज'' और ''फैशन पूर्वानुमान'' पर शिल्प फैशन और वस्त्र में अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन अग्रिम, निफ्ट जोधपुर, भारत 22–24 मार्च 2021, पोस्टर पेपर प्रस्तुत किया गया।

शोध/समीक्षा पत्र प्रकाशन

• निफ्ट, पटना के निदेशक, प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव द्वारा जर्नल ऑफ टेक्सटाइल इंजीनियरिंग एंड फैशन टेक्नोलॉजी, 2020 में प्रकाशित ''भारत में हथकरघा और हस्तशिल्प को फिर से जीवंत करने के लिए सतत दृष्टिकोण'' शीर्षक वाला पेपर।

• फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग के सहायक प्रोफेसर विनायक यशराज द्वारा कंटेम्परेरी लिटरेरी रिव्यू इंडिया, 2020 में पोशाक के माध्यम से कथा के आयामः सत्यजीत रे की सद्गति में हाशिये पर पड़े लोगों का पोर्टल" शीर्षक वाला पेपर प्रकाशित।

• फैशन प्रबंधन शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विकास कुमार द्वारा जर्नल ऑफ सीबॉल्ड रिपोर्ट, 2020 में प्रकाशित ''भारतीय कालीन उद्योग के सतत विकास का प्रबंधन'' शीर्षक वाला पेपर।

• डॉ. पिंटू पंडित और कुणाल सिंघा सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग द्वारा जर्नल ऑफ टेक्सटाइल इंजीनियरिंग एंड फैशन टेक्नोलॉजी, 2020 में प्रकाशित ''नैनोपार्टिकल का हरित संश्लेषण और स्टेरकुलिया फोएटिडा फ्रूट शेल एक्सट्रेक्ट का उपयोग करके सूती कपड़े पर इसका अनुप्रयोग'' शीर्षक वाला पेपर।

• टेक्सटाइल डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पिंटू पंडित द्वारा जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन (एल्सेवियर), 2020 में प्रकाशित ''बबूल औरिकुलफॉर्मिस–एक प्राकृतिक रंग जिसका उपयोग वस्त्रों पर एक साथ रंगाई और कार्यात्मक परिष्करण के लिए किया जाता है'' शीर्षक वाला पेपर।

• निलिमा रेजिना टोपनो, सहायक प्रोफेसर, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा टेक्सटाइल स्कूल, 2021 में परिधान उद्योग में प्रयुक्त विभिन्न तकनीकी पद्धतियों में प्रकाशित ''भागलपुर सिल्क फैब्रिक– टेक्सटाइल में बुनाई की प्रक्रिया'' शीर्षक वाला पेपर।

• ''मूंगफली टेस्टाः ''सूती कपड़े के रंग और सुरक्षात्मक परिष्करण के लिए औद्योगिक कृषि प्रसंस्करण अवशेष" शीर्षक वाला पेपर कपड़ा डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर, डॉ पिंटू पंडित द्वारा अपशिष्ट और बायोमास वेलोराइजेशन (स्प्रिंगर) 2020 में प्रकाशित ।

• टेक्सटाइल डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पिंटू पंडित द्वारा द जर्नल ऑफ द टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट, 2020 में प्रकाशित ''नैनो सिलिका का उपयोग कर एरी सिल्क फैब्रिक पर वाटर विकर्षक परिष्करण'' शीर्षक वाला पेपर।

• कपड़ा डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पिंटू पंडित द्वारा फाइबर्स एंड पॉलिमर्स (स्प्रिंगर) 2020 में प्रकाशित ''नीलगिरी की छाल के साथ सेल्युलोसिक और प्रोटीन फाइबर की एक साथ रंगाई और कार्यात्मक परिष्करण'' शीर्षक वाला पेपर।

• फैशन संचार विभाग के सहायक प्रोफेसर कुमार विकास द्वारा द इंडियन टेक्सटाइल जर्नल, 2020 में प्रकाशित ''प्राकृतिक रंगों को अपनाना'' शीर्षक वाला पेपर।

• फैशन संचार विभाग के सहायक प्रोफेसर कुमार विकास द्वारा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ द एडवांस्ड रिसर्च, 2020 में प्रकाशित ''बनारसः ब्रह्मांडीय ब्रह्मांड का एक समानांतर स्थान और वास्तुकला में इसका योगदान" शीर्षक वाला पेपर।

• फैशन संचार विभाग के सहायक प्रोफेसर कुमार विकास द्वारा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ द एडवांस्ड रिसर्च, 2020 में प्रकाशित ''गौड़ानाः एक विलुप्त कला'' शीर्षक वाला पेपर।

• फैशन कम्युनिकेशन विभाग के सहायक प्रोफेसर कुमार विकास द्वारा फाइबर टू फैशन, 2020 में प्रकाशित ''आधुनिक युग में विकास और मजबूती'' शीर्षक वाला पेपर।

• कुणाल सिंघा, डॉ. पिंटू पंडित सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग और राजेश कुमार, फैशन और जीवन शैली सहायक विभाग के सहायक प्रोफेसर विभाग द्वारा एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, यूपी, 2020 द्वारा आयोजित फैशन अपैरल एंड टेक्सटाइल (एन सी एफ ए टी' 20) में प्रकाशित ''यूवी–संरक्षित और थर्मल नियंत्रणीय नैनो–कण उपचारित होम फर्निश्ड बुने हुए कपड़े'' शीर्षक वाला पेपर।

• टैक्स्टाईल डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पिंटू पंडित द्वारा जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन (एल्सेवियर) 2020 में प्रकाशित ''एच ई–एन 2 गैर–थर्मल प्लाज्मा विकिरण का उपयोग करके रेशम का नमक–मुक्त और निम्न तापमान रंग'' शीर्षक वाला पेपर।

पुस्तक और पुस्तक अध्याय प्रकाशन

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रोफेसर टीडी), कुणाल सिंघा (सहायक प्रोफेसर टीडी) और प्रो संजय श्रीवास्तव (निदेशक, निफ्ट, पटना) ने स्प्रिंगर–नेचर, 2020 में ''अनानास पत्ती फाइबरः खेती और उत्पादन'' पर एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया है।

• सत्येंद्र कुमार मिश्रा (सहायक प्रोफेसर और सीसी–एफडी) ने कोविड –19 और आपातकालीन ई–शिक्षाः परिणाम और अनुभव, स्टार पब्लिकेशन, 2020 पुस्तक पर प्रकाशित ''कोविद– 19 का फैशन डिजाइन शिक्षा पर प्रभाव'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी), डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) और प्रो. संजय श्रीवास्तव (निदेशक, निफ्ट, पटना) ने ''अनानास पत्ती फाइबर की शारीरिक संरचना'' पर स्प्रिंगर–नेचर, 2020 में एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी), कुणाल सिंघा

(सहायक प्रो. टीडी) और प्रो. संजय श्रीवास्तव (निदेशक, निफ्ट, पटना) संपादक, "फैशन और वस्त्रों में अपशिष्ट से पुनर्चक्रणः एक सतत और परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण" स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग एलएलसी जॉन विले एंड संस, यूएसए, 2020 में प्रकाशित हुआ।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी), कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) और प्रो. संजय श्रीवास्तव (निदेशक, निफ्ट, पटना) ने ''फैशन और वस्त्रों में अपशिष्ट से पुनर्चक्रण पर अवलोकनः एक सतत और परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण'' ''पर स्क्रिप्वेनर एंड विले पब्लिशिंग एलएलसी, 2020 में प्रकाशित एक पुस्तक अध्याय लिखा है। ।

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रोफेसर टीडी) और डॉ पिंटू पंडित (सहायक प्रो टीडी) 2020 ने '' उन्नत रंगाई या कार्यात्मक परिष्करण '' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है, जो फ्रंटियर्स ऑफ टेक्सटाइल मैटेरियल्स, जॉन विले एंड संस, लिमिटेड, 2020 में प्रकाशित हुआ है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी), प्रो. संजय श्रीवास्तव (निदेशक, निफ्ट, पटना), कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) और लोकेश कुमार (सहायक प्रो. टीडी) ने स्क्रिप्वेनर एंड विले पब्लिशिंग एलएलसी, 2020 में प्रकाशित ''हथकरघा वस्त्रों में अपशिष्ट की चुनौतियाँ और अवसर'' एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रोफेसर टीडी) और डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रोफेसर टीडी) ने फ्रंटियर्स ऑफ टेक्सटाइल मैटेरियल्स, जॉन विले एंड संस, लिमिटेड 2020 नामक पुस्तक में प्रकाशित ''नैनोमटेरियल्स के माध्यम से यूवी संरक्षण'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) और डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) ने स्प्रिंगर नेचर पब, 2020 में प्रकाशित ''सुरक्षात्मक वस्त्र और कपड़ों के लिए उन्नत यूवी संरक्षण एजेंट'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रोफेसर टीडी) ने एडवांस इन फंक्शनल एंड प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स, वुडहेड पब्लिशिंग, 2020 में प्रकाशित ''सुरक्षात्मक वस्त्रों और कपड़ों के लिए उन्नत कीट विकर्षक एजेंट'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) और कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) ने एडवांस इन फंक्शनल एंड प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स, वुडहेड प्रकाशन, 2020में प्रकाशित ''निर्माण अनुप्रयोगों में हरित सामग्री के उन्नत अनुप्रयोग''' पर एक बुक चौप्टर लिखा है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) और कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) ने "निर्माण अनुप्रयोगों में हरित सामग्री के उन्नत अनुप्रयोग" पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है, जो उन्नत हरित सामग्री के अनुप्रयोग, एल्सेवियर, 2020 में प्रकाशित हुआ है।

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रोफेसर टीडी) और डॉ पिंटू पंडित (सहायक प्रोफेसर टीडी) ने टिश्यू इंजीनियरिंग एंड रीजेनरेटिव मेडिसिन, एल्सेवियर, 2021 में बायोनानोकंपोजिट्स में प्रकाशित ''मेडिकल टेक्सटाइल में चिटोसन–आधारित बायोनोकम्पोजिट्स'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) और डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) ने टिश्यू इंजीनियरिंग और पुनर्योजी चिकित्सा, एल्सेवियर में बायोनानोकंपोजिट्स, 2021 में प्रकाशित ''ड्रग डिलीवरी में एल्गिनेट–आधारित बायोनोकंपोजिट्स के अनुप्रयोग'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) और डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) ने टिश्यू इंजीनियरिंग और पुनर्योजी चिकित्सा, एल्सेवियर में बायोनोकोम्पोजिट्स, 2021 में प्रकाशित ''ड्रग डिलीवरी में एल्गिनेट–आधारित बायोनोकंपोजिट्स के अनुप्रयोग'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रोफेसर टीडी) और कुणाल सिंघा (सहायक प्रोफेसर टीडी) ने ऊतक इंजीनियरिंग और पुनर्योजी चिकित्सा एल्सेवियर, 2021 में बायोनोकोम्पोजिट्स में प्रकाशित ''ऊतक इंजीनियरिंग और पुनर्योजी दवाओं में स्टार्च–आधारित बायोनोकंपोजिट्स'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) और कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) ने "कृषि अपशिष्ट बायोमास द्वारा कपड़ा अपशिष्ट जल का उपचार" पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है, जो वस्त्र अपशिष्ट जल उपचार, एल्सेवियर, 2021 के लिए सतत प्रौद्योगिकियों में प्रकाशित हुआ है। .

• कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) और डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) ने टेक्सटाइल अपशिष्ट जल उपचार के लिए प्रौद्योगिकी में स्थिरता, एल्सेवियर, 2021 में प्रकाशित ''संयुग्मित बहुलक–लेपित उपयुक्त बायोएड्स या अपशिष्ट जल उपचार के लिए बेंटस'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रो. टीडी) और कुणाल सिंघा (सहायक प्रो. टीडी) ने टेक्सटाइल अपशिष्ट जल उपचार, एल्सेवियर, 2021 के लिए सतत प्रौद्योगिकियों में प्रकाशित ''जीरो लिक्विड डिस्चार्ज अपशिष्ट जल उपचार प्रौद्योगिकियों'' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

संकाय सदस्यों ने टीओटी मे भाग लियाः
निफ्ट पटना के संकाय सदस्यों ने 40 टीओटी में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• 23.11.2020 को ''क्या देखें'' विषय पर एक प्रसिद्ध प्रिंट मेकिंग आर्टिस्ट, प्रोफेसर, लेखक और राष्ट्रीय संग्रहालय के एक समिति सदस्य पद्मश्री श्री श्याम शर्मा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

• 25 नवंबर 2020 को ''फैशन का वैश्वीकरण'' विषय पर श्री अंशुल राजवंश, राजवंश प्रेट एंड कॉउचर के क्रिएटिव हेड और फैशन डिजाइन विभाग 2000 के निफ्ट हैदराबाद के पूर्व छात्रों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

• 27 नवंबर 2020 को '' फैशन में स्थिरता और हम'' विषय पर श्री अनुज शर्मा, एक प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर, एनआईडी के पूर्व छात्र और बटन मसाला के संस्थापक द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

• 28 दिसंबर 2020 को ''शिल्प और फैशन की निर्भरता'' विषय पर श्री चंद्रशेखर भेड़ा, एनआईडी के पूर्व छात्र और स्पाइडर डिजाइन के क्रिएटिव हेड और प्रिंसिपल डिजाइनर द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

• 02 दिसंबर 2020 को ''संचार के रूप में फोटोग्राफी'' विषय पर आईआईटी हैदराबाद में जाने–माने वरिष्ठ

फोटोग्राफर और एचओडी दीपक झोन मैथ्यू द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

• 03 दिसंबर 2020 को ''अपने संचार को डिजाइन करें'' विषय पर बिग एफएम पटना में एक रेडियो जॉकी, एक अभिनेता और एक स्टैंडअप कॉमेडियन आरजे विजेता द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

• कश्मीर में शिल्प विकास संस्थान के संस्थापक और शासी परिषद सदस्य प्रो. एस बलराम द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान और वर्तमान में कोयंबटूर में डीजे एकेडमी ऑफ डिजाइन के डीन हैं, 04 दिसंबर 2020 को ''धारणा की शक्ति'' विषय पर।

• निफ्ट के पूर्व छात्र और क्राफ्ट विलेज के सह–संस्थापक सोमेश सिंह द्वारा 10 दिसंबर 2020 को '' कैसे तकनीक और डिजाइन साथ–साथ चलते हैं'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान।

• 1990 के दशक की दूरदर्शन फंतासी टेलीविजन श्रृंखला चंद्रकांता में क्रूर सिंह के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने वाले भारतीय फिल्म और टेलीविजन चरित्र अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान। उनकी अन्य उल्लेखनीय कृतियों में 1999 की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म सरफरोश में मिर्ची सेठ का चरित्र शामिल है और उन्होंने 12 दिसंबर 2020 को ''सिनेमा और समाज पर इसका प्रभाव'' विषय पर अकादमी पुरस्कार नामांकित फिल्म लगान में अर्जन का चरित्र भी निभाया।

• मनीषा झा, एक वास्तुकार और मिथिला कलाकार (मधुबनी पेंटिंग) द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान, उन्हें वर्ष 2014 में ''सांस्कृतिक जड़ें और डिजाइन का आगमन'' विषय पर 14.12.2020। को भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा दिया गया प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

• एक भारतीय फिल्म अभिनेता और निर्देशक परिमल आलोक का विशेषज्ञ व्याख्यान, जोकि मुख्य तौर से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं। परिमल की सिनेमाघरों में हिट होने वाली पिछली फिल्म वर्ष 2012 में ''भारतीय सिनेमा में बदलाव'' विषय पर 16.12.2020 को साड्डा अड्डा थी।

• एन.आई.एफ.टी (डिजाइन) हैदराबाद के पूर्व छात्र और भारत में सबसे प्रतिष्ठित डिजाइन एजेंसियों में से एक, जंपिंगगूज़ के निदेशक और सह–संस्थापक तुहिन रॉय द्वारा 18 दिसंबर 2020 को ''ब्रांडिंग और कहानी सुनाने'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान।

• 24 दिसंबर 2020 को ''हर कोई संचार करता है कुछ ही जुड़ पाते हैं'' विषय पर, निफ्ट हैदराबाद के पूर्व छात्र और पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड में उप महाप्रबंधक संचालन सिद्धार्थ माहेश्वरी द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

• निफ्ट हैदराबाद के पूर्व छात्र सोनाली दीदी और सहायक प्रोफेसर, डिजाइन और मर्चेंडाइजिंग विभाग, प्रमुख संकाय सदस्य, ग्लोबल एनवायरनमेंट सस्टेनेबिलिटी स्कूल, कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, द्वारा 28 दिसंबर 2020 को (भारतीय तिथि के अनुसार) ''वैकल्पिक व्यापार मॉडल जिसमें परिपत्र अर्थव्यवस्था सिद्धांत शामिल हैं'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान

• इसके अलावा 60 और ऐसे व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया

प्रमुख उद्योग संबंध

• वस्त्र डिजाइन विभाग, बैच – अरविंद लिमिटेड, अरावली एक्सपोर्ट्स, हाउस ऑफ मसाबा, डब्ल्यूएफबी बेयर्ड एंड कंपनी (इंडिया) प्रा लिमिटेड, रतन पेपर, रतन टेक्सटाइल, सैन इंटरनेशनल, कोंटूर ब्रांड्स, ओबीटी प्रा लिमिटेड, न्यू टाइम्स ग्रुप, भव्या इंटरनेशनल, फुलसी एक्सपोर्ट, रेडिएंट एक्सपो विजन प्रा लिमिटेड, ट्रिबर्ग, ओबेटी प्रा लिमिटेड, लाइफस्टाइल (लैंडमार्क ग्रुप), जयपुर रग्स, डोनियर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जॉ एंड सन्स लिमिटेड, ब्लैकबेरी, एएलपीएस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बेलेवेन होम, ओस्टर निटवियर्स, वेलस्पन इंडिया लिमिटेड, जयश्री टेक्सटाइल्स, फ्यूचर ग्रुप– फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन (इंडिया), तेजस हरीश फॉर इवॉल्व, न्यू टाइम्स ग्रुप, आजिओ (रिलायंस रिटेल लिमिटेड), अरविंद लिमिटेड (डेनिम डिवीजन), मुफ्ती, इंपल्स इंडिया, रिलायंस रिटेल, मदुरा फैशन एंड रिटेल लिमिटेड, ट्रिबर्ग अपैरल, लाइव बोहेम, लेवी स्ट्रॉस एंड कंपनी पन्या (शुरुआत कलेक्शंस प्राइवेट लिमिटेड), वंडरमैन थॉम्पसन, फेमिना, इंडी डिजाइन, ओगान मीडिया, एसकेपीएल एंटरप्रिज सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, सार्टोइन, गाथा, शॉपर्स स्टॉप, मैककैन वर्ल्ड ग्रुप, चुंबक डिजाइन प्रा लिमिटेड, सुपरफ्लाई प्रोडक्शंस, फ्यूचर स्पेशियलिटी रिटेल लिमिटेड, बॉक्स 8, अकल्पनीय समाधान एलएलपी, डीडीबी मुद्रा, कोंडे नास्ट ट्रैवलर, डिजाइन स्टैक,, कूवस डॉट कॉम, डैमेंश अपैरल प्राइवेट लिमिटेड, लोकस डिजाइन, बिहार स्कूल ऑफ योगा, प्रसून मजूमदार डिजाइन, अर्ली मैन फिल्म प्रा. लिमिटेड, द मैजिक बीन्स, केयर अर्थ, डायरेक्ट क्रिएट, क्लोव स्टूडियो, वाई–वॉल्स डिजाइन प्रा लिमिटेड, एनरूट डीजाइन, इसे केमडिस प्रा लिमिटेड, टाइटन कंपनी लिमिटेड, द एफओपी डिजाइन स्टूडियो, लिटिल बर्ड, जोरिन इंटीरियर्स प्रा लिमिटेड, विवाल्डी लेदर प्राइवेट लिमिटेड, स्टोन मैन क्राफ्ट्स, ट्रेंडी डाइस डिजाइन टेक प्रा लिमिटेड, कासा अदभुता, टोटेटेका, एसजीएस ओवरसीज, क्लोरोफिल, फैब इंडिया ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, चाक स्टूडियो 207, एसएसआईपीएल रिटेल लिमिटेड, अंडर आर्मर इंडिया, टाइम्स इंटरनेट लिमिटेड।

स्थिरता पहलू और ग्रीन कैंपस गतिविधियां

• एलईडी लाइटिंग लगाई गई है
• सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं
• वाई फाई सिस्टम को सपोर्ट करने के लिए सोलर पैनल लगाए गए हैं
• प्लास्टिक मिनरल वाटर की बोतलों का न्यूनतम उपयोग
• वायु शोधक संयंत्रों को मासिक आधार पर किराए पर लिया जा रहा है
• वृक्षारोपण अभियान हर साल दो बार किया जाता है

रायबरेली

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

• महामारी कोविड–19 के दौरान निफ्ट रायबरेली परिसर द्वारा सफलतापूर्वक ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की गईं।

• परिसर में इंटर लॉकिंग फुटपाथ टाइल्स का कार्य शुरू किया गया जो इसे और अधिक सुन्दर बनाते है।

• सभी गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए कोविड–19 महामारी की स्थिति से निपटने के लिए परिसर में विशेष उपाय शुरू किए गए।

• स्वच्छता गतिविधियों के तहत परिसर के प्रशासनिक ब्लॉक के सम्मेलन कक्ष में पीवीसी दीवार पैनलिंग की फिक्सिंग की गई।

• प्रशासनिक ब्लॉक में खपरैल का काम और परिसर की चारदीवारी के बाहर वृक्षारोपण का कार्य परिसर की सुंदरता को बढ़ाने के लिए किया गया।

• 21 जून 2020 को निफ्ट रायबरेली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। डॉ. रवि प्रताप सिंह, योग विशेषज्ञ – आयुष विभाग ने हमारे जीवन में योग के महत्व पर चर्चा की। सभी स्टाफ सदस्यों और हितधारकों ने योग सत्र में शारीरिक/ऑनलाइन मोड रूप से भाग लिया।

• निफ्ट रायबरेली के अधिकारियों, संकाय, स्टाफ सदस्यों और छात्रों द्वारा 14 से 30 सितंबर 2020 तक हिंदी पखवाड़ा–2020 मनाया गया। छात्रों और स्टाफ सदस्यों के बीच विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं (ऑनलाइन/ऑफलाइन) कोविड –19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आयोजित की गईं ।

• 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2020 का आयोजन किया गया। निफ्ट रायबरेली परिसर के अधिकारियों, संकाय और स्टाफ सदस्यों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ ली गई। छात्रों के बीच ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

• निफ्ट रायबरेली में विभिन्न सेवा अनुबंधों की नई निविदाएं अर्थात कीट नियंत्रण सेवाओं, सुरक्षा सेवाओं, कार्यालय स्टेशनरी और हाउसकीपिंग और जनशक्ति सेवाओं, कैंटीन सेवाओं, स्टेशनरी की दुकान को कोविड –19 अवधि के दौरान संसाधित किया गया है और वर्तमान में सफलतापूर्वक प्रचालित हैं।

• निफ्ट रायबरेली परिसर की ओर से, डॉ स्मृति यादव, सहायक प्रोफेसर और श्री अखिलेंद्र प्रताप सोनकर, सहायक प्रोफेसर ने बुनकर सेवा केंद्र, वाराणसी में डिजाइन संसाधन केंद्र के परियोजना विकास के लिए परिसर परियोजना कार्यान्वयन टीम के रूप में योगदान दिया है, जिसका श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, माननीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार के 15 नवंबर 2020 को देश भर में 08 अन्य डब्लू ए सी के साथ विधिवत उद्घाटन किया गया था।

• दो छात्रावास ब्लॉकों का नवीनीकरण कार्य निर्धारित समय के भीतर पूरा कर लिया गया है।

• संविधान दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती का आयोजन कोविड–19 महामारी के दौरान कर्मचारियों और छात्रों की भौतिकध्ऑनलाइन उपस्थिति द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है।

• निफ्ट रायबरेली परिसर में 01 मार्च से 15 मार्च, 2021 तक ''स्वच्छता पखवाड़ा'' आयोजित किया गया जिसमें

कर्मचारियों और छात्रों के बीच कई प्रतियोगिताएं और जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई और समय–समय पर रिपोर्ट भेजी गई।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट रायबरेली में जीवंत और रोचक परिसर के साथ संकाय की एक समर्पित टीम है जो दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर है। रचनात्मक वास्तुकला और विशालता सभी निफ्ट भवनों को परिभाषित करती है, जिसमें पूरी तरह सुसज्जित व्याख्यान कक्ष, डिजाइन स्टूडियो और प्रयोगशालाएं, संसाधन केंद्र, गतिविधि केंद्र और छात्रावास हैं। शिक्षा संरचना व्यावहारिक सेट–अप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव पर जोर देती है। निफ्ट रायबरेली व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दोनों प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और उपकरण प्रदान करता है।

निफ्ट रायबरेली में छात्रों को दी जाने वाली सुविधाएं और सेवाएं उन्हें रचनात्मक विचारों को प्रयोग करने और उत्पन्न करने की स्वतंत्रता देती हैं।

• लेक्चर हॉल
अच्छी तरह से सुसज्जित वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, अत्यधिक संवादात्मक सत्रों के लिए डिजाइन की गई उन्नत शिक्षण पद्धति का उपयोग किया जाता है।

• कंप्यूटर लैब्स
फैशन पेशेवरों की सफलता फैशन और सूचना प्रौद्योगिकी को सार्थक तरीके से एकीकृत करने की उनकी क्षमता पर टिकी हुई है। सभी निफ्ट केंद्रों में आईटी सुविधाएं एक महत्वपूर्ण विशेषता है और निफ्ट रायबरेली में वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से लैस हैं।

• संसाधन केन्द्र
संसाधन केंद्र सूचना और ज्ञान प्रबंधन का स्तंभ है। प्रत्येक संसाधन केंद्र में प्रिंट, दृश्य और रचनात्मक सामग्री संसाधनों का एक एकीकृत संग्रह है: अंतर्राष्ट्रीय और समकालीन भारतीय फैशन के अध्ययन के लिए भारत में उपलब्ध सूचना का एकमात्र व्यवस्थित रूप से प्रलेखित स्रोत है। संसाधन केंद्र ने डिजाइन समुदाय, उद्योग व्यवसायियों और उद्यमियों को सूचना सेवाएं भी प्रदान करवाई हैं।

संसाधन केंद्र के संग्रह में शामिल हैं:
• पुस्तकें, बाऊन्डस, स्नातक परियोजनाएँ, शिल्प दस्तावेज
• पीरियोडिकल्स
• राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फैशन और कपड़ा पत्रिकाएं
• ऑडियो–विजुअल
• रितु कुमार के भारतीय संग्रह, निफ्ट छात्रों द्वारा मेट्रो ड्रेस डिजाइन और निफ्ट छात्रों के अन्य संग्रह

उत्तर प्रदेश सेवाओं के समूह की पेशकश की:
• संदर्भ सेवा
• ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी)
• ग्रंथ सूची सेवा
• अनुक्रमण सेवा
• परिसंचरण सेवा
• रेप्रोग्राफिक्स सेवा
• रंग सेवा
• ई–बुक सेवा
• ई–पत्रिका सेवाएं
• छात्र परियोजनाएं (जीपी, शिल्प)
• ई–जर्नल्स और ऑनलाइन डेटाबेस
• वर्तमान जागरूकता सेवाएं
• आरएफआईडी पुस्तकालय सुरक्षा प्रणाली की सेवाएं बहुत जल्द शुरू की जानी हैं।

रंगमंच
निफ्ट रायबरेली परिसर का रंगमंच छात्र प्रस्तुतियों और डिजाइन संग्रह शोकेस के लिए आदर्श है।

काफीहाउस
विभिन्न प्रकार के भोजन और मैत्रीपूर्ण वातावरण, छात्रों को आराम करने और अपने साथियों के साथ बातचीत करने के लिए कैफेटेरिया आदर्श स्थान है।

स्टैशनेरी दुकान
छात्रों की दिन–प्रतिदिन की स्टैशनेरी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परिसर में सुसज्जति स्टेशनरी की दुकान उपलब्ध है।

छात्रावास
निफ्ट रायबरेली लड़कियों और लड़कों के लिए पूरी तरह से आवासीय निवास स्थान प्रदान करता है। छात्रावास परिसर में चौबीसों घंटे वाई–फाई और ब्रॉड बैंड इंटरनेट सुविधा के साथ पेशेवर सुरक्षा कवर प्रदान किया जाता है। कमरे सभी आवश्यक वस्तुओं जैसे गद्दे, एयर कूलर और गीजर से सुसज्जित हैं। छात्रावासों में मनोरंजन सुविधाएं जैसे टीवी, पत्रिकाएं, कुछ इनडोर और आउटडोर खेल भी उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य देखभाल
छात्रों को चिकित्सा सहायता सेवाएं एक डॉक्टर के माध्यम से परिसर में प्रदान की जाती हैं जो नियमित रूप से परिसर में आते हैं। एक मनोवैज्ञानिक भी नियमित अंतराल पर छात्रों को परामर्श देने के लिए परिसर का दौरा करता है। इसके अलावा, सभी छात्र कैशलेस सुविधा के साथ चिकित्सा बीमा के तहत कवर हैं।

मनोरंजन क्षेत्र
छात्र गतिविधि क्लब, अर्थात् सांस्कृतिक और नाटकीय क्लब, खेल, साहसिक और फोटोग्राफी क्लब, साहित्य क्लब और पर्यावरण और सामाजिक सेवा क्लब नियमित आधार पर मनोरंजन, खेल और अवकाश गतिविधियाँ की व्यापक रेंज का आयोजन करते हैं। निफ्ट रायबरेली परिसर में कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए पर्याप्त जगह है, जिससे छात्रों को अपने व्यक्तिगत हितों को आगे बढ़ाने और सामाजिक सरोकारों की दिशा में काम करने की अनुमति मिलती है।

जिम सुविधा
एरोबिक और शक्ति प्रशिक्षण व्यायाम उपकरण दोनों के

सहित यूनिसेक्स जिम सुविधा परिसर में उपलब्ध है।

खेल सुविधा
बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट और वॉलीबॉल कोर्ट निफ्ट रायबरेली परिसर में उपलब्ध है। निफ्ट रायबरेली परिसर के छात्रों के साथ–साथ कर्मचारियों के लिए भी योग प्रशिक्षक उपलब्ध है।

अल्पकालिक कार्यक्रम

वर्ष 2020–21 के दौरान वाराणसी में निफ्ट रायबरेली के विस्तार केंद्र में दो सीई कार्यक्रमों यानी कपड़ा और फैशन वस्त्र प्रौद्योगिकी के लिए सीएडी के तीन बैच आयोजित किए गए हैं।

प्रमुख परियोजना

निफ्ट रायबरेली शिल्पकारों को आर्थिक स्थिरता में सहायता प्रदान करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्रों में डिजाइन विकास, तकनीकी उन्नयन और कौशल विकास की दिशा में प्रमुख पहल कर रहा है। निफ्ट रायबरेली द्वारा वर्तमान में शुरू की जा रही कुछ प्रमुख परामर्शी परियोजनाएं इस प्रकार हैं:
चालू वर्ष के दौरान खादी कामगारों/श्रमिकों को पूर्ण आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम। खादी कामगारों के लिए डिजाइन अवधारणा, पैटर्न विकास, परिधान निर्माण, भूतल अलंकरण और स्टाइलिंग पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कुल 40 खादी कामगार (कारीगर) और 30 मास्टर ट्रेनर लाभान्वित होंगे।

• ''विकास के लिए पारंपरिक कलाधशिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन (उस्ताद)'' अल्पसंख्यक शिल्पकारों और कारीगरों को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से लखनऊ के कामदानी शिल्प समूह और लखनऊ और बाराबंकी के बोन कार्विंग शिल्प समूह के विकास पर केंद्रित है।

• उत्तर प्रदेश राज्य आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम), ग्रामीण विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बैंकिंग पत्राचार सखी (बीसी–सखी) के सदस्यों के लिए एक अलग पहचान, दृश्यता और सौहार्द बनाने के लिए एक वर्दी डिजाइन करने की परियोजना की गई है।

चल रही परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण:
• उत्तर प्रदेश राज्य आजीविका से परियोजना मिशन (यूपीएसआरएलएम), ग्रामीण विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सखी संवर्ग के लिए मुबारकपुर, माऊ, वाराणसी आदि के बुनकरों से लगभग 1.20 लाख (साड़ी और सूट) हथकरघा पर बुनी हुई वर्दी के उत्पादन की व्यवस्था करने के लिए परियोजना प्रगति पर है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

• एफसी–टप् सेमेस्टर (2018–22) की छात्रा सुश्री अदिति चतुर्वेदी ने अंडर 25 छात्र प्रयोगशाला 2020 (अखिल भारतीय स्तर) द्वारा आयोजित मीडिया मुगल प्रतियोगिता जीती है।

• एफसी–VIII (2017–21) के छात्र श्री शुभजीत रॉय ने आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन, आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित डी'सोर्स कोरोना डिजाइन चौलेंज जीता है।
• सुश्री रिया भट्टाचार्य, ए डी – VII सेमेस्टर (बेच 2017–21) की छात्रा ने जुलाई, 2020 के महीने में आयोजित नूआन्स स्टूडियो बैंगलोर डिजाइन प्रतियोगिता जीती है।
• लैदर डिजाइन विभाग – III, V और VII सेमेस्टर के छात्रों ने 18 से 23 सितंबर 2020 तक ''इंडिया कोटीओर वीक –2020 के प्रथम डिजिटल संस्करण'' में स्वयंसेवा के रूप में भाग लिया है। तीन छात्र, सुश्री वैभवी तारगी, एलडी–III सेम सुश्री अश्लेषा राय (एलडी–V सेमेस्टर) और सुश्री तान्या अग्रवाल (एलडी– V सेमेस्टर) को एफडीसीआई से प्रमाण पत्र मिला। उपरोक्त के अलावा कई छात्रों ने वर्ष भर में आयोजित विभिन्न राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं /अंतर–कॉलेज प्रतियोगिताओं में भाग लिया है।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

• फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण (सहायक उपकरण डिजाइन) विभाग (बैच 2016–20) के 26 छात्रों ने महामारी कोविड – 19 के कारण ऑनलाइन मोड के माध्यम से पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में 22 सप्ताह के स्नातक परियोजना को पूरा किया था।

• फैशन संचार विभाग (बैच 2017–21) के 30 छात्रों ने 16 सप्ताह की स्नातक परियोजना को पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पूरा किया है।

• लेदर डिजाइन विभाग के 24 छात्रों ने पाठ्यक्रम 2021 के भाग के रूप में 16 सप्ताह का स्नातक परियोजना किया था, छात्रों ने भारत और भारत के बाहर प्रतिष्ठित कंपनियों में ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में अपनी स्नातक परियोजना किया है।

• फैशन प्रबंधन विभाग (बैच 2019–21) के 27 छात्रों ने 16 सप्ताह की स्नातक परियोजना को पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पूरा किया है।

• फैशन डिजाइन विभाग – आठवें सेमेस्टर के 31 छात्रों ने विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों में अपनी स्नातक परियोजना को पूरा किया। इसके अलावा, फैशन के 11 छात्रों ने डिजाइन विभाग – आठवें सेमेस्टर ने डिजाइन संग्रह किया है।

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

• एलडी–7वें सेम के छात्रों के लिए (बैच 2017–21) 27 अक्टूबर 2020 को जोधपुर के मोजरी कारीगर श्री सुरेश चंद द्वारा 'जोधपुर राजस्थान के मोजरी शिल्प' पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से विशेष इनपुट सत्र आयोजित किया गया था।

• एलडी–5वें सेमेस्टर छात्र (बैच 2018–22) के लिए 'शिल्प का परिचय' विषय पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से श्री वीरेंद्र कुमार, उप निदेशक, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), दिल्ली के साथ 04 नवंबर 2020 को एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया।

• एल.डी.–5वें सेम (बैच 2018–22) के छात्रों के लिए 05 नवंबर 2020 को श्री दिनेश कुमार, हमीरपुर के कारीगर द्व ारा 'हमीरपुर, उत्तर प्रदेश की नागरा जूतियों' पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• एलडी–III सेम के छात्रों के लिए (बैच 2019–23) 06 नवंबर 2020 को श्री दिनेश कुमार, हमीरपुर के कारीगर द्वारा 'हमीरपुर, उत्तर प्रदेश की नागरा जूतियों' पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• एलडी–5वीं सेम के छात्रों के लिए (बैच 2018–22) 06 नवंबर 2020 को श्री एसजी रंजन, शिक्षाविद शिल्प, डिजाइन और कला, दिल्ली द्वारा 'अच्छी गुणवत्ता वाले शोध दस्तावेज बनाने के कौशल' पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से विशेष इनपुट सत्र आयोजित किया गया था।

• एलडी–चतुर्थ सेमेस्टर (बैच 2019–23) के छात्रों के लिए 24 से 26 फरवरी 2021 को श्रीमती माधुरी मिश्रा, लखनऊ से राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता द्वारा' हाथ चित्रकारी, स्क्रीन प्रिंटिंग, ब्लॉक प्रिंटिंग पर मोजरी क्राफ्ट प्रदर्शन' पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से विशेष इनपुट सत्र आयोजित किया गया था।

• एलडी–VI सेम (बैच 2018–22) के छात्रों के लिए 23.03.2021 से 24.03.2021 और 26.03.2021 को लखनऊ की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्रीमती माधुरी मिश्रा द्वारा हाथ से तैयार चमड़े के उत्पादों पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से विशेष इनपुट सत्र आयोजित किया गया था।

• 19.05.2020, 20.05.2020, 09.06.2020 और 14.06.2020 को श्री रामेश्वर सिंह (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता) और श्री रोहन विश्वकर्मा, कारीगर द्वारा ए डी –चौथे सेम, (बैच 2018–22) के छात्रों के लिए लैकर टॉयज, वाराणसी (यूपी) और गुलाबी मीनाकारी, वाराणसी (यूपी) पर 'शिल्प कार्यशाला' ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की गई।

• वाराणसी के कारीगरों के साथ ऑनलाईन माध्यम से विचार विमर्श (उ.प्र.) 19.10.2020, 25.10.2020 एवं 26.10.2020 (03 दिन) को 'शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना' विषय के संबंध में एडी–7वें सेमेस्टर, बैच 2017–21 के 27 छात्रों के लिए 'लाखवेयर क्राफ्ट' के लिए व्यवस्था की गई थी।

• 23.10.2020, 06.11.2020, 06.11.2020, 10.11.2020 से 12.11.2020 और 24.11.2020 को विषय 'शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन' के संबंध में एडी–5वें सेमेस्टर, बैच 2018–22 के 27 छात्रों के लिए आभासी बातचीत की व्यवस्था की गई थी ताकि उनके संबंधित समूहों गुलाबी मीनाकारी, वाराणसी (यूपी) (07 छात्र), मेटल रेपोस, वाराणसी (यूपी) (07 छात्र), पच्चीकारी, आगरा (यूपी) (06 छात्र) और लाख के बर्तन, वाराणसी (यूपी) (07 छात्र) के कारीगरों से प्राथमिक और माध्यमिक शोध डेटा एकत्र किया जा सके।

• एफसी–वी सेमेस्टर के छात्रों के साथ 11.11.2020 से 27.11.2020 तक कोविड –19 महामारी के कारण ऑनलाइन मोड के माध्यम से शिल्प अनुसंधान प्रलेखन आयोजित किया गया।

• फैशन संचार विभाग द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से 21 से 23 दिसंबर, 2020 तक 12 कारीगरों के साथ कारीगर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

• 'कारीगर जागरूकता कार्यशाला' 21.12.2020 से 23.12.2020 (03 दिन) तक आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न शिल्पों के 12 कारीगरों ने एडी विभाग के संकाय सदस्यों के साथ भाग लिया है। कार्यशाला के दौरान, सुश्री रेखा सिन्हा, महासचिव, रेखाकृति (एनजीओ) और प्रोपराइटर – रेखाकृति मार्केटिंग कंपनी, लखनऊ (यूपी) और श्री प्रदीप कुमार यादव, सहायक निदेशक, डीसी हस्तशिल्प, लखनऊ (यूपी) द्वारा 23.12.2020 को विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया है।

• 24.10.2020, 26.10.2020 और 27.10.2020 (3 दिन) से ब्रोकेड (हस्तशिल्प), वाराणसी के 12 कारीगरों के लिए कारीगर जागरूकता कार्यशाला ऑनलाइन (कोविड –19 के कारण) आयोजित की गई। कार्यशाला में एमएफएम–ण्ण् के 27 छात्रों ने भी ऑनलाइन के माध्यम से भाग लिया है। वर्कशॉप के दौरान ब्रोकेड, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) के 12 कारीगरों ने विपणन, खुदरा, व्यापार आदि पर ज्ञान साझा करने के लिए निफ्ट संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत की।

• सुश्री गरिमा श्रीवास्तव, राष्ट्रीय आजीविका अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जैव विविधता कार्यक्रम, नई दिल्ली को विपणन, व्यवसाय की समझ के लिए ब्रोकेड (हस्तशिल्प), वाराणसी के 12 कारीगरों के लिए ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए 24.10.2020 को आदि जागरूकता कार्यशाला के दौरान आमंत्रित किया गया था।

• एमएफएम–III सेमेस्टर, बैच 2019–21 के छात्रों ने 28.10.2018 से निम्नलिखित क्षेत्रों के साथ ऑनलाइन के माध्यम से 2020 से 01.11.2020 तक अपने क्लस्टर अध्ययन (अनुसंधान और प्रलेखन) कार्य (एमएफएम–द्वितीय सेमेस्टर के रूप में विषय को कोविड –19 के कारण आगे बढ़ाया गया था) पूरा कर लिया है।

• शिल्प समूह निदान अध्ययन विषय के लिए 06.11.2020 को डॉ. रजनीकांत (पदम श्री अवार्डी) द्वारा एफ डी –V सेमेस्टर के छात्रों के लिए प्री–विजिट विशेष इनपुट व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी।

पीएचडी पूर्ण कर रहे हैं या कर चुके हैं

• श्री अजय कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट रायबरेली ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है और 29.07.2020 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से पीएचडी की उपाधि दी गई है।

• परिसर के 11 संकाय सदस्य विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से पीएचडी कर रहे हैं।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

• सुश्री अंकिता कुमार, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित एक शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन, क्रिएटिविटी एंड चेंज में ''भारत में फैशन और समाज पर हिंदी सिनेमा का प्रभाव और इसका विपरीत'' विषय परय खंड 13, अंक 12, 2020य आईएसएसएन 2201–1323 में प्रकाशित हुआ था।

• सुश्री अंकिता कुमार, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित एक शोध पत्र '' जूनून में सांस्कृतिक कोड को उजागर करना: वेशभूषा के माध्यम से एक कथा '' विषय पर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन, क्रिएटिविटी एंड चेंजय खंड 13, अंक 12, 2020य आईएसएसएन 2201–1323 में प्रकाशित हुआ था।

• श्री लाल सिंह, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित एक शोध पत्र शोध इंटरनेशनलः ए मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल जर्नल (हिंदी में) आईएसएसएनः2581–3501 जर्नल में ''द्वापरयुगमेंपुनरजन्मके प्रमाण – एक सत्य'' विषय पर प्रकाशित हुआ था।

• श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर ने जेपी बिजनेस स्कूल, नोएडा में व्यापार अवधारणाओं में स्थिरता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भारतीय फुटवियर उद्योग हरित विनिर्माण की ओर बढ़ रहा है'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित एक शोध पत्र ''पोस्ट कोविड –19: एमएसएमई स्टिमुलस के संदर्भ में भारतीय फुटवियर और चमड़ा उद्योग में अवसर और चमड़ा निर्यात परिषद की विशेष भूमिका'' विषय पर पत्रिका वॉल्यूम 4 अंक 2 2020 कॉर्पोरेट इंटरनेशनल ख्आईएसएसएनः 2581–6438, में प्रकाशित किया गया था।

• श्री संजय कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर – एफसी ने चौप्टर नं. 4 शीर्षक डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके भारतीय शिल्प की वाणिज्यिक व्यवहार्यता को बढ़ाना (पृष्ठ संख्या 38–44)। पुस्तक (प्रबंधन में समकालीन अनुसंधान वॉल्यूम 2) स्टारलेट पब्लिशिंग, आईएसबीएन नं 978–93–90307–62–3 द्वारा प्रकाशित की गई है ।

• श्री संजय कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर एफसी रायबरेली परिसर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च (आईजेएसआईआर), आईएसएसएन नंबर 2724–3338 द्वारा प्रकाशित ''वाराणसी ब्रोकेड में होम फर्निशिंग उत्पाद और बिक्री रणनीति का अध्ययन'' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ विद्या राकेश, सहायक प्रो. – एफडी ने मार्च, 2021 में एक पेपर ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता: लक्जरी प्रचार का नया चेहरा'' (ग्रैडिवा रिव्यू जर्नल, ए यूजीसी द्वारा अनुमोदित ग्रुप II जर्नल) (आईएसएसएन नंबरः 0363– 8057 वॉल्यूम 7, अंक 3, पेज 49–70) प्रकाशित किया है।

संकाय अभिविन्यास, प्रशिक्षण और विकास संकाय प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी)

• निफ्ट रायबरेली के अधिकांश शिक्षकों ने ऑनलाइन मोड पर पूरे वर्ष विभिन्न वेबिनार, कार्यशाला और टीओटी में भाग लिया। कुल 19 कार्यशालाओं में भाग लिया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/प्रदर्शनियों/व्यापार मेलों/सम्मेलनों में संकाय की भागीदारी

• डॉ विद्या राकेश, सहायक प्रो. ने 16.03.2021 को ''भारत में सतत शिल्प'' पर आई एफ एफ टी आई सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता डॉ. वंदना भंडारी ने की और इसकी अध्यक्षता डीजी–निफ्ट, श्री शांतमनु, आईएएस ने की।

• श्री राजेश कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 15.05.2020 को 'ग्रामीण भारत में कोविड –19 महामारी के प्रभाव' पर राष्ट्रीय वेबिनार पर ''कोविड –19 के दौरान ग्रामीण भारतीय अर्थव्यवस्था के कारण प्रवासन पर प्रभाव'' विषय पर 16.05.2020 मगध विश्वविद्यालय, बोध गया में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री राजेश कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 15.05.2020 और 16.05.2020 को मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में 'ग्रामीण भारत में कोविड –19 महामारी के प्रभाव' पर राष्ट्रीय वेबिनार पर ''ग्रामीण भारत के लिए रणनीति और प्रबंधन'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री राजेश कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक को 15.05.2020 और 16.05.2020 अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन, बोधगया में 'कोविड–19 महामारी के ग्रामीण भारत में प्रभाव' पर राष्ट्रीय वेबिनार पर ''पोस्ट कोविडः भारतीय हस्तशिल्प का निर्यात परिदृश्य (रिबूट, रीसेट, फिर से खोज)'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री संजय कुमार पांडे, सहायक प्रो. ने 17.05.2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में ''कोविड –19, एक वैश्विक महामारीः संभावना और चुनौतियां'' विषय पर राष्ट्रीय लेख लेखन प्रतियोगिता में ''तकनीकी टेक ऑफ के कोविड –19 हार्बिंगर'' शीर्षक वाले लेख ग्रामीण प्रबंधन विभाग द्वारा बीबीएयू (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ, भारत) में भाग लिया और योगदान दिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• सेमिनार, विशेषज्ञों से विशेष इनपुट व्याख्यान, ऑनलाइन मोड पर कार्यशालाओं का आयोजन सभी पांच विभागों द्वारा किया गया था जिसमें पूर्व छात्र, भारत के उद्योग विशेषज्ञ विदेशों में शामिल थे। शैक्षणिक सत्र के दौरान विभिन्न तिथियों पर कुल 89 ऐसे संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

उद्योग लिंकेज (विजिट और छात्र इंटर्नशिप)

• एनआईएफटी रायबरेली परिसर से 04 छात्र अर्थात् सुश्री अंशिता मोहंती (एडी–III), सुश्री पारुल (एलडी–III), सुश्री याम्बेम याखोम्बा मीती (एफसी–III) और श्री संयम शर्मा (एफडी–III) का आस कार्यक्रम 2021–22 एफआईटी के लिए चयन किया गया।

• श्री राकेश कुमार प्रभाकर, वरिष्ठ विजुअलाइजर और प्रोडक्शन प्रभारी, डावरा प्रिंटर्स, नई दिल्ली, सुश्री संस्कृति श्रीवास्तव, वरिष्ठ व्यापारी, ली और फंग, गुड़गांव, श्री राकेश कुमार प्रभाकर रुचि भूषण श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबंधक, तनिष्क, नई दिल्ली, श्री नितिन कुमार शुक्ला, डिजाइनर, फूमा डिजाइन, जैसे उद्योग विशेषज्ञों के साथ विभिन्न विभागों के छात्रों के इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए गए थे।

• छात्रों को उद्योग में बारीकियों के बारे में जागरूक करने के लिए सुश्री रूपल बोर्गे, सोशल मीडिया रणनीतिकार, हिरेंद्र नूनवाल, स्टाइलिस्ट, प्रशांत जौहरी, फिल्म निर्देशक और लेखक जैसे डोमेन विशेषज्ञों के साथ इंटरएक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए थे। श्री मयंक कौशल, वरिष्ठ डिजाइनर, डोंगुक स्टील, नोएडा, नावेद खान, वरिष्ठ प्रबंधक, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन, श्री संजीव तिवारी, मुख्य दृश्य व्यापारी, रिलायंस ट्रेंड्स, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे कुछ प्रमुख पूर्व छात्रों ने भी छात्रों के साथ बातचीत की।

• श्री एम. जिवानी, एमडी – भारत इंडस्ट्रीज, साक्षी एल्सा, एमडी–संपन्ना, केरल और सुश्री मोनिका सिंह, ज्वैलरी डिजाइनर और एंटरप्रेन्योर जैसे उद्यमियों के साथ सत्र ने भी छात्रों के साथ बातचीत की।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

• इन–हाउस नर्सरी विकसित की गई है और परिसर को हमेशा मौसमी फूलों और पौधों से हरा–भरा रखा जाता है।
• पर्यावरण दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और फ्रेशर्स के शामिल होने जैसे विभिन्न अवसरों पर परिसर में नियमित रूप से वृक्षारोपण किया गया है।

• निफ्ट रायबरेली परिसर के परिसर में 3 कम्पोस्ट पिट पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले जैविक कचरे का निपटान और प्रबंधन निफ्ट द्वारा किया जाता है।

• छात्रावास क्षेत्र, आवासीय क्वार्टरों, शैक्षणिक ब्लॉकों में स्थापित पारंपरिक लाइटों को पहले ही एलईडी लाइटों से बदल दिया गया है।

• छात्रावास, कार्यालय और आवासीय ब्लॉक में पानी की आपूर्ति के लिए निफ्ट परिसर में 3 जल संचयन प्रणालियाँ स्थापित है।

• परिसर में पुनर्चक्रण और पुनर्चक्रण के लिए अपशिष्ट पदार्थ का उपयोग। कैंटीन में चाय परोसने के लिए 'कुल्हड़' का इस्तेमाल किया जा रहा है जो एक पर्यावरण – अनुकूल विकल्प है ।

• 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने के लिए वनस्पति समृद्ध वातावरण बनाए रखने के लिए संस्थान लगातार पहल कर रहा है। एक अकादमिक संस्थान के लिए एक आदर्श माहौल बनाने के लिए उद्यान और लॉन विकसित किए जा रहे हैं।

शिलांग

2008 में स्थापित निफ्ट शिलांग देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एकमात्र निफ्ट परिसर है। केंद्र फैशन डिजाइन में डिजाइन में स्नातक कार्यक्रमय गौण डिजाइनय वस्त्र डिजाइनय और फैशन संचार, साथ ही फैशन प्रबंधन में स्नातकोटर कार्यक्रम प्रदान करता है ।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट शिलांग परिसर, उमसावली, न्यू शिलांग में 20. 13 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें से लगभग 8 एकड़ का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसमें ऑडियो विजुअल क्षमता वाले 15 कक्षाओं सहित अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। नवीनतम कॉन्फिगरेशन और सॉफ्टवेयर वाले 120 कंप्यूटरों के साथ 5 कम्प्यूटर लैब पैटर्न बनाने, परिधान निर्माण, रंगाई, चमड़े के उत्पाद, करघे, सहायक डिजाइन के लिए विशेषज्ञ प्रयोगशालाएं गीली और सूखी कार्यशालाएँ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सामान्य चर्चा कक्ष संसाधन केंद्र और पुस्तकालय प्रदर्शन क्षेत्रों सामान्य और विशेषज्ञ दुकानें कैफेटेरिया, जिम बैंक परिसर क्रमशः 120 और 280 की क्षमता वाले लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास संकाय और स्टाफ क्वार्टर निदेशक का निवास और गेस्ट हाउस है।

2020–21 की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1. डिजाइन संसाधन केंद्र (डीआरसी)
बुनकर सेवा केंद्र (डब्ल्यूएससी) गुवाहाटी में डिजाइन संसाधन केंद्र (डीआरसी) की स्थापना की जिम्मेदारी सितंबर 2020 में निफ्ट शिलांग को सौंपी गई थी। डीआरसी के लिए एक नया लेआउट डिजाइन किया गया था, साथ ही नए और अतिरिक्त प्रदर्शन क्षेत्र और डीआरसी के कार्यात्मक और सौंदर्य दोनों पहलुओं को बढ़ाने के लिए सहारा दिया गया। डब्ल्यूएससी गुवाहाटी में इस डीआरसी का उद्घाटन वस्तुतः माननीय कपड़ा मंत्री, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी द्वारा 15 दिसंबर 2020 को सचिव कपड़ा, श्री रवि कपूर आईएएस, और श्री शांतमनु आईएएस, महानिदेशक निफ्ट की उपस्थिति में किया गया था।

2. एरी सिल्क विलेज पार्टनर
रेशम उत्पादन विभाग, सरकार के अनुरोध पर मेघालय के, एनआईएफटी री–भोई जिले, मेघालय के उम्देन–दीवोन में ''एरी सिल्क विलेज की घोषणा'' की पहल में भागीदार था। इसमें उम्देन गांव में विभिन्न रेशम इकाइयों और एक केंद्रीकृत डिजाइन केंद्र और प्रदर्शन क्षेत्र के साथ समेकित करना शामिल है।

3. एनईएचएचडीसी और निफ्ट शिलांग के बीच समझौता ज्ञापन उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) और निफ्ट शिलांग के बीच पूर्वोत्तर क्षेत्र के कारीगरों और बुनकरों के व्यावसायिक विकास और विकास को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी दी गई है। पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्रों के विकास और संवर्धन का समर्थन करना और पूर्वोत्तर के कारीगरों, निफ्ट के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए पारस्परिक विकास और लाभ को बढ़ावा देना इसके मुख्य लक्ष्य हैं।

4. महत्वपूर्ण दिवसों को मनाना और उत्सवों का आयोजन – निफ्ट शिलांग ने 2020–21 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (07 अगस्त) गांधी जयंती (02 अक्टूबर) सतर्कता जागरूकता सप्ताह (27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2020) संवैधानिक दिवस (26 नवंबर) गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च) स्वच्छता

पखवाड़ा 2021 (1 मार्च 2021 से 15 मार्च 2021) सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया ।

अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट शिलांग ने 21 से 26 अक्टूबर 2020 तक 5 दिनों के लिए पीजी नेशनल कैडेट कॉर्प्स (एनसीसी) की 40 गर्ल्स कैडेट्स के लिए फैशन डिजाइन बेसिक्स पर अपना पहला अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका संचालन सुश्री रिमी दास और सुश्री औरिनीता दास ने किया।

प्रमुख परियोजना

परिधान के उद्यमिता विकास कार्यक्रम में शामिल कुछ प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं। गौण विकास और प्रबंधन कौशल, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की परियोजना ''विकास के लिए पारंपरिक कलाधशिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन'' (उस्ताद)य मेघालय में एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशालाएं, उमरोई, री–भोई जिला, मेघालय में बुनाई और कढ़ाई, शिलांग, पूर्वी खासी हिल्स जिले में चमड़ा शिल्पय जोवाई, जयंतिया में काली मिट्टी के बर्तनों का शिल्प हिल्स जिला, मेघालय, और क्षमता विनिर्माण और परिधान डिजाइनिंग (वाणिज्य और उद्योग निदेशालय), मेघालय सरकार।

छात्र प्रतियोगिताओं में प्रमुख उपलब्धियां और पुरस्कार

टीसीएनएस क्लोदिंग द्वारा अखिल भारतीय डिजाइन चुनौती के लिए सुश्री आशिमा कंवर, सुश्री मनीषा सरमा और श्री अरविंद अनिकेत राउत, फैशन डिजाइन विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों को चुना गया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम छात्रों ने अपनी स्नातक परियोजनाओं को पूरा किया

अकुयरेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अरविंद ब्रांड्स लिमिटेड, जेनेसिस लग्जरी फैशन प्राइवेट लिमिटेड, गिवा (इंडीजवेल फैशन प्राइवेट लिमिटेड), जेजे फैशन, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, मंगलम आर्ट्स, ओरिएंट क्राफ्ट लिमिटेड, आउटहाउस आभूषण, पैंटालून, पेपे जींन्स– इनरफैशन प्राइवेट लिमिटेड, रानिक एक्सपोर्ट्स प्रा लिमिटेड, शाही एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, स्विसकॉन, तनिष्क, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ पूर्ण किया।

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

क्राफ्ट	विभाग / गतिविधि	स्थान
हथकरघा (एरी सिल्क)	एफ डी/प्रक्रिया दस्तावेजीकरण और नैदानिक अध्ययन	मेंदीपाथर, मेघालय
हथकरघा (कपास)	एफ डी /प्रक्रिया दस्तावेजीकरण और नैदानिक अध्ययन	कोकराझार, असम
एरी, कॉटन और एक्रेलिक यार्न (कारीगर जागरूकता कार्यशाला)	रुझानों पर एफएमएस/ ज्ञान साझा करना और बाजार की मांगों को समझना	ऑनलाइन आयोजित
हथकरघा (कपास और एरी रेशम)	एफएमएस /प्रोटोटाइप विकास और प्रक्रिया प्रलेखन	चंदरपुर, असम
हस्तशिल्प (काले मिट्टी के बर्तन)	एफ और अल ए / प्रोटोटाइप विकास और प्रक्रिया प्रलेखन	लोंगपीह, मणिपुर
हस्तशिल्प (काले मिट्टी के बर्तन और बांस)	एफ और अल ए / प्रोटोटाइप विकास और प्रक्रिया प्रलेखन	बमुतिया और शंखला, त्रिपुरा
हस्तशिल्प (लकड़ी के शिल्प और बांस)	एफ डी/प्रोटोटाइप विकास और प्रक्रिया प्रलेखन	दीमापुर, नागालैंड
हथकरघा (एरी सिल्क)	एफ डी/प्रोटोटाइप विकास और प्रक्रिया प्रलेखन	उम्देन और प्लाशा, मेघालय
हथकरघा (लकड़ी के शिल्प और बांस)	एफ और अल ए / प्रोटोटाइप विकास और प्रक्रिया प्रलेखन	कोहिमा, नागालैंड

पीएचडी पूर्ण कर रहे हैं या कर चुके हैं

डॉ अरिंदम दास, निदेशक निफ्ट शिलांग (पीएचडी डिग्री पूरी कर चुके हैं।) और सुश्री रिमी दास, सहायक प्रोफेसर (बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान) और श्री अमरदीप राभा, सहायक प्रोफेसर (आईआईटी गुवाहाटी) से कर रहे हैं।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

डॉ. अर्नब बनर्जी, सहायक प्रो.– एफएमएस विभाग और श्री एस डी बुहरॉय, सहायक प्रो. – एफएमएस विभाग माजुली नें' उद्योग प्रतिस्पर्धात्मक विश्लेषण और व्यवहारिक आर्थिक अवधारणाओं का उपयोग करके बुनकर कार्य छोड़ने वालों पर एक अध्ययन'' फैशन प्रथाओं में (टेलर और फ्रांसिस) जर्नल जुलाई 2020 में एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

संकाय विकास

निम्नलिखित संकाय सदस्य जिन्होंने 'फैशन डिजाइन शिक्षा के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण' पर ऑनलाइन टीओटी में भाग लिया। फैकल्टी अभिविन्यास प्रशिक्षण और विकास विभाग द्वारा 22 जुलाई से 24 जुलाई 2020 के बीच निफ्ट प्रधान कार्यालय में संचालित किया गया।

• डिजाइन चित्रण और छवि निर्माण श्री अमरदीप राभा, सहायक प्रोफेसर, सुश्री एम ब्लाह, सहायक प्रोफेसर,

• परिधान विकास

सुश्री रिमी दास, सहायक प्रोफेसर

श्री फेबी डी. शानप्रू, सहायक प्रो. सुश्री एम ब्लाह, सहायक प्रोफेसर

• फैशन के लिए वस्त्रों का मूल्यवर्धन सुश्री फिरलिंडा मारबानियांग, सहायक प्रोफेसर

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

इनमें सीआईआई द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर हथकरघा क्षेत्र पर कोविड के प्रभाव जैसे विषयों पर उद्योग के विशेषज्ञों और पूर्व छात्रों के साथ बातचीत शामिल थी; ई–कॉमर्स और प्रचार (पारंपरिक और सोशल मीडिया), स्थिरता, शिल्प और फैशन, फैशन डिजाइनिंग और चित्रण – रेंज डेवलपमेंट, विरासत वस्त्र महिला; फैशन स्टाइलिंग और छवि निर्माण; फैशन ब्रांड प्रबंधन, खुदरा उद्यमिता; फैशन व्यवसाय अनुसंधान के साथ–साथ रैगिंग विरोधी जागरूकता पर कार्यशालाएं, टीम बिल्डिंग व्यायाम शामिल हैं।

निफ्ट शिलांग प्लेसमेन्ट

इसके अलावा, निफ्ट के छात्रों को ब्लूपिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेडय ब्रेसिंग अर्थय बायजूय कोच आईपी होल्डिंग्स एलएलसीय फाइलय जी के डायमंडयजीवा (इंडीजेवएल फैशन प्रा.लि.); गोल्ड स्टार ज्वैलरी प्रा. लिमिटेड; इंडी ज्वेल्स फैशन (गिवा) इन्वेस्टर क्लिनिक; केमार्ट ऑस्ट्रेलिया; प्लेनेट ऑलिव; पेपे जीन्स; इनरफैशन प्रा. लिमिटेड, शाही एक्स्पोर्टस; नोबल सन (स्नाब); स्वेल्टटेक; स्विसकॉन; मिनिमॉलिस्ट; तुमी अन्डर आर्मर जैसे कुछ प्रसिद्ध संगठनों में रखा गया था।

सस्टेनेबिलिटी पहलू और ग्रीन परिसर गतिविधियां

परिसर नए पौधे लगाने, उपकरण और फर्नीचर की मरम्मत, पर्यावरण के अनुकूल उपकरणों की स्थापना और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों के बीच जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने जैसे उपायों के माध्यम से पर्यावरणीय स्वास्थ्य और जागरूकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रीनगर

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट श्रीनगर निफ्ट के उभरते सहस्राब्दी परिसरों में से एक है और वर्तमान में अपने अस्थायी परिसर औद्योगिक एस्टेट, रंगरेट, श्रीनगर से संचालित है। 287 करोड़ रुपये की अनुमानित पूंजी लागत के साथ ओमपोरा बडगाम में स्थायी परिसर बन रहा है। इसके 2021 से चालू होने की संभावना है।

अस्थाई परिसर में शिक्षण–अधिगम के लिए सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें नवीनतम एसएनएलएस मशीनों के साथ परिधान निर्माण प्रयोगशाला, पैटर्न बनाने वाली प्रयोगशाला, डिजाइन संग्रह प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला, फैशन फोटोग्राफी स्टूडियो, उन्नत इंटरनेट कनेक्टिविटी, संसाधन केंद्र, कैंटीन सेवा, स्टेशनरी दुकान और अन्य सुविधाएँ हैं। खेलकूद और इनडोर खेलों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा भी उपलब्ध कराया गया है। क्लास रूम और लैब सुविधाएं अच्छी तरह से बनी हुई हैं। एनआईएफटी श्रीनगर की जनशक्ति आवश्यकताओं को 3 सहायक प्रोफेसरों, दो सलाहकारों और अन्य समूह - ख और ग कर्मियों को अल्पकालिक अनुबंध के आधार पर भर्ती करके बेहतर ढंग से बढ़ाया गया है। परिसर पूरी तरह से ई–गवर्नेंस टूल्स पर काम कर रहा है।

अल्पकालिक कार्यक्रम / कार्यक्रम

• हथकरघा दिवस पर ''पशिमा – एक शाही कपड़े का निर्माण'' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें श्री यासिर ए मीर, संकाय, सीडीआई और सुश्री नौशीन काजी, संकाय, निफ्ट श्रीनगर ने 7 अगस्त, 2021 को एक प्रस्तुति दी।

• 12 अगस्त, 2020 को कश्मीर विश्वविद्यालय के सहयोग से सुश्री सुषमा सैतवाल, सीएसी निफ्ट श्रीनगर द्वारा आयोजित ''फैशन उद्योग में कैरियर के अवसर'' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

• 7 अक्टूबर, 2020 को डीपीएस श्रीनगर के सहयोग से सुश्री सुषमा सैतवाल, सीएसी निफ्ट श्रीनगर द्वारा आयोजित ''डिजाइन और फैशन उद्योग में कैरियर के अवसर'' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

• मार्च, 2021 में 5 स्थानीय स्कूलों के छात्रों के लिए निफ्ट श्रीनगर द्वारा एक 'डिजाइन प्रतियोगिता' आयोजित की गई थी। विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह दिए गए थे।

• 27 नवंबर, 2020 को डीपीएस श्रीनगर के सहयोग से श्री बुरहानुद्दीन खतीब, अतिथि संकाय, निफ्ट श्रीनगर द्वारा ''कचरे से खजाने तक – कश्मीर के पेपर माची पर एक ताजा नजर'' पर वेबिनार।

• मिस्टर एलिस पायने फैशन में सहायक प्रोफेसर इन द स्कूल ऑफ डिजाइन, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया ने 12 मार्च, 2021 को '' कपड़ा अपशिष्ट और एक परिपत्र अर्थव्यवस्था'' पर छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक भाषण दिया।

• निफ्ट श्रीनगर ने 2 अक्टूबर, 2020 से महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें शामिल हैं:

क) डॉ खालिद वसीम, चार्ल्स वालेस फेलो, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी फेलो द्वारा विशेष व्याख्यान, 14 सितंबर 2020 को ''राजभाषा के रूप में हिंदी का महत्व'' विषय पर

कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. विनोद तनेजा थे।

• आधिकारिक डोमेन में हिंदी भाषा के प्रगतिशील उपयोग पर 12 मार्च 2021 को डॉ. शहजादा अख्तर द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• 14 सितंबर, 2020 तारीख को हिन्दी दिवस मनाया गया। हिंदी दिवस का मुख्य आकर्षण निबंध और कविता प्रतियोगिता थी।

• एफसी 4 सेमेस्टर जनवरी–फरवरी, 2021 के लिए ऑनलाइन (आउटबाउंड) कार्यशाला

प्रमुख परियोजना

• हस्तशिल्प और हथकरघा निदेशालय, जम्मू–कश्मीर सरकार ने कश्मीर के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की विपणन क्षमता बढ़ाने के लिए अभिनव पैकेजिंग की डिजाइनिंग पर एक परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना को नवंबर, 2021 तक पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना के तहत कुल स्वीकृत निधि 26.9 लाख रुपये है।

• निफ्ट श्रीनगर ने जम्मू–कश्मीर के कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कौशल आधारित कार्यक्रम शुरू करने के लिए ज्ञान भागीदार के रूप में सेवाएं प्रदान करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू–कश्मीर सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना जम्मू–कश्मीर सरकार द्वारा प्रायोजित है और इसे 2020–2023 से लागू किया जा रहा है।

• निफ्ट श्रीनगर ने जम्मू और कश्मीर के शिल्प विकास संस्थान (सीडीआई) के साथ अकादमिक, अनुसंधान, शिल्प–क्लस्टर गतिविधियों और शैक्षिक संसाधनों को साझा करने के लिए सहयोग शुरू किया है।

• निफ्ट श्रीनगर ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के शिल्प के प्रचार और विकास के लिए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की सरकार को 49 लाख रुपये की एक डीपीआर भी प्रस्तुत की है।

छात्र की प्रमुख उपलब्धियां

• श्री पवनदीप सिंह, सुश्री रश्मि कर्ता और सुश्री ऐशानी जैन (एफडी–6 के छात्र) ने फरवरी–मार्च, 2021 को विश्व पहनने योग्य कला प्रतियोगिता में भाग लिया, इस अवधारणा के साथ, ''कभी–कभी, सुंदरता सिर्फ असुविधा में प्रच्छन्न दृश्य सौंदर्यशास्त्र की परतों की परतें होती हैं''
• .400 नए उद्योग संपर्कों की पहचान की और स्नातक छात्रों के लिए.20 इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त किया
• नूरबाग में उद्योग के दौरों के दौरान निफ्ट के छात्रों को हाथ से और मशीन से कढ़ाई सीखने का अवसर मिला।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

फैशन संचार के छात्रों (कक्षा 2020) ने ग्राफिक डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, फोटोग्राफी, फैशन स्टाइलिंग, उत्पाद डिजाइन, कंटेंट इंटेंट आदि जैसे विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में सुपरफ्लो मीडिया मुंबई, थिंग्स गो सोशल दिल्ली, लियो बर्नेट ब्रांड अफेयर कोलकाता, मार्स कॉस्मेटिक्स दिल्ली, मोशी मोशी बेंगलुरु, डेकाथलॉन बेंगलुरु, डिजाइन फैक्ट्री इंडिया नोएडा –एनसीआर, मंगलम आर्ट्स जयपुर, एरोलॉजिक्स बेंगलुरु, शॉपर्स स्टॉप अमृतसर, विमेंस एरा दिल्ली, बेरी इंडिया नोएडा–एनसीआर जैसे विभिन्न उद्योगों में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की।
• फैशन डिजाइन के छात्रों (कक्षा 2020) ने फैशन के पूर्वानुमान, पैटर्न की रचनात्मकता, ड्रेपिंग, सतह तकनीकों के उपयोग आदि में अपनी स्नातक परियोजनाओं को पूरा किया।
• कक्षा 2020 का दीक्षांत समारोह और स्नातक कार्यक्रम 9.04.2021 को आयोजित किया गया था।

शिल्प समूह पहल– गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

• शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना (सीबीडीपी) के तहत छात्रों ने विभिन्न शिल्पों जैसे वागू, पश्मीना, पेपर माचे, शिकारा बोट, विलो विकर, नमदा, कॉपर मोल्डिंग आदि पर काम किया।
• कनी शॉल बुनाई, ट्वीड, ऊनी उत्पाद और चमड़ा के विशेषज्ञों और शिल्पकारों के साथ व्याख्यान और बातचीत का आयोजन किया गया।
• डिजाइन अनुसंधान (शिल्प आधारित) में माध्यमिक अध्ययन किया गया जिसमें छात्रों ने माध्यमिक डेटा संग्रह विधि द्वारा शोध किया।
• तांबे के बर्तन, विलो–विकर और पश्मीना बुनाई आदि जैसे विभिन्न शिल्पों पर शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन आयोजित किया गया था।

प्रकाशनों और पेपर प्रस्तुतियों पर संक्षिप्त टिप्पणी

• सुश्री नयनतारा सिंह, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट श्रीनगर ने ''ऑर्गेनिक कॉटनः 2020–21'' विषय पर इंटरनेशनल टेक्सटाइल जर्नल टेक्सटाइल वैल्यू चेन में एक पेपर प्रकाशित किया।

• सुश्री नयनतारा सिंह, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट श्रीनगर ने इस विषय पर एक लेख प्रकाशित किया। कश्मीर शिल्प की बिगड़ती स्थिति – नमदाः कश्मीर का मरता हुआ शिल्प'' वैली ऑब्जर्वर 2020–21।

संकाय विकास

• सुश्री नौशीन काजी, सहायक प्रोफेसर ने 10 अगस्त, 2020 को पैनटोन ''एक रंग की शक्ति, अपने ब्रांड की दृश्य पहचान का लाभ उठाना'' द्वारा वेबिनार में भाग लिया।

• सुश्री नौशीन काजी, सहायक प्रोफेसर ने 13 सितंबर, 2020 को वेबिनार ''फैशन में स्थिरता'' में भाग लिया।

• सुश्री नौशीन काजी, सहायक प्रोफेसर ने 04 अक्टूबर 2020 को वेबिनार परिधान सोर्सिंग में भाग लिया– नई

दिशाएँ या नए गंतव्य?

• सुश्री नौशीन काजी, सहायक प्रोफेसर ने 25 नवंबर, 2020 को पैनटोन द्वारा वेबिनार में भाग लियाः 'मिथकः 21/22 शरद ऋतु/सर्दियों के लिए रंग के माध्यम से व्यक्त सकारात्मकता को अपनाना'

• सुश्री नयनतारा सिंह, सहायक प्रोफेसर को 26 जुलाई, 2020 को आयोजित ''महामारी के बाद फैशन पूर्वानुमान और फैशन पर प्रभाव'' विषय पर आईडीटी, एक दिवसीय वेबिनार के लिए एक प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

• सुश्री नयनतारा सिंह, सहायक प्रोफेसर को वीआईटी फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई द्वारा 09 मार्च, 2021 को फैशन डिजाइन प्रक्रिया विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

• सुश्री नयनतारा सिंह, सहायक प्रोफेसर, ने एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी और एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स द्वारा 29 जून, 2020 से 3 जुलाई, 2020 तक ''कला, डिजाइन और फैशन में हालिया विकास'' पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में एमिटी यूनिवर्सिटी कोलकाता मे भाग लिया। ।

• श्री अभिषेक लुईस, सहायक प्रोफेसर, एफडी विभाग के छात्रों की एक टीम के साथ, फरवरी 2021 के महीने में, श्री अनंतनाग (जम्मू और कश्मीर) फैशन शो कार्यक्रम को कोरियोग्राफ किया, स्टाइल किया, एक फैशन शो की शूटिंग की।

• श्री अरशद मुश्ताक, सहायक प्रोफेसर ने 2020 में रिपोर्टिंग की कला में आगामी पत्रकारों के लिए रंगमंच और इसकी सामाजिक प्रासंगिकता पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी

• सुश्री एलिस पायने स्कूल ऑफ डिजाइन, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में फैशन में सहायक प्रोफेसर ने 12 मार्च, 2021 को ''टेक्सटाइल वेस्ट एंड परिपत्र अर्थव्यवस्था'' पर छात्रों और फैकल्टी को एक भाषण दिया।

प्रमुख उद्योग संबंध

• निफ्ट श्रीनगर के छात्रों ने आदित्य बिड़ला, मदुरा अहरिन नोएडा, लेबल जेएनएन, टीआरसी ओवरसीज एलायंस, श्रीनगर एमवी क्लोदिंग, यू एंड मी, भोपाल, जुबैर किरमानी, श्रीनगर एल पानो, दिल्ली और मुंबई जम्मू–कश्मीर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (रेशम फैक्ट्री) नम्रता जोशी पुरा, नोएडा, राहुल मिश्रा अरविंद, बैंगलोर जैसी विभिन्न कंपनियों में 8 सप्ताह की उद्योग इंटर्नशिप की है।

• निफ्ट श्रीनगर के छात्रों ने एल पैनो, मुंबई ब्लू सेंट, वैन ह्यूसेन, बैंगलोर, यू एंड मी भोपाल, लुई फिलिप, आदित्य बिड़ला, यम इंडिया और बम्लर्स रिश्ता जैसी विभिन्न कंपनियों में 16 सप्ताह की स्नातक परियोजना भी पूरी की है।

स्थिरता पहलू और ग्रीन परिसर गतिविधियां

• फरवरी–मार्च, 2021 में ओमपोरा बडगाम में अस्थायी और साथ ही आगामी स्थायी परिसर दोनों में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

• चारदीवारी, गेट आदि के साथ–साथ परिसर की बाहरी और आंतरिक दोनों दीवारों पर पेंटिंग करके नवीनीकृत करवाकर अस्थायी परिसर का सौंदर्यकरण करवाया गया।

2020–21 की लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और लेखों का विवरण

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लेखा की भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक अंकेक्षण प्रतिवेदन

हमने 31 मार्च 2021 को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की संलग्न तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और प्राप्ति भुगतान खाते की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2006 की धारा 21 (2) के साथ पठित धारा 19 (2) के तहत लेखा परीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों में बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पंचकुला, पटना, रायबरेली, शिलांग और श्रीनगर में स्थित निफ्ट के 17 केंद्रों के खाते शामिल हैं। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी निफ्ट के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करें।

2. इस अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की टिप्पणियां केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार पर शामिल हैं। वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियों के साथ कानून, नियमों और विनियमों (उचितता और नियमितता) और दक्षता–सह–प्रदर्शन पहलुओं, आदि के अनुपालन के संबंध में, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट किया जाता है।

3.हमने भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं या नहीं, इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ई–योजना बनाएं और लेखा परीक्षण करें। एक लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच करना शामिल है। लेखा परीक्षण में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ–साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ii) इस रिपोर्ट में उल्लेखित तुलन पत्र और आय और व्यय खाता और प्राप्ति और भुगतान खाता भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार की गई है

iii) हमारी राय में, जहाँ तक ऐसी पुस्तकों की हमारी परीक्षा से प्रतीत होता है राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का रखरखाव किया गया है।

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

क. तुलन पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची 7): रुपये 275.24 करोड़

(i) उपरोक्त में वित्तीय वर्ष 2019–20 और 2020–21 के लिए आईटीआई लिमिटेड (आईटीआई) को रायबरेली परिसर द्वारा देय रुपये 5.67 करोड़ का पट्टा किराया शामिल नहीं हैं। आईटीआई के साथ किया गया पट्टा समझौता 14 नवंबर 2018 को समाप्त हो गया था और आईटीआई से भूमि हस्तांतरित करने के लिए निफ्ट के प्रयास अभी तक अमल में नहीं आए हैं। इस दौरान आईटीआई ने पिछले समझौते के अनुसार अस्थायी आधार पर लीज रेंट की मांग की। हालांकि निफ्ट ने 15 नवंबर 2018 से 31 मार्च 2019 की अवधि के लिए प्रावधान बनाया था, लेकिन वर्ष 2019–20 और 2020 –21 के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

पट्टा किराया का प्रावधान न करने के परिणामस्वरूप चालू देनदारियों और प्रावधानों को रुपये 5.67 करोड़ और उस सीमा तक अधिशेष के अधिक विवरण से कम करके दिखाया गया है। वर्ष 2019–20 के लिए निफ्ट के लेखाओं पर जारी पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (टिप्पणी संख्या ए.1.1) में इंगित किये जाने के बावजूद, संस्थान द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

(ii) **डब्ल्यू1पी के निर्माण के लिए प्रावधान: रु 2.71 करोड़**

उपरोक्त में की 2003–04 से 2005–06 की अवधि से संबंधित संबंधित परिसरों की पुस्तकों में रुपये 2.21 करोड़ (बेंगलुरु: 1.23 करोड़ रुपये चेन्नई: 0.06 करोड़ रुपये, हैदराबाद: 0.84 करोड़ रुपये और कोलकाता: 0.08 करोड़) राशि के डब्ल्यू1पी के निर्माण का प्रावधान शामिल है। चूंकि यह किसी भी भवन डब्ल्यू1पी से मेल नहीं खाता है, इसे संस्थान

1 रु. 6.87 करोड़ से रु. 0.95 करोड़ कम, 15 नवंबर 2018 से 31 मार्च 2019 की अवधि के लिए पहले से ही प्रावधान किया जा रहा है, अप्रैल 2021 के महीने के लिए रु 0.25 करोड़ कम किराए का भुगतान किया जा रहा है

के खातों की किताबों में वापस लिखा जाना चाहिए था। मुख्यालय द्वारा संबंधित परिसरों में प्रावधान स्थानांतरित कर दिया गया था (लेखा पर जारी प्रबंधन पत्र द्वारा इंगित किए जाने पर) वर्ष 2015–16 के लिए निफ्ट का) 31.03.2017 को वापस लिखने के लिए क्रेडिट नोट के द्वारा। लेकिन यह राशि अभी भी बहीखातों में पड़ी है।

विप के निर्माण के प्रावधान को वापस न लिखने के परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधान का रुपये 2.21 करोड़ से अल्प विवरण और अधिशेष का अधिक विवरण दिया गया है।

(iii) अवकाश नकदीकरण का प्रावधान (अनुलग्नक 10): रु. 45.09 करोड़

बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, छुट्टी नकदीकरण की देयता रु. 47.19 करोड़, जिसके खिलाफ निफ्ट ने केवल रुपये 45.08 करोड़ का प्रावधान किया है। इसके परिणामस्वरूप चालू देनदारियों और प्रावधानों को कम करके दिखाया गया है और अधिशेष को रुपये 2.11 करोड़ से अधिक बताया गया है।

क.2 संपत्ति

क.2.1 चालू संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (अनुसूची–11): रु. 1,495.24 करोड़

क.2.1.1 विविध देनदार (अनुलग्नक–14): रु. 25.72 करोड़

उपरोक्त में शिल्प समूह पहल के लिए रायबरेली परिसर द्वारा निफ्ट प्रधान कार्यालय से वसूली योग्य राशि 0.59 करोड़ रुपये शामिल है। चूंकि यह एक अंतर–इकाई लेनदेन है, इसे वसूली योग्य के रूप में शामिल नहीं किया जाना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप प्राप्तियों और अधिशेषों को रुपये 0.59 करोड़ से अधिक बताया गया है।

वर्ष 2019–20 के लिए निफ्ट के लेखाओं पर जारी पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (टिप्पणी संख्या ए.2.2.1 (iii)) में इंगित किये जाने के बावजूद, संस्थान द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ख. आय और व्यय खाता

ख.1 आस्थगित राजस्व आय: रु 20.01 करोड़

पूर्व अवधि आय: रु. 4.36 करोड़

उपरोक्त में रु. 19.85 करोड़ (चालू वर्ष के दौरान 20.01 करोड़ रुपये और (–) पूर्व अवधि के कारण 0.16 करोड़ रुपये) आस्थगित मूल्यह्रास/आस्थगित राजस्व आय लेखा मानक (एएस)–12–लेखा सरकारी अनुदान के कार्यान्वयन के कारण आय और व्यय खाते में दर्ज किया गया। निफ्ट ने सरकारी अनुदान रु 794.40 करोड़ (आस्थगित मूल्यह्रास का शुद्ध), हालांकि, सरकारी अनुदान से सृजित संबंधित शुद्ध संपत्ति रुपये 766.46 करोड़ रुपये में दिखाया है, जिस कारण 27. 94 करोड़ का अंतर आया है।

वर्ष 2017–18, 2018–19 एवं वर्ष 2019–20, के लेखों पर अलग लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में इंगित किये जाने के बावजूद, निफ्ट ने अभी तक अंतर को समेटा नहीं है।

ख 2. अर्जित ब्याज (अनुसूची–17): रु. 53.97 करोड़

(i) उपरोक्त में के सहायता अनुदान पर 0.07 करोड़ रुपये अर्जित ब्याज के कारण 18 सितंबर 2019 से 10 सितंबर 2020 तक 1.05 करोड़ रुपये विशेष रूप से निफ्ट डिजाइन इनोवेशन इनक्यूबेटर (एनडीआईआई योजना) योजना के लिए कपड़ा मंत्रालय (एमओटी) से प्राप्त हुए। चूंकि अनुदान विशेष रूप से एनडीआईआई योजना के लिए प्राप्त किया गया था, अर्जित ब्याज की राशि निफ्ट द्वारा डिजाइन इनोवेशन के लिए निफ्ट फाउंडेशन (एनडीआईआई योजना को शामिल करने वाली धारा 8 कंपनी) को अनुदान की राशि के साथ हस्तांतरित की जानी चाहिए थी। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज की 0.07 करोड़ रूपेय से अधिकता हुई है और वर्तमान देनदारियों को उसी सीमा तक कम करके दिखाया गया है।

(ii) वर्ष 2020–21 के दौरान, निफ्ट को चार परियोजनाओं के लिए 18.47 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ और सावधि जमा में राशि जमा की और 0.28 करोड़ रुपये का ब्याज अर्जित किया, जब तक अनुदान विशिष्ट परियोजना खाते में स्थानांतरित किया गया। चूंकि अर्जित ब्याज परियोजना निधि से संबंधित था, इसे परियोजना निधि में जमा किया जाना चाहिए था। हालांकि, निफ्ट ने ब्याज को अपनी आय के रूप में मान्यता दी। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज की 0.28 करोड़ रूपेय से अधिकता हुई है और वर्तमान देनदारियों को उसी सीमा तक कम करके दिखाया गया है।

ग. आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां (अनुसूची 27)

निफ्ट ने अपने खातों पर टिप्पणियाँ में यह खुलासा नहीं किया है कि आंध्र प्रदेश की तत्कालीन सरकार के द्वारा 2014 के दौरान स्वीकृत, रुपये 245.35 लाख में से रुपये 50.95 लाख की राशि अभी भी आंध्र प्रदेश सरकार से प्राप्य है।

घ. सामान्य टिप्पणियाँ

(i) निफ्ट ने 1.05 करोड़ रुपये के अनुदान के संबंध में मंत्रालय को दिनांक 03.04.2021 का उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया, जो निफ्ट डिजाइन इनोवेशन इन्क्यूबेटर (एनडीआईआई योजना) की स्थापना के लिए प्राप्त 0.21 लाख रुपये के रूप

2 डिजाइन संसाधन केंद्र (डी आर सी), डब्लू इस सी एच में (डी आर सी), मेटी परियोजना और उस्ताद

में अनुदान ब्याज को दर्शाता है। हालांकि ब्याज रु. 10.61 लाख, जैसा कि निफ्ट द्वारा गणना की गई है (निफ्ट द्वारा 7.23 लाख रुपये और एनएफडीआई द्वारा रु 3.38 लाख, यानी एनडीआईआई योजना को शामिल करने वाली अनुभाग कंपनी) 18 सितंबर 2019 से 24 फरवरी 2021 की अवधि के दौरान अर्जित की गई थी। इस प्रकार, अर्जित ब्याज को मंत्रालय को निफ्ट द्वारा प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाण पत्र में 10.40 लाख (रु. 10.61 लाख कम रु. 0.21 लाख) रु. से कम करके आंका गया है। इसलिए, निफ्ट द्वारा कपड़ा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया उपयोगिता प्रमाणपत्र दिनांक 03.04.2021 तथ्यात्मक रूप से गलत था।

(ii) लेखापरीक्षा ने देखा कि 31 मार्च 2021 को निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से खरीदी गई परिसंपत्तियों के आंकड़े अनुसूची–1 (कॉर्पस/पूंजीगत निधि), अनुसूची–3 (निर्धारित/बंदोबस्ती निधि) और अनुसूची 8–सी (फिक्स्ड) में दर्शाए गए हैं। बंदोबस्ती निधि से संपत्ति) का मिलान नहीं हो रहा था और उपरोक्त सभी तीन अनुसूचियों में अलग–अलग राशि (क्रमशः 2.21 करोड़ रुपये, 1.99 करोड़ रुपये और 1.56 करोड़ रुपये) दिखाई गई। इसलिए, लेखापरीक्षा यह प्रमाणित करने में असमर्थ थी कि वास्तव में निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से कितनी संपत्ति खरीदी गई थी।पिछले वर्ष के दौरान इंगित किए जाने के बावजूद, निफ्ट द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

(iii) निफ्ट के पास छह निर्धारित / बंदोबस्ती निधियाँ हैं जैसे गतिविधि शुल्क कोष, विभाग विकास कोष, पूर्व छात्र संघ कोष, केंद्र विकास कोष, परिसर बंदोबस्ती निधि और सतत शिक्षा कार्यक्रम कोष। लेखापरीक्षक ने देखा कि निफ्ट ने इन निर्धारित /बंदोबस्ती निधियों में आय को रुपये की आय के रूप में जमा करने की एक समान प्रथा का पालन नहीं किया। आय और व्यय खाते के माध्यम से 5.59 करोड़ रुपये जमा किए गए, जबकि 12.11 करोड़ रुपये की राशि सीधे कोष में जमा की गई। निफ्ट को इस संबद्ध में एक समान नीति का पालन करना चाहिए था।

पिछले वर्षों के दौरान इंगित किए जाने के बावजूद, निफ्ट द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

(iv) निफ्ट को पूंजीगत संपत्ति के निर्माण आरक्षित और अधिशेष (उप शीर्ष के तहतः सरकारी अनुदानः पूंजीकृत / अप्रयुक्त) के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त होता है जिसका खुलासा अनुसूची 2 में किया गया है। अनुदान को वर्ष के दौरान सरकारी अनुदान से सृजित अचल संपत्तियों की सीमा तक पूंजीकृत किया जाता है। अनुसूची 8क और 8ख के अनुसार, कुल राशि रु. वर्ष के दौरान केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अनुदानों में से निफ्ट के सकल ब्लॉक में 74.72 करोड़ (रू. 64.39 करोड़ और रु. 10.33 करोड़ अचल संपत्ति और सीडब्ल्यूआईपी के लिए) जोड़े गए हैं। हालांकि, अनुसूची 2 के अनुसार, वर्ष के दौरान रु 68.67 करोड़ को पूंजीकृत किया गया है। इस प्रकार रुपये 6.05 करोड़ (रु. 74.72 करोड़ कम रु. 68.67 करोड़) का अंतर है, जिसके समाधान की आवश्यकता है।

ड.अनुदान सहायता

निफ्ट के पास सरकारी अनुदानों की पिछले वर्षों से संबंधित अव्ययित राशि रु. 86.23 करोड़ है। भारत सरकार/राज्य सरकारों ने 2020–21 के दौरान निफ्ट को 'रु. 86.14 करोड़ का अनुदान दिया है, जिस पर वर्ष 2020–21 के दौरान 2.83 करोड़ की कमाई हुई। रु. 175.20 करोड़ की कुल राशि में से रु. 1.68 करोड़ को राजस्व घाटे के विरुद्ध समायोजित किया गया. पिछले वर्षों से संबंधित अन्य समायोजनों के लिए 3.37 करोड़ रूपये और वर्ष 2020–21 के दौरान पूंजी अनुदान के रूप में 68.68 करोड़ रूपये का उपयोग किया गया था। इस प्रकार, 31 मार्च 2021 तक 101.47 करोड़ रुपए की शेष राशि अप्रयुक्त रही।

च) कमियां जिन्हें इस अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से प्रबंधन के ध्यान में लाया गया है।

V) पिछले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए तुलन पत्र और आय और व्यय खाते किताबों के अनुरूप हैं।

Vi) हमारी राय और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और खातों की टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अन्य मामलों के अधीन हैं। अनुलग्नक, भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दें।

क) जहां तक यह 31 मार्च 2021 को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के मामलों की स्थिति के तुलन पत्र से संबंधित हैः और

ख) जहां तक यह उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते और अधिशेष से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
के लिए और की ओर से

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 06/01/2022

ह./–
(विधु सूद)
प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा
उद्योग और कॉर्पोरेट मामले

पृथक अंकेक्षण प्रतिवेदन का अनुलग्नक

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**

   आंतरिक लेखा परीक्षा नियुक्त चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म द्वारा किया जा रहा है और वर्ष 2020–21 की आंतरिक परिक्षा पूरी की जा चुकी है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**

   आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त है और वित्तीय मामलों के संबंध में निफ्ट की गतिविधियों के आकार और प्रकृति के अनुरूप नहीं है। अनुदान और अक्षय निधि के लेखांकन और प्रस्तुति के लिए प्रक्रिया, अचल संपत्ति और इसके पूंजीकरण के लेखांकन में सुधार की आवश्यकता है।

3. **अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   वर्ष 2020–21 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन कोविड के कारण बेंगलुरु परिसर को छोड़कर पूरा किया गया। भुवनेश्वर परिसर को छोड़कर किसी भी मामले में कोई भी विसंगतियां नहीं पाई गईं, जहां ओडिशा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईडीसीओ) के द्वारा आपूर्ति की गई संपत्ति का सामंजस्य चल रहा था।

4. **माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   31 मार्च 2021 तक निफ्ट द्वारा कोई भी माल सूची नहीं बनाई गई थी।

5. **वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता**

   निफ्ट 2020–21 के दौरान वैधानिक बकाया जमा करने में नियमित था।

ह./–

उप निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभ संगठन)
संस्था का नामः राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2021 का तुलनपत्र

राशि (लाख रुपए में)

कॉरपस/पूंजीगत निधि और देयताएं	अनुसूची	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
कॉरपस/पूंजीगत निधि	1	91,398.07	75,780.56
आरक्षित और अधिशेष	2	89,586.83	83,364.26
निर्धारित/अक्षय निधि	3	28,922.84	26,418.46
सुरक्षित ऋण और उधारी	4	0.00	0.00
असुरक्षित ऋण और उधारी	5	0.00	0.00
अस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	0.00	0.00
चालू देयताएं और प्रावधान	7	27,523.56	26,834.70
कुल		**2,37,431.30**	**2,12,397.98**
परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां	8	83,204.10	78,488.70
निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश	9	0.00	0.00
निवेश– अन्य	10	4,702.80	4,162.64
चल संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	1,49,524.40	1,29,746.64
विविध व्यय (बट्टे खाते या समायोजित होने की सीमा तक)		0.00	0.00
कुल		**2,37,431.30**	**2,12,397.98**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां 26 संलग्न
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां 27 संलग्न

समेकित कर्ताः
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
सी ए रमन हँगेंकर	सी ए सुप्रिया मिश्रा	सीएमएबी. के. पांडे	शांतमनु
साझेदार	उप निदेशक (वि.एवं.ले.)	निदेशक (वि.एवं.ले.)	महानिदेशक निफ्ट

सदस्यता सं. 30615
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 17.07.2021
यूडीआईएनः 21030615AAAAMK7974

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभ संगठन)
संस्था का नामः राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	अनुसूची	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
(क) आय			
बिक्री/सेवाओं से आय	12	0.00	0.00
अनुदान/अनुवृत्तियाँ	13	160.98	652.09
शुल्क/अंशदान	14	36,852.36	36,610.97
निवेश से आय	15	308.77	302.43
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	0.00	0.00
ब्याज अर्जित	17	5,397.44	5,367.32
अन्य आय	18	415.87	425.58
तैयार स्टॉक और प्रगत कार्य में कमी/वृद्धि	19	0.00	0.00
आस्थगित राजस्व आय		2,001.27	2,240.47
कुल (क)		**45,136.69**	**45,598.86**
(ख) व्यय			
शैक्षणिक व्यय	20	4,415.23	7,995.98
स्थापना व्यय	21	16,555.18	15,543.77
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	3,621.42	4,675.77
अनुदान/अनुवृत्तियों आदि पर व्यय	23	0.00	0.00
बैंक ब्याज/शुल्क और कमीशन	24	1.56	1.41
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में शुद्ध कुल –अनुसूची–8 से संबंधित)		3,350.88	3,475.49
कुल (ख)		**27,944.28**	**31,692.42**
वर्ष के लिए व्यय पर आय का आधिक्य शेष (ग = क–ख)		**17,192.41**	**13,906.45**
जमाः पूर्व अवधि आय (घ)	25	436.24	473.65
घटाः पूर्व अवधि व्यय (ड)		1,594.16	479.86
व्यय पर आय का आधिक्य निवल शेष (ग+घ–ड)		**16,034.50**	**13,900.24**
डी डी एफ/ सी डीएफ/ सी ई को हस्तांतरित		559.18	766.00
कॉरपस/पूंजीगत निधि में अंतरित अधिशेष/बकाया		**15,475.32**	**13,134.24**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां 26 संलग्न
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियाँ 27 संलग्न

समेकित कर्ताः
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
सी ए रमन हँगेकर	सी ए सुप्रिया मिश्रा	सीएमए बी. के. पांडे	शांतमनु
साझेदार	उप निदेशक (वि.एवं.ले.)	निदेशक (वि.एवं.ले.)	महानिदेशक निफ्ट

सदस्यता सं. 30615
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 17.07.2021
यूडीआईएनः 21030615AAAAMK7974

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभ संगठन)
संस्था का नामः राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2021 पर समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान का लेखा

राशि (लाख रुपए में)

प्राप्ति	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020	भुगतान	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
अथ शेष			**व्यय**		
(क) हाथ मे नकदी	1.75	1.01	शैक्षणिक व्यय	3069.61	6258.44
(ख) बैंक शेष			स्थापन व्यय	14171.11	13355.26
अनुसूचित बैंकों के खाते में शेष	41736.05	32674.83	प्रशासनिक व्यय	2748.14	3584.23
जमा खातों में शेष	77551.60	70432.97	पूर्व अवधि व्यय	356.35	164.75
			पूर्वदत्त से अदा किया हुआ व्यय	90.37	75.66
मुख्यालय द्वारा प्राप्त अनुदान					
भारत सरकार से			**मुख्यालय द्वारा परिसरों को हस्तांतरित अनुदान**		
(क) पूंजी	8463.25	4681.00	भारत सरकार से		
(ख) राजस्व	0.00	0.00	(क) पूंजी	8463.25	4717.95
(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	31.39	175.00	(ख) राजस्व	0.00	0.00
(घ) अन्य	713.58	505.82	(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	0.00	171.00
अन्य स्रोत से					
(क) पूंजी	0.00	0.00	(घ) अन्य	737.70	505.46
(ख) राजस्व	38.16	0.00	अन्य स्रोत से		
			(क) पूंजी	42.48	0.00
परिसरों द्वारा प्राप्त अनुदान			(ख) राजस्व	0.00	0.00
या तो मुख्यालय या केंद्र सरकार से या राज्य सरकार से या अन्य कोई निकाय से सीधे)					
राज्य/सरकार द्वारा			**अक्षय निधि**		
(क) पूंजी	1081.00	1016.00	(क) पूंजी	298.51	429.76
(ख) राजस्व	0.00	68.00	(ख) राजस्व	0.00	0.00
(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	29.83	402.14			
अन्य स्रोत से			**अचल संपत्ति भुगतान और सीडब्ल्यूआईपी**		
(क) पूंजी	0.00	150.00			
(ख) राजस्व	1.74	47.03	(क) केंद्र सरकार के अनुदान से संपत्ति की खरीद	287.83	56.92

अक्षय निधि			(ख) संपत्ति की खरीद के लिए राज्य सरकार के अनुदान से संपत्ति की खरीद	166.80	463.58
(क) पूंजी	222.58	165.08	(ग) अन्य निधि द्वारा संपत्ति की खरीद	588.60	1152.56
(ख) राजस्व	74.23	176.57	(घ) सीडब्ल्यूआईपी भुगतान	565.59	1504.64
शुल्क से आय					
क) आवेदन शुल्क / प्रवेश शुल्क	873.61	1018.53	**निर्धारित निधि का उपयोग**		
(ख) ट्युशन शुल्क	22509.83	21933.23	(क) अक्षय निधि का पूंजी उपयोग	23.02	89.05
(ग) सी. ई. कार्यक्रम शुल्क	179.37	702.59	(ख) अक्षय निधि का राजस्व उपयोग	9.76	16.58
(घ) छात्रावास शुल्क	111.27	3310.79	(ग) अन्य निर्धारित निधि पूंजीकरण	14.91	58.10
(ड़) पुस्तकालय शुल्क	1010.08	966.09	(घ) अन्य निर्धारित निधि राजस्व	24.93	167.81
(च) अग्रिम में प्राप्त शुल्क	8756.19	8888.83			
(छ) ज़ब्त शुल्क	57.40	30.05			
(ज) अन्य विविध शुल्क	838.97	826.61	**निवेश**		
निवेश से आय	59.41	58.80	एलआईसी अवकाश नकदीकरण योजना	345.52	770.07
प्राप्त ब्याज					
(क) बैंक खातों पर ब्याज	4922.85	4891.49	**रिफंड/अग्रिम**		
(ख) अनुदान पर ब्याज	242.59	273.71	(क) ठेकेदारों को अग्रिम	734.97	1015.09
(ग) अक्षय निधि पर ब्याज	625.02	1201.72	(ख) कर्मचारी अग्रिम	158.66	641.51
(घ) अन्य निर्धारित निधि पर ब्याज	310.85	338.55	(ग) धरोहर राशि	84.56	108.94
			(घ) सुरक्षा जमा (छात्र)	191.99	291.63
परियोजनाएं और कार्यशाला प्राप्ति			(ड़) सुरक्षा जमा (विक्रेता)	78.89	120.07
(क) कार्यशाला और परियोजनाओं से अधिशेष	724.28	2677.54	(च) शुल्क वापसी	39.00	230.91
(ख) परियोजना देयताएं (निवल)	189.05	214.22	(छ) कोई अन्य वापसी	697.05	199.00
अन्य आय					
(क) पूर्व अवधि आय	49.55	11.42			
(ख) परिसंपत्ति की बिक्री या निपटान	13.69	26.03			
(ग) अतिथि गृह प्रभार	1.58	6.00	**पिछले वर्ष की देयता के लिए भुगतान**		
(घ) लीज आवास की लाइसेंस शुल्क	5.46	2.33	इस वर्ष भुगतान किया गया अंतिम वर्ष के प्रावधान	3311.64	3785.09

(ड़) आयकर वापसी	152.00	56.37	इस वर्ष के दौरान पिछले वर्ष की सांविधिक देयता का भुगतान	589.55	311.86
(च़) अन्य विविध आय	113.77	211.93			
			ब्याज और बैंक शुल्क का भुगतान किया	**1.56**	**1.42**
अंतर परिसरीय प्राप्तियाँ	755.52	337.38			
			अंतर परिसरीय भुगतान	**961.24**	**862.69**
कोई अन्य प्राप्ति					
(क) ठेकेदार से प्राप्त अग्रिम	46.72	39.09			
(ख) प्रदायक / ठेकेदार द्वारा सुरक्षा जमा	62.48	135.72			
(ग) छात्रों द्वारा सुरक्षा जमा	490.76	587.44	अंतिम शेष		
(घ) धरोहर राशि	88.73	110.13	(क) हाथ मे नकदी	1.00	1.75
(ड़) पूर्व छात्र निधि	81.10	23.19	(ख) बैंक शेष		
(च) कर्मचारी अग्रिम वापसी	67.47	218.82	अनुसूचित बैंक में	51699.71	41736.05
(छ) विविध प्राप्ति	2160.73	805.38	खातों में शेष	84909.21	77551.60
कुल	**175463.52**	**160399.42**	**कुल**	**175463.52**	**160399.42**

समेकित कर्ता:
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./–	**ह./–**	**ह./–**	**ह./–**
सी ए रमन हँगेंकर	**सी ए सुप्रिया मिश्रा**	**सीएमए बी. के. पांडे**	**शांतमनु**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले.)**	**निदेशक (वि.व.ले.)**	**महानिदेशक निफ्ट**

सदस्यता सं. 30615
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 17.07.2021
यूडीआईएन: 21030615AAAAMK7974

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभ संगठन)
संस्था का नामः राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक खातों का हिस्सा बनाने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 1: कॉरपस / पूंजीगत निधि — **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशिः	75,780.56		62,189.04	
जमाःअक्षय/डीडीएफ/सीडीएफ से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ (अनुलग्नक 1)	220.55		561.76	
घटाः वर्ष के दौरान समायोजन / हस्तांतरण	78.36		104.47	
जमा/घटाः आय एवं व्यय लेखे से निवल अधिशेष/घाटा	15,475.32	91,398.07	13,134.24	75,780.56
वर्ष के अंत में शेष		**91,398.07**		**75,780.56**

अनुसूची 2: आरक्षित और अधिशेष — **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1. पूंजीगत आरक्षित				
सरकारी अनुदान				
पूंजीकृत / अप्रयुक्त सरकारी अनुदान				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	8,622.37		10,001.08	
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	8,614.03		4,831.00	
जमाः मुख्यालय द्वारा हस्तांतरित और परिसर द्वारा प्राप्त अनुदान	8,463.25		5,663.70	
जमाः सरकारी अनुदान पर ब्याज (अनुसूची 17 से)	282.94		310.77	
घटाः समायोजन और हस्तांतरण	8,800.86		4,718.00	
घटाः मंत्रालय को वापस किया गया अनुदान	0.00		0.00	
घटाः राजस्व घाटे के प्रति समायोजित अनुदान	166.98		186.82	
घटाः वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	6,867.48		7,279.36	
	10,147.26		8,622.37	
पूंजीकृत/प्रयुक्त सरकारी अनुदान				
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	1,01,796.60		94,679.21	
जमाः वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	6,867.47		7,279.36	
जमा/घटाः समायोजन/हस्तांतरण, यदि कोई हो तो	-106.08		-161.97	
	1,08,557.99		1,01,796.60	
घटाः पूंजीकृत निधि समायोजन (आस्थगित मूल्यह्रास)				
पिछले वर्ष तक	27,003.36		24,784.90	
इस वर्ष के दौरान	1,999.56		2,174.00	
पूर्व अवधि के खाते पर	115.52		95.81	
	29,118.43	**89,586.83**	**27,054.71**	**83,364.26**
2. पुनर्मूल्यांकन आरक्षित				
पिछले खाते के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाः वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
3. विशेष आरक्षित				
पूर्व लेखें के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान वृद्धि	0.00		0.00	
घटाः वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
4. सामान्य आरक्षित				
पूर्व लेखें के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान वृद्धि	0.00		0.00	
घटाः वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष के अंत में शेष		**89,586.83**		**83,364.26**

अनुसूची 3: निर्धारित/अक्षय निधि

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	गतिविधि शुल्क निधि	विभाग विकास निधि	पूर्व छात्र संघ निधि	केंद्र विकास निधि	परिसर अक्षय निधि	सतत शिक्षा कार्यक्रम निधि	मार्च 31 2021	मार्च 31 2020
क) अथ शेष	1,119.91	591.39	5,525.71	1,152.84	255.99	455.54	9,101.37	7,835.76
निधि में वृद्धि								
i दान/अनुदान	0.00	12.00	0.24	0.00	0.00	0.00	12.24	172.33
ii वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	46.20	26.46	467.21	71.30	13.48	24.09	648.74	407.88
iii वर्ष के दौरान हस्तांतरित	143.65	13.59	368.12	45.46	-15.60	39.47	594.67	892.08
iv अन्य वृद्धि	325.89	93.38	20.38	17.58	11.90	45.42	514.55	187.90
उप–जोड़ (क)	**1,635.65**	**736.82**	**6,381.66**	**1,287.19**	**265.76**	**564.52**	**10,871.58**	**9,495.95**
(ख) निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय/ उपयोगिता								
i पूंजीगत व्यय	0.00	0.00	14.96	37.19	13.17	0.00	65.32	119.94
ii राजस्व व्यय	31.09	0.45	19.32	0.19	10.98	0.39	62.42	274.64
उप–जोड़ (ख)	**31.09**	**0.45**	**34.28**	**37.38**	**24.15**	**0.39**	**127.74**	**394.58**
कुल ग=(क–ख)	**1,604.55**	**736.37**	**6,347.38**	**1,249.80**	**241.61**	**564.13**	**10,743.84**	**9,101.37**

विवरण	निफ्ट विकास निधि	अक्षय निधि	मार्च 31 2021	मार्च 31 2020
(घ) निधियों का प्रारंभिक शेष (प्रिंसिपल फंड) (केवल मुख्यालय पर)	137.30	10,000.00	10,137.30	10,137.30
निधियों में वृद्धि				
i. दान/अनुदान (केवल मुख्यालय में)	0.00	0.00	0.00	0.00
ii. अन्य	000	16.30	16.30	0.00
उप–जोड़ (घ)	**137.30**	**10,016.30**	**10,153.60**	**10,137.30**
(ड़) i परिसर द्वारा मुख्यालय से प्राप्त अनुदान	0.00	17.98	17.98	191.80
ii परिसर द्वारा मुख्यालय से प्राप्तनीय अनुदान	0.00	-25.84	-25.84	-2.43
उप–जोड़ (ड़)	**0.00**	**-7.86**	**(7.86)**	**189.37**
(च) निधियों का प्रारम्भिक शेष (ब्याज) (केवल मुख्यालय में)	134.20	7,186.77	7,320.97	6,564.75
निधियों में वृद्धि				
i वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	19.91	1,165.93	1,185.84	1,242.05
ii अन्य वृद्धि/हस्तांतरण	0.00	38.01	38.01	0.06
उप–जोड़ (च)	**154.11**	**8,390.71**	**8,544.82**	**7,806.85**
कुल (छ=घ+ड़+च)	**291.41**	**18,399.16**	**18,690.57**	**18,133.52**
ज) निधि के उद्देश्यों की ओर उपयोगिता/व्यय				
i. पूंजीगत व्यय	1.16	132.76	133.92	369.33
ii. राजस्व व्यय	3.09	73.25	76.34	3.93
iii. मुख्यालय द्वारा परिसर को अंतरित राशि (केवल मुख्यालय में)	2.80	298.51	301.31	443.18
उप–जोड़ (ज)	**7.05**	**504.52**	**511.57**	**816.44**
कुल झ = छ - ज	**284.36**	**17,894.64**	**18,179.00**	**17,317.08**
वर्ष के अंत में निवल शेष (ग - झ)			**28,922.84**	**26,418.46**

अनुसूची 4: सुरक्षित ऋण और उधारी

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1.केंद्र सरकार		0.00		0.00
2.राज्य सरकार		0.00		0.00
3. वित्तीय संस्थान				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	
ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
4. बैंक:				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	
ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां		0.00		0.00
6. डिबेंचर और बॉड		0.00		0.00
7. अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 5 असुरक्षित ऋण और उधारी

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1. केंद्र सरकार		0.00		0.00
2. राज्य सरकार		0.00		0.00
3. वित्तीय संस्थान				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	
ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
4. बैंक:				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	
ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
अन्य संस्थान और एजेंसियां		0.00		0.00
डिबेंचर और बॉड		0.00		0.00
अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 6 आस्थागित ऋण देयताएं

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
क) पूँजीगत उपकरण एवं अन्य संपत्ति की जमानत सुरक्षित स्वीकृती		0.00		0.00
ख) अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 7 चालू देयताएं और प्रावधान

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
क) चालू देयताएं				
1. परियोजना देयताएं (अनुलग्नक 2)		5,168.03		5,015.95
2. विविध लेनदार				
क) वस्तुओं/सेवाओं के लिए (अनुलग्नक 3)	698.38		748.34	
ख) अन्य (अनुलग्नक 4)	1,937.53	2,635.90	1,794.29	2,542.62
3. छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क (अनुलग्नक 5)		9,108.76		9,057.56
4. सुरक्षा जमा धरोहर राशि और प्रतिधारण (अनुलग्नक 6)		2,740.17		2,534.08
5. ब्याज उपार्जित किया गया, लेकिन देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण/उधार	0.00		0.00	
ख) असुरक्षित ऋण/उधार	0.00	0.00	0.00	0.00
6. वैधानिक देयताएं (अनुलग्नक 7)		389.98		389.79
7. अन्य चालू देयताएं (अनुलग्नक 8)		1,230.88		1,220.56
कुल (क)		**21,273.72**		**20,760.57**
(ख) प्रावधान				
1. कर के लिए		0.00		0.00
2. ग्रेच्युटी (अनुलग्नक 9)		56.44		24.61
3. अवकाश नकदीकरण (अनुलग्नक 10)		4,509.25		3,981.04
4. डब्लू आई पी निर्माण के लिए प्रावधान (अनुलग्नक 11)		271.05		248.36
5. अन्य प्रावधान (अनुलग्नक 12)		1,413.09		1,820.12
6. व्यापार वॉरन्टी/दावे		0.00		0.00
कुल (ख)		**6,249.83**		**6,074.13**
कुल (क+ख)		**27,523.56**		**26,834.70**

अनूसूची 8 अचल परिसंपत्ति अनुसूची

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास		
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत में लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	
क) अचल संपत्तियां							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) लीजहोल्ड	597.39	0.00	0.00	597.39	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्ड भूमि पर	13,991.99	280.18	0.00	14,272.17	1,846.48	230.36	
ख) लीजहोल्ड भूमि पर	40,138.05	802.16	86.82	40,853.39	4,742.51	661.04	
ग) स्वामित्व फ्लैट्स/परिसरों	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) संस्थान की भूमि से इतर पर आधार मूल संरचनाएं	38.45	0.00	0.00	38.45	36.52	0.00	
3. कक्षा उपकरण	6,688.47	161.96	2.15	6,848.28	4,986.06	439.91	
4. वाहनों							
क) हल्के वाहन	296.98	97.87	16.99	377.87	161.18	24.32	
ख) भारी वाहन	209.46	30.30	0.00	239.76	122.38	20.38	
5. फ़र्निचर /फिक्सचर	5,119.04	241.35	1.36	5,359.03	2,453.09	295.16	
6. कार्यालय उपकरण	1,302.67	65.47	0.00	1,368.14	932.66	92.25	
7. कंप्यूटर/सहायक उपकरणों							
क) हार्डवेयर	8,722.93	412.79	95.78	9,039.95	6,321.80	735.91	
ख) सॉफ्टवेयर	2,537.27	10.55	35.45	2,512.37	2,137.48	116.00	
8. विद्युत उपकरण	4,924.02	144.21	8.14	5,067.68	3,387.03	449.78	
9. संसाधन केन्द्र संग्रह	105.83	0.78	0.00	106.61	72.62	9.87	
10. किताबें	2,460.16	117.23	2.00	2,575.35	1,908.68	165.40	
11. किताबें और पत्रिकाएं	742.11	19.49	0.00	761.62	725.44	31.16	
12. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना परिसंपत्ति	279.91	0.00	0.00	279.91	250.64	1.01	
14. छात्रावास उपकरण	695.37	6.85	0.25	701.97	197.98	45.90	
15. अन्य अचल परिसंपत्ति	1,279.57	54.02	0.00	1,333.58	1,099.35	57.29	
वित्तीय वर्ष 2020–21 का कुल (क)	**90,129.66**	**2,445.21**	**248.94**	**92,333.54**	**31,381.92**	**3,375.72**	
वित्तीय वर्ष 2019–20 का कुल	**77,774.84**	**13,011.20**	**656.36**	**90,129.66**	**28,470.13**	**3,470.29**	
ख) पूंजीगत प्रगत कार्य							
भवन	19,570.74	6,278.47	475.65	25,367.39	0.00	0.00	
मार्गस्थ पूंजिगत सामान	84.65	96.28	79.68	107.41	0.00	0.00	
अन्य	143.81	24.21	71.81	96.21	0.00	0.00	
कुल पूंजीगत प्रगत कार्य कुल (ख)	**19799.20**	**6398.96**	**627.15**	**25571.00**	**0.00**	**0.00**	
कुल योग (क+ख)	**109928.87**	**8844.18**	**876.09**	**117904.54**	**31381.92**	**3375.72**	

राशि (लाख रुपए में)

			ऋणमुक्ति				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	58.25	5.20	0.00	63.45	533.94	539.14
	-0.05	2,076.89	0.00	0.00	0.00	0.00	12,195.28	12,145.51
	0.00	5,403.56	0.00	0.00	0.00	0.00	35,449.84	35,395.54
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	36.52	0.00	0.00	0.00	0.00	1.92	1.92
	-5.37	5,431.33	0.00	0.00	0.00	0.00	1,416.95	1,702.40
	16.14	169.35	0.00	0.00	0.00	0.00	208.52	135.80
	0.00	142.75	0.00	0.00	0.00	0.00	97.00	87.09
	1.17	2,747.07	0.00	0.00	0.00	0.00	2,611.94	2,665.96
	0.00	1,024.90	0.00	0.00	0.00	0.00	343.23	370.00
	83.04	6,974.67	0.00	0.00	0.00	0.00	2,065.29	2,401.13
	24.72	2,228.76	0.00	0.00	0.00	0.00	283.61	399.80
	8.11	3,836.32	0.00	0.00	0.00	0.00	1,231.37	1,536.98
	0.00	82.49	0.00	0.00	0.00	0.00	24.11	33.20
	0.26	2,073.82	0.00	0.00	0.00	0.00	501.55	551.49
	0.00	756.59	0.00	0.00	0.00	0.00	5.03	16.68
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	251.66	0.00	0.00	0.00	0.00	28.26	29.27
	0.22	243.67	0.00	0.00	0.00	0.00	458.31	497.38
	0.00	1,156.63	0.00	0.00	0.00	0.00	176.95	180.24
	128.25	**34,636.98**	**58.25**	**5.20**	**0.00**	**63.45**	**57,633.09**	**58,689.50**
	558.49	**31,381.92**	**53.04**	**5.20**	**0.00**	**58.25**	**58,689.50**	**49,251.65**
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25,367.39	19,570.74
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	107.41	84.65
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	96.21	143.81
	0.00	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**25571.00**	**19799.20**
	128.25	**34636.98**	**58.25**	**5.20**	**0.00**	**63.45**	**83204.10**	**78488.70**

अनूसूची 8कः केन्द्र सरकार के अनुदान से परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास		
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत में लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	
क) अचल संपत्तियां							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) लीजहोल्ड	381.59	0.00	0.00	381.59	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्ड भूमि पर	7,518.19	0.00	0.00	7,518.19	1,331.05	122.54	
ख) लीजहोल्ड भूमि पर	26,640.37	374.00	0.00	27,014.37	3,356.13	434.74	
ग) स्वामित्व फ्लैट्स/परिसरों	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) संस्थान की भूमि से इतर पर आधार मूल संरचनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
3. कक्षा उपकरण	3,398.82	44.97	2.15	3,441.64	3,078.86	47.40	
4. वाहनों							
क) हल्के वाहन	155.53	17.13	16.21	156.45	128.12	6.87	
ख) भारी वाहन	81.36	0.00	0.00	81.36	66.10	3.84	
5. फ़र्निचर /फिक्सचर	2,154.01	61.49	1.36	2,214.14	1,421.82	99.05	
6. कार्यालय उपकरण	641.64	13.25	0.00	654.89	558.63	15.93	
7. कंप्यूटर/सहायक उपकरणों							
क) हार्डवेयर	3,612.55	139.33	33.41	3,718.46	3,263.67	89.03	
ख) सॉफ्टवेयर	1,150.90	4.23	24.85	1,130.28	1,070.45	13.39	
8. विद्युत उपकरण	2,494.59	0.00	8.14	2,494.06	1,903.22	188.14	
9. संसाधन केन्द्र संग्रह	31.09	0.00	0.00	31.09	29.45	0.16	
10. किताबें	1,145.41	6.44	0.00	1,151.85	1,081.33	8.66	
11. किताबें और पत्रिकाएं	256.06	0.56	0.00	256.62	252.73	0.35	
12. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना परिसंपत्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.94	
14. छात्रावास उपकरण	395.11	1.24	0.25	396.10	153.00	24.32	
15. अन्य अचल परिसंपत्ति	606.75	32.55	0.00	639.30	548.31	15.62	
वित्तीय वर्ष 2020–21 का कुल (क)	**50,663.99**	**695.19**	**86.37**	**51,280.41**	**18,242.87**	**1,071.00**	
वित्तीय वर्ष 2019–20 का कुल	**42,408.02**	**8,768.55**	**512.57**	**50,664.00**	**17,505.37**	**1,083.85**	
ख) पूंजीगत प्रगत कार्य							
भवन	16,638.53	5,654.13	374.00	21,918.67	0.00	0.00	
मार्गस्थ पूंजिगत सामान	0.00	89.44	0.00	89.44	0.00	0.00	
अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
कुल पूंजीगत प्रगत कार्य कुल (ख)	**16638.53**	**5743.57**	**374.00**	**22008.11**	**0.00**	**0.00**	
कुल योग (क+ख)	**67302.53**	**6438.76**	**460.37**	**73288.52**	**18242.87**	**1071.00**	

राशि (लाख रुपए में)

			ऋणमुक्ति				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	58.25	5.20	0.00	63.45	318.14	323.34
	0.00	1,453.59	0.00	0.00	0.00	0.00	6,064.60	6,187.14
	0.00	3,790.87	0.00	0.00	0.00	0.00	23,223.50	23,284.25
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	2.04	3,124.22	0.00	0.00	0.00	0.00	317.41	319.95
	15.40	119.59	0.00	0.00	0.00	0.00	36.86	27.41
	0.00	69.93	0.00	0.00	0.00	0.00	11.43	15.27
	1.17	1,519.70	0.00	0.00	0.00	0.00	694.43	732.20
	0.00	574.55	0.00	0.00	0.00	0.00	80.33	83.00
	30.87	3,321.84	0.00	0.00	0.00	0.00	396.64	348.86
	24.85	1,058.99	0.00	0.00	0.00	0.00	71.28	80.46
	8.11	2,090.87	0.00	0.00	0.00	0.00	403.19	591.36
	0.00	29.61	0.00	0.00	0.00	0.00	1.47	1.64
	0.00	1,089.99	0.00	0.00	0.00	0.00	61.89	64.11
	0.00	253.08	0.00	0.00	0.00	0.00	3.54	3.32
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.94	0.00	0.00	0.00	0.00	-0.94	0.00
	0.22	177.10	0.00	0.00	0.00	0.00	219.00	242.12
	0.00	563.93	0.00	0.00	0.00	0.00	75.38	58.45
	82.66	**19,238.80**	**58.25**	**5.20**	**0.00**	**63.45**	**31,978.16**	**32,362.87**
	346.38	**18,242.87**	**53.04**	**5.20**	**0.00**	**58.25**	**32,362.87**	**24,849.61**
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	21,918.67	16,638.53
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	89.44	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**22008.11**	**16638.53**
	82.66	**19238.80**	**58.25**	**5.20**	**0.00**	**63.45**	**53986.26**	**49001.40**

अनूसूची 8ख: अचल परिसंपत्ति अनुसूची

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास		
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत में लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	
क) अचल संपत्तियां							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) लीजहोल्ड	0.01	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्ड भूमि पर	6,452.79	15.60	0.00	6,468.39	513.81	105.31	
ख) लीजहोल्ड भूमि पर	12,993.59	245.19	0.00	13,238.78	1,359.44	215.60	
ग) स्वामित्व फ्लैट्स/परिसरों	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) संस्थान की भूमि से इतर पर आधार मूल संरचनाएं	38.45	0.00	0.00	38.45	36.52	0.00	
3. कक्षा उपकरण	1,599.98	26.63	0.00	1,626.61	1,165.41	162.76	
4. वाहनों							
क) हल्के वाहन	47.10	18.03	0.00	65.13	14.83	5.07	
ख) भारी वाहन	70.03	0.00	0.00	70.03	37.12	6.55	
5. फ़र्निचर /फिक्सचर	1,764.83	81.22	0.00	1,846.04	727.89	114.66	
6. कार्यालय उपकरण	129.31	3.25	0.00	132.56	108.82	7.31	
7. कंप्यूटर/सहायक उपकरणों							
क) हार्डवेयर	1,843.03	54.42	31.66	1,865.79	1,428.25	152.48	
ख) सॉफ्टवेयर	492.82	0.00	0.00	492.82	436.39	12.47	
8. विद्युत उपकरण	1,194.17	4.51	0.00	1,198.67	903.71	87.69	
9. संसाधन केन्द्र संग्रह	19.03	0.00	0.00	19.03	17.12	0.65	
10. किताबें	452.41	21.87	0.14	474.11	359.21	21.85	
11. किताबें और पत्रिकाएं	131.31	8.22	0.00	128.79	131.28	12.53	
12. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना परिसंपत्ति	279.91	0.00	0.00	279.91	250.64	0.07	
14. छात्रावास उपकरण	165.34	0.22	0.00	165.56	18.01	10.78	
15. अन्य अचल परिसंपत्ति	429.44	7.70	0.00	437.13	402.18	6.47	
वित्तीय वर्ष 2020–21 का कुल (क)	**28,103.52**	**486.85**	**31.80**	**28,547.82**	**7,910.65**	**922.23**	
वित्तीय वर्ष 2019–20 का कुल	**25,736.44**	**2,397.43**	**30.35**	**28,103.52**	**6,940.83**	**1,088.15**	
ख) पूंजीगत प्रगत कार्य							
भवन	2,358.54	546.46	0.00	2,905.00	0.00	0.00	
मार्गस्थ पूंजिगत सामान	2.40	0.00	2.39	0.00	0.00	0.00	
अन्य	71.81	0.00	71.81	0.00	0.00	0.00	
कुल पूंजीगत प्रगत कार्य कुल (ख)	**2432.74**	**546.46**	**74.20**	**2905.00**	**0.00**	**0.00**	
कुल योग (क+ख)	**30536.27**	**1033.32**	**106.00**	**31452.82**	**7910.65**	**922.23**	

राशि (लाख रुपए में)

			ऋणमुक्ति				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.01	0.01
	-0.05	619.18	0.00	0.00	0.00	0.00	5,849.21	5,938.97
	0.00	1,575.04	0.00	0.00	0.00	0.00	11,663.74	11,634.15
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	36.52	0.00	0.00	0.00	0.00	1.92	1.92
	0.00	1,328.17	0.00	0.00	0.00	0.00	298.44	434.57
	0.00	19.89	0.00	0.00	0.00	0.00	45.23	32.27
	0.00	43.67	0.00	0.00	0.00	0.00	26.36	32.90
	0.00	842.55	0.00	0.00	0.00	0.00	1,003.49	1,036.94
	0.00	116.13	0.00	0.00	0.00	0.00	16.43	20.49
	29.48	1,551.25	0.00	0.00	0.00	0.00	314.54	414.78
	0.00	448.86	0.00	0.00	0.00	0.00	43.96	56.43
	0.00	991.39	0.00	0.00	0.00	0.00	207.28	290.46
	0.00	17.77	0.00	0.00	0.00	0.00	1.26	1.91
	0.01	381.05	0.00	0.00	0.00	0.00	93.07	93.20
	0.00	133.06	0.00	0.00	0.00	0.00	-4.26	0.03
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	250.72	0.00	0.00	0.00	0.00	29.20	29.27
	0.00	28.79	0.00	0.00	0.00	0.00	136.77	147.33
	0.00	408.66	0.00	0.00	0.00	0.00	28.47	27.25
	29.44	**8,792.69**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**19,755.13**	**20,192.87**
	118.36	**7,910.65**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**20,192.87**	**18,795.62**
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2,905.00	2,358.54
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.404
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	71.81
	0.00	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**2905.00**	**2432.74**
	29.44	**8792.69**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**22660.13**	**22625.62**

अनूसूची 8ग अचल परिसंपत्ति अनुसूची

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास		
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत में लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	
क) अचल संपत्तियां							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) लीजहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्ड भूमि पर	20.12	0.00	0.00	20.12	1.57	0.33	
ख) लीजहोल्ड भूमि पर	256.83	86.82	0.00	343.65	17.95	5.73	
ग) स्वामित्व फ्लैट्स/परिसरों	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) संस्थान की भूमि से इतर पर आधार मूल संरचनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
3. कक्षा उपकरण	505.44	14.82	0.00	520.26	221.95	76.17	
4. वाहनों							
क) हल्के वाहन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) भारी वाहन	43.64	0.00	0.00	43.64	15.92	4.94	
5. फ़र्निचर /फिक्सचर	474.77	0.00	0.00	474.77	104.95	30.06	
6. कार्यालय उपकरण	114.63	23.02	0.00	137.65	59.73	17.82	
7. कंप्युटर/सहायक उपकरणों							
क) हार्डवेयर	1,066.40	17.85	-8.30	1,092.55	564.51	153.94	
ख) सॉफ्टवेयर	51.14	0.00	1.47	49.66	27.74	8.19	
8. विद्युत उपकरण	343.36	6.46	0.00	349.81	174.75	48.46	
9. संसाधन केन्द्र संग्रह	15.33	0.00	0.00	15.33	6.58	3.01	
10. किताबें	214.82	6.60	0.02	221.40	104.98	36.83	
11. किताबें और पत्रिकाएं	42.13	0.37	0.00	42.50	39.90	2.43	
12. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना परिसंपत्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
14. छात्रावास उपकरण	23.24	0.00	0.00	23.24	5.28	1.53	
15. अन्य अचल परिसंपत्ति	174.37	0.00	0.00	174.37	112.99	25.35	
वित्तीय वर्ष 2020–21 का कुल (क)	**3,346.21**	**155.94**	**-6.80**	**3,508.94**	**1,458.80**	**414.79**	
वित्तीय वर्ष 2019–20 का कुल	**3,025.84**	**300.65**	**-19.72**	**3,346.21**	**1,046.98**	**433.71**	
ख) पूंजीगत प्रगत कार्य							
भवन	283.76	17.12	0.00	294.72	0.00	0.00	
मार्गस्थ पूंजिगत सामान	19.24	0.00	19.24	6.16	0.00	0.00	
अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
कुल पूंजीगत प्रगत कार्य कुल (ख)	**303.00**	**17.12**	**19.24**	**300.88**	**0.00**	**0.00**	
कुल योग (क+ख)	**3,649.21**	**173.06**	**12.44**	**3,809.82**	**1,458.80**	**414.79**	

राशि (लाख रुपए में)

			ऋणमुक्ति				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	1.90	0.00	0.00	0.00	0.00	18.22	18.55
	0.00	23.68	0.00	0.00	0.00	0.00	319.97	238.88
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	298.12	0.00	0.00	0.00	0.00	222.13	283.47
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	20.86	0.00	0.00	0.00	0.00	22.78	27.71
	0.00	135.01	0.00	0.00	0.00	0.00	339.75	369.80
	0.00	77.55	0.00	0.00	0.00	0.00	60.10	54.90
	0.55	717.90	0.00	0.00	0.00	0.00	374.63	501.89
	1.22	34.72	0.00	0.00	0.00	0.00	14.95	23.40
	0.00	223.20	0.00	0.00	0.00	0.00	126.60	168.61
	0.00	9.59	0.00	0.00	0.00	0.00	5.74	8.75
	0.00	141.81	0.00	0.00	0.00	0.00	79.59	109.85
	0.00	42.33	0.00	0.00	0.00	0.00	0.18	2.24
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	6.81	0.00	0.00	0.00	0.00	16.43	17.95
	0.00	138.34	0.00	0.00	0.00	0.00	36.02	61.40
	1.77	**1,871.82**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1,637.10**	**1,887.39**
	21.88	**1,458.80**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1,887.39**	**1,978.83**
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	294.72	283.76
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.16	19.24
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**300.88**	**303.00**
	1.77	**1,871.82**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1,937.98**	**2,190.39**

अनूसूची 8घः अन्य निधियों से अचल परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास		
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत में लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	
क) अचल संपत्तियां							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) लीजहोल्ड	215.79	0.00	0.00	215.79	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्ड भूमि पर	0.89	264.58	0.00	265.47	0.05	2.17	
ख) लीजहोल्ड भूमि पर	247.26	96.15	86.82	256.59	9.00	4.96	
ग) स्वामित्व फ्लैट्स/परिसरों	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) संस्थान की भूमि से इतर पर आधार मूल संरचनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
3. कक्षा उपकरण	1,184.23	75.54	0.00	1,259.77	519.85	153.57	
4. वाहनों							
क) हल्के वाहन	94.36	62.71	0.78	156.29	18.22	12.38	
ख) भारी वाहन	14.44	30.30	0.00	44.74	3.24	5.06	
5. फ़र्निचर /फिक्सचर	725.44	98.64	0.00	824.07	198.43	51.38	
6. कार्यालय उपकरण	417.09	25.95	0.00	443.04	205.48	51.19	
7. कंप्युटर/सहायक उपकरणों							
क) हार्डवेयर	2,200.96	201.20	39.01	2,363.15	1,065.37	340.46	
ख) सॉफ्टवेयर	842.42	6.32	9.13	839.61	602.90	81.94	
8. विद्युत उपकरण	891.90	133.25	0.00	1,025.14	405.35	125.49	
9. संसाधन केन्द्र संग्रह	40.38	0.78	0.00	41.16	19.47	6.05	
10. किताबें	647.51	82.33	1.84	727.99	363.16	98.06	
11. किताबें और पत्रिकाएं	323.36	10.34	0.00	333.70	312.27	15.85	
12. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना परिसंपत्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
14. छात्रावास उपकरण	111.68	5.38	0.00	117.07	21.69	9.27	
15. अन्य अचल परिसंपत्ति	69.02	13.77	0.00	82.79	35.86	9.84	
वित्तीय वर्ष 2020–21 का कुल (क)	**8,026.72**	**1,107.24**	**137.58**	**8,996.37**	**3,780.35**	**967.70**	
वित्तीय वर्ष 2019–20 का कुल	**6,604.52**	**1,544.58**	**133.14**	**8,026.72**	**2,976.88**	**864.58**	
ख) पूंजीगत प्रगत कार्य							
भवन	289.91	60.75	101.65	249.00	0.00	0.00	
मार्गस्थ पूंजिगत सामान	63.01	6.84	58.05	11.80	0.00	0.00	
अन्य	72.00	24.21	0.00	96.21	0.00	0.00	
कुल पूंजीगत प्रगत कार्य कुल (ख)	**424.92**	**91.80**	**159.71**	**357.01**	**0.00**	**0.00**	
कुल योग (क+ख)	**8451.65**	**1199.04**	**297.29**	**9353.39**	**3780.35**	**967.70**	

राशि (लाख रुपए में)

			ऋणमुक्ति				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	215.79	215.79
	0.00	2.22	0.00	0.00	0.00	0.00	263.26	0.84
	0.00	13.97	0.00	0.00	0.00	0.00	242.62	238.26
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	-7.41	680.82	0.00	0.00	0.00	0.00	578.95	664.38
	0.74	29.87	0.00	0.00	0.00	0.00	126.43	76.13
	0.00	8.30	0.00	0.00	0.00	0.00	36.44	11.20
	0.00	249.81	0.00	0.00	0.00	0.00	574.26	527.02
	0.00	256.67	0.00	0.00	0.00	0.00	186.37	211.61
	22.14	1,383.69	0.00	0.00	0.00	0.00	979.46	1,135.59
	-1.35	686.19	0.00	0.00	0.00	0.00	153.42	239.52
	0.00	530.85	0.00	0.00	0.00	0.00	494.29	486.55
	0.00	25.52	0.00	0.00	0.00	0.00	15.63	20.90
	0.25	460.97	0.00	0.00	0.00	0.00	267.02	284.34
	0.00	328.13	0.00	0.00	0.00	0.00	5.58	11.09
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	30.97	0.00	0.00	0.00	0.00	86.10	89.99
	0.00	45.71	0.00	0.00	0.00	0.00	37.08	33.15
	14.37	**4,733.68**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**4,262.70**	**4,246.37**
	71.88	**3,780.35**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**4,246.37**	**3,627.63**
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	249.00	289.91
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	11.80	63.01
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	96.21	72.00
	0.00	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**357.01**	**424.92**
	14.37	**4733.68**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**4619.71**	**4671.29**

अनुसूची 9: निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
सरकारी प्रतिभूतियों में		0.00		0.00
अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां		0.00		0.00
शेयरों		0.00		0.00
डिबेंचर और बॉड		0.00		0.00
सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रम		0.00		0.00
अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 10: निवेश – अन्य

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
सरकारी प्रतिभूतियां (आरबी आई बॉडस – बिक्री के योग्य नहीं)		0.00		0.00
अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां		0.00		0.00
शेयरों		0.00		0.00
डिबेंचर और बॉड		0.00		0.00
सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रम		0.00		0.00
अन्य (अनुलग्नक 29)		4,702.80		4,162.64
कुल		**4,702.80**		**4,162.64**

अनुसूची 11: चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021 को		31 मार्च 2020 को	
क) चालू परिसंपत्तियाँ				
1. वस्तु सूचियाँ				
क. स्टोर और पुर्जों (निफ्ट दुकानों (पुरानी) भण्डार) (अनुलग्नक–13)	0.00		0.00	
ख) फुटकर औजार	0.00		0.00	
ग) स्मारिका का स्टॉक	0.00		0.00	
तैयार माल	0.00		0.00	
कार्य प्रगति पर	0.00		0.00	
कच्चा माल	0.00	0.00	0.00	0.00
2. विविध देनदार				
क) छ माह की अवधि से अधिक बकाया ऋण(अनुलग्नक–14)	2,571.03		2,889.39	
ख) प्राप्य	1.33	2,572.36	0.00	2,889.39
3. नकदी (चेक और ड्राफ्ट समेत) (अनुलग्नक–15)		1.01		1.76
4. बैंक शेष				
क) अनुसूचित बैंक के साथ				
– जमा खातों पर (अनुलग्नक–16)	82,945.36		76,131.20	
– बैंक खातों पर (अनुलग्नक–17)	53,663.56		43,156.45	
ख) गैर–अनुसूचित बैंक के साथ				
– जमा खातों पर	0.00		0.00	
– बैंक खातों पर	0.00	1,36,608.91	0.00	1,19,287.65
5. डाक खाना जमा खाता		0.00		0.00
कुल (क)		**1,39,182.28**		**1,22,178.80**

ख) ऋण, अग्रिम और अन्य संपत्तियाँ				
1. ऋण				
क) कर्मचारी (अनुलग्नक–18)	9.86		4.30	
ख) संस्था के समान गतिविधियों/उद्देश्य वाली संस्थाओं को	0.00		0.00	
ग) अन्य	0.00	9.86	0.00	4.30
2. अग्रिम और अन्य मात्रा में नकदी में वसूली योग्य या वस्तु रूप में या मूल्य प्राप्त करने के लिए				
क) पूंजी खातों पर(अनुलग्नक–19)	5,956.97		4,565.24	
ख) पूर्वभुगतान (अनुलग्नक–20)	158.79		159.56	
ग) जमानत राशि का भुगतान (अनुलग्नक–21)	267.75		254.64	
घ) कर्मचारी (अनुलग्नक–22)	74.40		116.27	
ड़) परियोजना (अनुलग्नक 23)	1,035.49		284.84	
च) अन्य (अनुलग्नक–24)	111.23	7,604.64	218.63	5,599.18
3. निर्धारित/ अक्षय निधि पर निवेश				
क) निर्धारित/ अक्षय निधि पर निवेश	0.00		0.00	
ख) पर निवेश – अन्य	0.00		0.00	
ग) ऋण और अग्रिम पर	0.00		0.00	
घ) सावधि जमा/बैंक जमा पर ब्याज (अनुलग्नक–25)	2,797.78		2,036.52	
ड़) अन्य (अनुलग्नक–26)	3.32	2,801.10	0.10	2,036.62
4. प्राप्य का दावा स्रोत पर कर कटौती और कर की वसूली (अनुलग्नक–27)		189.98		288.06
5. अंतर परिसरीय/मुख्यालय (अनुलग्नक–28)		-263.47		-360.32
निफ़्ट मुख्यालय		2,487.25		2,414.82
निफ़्ट बेंगलुरू		-975.73		-994.38
निफ़्ट भोपाल		138.39		142.50
निफ़्ट भुवनेश्वर		214.66		192.52
निफ़्ट चेन्नई		281.27		282.82
निफ़्ट गांधीनगर		-755.31		-785.22
निफ़्ट हैदराबाद		-545.50		-562.43
निफ़्ट जोधपुर		404.01		395.16
निफ़्ट कांगडा		198.49		205.39
निफ़्ट कन्नूर		4.98		50.45
निफ़्ट कोलकत्ता		-809.06		-807.47
निफ़्ट मुंबई		282.77		275.68
निफ़्ट दिल्ली		-1,737.99		-1,597.91
निफ़्ट पटना		388.60		383.66
निफ़्ट शिलांग		125.68		127.64
निफ़्ट राय बरेली		106.85		98.92
निफ़्ट परियोजना सेल		70.47		74.28
निफ़्ट श्रीनगर		108.85		95.56
निफ़्ट सूरत विस्तार केन्द्र		0.00		0.00
निफ़्ट मुख्यालय ग्रुप ग्रेच्युटी ट्रस्ट		-263.97		-360.56
निफ़्ट पंचकुला		11.81		8.25
कुल (ख)		**10,342.11**		**7,567.84**
कुल (क+ख)		**1,49,524.40**		**1,29,746.64**

अनुसूची 12 बिक्री/सेवाए (परियोजनाएं) से आय

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1. बिक्री से आय				
क) तैयार माल की बिक्री	0.00		0.00	
ख) कच्चा माल की बिक्री	0.00		0.00	
ग) रद्दी माल की बिक्री	0.00		0.00	
		0.00		0.00
2. सेवा से आय				
श्रम और प्रसंस्करण शुल्क	0.00		0.00	
पेशेवर/परामर्श कार्य(परियोजनाएं)	0.00		0.00	
अभिकरण कमीशन और दलाली	0.00		0.00	
रख–रखाव सेवाएं उपकरण/संपत्ति	0.00		0.00	
अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 13 अनुदान/सब्सिडी

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
(प्राप्त अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी)				
1. केन्द्रीय सरकार		64.53		116.12
2. राज्य सरकार		37.79		112.78
3. सरकारी संस्थाएं (क्लस्टर पहल)		58.66		423.19
4. संस्थानों/कल्याणकारी संस्थाएं		0.00		0.00
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन		0.00		0.00
6. अन्य		0.00		0.00
कुल		**160.98**		**652.09**

अनुसूची 14 शुल्क/अंशदान

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1. प्रवेश शुल्क/आवेदन शुल्क		881.99		1,024.33
2. वार्षिक शुल्क/ट्यूशन शुल्क/अंशदान				
ट्यूशन शुल्क	33,522.10		29,750.88	
घटायें: मुख्यालय हिस्सा	1,081.25	32,440.86	1,055.27	28,695.61
3. अणुगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क (सी ई कार्यक्रम शुल्क)		343.86		860.05
4. छात्रावास शुल्क		916.44		4,002.65
5. जब्त किया गया शुल्क		61.41		30.27
6. पुस्तकालय शुल्क–छात्र और अन्य		1,256.76		1,091.58
7. अन्य शुल्क		951.04		906.49
कुल		**36,852.36**		**36,610.97**

अनुसूची 15 निवेश से आय

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियो पर	0.00		0.00	
ख) सरकारी प्रतिभूतियो पर	0.00	0.00	0.00	0.00
2) लाभांश				
क) सरकारी प्रतिभूतियो पर	0.00		0.00	
ख) सरकारी प्रतिभूतियो पर	0.00	0.00	0.00	0.00
3) किराया		0.00		0.00
4) अन्य (ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण निवेश)		308.77		302.43
कुल		**308.77**		**302.43**

अनुसूची 16 रॉयल्टी से आय

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1. रॉयल्टी से आय		0.00		0.00
2. प्रकाशन से आय		0.00		0.00
3. अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 17 : अर्जित ब्याज

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1. अवधि जमा				
क) अनूसूचित बैंको के साथ	4,115.49		4,367.86	
ख) गैर अनुसूचित बैंको के साथ	-		0.00	
ग) संस्थानों के साथ (भारत सरकार बांड)	-		0.00	
घ) अन्य	-		0.00	
	4,115.49		4,367.86	
2. बचत खातों पर				
क) अनूसूचित बैंको के साथ	1,453.96		1,298.41	
ख) गैर अनुसूचित बैंको के साथ	-		0.00	
ग) संस्थानों के साथ	-		0.00	
घ) अन्य	-		0.00	
	1,453.96		1,298.41	
घटाः अनुसूची 2 पर स्थानांतरित सरकारी अनुदान पर ब्याज	183.60	5,385.85	310.77	5,355.50
3. ऋण पर				
क) कर्मचारी/स्टॉफ	0.55		0.64	
ख) अन्य	11.05	11.60	11.19	11.82
4. देनदारों पर ब्याज और अन्य प्राप्तियां		0.00		0.00
कुल		**5,397.44**		**5,367.32**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
1. बिक्री/परिसंपत्तियों का निपटान पर लाभ				
क) स्वामित्व वाली संपत्ति	3.27		18.60	
ख) अनुदान से प्राप्त या निःशुल्क अर्जित संपत्तियां	0.00	3.27	0.00	18.60
2. परियोजना और कार्यशाला				
परियोजना आय	1,636.50		3,457.79	
घटाः परियोजना व्यय	1,461.23	175.27	3,419.75	38.04
3. निर्यात प्रोत्साहन राशि की प्राप्ति		0.00		0.00
4. लाइसेन्स शुल्क – पट्टा आवास		7.39		6.14
5. गेस्ट हाउस शुल्क		2.11		7.68
5. विविध सेवाओं के लिए शुल्क		0.00		0.00
6. विविध आय (जिसमें हॉस्टल लाइब्रेरी और अन्य प्राप्तियां शामिल हैं)		227.82		355.14
कुल		**415.87**		**425.58**

अनुसूची 19 : स्टॉक में वृद्धि/कमी **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
अंतिम माल				
क) तैयार माल	0.00		0.00	
ख) कार्य प्रगति पर	0.00	0.00	0.00	0.00
घटाः प्रारंभिक माल				
क) तैयार माल	0.00		0.00	
ख) कार्य प्रगति पर	0.00	0.00	0.00	0.00
शुद्ध वृद्धि/कमी		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 20: शैक्षणिक व्यय **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
क) शैक्षणिक व्यय				
प्रवेश व्यय	135.73		205.48	
विज्ञापन व्यय	141.42		217.61	
कक्षा व्यय	12.85		31.99	
कक्षा उपकरण मरम्मत और रखरखाव	6.60		18.87	
पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम विकास खर्च	40.79		38.76	
दीक्षांत समारोह व्यय	57.87		120.38	
बस का किराया/गाड़ी	0.02		44.17	
अतिथि संकाय	964.38		1,045.54	
विदेशी संकाय शुल्क	0.00		0.00	
आई आईएलएफ शुल्क	0.00		0.07	
बीमा व्यय (छात्र)	60.01		61.16	
जूरी खर्च	89.17		425.45	
छात्रवृत्ति और शुल्क सब्सिडी	1,034.03		845.49	
छात्र कल्याण खर्च	17.21		40.28	
संकाय यात्रा व्यय (भारत)	9.82		79.60	
विदेश में सेमिनार/मेला भ्रमण	0.00		49.90	
भारत में संकाय/छात्र यात्रा	0.42		6.99	

प्रशिक्षण व्यय	3.29		123.37	
संगोष्ठी और सम्मेलन का खर्च	7.39		18.89	
प्रचार व्यय	3.08		7.95	
कॉन्क्लेव / एफ. कार्यक्रम, छात्र भ्रमण	0.00		0.14	
क्राफ्ट डॉक्यूमेंटेशन	2.89		8.35	
नियुक्ति / पूर्व नियुक्ति व्यय	0.71		16.00	
डिजाइन संग्रह	0.04		18.35	
प्रदर्शन और प्रदर्शनी	0.86		5.68	
डिप्लोमा प्रोजेक्ट्स / स्नातक प्रदर्शनी	2.98		128.74	
अभिसरण व्यय	0.82		54.40	
विभागीय बैठक	0.03		6.54	
परीक्षा / पुनःपरीक्षा का खर्च	0.11		1.28	
प्रमाणन, पुरस्कार, ट्राफियां व्यय	0.00		5.05	
ओपन हाउस खर्च	0.43		1.93	
पत्रिका और आवधिक पत्रिका	66.89		116.78	
डाक और टेलीग्राम	1.06		5.58	
फैशन स्पेक्ट्रम	2.98		42.95	
अभिविन्यास कार्यक्रम	5.03		22.35	
क्षेत्र का अध्ययन	2.18		50.19	
पूर्व छात्र संघ खर्च	1.54		0.88	
सदस्यता शुल्क	4.00		7.70	
विविध व्यय – शैक्षिक	3.69		8.46	
अतिथ्य व्यय – शैक्षिक	2.59		7.65	
इंटरनेट का खर्च	19.01		19.40	
मुद्रण और प्रकाशन व्यय	8.63		10.62	
कंप्यूटर मरम्मत और रखरखाव	62.52		67.37	
संसाधन केंद्र व्यय	2.27		11.57	
लाइब्रेरी रिसोर्स सेंटर व्यय (टीए / डीए रिसोर्स)	0.00		1.17	
अन्य व्यय	13.38		57.03	
पीएचडी खर्च	33.73		32.13	
उद्योग का दौरा शुल्क	1.71		77.80	
सामान्य परीक्षा बोर्ड	0.00		0.05	
डिजाइन सूत्र	0.00		0.00	
टेक्सटाइल इंडिया 2017	0.00		0.00	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2018	0.00		0.00	
सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सदस्यता शुल्क	49.23		110.89	
क्लस्टर पहल व्यय हथकरघा	29.47		143.04	
क्लस्टर पहल व्यय हस्तशिल्प	57.06		240.76	
संयुक्त पीजीब्रिज पाठ्यक्रम	0.00		0.00	
ब्रिज प्रोग्राम ट्यूशन शुल्क सब्सिडी	0.59		4.50	
संकाय निर्वाचिका सभा	0.00		0.00	
ब्रांडिंग और सोशल मीडिया खर्च	0.00		0.00	
छात्र अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	0.00		0.00	
क्षमता निर्माण संकाय (एफ ओ टीडी)	5.37		96.19	
इंडस्ट्री कार्य खर्च	0.00		9.93	
कुल (क)		**2,965.86**		**4,773.41**

ख) छात्रावास खर्च				
छात्रावास किराया	38.25		73.66	
फर्निचर्स/फिक्स्चर की किराया शुल्क	0.00		0.00	
बिजली – छात्रावास	164.30		513.13	
छात्रावास पानी	29.97		93.46	
छात्रावास टेलीफोन	2.34		1.47	
इंटरनेट चार्ज	2.46		5.39	
समाचार पत्र / पत्रिकाएँ	0.57		1.16	
मेस चार्ज	11.03		771.87	
छात्रावास उपकरण/फर्नीचर का मरम्मत एवं रखरखाव	34.62		92.70	
विविध व्यय – छात्रावास – शैक्षणिक	30.34		80.78	
सुरक्षा व्यय – छात्रावास	582.70		737.00	
हाउस कीपिंग व्यय – छात्रावास	450.80		510.12	
अन्य	0.00		0.00	
कुल (ख)		**1,347.38**		**2,880.75**
ग) सी. ई. कार्यक्रम का व्यय		**101.99**		**341.82**
कुल (क + ख + ग)		**4,415.23**		**7,995.98**

अनुसूची 21: स्थापना व्यय **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
क) वेतन और मजदूरी		9,593.38		9,202.22
ख) भत्ता और बोनस		5,008.99		4,525.69
ग) भविष्य निधि / जीएसएलआई में योगदान		1,062.80		1,019.42
घ) अन्य फंड में योगदान (ईडीआईएलप्रीमियम)		20.52		17.75
ड़) कर्मचारी कल्याण खर्च		22.88		60.25
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ व्यय		832.80		674.50
छ) भर्ती खर्च		7.62		31.08
ज) सीपीसी बकाया राशि		0.00		0.00
झ) अन्य		6.18		12.87
कुल		**16,555.18**		**15,543.77**

अनुसूची 22: अन्य प्रशासनिक व्यय **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
क) प्रशासनिक व्यय				
विज्ञापन	8.18		11.02	
आतिथ्य	10.36		17.69	
हिंदी व्यय	15.63		25.48	
ईंधन खर्च	9.64		15.18	
कानूनी और व्यावसायिक शुल्क	26.72		30.10	
स्थानिय वाहन	1.70		3.33	
डाक और तार	3.43		7.80	
मुद्रण और स्टेशनरी	56.76		94.53	
पत्रिकाओं और आवधिक पत्रिका	1.24		0.65	
फर्नीचर की मरम्मत और रखरखाव	182.10		186.14	
वाहन की मरम्मत और रखरखाव	31.91		54.30	

टेलीफोन शुल्क	25.50		26.20	
भारत में यात्रा	12.97		109.10	
विदेश में यात्रा	0.00		0.00	
परिसंपत्ति की बिक्री से नुकसान	0.02		10.93	
सुरक्षा व्यय	1,068.34		1,215.16	
अन्य व्यय	41.05		37.87	
जुर्माना/ब्याज	0.13		0.36	
बट्टे–खाते में डाली गई अचल परिसंपत्ति	0.00		39.69	
बीओजी का व्यय	0.21		0.90	
वर्दी	0.95		0.95	
उपकरण की मरम्मत और रखरखाव	36.11		26.80	
वाहन का किराया	52.15		77.98	
आंतरिक लेखापरीक्षा शुल्क	28.45		31.55	
सांविधिक लेखा परीक्षा शुल्क (सी एंड एजी)	6.23		8.25	
अन्य शुल्क और व्यय	0.28		1.85	
विदेशी मुद्रा हानि/लाभ	0.26		0.17	
गेस्ट हाउस का खर्च	11.94		12.59	
बीमा	58.12		44.10	
रिवर्स चार्ज (व्यय) – सी जी एस टी	7.40		7.00	
रिवर्स चार्ज (व्यय) – एस जी एस टी	7.40		7.00	
रिवर्स चार्ज (व्यय) – आईजीएसटी	2.61		4.18	
कुल (क)		**1,707.80**		**2,108.82**
ख) बिल्डिंग रखरखाव व्यय				
बीमा भवन	0.00		0.00	
भवन की मरम्मत और रखरखाव	435.24		618.25	
डीजीसेट खर्च	25.64		47.66	
गृह व्यवस्था खर्च	814.12		833.22	
संपत्ति कर	143.28		176.73	
विद्युत व्यय एवं जल प्रभार	450.69		825.47	
बागवानी	14.02		26.80	
भवन का किराया	28.60		33.17	
अन्य	2.03		5.66	
कुल (ख)		**1,913.62**		**2,566.95**
कुल (क+ख)		**3,621.42**		**4,675.77**

अनुसूची 23: अनुदान, सब्सिडी, आदि पर व्यय **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
क) संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान		0.00		0.00
ख) संस्थानों/संगठनों को दी गई सब्सिडी		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 24: ब्याज / बैंक शुल्क और कमीशन

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
क) स्थाई ऋण		0.00		0.00
ख) अन्य ऋण (बैंक शुल्क के साथ)		0.00		0.00
ग) अन्य (बैंक शुल्क और अंतरिम भुगतान)		1.56		1.41
कुल		**1.56**		**1.41**

अनुसूची 25: पूर्व अवधि समायोजन

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
आय				
शैक्षणिक आय	59.52		15.57	
स्थापना आय	56.17		5.23	
प्रशासनिक आय	6.27		18.21	
विविध आय	72.53		18.30	
मूल्यह्रास वापस राशि	23.50		192.23	
अनुदान सहायता (राजस्व)	102.25		109.58	
वापस किए गए अवैतनिक बिलों के लिए देयता	116.00	436.24	114.53	473.65
व्यय				
शैक्षणिक व्यय	153.25		40.89	
स्थापना व्यय	33.52		4.54	
प्रशासनिक व्यय	16.87		49.93	
मूल्यह्रास	39.24		98.42	
विविध व्यय	1,351.29		286.08	
विविध अग्रिम वापसी	0.00	1,594.16	0.00	479.86
शुद्ध पूर्व अवधि व्यय		**-1,157.92**		**-6.21**

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)
संस्थान का नामः राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2021 तक वार्षिक खातों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 26 – महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

लेखांकन नीतियां:

1. वार्षिक लेखा आमतौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर और ''भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आई सी ए आई)'' द्वारा जारी किए गए लागू लेखांकन मानक के तहत तैयार किए गए हैं। ये लेखांकन नीतियां और मानक लगातार लागू किये जाते रहे हैं। वार्षिक खाते एक चालू अवधारणा के आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. **केंद्र/राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान को मान्यता**

   i केंद्र/राज्य सरकार से अनुदान आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 12 के अनुसार लेखाबद्ध किया गया है अर्थात ''सरकारी अनुदान को मान्यता तभी दी जाती है यदि यह पूर्ण रूप से निश्चित है कि अंततः संग्रह किया जायेगा''।
   संबंधित लागत के साथ मिलान करने की अवधि के दौरान खाते जिनकी क्षतिपूर्ति करने का इरादा है, सरकारी राजस्व से संबंधित अनुदान आय और व्यय के एक व्यवस्थित आधार पर मान्यता प्राप्त हैं । ऐसा आय और व्यय खाते में अनुदान ''सहायता में अनुदान'' के शीर्षक तहत अलग से दिखाया गया है।

   ii मूल्यह्रास योग्य अचल संपत्तियों से संबंधित सरकारी अनुदान को आस्थगित आय के रूप में माना जाता है। आस्थगित आय व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर आय और व्यय खातों में संपत्ति के उपयोगी जीवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है। आय का ऐसा आवंटन अवधि और उस अनुपात में किया जाता है जिसमें संबंधित संपत्ति पर मूल्यह्रास लगाया गया है।

   iii रियायती दर पर दी जाने वाली सरकारी गैर–मौद्रिक संपत्ति के रूप में अनुदान का हिसाब उनकी अधिग्रहण लागत के आधार दिया जाता है । निःशुल्क दी गई गैर–मौद्रिक संपत्ति नाममात्र मूल्य पर दर्ज की जाती है।

3. **छात्रों, परियोजना और परामर्श शुल्क की मान्यता**

   छात्रों से शुल्कः छात्रों से शुल्क प्रोद्भवन के आधार पर लेखांकित किया जाता है।

   परियोजना और परामर्श शुल्कः परियोजना और परामर्श शुल्क को परियोजना के पूरा होने पर लेखांकित किया जाता है।

4. **निवेश**

   वर्तमान निवेश लागत या उचित बाजार मूल्य जो भी कम हो पर दिखाए जाते हैं और दीर्घकालिक निवेश के मूल्य में स्थायी गिरावट के अलावा निवेश को लागत पर दिखाया गया है।

5. **अचल संपत्ति और मूल्यह्रास**

   अचल संपत्ति को उनकी मूल लागत पर दिखाया जाता है, जिसमें माल ढुलाई, शुल्क, सीमा शुल्क, अधिग्रहण और स्थापना से संबंधित व्यय और अन्य आकस्मिक व्यय संचित मूल्यह्रास को घटाकर शामिल हैं।

   i . वर्ष के दौरान भवन, अंदरूनी निर्माण इत्यादि पर किए गए व्यय को ''पूंजी निर्माण कार्य प्रगति पर है'' के तहत रखा किया गया है, अगर काम पूरा नहीं हुआ है तो।

   ii यदि कोई संपत्ति 30 सितंबर को या उससे पहले अधिग्रहित की जाती है, तो मूल्यह्रास को 100% दर से निर्धारित किया जाता है यदि 30 सितंबर के बाद संपत्ति अधिग्रहित की जाती है तो 50% की दर निर्धारित है।

   iii मूल्यह्रास को निम्न निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रभारित किया जाता हैः

विवरण	मूल्यह्रास की दर
भवन	1.63%
कक्षा उपकरण	15.00%
कंप्यूटर हार्डवेयर	16.21%
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	16.21%
संकाय/अधिकारी के लिए लैपटॉप	25.00%

बिजली मशीनरी	15.00%
फर्नीचर और फिक्सचर/फिटिंग	06.33%
कार्यालय उपकरण	15.00%
किताबें	20.00%
संसाधन केंद्र संग्रह	20.00%
छात्रावास उपकरण	6.33%
मोटर कार (हल्के वाहन)	9.50%
बस (भारी वाहन)	11.31%
परियोजना परिसंपत्ति	संपत्ति वर्ग के अनुसार
पुस्तकें और पत्रिकाएं	100.00%
अन्य संपत्तियां	संपत्ति वर्ग के अनुसार

iv अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास इसके सकल मूल्य का 95% तक प्रदान किया जाता है और इसके बाद कोई मूल्यह्रास नहीं होता है

V. संपत्ति की बिक्री/विलोपन/हस्तांतरण पर मूल्यह्रास बिक्री/विलोपन/हस्तांतरण की तारीख तक प्रदान किया जाता है।

Vi निफ्ट के संकाय और अधिकारियों को लैपटॉप, नोटबुक और इसी तरह के पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को प्रदान करने के लिए एक नई लैपटॉप नीति का 11.12.2018 की बैठक में शासक मंडल (बीओजी) द्वारा अनुमोदन किया गया है।

संकाय/अधिकारियों के पास पहले से ही मौजूद लैपटॉप इसमें शामिल हैं। तदनुसार, ऐसे लैपटॉप पर मूल्यह्रास वित्तीय वर्ष 2018–19 से 25 % की दर से 5 % के मूल्य को बनाये रखने के लिए विचार किया गया है। इस संबंध में, कार्यालय ज्ञापन सं. निफ्ट/एचओ/लैपटॉप नीति/2018/07 दिनांक 30 जनवरी 2019 और कार्यालय ज्ञापन सं निफ्ट/एचओ/लैपटॉप नीति/2019 दिनांक 3 मई, 2019 सभी निफ्ट परिसरों में प्रसारित किया गया है।

6. **बीमा दावें :**

बीमा दावों का लेखांकन यथा निपटान आधार पर किया जाता है।

7. **विदेशी मुद्रा लेनदेनः**

लेन–देन की तारीख पर प्रचलित विनिमय की दरों पर दर्ज किया जाता है। अवधि के दौरान भुगतान किए गए विदेशी मुद्रा अंतरों पर उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर आय और व्यय खाते में मान्यता प्राप्त हैं। विदेशी मुद्रा के विरुद्ध अधिग्रहित संपत्ति लेन–देन के समय पूंजीकृत किए जाते हैं। मौद्रिक चालू संपत्ति और मौद्रिक चालू देनदारियां जो विदेशी मुद्रा में परिभाषित हैं तुलन पत्र की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर पर परिवर्तित किए जाते हैं। परिणामी अंतर आय और व्यय खाते में दर्ज किए जाते हैं।

8. **कर्मचारी के सेवानिवृत्ति लाभ और अन्य लाभः**

अवकाश नकदीकरण और ग्रेच्युटी का प्रावधान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार किया गया है और प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के लिए भारत सरकार के नियम के अनुसार आगे का प्रावधान बनाया गया जो एलआईसी के बीमांकिक मूल्यांकन में शामिल नहीं थे। वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान, सभी निफ्ट के कर्मचारियों की ग्रेच्युटी से संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन के लिए, निफ्ट ने निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट का निर्माण/गठन किया है। निफ्ट मुख्यालय सहित सभी निफ्ट परिसरों (पंचकुला परिसर को छोड़कर) के एलआईसी से समूह ग्रैच्युटी पॉलिसी और अवकाश नकदीकरण पॉलिसी ली गई है।

9. गृह निर्माण अग्रिम, कार अग्रिम और स्कूटर अग्रिम जैसे अग्रिमों पर कर्मचारियों से ब्याज आदि का वसूली के वर्ष में लेखांकन किया जाता है।

10. कार्यालय ज्ञापन सं. निफ्ट/एचओ/एफ एंड ए/2018–19 दिनांक 12 दिसंबर, 2018 के अनुसार; सुरक्षा जमा के लिए छात्रों से कोई भी दावा जो उनके संस्थान छोड़कर जाने की तारीख से एक वर्ष के भीतर प्राप्त नहीं होता है और अन्य के मामले में तीन वर्ष बाद, सुरक्षा जमाओं को आय के रूप में माना जा सकता है।

अनुसूची 27: आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां

वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण लेखांकन लेनदेन के संबंध में कुछ अतिरिक्त प्रकटीकरण के साथ–साथ खातों का हिस्सा बनने वाली टिप्पणियां।

1. वर्ष 2020–21 के दौरान प्राप्ति और भुगतान खाता संस्थान के वास्तविक प्राप्तियों और वास्तविक भुगतानों को लिया गया है।
2. आय और व्यय खाता और तुलन पत्र में प्राप्ति और भुगतान खाता लेखा वर्ष के अंत में विधिवत रूप से जिम्मेदार देयताओं, प्रीपेड खर्च, अग्रिम भुगतान, प्रावधान आदि से तैयार की गई है।
3. पिछले वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलना करने के लिए फिर से व्यवस्थित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

आकस्मिक देयताएं

1. दावे जो इकाई के खिलाफ ऋण के रूप में स्वीकार नहीं की गई रु 9.80 लाख (2020–21) रु 2.18 लाख (2019–20)।

   पिछले वित्तीय वर्ष के 63 मामलों की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए विभिन्न न्यायालयों/ न्यायाधिकरणों में 45 कानूनी मामले लंबित हैं जिसके लिए अनुमानित आकस्मिक देयता 211.52 लाख रुपये और वर्ष 2019–20 के लिए रु 112.24 लाख है। हालांकि, निफ्ट इन कानूनी मामलों की किसी भी तरह की देनदारियों का अनुमान नहीं लगाता है और तदनुसार बहीखातों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

2. निम्नलिखित के संबंध में:

   - बैंक द्वारा / बैंक की ओर से दी गई बैंक गारंटी रू 52.71 लाख (2020–21) रू 8.24 लाख (2019–20)।
   - संस्था की ओर से बैंक द्वारा खोले गए क्रेडिट ऑफ लेटर्स शून्य (2020–21) कुछ नहीं (2019–20)।
   - आयकर रु. 0.09 लाख (2020–21) रु. 0.42 लाख (2019–20)।
   - जीएसटी रु. शून्य (2020–21) रु. शून्य (2019–20)।
   - नगर कर रु. शून्य (2020–21) रु. शून्य (2019–20)।

3. आदेशों के गैर–निष्पादन के लिए पार्टियों से दावों के संबंध में, लेकिन संस्था द्वारा विवादास्पद रु. शून्य (2020–21) रु शून्य (2019–20)।

पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

पूंजीगत खाते पर निष्पादित किए जाने वाले अनुबंधों का अनुमानित मूल्य और (अग्रिम की निवल राशिम) के लिए नहीं किया गया है रु. 3747.24 लाख (2020–21) रु. 15686.73 लाख (2019–20)।

परिसर वार ब्यौरा निम्नानुसार है: **राशि (लाख रुपए में)**

क्रम सं	परिसर	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
1	बेंगलुरु	32.67	53.03
2	शिलांग	138.00	274.00
3	मुंबई	2136.99	2039.00
4	कन्नूर	0.00	26.08
5	चेन्नई	0.97	11.52
6	श्रीनगर	48.68	12480.00
7	कांगड़ा	900.00	433.50
8	हैदराबाद	0.00	25.70
9	नई दिल्ली	342.84	342.84
10	पटना	10.16	1.06
11	भुवनेश्वर	75.46	0.00
12	गांधीनगर	61.47	0.00
	कुल	**3747.24**	**15686.73**

लीज़ दायित्व

संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्त पट्टे की व्यवस्था के तहत किराये के लिए भविष्य के देयताएं रुपये शून्य (2020–21) रुपये शून्य (2019–20)।

परिसरों के लिए पट्टे का किराया लगभग रु 1–1000, बहुत कम है। इसलिए, लेखामानक 19 'लीज' द्वारा भविष्य के भुगतान के लिए में प्रकटीकरण खातों की टिप्पणियों में नहीं किया गया है।

चालू परिसंपत्ति, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियां ऋण और अग्रिमों मूल्य सामान्यतः प्राप्त होने पर कम से कम उस तिथि में तुलन पत्र में बताए गए उनके मूल्य की राशि के बराबर है

कराधान

निफ्ट की आय को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के तहत छूट दी गई है। इसलिए, बहीखातों में आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं है।

1. राजस्व विभाग (सीबीआईसी) की ओर से निर्यात सेवाओं के कारण आई जीएसटी रिफंड 16.41 लाख रुपये का दावा लंबित है।

2. कर निर्धारण वर्ष 2017–18 के लिए टीडीएस रिफंड के लिए (ब्याज सहित) 24.10 लाख रुपये की एक अपील सीआईटी (अपील), आयकर विभाग के पास दायर की गई है।

विदेशी मुद्रा लेनदेन **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
1. सीआईएफ आधार पर गणना किए गए आयात का मूल्यः		
क) तैयार माल की खरीद	शून्य	शून्य
ख) कच्चे माल और घटक (पारगमन सहित)	शून्य	शून्य
ग) पूंजीगत वस्तुएं	शून्य	47.80
घ) स्टोर, पुर्जों और उपभोग्य वस्तु	शून्य	शून्य
ड़) पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद	89.71	44.31
च) सॉफ्टवेयर की खरीद	शून्य	शून्य
2. विदेशी मुद्रा में व्ययः		
क) यात्रा	4.45	50.05
ख) वित्तीय संस्थान/बैंक को विदेशी मुद्रा में प्रेषण और ब्याज भुगतान	शून्य	शून्य
ग) अन्य व्ययः		
• बिक्री पर कमीशन	शून्य	शून्य
• कानूनी और व्यावसायिक व्यय	शून्य	11.42
• विविध व्यय	शून्य	155.32
• सदस्यता शुल्क	1.08	2.19
• तकनीकी शुल्क	53.69	शून्य
• मानदेय	1.12	शून्य
• अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पंजीकरण शुल्क ई टी आई टी आई परियोजना के लिए	शून्य	शून्य
3. कमाईः		
एफओबी के आधार पर निर्यात का मूल्य	शून्य	91.18
4. लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिकः		
लेख परीक्षक के रूप में		
क) कर मामले	शून्य	शून्य
इ) प्रबंधन सेवाओं के लिए	शून्य	शून्य
ब) प्रमाणन के लिए	शून्य	शून्य
क) अन्य	शून्य	शून्य

खातों पर अन्य टिप्पणियां:

1. विभिन्न राज्य सरकारों ने अपने राज्य में परिसर स्थापना के लिए निफ्ट परिसर में या तो मुफ्त में या रियायती दर पर जमीन प्रदान की है। आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 10: अचल संपत्ति के लिए लेखांकन में भूमि को अचल संपत्ति के रूप में वास्तव में भुगतान की गई राशि या नाममात्र मूल्य (रु 1/रु 100/रु 1000) जो भी अधिक हो दर्ज किया गया है। हालाँकि, जिन परिसरों ने भूमि का मूल्य रु. 1/–, रु. 100/– या रु. 1,000/– दर्ज किया है, उनके फिक्स्ड एसेट्स अनुसूचियों 8 में लाखों के आंकड़े की करीबी संख्या तक ले जाने के कारण भूमि प्रदर्शित नहीं हो रही है।

   पुस्तकों में दर्ज भूमि का विवरण यहाँ प्रस्तुत है: –

विवरण	31 मार्च, 2021 का अंकित मूल्य	लीजहोल्ड / फ्रीहोल्ड	भूमि का क्षेत्रफल
निफ़्ट मुख्यालय	रु. 119.27 लाख	लीज़होल्ड	3.796 एकड़
निफ्ट बेंगलुरू	रु. 1 *	लीज़होल्ड	18067.36 वर्गमीटर
निफ्ट भोपाल	रु. 1	लीजहोल्ड	29 एकड़
निफ्ट भुवनेश्वर	रु. 1	लीजहोल्ड	10.046 एकड़
निफ्ट चेन्नई	रु. शून्य *	लीजहोल्ड	7.29 एकड़
निफ्ट दिल्ली	रु. 215.79 लाख***	लीजहोल्ड	1837.29 वर्गमीटर
निफ्ट गांधीनगर	शून्य रु. 1	फ्रीहोल्ड लीजहोल्ड	20,000 वर्ग मीटर 6,000 वर्ग मीटर
निफ्ट हैदराबाद	रु. 1	फ्रीहोल्ड	9.25 एकड़
निफ्ट जोधपुर	रु. 1	लीजहोल्ड	20 एकड़
निफ्ट कांगड़ा	रु. 1 ****	–	26 एकड़
निफ्ट कन्नूर	रु. 1000	लीज़होल्ड	3.774 हेक्टेयर
निफ्ट कोलकाता	रु. 9.78 लाख	लीजहोल्ड	3.276 एकड़
निफ्ट मुंबई	रु. 189.09 लाख	लीज़होल्ड	10 एकड़
निफ्ट पटना	रु. 210	फ्रीहोल्ड	6 एकड़
निफ्ट रायबरेली	रु. शून्य *****	लीजहोल्ड	11.46 एकड़
निफ्ट शिलॉन्ग	रु. 100	लीज़होल्ड	20.13 एकड़
निफ्ट श्रीनगर	रु. 100	लीज़होल्ड	80 कनाल
निफ्ट पंचकुला	रु. शून्य	फ्रीहोल्ड	10 एकड़

* जमीन बैंगलोर डेवलपमेंट अथॉरिटी से 30 वर्ष की लीज पर है।

** भूमि को रिकॉर्ड नहीं किया गया है क्योंकि टाइटल निफ्ट चेन्नई के पक्ष में पारित नहीं किया गया है और न ही यह दिखाने के लिए कोई प्रमाण है कि तमिलनाडु सरकार से निफ्ट, चेन्नई को संपत्ति का हस्तांतरण किया गया है।

*** निफ्ट मुख्यालय और दिल्ली परिसर एक ही प्लॉट में है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान 1873.26 वर्गमीटर की अतिरिक्त भूमि को डीडीए, नई दिल्ली द्वारा आवंटित किया गया है और उसी को रु. 215.79 करोड़ की लागत पर निफ़्ट द्वारा अधिग्रहित किया गया है।

**** भूमि को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकी शिक्षा विभाग को निफ्ट परिसर के निर्माण के लिए हस्तांतरित कर दिया गया है।

***** वर्तमान में निफ्ट रायबरेली परिसर 11.46 एकड़ पर मेसर्स आई.टी.आई. लिमिटेड, रायबरेली से 15 दिसंबर 2013 से 4 वर्ष 11 महीने की अवधि के लिए लीज पर ली गई जमीन पर चल रहा है। भूमि निफ्ट रायबरेली को आवंटित नहीं की गई है, इसलिए खातों में बुक नहीं किया गया बल्कि निफ्ट रायबरेली परिसर किराये प्रभार का भुगतान कर रहा है।

2. सरकारी अनुदान से खरीदी गई संपत्ति पर मूल्यह्रास को आस्थगित राजस्व आय के रूप में माना जाता है और व्यवस्थित आधार पर हर वर्ष संपत्ति के उपयोगी जीवन पर आय और व्यय खातों में मान्यता प्राप्त है। चालू वित्त वर्ष के लिए राजस्व आय के रूप में माना गया। अनुदान रु 2001.27 लाख है (पिछले वर्ष रु 2240.47 लाख)।

3. ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के प्रावधान संस्थान पर लागू हैं। इसलिए, निफ्ट कर्मचारियों की ग्रेच्युटी से संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन के लिए संस्थान द्वारा एक ग्रेच्युटी ट्रस्ट बनाया गया है। ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए एक अलग तुलन पत्र, आय और व्यय खाता और प्राप्ति और भुगतान खाता तैयार किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2020–21

के दौरान कुल रुपए 504.04 लाख (पिछले वर्ष रुपए 397.20 लाख) निफ्ट की पुस्तकों में ग्रेच्युटी खर्च के लिए प्रदान की गई है।

4. संस्थान के कर्मचारियों की अवकाश नकदीकरण के संबंध में दायित्व के भुगतान की दिशा में सभी निफ्ट परिसरों के लिए अलग से अवकाश योजनाएं खरीदी गई हैं। अवकाश नकदीकरण के लिए वर्ष 2020–21 में 4509.25 लाख रुपये (पिछले वर्ष रु 3981.04 लाख) के लिए संचित प्रावधान संस्थान की पुस्तकों में बनाए गए हैं।

5. संबंधित/अक्षय निधि के निवेश पर ब्याज आय संबंधित निधि को दी जा रही है।

6. सरकारी अनुदान के निवेश पर ब्याज आय को सरकारी अनुदान खाते में जमा किया जा रहा है।

7. सभी ज्ञात और निधारित दायित्व और वित्तीय वर्ष से संबंधित सभी आय और व्यय का संस्थान द्वारा लगातार पालित नीति के अनुसार 31 मार्च, 2021 को लेखांकन खातों की पुस्तकों में विधिवत प्रदान / लेखा किया गया है।

8. आम तौर पर, डीडीएफ, सीडीएफ, और एनडीएफ इत्यादि जैसे विभिन्न निर्धारित फंडों में योगदान/हस्तांतरण सीधे निर्धारित निधि में किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, डीडीएफ फंड और सीडीएफ फंड में वृद्धि ब्याज राशि सहित रु 603.27 लाख और रु क्रमशः 134.34 लाख बही खातों में बनाया गया है।

9. केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया गया पिछले वित्तीय वर्ष 2019–20 में रु 7,279.36 लाख की तुलना में चालू वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान रु 6,867.48 लाख का अनुदान संस्थान द्वारा पूँजीकृत कर दिया गया है।

पूँजीकृत अनुदान का विवरण यहाँ निम्न प्रकार से प्रस्तुत किया गया है:

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2021–20	वित्तीय वर्ष 2019–20
चेन्नई	0.00	41.98
दिल्ली	0.00	309.67
गांधीनगर	0.00	26.21
जोधपुर	82.18	271.03
कांगड़ा	333.77	398.81
कन्नूर	10.74	0.00
मुंबई	0.00	7.00
पटना	33.72	85.84
रायबरेली	90.69	21.86
शिलांग	805.20	1437.38
श्रीनगर	5407.76	4659.84
पंचकुला	103.42	19.74
कुल	**6867.48**	**7279.36**

10. तुलन पत्र, आय और व्यय खातों, प्राप्तियों और भुगतान खातों और अनुसूचियों में आंकड़े लाखों रुपए में दिखाए गए हैं। इस उद्देश्य के लिए, आंकड़ों को दो दशमलव बिंदुओं के साथ लाख के पास खत्म कर दिया गया है। कुछ स्थानों पर रु 0.01 लाख का समायोजन (जोड़ / कटौती) आंकड़ों का मिलान करने के लिए बनाया गया है।

11. चालू वर्ष या पूर्व वर्ष की कुछ वस्तुओं में जहां भी आवश्यक हो यानी चालू देयता, चालू संपत्ति, ऋण और अग्रिम, अचल संपत्ति, प्रावधान,व्यय / आय और पूंजी निधि आदि के लिए पुनर्संरचना / पुनर्वर्गीकरण / क्लबिंग की गई है।

12. माल की वास्तविक प्राप्ति के बिना आपूर्तिकर्ताओं को दिए गए खरीद आदेशों के आधार पर पूंजीगत वस्तुओं के लिए प्रावधान शीर्ष के तहत पारगमन में संपत्ति 94.42 लाख (पिछले वर्ष 160.62 लाख रुपये) और देनदारियों को खातों की किताबों में शामिल किया गया है।

13. नवोन्मेष और उद्यमिता को सुविधाजनक बनाने के लिए एमओटी द्वारा डिजाइन इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (डीआई) परियोजना की स्थापना की गई थी। इस परियोजना में, रुपये का एमओटी द्वारा 17.532 करोड़ रुपये का अनुदान कपेक्स स्वीकृत किया गया था। । वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान कपड़ा मंत्रालय से निफ्ट डिजाइन इनोवेशन इन्क्यूबेटर प्रोजेक्ट के लिए 8,11,75,000/– रुपये प्राप्त हुए हैं। हालांकि, परिचालन व्यय के वित्त पोषण के लिए,

निफ्ट ने नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन और सरकार और सीएसआर स्रोतों से अन्य वित्त पोषण स्रोतों को देखने का निर्णय लिया। जबकि परियोजना राजस्व पैदा करने वाला मॉडल है और इसमें समय लगेगा, इसलिए स्थिर और प्रारंभिक व्यय को व्यवस्थित करने के लिए, निफ्ट इस परिचालन आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग कर सकता है।

राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए राशि को निफ्ट की निधि से वित्तपोषित किया जाना आवश्यक है और एक बार परियोजना के लिए राजस्व व्यय, यहां तक कि उत्पन्न राजस्व के साथ या बाहरी स्रोतों से समान राजस्व निधि सहायता प्राप्त होने पर भी इसकी भरपाई की जाएगी। 46वीं एफ एंड एसी बैठक के दौरान, एजेंडा मद संख्या 4606 रखा गया था जिसमें एफ एंड एसी ने रु 6.64 करोड़ (2019–20 के लिए 3.32 करोड़ रुपये और 2020–21 के लिए 3.57 करोड़ रुपये) परियोजना के प्रारंभिक चरण के लिए निफ्ट के फंड से राजस्व व्यय की ओर स्वीकृत किए गए।

इसके अलावा, 25 जुलाई, 2020 को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत ''निफ्ट फाउंडेशन फॉर डिजाइन इनोवेशन'' (एनएफडीआई) नामक एक कंपनी को नवाचार और उद्यमिता की स्थापना और सुविधा के लिए शामिल किया गया है। कंपनी अपने मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) और आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन (एओए) (नियम 19 (2) कंपनी (निगमन) नियम 2014 के अनुसार) के नियमों द्वारा शासित है।

एनएफडीआई एक लाभ कमाने वाली कंपनी नहीं है और लाभ, यदि कोई हो या कंपनी की कोई अन्य आय या संपत्ति जब भी प्राप्त होती है, पूरी तरह से अपने उद्देश्य के प्रचार के लिए लागू की जाएगी और लाभ, अन्य आय या संपत्ति का कोई भी हिस्सा सीधे भुगतान या परोक्ष रूप से लाभांश बोनस के रूप में, या अन्यथा रूप में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।

14. वर्ष 2020–21 के दौरान, ओडिशा नवीकरण ऊर्जा विकास एजेंसी (ओआरईडीए) और निफ्ट भुवनेश्वर कैंपस के बीच 75.46 लाख रुपये की अनुमानित लागत के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें से 30.20 लाख रुपये की राशि (अनुमानित का 40% होने के नाते) लागत जारी की गई है और अनुसूची 11 उप शीर्ष के तहत अन्य अग्रिम मुख्य शीर्ष निफ्ट परिसर में छत पर सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम दिखाया गया है।

15. देयताएं वापस लिखी गई 0.69 लाख रुपये और वसूली योग्य राशि रुपये 1000 लाख प्रधान कार्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान बट्टे खाते में डाले गए हैं।

16. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की कीमत रु 24.85 लाख के सॉफ्टवेयर के अप्रचलित/पुराने होने पर बेंगलुरु परिसर द्वारा बट्टे खाते में डाल दिया गया है। इन अप्रचलित / पुराने सॉफ्टवेयर का शुद्ध ब्लॉक 31.03.2021 को रु 1.24 लाख को 2020–21 के दौरान मूल्यह्रास के रूप में बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

17. अनुसूची –2 के अनुसार, भोपाल परिसर द्वारा राज्य सरकार के अनुदान से 790.0 लाख रुपये की अचल संपत्ति की खरीदी गई है और इसे पूंजीकृत किया गया है। बाद में पिछले वर्षों के दौरान, संपत्ति रु 9.08 लाख का निपटान / त्याग किया गया है, इसलिए अचल संपत्तियों की अनुसूची – 2 और प्रासंगिक अनुसूची 8 बी के बीच अंतर है।

18. निफ्ट गांधीनगर में छात्रावास भवन, आरटीडीएस भवन में अग्निशमन प्रणाली उपलब्ध कराने एवं अग्निशमन पाइपलाइन के उन्नयन के संबंध में सीपीडब्ल्यूडी को 32.43 लाख रुपये का अग्रिम जारी किया गया है और इस संबंध में 11.75 लाख रुपये के खर्च को पूंजीकृत किया गया है। सीपीडब्ल्यूडी द्वारा दिए गए फॉर्म– 65 (क) के संदर्भ में पूंजीगत कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा, निफ्ट गांधीनगर में सौर जल तापन प्रणाली के संदर्भ में, सीपीडब्ल्यूडी द्वारा 16.25 लाख रुपये मूल्य के सीपीडब्ल्यूडी को जारी किए गए अग्रिम के मुकाबले सीपीडब्ल्यूडी द्वारा ''शून्य'' खर्च को फॉर्म –65 (क) में दिखाया गया है।

19. दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग शेड तथा निफ्ट गांधीनगर में जलापूर्ति के लिए नई पाइप लाइन उपलब्ध कराने एवं फिक्स करने तथा निफ्ट गांधीनगर के लिए लॉन निर्माण कार्य के संबंध में सीपीडब्ल्यूडी को 24.54 लाख रुपये की अग्रिम राशि जारी की जा चुकी है। सीपीडब्ल्यूडी ने निफ्ट गांधीनगर द्वारा लगातार फॉलो अप और टेलीफोन पर बातचीत के बावजूद प्रचलित कोविड और लॉकडाउन की स्थिति के कारण मार्च, 2021 तक सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किए गए खर्चों का उल्लेख करते हुए फॉर्म 65 (क) प्रदान नहीं किया है। अतः 31–03–2021 तक चल रहे पूंजीगत कार्य के मद में कोई व्यय पूंजीकृत नहीं किया गया है।

20. सीपीडब्ल्यूडी कालीकट द्वारा विद्युत कार्यों के लिए कन्नूर परिसर में, महिला छात्रावास में, प्रचलित महामारी और केरल में अप्रैल 2021 में विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग द्वारा आचार संहिता की घोषणा के कारण रू 90 लाख का कार्य पूर्ण करने एवं कार्य सुपुर्द करने में विलम्ब है। बिजली के 85% काम पूरा हो चुका है और 15% लंबित काम छात्रावास के वॉश रूम की छत से सोलर गीजर को जोड़ने की दिशा में किए जाने वाले सिविल कार्यों के कारण लंबित है। सीपीडब्ल्यूडी सिविल विंग, कन्नूर को उपरोक्त सिविल कार्य पूरा करने के लिए दिया गया है।

21. सीडब्ल्यूआईपी अनुसूची –8 में राज्य द्वारा किए गए नवीनीकरण व्यय होने के कारण 71.81 लाख की राशि शामिल है। उद्योग भवन स्थित अपने अस्थाई परिसर में निफ्ट पटना की शुरुआत के समय सरकार को वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए पटना परिसर द्वारा अपनी पुस्तकों से बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

22. पत्र संख्या 1/19/2005 – निफ्ट (VIII) दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 के अनुसार वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार से लीज डीड के नवीनीकरण के लिए फिलहाल प्रतीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। लीज डीड के संदर्भ में निर्णय का इंतजार है। अतः रायबरेली परिसर द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 की व्यवस्था हेतु 'भवन हेतु किराये' का प्रावधान नहीं किया गया है।

23. ''राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान'' और ''जम्मू और कश्मीर सरकार'' के बीच हुए एमओयू के पैरा 1.9 में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर सरकार ने अपने पत्र संख्या आईएनडी/एचआइ–44/2009 दिनांक 03–10–2015 के माध्यम से रंगरेथ में अस्थायी परिसर के संचालन के लिए और ओमपोरा, बडगाम में निफ्ट के स्थाई परिसर की स्थापना और संचालन के लिए विवरण वार 67.47 करोड़ रुपये की राशि प्रदान करने के लिए सहमति व्यक्त की है। निर्माण और अवसंरचना विकास लागत के 10% के रूप में 28.65 करोड़ रुपये और रु 38.82 करोड़ रुपये व्यवहार्यता अंतर निधि के रूप में 10 वर्षों की अवधि के लिए भुगतान किया है। वर्ष 2019 के दौरान, अनुच्छेद 370 को रद्द करने के लिए विधेयक पारित किया गया था और बाद में जम्मू और कश्मीर की स्थिति राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में बदल गई। यह मानते हुए कि मौजूदा समझौता ज्ञापन जारी रहेगा और जम्मू और कश्मीर की स्थिति में बदलाव के कारण प्रभावित नहीं होगा, श्रीनगर परिसर ने राज्य सरकार से वसूली योग्य ''अतिरिक्त (राजस्व) में अनुदान'' बुक किया है।

24. रंगरेथ, श्रीनगर में अस्थायी परिसर में गैर–चल वस्तुओं पर व्यय के संबंध में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा की गई लेखापरीक्षा के अवलोकन के अनुपालन में, यह प्रस्तुत किया गया है कि अस्थायी परिसर में किए गए व्यय दो शीर्षों अर्थात चल संपत्ति और गैर चल संपत्ति के अंतर्गत हैं। जब स्थायी भवन पूरा हो जाएगा तो चल संपत्तियों को नए परिसर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और निफ्ट को सौंप दिया जाएगा और गैर चल संपत्तियों को वापस नहीं लिया जा सकता है, लेकिन नए परिसर में स्थायी स्थानांतरण के बाद राज्य सरकार से उसी के मूल्य का दावा किया जाएगा।

समेकित कर्ता:
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
सी ए रमन हँगेंकर	सी ए सुप्रिया मिश्रा	सीएमए बी. के. पांडे	शांतमनु
साझेदार	उप निदेशक (वि.एवं.ले.)	निदेशक (वि.एवं.ले.))	महानिदेशक निफ्ट

सदस्यता सं. 30615
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 17 जुलाई 2021
यूडीआईएन: 21030615AAAAMK7974

अनुलग्नक 1: अक्षय निधि/डीडीएफ/सीडीएफ से क्रय की गई संपत्ति — राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
अक्षय निधि से क्रय की गई संपत्ति	166.50	441.82
डीडीएफ/सीडीएफ से क्रय की गई संपत्ति	54.05	119.94
कुल	**220.55**	**561.76**

अनुलग्नक 2: परियोजना देयताएं — राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
परियोजनाओं से प्राप्त राशि	5168.03	5015.95
कुल	**5168.03**	**5015.95**

अनुलग्नक 3: वस्तुओं और सेवाओं के लिए विविध लेनदार — राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
देय मेस शुल्क	49.90	71.64
विविध लेनदार मुख्यालय	34.69	3.05
विविध लेनदार दिल्ली	0.00	0.00
विविध लेनदार कोलकत्ता	190.70	204.03
विविध लेनदार चेन्नई	0.00	0.73
विविध लेनदार हैदराबाद	0.10	5.84
विविध लेनदार मुंबई	0.00	0.00
विविध लेनदार गाँधीनगर	0.53	2.03
विविध लेनदार बंगलुरू	0.00	0.00
विविध लेनदार रायबरेली	48.17	25.23
सूरी लेनदारों शिलांग	139.37	82.98
विविध लेनदार पटना	59.68	68.75
विविध लेनदार कन्नूर	0.00	0.00
विविध लेनदार भोपाल	83.30	99.43
विविध लेनदार कांगड़ा	0.00	0.33
विविध लेनदार भुवनेश्वर	26.71	26.06
विविध लेनदार जोधपुर	0.10	0.10
विविध लेनदार श्रीनगर	65.14	158.14
कुल	**698.38**	**748.34**

अनुलग्नक 4: विविध लेनदार अन्य — राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
देय व्यय	311.72	558.60
देय राशि	1625.80	1235.69
नई प्रविष्टियाँ शिक्षा शुल्क (मुख्यालय)	0.00	0.00
कुल	**1937.53**	**1794.29**

अनुलग्नक 5: छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क — राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क	2300.94	2745.80
छात्रों से प्राप्त शिक्षा शुल्क	6807.82	6311.76
कुल	**9108.76**	**9057.56**

अनुलग्नक 6: सुरक्षा जमा/ईएमडी/रिटेनशन

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
सुरक्षा जमा (छात्रावास)	340.81	370.56
सुरक्षा जमा शैक्षिणिक	1286.88	1032.10
सुरक्षा जमा (संसाधन केंद्र)	37.79	39.37
सुरक्षा जमा (विक्रेता)	699.06	719.95
धरोहर राशि	71.60	72.06
रिटेंशन	30.03	32.21
सुरक्षा जमा (अन्य)	270.06	260.12
सुरक्षा जमा (वापसी योग्य– ब्रिज कार्यक्रम)	3.95	7.71
कुल	**2740.17**	**2534.08**

अनुलग्नक 7: अन्य वैधानिक दायित्व

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
ईपीएफ देय	132.27	132.53
सीपीएफ	11.84	11.54
जीपीएफ (अग्रिम की रिकवरी)	3.22	0.37
जीपीएफ (अग्रिम की रिकवरी)	0.20	0.00
वीपीएफ	5.98	5.81
जीएलआईएस	0.65	0.98
ई डीएल आई देय	0.00	0.13
व्यावसायिक कर देय	1.27	0.91
सेवा कर देय	0.00	0.00
वेतन पर टीडीएस	75.94	56.93
ठेकेदार पर टीडीएस	53.18	80.92
प्रोफेशनल सर्विस पर टीडीएस	29.25	21.06
किराये पर टीडीएस	2.82	4.56
अन्य पर टीडीएस	2.88	0.57
अन्य वैधानिक कर और शुल्क	-0.04	5.37
सीजीईजीआईएस देय	0.23	0.03
सीजीएचएस देय	0.10	0.12
आवास लाइसेंस शुल्क	0.12	0.13
वैट देय	0.00	0.00
नियमित संकाय/कर्मचारी पर टीडी एस	0.00	0.27
टीडीएस पर शिक्षा उप–कर	0.00	0.01
एनपीएस कर्मचारी योगदान	0.65	0.13
एनपीएस नियोक्ता योगदान	0.74	1.47
जीएसटी सीजीएसटी देय	15.90	17.75
जीएसटी एसजीएसटी देय	15.90	17.75
जीएसटी आईजीएसटी देय	13.97	8.36
जीएसटी यूटीजीएसटी देय	0.00	0.00
जीएसटी मुआवजा उपकर	0.00	0.01
टीडीएस सीजीएसटी देय	6.21	8.30
टीडीएस एसजीएसटी देय	6.19	8.30
टीडीएस आईजीएसटी देय	4.60	5.49
ईपीएफ सरकार शेयर देय (कार्मिक)	0.52	0.00
टीसीएस देय	-0.02	-0.02
ग्रेच्युटी भुगतान देय	5.41	0.00
कुल	**389.98**	**389.79**

अनुलग्नक 8: अन्य चालू देयताएं

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
वेतन देय	714.56	792.41
मकान किराया भत्ता	2.84	0.99
अतिथि संकाय को देय राशि	108.61	97.58
एलआईसी वेतन बचत योजना देय	1.65	1.64
वेतन वसूली योग्य कोर्ट, लोन आदि	1.56	0.34
देय पी अल आई	0.00	0.00
अग्रिम आय प्राप्त हुई	26.07	74.86
देय छात्रवृत्ति और पुरस्कार राशि	267.17	125.49
क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला भुवनेश्वर	0.00	0.00
क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला कोलकत्ता	0.00	0.00
क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला चेन्नई	0.00	0.00
छात्र बीमा दावा देय	0.23	0.23
पुराने चेक	47.78	55.77
आईआरएस (एसो)	0.00	0.00
क्लस्टर पहल (एमओटी)	1.25	4.32
क्लस्टर पहल हथकरघा	18.64	29.66
क्लस्टर पहल हस्तशिल्प	6.59	9.34
ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट हस्तशिल्प (एमओटी)	33.13	24.45
स्नातक परियोजना हथकरघा (एमओटी)	0.53	1.74
निफ्ट डिजाइन सेंटर (एनसीडीपीडी)	0.00	0.00
कर्मचारी दान देय	0.27	1.74
कुल	**1230.88**	**1220.56**

अनुलग्नक 9: ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान	56.44	2.78
कर्मचारी समूह ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान	0.00	21.83
कुल	**56.44**	**24.61**

अनुलग्नक 10: अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
अवकाश नकदीकरण का प्रावधान	48.37	53.56
कर्मचारी समूह अवकाश नकदीकरणके लिए प्रावधान	4460.88	3927.48
कुल	**4509.25**	**3981.04**

अनुलग्नक 11: डब्ल्यूआईपी

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
डब्लूआईपी के लिए प्रावधान	271.05	248.36
कुल	**271.05**	**248.36**

अनुलग्नक 12: अन्य प्रावधान

राशि (लाख रुपए में)

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
पेंशन के लिए प्रावधान	-0.07	-0.07
एलएससी के लिए प्रतिनियुत के लिये प्रावधान	34.87	23.00
विक्रेता व्यय के लिए प्रावधान	797.11	1149.20

सी ई कार्यक्रम के लिए प्रावधान	90.43	147.34
खराब और संदिग्ध कर्ज के लिए प्रावधान	63.75	62.33
वैधानिक/आंतरिक/कैग ऑडिट फीस के लिए प्रावधान	21.40	15.98
स्टाफ खर्च के लिए प्रावधान	405.59	422.34
सीपीडब्लूडी कार्यों के लिए प्रावधान	0.00	0.00
कुल	**1413.09**	**1820.12**

अनुलग्नक 13 : इनवेंटरी **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
अंतिम शेष इनवेंटरी	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**

अनुलग्नक 14 : विविध देनदार **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
पक्षों से वसूल करने योग्य राशि	95.13	71.43
एमओटी से पुनर्प्राप्त करने योग्य	13.09	1008.25
परियोजनासे वसूल की गई राशि	24.40	24.51
राज्य सरकार से पुनर्प्राप्त करने योग्य राशि	244.21	411.19
मार्जिन मनी	0.00	0.00
सीपीडब्लूडीजमा कार्य	93.65	284.66
अन्य से वसूल की गई राशि	606.06	443.50
कर्मचारियों से वसूल की जाने वाली राशि	17.52	4.55
छात्रों से वसूली योग्य राशि	1252.20	463.86
क्लस्टर पहल हैंडलूम प्राप्य	66.01	51.42
क्लस्टर पहल हस्तशिल्प प्राप्य	158.75	126.05
कुल	**2571.03**	**2889.39**

अनुलग्नक 15: हाथ में नकदी **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
हाथ में नकदी	1.01	1.76
कुल	**1.01**	**1.76**

अनुलग्नक 16 : जमा खाता **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
यूबीआई के साथ सावधि जमा	41515.51	29724.72
एक्सिस बैंक के साथ सावधि जमा	2671.50	5559.70
एचडीएफसी बैंक के साथ सावधि जमा	0.00	0.00
आईडीबीआई बैंक के साथ सावधि जमा	3690.77	4526.11
अन्य बैंकों के साथ सावधि जमा	3317.65	4263.26
सावधि जमा (अक्षय कोष)	16312.66	16787.11
सावधि जमा (सामान्य कोष)	14320.52	14023.46
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–बेंगलुरू	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–भोपाल	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–भुवनेश्वर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–चेन्नई	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–दिल्ली	79.84	75.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–गाँधीनगर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–हैदराबाद	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–जोधपुर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–कांगड़ा	0.00	0.00

सावधि जमा/निवेश–ईएफ–कन्नूर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–कोलकाता	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–मुंबई	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–पटना	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–रायबरेली	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–शिलांग	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–श्रीनगर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–मुख्यालय	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश–ईएफ–पंचकुला	31.98	103.55
सावधि जमा निवेश–विभाग विकास कोष	876.26	671.98
सावधि जमा निवेश –निफ्ट विकास कोष	100.32	371.25
सावधि जमा निवेश–पूर्व छात्र संघ कोष	28.34	25.06
निफ्ट सामान्य कोष	0.00	0.00
कुल	**82945.36**	**76131.20**

अनुलग्नक 17: बैंक खाते **रराशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
यू बी आई	52409.14	42780.98
एस बी आई	22.67	15.47
ऐक्सिस बैंक	212.32	136.14
आईडीबीआई बैंक	884.12	0.14
एचडीएफसी बैंक	0.00	0.00
एस एसबीजे बैंक	129.95	212.12
अन्य कोई बैंक	0.00	9.45
बैंक अक्षय निधि	5.36	2.15
अन्य बैंकों के साथ सावधि जमा	0.00	0.00
कुल	**53663.56**	**43156.45**

अनुलग्नक 18 : स्टाफ ऋण **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
त्योहार अग्रिम– मुख्यालय	2.11	0.00
त्योहार अग्रिम– दिल्ली	-0.01	0.00
त्योहार अग्रिम– कोलकाता	0.48	0.00
त्योहार अग्रिम– चेन्नई	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– हैदराबाद	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– मुंबई	2.40	0.00
त्योहार अग्रिम– गाँधीनगर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– बेंगलुरू	1.50	0.00
त्योहार अग्रिम– रायबरेली	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– शिलांग	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– पटना	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– कन्नूर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– भोपाल	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– कांगड़ा	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– भुवनेश्वर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– गाँधीनगर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम– श्रीनगर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – मुख्यालय	0.67	0.87
कम्प्यूटर अग्रिम – दिल्ली	-0.08	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – कोलकाता	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – चेन्नई	0.00	0.00

कम्प्यूटर अग्रिम – हैदराबाद	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – मुंबई	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – गाँधीनगर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – बेंगलुरू	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – रायबरेली	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – शिलांग	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – पटना	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – कन्नूर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – भोपाल	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – कांगड़ा	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – भुवनेश्वर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – जोधपुर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम – श्रीनगर	0.00	0.00
कम्प्यूटरअग्रिम – मुख्यालय	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – दिल्ली	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – कोलकाता	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – चेन्नई	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – हैदराबाद	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – मुंबई	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – गाँधीनगर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – बेंगलुरू	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – रायबरेली	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – शिलांग	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – पटना	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – कन्नूर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – भोपाल	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – कांगड़ा	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – भुवनेश्वर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – गाँधीनगर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम – श्रीनगर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – मुख्यालय	0.24	0.24
मोटर कार अग्रिम – दिल्ली	0.38	0.54
मोटर कार अग्रिम – कोलकाता	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – चेन्नई	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – हैदराबाद	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – मुंबई	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – गाँधीनगर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – बेंगलुरू	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – रायबरेली	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – शिलांग	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – पटना	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – कन्नूर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – भोपाल	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – कांगड़ा	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – भुवनेश्वर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम – जोधपुर	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – मुख्यालय	2.63	2.79
एच बी ए अग्रिम – दिल्ली	-0.45	-0.14
एच बी ए अग्रिम – कोलकाता	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – चेन्नई	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – हैदराबाद	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – मूंबई	0.00	0.00

एच बी ए अग्रिम – गाँधीनगर	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – बेंगलुरू	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – रायबरेली	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – शिलांग	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – पटना	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – कन्नूर	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – भोपाल	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – कांगड़ा	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – भुवनेश्वर	0.00	0.00
एच बी ए अग्रिम – जोधपुर	0.00	0.00
कुल	**9.86**	**4.30**

अनुलग्नक 19 : पूंजीगत खातों पर अग्रिम **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
ठेकेदारों को अग्रिम	207.24	552.93
निर्माण एजेंसी को अग्रिम	5749.73	4012.31
कुल	**5956.97**	**4565.24**

अनुलग्नक 20 : पूर्व भुगतान **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
पूर्व भुगतान बीमा	72.57	57.08
पूर्व भुगतान ए एम सी शुल्क	1.02	5.90
पूर्व भुगतान अन्य	85.20	96.58
कुल	**158.79**	**159.56**

अनुलग्नक 21: सुरक्षा जमा भुगतान **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
हाल की बुकिंग के लिए सुरक्षा जमा भुगतान	1.01	4.01
पेट्रोल की आपूर्ति के लिए सुरक्षा जमा भुगतान	2.05	2.05
बिजली बोर्ड को सुरक्षा जमा भुगतान	163.66	157.60
टेलिफोन के लिए भुगतान	5.49	5.33
अन्य सुरक्षा जमा भुगतान	95.54	85.65
कुल	**267.75**	**254.64**

अनुलग्नक 22: स्टाफ अग्रिम **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
एल टी सी अग्रिम – मुख्यालय	0.00	0.00
एल टी सी अग्रिम – दिल्ली	0.00	0.00
एल टी सी अग्रिम – कोलकाता	0.36	0.00
एल टी सी अग्रिम – चेन्नई	0.00	0.47
एल टी सी अग्रिम – हैदराबाद	1.43	0.00
एल टी सी अग्रिम – मुंबई	0.56	0.00
एल टी सी अग्रिम – गाँधीनगर	0.00	0.13
एल टी सी अग्रिम – बेंगलुरू	0.00	0.00
एल टी सी अग्रिम – रायबरेली	0.06	0.00
एल टी सी अग्रिम – शिलांग	0.00	0.00
एल टी सी अग्रिम – पटना	3.16	0.56
एल टी सी अग्रिम – कन्नूर	0.00	0.00
एल टी सी अग्रिम – भोपाल	0.00	0.00

एल टी सी अग्रिम – कांगड़ा	0.20	0.44
एल टी सी अग्रिम – भुवनेश्वर	0.01	0.35
एल टी सी अग्रिम – जोधपुर	0.95	1.02
एल टी सी अग्रिम – श्रीनगर	0.00	0.00
एल टी सी अग्रिम – पंचकुला	0.00	0.00
एल टी सी अग्रिम	0.62	1.38
अन्य अग्रिम – मुख्यालय	19.88	22.50
अन्य अग्रिम – दिल्ली	5.15	5.34
अन्य अग्रिम – कोलकाता	1.03	1.52
अन्य अग्रिम – चेन्नई	0.01	0.88
अन्य अग्रिम – हैदराबाद	0.10	0.81
अन्य अग्रिम – मुंबई	0.05	2.61
अन्य अग्रिम – गाँधीनगर	0.15	0.68
अन्य अग्रिम – बेंगलुरू	0.00	0.04
अन्य अग्रिम – रायबरेली	0.35	0.19
अन्य अग्रिम – शिलांग	0.80	0.38
अन्य अग्रिम – पटना	3.06	13.09
अन्य अग्रिम – कन्नूर	0.00	10.75
अन्य अग्रिम – भोपाल	0.05	1.42
अन्य अग्रिम – कांगड़ा	2.36	5.30
अन्य अग्रिम – भुवनेश्वर	1.12	3.68
अन्य अग्रिम – जोधपुर	1.24	4.97
अन्य अग्रिम – श्रीनगर	1.37	4.88
अन्य अग्रिम – पंचकुला	0.26	0.36
मेडिकल अग्रिम	30.08	32.52
कुल	**74.40**	**116.27**

अनुलग्नक 23: परियोजना के लिए अग्रिम **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
परियोजना के लिए अग्रिम	792.82	55.99
परियोजना कार्य प्रगति पर	242.68	228.85
कुल	**1035.49**	**284.84**

अनुलग्नक 24: अन्य अग्रिम **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
पार्टियों को अग्रिम	50.79	155.55
अग्रिम किराया	1.67	1.67
अपूर्तकों को अग्रिम	8.15	19.92
सेवा प्रदाताओं को अग्रिम	15.43	13.11
छात्रों को अग्रिम	16.26	15.61
लैपटॉप के लिए ब्याज मुक्त कर	18.94	12.76
कुल	**111.24**	**218.63**

अनुलग्नक 25: सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज	2365.83	1876.76
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–बेंगलुरू	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–भोपाल	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–भुवनेश्वर	0.00	0.00

सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–चेन्नई	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–दिल्ली	0.98	1.56
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–गाँधीनगर	430.96	158.20
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–हैदराबाद	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–बेंगलुरू	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–कांगड़ा	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–कन्नूर	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–कोलकाता	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–मुंबई	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–पटना	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–रायबरेली	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–शिलांग	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–श्रीनगर	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ–मुख्यालय	0.00	0.00
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज/निवेश ईएफ– पंचकुला	0.00	0.00
कुल	**2797.78**	**2036.52**

अनुलग्नक 26: अन्य उपार्जित ब्याज **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
करमचारी से प्राप्य ब्याज	0.00	0.00
अन्य से प्राप्य ब्याज	3.32	0.10
कुल	**3.32**	**0.10**

अनुलग्नक 27: प्राप्य दावें **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
2010–11 तक प्राप्य टीडीएस	23.03	23.03
2011–12 तक प्राप्य टीडीएस	7.16	0.18
2012–13 तक प्राप्य टीडीएस	0.33	0.33
2013 –14 तक प्राप्य टीडीएस	4.90	4.90
2014 –15 तक प्राप्य टीडीएस	1.87	1.87
2016 –17 तक प्राप्य टीडीएस	1.12	1.12
2017 –18 तक प्राप्य टीडीएस	-12.15	38.90
जी एस टी निवेश	16.44	42.28
जी एस टी निवेश	11.97	12.03
जी एस टी निवेश	11.96	12.02
जीएसटी रिवर्स चार्ज	0.20	0.20
जीएसटी रिवर्स चार्जसी जी एस टी	-1.84	-1.70
जीएसटी रिवर्स चार्ज एस जी एस टी	-1.84	-1.70
जीएसटी रिवर्स चार्ज आई जी एस टी	0.00	0.00
जीएसटी रिवर्स चार्ज यूटी जी एस टी	0.00	0.00
सेवा कर प्राप्य	0.00	0.00
अन्य कर (प्राप्य)	30.72	61.13
टी डी एस – प्राप्य सीजीएसटी (2018–19)	18.51	38.76
टी डी एस – प्राप्य एसजीएसटी (2018–19)	0.16	0.50
टी डी एस – प्राप्यआई जी एस टी (2018–19)	0.16	0.50
टी डी एस – प्राप्य यूटीजीएसटी (2018–19)	0.00	0.00
टी डी एस – प्राप्य (2019–20)	53.70	53.69
टी डी एस – प्राप्य सीजीएसटी (2019 –20)	0.00	0.01
टी डी एस – प्राप्य एसजीएसटी (2019 –20)	0.00	0.01
टी डी एस – प्राप्य आईजीएसटी (2019 –20)	0.00	0.00

टी डी एस – प्राप्य (2020–21)	9.46	0.00
टी डी एस – प्राप्य सीजीएसटी (2020–21)	0.00	0.00
टी डी एस – प्राप्य एसजीएसटी (2020–21)	14.05	0.00
टी डी एस – प्राप्य आईजीएसटी (2020–21)	0.00	0.00
टी डी एस – प्राप्य (2021–22)	0.06	0.00
टी डी एस – प्राप्य सीजीएसटी (2021–22)	0.00	0.00
टी डी एस – प्राप्य एसजीएसटी (2021–22)	0.00	0.00
टी डी एस – प्राप्य आईजीएसटी (2021–22)	0.00	0.00
कुल	**189.98**	**288.06**

अनुलग्नक 28: अंतर परिसरीय **राशि राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
निफ़्ट मुख्यालय	2487.25	2414.82
निफ़्ट बेंगलुरू	-975.73	-994.38
निफ़्ट भोपाल	138.39	142.50
निफ़्ट भूबनेश्वर	214.66	192.52
निफ़्ट चेन्नई	281.27	282.82
निफ़्ट गांधीनगर	-755.31	-785.22
निफ़्ट हैदराबाद	-545.50	-562.43
निफ़्ट जोधपुर	404.01	395.16
निफ़्ट कांगडा	198.49	205.39
निफ़्ट कानपुर	4.98	50.45
निफ़्ट कोलकत्ता	-809.06	-807.47
निफ़्ट मुंबई	282.77	275.68
निफ़्ट दिल्ली	-1737.99	-1597.91
निफ़्ट पटना	388.60	383.66
निफ़्ट शिलांग	125.68	127.64
निफ़्ट रायबरेली	106.85	98.92
निफ़्ट परियोजना सेल	70.47	74.28
निफ़्ट श्रीनगर	108.85	95.56
निफ़्ट सूरत एक्स्टेंशन	0.00	0.00
निफ़्ट मुख्यालय समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट	-263.97	-360.56
निफ़्ट पंचकुला	11.81	8.25
कुल	**-263.47**	**-360.32**

अनुलग्नक 29: निवेश **राशि (लाख रुपए में)**

विवरण	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
निवेश	0.00	0.00
एल आई सी समूह ग्रेच्युटी कोष	0.00	0.00
एल आई सी समूह अवकाश नकदीकरण कोष	4702.80	4162.64
कुल	**4702.80**	**4162.64**

अमित अग्रवाल एंड कंपनी
सनदी लेखाकार, (सीए)
लखनऊ, चंडीगढ़,
गाजियाबाद, पटना

दूसरी मंजिल, रामदिरी हाउस
दादी जी लेन, बोरिंग रोड
पटना –800001, बिहार

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

निफ्ट कर्मचारियों की समूह ग्रैच्युटी ट्रस्ट के न्यासियों के लिए

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने इसके साथ संलग्न निफ्ट कर्मचारियों की समूह ग्रैच्युटी ट्रस्ट ('ट्रस्ट') के वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र, आय और व्यय खाता और वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान खाता और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकरण संबंधी जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

ट्रस्ट का प्रबंधन, ट्रस्ट के वित्तीय प्रदर्शन के अनुसार भारत के सनदी लेखाकार द्वारा जारी गैर–कॉर्पोरेट संस्थाओं पर लागू लेखा मानक के अनुसार ट्रस्ट का वित्तीय प्रदर्शन आम तौर पर भारत में स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए जिम्मेदार है, जो वित्तीय स्थिति का सही ओर निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते है। इस जिम्मेदारी में वित्तीय कथन की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन ओर रखरखाव शामिल है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार प्रस्तुत करता है और धोखाधड़ी या त्रृटि के कारण भौतिक गलतफहमी से मुक्त होता है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों की हमारी ऑडिट (लेखा परीक्षा) के आधार पर एक राय व्यक्त करने की है। हमने भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा का आयोजन किया है। इन मानको की आवश्यकता है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें तथा ऑडिट (लेखा परीक्षा) करें ताकि तार्किक आश्वासन प्राप्त कर सकें कि वित्तीय विवरण तथ्यात्मक गलतबयानी से मुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों में वर्णित राशियों और खुलासे से संबंधित लेखा परीक्षा साक्ष्य जुटाने के लिए प्रक्रिया का निष्पादन करना लेखा परीक्षा में शामिल है। चयन की गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करती हैं जिसमें, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों में तथ्यात्मक गलतबयानी के मूल्यांकन का जोखिम शामिल है। उन जोखिमों के मूल्यांकन में ट्रस्ट द्वारा तैयार किए गए वित्तीय विवरण जो एक सच्ची और निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, के प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण पर लेखा परीक्षक विचार करते हैं ताकि परिस्थितियों के अनुरुप उपयुक्त लेखा परीक्षा की प्रक्रिया को तैयार कर सकें। लेखा परीक्षा में मूल्यांकन की उपयुक्तता अथवा प्रयोग की गई लेखाकरण नीतियां और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करने के साथ साथ वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतिकरण का समग्र मूल्यांकन भी शामिल है।

हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य जुटाए हैं, वे वित्तीय विवरणों पर हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

अभिमत

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के लिए और उपरोक्त स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त वित्तीय विवरण भारत में आमतौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं;

क) 31 मार्च, 2021 को ट्रस्ट की स्थिति की तुलन पत्र के मामले में;

ख) यह उसी तरीख को समाप्त वर्ष के लिए ट्रस्ट के आय और व्यय खाते में हानि के मामले में; तथा

ग) उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ट्रस्ट के प्राप्तियां और भुगतान खाते के मामले में।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

हम रिपोर्ट करते हैं कि :

क) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के लिए हैं हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ख) हमारी राय में, विधि द्वारा आवश्यक खाते की उचित बहियाँ ट्रस्ट द्वारा अब तक रखी गई हैं जैसा कि उन बहियों की हमारी परीक्षा से प्रकट होता है।

ग) तुलन पत्र, आय और व्यय खाता, प्राप्ति और भुगतान खाता ओर इस रिपोर्ट द्वारा ऑडिट की गई खाते की पुस्तकों के सम्मत है।

घ) हमारी राय में, आय और व्यय खाता और प्राप्तियाँ और भुगतान खाता, भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी गैर–कॉर्पोरेट संस्थाओं पर लागू लेखा मानक का अनुपालन करते हैं।

ड.) उपर्युक्त के अलावा, हम रिपोर्ट करते हैं कि निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट को आयकर विभाग से अलग पैन प्राप्त करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह इकाई दिनांक 30 मार्च, 2017 के प्रमाणपत्र संख्या–डीआई 63927024439038पी के द्वारा इंडिया ट्रस्ट अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है।

अमित अग्रवाल एंड कंपनी के लिए
सनदी लेखाकार (सीए)

फर्म पंजीकरण सं.: 008359 सी

ह/–
(सी ए अंकित कुमार)
साझेदार
सदस्यता संख्या 432749
यूडीआईएनः 21432749AAAJS2158

दिनांकः 17 जुलाई 2021
स्थान : नई दिल्ली

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च 2021 का तुलन पत्र

राशि (लाख रुपए में)

देयताएं	चालू वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20	परिसंपत्तियाँ	चालू वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20
ग्रेच्युटी खाता (देयताएं)			**ग्रेच्युटी खाता (निवेश)**		
प्रारंभिक शेष	5,197.06	4,585.37	पीएवी निवेश का अंतिम शेष	5,203.27	4733.20
जोड़ें: देय योगदान	415.20	448.39	निफ्ट परिसरों से प्राप्य राशि	307.67	448.39
घटाएं: संबंधित इकाइयों से प्राप्त अंशदान हस्तांतरण	(231.46)	(137.85)	बैंक में शेष राशि	164.15	15.46
घटाएं: बीमांकिक रिपोर्ट के अनुसार समायोजन	(25.15)	(12.52)			
घटाएं: वर्ष के दौरान व्यय पर आय की अधिकता	319.44	313.66			
कुल	**5,675.09**	**5,197.06**	**कुल**	**5,675.09**	**5,197.06**

अमित अग्रवाल एंड कंपनी के लिए
सनदी लेखाकार (सीए)
फर्म पंजीकरण संख्या: 008359 सी

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
(सी ए अंकित कुमार)	शांतमनु	कर्नल अगेंद्र मुकुल	बी.के. पांडे	सदानंद जी स्वामी
साझेदार	महानिदेशक	निदेशक (मुख्यालय)	निदेशक (वि.एवं.ले.)	पंजीयक (स्थापना)
	निफ्ट			

सदस्यता संख्या 432749
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 17 जुलाई 2021
यूडीआईएन: 21432749AAAJS2158

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

राशि (लाख रुपए में)

व्यय	चालू वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20	आय	चालू वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20
प्रशासन और अन्य प्रभार			निवेश पर अर्जित/ उपार्जित ब्याज		
मोरटेलिटी चार्ज (एमओसी)	12.14	9.65	अवधि के लिए एमएफआर	24.71	22.53
पोल प्रशासन शुल्क (पीएसी)	0.96	0.84	अवधि के लिए ए आई आर	333.58	326.38
फंड प्रबंधन शुल्क	22.73	20.78	एलआईसी निवेश कोष पर ब्याज	1.99	0.00
एमओसी, पी ए सी और एफएमसी पर सेवा कर	6.45	5.63			
बैंक चार्ज	0.00	0.00	बैंक खाते पर अर्जित/उपार्जित ब्याज		
			यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	1.44	1.66
व्यय पर आय की अधिकता का तुलन पत्र में हस्तांतरण	319.44	313.66			
कुल	**361.71**	**350.56**	कुल	**361.71**	**350.56**

अमित अग्रवाल एंड कंपनी के लिए
सनदी लेखाकार (सीए)
फर्म पंजीकरण संख्याः 008359 सी

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
(सी ए अंकित कुमार)	शांतमनु	कर्नल अगेंद्र मुकुल	बी.के. पांडे	सदानंद जी स्वामी
साझेदार	महानिदेशक	निदेशक (मुख्यालय)	निदेशक (वि.एवं.ले.)	पंजीयक (स्थापना)
	निफ्ट			

सदस्यता संख्या 432749
स्थान : नई दिल्ली
दिनांकः 17 जुलाई 2021
यूडीआईएनः 21432749AAAJS2158

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च 2021 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

राशि (लाख रुपए में)

प्राप्ति	चालू वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20	भुगतान	चालू वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20
प्रारंभिक शेष	3,309.54	3,015.16	**भुगतान किया गया व्यय/शुल्क**		
निफ्ट परिसरों द्वारा वर्ष के दौरान ग्रेच्युटी ट्रस्ट को योगदान	414.30	545.21	एमओसी शुल्क	12.14	9.65
			पीएसी शुल्क	0.96	0.84
एलआईसी से प्राप्त किया दावा	188.25	132.64	एमओसी, पीएसी और एफएमसी पर सेवाकर	22.73	20.78
			निधि प्रबंध शुल्क	6.45	5.63
निवेश पर अर्जित/उपार्जित ब्याज			बैंक शुल्क	0.00	0.00
अवधि के लिए एमएफआर	1.99	0.00	एलआईसी ग्रेच्युटी ट्रस्ट को भुगतान	339.68	545.21
अवधि के लिए एआईआर	24.71	22.53	वर्ष के दौरान ग्रेच्युटी का दावा/भुगतान	188.25	151.92
बैंक खाता पर अर्जित/उपार्जित ब्याज	333.58	326.38	**अंतिम शेष** (निफ्ट द्वारा एलआईसी समूह ग्रेच्युटी निवेश में दिया गया अंशदान	3,703.60	3,309.54
पूर्व अवधि की आय	1.44	1.66			
कुल	**4,273.80**	**4,043.58**	कुल	**4,273.80**	**4,043.58**

अमित अग्रवाल एंड कंपनी के लिए
सनदी लेखाकार (सीए)
फर्म पंजीकरण संख्या: 008359 सी

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
(सी ए अंकित कुमार)	शांतमनु	कर्नल अगेंद्र मुकुल	बी.के. पांडे	सदानंद जी स्वामी
साझेदार	महानिदेशक	निदेशक (मुख्यालय)	निदेशक (वि.एवं.ले.)	पंजीयक (स्थापना)
	निफ्ट			

सदस्यता संख्या 432749
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 17 जुलाई 2021
यूडीआईएन: 21432749AAAJS2158

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की महत्पूर्ण लेखा नीतियां और टिप्पणियाँ

1. **वित्तीय विवरणों की तैयारी का आधारः**

   ट्रस्ट का वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत अवधारणा के तहत, संचय आधार और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी') तथा 'भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किया गया है।

2. **राजस्व मान्यताः**

   ट्रस्ट की आय लेखा मानक 9 के अनुसार मान्यता प्राप्त है और प्रोद्भवन आधार पर लेखा खातों में लेखांकित की गई है।

3. **निवेशः**

   एलआईसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार दीर्घकालिक निवेश को दर्शाया गया है। ट्रस्ट का निवेश भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की नई समूह ग्रेच्युटी कैश संचय योजना में किया गया है।

   ग्रेच्युटी योजना के अनुसार चालू वित्त वर्ष के निवेश मूल्य में निवेश पर अर्जित ब्याज को भी शामिल किया गया है (पुनर्निवेश)।

4. **निवेश पर ब्याजः**

   ट्रस्ट के निवेश में निवेश पर अर्जित ब्याज आय को पुनः निवेश किया गया है।

5. **व्ययः**

   एलआईसी द्वारा प्रस्तुत फंड विवरण के अनुसार व्यय को संचय आधार पर दर्शाया गया है।

   एलआईसी द्वारा प्रस्तुत बयान के अनुसार और आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लागू लेखा मानक 15 के अनुसार, अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बैलेंस शीट की तारीख को बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य के ग्रेच्युटी लाभ के आधार पर ट्रस्ट अपने दायित्व का लेखांकन करता है।

6. **कर्मचारी लाभ (ग्रेच्युटी):**

   एलआईसी द्वारा प्रस्तुत बयान के अनुसार और आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लागू लेखा मानक 15 के अनुसार, अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बैलेंस शीट की तारीख को बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य के ग्रेच्युटी लाभ के आधार पर ट्रस्ट अपने दायित्व का लेखांकन करता है।

7. **प्रावधान आकस्मिक देयताएं ओर आकस्मिक परिसंपत्तियांः**

   माप में पर्याप्त मात्रा में अनुमान लगाने वाले प्रावधान को मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरुप वर्तमान दायित्व उत्पन्न होता है और इस बात की प्रबंल संभावना रहती है कि संसाधनों का बहिर्वाह होगा। आकस्मिक देनदारियों को मान्य नहीं किया गया है बल्कि टिप्पणियों में खुलासा किया गया है। आकस्मिक परिसंपत्ति को न तो वित्तीय विवरणों में मान्यता प्रदान की गई है ओर न ही इनका खुलासा किया गया है।

8. वित्तीय विवरण में आंकड़े लाख रुपये में दिखाए गए हैं। इस उद्देश्य के लिए, आंकड़े दो दशमलव अंकों के साथ लाख में पूर्णांक किए गए हैं।

9. प्रस्तुत वर्ष के संबंधित आंकड़े वर्तमान वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप, जहां आवश्यक हो, फिर से समूहित किया गया है।

अमित अग्रवाल एंड कंपनी के लिए
सनदी लेखाकार (सीए)
फर्म पंजीकरण संख्याः 008359 सी

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए

ह./–	ह./–	ह./–	ह./–	ह./–
(सी ए अंकित कुमार)	शांतमनु	कर्नल अगेंद्र मुकुल	बी.के. पांडे	सदानंद जी स्वामी
साझेदार	महानिदेशक	निदेशक (मुख्यालय)	निदेशक (वि.एवं.ले.)	पंजीयक (स्थापना)
	निफ्ट			

सदस्यता संख्या 432749
स्थान : नई दिल्ली
दिनांकः 17 जुलाई 2021
यूडीआईएनः 21432749AAAJS2158

बेंगलुरु

सुश्री सुसन थॉमस, आईआरएस
परिसर निदेशक
प्रो डॉ. यथिन्द्रा
संयुक्त निदेशक (आई/सी)

निफ्ट परिसर
नंबर 21, 16वीं क्रॉसस्ट्रीट
27वीं मुख्य सड़क, सेक्टर 1
एचएसआर लेआउट, बेंगलुरु – 560 102
(कर्नाटक)
टेलि.: (080) 22552550 से 55
फैक्स: (080) 22552566

भोपाल

कर्नल सुब्रतो विश्वास
परिसर निदेशक
श्री अखिल सहाय
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
एम पी भोज (ओपन) विश्वविद्यालय
परिसर, कोलार रोड,
भोपाल– 462016 (एमपी)
टेलि.: (0755) 2493636/736
फैक्स: (0755) 2493635

भुवनेश्वर

श्री शोवन कृष्ण साहू, आईआरएस
परिसर निदेशक
डॉ गौतम साहा
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

निफ्ट परिसर
आईडीसीओ प्लॉट नंबर –24
केआईआईटी स्कूल ऑफ मैनेज़मेन्ट के
सामने
चंडका औद्योगिक एस्टेट,
भुवनेश्वर – 751024, ओडिशा
टेलि.: (0674) 2305700, 2305701
फैक्स: 0674–2305710

चेन्नई

प्रो डॉ. अनीता एम मनोहर,
परिसर निदेशक
श्री बी. नरसिम्हन
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर,
राजीव गांधी सलाई तारामणि,
चेन्नई – 600 113
तमिलनाडु
टेलि.: + 91–44–22542759
फैक्स: + 91–44–22542769

गांधीनगर

डॉ अजीत खरे
परिसर निदेशक
श्री पी.के.क्षा
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
जीएच – 0 रोड, इंफोसिटी के पीछे,
डी ए आई सी टीके पास
गांधीनगर –382007, गुजरात
टेलि.: (079) 23265000, 23240832,
23240834
फैक्स: (079) 23240772

हैदराबाद

श्री विजय कुमार मंत्री, आईएएस
परिसर निदेशक
श्री एल मदन कुमार रेड्डी
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

निफ्ट परिसर
हाइटेक सिटी के सामने,
साइबराबाद पोस्ट, माधापुर,
हैदराबाद –500 081 तेलंगाना
टेलि.: (040) 23110841/42/43, 23,110,630
फैक्स: (040) 23114536

जोधपुर

प्रो डॉ. जी. हरी शंकर प्रसाद
परिसर निदेशक
श्री अनिल कुमार
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
करवार, जोधपुर – 342 037, राजस्थान
टेलि.: (0291) – 2659558, 2659556
फैक्सः (0291) 2659556

कांगड़ा

श्री आकाश देवांगन, आईआरएस
परिसर निदेशक
श्री डी के रंगरा
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
छेब, कांगड़ा–176001,
हिमाचल प्रदेश
टेलि.: (01892) 263872
फैक्सः (01892) 260871

कन्नूर

डॉ पुनीत सूद
परिसर निदेशक
डॉ. भासकर के. एम
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
धर्मसला, मंगतुपरम्बा,
कन्नूर – 670 562 (केरल)
टेलि.: (0497) 2784780–86

कोलकाता

श्री शोवन कृष्ण साहू, आईआरएस
परिसर निदेशक (प्रभारी)
श्री बृजेश द्वेरे
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
प्लॉट नंबर 3 बी, ब्लॉक – एलए,
सेक्टर–3, साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता –700106, पश्चिम बंगाल
टेलि.: (033) 23358872, 23358351,
23357332
फैक्सः (033) 23355734

पंचकुला

प्रो डॉ. अमनदीप सिंह ग्रोवर
परिसर निदेशक

निफ्ट परिसर
सेक्टर 23, पंचकुला,
हरियाणा – 134109

पटना

श्री संजय श्रीवास्तव
परिसर निदेशक
श्री एस के झा
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
मीठापुर फार्म,
पटना –800001 (बिहार)
टेलि.: (0612) 2340032/64/54
फैक्सः (0612) 2360078, 2366835

रायबरेली

डॉ. भरत साह
परिसर निदेशक
श्री एन. एस. बोरा
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
दुरभाष नगर, सेक्टर–I,
रायबरेली– 229 010 (यूपी)
टेलि.: (0535) 2702422/31
फैक्स: (0535) 2702423/24/29

मुंबई

डॉ. पवन गोडियावाला
परिसर निदेशक
श्री खुशाल जांगिड़
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
प्लॉट नंबर 15, सेक्टर 4, खारघर,
नवी मुंबई – 410210 (महाराष्ट्र)
टेलि.: (022) 27747000, 27747100
फैक्स: (022) 27745386

नई दिल्ली

सुश्री मनीषा किन्नू, आईआरएस
परिसर निदेशक
श्री अमित कुमार सिंह
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर
हौज खास,
गुलमोहर पार्क के पास
नई दिल्ली – 110016
टेलि.: (011) 26867704, 26542149,
26542214
फैक्स:(011) 26542151

शिलांग

डॉ. अरिंदम दास
परिसर निदेशक
श्री एस. बासु
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

निफ्ट परिसर
उम्सावली, मावपत,
शिलांग – 793012, मेघालय
टेलि.: (0364) 2308815, 2308811

श्रीनगर

डॉ. जावीद अहमद वानी
परिसर निदेशक
श्री निसार अहमद भट्
कन्सलटेंट

निफ्ट परिसर
सिडको इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स,
रंगरेथ, श्रीनगर– 191132
(जम्मू और कश्मीर)
टेलि. 0914 2300994७95

बेंगलुरु | भोपाल | भुवनेश्वर | चेन्नई | गांधीनगर | हैदराबाद | जोधपुर | कांगड़ा |
कन्नूर | कोलकाता | मुंबई | नई दिल्ली | पंचकुला | पटना | रायबरेली | शिलांग |
श्रीनगर |

www.nift.ac.in

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

निफ्ट अधिनियम 2006 द्वारा शासित एक सांविधिक संस्थान
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार